

बिहार लोक सेवा आयोग

**BPSC**

प्रारंभिक परीक्षा-2021

सामान्य  
अध्ययन  
30 दिनों में

NCERT पर आधारित  
**वनलाइनर**

नवीनतम सॉल्ड पेपर सहित

बिहार लोक सेवा आयोग  
**BPSC**

प्रारंभिक परीक्षा-2021

सामान्य  
अध्ययन  
30 दिनों में

NCERT पर आधारित  
वनलाइनर

डॉ. एवं मिश्रा



**प्रभात  
एग्जाम**

[www.prabhatexam.com](http://www.prabhatexam.com)

- ❖ इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किए गए हैं। यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक अथवा मुद्रक उस सामग्री से संबंधित किसी व्यक्ति-विशेष अथवा संस्था को पहुँची क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
- ❖ प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इस पुस्तक की विषय-सामग्री को किसी भी रूप में फोटोस्टेट, इलेक्ट्रोस्टेट, टंकण, सुधार प्रक्रिया इत्यादि तरीकों से पुनः प्रयोग कर उसका संग्रहण, प्रसारण एवं वितरण पूर्णतः वर्जित है।
- ❖ सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।

प्रकाशक

## प्रभात एवजाम

4/19 आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

फोन— WXW}~ZZZ • WXW}~{{{ • WXW}~||| • हेल्पलाइन/ 📞 7827007777

ई-मेल : prabhatbooks@gmail.com ❖ वेब टिकाना : www.prabhatexam.com

सर्वाधिकार

सुरक्षित

संस्करण

2021

★

**BPSG PRARAMBHIK PARIKSHA-2021  
SAMANYA ADHYAYAN 30 DINON MEIN**

JHA EVAM MISHRA

# विषय-सूची

सॉल्व्ड पेपर-2020

1-32

## भाग 1: इतिहास 1

### प्रभाग (1) 3

1ला दिन प्राचीन भारत 3

### प्रभाग (2) 20

2रा दिन मध्यकालीन भारत 20

### प्रभाग (3) 36

3रा दिन आधुनिक भारत 36

4था दिन भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन 45

### प्रभाग (4) 56

5वां दिन विश्व इतिहास 56

6ठा दिन महान् व्यक्तित्व 72

## भाग 2: भारत एवं विश्व का भूगोल 83

### प्रभाग (1) 85

7वां दिन भारत का भूगोल 85

8वां दिन परिवहन 99

### प्रभाग (2) 113

9वां दिन ब्रह्मांड एवं सौरमंडल 113

10वां दिन भौगोलिक संरचना 122

11वां दिन महाद्वीप 133

12वां दिन विश्व के देश 142

## भाग 3: भारतीय राजनीति एवं अभिशासन 151

13वां दिन भारतीय संविधान और राजनीति 153

14वां दिन	प्रशासन	173
15वां दिन	पंचायती राज	183
16वां दिन	मूल अधिकार	191
17वां दिन	अंतर्राष्ट्रीय संगठन	205

#### **भाग 4: भारतीय अर्थव्यवस्था 227**

18वां दिन	वित्तीय, बैंकिंग व विदेशी व्यापार	229
19वां दिन	कृषि एवं उद्योग-धंधे	245
20वां दिन	भारत की जनगणना : 2011	258

#### **भाग 5: सामान्य विज्ञान 265**

21वां दिन	भौतिक विज्ञान	267
22वां दिन	रसायन विज्ञान	275
23वां दिन	जीव विज्ञान	283
24वां दिन	अंतरिक्ष	293
25वां दिन	आविष्कार/खोजें	300

#### **भाग 6: सूचना प्रौद्योगिकी 307**

26वां दिन	कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी	309
27वां दिन	दूरसंचार	317

#### **भाग 7: पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता 323**

28वां दिन	पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता	325
-----------	----------------------------------------	-----

#### **भाग 8: खेल परिदृश्य 335**

29वां दिन	खेल	337
-----------	-----	-----

#### **भाग 9: बिहार सामान्य ज्ञान 361**

30वां दिन	बिहार सामान्य ज्ञान	363
-----------	---------------------	-----

#### **भाग 10: परिशिष्ट: समसामयिक घटनाएं 375**

समसामयिक घटनाएं	377
-----------------	-----

# 65वीं, बिहार संयुक्त प्रतियोगिता (प्रा.)

## पुनर्परीक्षा-2020

### सामान्य अध्ययन

- विद्युत् धारा की इकाई है-
  - कूलम्ब
  - वोल्ट
  - वॉट
  - ऐम्पियर
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
- ISRO संक्षिप्त रूप है-
  - इंडियन सेटेलाइट रिसर्च  
ऑर्गेनाइजेशन का
  - इंडियन साइंटिफिक रिसर्च  
ऑर्गेनाइजेशन का
  - इंडियन स्पेस रिसर्च  
ऑर्गेनाइजेशन का
  - इंटरनैशनल साइंटिफिक रिसर्च  
ऑर्गेनाइजेशन का
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
- दृष्टि की खराबी 'निकट दृष्टि'  
को ..... के नाम से जाना जाता  
है।
  - हाइपरमेट्रोपिया
  - प्रेसबायोपिया
  - ग्लूकोमा
  - मोतियाबिन्द
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
- एक वस्तु का भार पृथ्वी की  
सतह पर मापने पर 100 N  
आता है। इसका भार चंद्रमा  
की सतह पर मापने पर कितना  
होगा?
  - 1.67 N
  - 100 N
  - 10 N
  - 16.7 N
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
- LED (प्रकाश उत्सर्जक डायोड)  
के संदर्भ में कौन-सा कथन  
गलत है?
  - LED प्रकाश स्रोत ऊर्जा की  
कम खपत करते हैं।
  - LED, प्रकाश-बल्बों से  
अधिक अवधि तक कार्य  
करते हैं।
  - LED में परा प्रयुक्त होता  
है जो मनुष्यों के लिए  
हानिकारक है।
  - LED का ट्रैफिक सिग्नल  
लाइटों में प्रयोग किया जाता है।
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
- सौर भट्ठी में प्रयुक्त होता है-
  - समतल दर्पण
  - अवतल दर्पण

- (c) उत्तल दर्पण  
(d) अवतल लेंस  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
7. सौर मंडल का सबसे चमकदार ग्रह कौन-सा है?
- (a) पृथ्वी  
(b) यूरेनस  
(c) नेपच्यून  
(d) शुक  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
8. अति सूक्ष्म वस्तुओं को देखने के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्रकाशिक उपकरण है-
- (a) माइक्रोस्कोप  
(b) इलेक्ट्रोस्कोप  
(c) स्पेक्ट्रोस्कोप  
(d) स्टेथोस्कोप  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
9. भारत द्वारा हाल ही में प्रक्षेपित किए गए अंतरिक्ष-यान चंद्रयान-2 के एक भाग लैंडर का नाम है-
- (a) विक्रम (b) प्रज्ञान  
(c) रोवर (d) सतीश  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
10. अल्ट्रासोनिक तरंगें-
- (a) 20 KHz से कम आवृत्ति की ध्वनि तरंगें हैं।  
(b) 20 KHz से ज्यादा आवृत्ति की ध्वनि तरंगें हैं।  
(c) 20 Hz और 20 KHz के बीच की आवृत्ति की ध्वनि तरंगें हैं  
(d) विद्युत-चुंबकीय तरंगें हैं  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
11. रसायन-विज्ञान के अनुसार, निम्न में से कौन-सा भौतिक परिवर्तन का एक उदाहरण है?
- (a) लोहे में जंग लगना  
(b) पानी का उबलना  
(c) लकड़ी का जलना  
(d) ताँबे के बरतनों पर हरे रंग का स्तर बनना  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
12. निम्न में से कौन-सा एक अलौह धात्विक खनिज है?
- (a) मैंगनीज  
(b) निकल  
(c) कोबाल्ट  
(d) टिन  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
13. ट्यूब लाइटों तथा परखनलियों में प्रयोग किया जाने वाला ग्लास किससे बनता है?
- (a) सिलिका  
(b) कैल्सियम कार्बोनेट  
(c) सोडियम कार्बोनेट  
(d) ग्लास के टुकड़े  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. निम्न में से किस धातु की विद्युत चालकता सबसे अधिक है?  
 (a) सोना  
 (b) रजत  
 (c) ताँबा  
 (d) लोहा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
15. पृथ्वी के वातावरण में सबसे प्रचुर मात्रा में पायी जाने वाली गैस है-  
 (a) हाइड्रोजन  
 (b) ऑक्सीजन  
 (c) कार्बन डाइऑक्साइड  
 (d) नाइट्रोजन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
16. ऐल्कोहॉल को कार्बोक्सिलिक अम्ल में परिवर्तित किया जा सकता है-  
 (a) मात्र ऑक्सिडेशन द्वारा  
 (b) मात्र रिडक्शन द्वारा  
 (c) एस्टरीफिकेशन तथा रिडक्शन दोनों द्वारा  
 (d) ऑक्सिडेशन तथा रिडक्शन दोनों द्वारा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
17. नाभिकीय रिएक्टर में नाभिकीय विखंडन से विद्युत उत्पन्न करने के लिए साधारणतः प्रयोग किया जाने वाला तत्व है-  
 (a) रेडियम  
 (b) प्लूटोनियम  
 (c) यूरेनियम  
 (d) ड्यूटेरियम  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
18. निम्न में से सबसे अच्छा अग्निशामक कौन-सा है?  
 (a) मिट्टी  
 (b) जल  
 (c) ऑक्सीजन  
 (d) कार्बन डाइऑक्साइड  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
19. फुलरीन अथवा बकीबॉल ..... कार्बन परमाणुओं का बना होता है-  
 (a) 20  
 (b) 40  
 (c) 45  
 (d) 50  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
20. अधिक ऊँचाईयों पर द्रवों का व्यवथनांक-  
 (a) बढ़ता है  
 (b) घटता है  
 (c) समान रहता है  
 (d) बढ़ने के बाद घटता है  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
21. निम्न में से कौन-सा कोशिका घटक कोशिका में दाखिल होने वाले जीवाणुओं को नष्ट करता है?  
 (a) राइबोसोम  
 (b) गॉल्जी बॉडी  
 (c) लाइसोसोम



- (d) अंतर्द्रव्यी जालिका  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
22. शरीर में लौह की कमी होने से क्या होता है?
- (a) रक्ताल्पता  
(b) स्कर्वी  
(c) हड्डियों में दुर्बलता  
(d) त्वचा के रोग  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
23. मानव शरीर का सामान्य तापमान होता है-
- (a) 99.6 °F  
(b) 97.4 °F  
(c) 98.6 °F  
(d) 95.6 °F  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
24. मानव शरीर के किस अंग में उपकला कोशिका पाई जाती है?
- (a) बाल  
(b) नाक  
(c) फेफड़ा  
(d) अग्न्याशय  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
25. आंत्रज्वर रोग मानव शरीर के किस अंग को प्रभावित करता है?
- (a) फेफड़ा  
(b) रीढ़ की हड्डी  
(c) शरीर के जोड़  
(d) आँत  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

26. कार्बनिक कृषि एक ऐसी कृषि प्रणाली है जिसमें-
- (a) उर्वरकों, शाकनाशियों तथा पीड़कनाशियों के रूप में रसायनों का अधिकतम प्रयोग किया जाता है।  
(b) कार्बनिक खादों, पुनर्चक्रित फॉर्म अपशिष्टों तथा जैवकारकों का अल्पतम मात्रा में प्रयोग किया जाता है  
(c) कार्बनिक खादों, पुनर्चक्रित फार्म अपशिष्टों तथा जैवकारकों का अधिकतम मात्रा में प्रयोग किया जाता है  
(d) दो अथवा दो से अधिक फसलों को एक ही खेत में एक साथ उगाते हैं  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
27. निम्न में से कौन-सी क्रिया पृथ्वी पर हो रहे कार्बन चक्र में ऑक्सीजन को बढ़ाती है?
- (a) श्वसन  
(b) ज्वालामुखी उद्भेदन  
(c) कार्बनिक पदार्थों का क्षय  
(d) प्रकाश-संश्लेषण  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
28. निम्न में से संवहनी पौधे को चुनिए-
- (a) काई  
(b) लिबरवर्ट  
(c) हॉर्नवर्ट  
(d) फर्न  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

29. निम्न में से जैविक उर्वरक का सही उदाहरण कौन-सा है?  
 I. माइकोरिज़ल फंगी  
 II. ब्लू-ग्रीन शैवाल  
 III. बैसिलस थुरिंजिएन्सिस  
 (a) केवल I  
 (b) केवल I तथा II  
 (c) केवल II  
 (d) केवल III  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
30. निम्न में से किस पौधे ने खाद्य सामग्री संग्रह करने के लिए अपने स्टेम को संशोधित किया है?  
 (a) अदरक (b) मूली  
 (c) चुकंदर (d) गाजर  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
31. 124वाँ संवैधानिक संशोधन संबंधित है-  
 (a) उच्च शिक्षा से  
 (b) आरक्षण से  
 (c) एन.आर.सी. से  
 (d) तीन तलाक से  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
32. जूलियन असांजे की नागरिकता है-  
 (a) ब्रिटिश  
 (b) अमेरिकन  
 (c) फ्रेंच  
 (d) ऑस्ट्रेलियन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
33. मानवाधिकार संरक्षण ( संशोधन ) अधिनियम, 2019 द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में सदस्यों की संख्या कितनी बढ़ाई गई है?  
 (a) एक  
 (b) दो  
 (c) तीन  
 (d) चार  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
34. हाल ही में, G-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया-  
 (a) ओसाका में  
 (b) पेरिस में  
 (c) नई दिल्ली में  
 (d) न्यूयार्क में  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
35. 'वरुण नौसैनिक अभ्यास' किया गया-  
 (a) भारत एवं चीन के बीच  
 (b) रूस एवं भारत के बीच  
 (c) भारत एवं यू.एस.ए. के बीच  
 (d) पाकिस्तान एवं चीन के बीच  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
36. भारतीय वायु सेना ने चार AH-64E अपाचे हेलिकॉप्टर का प्रथम बैच प्राप्त किया है-  
 (a) इज़राइल से  
 (b) फ्रांस से  
 (c) यू.एस.ए. से  
 (d) ब्रिटेन से  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

37. भारत के प्रथम लोकपाल का नाम है-
- (a) पी. सी. घोष  
(b) यू. यू. ललित  
(c) पी. सी. बनर्जी  
(d) राजीव कुमार  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
38. हाल ही में पारित तीन तलाक बिल, 2019 में अधिकतम कितनी अवधि की जेल की सजा का प्रावधान है?
- (a) चार वर्ष (b) तीन वर्ष  
(c) दो वर्ष (d) पाँच वर्ष  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
39. अनुच्छेद 35-A के प्रावधान को भारतीय संविधान में शामिल किया गया था-
- (a) 1947 में (b) 1950 में  
(c) 1953 में (d) 1954 में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
40. किस राज्य ने हाल ही में 'मॉब लिंचिंग एवं ऑनर किलिंग के विरुद्ध अधिनियम पारित किया है?
- (a) हरियाणा (b) बिहार  
(c) गुजरात (d) राजस्थान  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
41. भारत की पहली निजी ट्रेन का नाम है-
- (a) मरूधर (b) भुज  
(c) राजधानी (d) शताब्दी  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
42. T-20 शारीरिक विकलांगता विश्व क्रिकेट सीरीज़, 2019 की ट्रॉफी का विजेता है-
- (a) इंग्लैंड (b) नेपाल  
(c) भारत (d) बांग्लादेश  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
43. माननीय न्यायाधीश श्री राकेश कुमार ने पटना उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में किस वर्ष में दायित्व संभाला?
- (a) 2009 (b) 2011  
(c) 2013 (d) 2015  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
44. दीपा मलिक किस खेल से संबंधित है?
- (a) हॉकी (b) क्रिकेट  
(c) कबड्डी (d) बेडमिंटन  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
45. भारत के नवनियुक्त कैबिनेट सचिव हैं-
- (a) राजीव गौबा  
(b) राजीव कुमार  
(c) पी. के. गोयल  
(d) राजीव महर्षि  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
46. वर्तमान में शक्सगाम घाटी है-
- (a) पाकिस्तान के शासन में  
(b) जापान के शासन में  
(c) भारत के शासन में  
(d) चीन के शासन में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

47. अरामको तेल कम्पनी किस देश से संबंधित है?  
 (a) ईरान (b) ओमान  
 (c) सऊदी अरब (d) यू.एस.ए.  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
48. वर्ष 2019 में आर. के. सिंह ने बिहार के किस निर्वाचन-क्षेत्र से लोक सभा सीट जीती?  
 (a) बेगूसराय  
 (b) बक्सर  
 (c) आरा  
 (d) पटना साहिब  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
49. बिहार से केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री का नाम है-  
 (a) आर. के. सिंह  
 (b) नित्यानन्द राय  
 (c) अश्विनी कुमार  
 (d) आर. वी. पासवान  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
50. अर्जुन पुरस्कार किस वर्ष से प्रारंभ हुआ?  
 (a) 1989 (b) 1997  
 (c) 1961 (d) 1899  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
51. वर्ष 2022 में G-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी कौन-सा देश करेगा?  
 (a) नेपाल (b) रूस  
 (c) ब्रिटेन (d) जापान  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
52. हाल ही में अपने नये जॉब ट्रैकमैन के रूप में धनबाद में दायित्व ग्रहण करने वाले आई. आई.टी. बॉम्बे के स्टूडेंट का क्या नाम है?  
 (a) राजीव कुमार  
 (b) रवि शंकर  
 (c) शशि कुमार  
 (d) श्रवण कुमार  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
53. भागीरथी देवी को किस क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार जनवरी 2019 में दिया गया?  
 (a) खेल  
 (b) अभिनय  
 (c) सार्वजनिक मामले  
 (d) कृषि  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
54. 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार किसने जीता?  
 (a) आदित्य सिंह  
 (b) आदित्य धर  
 (c) करण जौहर  
 (d) अनिल कपूर  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
55. भारत, रूस को सुदूर पूर्व के विकास के लिए कितने बिलियन डॉलर देगा?  
 (a) चार (b) एक  
 (c) पाँच (d) दो  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

56. राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2018 के लिए बिहार से चयनित शिक्षक श्री पणू हरिजन किस विद्यालय से हैं?

- (a) केन्द्रीय विद्यालय
- (b) माइकल स्कूल
- (c) दिल्ली पब्लिक स्कूल
- (d) कुल्हरिया स्कूल
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

57. रोमिला थापर है-

- (a) चिकित्सक
- (b) अभियन्ता
- (c) इतिहासकार
- (d) अर्थशास्त्री
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

58. हांग-कांग में अख़्त्रेला प्रदर्शनकारियों की मुख्य माँग थी-

- (a) आरक्षण
- (b) स्वतंत्रता
- (c) मूल अधिकार
- (d) आर्थिक उन्नति
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

59. रमन मैग्सेसे पुरस्कार, 2019 के लिए किस भारतीय को चुना गया है?

- (a) राजेन्द्र सिंह
- (b) रवीश कुमार
- (c) राम शरण अग्रवाल
- (d) प्रवेश कुमार
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60. 'मेघदूत ऐप' जो कि भारत सरकार द्वारा लॉन्च किया गया है, सम्बन्धित है-

- (a) कृषि से
- (b) चिकित्सा विज्ञान से
- (c) शिक्षा से
- (d) पेंशन से
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

61. निम्न कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?

- I. हड़प्पा का उत्खनन 1921 में किया गया था।
- II. वर्तमान में, हड़प्पा पाकिस्तान में है।
- III. हड़प्पा व्यास नदी के किनारे था।
- IV. हड़प्पा के उत्खननकर्ता आर.डी. बनर्जी थे।
- V. छत्र वाला ताम्र-रथ हड़प्पा से मिला है।

- (a) केवल I और II
- (b) केवल I, II और V
- (c) केवल II और IV
- (d) केवल I, II, III और IV
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

62. निम्न में से कौन-सी सप्त-सैंधव में समाविष्ट नहीं थी?

- (a) झेलम
- (b) चिनाब
- (c) रावी
- (d) साबरमती
- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

63. चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को बख्शिश के रूप में क्या दिया था?

- (a) 500 युद्धक हाथी
- (b) 1000 अश्व
- (c) 2000 बैल
- (d) 4000 गाय

- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
64. निम्न में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?  
(लेखक) (पुस्तक)  
(a) दंडी दशकुमारचरित  
(b) विष्णु शर्मा पंचतंत्र  
(c) आर्यभट्ट वृहत्संहिता  
(d) भास स्वप्नवासवदत्ता  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
65. विग्रहराज IV ने अजमेर की 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा' नामक मस्जिद के पहले किसका निर्माण किया था?  
(a) कॉलेज (b) मंदिर  
(c) गरीबखाना (d) धर्मशाला  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
66. निम्न कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?  
I. कल्हण का ग्रंथ राजतरंगिणी संस्कृत में है।  
II. इब्न बतूता को दिल्ली का काज़ी नियुक्त किया गया था।  
III. अब्दुल हमीद लाहोरी का पादशाहनामा शाहजहाँ के शासन के बारे में है।  
IV. अमीर खुसरो सितार का आविष्कारक था।  
V. हमीदा बानु बेगम ने हुमायूँनामा लिखा था।  
(a) केवल I और III  
(b) केवल I, II, III और IV  
(c) केवल II, III और V  
(d) केवल I, II, III, IV और V  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
67. किसने भारत में सूफी के चिश्ती संप्रदाय की स्थापना की थी?  
(a) बाबा फरीद  
(b) शेख बहाउद्दीन ज़कारिया  
(c) मोइनुद्दीन चिश्ती  
(d) ख्वाजा बाकी बिल्ला  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
68. शिवाजी के शासन-तंत्र में विदेश मंत्री \_\_\_\_\_ के नाम से जाना जाता था।  
(a) सचिव (b) मंत्री  
(c) अमात्य (d) सुमंत  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
69. किसकी सहायता से हैदर अली ने 1755 में डींडीगुल में एक आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की थी?  
(a) डच विशेषज्ञ  
(b) ब्रिटिश विशेषज्ञ  
(c) स्पैनिश विशेषज्ञ  
(d) फ्रेंच विशेषज्ञ  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
70. पुर्तगालियों की प्रथम फैक्ट्री भारत में कहाँ स्थापित की गई थी?  
(a) सूरत (b) गोवा  
(c) कालीकट (d) चन्द्रनगर  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
71. मद्रास में रैयतवाड़ी पद्धति को किसने प्रारंभ किया था?

- (a) लॉर्ड कॉर्नवालिस  
 (b) थॉमस मुनरो  
 (c) लॉर्ड विलियम बेंटिंक  
 (d) लॉर्ड वेलेजली  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
72. किसने कहा था कि "1857 की घटना का प्रारंभ धर्म के संघर्ष के रूप में हुआ था और उस घटना का अंत स्वतंत्रता संग्राम के रूप में हुआ"?
- (a) डॉ. एस. एन. सेन  
 (b) अशोक मेहता  
 (c) वी.डी. सावरकर  
 (d) डॉ. आर. सी. मजूमदार  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
73. किस वर्ष में एक भारतीय महिला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता बनी थी?
- (a) 1917 (b) 1918  
 (c) 1920 (d) 1924  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
74. निम्न कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?
- I. लियाक अली निजाम के एग्जेक्यूटिव कार्टिसिल के प्रेसीडेन्ट थे।  
 II. हैदराबाद के खिलाफ 'ऑपरेशन पोलो' 48 घंटे तक चला था।  
 III. कश्मीर राज्य ने इन्स्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेप्शन 15-08-1947 के दिन हस्ताक्षरित किए थे।  
 IV. शाह नवाज भुट्टो जूनागढ़ स्टेट के आखिरी दीवान थे।

V. के.एम. मुन्शी को भारत सरकार ने हैदराबाद में अपने एजेन्ट के रूप में नियुक्त किया था।

- (a) केवल I, IV और V  
 (b) केवल I, II और III  
 (c) केवल II, III और IV  
 (d) केवल I, II, III और IV  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

75. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था?

- (a) पाटलिपुत्र (b) सारनाथ  
 (c) गया (d) वैशाली  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

76. पाटलिपुत्र में बुलाई गई प्रथम जैन संगीति के अध्यक्ष कौन थे?

- (a) वसुमित्र (b) स्थिरमति  
 (c) स्थूलभद्र (d) सुधर्मन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

77. 1922 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गया अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे?

- (a) सी. आर. दास  
 (b) एस. पी. सिन्हा  
 (c) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद  
 (d) रासबिहारी बोस  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक

78. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में किसने बिहार के नील उगाने वालों का प्रश्न प्रस्तुत किया था?

- (a) राजकुमार शुक्ल  
 (b) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

- (c) जे. बी. कृपलानी  
 (d) संपूर्णानंद सिन्हा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
79. किस शासक ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र में स्थानांतरित की थी?  
 (a) बिंबिसार  
 (b) अजातशत्रु  
 (c) उदायिन  
 (d) चन्द्रगुप्त मौर्य  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
80. बिहार के किसानों ने किस आंदोलन में 'चौकीदारी कर' देने से इनकार कर दिया था?  
 (a) चंपारण सत्याग्रह  
 (b) असहयोग आंदोलन  
 (c) स्वदेशी आंदोलन  
 (d) सविनय अवज्ञा आंदोलन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
81. निम्न में से सबसे लंबी पर्वत शृंखला है-  
 (a) हिमालय (b) आल्पस  
 (c) रॉकी (d) हिंदुकुश  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
82. 'क्राल' एक प्रकार की निर्मित संरचना है-  
 (a) दक्षिणी अफ्रीका की  
 (b) दक्षिणी अमेरिका की  
 (c) पूर्वी यूरोप की  
 (d) पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
83. कौन-सा वैश्विक सम्मेलन, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी के लिए आयोजित वैश्विक समझौते की दिशा में पहला कदम था?  
 (a) वियना (1985)  
 (b) मॉन्ट्रियल (1987)  
 (c) रियो (1992)  
 (d) क्योटो (1997)  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
84. दुनिया के कुल बड़े बाँधों की संख्या का लगभग आधा हिस्सा किस देश में है?  
 (a) भारत  
 (b) रूस  
 (c) संयुक्त राज्य अमेरिका  
 (d) कनाडा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
85. विश्व का सबसे शुष्क रेगिस्तान है-  
 (a) सहारा  
 (b) सोनोरान  
 (c) टकलामकान  
 (d) अटाकामा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
86. तुमालपल्ले खदान, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा युरेनियम का भंडार माना जाता है, अवस्थित है-  
 (a) आंध्र प्रदेश में  
 (b) तमिलनाडु में  
 (c) कर्नाटक में  
 (d) केरल में  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक



87. जवाहर सुरंग का निर्माण निम्न में से किस दर्रे के अंतर्गत किया गया है?

- (a) शिपकी ला  
(b) बनिहाल दर्रा  
(c) बरालाचा ला  
(d) रोहतांग दर्रा  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

88. दक्कन ट्रेप पठार का गठन किस काल में हुआ था?

- (a) टर्शियरी (b) पर्मियन  
(c) क्रीटेसियस (d) ट्रायसिक  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

89. पश्चिमी घाट, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की पहाड़ियों और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में पाये जाने वाले वनों को चुनिए।

- (a) उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन  
(b) उष्णकटिबंधीय पतझड़ वन  
(c) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन  
(d) पर्वतीय वन  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

90. निम्न में से किस राज्य में वनों का विस्तार 75% से अधिक नहीं है?

- (a) मिज़ोरम (b) नागालैंड  
(c) मेघालय (d) मध्य प्रदेश  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

91. निम्न कथनों पर विचार कीजिए और सही की पहचान कीजिए—

- I. ग्रेटर हिमालय अपनी निरंतरता के लिए जाना जाता है।

II. निम्न हिमालय अपनी व्यापकता और अनुप्रस्थ घाटियों के लिए जाना जाता है।

III. शिवालिक, बाह्य हिमालय है जो उत्पत्ति में सबसे नवीनतम है।

- (a) केवल I और II  
(b) केवल II और III  
(c) केवल I और III  
(d) उपर्युक्त सभी  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

92. मणिपुर राज्य का गठन हुआ था—

- (a) 1972 में (b) 1987 में  
(c) 1985 में (d) 1963 में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

93. भारत के एक राज्य की निम्न विशेषताएँ हैं—

I. इसका उत्तरी भाग शुष्क और अर्ध-शुष्क है।

II. इसके मध्य भाग में कपास की खेती होती है।

III. खाद्यान्न फसलों की तुलना में नकदी फसलों को प्रमुखता दी जाती है।

सटीक राज्य का चुनाव कीजिए।

- (a) आंध्र प्रदेश (b) गुजरात  
(c) राजस्थान (d) कर्नाटक  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक

94. निम्न में से कौन-सा बिहार के भूगर्भीय इतिहास में सबसे नवीनतम है?

- (a) दक्षिण-पूर्व का धारवाड़ शैल  
(b) स्तरीय भाग

- (c) बिहार का मैदान  
 (d) दक्षिण-पश्चिम का विशाल भाग  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
95. पुरानी जलोढ़ मिट्टी का विस्तार बिहार के निम्न में से किस क्षेत्र में पाया जाता है?  
 (a) पटना और गया  
 (b) पूर्णिया और गया  
 (c) पूर्णिया और पटना  
 (d) दरभंगा और पटना  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
96. बिहार में बरौनी रिफाइनरी किनके सहयोग से बनाया गया था?  
 (a) जर्मनी  
 (b) दक्षिण कोरिया  
 (c) सोवियत रूस  
 (d) फ्रांस  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
97. बिहार का प्रसिद्ध पशु मेला कार्तिक पूर्णिमा में आयोजित होता है-  
 (a) गया में  
 (b) मधुबनी में  
 (c) भागलपुर में  
 (d) सोनपुर में  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
98. दक्षिण बिहार में प्रचलित परंपरागत जल संरक्षण सिंचाई पद्धति कहलाती है-  
 (a) आहर-पाइन  
 (b) नाहर-पाइन  
 (c) चाहर-पाइन  
 (d) साहर-पाइन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
99. निम्न में से किस स्थान पर कोसी नदी, गंगा नदी से मिलती है?  
 (a) कुर्सेला (b) वैशाली  
 (c) हाजीपुर (d) जमालपुर  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
100. विक्रमशिला गंगेटिक डॉल्फिन अभ्यारण्य बिहार के किस जिले में स्थित है?  
 (a) भागलपुर (b) पटना  
 (c) बक्सर (d) नालंदा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
101. भारत में न्यायिक पुनरावलोकन का आधार है-  
 (a) कानून की उचित प्रक्रिया  
 (b) कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया  
 (c) कानून का शासन  
 (d) संसद द्वारा स्थापित प्रक्रिया  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
102. भारत में राष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है-  
 (a) राज्य सभा द्वारा  
 (b) भारत की जनता द्वारा  
 (c) संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा  
 (d) संसद व राज्य विधानसभाओं द्वारा  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

103. संसद के संयुक्त सत्र की अध्यक्षता कौन करता है?
- (a) राष्ट्रपति  
(b) उपराष्ट्रपति  
(c) लोक सभा का अध्यक्ष  
(d) प्रधानमंत्री  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
104. संविधान द्वारा केन्द्रीय सरकार की कार्यपालिका शक्ति निहित की गई है-
- (a) संविधान में  
(b) राष्ट्रपति में  
(c) राज्यपाल में  
(d) प्रधानमंत्री में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
105. पंचायती राज को किस संवैधानिक संशोधन के आधार पर संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया?
- (a) 74वां संविधान संशोधन  
(b) 73वां संविधान संशोधन  
(c) 72वां संविधान संशोधन  
(d) 71वां संविधान संशोधन  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
106. भारत में महिलाओं के लिए किस राजनीतिक संस्था में स्थान आरक्षित है?
- (a) पंचायती राज  
(b) राज्य विधान सभा  
(c) राज्य सभा  
(d) लोक सभा  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
107. व्यवस्थापिका के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए होने वाले विशेष चुनाव को कहते हैं-
- (a) आम चुनाव  
(b) उप-चुनाव  
(c) मध्यावधि चुनाव  
(d) जनमत संग्रह  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
108. वर्तमान में, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या है-
- (a) 15 (b) 25  
(c) 31 (d) 20  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
109. सामुदायिक विकास कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ-
- (a) 2 अक्टूबर, 1952 को  
(b) 2 अक्टूबर, 1954 को  
(c) 18 मई, 2016 को  
(d) 2 अक्टूबर, 1959 को  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
110. पंचायत के चुनाव कराने हेतु निर्णय कौन लेता है?
- (a) केन्द्र सरकार  
(b) राज्य सरकार  
(c) जिला न्यायाधीश  
(d) चुनाव आयोग  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
111. भारत को 2024 -25 तक \$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के लिए जी.डी.पी. (GDP) की विकास दर लगातार कितनी होनी चाहिए?
- (a) 8% (b) 7%  
(c) 6% (d) 9%

- (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
112. बजट 2019-20 में घोषित 'प्रधानमंत्री करम योगी मान-धन योजना' का लक्ष्य क्या है?
- (a) एकल बच्ची के लिए शिक्षा भत्ता देना  
(b) बेरोजगार युवा के लिए भत्ता देना  
(c) खुदरा व्यापारियों और छोटे दुकानदारों को पेंशन लाभ देना  
(d) विकलांगता भत्ता देना  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
113. 'बौना' उद्यम (100 से कम कर्मी वाले प्रतिष्ठान) का भारत में 2018-19 में सेवायोजन और उत्पादकता में प्रतिशत योगदान है, क्रमश-
- (a) 14%; 8%  
(b) 15%; 5%  
(c) 12%; 4%  
(d) 10%; 10%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
114. वित्तीय वर्ष 2018-19 में भारत का कितना प्रतिशत ग्रामीण परिवार शौचालय तक पहुँच वाला तथा उसका व्यवहार करता हुआ पाया गया है?
- (a) 80.5%  
(b) 96.5%  
(c) 100%  
(d) 99%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
115. भारत में कुल बिजली उत्पादन में नवीकरणीय उर्जा के रूप में जलविद्युत शक्ति को छोड़कर का हिस्सा 2014-15 में 6% से बढ़कर 2018-19 में कितना प्रतिशत हुआ है?
- (a) 12% (b) 15%  
(c) 10% (d) 7%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
116. 2017-18 में भारत में जी.डी.पी. (GDP) की विकास दर 7.2% से घटकर 2018-19 में कितनी प्रतिशत हुई है?
- (a) 5.2% (b) 6.8%  
(c) 7.6% (d) 6.2%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
117. भारत में 2017-18 में स्थिर या निश्चित निवेश की विकास दर कितने प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 10% हुई है?
- (a) 8% (b) 9.3%  
(c) 9.8% (d) 8.4%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
118. भारत के रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अनुसार, निर्यात विकास दर अप्रैल-जुलाई 2019 में 2018 के उसी समय की तुलना में कितनी घटी है?
- (a) 7% (b) 5%  
(c) 8.5% (d) 6%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
119. अगस्त 2019 में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक

- क्षेत्रक बैंकों की सरलता और उधार व्यवस्था के सुधार के लिए कितना मूलधन ( करोड़ में ) डालने की घोषणा की है?
- (a) ₹ 30,000 (b) ₹ 45,000  
(c) ₹ 70,000 (d) ₹ 80,000  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
120. सभी ग्रामीण परिवारों के लिए 'हर घर जल' सुनिश्चित करने हेतु 'जल जीवन मिशन' द्वारा किस वर्ष तक का लक्ष्य रखा गया है?
- (a) 2022 (b) 2025  
(c) 2026 (d) 2024  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
121. बिहार का प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 2017-18 में वर्तमान कीमतों पर ₹ 42,242 था। स्थिर कीमतों (आधार वर्ष 2011-12) पर प्रति व्यक्ति GSDP का अनुमान क्या है?
- (a) ₹ 31,316  
(b) ₹ 30,000  
(c) ₹ 21,316  
(d) ₹ 20,000  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
122. 2018-19 में बिहार का कौन-सा जिला, स्थिर कीमतों पर (आधार वर्ष 2011-12), तीन सबसे समृद्ध जिलों (प्रति व्यक्ति आय के अनुसार) में से एक है?
- (a) मधेपुरा (b) सुपौल  
(c) बेगूसराय (d) शिवहर  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
123. बिहार में 2017-18 की तुलना में 2018-19 में राजस्व अधिशेष में लगभग कितने प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है?
- (a) 40% (b) 50%  
(c) 54% (d) 44%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
124. बिहार में मोटे अनाज का कुल उत्पादन (लाख टन में) 2017-18 में और उसकी विकास दर 2013-14 एवं 2017-18 के बीच थे, क्रमशः
- (a) 2.15; 5%  
(b) 4.0; 6%  
(c) 3.15; 6%  
(d) 5.15; 4%  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
125. बिहार में सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में 'जीविका' ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। सितंबर 2018 तक गठित स्वयं सहायता समूहों की अनुमानित संख्या थी—
- (a) 7.17 लाख  
(b) 9.01 लाख  
(c) 9.17 लाख  
(d) 8.17 लाख  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
126. हिन्दू पेट्रीयट का संपादक कौन था?
- (a) हरिश्चन्द्र मुखर्जी  
(b) दीनबन्धु मित्र

- (c) बाबुल मणि  
 (d) नवीनचन्द्र सेन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
127. इंडियन एसोसिएशन का नेतृत्व किसने किया था?  
 (a) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी  
 (b) आनंद मोहन बोस  
 (c) द्वारकानाथ गांगुली  
 (d) आर.सी. दत्त  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
128. साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन नामक उद्देश्य को मुस्लिम लीग ने कब स्वीकार किया?  
 (a) 1906 (b) 1913  
 (c) 1930 (d) 1946  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
129. होम चार्जेस या ब्रिटेन में भारतीय सरकार के खर्चों में समाहित थे—  
 (a) ब्रिटिश भारतीय अधिकारियों की पेंशन  
 (b) भारत में खरीदे गए सैन्य एवं अन्य भण्डार  
 (c) रेलवे के गारंटिड ब्याज  
 (d) उपर्युक्त सभी  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
130. 1897 के भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अमरावती अधिवेशन को किसने 'तीन-दिवसीय तमाशा' कहा था?  
 (a) जतीन्द्रनाथ बनर्जी  
 (b) सतीश मुखर्जी  
 (c) अश्विनी कुमार दत्त  
 (d) हरकिशन लाल  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
131. 'जिम्मरमैन योजना' से संबंधित व्यक्ति था/ थे—  
 (a) लाला हरदयाल  
 (b) भूपेन्द्रनाथ दत्त  
 (c) वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय  
 (d) उपर्युक्त सभी  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
132. किसान नेता मोतीलाल तेजावत संबंधित है—  
 (a) बिजोलिया आन्दोलन से  
 (b) मेवाड़ के भील आदिवासी आन्दोलन से  
 (c) मारवाड़ के किसान आन्दोलन से  
 (d) यू.पी. के किसान आन्दोलन से  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
133. साइमन कमीशन को किसकी अध्यक्षता में नियुक्त किया गया था?  
 (a) सर जॉन साइमन  
 (b) क्लीमेंट एटली  
 (c) हैरी लेवी-लॉसन  
 (d) एडवर्ड कैडोगन  
 (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
 उपर्युक्त में से एक से अधिक
134. 1920 के मध्य में हिन्दुस्तानी सेवा दल की शुरुआत किसने की?  
 (a) जवाहरलाल नेहरू  
 (b) सुभाष चन्द्र बोस  
 (c) एन.एस. हार्डिकर

- (d) एन.जी. रंगा  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
135. बम्बई योजना में प्रस्ताव था-
- (a) तीव्र आर्थिक विकास का  
(b) समान वितरण का  
(c) कुछ पूँजीवादी विशेषताओं के परित्याग का  
(d) कर्मचारी/कामगार कल्याण योजना का  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
136. जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन की स्थापना 1920 में किसने की?
- (a) एस.एन. हलदर  
(b) व्योमकेश चक्रवर्ती  
(c) रमेश पॉल  
(d) स्वामी विश्वानंद  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
137. किसान क्या करें किसने लिखी?
- (a) स्वामी सहजानंद सरस्वती  
(b) कार्यानंद शर्मा  
(c) बाबा रामचन्द्र  
(d) उपर्युक्त सभी  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
138. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 27वें सम्मेलन की अध्यक्षता किसने की?
- (a) एस.एन. सिन्हा  
(b) आर.एन. मुधोलकर  
(c) मज़रूल हक  
(d) राजेन्द्र प्रसाद  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
139. मदरलैन्ड को किसने प्रकाशित किया?
- (a) राजेन्द्र प्रसाद  
(b) मुहम्मद शफी  
(c) मज़रूल हक  
(d) ब्रजकिशोर प्रसाद  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
140. पटना युवक संघ की स्थापना हुई थी-
- (a) 1917 में (b) 1925 में  
(c) 1927 में (d) 1930 में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
141. एक संख्या को 114 से भाग करने पर 21 शेषफल बचता है। यदि उसी संख्या को 19 से भाग किया जाए, तो शेषफल है-
- (a) 3 (b) 4  
(c) 2 (d) 1  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
142. यदि एक पेंसिल का - भाग काला, शेष का  $\frac{1}{2}$  भाग सफेद तथा शेष  $3\frac{1}{2}$  से. मी. नीला है, तो पेंसिल की कुल लंबाई ज्ञात कीजिए।
- (a) 8 से. मी.  
(b) 6 से. मी.  
(c) 10 से. मी.  
(d) 7 से. मी.  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
143. एक परिवार में एक पिता व एक माता की औसत आयु 36

- वर्ष है। पिता, माता व उनकी इकलौती बेटी की औसत आयु 28 वर्ष है। बेटी की आयु कितनी है?
- (a) 11 वर्ष (b) 12 वर्ष  
(c) 13 वर्ष (d) 14 वर्ष  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
144. यदि तीन क्रमागत संख्याओं का गुणनफल 120 है, तो उन संख्याओं का योग है-
- (a) 12 (b) 13  
(c) 16 (d) 15  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
145. यदि  $\frac{a^n \times 3^5 \times (27)^3}{3 \times (81)^4} = 243$  हैं, तो का n मान है-
- (a) 3 (b) 4  
(c) 5 (d) -4  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
146. यदि एक वस्तु के क्रय मूल्य तथा विक्रय मूल्य में 10 : 11 का अनुपात है, तो लाभ प्रतिशत है-
- (a) 7 (b) 14  
(c) 9 (d) 13  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
147. एक कार्य को कुछ लोग 12 दिन में पूरा कर सकते हैं। इससे आधे कार्य को इन लोगों से दुगने लोग पूरा करेंगे-
- (a) 3 दिन में  
(b) 2 दिन में  
(c) 4 दिन में  
(d) 5 दिन में  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
148. एक रेलगाड़ी चंडीगढ़ से 4:00 बजे सायं चलती है तथा पानीपत 7:15 बजे सायं पहुँचती है। रेलगाड़ी की औसत गति 40 कि.मी./ घंटा है। चंडीगढ़ और पानीपत के मध्य की दूरी कितनी है?
- (a) 125 कि.मी.  
(b) 110 कि.मी.  
(c) 130 कि.मी.  
(d) 145 कि.मी.  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
149. यदि  $x = \frac{5.32 \times 56 + 5.32 \times 44}{(7.66)^2 - (2.34)^2}$  है, तो x का मान है-
- (a) 7.66  
(b) 10  
(c) 5.32  
(d) 9.5  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक
150. यदि  $x + y = 2a$  है, तो  $\frac{a}{x-a} + \frac{a}{y-a}$  का मान है-
- (a) 3  
(b) -1  
(c) -2  
(d) 0  
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/  
उपर्युक्त में से एक से अधिक



## व्याख्या सहित उत्तर

1. (d) विद्युत धारा की S.I इकाई ऐम्पियर है एवं विद्युत धारा को मापने के लिए एमीटर यंत्र का प्रयोग होता है। विद्युत आवेश का मात्रक कूलम्ब, विभवांतर एवं विद्युत विभव का मात्रक वोल्ट तथा शक्ति का मात्रक वॉट होता है।

2. (c) ISRO इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन का संक्षिप्त रूप है।

3. (e) निकट दृष्टि दोष में निकट की चीजें साफ-साफ दिखती हैं परंतु दूर की चीजें धुंधली। इस दोष के उत्पन्न होने पर प्रकाश की समांतर किरणपुंज आँख द्वारा अपवर्तन के बाद रेटिना के पहले ही प्रतिबिंब बना देती है इस कारण दूर की वस्तुओं का प्रतिबिंब स्पष्ट नहीं बनता है और चीजें धुंधली दिखती हैं। इस दोष को मायोपिया के नाम से जाना जाता है।

4. (d) किसी वस्तु का चंद्रमा पर भार पृथ्वी पर वस्तु के भार का  $1/6$  होता है। प्रश्न में पृथ्वी पर वस्तु का भार 100 N है। अतः चंद्रमा पर वस्तु

$$\text{का भार} = \frac{100 \text{ N}}{6} = 16.7 \text{ N}$$

इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।

5. (c) LED (प्रकाश उत्सर्जक डायोड) एक अर्धचालक डायोड है जिसमें विद्युत धारा प्रवाहित करने पर प्रकाश उत्सर्जित होता है इसका प्रयोग घड़ियों, ट्रैफिक सिग्नल लाइटों, कैलकुलेटर, टी.वी. इत्यादि में किया जाता है। LED (प्रकाश उत्सर्जक डायोड) के लाभ हैं-

(i) उर्जा की बचत

(ii) अन्य प्रकाश स्रोत की तुलना में LED बहुत कम विकिरण पैदा करते हैं,

(iii) LED का जीवनकाल प्रकाश बल्बों से अधिक अवधि तक होता है,

(iv) दूसरे फ्लोरोसेंट लैम्प की तरह LED में पारे का प्रयोग नहीं होता है।

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

6. (b) अवतल दर्पण का उपयोग सर्च लाइट, टॉर्च, सोलर कुकर, हेड लाइट और भट्टी इत्यादि में होता है। बड़े अवतल दर्पण का उपयोग सौर भट्टी में किया जाता है क्योंकि बड़े अवतल दर्पण का द्वार बड़ा होता है जिससे सूर्य की किरणें बड़ी मात्रा में प्राप्त की जाती है।

7. (d) सौर मंडल का सबसे चमकदार ग्रह शुक्र है। शुक्र ग्रह का आकार और घनत्व पृथ्वी के समान है। शुक्र सूर्य से दूरी की दृष्टि से दूसरा एवं आकार में छठा सबसे बड़ा ग्रह है।

8. (a) माइक्रोस्कोप - अति सूक्ष्म वस्तुओं को देखने के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्रकाशिक उपकरण है।

इलेक्ट्रोस्कोप - किसी वस्तु पर उपस्थित विद्युत आवेश के संसूचन और मापन में प्रयुक्त होता है।

स्पेक्ट्रोस्कोप - स्पेक्ट्रोस्कोप एक ऑप्टिकल उपकरण है जिसका प्रयोग स्पेक्ट्रम बनाने एवं उसका अध्ययन करने के लिए किया जाता है।

स्टेथोस्कोप - इसका प्रयोग रोगी के रक्तसंचार की दशा का परीक्षण करने में होता है।

9. (a) भारत द्वारा 22 जुलाई, 2019 को चंद्रयान-2 का सफल प्रेक्षण श्रीहरिकोटा रेंज से किया गया। चंद्रयान-2 के लैंडर का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम ए. साराभाई के नाम पर 'विक्रम' रखा गया है।

10. (b) अल्ट्रासोनिक तरंगे या पराश्रव्य तरंगे 20KHz से ज्यादा आवृत्ति की ध्वनि तरंगे होती है।

20Hz से नीचे की आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगों को अवश्रव्य तरंगे कहते हैं।

20Hz से 20KHz के बीच की आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगों को श्रव्य तरंगे कहते हैं।

11. (b) भौतिक परिवर्तन के अंतर्गत वे सभी परिवर्तन आते हैं जिनमें पदार्थ की रासायनिक प्रकृति या रासायनिक पहचान में कोई परिवर्तन नहीं होता है, उदाहरण स्वरूप-

- (i) जल से बर्फ बनना
- (ii) पानी का उबलना
- (iii) तौलिये से पानी का सूखना

12. (e) विकल्प (a) से (d) में दिए गए सभी खनिज लौह धातु के उदाहरण हैं। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

13. (e) द्यूब लाइटों तथा परखनलियों में प्रयोग किये जाने वाले ग्लास को बनाने के लिए सोडियम कार्बोनेट, कैल्सियम कार्बोनेट व सिलिका मुख्य संघटक होते हैं। अतः यहाँ एक से अधिक विकल्प सही हैं इसलिए विकल्प (e) सही उत्तर होगा।

14. (b)

धातु	विद्युत चालकता
रजत या चाँदी	$63.01 \times 10^6 \text{s.m}^{-1}$

ताँबा	$59.6 \times 10^6 \text{s.m}^{-1}$
सोना	$45.2 \times 10^6 \text{s.m}^{-1}$
लोहा	$10. \times 10^6 \text{s.m}^{-1}$

अतः रजत या चाँदी की विद्युत चालकता सबसे अधिक है।

15. (d) पृथ्वी के वातावरण में पायी जाने वाली गैसे एवं उनका प्रतिशत आयतन-

गैस	प्रतिशत आयतन
नाइट्रोजन	78.09
ऑक्सीजन	20.95
ऑर्गन	0.93
कार्बन डाईऑक्साइड	0.03
निऑन	0.0018
हाइड्रोजन	0.001
हीलियम	0.000524
क्रिप्टॉन	0.0001
जेनॉन	0.000008
ओजोन	0.000001
मीथेन	नगण्य

16. (a) ऐल्कोहॉल को कार्बोक्सिलिक अम्ल में मात्र ऑक्सिडेशन द्वारा परिवर्तित किया जा सकता है।

17. (c) नाभिकीय रिएक्टर में नाभिकीय विखंडन से विद्युत उत्पन्न करने के लिए साधारणतः यूरेनियम -235 का प्रयोग किया जाता है।

18. (d) दिए गए सभी विकल्पों में कार्बन डाईऑक्साइड सबसे अच्छा अग्निशामक है।

19. (e) फुलरीन कार्बन का एक अपररूप है। गोलाकार फुलरीन, जिसे बकिमिंस्टर फुलरीन या बकीबॉल भी

कहा जाता है। इसे  $C_{60}$  द्वारा निरूपित किया जाता है। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

20. (b) दाब बढ़ाने पर द्रवों का क्वथनांक बढ़ जाता है और दाब घटाने पर द्रवों का क्वथनांक घट जाता है। इसलिए समुद्रतल पर क्वथनांक सबसे अधिक एवं बढ़ती ऊँचाई के साथ क्वथनांक घटता जाता है।

21. (c) लाइसोसोम घटक कोशिका में दाखिल होने वाले जीवाणुओं को नष्ट करता है। इसके अन्य कार्यों में अंतः एवं बाह्य कोशिकाओं का पाचन करना, मृत कोशिकाओं का निष्कासन करना एवं कोशिका विभाजन में सहायता करना है।

22. (a) शरीर में लौह तत्व की कमी से पनपने वाली आम एवं गंभीर समस्या एनीमिया अर्थात् रक्ताल्पता की है।

23. (c) सामान्यतः मानव शरीर का सामान्य तापमान 98.6 डिग्री फारेनहाइट या 37 डिग्री सेल्सियस होता है।

24. (e) कुछ ऊतक ऐसे होते हैं जो शरीर की प्रत्येक नली के भीतरी भाग में रहते हैं तथा शरीर के बाह्य भाग को भी ढँके रहते हैं, उपकला ऊतक कहलाते हैं। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

25. (d) आंत्र ज्वर रोग सालमोनेला टाइफी जीवाणु से होता है। इसमें मानव शरीर की आंत प्रभावित होती है।

26. (c) कार्बनिक कृषि एक ऐसी कृषि प्रणाली है जिसमें कार्बनिक खादों, पुनर्चक्रित फार्म अपशिष्टों तथा जैवकारकों का अधिकतम मात्रा में प्रयोग किया जाता है।

27. (d) प्रकाश-संश्लेषण एक ऐसी क्रिया है, जो पृथ्वी पर हो रहे कार्बन चक्र में ऑक्सीजन को बढ़ाती है।

28. (d) संवहनी पौधे, जिसे ट्रेकोफाइट्स के रूप में भी जाना जाता है, पौधों के एक बड़े समूह का निर्माण करते हैं। संवहनी पौधों में क्लब मॉस, हॉर्सटेल, फर्न, जिम्नोस्पर्म और एंजियोस्पर्म शामिल हैं।

29. (b) जैव उर्वरकों को तीन भागों में सूक्ष्मजीव के अनुसार बाँटा गया है-

- (i) जीवाणु एवं जैव उर्वरक → एजोटोबैक्टर, क्लोस्ट्रीडियम, राइजोबियम, रैडीसीकोला इत्यादि।
- (ii) सायनोबैक्टीरियम एवं जैविक खाद → नील-हरित शैवाल, एनाबीना, नॉस्टाक इत्यादि।
- (iii) माइकोराइजा एवं जैविक खाद → माइकोरिजल कवक, मोनाट्रोपा इत्यादि।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

30. (a) अदरक, एक भूमिगत रूपांतरित तना है। इसमें काफी मात्रा में भोज्य पदार्थ संचित रहता है जिसके कारण यह फूलकर मोटा हो जाता है। अदरक का पौधा खाद्य सामग्री को संचित करने के लिए अपने स्टेम को संशोधित करता है।

31. (b) 124 वाँ संवैधानिक संशोधन आरक्षण से संबंधित है। इसमें सामान्य वर्ग के गरीबों को आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

32. (d) जूलियन असांजे ऑस्ट्रेलियाई मूल के नागरिक हैं। ये विकिलीक्स के संस्थापक हैं।

33. (a) मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में सदस्यों की संख्या को दो से बढ़ाकर तीन कर

दिया गया है, जिनमें से एक महिला होगी। अर्थात् सदस्यों की संख्या में एक सदस्य की वृद्धि की गई।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

34. (a) 28 जून से 29 जून, 2019 तक, G-20 का 14 वां शिखर सम्मेलन का आयोजन जापान के ओसाका में किया गया। यह जापान में आयोजित होने वाला पहला G-20 शिखर सम्मेलन था।

35. (e) 'वरूण नौसैनिक अभ्यास' भारत एवं फ्रांस के बीच आयोजित किया जाता है। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

36. (c) भारतीय वायुसेना ने अमेरिका की बोइंग कंपनी से चार AH-64E अपाचे हेलिकॉप्टर का प्रथम बैच प्राप्त किया है।

37. (a) जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष को भारत के प्रथम लोकपाल के रूप में नियुक्त किया गया है।

38. (b) जुलाई-अगस्त 2019 में पारित तीन तलाक बिल, 2019 में आरोपित पति को अधिकतम तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

39. (d) अनच्छेद 35-A भारतीय संविधान में जम्मू और कश्मीर सरकार की सहमति से राष्ट्रपति के आदेश पर जोड़ा गया था, जो कि भारत के राष्ट्रपति द्वारा 14 मई, 1954 को जारी किया गया था। जिसे दिनांक 5 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया है।

40. (d) अगस्त, 2019 में मणिपुर के पश्चात् राजस्थान 'मॉब लिचिंग एवं ऑनर किलिंग' के विरुद्ध कानून बनाने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है।

41. (e) भारत की पहली निजी ट्रेन लखनऊ-दिल्ली तेजस एक्सप्रेस है। यह आई.आर.सी.टी.सी. द्वारा चलाई जा रही है। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

42. (c) T-20 शारीरिक विकलांगता विश्व क्रिकेट सीरीज, 2019 में भारत इंग्लैंड को 36 रन से हराकर ट्रॉफी का विजेता बना।

43. (b) माननीय न्यायाधीश श्री राकेश कुमार ने पटना उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में 24 अक्टूबर, 2011 को दायित्व संभाला।

44. (e) दीपा मलिक गोलाफेंक एवं भालाफेंक खेल से संबंधित एक पैरा-एथलीट है। 2019 में दीपा मलिक को राजीव गाँधी खेल रत्न प्रदान किया गया।

45. (a) भारत के नव नियुक्त कैबिनेट सचिव राजीव गोबा हैं इसके पूर्व ये गृह सचिव के पद पर आसीन थे।

46. (d) वर्तमान में शक्सगाम घाटी चीन के शासन में है। इसके पूर्व यह पाकिस्तान के नियंत्रण में थी। इसे पाकिस्तान ने चीन को सड़क निर्माण कार्य हेतु गिफ्ट में दिया है।

47. (c) अरामकों तेल कंपनी सऊदी अरब में है। यह दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी है।

48. (c) वर्ष 2019 में आर. के. सिंह ने बिहार की आरा लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी।

49. (b) बिहार से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय है इन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार के उजयारपुर सीट से चुनाव में जीत हासिल की थी।

50. (c) अर्जुन पुरस्कार खिलाड़ियों को भारत सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार का प्रारंभ 1961 में हुआ था। पुरस्कार स्वरूप पाँच लाख रुपये की राशि, अर्जुन की कांस्य प्रतिमा एवं एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

51. (e) वर्ष 2022 में भारत G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

52. (d) आई.आई.टी. बॉम्बे से M.Tech. के स्टूडेंट श्रवण कुमार ने अगस्त, 2019 में भारतीय रेलवे के धनबाद रेलमंडल में नए जॉब ट्रैकमैन के रूप में दायित्व को ग्रहण किया।

53. (c) बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के रामनगर की भाजपा विधायक भागीरथी देवी को सार्वजनिक क्षेत्र में समाज सेवा के लिए पद्मश्री से जनवरी 2019 में सम्मानित किया गया।

54. (b) 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार आदित्य धर को उनकी हिन्दी फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक के लिए दिया गया।

55. (b) भारत ने रूस के खनिजों और पेट्रोलियम से संपन्न सुदूर पूर्व क्षेत्र के लिए एक अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की।

56. (e) शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 46 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2019 से सम्मानित किया गया। इसमें बिहार के मध्य विद्यालय कुल्हरिया के प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत श्री पप्पू हरिजन को सम्मानित किया गया। उपर्युक्त प्रश्न में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2018 के विषय में पूछा गया है अतः विकल्प (e) सही उत्तर होगा।

57. (c) रोमिला थापर विख्यात भारतीय इतिहासकार हैं, तथा इनके अध्ययन का मुख्य विषय “प्राचीन भारतीय इतिहास” रहा है।

58. (e) हांग-कांग में डेमोसिस्टो नाम का संगठन अम्ब्रेला आंदोलन की अगुवाई कर रहा था। ये लोकतंत्र के

समर्थन और प्रत्यार्पण बिल के विरोध में आंदोलन कर रहे थे। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

59. (b) रमन मैग्सेसे पुरस्कार एशिया के व्यक्तियों और संस्थाओं को उनके अपने क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार फिलीपीन्स के भूतपूर्व राष्ट्रपति रैमॉन मैग्सेसे की याद में दिया जाता है। भारतीय पत्रकार रविश कुमार को जर्नलिज्म, लिटरेचर और क्रिएटिव कम्प्युनिकेशन आर्ट्स कैटेगरी के लिए 2019 का रमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया है।

60. (a) ‘मेघदूत ऐप’ को कृषि मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मिलकर जारी किया है। इस ऐप के जरिए किसानों को उनके क्षेत्र के हिसाब से मौसम आधारित जानकारी और खेती किसानी व पशुपालन संबंधित जानकारी उनकी क्षेत्रीय भाषा में मिलती है।

61. (a) वर्तमान में, हड़प्पा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुरातात्विक स्थल है। हड़प्पा का उत्खनन कार्य 1921 ई. में दयाराम साहनी ने किया था। यह स्थल रावी नदी के पूर्व में स्थित है। हड़प्पा स्थल से छत्र वाले ताम्र-रथ के प्रमाण नहीं प्राप्त हुए हैं।

62. (d) सप्त-सैधव आर्यों का प्रारंभिक निवास स्थल माना जाता है। इसका विस्तार कश्मीर, पाकिस्तान और पंजाब के अधिकांश भाग में था। सप्त-सैधव का नामकरण सात नदियों के कारण हुआ। इनमें - सिंधु, व्यास, सतलुज, झेलम, चिनाब, रावी एवं सरस्वती हैं।

63. (a) चंद्रगुप्त मौर्य का अंतिम युद्ध सिकंदर के पूर्व सेनापति एवं

समकालीन सीरिया के ग्रीक सम्राट सेल्यूकस के साथ हुआ। इस युद्ध का वर्णन एपियानस ने किया है। प्लूटार्क के अनुसार चंद्रगुप्त ने सेल्यूकस को 500 हाथी उपहार में दिए।

64. (c)

लेखक

पुस्तक

दंडी - दशकुमारचरित (संस्कृत साहित्य)

विष्णु शर्मा - पंचतंत्र

आर्यभट्ट - दशगीतिका, आर्यभट्ट्यम्, आर्यभट्ट

सिद्धांत

वाराहमिहिर - वृहत्संहिता

भास - स्वप्नवासवदत्ता

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

65. (a) विग्रहराज IV या बीसलदेव द्वारा अजमेर में निर्मित सरस्वती कण्ठाभरण विद्यापीठ निर्मित किया गया था जो संस्कृत अध्ययन का केंद्र था। इसे आगे चलकर मुसलमान शासकों ने बदलकर 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा' नामक मस्जिद बना दिया।

66. (b) राजतरंगिणी कल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ है। इसकी रचना 1148-50 ई. के बीच हुई। इसमें कश्मीर के इतिहास की चर्चा की गई है। इब्नबतूता यात्री, विद्वान तथा लेखक था। मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया था।

अब्दुल हमीद लाहोरी, शाहजहाँ का सरकारी इतिहासकार था। उसकी रचना 'पादशाहनामा' शाहजहाँ के शासन का प्रमाणिक इतिहास माना जाता है।

अमीर खुसरों को सितार का आविष्कारक माना जाता है। गुलबदन बेगम ने हुमायुँनामा की रचना की।

67. (c) मोइनुद्दीन चिश्ती एक प्रसिद्ध सूफी संत थे। उन्होंने 12वीं शताब्दी में अजमेर में 'चिश्ती' संप्रदाय की स्थापना की थी।

68. (d) शिवाजी के शासन-तंत्र में 'अष्टप्रधान' की प्रमुखता थी। जिसके अंतर्गत आठ मंत्रियों को नियुक्त किया गया था। इनमें-

पेशवा - प्रधान मंत्री

अमात्य - वित्त एवं राजस्व मंत्री

वाकिया नवीस - राजा के दैनिक कार्यों एवं दरबार की कार्यवाही

सचिव - राजकीय पत्र-व्यवहार

सुमंत या दबीर - विदेश मंत्री

सर-ए-नौबत - सेनापति

पंडित राव - विद्वानों एवं धार्मिक कार्यों के लिए अनुदान

न्यायाधीश - मुख्य न्यायाधीश

69. (d) हैदर अली ने 1755 ई. में फ्रांसीसियों की सहायता से डोंडीगुल में एक आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की थी।

70. (e) भारत में पुर्तगालियों ने 1503 ई. में कोचीन में पहली फैक्ट्री स्थापित की। दिए गए विकल्प में सही उत्तर नहीं दिया गया है अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

71. (b) रैयतवाड़ी व्यवस्था पहली बार 1792 ई. में मद्रास के 'बारामहल' जिले में तत्कालीन मद्रास के गवर्नर टॉमस मुनरो द्वारा लागू की गई थी। इस व्यवस्था में पंजीकृत भू-स्वामी सरकार को लगान देने के लिए उत्तरदायी होता था। भू-स्वामी के पास भूमि को रखने व बेचने का अधिकार होता था।

72. (a) डॉ. सुरेन्द्र नाथ सेन ने अपनी पुस्तक 'अठारह सौ सत्तावन' में प्रस्तुत कथन को लिखा है "1857 की

घटना का प्रारंभ धर्म के संघर्ष के रूप में हुआ था और उस घटना का अंत स्वतंत्रता संग्राम के रूप में हुआ।”

73. (e) आजादी से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की भारतीय महिला अध्यक्ष निम्न है-

(i) सरोजनी नायडु - 1925

(ii) नलिनी सेन गुप्ता - 1933

अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

74. (a) मीर लियाक अली, निजाम शासन के आखिरी प्रधानमंत्री थे। ये निजाम की एग्जेक्यूटिव काउंसिल के अध्यक्ष भी थे।

हैदराबाद के खिलाफ 'ऑपरेशन पोलो' 13-18 सितंबर, 1948 तक चला था। कश्मीर राज्य ने इन्स्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेशन 26-10-1947 के दिन हस्ताक्षरित किए थे। शाह नवाज भुट्टो मई, 1947 ई. में जूनागढ़ स्टेट के दीवान नियुक्त हुए, वे जूनागढ़ के भारत में शामिल होने तक दीवान बने रहे।

75. (b) गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के पास लुम्बिनी ग्राम में हुआ था। 29 वर्ष की आयु में वे ज्ञान प्राप्ति की खोज में घर का त्याग कर बाहर निकल पड़े। 35 वर्ष की आयु में बोध गया में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में अपने पाँच साथियों को दिया। इसे धर्मचक्र प्रवर्तन कहा जाता है।

76. (c)

जैन संगीति

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

चतुर्थ

पाँचवीं

अध्यक्ष

स्थूलभद्र

आचार्य संभूति

आचार्य अर्द्धवली

नागार्जुन सूरि

देवर्धिक्षमाश्रमण

77. (a) 1922 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गया अधिवेशन के अध्यक्ष चितरंजन दास थे।

78. (a) बिहार के चंपारण के निवासी राजकुमार शुक्ल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में जाकर बिहार के नील उगाने वालों का प्रश्न प्रस्तुत किया था।

79. (c) मगध शासक उदायिन ने अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की थी।

80. (d) बिहार के किसानों ने सविनय अवज्ञा आंदोलन में 'चौकीदारी कर' देने से इंकार कर दिया था। बिहार में चौकीदारी कर बंदी आंदोलन सर्वप्रथम बेतिया से शुरू हुआ।

81. (c)

पर्वत शृंखला

लंबाई

हिमालय

2400 कि.मी.

आल्पस

1200 कि.मी.

रॉकी

4800 कि.मी.

हिंदुकुश

800 कि.मी.

82. (a) काल एक प्रकार का गाँव होता है। जो आमतौर पर झोपड़ियों से घिरा होता है। ऐसी संरचना दक्षिण अफ्रीका में देखी जाती है।

83. (d) क्योटो प्रोटोकॉल संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण बदलाव पर एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। इस संधि पर दिसंबर 1997 में क्योटो सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए। यह एक कानूनी एवं बाध्यकारी संधि है। इस संधि के तहत 38 विकसित देशों द्वारा सामूहिक रूप से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर पर लाने के लिए 2012 तक 5.2 प्रतिशत कटौती का संकल्प लिया गया। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

84. (e) दुनिया के कुल बड़े बाँधों की संख्या का लगभग आधा हिस्सा चीन में हैं चीन में 23841 बाँध हैं इसके पश्चात् अमेरिका 9263 बाँधों के साथ दूसरे स्थान पर है। दिए गए विकल्प में कोई विकल्प सही नहीं है। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

85. (d) अटाकामा रेगिस्तान उत्तरी चिली में स्थित एक तटीय रेगिस्तान है। यह एक पठारी क्षेत्र है। जो वर्षा रहित है। यहाँ का अधिकांश इलाका लवणीय द्रोणियों, रेत और लावा प्रवाह से बना है यह पृथ्वी का सबसे शुष्क क्षेत्र है।

86. (a) तुमालपल्ले यूरेनियम खदान आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में स्थित है। 2011 में परमाणु ऊर्जा आयोग के अनुसार तुमालपल्ले खदान दुनिया के सबसे बड़े यूरेनियम भंडारों में से एक होने की बात कही गयी।

87. (b) जवाहर सुरंग भारत के जम्मू कश्मीर राज्य के रामबन जिले के बनिहाल दर्रे में स्थित है। 3.75 कि.मी. लंबी यह सुरंग एशिया की सबसे लंबी सुरंग है।

88. (c) दक्कन का पठार भारत का विशालतम पठार है। इसे 'विशाल प्रायद्वीपीय पठार' के नाम से जाना जाता है। जो 67 मिलियन साल पहले क्रीटेशियस काल में निर्मित हुआ था।

89. (c) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन उन्हीं क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ 150 से.मी. से ज्यादा वर्षा होती है, तापमान 15-30 डिग्री सेल्सियस होता है। ऐसे स्रोत भारत में पश्चिमी घाट, उत्तर पूर्वी भारत, हिमालय के निम्न श्रेणी के क्षेत्र, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह आदि में पाए जाते हैं।

90. (d)

राज्य राज्य के क्षेत्रफल में वनों का विस्तार (%)

मिजोरम	85.41
नागालैंड	75.31
मेघालय	76.33
मध्य प्रदेश	25.14

91. (c) वृहत हिमालय, हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है। यह हिमालय की सर्वाधिक सतत और सबसे ऊँची श्रेणी है जिसकी औसत ऊँचाई लगभग 6000 मी. है। हिमालय की इस श्रेणी का निर्माण सबसे पहले हुआ था और इसका कोर ग्रेनाइट का बना हुआ है। यहाँ से कई बड़े-बड़े ग्लेशियरों की उत्पत्ति होती है।

शिवालिक, बाह्य हिमालय है जो उत्पत्ति में सबसे नवीनतम है।

92. (a) मणिपुर भारत का एक उत्तर-पूर्वी राज्य है इस राज्य का गठन 21 जनवरी, 1972 को पूर्ण राज्य के रूप में किया गया था।

93. (b) प्रश्न में दी गई सभी विशेषताएँ गुजरात राज्य की है। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

94. (c) बिहार के भूगर्भीय इतिहास में सबसे नवीनतम बिहार का मैदानी क्षेत्र है। इसका निर्माण कार्य आज भी गंगा और उसकी सहायक नदियों द्वारा अवसाद जमा करने के कारण जारी है।

95. (a) बिहार में पुरानी जलोढ़ मिट्टी का विस्तार रोहतास, गया, पटना, मुंगेर एवं भागलपुर क्षेत्र में पाया जाता है।

96. (c) बिहार में बरौनी रिफाइनरी का निर्माण सोवियत रूस के सहयोग से जुलाई, 1964 में किया गया था।

97. (d) बिहार का प्रसिद्ध पशु मेला कार्तिक पूर्णिमा में सारण जिले के



सोनपुर में आयोजित किया जाता है। यह एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है।

98. (a) दक्षिण बिहार में प्रचलित पुरानी परंपरागत जल संरक्षण सिचाई पद्धति आहर-पाइन कहलाती है।

99. (a) कटिहार के कुर्सला नामक स्थान पर कोसी नदी, गंगा नदी से मिलती है।

100. (a) विक्रमशिला गंगेटिक डॉल्फिन अभ्यारण्य बिहार के भागलपुर जिले में स्थित है। इस अभ्यारण्य का विस्तार सुल्तानगंज से कहलगांव तक 60 कि.मी. में है।

101. (b) न्यायिक पुनरावलोकन सिद्धांत का स्पष्ट उल्लेख भारतीय संविधान में नहीं हुआ है, परंतु इसका आधार है - अनुच्छेद - 13(2), अनुच्छेद-32, 226, 131, 243 और जजों द्वारा संविधान के संरक्षण की शपथ। इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।

102. (d) भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाता है। इसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्य तथा केंद्रशासित प्रदेशों दिल्ली व पुडुचेरी विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

103. (c) संसद के संयुक्त सत्र का आह्वान राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है एवं इसकी अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करता है।

104. (b) संविधान द्वारा केंद्रीय सरकार की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित की गई है। संविधान के भाग V के अनुच्छेद 52 से 78 तक में संघ की कार्यपालिका का वर्णन है। संघ की कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति,

प्रधानमंत्री, मंत्रिमंडल तथा महान्यायवादी शामिल होते हैं।

105. (b) पंचायती राज को 1992 में 73वें संविधान संशोधन के आधार पर संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है। इस अधिनियम द्वारा भारत के संविधान में एक नया खंड - IX जोड़ा गया। और अनुच्छेद-243 से 243 'ग' के प्रावधान सम्मिलित किए गए।

106. (a) भारत में महिलाओं के लिए पंचायती राज राजनीतिक संस्था में 1992 के 73वें संविधान संशोधन द्वारा अनिवार्य प्रावधान के अंतर्गत सभी स्तरों पर (सदस्य एवं प्रमुख दोनों के लिए) एक-तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए।

107. (b) व्यवस्थापिका के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए होने वाले विशेष चुनाव को उप-चुनाव कहते हैं।

108. (e) वर्तमान में, केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या 34 (मुख्य न्यायाधीश सहित) कर दी गई है।

109. (a) सामुदायिक विकास कार्यक्रम का प्रारंभ 2 अक्टूबर, 1952 में किया गया था। भारत और अमेरिका के बीच 1952 में भारत में ग्रामीण विकास के चतुर्दिक तथा व्यापक विकास के लिए एक समझौता हुआ। जिसके लिए अमेरिका के फोर्ड फाउंडेशन ने आर्थिक सहायता देना स्वीकार किया था। ग्रामीण विकास की इसी योजना का नाम सामुदायिक विकास योजना रखा गया।

110. (b) पंचायत के चुनाव कराने का निर्णय राज्य सरकार करती है।

111. (a) सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के अनुसार भारत को

2024-25 तक \$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के लिए जी.डी.पी. (GDP) की विकास दर लगातार 8 प्रतिशत होनी चाहिए।

**112. (c)** बजट 2019-20 में घोषित 'प्रधानमंत्री करम योगी मान-धन योजना' को श्रम और रोजगार मंत्रालय ने लॉन्च किया। इसका मुख्य लक्ष्य असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए मेगा पेंशन का लाभ देना है। असंगठित क्षेत्र के कामगारों में खुदरा व्यापारी, छोटे दुकानदार, ड्राइवर, प्लंबर, दर्जी आदि आते हैं।

**113. (a)** बौनी फर्में, जिन्हें ऐसी छोटी-फर्मों के रूप में परिभाषित करते हैं जिनका आकार कभी नहीं बढ़ता परंतु ये भारतीय अर्थव्यवस्था पर हावी होती हैं तथा रोजगार सृजन तथा उत्पादन को रोके रखती हैं। 'बौने' उद्यम का भारत में 2018-19 में सेवायोजन में हिस्सा केवल 14.1 प्रतिशत है और उत्पादकता में 8 प्रतिशत योगदान है।

**114. (b)** वित्तीय वर्ष 2018-19 में ग्रामीण भारत में 93 प्रतिशत से अधिक घरों में शौचालय की सुविधा है और उनमें 96.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवार शौचालय तक पहुँच वाला तथा उसका व्यवहार करता हुआ पाया गया है।

**115. (c)** भारत में कुल बिजली उत्पादन में नवीकरणीय उर्जा के रूप में जलविद्युत शक्ति को छोड़कर का हिस्सा 2014-15 में 5.6 प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 10.62 प्रतिशत हो गई है।

**116. (b)** 2017-18 में भारत में जी.डी.पी. (GDP) की विकास दर 7.2 प्रतिशत से घटकर 2018-19 में 6.8 प्रतिशत हो गई है।

**117. (b)** निश्चित या स्थिर निवेश की विकास दर 2016-17 के 8.3

प्रतिशत से बढ़कर 2017-18 में 9.3 प्रतिशत और 2018-19 में यह बढ़कर 10 प्रतिशत तक पहुँच गई।

**118. (c)** भारत के रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद् के अनुसार, निर्यात विकास दर अप्रैल-जुलाई 2019 में 2018 के उसी समय की तुलना में 8.48 प्रतिशत घटी है। इस क्षेत्र की देश के कुल निर्यात में करीब 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

**119. (c)** अगस्त, 2019 में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको की सरलता और उधार व्यवस्था के सुधार के लिए 70,000 करोड़ रुपये डालने की घोषणा की है। इसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट भाषण के दौरान की थी।

**120. (d)** सभी ग्रामीण परिवारों के लिए 2024 तक 'हर घर जल' (पाइप द्वारा जल आपूर्ति) सुनिश्चित करने के लिए 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत की गई। 'जल शक्ति मंत्रालय' राज्य सरकारों के साथ मिलकर समन्वित और समग्र रूप से जल संसाधनों और जल आपूर्ति का प्रबंध करेगा।

**121. (a)** बिहार का प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 2017-18 में वर्तमान कीमतों पर 42,242 रुपये था और स्थिर कीमतों (आधार वर्ष 2011-12) पर प्रति व्यक्ति GSDP 31,316 रुपये था।

**122. (c)** 2018-19 में, स्थिर कीमतों (आधार वर्ष 2011-12) के आधार पर बिहार के तीन सर्वाधिक उन्नत जिले पटना, मुंगेर और बेगूसराय हैं। वहीं आर्थिक रूप से सबसे प्रतिकूल स्थिति वाले जिले मधेपुरा, सुपौल और शिवहर हैं।

123. (d) बिहार लगातार राजस्व अधिशेष बनाए रखने वाला राज्य रहा है। राजस्व अधिशेष 2017-18 में 14,823 करोड़ रूपये था जो वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान में बढ़कर 21,312 करोड़ रूपये हो गया। इस प्रकार बिहार में 2017-18 की तुलना में 2018-19 में राजस्व अधिशेष में 43.77 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

124. (c) बिहार में मोटे अनाज का कुल उत्पादन 3.15 लाख टन था जो 2013-14 से 2017-18 के बीच 6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

125. (d) बिहार में सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के मामले में जीविका ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। सितंबर 2018 तक कम से कम 8.17 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।

126. (a) हिंदू पेट्रीयट के संपादक गिरीश चंद्र घोष, हरिश्चन्द्र मुखर्जी, कृष्णदास पाल आदि थे।

127. (e) इंडियन नेशनल एसोसिएशन जिसे इंडियन एसोसिएशन भी कहा जाता है। वह 1876 में सुरेंद्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

128. (b) 30 दिसंबर, 1906 ई. को ढाका में ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना नवाब सलीमुल्ला के नेतृत्व में की गई। ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन का उद्देश्य मुस्लिम लीग ने 1913 ई. में स्वीकार किया।

129. (d) होम चार्जिस अर्थात् ब्रिटिश कालीन भारतीय सरकार द्वारा प्रशासन, सेना के रख-रखाव, युद्ध खर्च, सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन, रेलवे

के निर्माण पर गारंटेड ब्याज आदि के लिए किए जाने वाले खर्च थे।

दिए गए विकल्प में (d) और (e) दोनों सही उत्तर हैं।

130. (c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का तेरहवां अधिवेशन 1897 ई. में सी. शंकरन नायर की अध्यक्षता में अमरावती में आयोजित किया गया था। इस अधिवेशन को अश्विनी कुमार दत्त ने 'तीन-दिवसीय तमाशा' कहा था।

131. (d) वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय, भूपेंद्रनाथ दत्त, लाला हरदयाल एवं अन्य लोगों ने 1915 में जर्मन विदेश मंत्रालय के सहयोग से जिम्मरमैन योजना के तहत बर्लिन कमेटी फॉर इंडियन इंडिपेंडेंस की स्थापना की।

132. (b) भोमर का भील आंदोलन मेवाड़, राजस्थान में हुआ था। वर्ष 1921-22 में मोती लाल तेजावत के नेतृत्व में भील आंदोलन को पुनः शुरू किया गया था। भीलो में सर्वप्रथम मोतीलाल तेजावत ने राजनीतिक चेतना जागृत की।

133. (a) साइमन कमीशन की नियुक्ति ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में की। इसकी घोषणा 8 नवंबर, 1927 ई. में की गई। साइमन कमीशन की नियुक्ति 'भारत सरकार अधिनियम, 1919 की प्रगति की समीक्षा के लिए की गई।

134. (c) 1923 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के काकीनाडा सम्मेलन में हिंदुस्तानी सेवा दल की स्थापना का प्रस्ताव किया गया।

135. (e) वर्ष 1944 में बंबई के आठ उद्योगपतियों ने 15 वर्षीय पूंजीवादी योजना बंबई योजना के नाम से प्रस्तुत की। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य भारत

का आर्थिक तीव्र विकास था। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कर्मचारियों के कल्याण, कुछ पूंजीवादी विशेषताओं का परित्याग आदि सुधार की योजना थी।

**136. (a)** जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन की स्थापना 1920 में एस. एन. हलदर ने की थी। इसकी शुरुआत टाटा स्टील उद्योग, जमशेदपुर के श्रमिकों के साथ की गई थी और इसे 1925 ई. में टाटा स्टील उद्योग द्वारा मान्यता दी गई।

**137. (a)** स्वामी सहजानंद सरस्वती भारत में किसान आंदोलन के जनक थे। सहजानंद द्वारा रचित पुस्तकें - कर्म-कलाप, किसान कैसे लड़ते हैं, झारखंड के किसान, किसान क्या करें आदि हैं।

**138. (e)** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां सम्मेलन 1911 ई. में कलकत्ता में पंडित बिशन नारायण धर की अध्यक्षता में एवं 28 वां सम्मेलन 1912 ई. में बांकीपुर में आर.एन. मुधोलकर की अध्यक्षता में हुई थी। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

**139. (c)** मौलाना मजहरूल हक देश के समर्पित स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर शिक्षाविद्, बिहार के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक थे। उन्होंने 'बिहार विद्यापीठ', बिहार नेशनल कॉलेज और सदाकत आश्रम की स्थापना की। मजहरूल हक ने 'मदर लैण्ड' नामक साप्ताहिक पत्र निकाला था।

**140. (c)** पटना युवक संघ की स्थापना 1927 में हुई।

**141. (c)** चूँकि 114, 19 से पूर्णतः विभाजित हो रही है। अतः 19 से भाग देने पर शेषफल =  $\frac{21}{19} = 2$  (शेषफल) इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

**142. (a)** माना पेंसिल की लंबाई x से.मी. है।

पेंसिल का काला भाग

$$= x \times \frac{1}{8} = \frac{x}{8} \text{ से.मी}$$

पेंसिल का सफेद भाग

$$= \left( x - \frac{x}{8} \right) \times \frac{1}{2} = \frac{7x}{16} \text{ से.मी.}$$

$$\text{पेंसिल का नीला भाग} = \frac{7}{2} \text{ से.मी.}$$

$$\therefore x = \frac{x}{8} + \frac{7x}{16} + \frac{7}{2}$$

$$\therefore x - \frac{x}{8} - \frac{7x}{16} = \frac{7}{2}$$

$$\Rightarrow \frac{7x}{16} = \frac{7}{2}$$

$$\therefore x = 8 \text{ से.मी. है।}$$

**143. (b)** पिता और माता की आयु का योग =  $36 \times 2 = 72$  वर्ष

पिता, माता और इकलौती बेटे की आयु का योग =  $28 \times 3 = 84$  वर्ष

$$\therefore \text{बेटे की आयु} = 84 - 72 = 12 \text{ वर्ष}$$

अतः बेटे की आयु 12 वर्ष है।

**144. (d)** माना तीन क्रमागत संख्या x, x + 1 एवं x + 2 है।

120 का गुणनखंड क्रमागत संख्या के रूप में  $(4 \times 5 \times 6)$  है

$$\therefore \text{इन संख्याओं का योग} = 4 + 5 + 6 = 15$$

अतः संख्याओं का योग = 15

$$\mathbf{145. (b)} \quad \frac{9^n \times 3^5 \times 27^3}{3 \times 81^4} = 243$$

$$\Rightarrow \frac{9^n \times 3^5 \times 27^3}{3 \times 3^4 \times 27^4} = 243$$

$$\Rightarrow \frac{9^n}{27} = 243$$

$$\Rightarrow 9^n = 27 \times 243$$

$$\Rightarrow 9^n = 9 \times 3 \times 9 \times 9 \times 3 = 9^4$$

$$\therefore \boxed{n = 4}$$

146. (e) क्रयमूल्य तथा विक्रय मूल्य का अनुपात = 10 : 11

$$\therefore \text{लाभ प्रतिशत} \\ = \frac{1}{10} \times 100 = 10\%$$

इसलिए लाभ प्रतिशत = 10% है।

अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

147. (a) माना पहले कार्य को किए जाने में लगे लोग  $x$  है

और दूसरे कार्य को पूरा करने में  $y$  दिन लगेंगे

$$\therefore \frac{1}{2} \times x \times 12 = 1 \times 2x \times y$$

$$\therefore y = 3$$

148. (c) रेलगाड़ी से चंडीगढ़ से पानीपत में लगा समय = 3 घंटा 15 मिनट =  $\frac{13}{4}$  घंटा

रेलगाड़ी की चाल = 40 कि. मी./घंटा

$\therefore$  चंडीगढ़ और पानीपत के मध्य की दूरी

$$40 \times \frac{13}{4} = 130 \text{ कि.मी.}$$

अतः चंडीगढ़ से पानीपत के मध्य दूरी = 130 कि.मी.

149. (b)

$$x = \frac{5.32 \times 56 + 5.32 \times 44}{(7.66)^2 - (2.34)^2}$$

$$\therefore x = \frac{5.32 (56 + 44)}{(7.66 - 2.34)(7.66 + 2.34)}$$

$$= \frac{5.32 \times 100}{5.32 \times 10}$$

$$\therefore \boxed{x = 10}$$

$$150. (d) \quad \frac{a}{x-a} + \frac{a}{y-a}$$

$$= \frac{a(y-a) + a(x-a)}{(x-a)(y-a)}$$

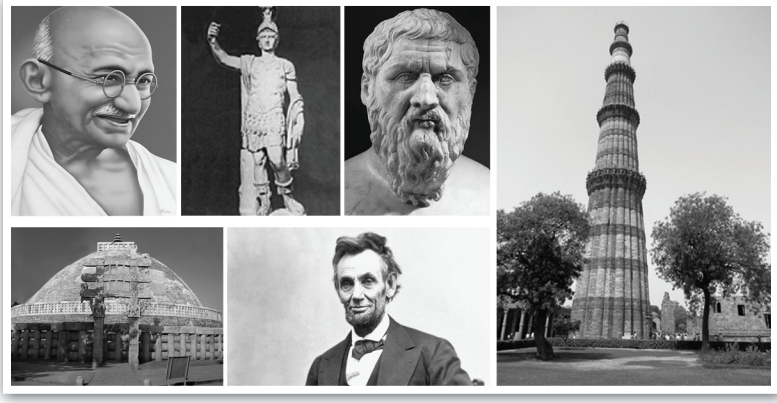
$$= \frac{a(x+y-2a)}{(x-a)(y-a)}$$

प्रश्न से,  $x+y=2a$

$$\frac{a(2a-2a)}{(x-a)(y-a)} = 0$$

$$\text{अतः} \quad \boxed{\frac{a}{x-a} + \frac{a}{y-a} = 0}$$





## भाग 1: इतिहास

- |          |                            |
|----------|----------------------------|
| प्रभाग 1 | 1. प्राचीन भारत            |
| प्रभाग 2 | 2. मध्यकालीन भारत          |
| प्रभाग 3 | 3. आधुनिक भारत             |
|          | 4. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन |
| प्रभाग 4 | 5. विश्व इतिहास            |
|          | 6. महान् व्यक्तित्व        |





1  
ला  
दिन

प्रभाग (1)

# प्राचीन भारत (Ancient India)

## प्राक्-ऐतिहासिक काल

- प्राक्-ऐतिहासिक काल अथवा प्रागैतिहासिक काल से तात्पर्य, इतिहास के उस काल से है, जिसकी जानकारी केवल पुरातात्विक साक्ष्यों से ही प्राप्त हो पाती है। इसके लिए कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं होते।
- प्रागैतिहासिक काल में मानव का जीवन पाषाण उपकरणों पर आधारित था, अतः इस काल को 'पाषाण काल' भी कहा जाता है।

## पूर्व पाषाण काल

- भारतीय इतिहास में लगभग 35,000 ई.पू. से 10,000 ई.पू. तक का काल 'पूर्व पाषाण काल' माना जाता है।
- भारत में पूर्व पाषाणकालीन सबसे प्राचीन संस्कृति, उत्तर-पश्चिमी भारत (वर्तमान में पाकिस्तान) में सोहन नदी की घाटी में रावलपिंडी के निकट प्राप्त हुई, जिसे 'सोहन संस्कृति' कहा जाता है।
- इस काल में मानव जीवन खानाबदोश था। वह कच्चा मांस एवं वनों से एकत्र कंद एवं फल खाता था। अग्नि का आविष्कार इसी काल में हुआ।
- इस काल में मानव पेड़ों के नीचे और पहाड़ों की गुफाओं में रहते थे।

## मध्य पाषाण काल

- पूर्व पाषाण काल एवं नव पाषाण काल के बीच संक्रमण काल इतिहास में 'मध्य पाषाण काल' कहलाता है। इसका कालक्रम 10,000 ई.पू. से 5,000 ई.पू. के मध्य माना जाता है।



#### 4 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- मध्य पाषाण काल में शिकार की बढ़ती आवश्यकता के लिए 'तीर' का विकास हुआ। साथ ही बढ़ती आवश्यकताओं के कारण मानव में सामूहिकता की भावना का विकास भी मध्य पाषाण काल में हुआ।

#### नव पाषाण काल

- भारतीय इतिहास में लगभग 5,000 ई.पू. से 2,500 ई.पू. तक का कालक्रम 'नव पाषाण काल' माना जाता है।
- नव पाषाण काल में मनुष्य द्वारा अपनी विभिन्न आवश्यकताओं के कारण कृषि, घर का निर्माण, बर्तनों का प्रयोग, पहिए का उपयोग इत्यादि का विकास कर लिया गया था।
- नव पाषाण काल की एक प्रमुख विशेषता इस काल के औजारों पर 'पॉलिश' (Polish) होना है।
- नव पाषाण काल में पशुपालन बढ़ गया और कृषि कार्य भी होने लगा था। पहिए का आविष्कार भी इसी काल में हुआ था।

#### सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा संस्कृति)

- सिंधु घाटी की सभ्यता भारत की ही नहीं बल्कि विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। इस सभ्यता का सर्वप्रथम उत्खनित स्थल पश्चिमी पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) में रावी नदी के तट पर 'हड़प्पा' था, इसलिए इस सभ्यता को 'हड़प्पा संस्कृति' भी कहा जाता है।
- सिंधु घाटी की सभ्यता का काल सामान्यतः 2300 ई.पू. से 1750 ई.पू. के मध्य माना जाता है।

#### सिंधु घाटी की सभ्यता के प्रमुख स्थल (वर्तमान पाकिस्तान में स्थित स्थल)

क्र. सं.	स्थल	खोजकर्ता	वर्ष
1.	हड़प्पा (पंजाब प्रांत)	दयाराम साहनी	1921
2.	मोहनजोदड़ो (सिंध)	राखलदास बनर्जी	1922
3.	सुतकांगेडोर (ब्लूचिस्तान)	आर्थर स्ट्राइन	1927
4.	चंहूदड़ो (सिंध)	एम.जी. मजूमदार	1932
5.	कोटदीजी (सिंध प्रांत)	के.धूरे/अहमद खान	1955
(वर्तमान भारत में स्थित स्थल)			
6.	रंगपुरा (अहमदाबाद)	एम.एस. वत्स	1937
7.	कालीबंगा (गंगानगर)	ए. घोष	1953

Contd...

8.	रोपड़ (पंजाब प्रांत)	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56
9.	लोथल (अहमदाबाद)	एस.आर. राव	1957
10.	सुरकोतड़ा (कच्छ)	जगपति जोशी	1964
11.	बनावली (हिसार)	रणधीर सिंह बिष्ट	1974
12.	धौलावीरा (कच्छ)	रणधीर सिंह बिष्ट एवं जगपति जोशी	1991

- इस सभ्यता (सिंधु घाटी सभ्यता) के स्थल पाकिस्तान और भारत दोनों देशों में पाए जाते हैं।
- हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो को स्टुअर्ट पिग्गट ने इस 'सभ्यता की जुड़वां राजधानी' माना था।
- सिंधु घाटी सभ्यता का संपूर्ण क्षेत्र का आकार त्रिभुजाकार है। इसका क्षेत्रफल लगभग 13 लाख वर्ग कि.मी. है।
- सिंधु घाटी सभ्यता का विस्तार (भारत में) उत्तर में जम्मू से लेकर दक्षिण में नर्मदा के मुहाने भगतराव तक और पूर्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आलमगीरपुर (मेरठ) से लेकर पश्चिम में मकरान तट तक है।
- सिंधु घाटी सभ्यता के निर्माता द्रविड़ थे। सिंधु घाटी के लोगों द्वारा प्रयुक्त भाषा आज तक पूरी तरह पढ़ी नहीं जा सकी थी।
- सिंधु घाटी सभ्यता कांस्ययुगीन थी।
- सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल 'मोहनजोदड़ो' का शाब्दिक अर्थ है- 'मृतकों का टीला'। यह सिंधु नदी के किनारे स्थित था। यहां एक विशाल स्नानागार स्थित है। मोहनजोदड़ो सिंधु सभ्यता के शहरों में सबसे बड़ा है।
- सिंधु घाटी की सभ्यता अपने समय की अति विकसित एवं सुसंस्कृत लोगों की नगरीय सभ्यता थी। इस सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसकी नगर-योजना प्रणाली थी।
- सिंधु घाटी की सभ्यता की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान थी।
- सिंधु घाटी का व्यापार सिंधु क्षेत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि यह मिस्र, मेसोपोटामिया (वर्तमान इराक) और मध्य एशियाई देशों तक विस्तृत था।
- सिंधु सभ्यता के लोग सूती और ऊनी दोनों प्रकार के वस्त्र पहनते थे।
- हड़प्पा संस्कृति के लोगों की कला के प्रति विशेष अभिरुचि थी। इस सभ्यता की सर्वोत्तम कलाकृतियां उसकी मुहरें हैं, जो अब तक लगभग दो हजार से अधिक प्राप्त हो चुकी हैं।
- सिंधु सभ्यता के लोग शाकाहारी एवं मांसाहारी दोनों प्रकार का भोजन करते थे।
- सिंधु सभ्यता के लोग धार्मिक उत्सव एवं समारोह धूमधाम से मनाते थे।
- सिंधु घाटी सभ्यता का प्रधान बंदरगाह लोथल (अहमदाबाद के निकट) था।

6 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

## वैदिक सभ्यता

### ऋग्वैदिक काल ( 1500 ई.पू. से 1000 ई.पू. )

- वैदिक सभ्यता की जानकारी के प्रमुख स्रोत 'वेद' हैं, इसलिए इसे 'वैदिक सभ्यता' के नाम से जाना जाता है।
- वैदिक संस्कृति/सभ्यता के निर्माता आर्य थे। इनका भारत आगमन लगभग 1500 ई.पू. में हुआ था। आर्य लोग भारत में बाहर से आए थे, इसलिए इनके मूल निवास/स्थान को लेकर विद्वानों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं।

### आर्यों के मूल स्थान से संबंधित विभिन्न मत

क्र. स.	मूल स्थान	प्रतिपादक
1.	भारत मध्य प्रदेश कश्मीर सप्त सिंधु प्रदेश	डॉ. राजबली पांडे एल.डी. कल्ला ए.सी. दास एवं डॉ. संपूर्णानंद
2.	तिब्बत	स्वामी दयानंद सरस्वती
3.	उत्तरी ध्रुव	बाल गंगाधर तिलक
4.	एशिया मध्य एशिया किर्गीज मैदान	मैक्समूलर ब्रैंड स्टोन
5.	यूरोप हंगरी जर्मनी द. रूस	गाइल प्रो. पेंका गार्डन चाइल्ड व नेहरिंग

- अधिकांश विद्वान् मैक्समूलर के मत से सहमत हैं कि आर्य मूल रूप से मध्य एशिया के निवासी थे।
- वेदों की कुल संख्या चार है। यह भारत के ही नहीं, विश्व के प्राचीनतम एवं पवित्र ग्रंथ हैं। इन्हें ईश्वर द्वारा रचित माना जाता है।
- वेदों का निर्माण वैदिक काल में ही हुआ। चार वेद इस प्रकार हैं— ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद।
- आर्यों ने ही ऋग्वेद की रचना की, इसे मानव जाति का प्रथम ग्रंथ माना जाता है। ऋग्वेद द्वारा जिस काल का विवरण मिलता है, उसे 'ऋग्वैदिक काल' के नाम से जाना जाता है। ऋग्वेद ही आर्यों का सबसे प्राचीन वेद है।
- 'गायत्री मंत्र' ऋग्वेद से ही प्राप्त हुआ है। 'अस्तो मा सद्गमय' वाक्य भी यहीं से लिया गया है।

- ऋग्वेदकालीन समाज पितृसत्तात्मक (पुरुष प्रधान) समाज था।
- आर्यों की भाषा संस्कृत थी।
- आर्यों के समय समाज में चार वर्ण थे— ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र।
- ऋग्वैदिककालीन राजनीतिक व्यवस्था कबीलाई व्यवस्था थी।
- इस काल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी सिंधु नदी थी, इसका उल्लेख ऋग्वेद में कई बार आया है। इसके अतिरिक्त ऋग्वेद में गंगा नदी (एक बार) तथा यमुना नदी का (तीन बार) उल्लेख मिलता है।
- ऋग्वैदिक काल का सबसे महत्वपूर्ण देवता 'इंद्र' था। इसे वर्षा एवं युद्ध का देवता माना जाता था। इंद्र के बाद दूसरा स्थान अग्नि का था।
- ऋग्वैदिक काल में सती प्रथा का प्रचलन नहीं था। इस काल में संयुक्त परिवार की प्रथा का प्रचलन था।

### उत्तर वैदिक काल ( 1000-500 ई.पू. )

- 1000 ई.पू. से 500 ई.पू. तक के कालखंड को 'उत्तर वैदिक काल' की संज्ञा दी जाती है।
- उत्तर वैदिक काल में (ऋग्वेद को छोड़कर) शेष अन्य तीन वेदों एवं उपनिषदों की रचना हुई थी।
- ऋग्वेद के अलावा शेष अन्य तीन वेद हैं— सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद।
- सामवेद उत्तर वैदिककालीन ग्रंथ है, जिसमें लगभग 1810 मंत्र हैं, जो संगीतबद्ध शैली में रचे गए हैं। इसलिए सामवेद को विश्व की 'प्रथम संगीत पुस्तक' भी माना जाता है।
- यजुर्वेद में लगभग 2,000 मंत्र (सर्वाधिक) हैं। इस ग्रंथ में यज्ञों से संबंधित मंत्र हैं।
- अथर्ववेद में वैदिक संस्कृति के अतिरिक्त अन्य संस्कृतियों का भी समावेश है। इस वेद की रचना सबसे अंत में हुई। इसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा संबंधी मंत्र भी हैं। इसमें कुल 731 मंत्र हैं।
- वेदों को लिपिबद्ध करके इनकी रचना करने का श्रेय महर्षि वेद व्यास को है। उपनिषदों का अर्थ है— वह विद्या जो गुरु के समीप बैठकर सीखी जाती है।
- उपनिषदों में दार्शनिक बातों को गुरु-शिष्य के मध्य प्रश्नोत्तर के माध्यम से सूत्र-शैली में समझाया गया है। प्रमुख उपनिषद 'मुंडक उपनिषद' है। इस उपनिषद के एक मंत्र से भारत का राष्ट्रीय वाक्य 'सत्यमेव जयते' लिया गया है।
- उपनिषदों की कुल संख्या 108 है, किंतु प्रामाणिक उपनिषद केवल 12 ही हैं।
- उत्तर वैदिक काल में मनुष्य का जीवन 'आश्रम व्यवस्था' के अनुसार व्यवस्थित था। मनुष्य की आयु 100 वर्ष मानते हुए उसे 4 भागों में विभाजित किया गया था, जिन्हें 'आश्रम' कहते थे।

## 8 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- आश्रम व्यवस्था के अनुसार सर्वप्रथम ब्रह्मचर्य (25 वर्ष की आयु तक), जिसमें शिष्य के रूप में अध्ययन किया जाता था। दूसरा, गृहस्थ (25 वर्ष से 50 वर्ष तक) विवाहित व पारिवारिक जीवन के कार्य; तीसरा, वानप्रस्थ (50 से 75 वर्ष तक) आत्मचिंतन सामाजिक उत्थान हेतु किया जाता था। अंतिम, संन्यास (75 वर्ष से मृत्यु तक) समाज से दूर, सब कुछ त्याग कर, ईश्वर ध्यान किया जाता था।
- उत्तर वैदिक काल में ब्राह्मणों का स्थान सर्वश्रेष्ठ था।
- ऋग्वैदिक काल में जहां स्त्रियों को सम्मान प्राप्त था, वहीं उत्तर वैदिक काल में स्त्रियों को निम्न दर्जा दिया जाने लगा।

## धार्मिक आंदोलन

- वैदिक काल के अंतिम चरण तक वैदिक धर्म में अनेक रूढ़ियों, कठोरता एवं कर्मकांडों के कारण लोगों में असंतोष उत्पन्न हुआ। इन कारणों से छठी शताब्दी ई.पू. में भारत में कई नए धर्म संप्रदायों का जन्म हुआ।
- छठी शताब्दी ई.पू. तथा पांचवीं शताब्दी ई.पू. में स्थापित प्रमुख संप्रदाय थे—बौद्ध धर्म (गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित/स्थापित) एवं जैन धर्म (महावीर द्वारा प्रतिपादित)।

## बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म की स्थापना महात्मा बुद्ध द्वारा की गई थी। इनका जन्म 563 ई.पू. में नेपाल की तराई में स्थित कपिलवस्तु के लुंबिनी नामक स्थान पर हुआ था।
- महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। इनके पिता का नाम शुद्धोदन था, जो वज्जि संघ के शाक्य गण के प्रमुख थे तथा इनकी माता कौशल की राजकुमारी थीं। सिद्धार्थ के जन्म के बाद इनकी माता का निधन हो गया।
- इनका पालन-पोषण इनकी मौसी प्रजापति गौतमी ने किया था, इसलिए सिद्धार्थ को 'गौतम' भी कहा जाता है।
- सिद्धार्थ को युवा अवस्था से ही सांसारिक कार्यों से अधिक मोह नहीं था। एक दिन वह अपने सारथी 'चाण' के साथ नगर भ्रमण के दौरान एक जर्जर वृद्ध, एक दुखी रोगी एवं एक शव देखकर दुखी हो गए; किंतु एक शांत चित्त संन्यासी को देखकर उन्हें शांति मिली और उनके मन में 'वैराग्य' उत्पन्न हुआ।
- 29 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ ने रात्रि के समय चुपचाप गृह-त्याग कर दिया। सिद्धार्थ के जीवन की इस घटना को 'महाभिनिष्क्रमण' कहा गया।
- सिद्धार्थ गौतम को 35 वर्ष की अवस्था में गया के निकट एक पीपल के वृक्ष के नीचे 49वें दिन ज्ञान प्राप्त हुआ। ज्ञान-प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ 'बुद्ध' कहलाए। बौद्ध ग्रंथों में इनके ज्ञान-प्राप्ति को 'निर्वाण' कहा गया।

- ज्ञान-प्राप्ति के बाद वाराणसी के निकट सारनाथ नामक स्थान पर गौतम बुद्ध ने पांच पुराने साथियों को अपना प्रथम उपदेश दिया, जो बुद्ध परंपरा में 'धर्मचक्र प्रवर्तन' कहलाता है।
- महात्मा बुद्ध की 80 वर्ष की आयु में (लगभग 483 ई.पू.) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मृत्यु हो गई। इस घटना को 'महापरिनिर्वाण' कहा जाता है।
- बौद्ध धर्म का संगठन गणतांत्रिक पद्धति पर आधारित था।
- बुद्ध के प्रसिद्ध अनुयायी शासकों में शामिल थे— बिंबिसार, अजातशत्रु, कालाशोक, अशोक व कनिष्क।
- बौद्ध धर्म के दो प्रमुख संप्रदाय थे— हीनयान एवं महायान। हीनयान संप्रदाय के लोग (एशिया में) श्रीलंका, म्यांमार एवं जावा (इंडोनेशिया) आदि स्थलों पर फैले हुए हैं, जबकि महायान संप्रदाय के लोग चीन, तिब्बत, मंगोलिया, जापान एवं द. कोरिया आदि देशों में हैं।
- महात्मा बुद्ध ने अपने उपदेश पाली भाषा में दिए थे।

### बौद्ध धर्म की प्रमुख संगीतियां (सभाएं)

(एक दृष्टि में)

संगीति	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	शासक
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह	महाकश्यप	अजातशत्रु
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	आचार्य सर्वकामी	कालाशोक
तृतीय	250 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोगलिपुत्र तिस्य	अशोक
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी	कुंडलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	कनिष्क

### जैन धर्म

- जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए। इनमें प्रथम ऋषभदेव थे, जो प्रारंभिक वैदिक ऋषियों के समकालीन माने जाते हैं।
- जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे तथा 24वें तीर्थंकर महावीर हुए। इसके पश्चात् इसे 'जैन धर्म' के नाम से जाना गया। महावीर स्वामी ही जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक माने जाते हैं।
- महावीर का जन्म 540 ई.पू. में वैशाली के निकट कुंडग्राम नामक स्थान पर हुआ। 29 वर्ष की आयु में महावीर ने गृह त्याग दिया।
- 12 वर्षों तक लगातार कठोर तपस्या/साधना के बाद 42 वर्ष की आयु में जांभिय ग्राम नामक स्थान पर ऋजुपालिका नदी के तट पर उन्हें सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ।
- महावीर की मृत्यु 72 वर्ष की आयु में 468 ई.पू. में हुई।
- जैन धर्म के दो प्रमुख संप्रदाय 'दिगंबर' एवं 'श्वेतांबर' हैं।

10 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- जैन धर्म में भी दो प्रमुख संगीतियां/सभाएं (प्राचीन काल में) हुईं। पहली संगीति 300 ई.पू. में स्थूलभद्र की अध्यक्षता में पाटलिपुत्र में हुई, जबकि दूसरी संगीति (सभा) 512 ई. में वल्लभी (गुजरात) में हुई।

## महाजनपद युग

- बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय' में छठी शताब्दी ई.पू. में 16 महाजनपदों के अस्तित्व का उल्लेख मिलता है।
- छोटे-छोटे राज्यों को 'महाजनपद' कहा जाता था। छठी शताब्दी ई.पू. में भारत में (उत्तर भारत) ऐसे राज्यों की संख्या 16 थी।
- इन महाजनपदों में मुख्यतः राजतंत्रात्मक शासन था, किंतु कुछ छोटे राज्यों में गणतंत्रात्मक शासन स्थापित था।
- इन महाजनपदों में सबसे शक्तिशाली 'मगध' था।

### सोलह महाजनपद

क्र. सं.	महाजनपद	राजधानी	क्र. सं.	महाजनपद	राजधानी
1.	मगध	राजगृह	9.	पांचाल	कांपिल्य
2.	काशी	वाराणसी	10.	कंबोज	राजपुरा
3.	अंग	चंपा	11.	गंधार	तक्षशिला
4.	कोशल	अयोध्या	12.	मत्स्य	विराटनगर
5.	मल्ल	कुशीनगर	13.	चेदि	शक्तिमति
6.	वज्जि	वैशाली	14.	शूरसेन	मथुरा
7.	वत्स	कौशांबी	15.	अश्मक	पाटन
8.	कुरु	इंद्रप्रस्थ	16.	अवन्ति	उज्जैन

## मगध साम्राज्य

- सोलह महाजनपदों में मगध ने अपने भौतिक संसाधनों एवं श्रेष्ठ शासकों के कारण उन्नति की तथा अन्य राज्यों को विजित करके प्रमुख राज्य बन गया।
- छठी शताब्दी ईसा पू. में सोलह महाजनपदों में से एक 'मगध' का उदय एक साम्राज्य के रूप में हुआ। इसे भारत का प्रथम साम्राज्य भी माना जाता है।
- मगध का उत्कर्ष 'हर्यक वंश' के शासक बिंबिसार (544-492 ई.पू.) के समय में प्रारंभ हुआ। बिंबिसार ने गिरिव्रज/राजगृह को अपनी राजधानी बनाकर मगध साम्राज्य की स्थापना की थी।

- बिंबिसार हर्यक वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक था। बिंबिसार की हत्या उसके पुत्र अजातशत्रु ने की थी।
- बिंबिसार की हत्या के पश्चात् उसका पुत्र 'अजातशत्रु' मगध का शासक (492-460 ई.पू.) बना। इसे 'कुणिक' भी कहा जाता है।
- प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन राजगृह में अजातशत्रु के शासनकाल में ही हुआ था।
- हर्यक वंश के बाद मगध पर शिशुनाग वंश का शासन प्रारंभ हुआ। इस वंश का मगध पर शासन 412 से 344 ई.पू. तक रहा।
- शिशुनाग वंश का शक्तिशाली शासक कालाशोक (394-366 ई.पू. तक) था। इसी के शासनकाल में (वैशाली में) द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन 383 ई.पू. में हुआ था।
- शिशुनाग वंश के बाद मगध पर शक्तिशाली नंद वंश (344-322 ई.पू.) का शासन स्थापित हुआ। इस वंश का अंतिम शासक घनानंद था। इसी के शासनकाल में सिकंदर ने भारत पर आक्रमण (326 ई.पू.) किया था।
- नंद वंश के शासनकाल में मगध साम्राज्य की शक्ति में बहुत वृद्धि हुई, परंतु नंद वंश का अंतिम शासक घनानंद अहंकारी था तथा प्रजा हितैषी नहीं था।
- घनानंद ने पाटलिपुत्र के प्रतिष्ठित ब्राह्मण चाणक्य का अपमान किया था। यहीं से नंद वंश के पतन की शुरुआत हुई और चाणक्य के सहयोग से ही मगध पर 'मौर्य वंश' का शासन स्थापित हुआ।

## भारत पर विदेशी आक्रमण ( सिकंदर का आक्रमण )

- भारत पर पहला विदेशी आक्रमण 516 ई.पू. में ईरान (फारस) के शासक डेरियस ने किया। डेरियस ने सिंधु नदी के पश्चिमी क्षेत्र को जीतकर उस पर अधिकार कर लिया था।
- यूनान के मेसीडोनिया/मकदूनिया के शासक सिकंदर (Alexander) ने अपनी विश्व-विजय की महत्वाकांक्षा को साकार करने के उद्देश्य से भारत पर 326 ई.पू. में आक्रमण किया।
- सिकंदर के आक्रमण के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित था।
- भारत में सर्वप्रथम सिकंदर का सामना तक्षशिला के शासक आंभी से हुआ था। आंभी ने शीघ्र ही सिकंदर की अधीनता स्वीकार कर ली।



## 12 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- सिकंदर का भारत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण युद्ध पोरस (पुरु) के साथ झेलम नदी के तट पर हुआ। इस युद्ध को 'हाइडेस्पेस का युद्ध' भी कहा जाता है। इस युद्ध में भारतीय शासक पोरस (पुरु) की हार हुई।
- सिकंदर ने अपनी जीत के बावजूद पोरस (पुरु) की बहादुरी को देखते हुए उसका राज्य उसे वापस कर दिया।
- सिकंदर की सेना ने व्यास नदी से आगे बढ़ने से इनकार कर दिया, जिसके कारण उसे अपना भारत-विजय अभियान छोड़ना पड़ा।
- सिकंदर भारत में लगभग 19 महीने रहा। सिकंदर की मृत्यु भारत के विजित प्रदेशों को अपने सेनापति (फिलिप) को सौंपकर वापस अपने देश (मेसीडोनिया) लौटते समय 323 ई.पू. में मिस्र के अलेक्जेंड्रिया नामक स्थान पर हो गई।

## मौर्य साम्राज्य ( 323 ई.पू. से 184 ई.पू. )

### मौर्य वंश के शासक

#### चंद्रगुप्त मौर्य ( 322-298 ई.पू. )

- मौर्य वंश का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य था, परंतु वह राजवंश से संबंधित नहीं था। इसके गुरु तथा बाद में मौर्य साम्राज्य के प्रधानमंत्री 'कौटिल्य' या 'चाणक्य' ने इसकी योग्यता से प्रभावित होकर चंद्रगुप्त को तक्षशिला में शिक्षा दी।
- चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ई.पू. में अपने गुरु चाणक्य की सहायता से मगध साम्राज्य के अंतिम शासक घनानंद को हराकर (मगध का साम्राज्य प्राप्त किया) मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।
- चंद्रगुप्त मौर्य एवं चाणक्य ने सर्वप्रथम सेना एकत्र करके पश्चिमोत्तर भारत को यूनानियों से मुक्त कराया। चंद्रगुप्त ने 305 ई.पू. में यूनानी शासक सेल्यूकस को पराजित करके अफगानिस्तान का क्षेत्र प्राप्त किया।
- सेल्यूकस को पराजित होने के पश्चात् अपनी पुत्री का विवाह चंद्रगुप्त से करना पड़ा तथा मेगस्थनीज को अपने राजदूत के रूप में चंद्रगुप्त के दरबार में भेजा। मेगस्थनीज के ग्रंथ 'इंडिका' से भी मौर्य साम्राज्य के बारे में काफी जानकारी प्राप्त होती है।
- चंद्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य पश्चिमोत्तर भारत सहित उत्तर प्रदेश, बिहार एवं बंगाल सहित दक्षिण भारत में मैसूर तक फैला था।
- यूनानी शासकों ने चंद्रगुप्त मौर्य को 'सेड्रोकोट्टस' नाम से सम्बोधित किया।
- चंद्रगुप्त मौर्य के (गुरु) प्रधानमंत्री कौटिल्य (जिसे 'चाणक्य' के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा लिखित ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' है, जिसमें प्रशासन के नियमों को उल्लेख मिलता है।

### बिंदुसार ( 298-272 ई.पू. )

- चंद्रगुप्त मौर्य के बाद उसका पुत्र बिंदुसार उसका उत्तराधिकारी बना।
- बिंदुसार को यूनानी लेखकों ने 'अमित्रघात' कहा।
- यूनानी राजदूत डायमेकस इसके दरबार में आया था।

### सम्राट् अशोक ( 273-232 ई.पू. )

- बिंदुसार का पुत्र अशोक राजसिंहासन पर 273 ई.पू. में बैठा। इसके शासनकाल का प्रारंभिक काल साम्राज्य विस्तार के लिए प्रसिद्ध है।
- अशोक ने अपने शासनकाल के 9वें वर्ष में कलिंग पर आक्रमण किया और विजयी हुआ, परंतु इस युद्ध में हुए भीषण नरसंहार ने अशोक को बौद्ध धर्म की ओर आकर्षित किया। अशोक ने उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु से दीक्षा भी ली।
- कलिंग युद्ध के पश्चात् अशोक ने युद्ध विजय के स्थान पर 'धम्म-विजय' का मार्ग अपनाया।
- अशोक ने अपने साम्राज्य में विभिन्न स्थानों तथा सीमावर्ती राज्यों की सीमाओं पर अनेक शिलालेख एवं स्तंभ स्थापित करवाएँ, जिनमें नैतिकता, प्रेम, अहिंसा आदि धम्म-विषयक बातों का उल्लेख मिलता है।
- मौर्य काल में जनता की भाषा 'पालि' थी। इसलिए अशोक ने अपने सभी स्तंभों तथा शिलालेखों में इस भाषा का प्रयोग किया।
- अशोक ने धम्म प्रचार के लिए अनेक राज्यों में अपने दूत भेजे तथा श्रीलंका में अशोक ने (बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु) अपने पुत्र महेंद्र एवं पुत्री संघमित्रा को भेजा।
- अशोक का साम्राज्य सुदूर दक्षिण के छोटे राज्यों को छोड़कर लगभग संपूर्ण भारत में तथा अफगानिस्तान के क्षेत्र तक विस्तृत था।

## मौर्योत्तर काल

- मौर्य वंश के पतन के पश्चात् भारत की राजनीतिक एकता बिखर गई, किंतु आर्थिक व सांस्कृतिक दृष्टि से यह काल भारतीय इतिहास में उन्नति का काल रहा।

### शुंग वंश

- अंतिम मौर्य सम्राट् बृहद्रथ को मारकर उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 187 ई.पू. में (पाटलिपुत्र में) शुंग वंश के शासन की स्थापना की।
- पुष्यमित्र का शासनकाल ब्राह्मण धर्म व कला तथा संस्कृति के उत्थान का काल था।

### कण्व वंश

- अंतिम शुंग शासक देवभूति की हत्या के बाद उसके सेनापति वासुदेव ने 75 ई.पू. में कण्व वंश की स्थापना की।

14 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

### सातवाहन वंश

- सातवाहन वंश ब्राह्मण वंश था, जिसे 'आंध्रभृत्य' भी कहा जाता है।
- दक्कन के क्षेत्र में इस वंश का प्रभुत्व था।
- सातवाहन वंश का सर्वश्रेष्ठ एवं सुप्रसिद्ध शासक गौतमी पुत्रशातकर्णी था। इसने शक, पहलव एवं यवनों को पराजित कर अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- सातवाहनों के पश्चात् दक्षिण भारत में वाकाटक वंश का प्रभुत्व रहा। इस वंश का संस्थापक विन्ध्य शक्ति था।

### शक

- भारत में सर्वप्रथम तक्षशिला में शक शासक मोग का उल्लेख मिलता है।
- यूनानियों के बाद शक (ऐसे दूसरे विदेशी शासक थे, जो) भारत आए।
- शकों की दो शाखाएं थीं— एक, तक्षशिला एवं मथुरा के उत्तर में तथा दूसरी महाराष्ट्र एवं उज्जैन के पश्चिम में।

### कुषाण वंश

- कुषाण वंश चीन की प्राचीन जाति यू-चि की एक शाखा था। भारत में कुषाण वंश का प्रथम शासक (संस्थापक) कुजुल कडफिसस (15 ई.) था, जिसका राज्य पूर्व में तक्षशिला तक विस्तृत था।
- कुषाण वंश का सर्वश्रेष्ठ एवं प्रसिद्ध शासक 'कनिष्क' था। कनिष्क ने अपने राज्यारोहण (78 ई. से) के साथ 'शक संवत्' की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि यही शक संवत् वर्तमान में भारत का 'राष्ट्रीय संवत्' है।
- कनिष्क का साम्राज्य पूर्व में पाटलिपुत्र तक, पश्चिम में बैक्ट्रिया एवं उत्तर में खोतान तक विस्तृत था।
- कनिष्क के शासनकाल में ही चौथी बौद्ध संगीति/सभा कुंडलवन (कश्मीर) में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुई।
- कनिष्क का राजवैद्य आयुर्वेद का विख्यात विद्वान् 'चरक' था तथा राजकवि अश्वघोष था।
- कनिष्क की राजधानी पुरुषपुर (वर्तमान पेशावर, पाकिस्तान) थी तथा मथुरा (उत्तर प्रदेश) को द्वितीय राजधानी का दर्जा प्राप्त था।

### गुप्त साम्राज्य

- गुप्त वंश का संस्थापक श्री गुप्त को माना जाता है।
- मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद काफी लंबी अवधि तक भारत विभिन्न राजवंशों के अधीन रहा। इनमें से अधिकांश राजवंश कमजोर थे। (कुषाण वंश को छोड़कर)।

- कुषाणों के पतन के बाद से ही वास्तव में गुप्तों का उदय माना जा सकता है। गुप्त लोग कुषाणों के ही सामंत थे।
- गुप्तकाल को भारतीय इतिहास में 'स्वर्ण युग' (Golden Age) के नाम से जाना जाता है। इस काल में कला और साहित्य के क्षेत्र में अप्रतिम विकास हुआ।

## गुप्त वंश के प्रमुख शासक

### चंद्रगुप्त प्रथम ( 319-335 ई. )

- गुप्त वंश का प्रथम महान् शासक चंद्रगुप्त प्रथम था। इसे ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- चंद्रगुप्त प्रथम का शासन मगध और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक विस्तृत था।
- चंद्रगुप्त प्रथम ने अपने राज्यारोहण के समय 319 ई. में 'गुप्त संवत्' को प्रारंभ किया।
- चंद्रगुप्त प्रथम ने लिच्छवि वंश की राजकुमारी कुमार देवी से विवाह करके अपने वंश की प्रतिष्ठा बढ़ाई। इसी विवाह के अवसर पर चंद्रगुप्त प्रथम व कुमार देवी के चित्रों से युक्त स्वर्ण सिक्के (Gold Coins) जारी किए गए।

### समुद्रगुप्त ( 335-380 ई. )

- चंद्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त 335 ई. में राजसिंहासन पर बैठा।
- समुद्रगुप्त गुप्त वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक था।
- समुद्रगुप्त के विजय अभियानों के कारण इसे 'भारत का नेपोलियन' भी कहा जाता है। इसे लगभग सौ युद्धों का विजेता माना जाता है।
- समुद्रगुप्त स्वयं कवि, विद्वान्, वीर तथा वीणा बजाने में कुशल था।
- गरुड़ गुप्त वंश का राजकीय चिह्न था।

### चंद्रगुप्त द्वितीय ( 380-412 ई. ) 'विक्रमादित्य'

- अपने पिता समुद्रगुप्त की मृत्यु के पश्चात् चंद्रगुप्त द्वितीय (380 ई. में) गुप्त साम्राज्य का शासक बना।
- चंद्रगुप्त द्वितीय भी अपने पिता की तरह भारत के महानतम सम्राटों में से एक माना जाता है। वह भी एक महान् साम्राज्य निर्माता था।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने शकों पर विजय के पश्चात् 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की थी।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने शकों के अतिरिक्त उत्तर-दक्षिण भारत में भी कई राजाओं को पराजित करके बंगाल, मालवा, गुजरात, सिंध, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र व विंध्य के दक्षिण तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- शकों पर अपनी विजय के पश्चात् चंद्रगुप्त द्वितीय ने चांदी के सिक्के चलाए।

## 16 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- दिल्ली में कुतुबमीनार के निकट महरौली में स्थापित लौह स्तंभ में उल्लेखित राजा 'चंद्र' यही (चंद्रगुप्त द्वितीय) था। इसी के द्वारा यह स्तंभ बनवाया गया था।
- चंद्रगुप्त द्वितीय का शासन काल उसकी विजयों के कारण नहीं, बल्कि कला व साहित्य के क्षेत्र में विशेष उन्नति व प्रगति के कारण जाना जाता है। इसके दरबार में विद्वानों की मंडली रहती थी, जिनमें प्रमुख थे— कालिदास, धन्वंतरि (प्रसिद्ध चिकित्सक), अमर सिंह आदि। यह 'नवरत्न' कहलाते थे।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबारी कवि कालिदास को 'भारत का शेक्सपियर' कहा जाता है।
- प्रसिद्ध चीनी यात्री फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में (399 से 414 ई. के मध्य) भारत आया था। फाह्यान ने राज्य की संपन्नता, नैतिकता, धार्मिकता के बारे में विस्तार से विवेचन किया है।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के शासन के दौरान पाटलिपुत्र तथा उज्जयिनी विद्या के दो प्रमुख केंद्र थे।
- उज्जयिनी चंद्रगुप्त द्वितीय की दूसरी राजधानी भी थी।

### कुमारगुप्त ( 415-454 ई. )

- चंद्रगुप्त द्वितीय के पश्चात् कुमारगुप्त गुप्त साम्राज्य का शासक बना।
- कुमारगुप्त ने 'महेन्द्र कल्प' एवं 'महेन्द्रादित्य' की उपाधियां धारण की थीं।
- कुमारगुप्त के शासनकाल में ही नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जो काफी लंबे समय तक शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा।
- कुमारगुप्त द्वारा सर्वप्रथम इस प्रकार के सिक्के जारी किए गए थे, जिसमें शिव-पार्वती को पति-पत्नी के रूप में दर्शाया गया था।

### स्कंदगुप्त ( 455-467 ई. )

- कुमारगुप्त की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र स्कंदगुप्त गुप्त साम्राज्य का (455 ई. में) शासक बना।
- स्कंदगुप्त ने 'सौ राजाओं के स्वामी' की उपाधि धारण की थी।
- इसे गुप्त वंश का अंतिम महत्वपूर्ण शासक माना जाता है, क्योंकि स्कंदगुप्त के बाद गुप्त वंश (अयोग्य उत्तराधिकारियों के कारण) कमजोर होता गया।
- स्कंदगुप्त के शासनकाल में ही हूणों का आक्रमण हुआ था।

## गुप्तोत्तर काल

- गुप्त वंश के पतन में हूण आक्रमणों की प्रमुख भूमिका थी। हूण एक बर्बर जाति थी, जिसने पश्चिमी भारत पर काफी समय तक अपने प्रभाव को बनाए रखा था।
- गुप्तों के पश्चात् भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग राजवंश स्थापित हो गए थे। अंत में 'वर्धन वंश' ने लगभग संपूर्ण उत्तर भारत पर अपना प्रभुत्व बना लिया।

## वर्धन वंश

### हर्षवर्धन ( 606-647 ई. )

- हर्षवर्धन इस वंश का सर्वश्रेष्ठ व प्रसिद्ध शासक था।
- हर्षवर्धन का संपूर्ण उत्तर भारत पर प्रभुत्व था, परंतु विंध्य पर्वत के दक्षिण में इसका विस्तार चालुक्य वंश के पुलकेशिन द्वितीय से पराजित होने पर रुक गया था।
- हर्षवर्धन ने बौद्ध धर्म की महायान शारण को संरक्षण प्रदान किया था।
- हर्षवर्धन को 'शिलादित्य' के नाम से भी जाना जाता था।
- हर्षवर्धन ने (बाद में) कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया था।
- हर्षवर्धन एक साहित्यकार भी था। उसके द्वारा लिखित प्रमुख रचनाएं निम्नलिखित हैं— 'प्रियदर्शिका', 'रत्नावली', नागानंद आदि।
- 'हर्षचरित' तथा 'कादंबरी' का लेखक बाणभट्ट हर्ष का राजकवि था।
- चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासनकाल में ही भारत आया था।
- हर्षवर्धन संपूर्ण एवं एकीकृत उत्तर भारत का अंतिम हिंदू शासक था।
- हर्ष के बाद तथा दिल्ली सल्तनत की स्थापना से पहले लगभग चार शताब्दियों तक का काल भारत में छोटे-छोटे राज्यों व राजवंशों द्वारा शक्ति/सत्ता प्राप्त करने के लिए 'संघर्ष का काल' माना जाता है।

### पाल वंश

- इस वंश की स्थापना बंगाल में लगभग 750 ई. में गोपाल नामक व्यक्ति ने की थी।
- गोपाल का पुत्र धर्मपाल (770-810 ई.) पाल वंश का प्रतापी शासक था।
- धर्मपाल बौद्ध धर्म का अनुयायी था। इसने विक्रमशिला बौद्ध विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- धर्मपाल के बाद पाल वंश में दुर्बल शासक हुए, जिनके प्रतिहारों व राष्ट्रकूटों से युद्ध होते रहे।

### गुर्जर प्रतिहार वंश

- इस वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम (735-760 ई.) था।
- इस वंश ने 8वीं शताब्दी में सिंध की ओर से होने वाले अरब आक्रमणों को रोकने का सफल प्रयास किया।
- नागभट्ट द्वितीय ने (805-833 ई.) कन्नौज पर अधिकार करके इसे अपनी राजधानी बनाया।
- प्रतिहार वंश का सबसे प्रतापी शासक मिहिरभोज (836-885 ई.) था।

### राष्ट्रकूट वंश

- राष्ट्रकूट वंश की स्थापना दतदुर्ग ने चालुक्यों को पराजित करके की थी।

## 18 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- राष्ट्रकूट वंश की राजधानी मान्यखेट (महाराष्ट्र) थी।
- राष्ट्रकूटों का प्रथम महान् व शक्तिशाली शासक ध्रुव (780-794 ई.) था। इसने त्रिकोणात्मक संघर्ष में भाग लेकर प्रतिहारों एवं पालों को हराया था।
- राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान् शासक कृष्ण तृतीय था।

## राजपूत वंश

- हर्षवर्धन के पश्चात् उत्तर भारत में अधिकांश राज्यों पर राजपूतों का प्रभुत्व स्थापित हुआ।
- राजपूत का अर्थ होता है— कबीला अथवा समुदाय, जिसके सदस्यों ने स्वयं को 'क्षत्रिय' कहते हुए सूर्यवंशी घोषित किया।
- कुछ विद्वानों ने राजपूतों का उदय गुर्जरों से संबंधित माना है।
- प्रमुख राजपूत वंश थे— मेवाड़ के गहलौत/सिसौदिया, मारवाड़ के राठौर, पश्चिमी राजस्थान के गुर्जर, प्रतिहार, मालवा के परमार एवं दिल्ली के तोमर आदि।
- पृथ्वीराज तृतीय (चौहान वंश), राणा सांगा एवं राणा प्रताप (सिसौदिया वंश), परमर्दिदेव (चंदेल वंश) राजपूत वंशों के प्रसिद्ध शासक थे।

## दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

- दक्षिण भारत में तीसरी शताब्दी के लगभग का इतिहास 'संगम युग' के नाम से जाना जाता है। इस काल में सुदूर दक्षिण में चोल, चेर एवं पांड्य वंश का शासन था।
- गुप्त काल के पश्चात् पुनः दक्षिण भारत में शक्तिशाली राजवंशों का उदय हुआ, जिनमें पल्लव वंश, चालुक्य वंश एवं चोल वंश प्रमुख थे।

## पल्लव वंश

- सातवाहनों के बाद द. भारत में उदित होने वाला महत्वपूर्ण वंश पल्लव वंश था, जिसकी स्थापना सिंहविष्णु ने की थी।
- पल्लव वंश की राजधानी कांची थी, जो शिक्षा एवं साहित्य का प्रमुख केंद्र थी।
- सिंहविष्णु के बाद महेंद्र वर्मन प्रथम शासक बना। इसके शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने कांची की यात्रा की थी।
- महेंद्र वर्मन साहित्य, संगीत व कला-प्रेमी था। इसके द्वारा लिखा प्रसिद्ध नाटक था— 'मत्तविलास प्रहसन'।

## चालुक्य वंश

- चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम को माना जाता है।
- पुलकेशिन द्वितीय (611-654 ई.) इस वंश का श्रेष्ठ व प्रसिद्ध शासक था।

- चालुक्य वंश की राजधानी वातापी (बादामी) थी। बाद में इस वंश की एक अन्य शाखा कल्याणी (महाराष्ट्र) में तैलप द्वितीय ने स्थापित की। इस शाखा का प्रसिद्ध शासक विक्रमादित्य चतुर्थ हुआ।

## चोल वंश

- संगम काल के बाद पुनः चोलों का उत्थान नौवीं शताब्दी में विजयालय ने किया।
- राजराज (985-1012 ई.) एवं राजेंद्र प्रथम (1012-1044 ई.) इस वंश के सर्वश्रेष्ठ व प्रसिद्ध शासक थे।
- राजराज ने जहां मालद्वीप एवं श्रीलंका के उत्तरी भाग को जीता, वहीं राजेंद्र प्रथम ने संपूर्ण लंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में श्री विजय साम्राज्य को जीता।
- राजेंद्र की सेना ने दक्षिण से उत्तर की ओर अभियान करते हुए बंगाल में गंगा नदी तक अभियान किया।

## भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- भारत पर प्रथम मुस्लिम आक्रमण (मिस्र के खलीफा) के आदेश पर फारस के गवर्नर अलहज्जाज की सेना द्वारा किया गया था।
- इस आक्रमण में अलहज्जाज के भतीजे मुहम्मद बिन कासिम ने मुस्लिम सेना का नेतृत्व करते हुए 712 ई. में सिंध के ब्राह्मण शासक दाहिर को पराजित किया तथा सिंध पर मुस्लिम शासन कायम किया, परंतु कोई बड़ा मुस्लिम राज्य स्थापित नहीं हुआ।
- महमूद गजनवी (अफगानिस्तान) ने 1000 ई. से 1027 ई. के बीच भारत पर लगभग 17 बार आक्रमण किया। उसने प्रत्येक बार मंदिरों को तोड़ा एवं काफी धन लूटकर ले गया।
- गजनवी का सबसे बड़ा एवं प्रसिद्ध आक्रमण (1025 ई. में) सोमनाथ मंदिर (गुजरात) पर था। यहां से उसने भारी मात्रा में सोना एवं धन प्राप्त किया तथा मंदिर में तोड़-फोड़ की।
- गजनवी के बाद मुहम्मद गौरी ने भारत पर कई आक्रमण किए। गौरी भी अफगानिस्तान से आया था। वर्ष 1191 में मुहम्मद गौरी तराइन के प्रथम युद्ध में पृथ्वीराज चौहान से पराजित हुआ, किंतु अगले ही वर्ष (1192 में) तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर उसने दिल्ली पर अधिकार कर लिया।
- गौरी अपने सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक को दिल्ली व लाहौर का गवर्नर बनाकर वापस गजनी (अफगानिस्तान) लौट गया, जहां 1206 ई. में उसकी मृत्यु हो गई।







2  
रा  
दिन

प्रभाग (2)

## मध्यकालीन भारत (Medieval India)

### दिल्ली सल्तनत (1206 से 1526 ई. तक)

- दिल्ली सल्तनत में (1206-1526 ई. तक) कुल पांच प्रमुख वंश हुए।
- सर्वप्रथम गुलाम वंश (1206-1290 ई. तक); दूसरा खिलजी वंश (1290-1320 ई. तक); तीसरा तुगलक वंश (1320-1414 ई. तक); चौथा सैय्यद वंश (1414-1451 ई. तक) तथा पांचवां व अंतिम लोदी वंश (1451-1526 ई. तक)।
- दिल्ली सल्तनत में सबसे लंबी अवधि तक शासन तुगलक वंश ने किया, कुल 94 वर्ष (1320 से 1414 ई. तक)। सबसे छोटी/कम अवधि तक शासन खिलजी वंश ने किया, मात्र 30 वर्ष (1290 से 1320 ई. तक)।

### गुलाम वंश के प्रमुख शासक (1206 से 1290 ई. तक)

#### कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 से 1210 ई. तक)

- 1206 से 1290 ई. तक के दिल्ली सल्तनत के सुल्तान/शासक गुलाम वंश के 'सुल्तानों' के नाम से विख्यात हुए।
- वर्ष 1192 में तराइन के द्वितीय युद्ध में मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली पर अधिकार किया तथा स्वयं बाद में गजनी लौट गया और भारत का (दिल्ली का) राज-काज अपने विश्वस्त गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक को सौंप गया।
- वर्ष 1206 में कुतुबुद्दीन ऐबक गद्दी पर बैठा और उसने भारत में तुर्की शासन की स्थापना की।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपने दानी स्वभाव एवं उदारता के कारण 'लाख बख्शा' भी कहा जाता था।

- कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के सम्मान में (दिल्ली में) कुतुबमीनार का निर्माण प्रारंभ कराया, जिसे उसके मरने के बाद इल्तुतमिश ने पूरा किया।
- वर्ष 1210 में कुतुबुद्दीन ऐबक की घोड़े से गिरकर मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद इसका अयोग्य पुत्र आरामशाह सुल्तान बना, परंतु इल्तुतमिश ने उसे युद्ध में हराकर मार डाला और स्वयं सुल्तान बन गया।

#### इल्तुतमिश (1210 से 1236 ई. तक)

- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद तुर्क अमीरों ने कुतुबुद्दीन ऐबक के अयोग्य पुत्र आरामशाह को हटाकर उसके गुलाम व दामाद इल्तुतमिश को सुल्तान बनाया।
- इल्तुतमिश को ही दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक अथवा प्रथम वैध सुल्तान माना जाता है, क्योंकि इसने (1229 ई. में) खलीफा से मान्यता प्राप्त की थी।
- इल्तुतमिश ने चालीस विश्वासपात्र गुलामों का एक दल 'तुर्कान-ए-चिहलगानी' बनाया तथा इन्हें महत्वपूर्ण पद सौंपे।
- इल्तुतमिश ने राजधानी को लाहौर से दिल्ली स्थानांतरित किया। उल्लेखनीय है कि कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी राजधानी लाहौर को बनाया था।
- इल्तुतमिश द्वारा ही भारत में 'अक्ता (इक्ता) व्यवस्था' की शुरुआत की गई।
- इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा करवाया।
- इल्तुतमिश की मृत्यु के पश्चात् इसका पुत्र (रुकनुद्दीन फिरोज) सुल्तान बना, जिसने मात्र सात महीने ही शासन किया।

#### रजिया सुल्तान (1236 से 1240 ई. तक)

- रजिया सुल्तान दिल्ली सल्तनत की प्रथम एवं अंतिम महिला सुल्तान थी।
- इल्तुतमिश ने वास्तव में रजिया को ही अपना उत्तराधिकारी मनोनीत किया था, परंतु तुर्की अमीरों ने इल्तुतमिश के बेटे रुकनुद्दीन फिरोज को सुल्तान बनाया।
- रुकनुद्दीन फिरोज (अपने भाई) को अपदस्थ करके रजिया 1236 ई. में सुल्तान बनीं।
- रजिया सुल्तान पर्दा त्यागकर दरबार में बैठती थीं। रूढ़िवादी एवं कट्टरपंथी अमीरों व उलेमाओं को यह अच्छा नहीं लगा और उन्होंने रजिया का विरोध किया।
- रजिया ने बाद में एक विद्रोही अमीर अल्तूनिया से विवाह करके सत्ता प्राप्त करने का पुनः प्रयास किया, किंतु वह पति सहित मारी गई।
- रजिया के बाद इस वंश का कोई योग्य शासक नहीं हुआ। नासिरुद्दीन महमूद ने बलबन के संरक्षण/सहयोग से लगभग 20 वर्ष तक शासन किया।
- 1265 ई. में नासिरुद्दीन की मृत्यु के बाद बलबन ने स्वयं को दिल्ली सल्तनत का सुल्तान घोषित कर दिया।

22 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

### **बलबन (1265 से 1287 ई. तक)**

- ग्यासुद्दीन बलबन, इल्तुतमिश का गुलाम था, जो सुल्तान बनने से पहले कई वर्षों तक इल्तुतमिश के पौत्र सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद का नायब रहकर शक्ति का संकेंद्रण अपने हाथों में कर चुका था।
- बलबन दिल्ली का ऐसा पहला शासक था, जिसने सुल्तान के पद व अधिकारों को विस्तृत रूप प्रदान किया। बलबन ने सुल्तान की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिए 'रक्त और लौह की नीति' अपनाई थी।
- बलबन ने कठोर अनुशासन, पद की प्रतिष्ठा, उच्च वर्ग को प्राथमिकता आदि बातों पर विशेष ध्यान दिया। बलबन का प्रमुख कथन था कि 'मैं जब भी किसी निम्न परिवार के व्यक्ति को देखता हूँ तो मेरे शरीर की नाड़ियाँ क्रोध से उत्तेजित हो जाती हैं'।
- बलबन ने दरबार में 'सिजदा' (सुल्तान के सामने हाथ बांधकर/जोड़कर झुकना) तथा 'पैबोस' (सुल्तान के पैर चूमना) की प्रथा प्रारंभ करवाई थी।
- बलबन स्वयं को फारस के पौराणिक बादशाह 'अफरसियाब' का वंशज कहता था।
- बलबन ने इल्तुतमिश द्वारा स्थापित 'चालीस गुलाम सरदारों के दल' को समाप्त किया।
- बलबन की मृत्यु के बाद उसके वंश के दो अयोग्य शासक कैकुबाद एवं कैमूर्स थोड़े समय के लिए शासक हुए थे।

### **खिलजी वंश के प्रमुख शासक (1290 से 1320 ई.तक)**

#### **जलालुद्दीन खिलजी (1290 से 1296 ई. तक)**

- दिल्ली सल्तनत में एक नवीन राजवंश, खिलजी वंश की स्थापना (वर्ष 1290 में) जलालुद्दीन खिलजी ने बलबन के पौत्र सुल्तान कैमूर्स को बंदी बनाकर की थी।
- जलालुद्दीन खिलजी के शासनकाल में ही मुसलमानों का दक्षिण भारत पर प्रथम आक्रमण (देवगिरि के शासक रामचंद्र देव पर) हुआ था।
- इस आक्रमण का नेतृत्व अलाउद्दीन खिलजी ने किया था।
- वर्ष 1296 ई. में जलालुद्दीन की हत्या करके उसका भतीजा अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।

#### **अलाउद्दीन खिलजी (1296 से 1316 ई. तक)**

- अलाउद्दीन खिलजी एक साम्राज्यवादी शासक था। वह सिकंदर के समान विश्व-विजयी बनना चाहता था, इसलिए उसने 'सिकंदर द्वितीय' की उपाधि धारण की थी।
- अलाउद्दीन ने प्रशासन एवं न्याय पर उलेमा वर्ग के प्रभाव को समाप्त किया तथा धर्म एवं राजकार्य को अलग-अलग किया।

- अलाउद्दीन ने स्थायी सेना रखने की प्रथा तथा सैनिकों का हुलिया रखने तथा घोड़ों को दागने की प्रथा शुरू की थी।
- अलाउद्दीन ने गुजरात, चित्तौड़, रणथम्भौर, मालवा इत्यादि उत्तर भारत के राज्यों तथा देवगिरि, वारंगल तथा पाण्ड्य इत्यादि दक्षिण भारत के राज्यों को जीता।
- अलाउद्दीन के दक्षिण अभियान का सेनापति मलिक काफूर था, जो अलाउद्दीन के लिए वारंगल के शासक से 'कोहिनूर हीरा' लाया था।
- चित्तौड़ आक्रमण में राणा रत्नसिंह के मारे जाने पर रानी पद्मावती ने जौहर कर लिया था।
- अलाउद्दीन ने अमीर खुसरो को संरक्षण प्रदान किया था।
- अलाउद्दीन खिलजी के काल को आर्थिक सुधारों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।
- अलाउद्दीन ने अपने सैनिकों के लाभ के लिए तथा कम वेतन पर अच्छे एवं अधिक सैनिक रखने के उद्देश्य से 'बाजार नियंत्रण व्यवस्था' लागू की, जिससे बाजार में खाद्यान्नों एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों व गुणवत्ता पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके।
- अलाउद्दीन ने उपज का 50% भाग कर के रूप में लेना प्रारंभ किया।

#### **मुबारक शाह खिलजी (1316 से 1320 तक)**

- मुबारक शाह खिलजी ने स्वयं को 'खलीफा' घोषित किया।
- मुबारक शाह ने अलाउद्दीन खिलजी द्वारा प्रारंभ किए गए आर्थिक सुधारों को समाप्त कर पुनः जागीर व्यवस्था प्रारंभ की।
- वर्ष 1320 में मुबारक शाह की हत्या करके खुसरो खां (कुछ महीने के लिए) दिल्ली का सुल्तान बना। वह हिंदू धर्म से परिवर्तित हुआ मुसलमान था।

#### **तुगलक वंश (1320 से 1414 ई. तक)**

##### **ग्यासुद्दीन तुगलक (1320 से 1325 ई. तक)**

- तुगलक वंश की स्थापना ग्यासुद्दीन तुगलक ने वर्ष 1320 ई. में की थी।
- ग्यासुद्दीन कृषि के विकास के लिए नहरें बनवाने वाला पहला सुल्तान था।
- ग्यासुद्दीन ने अलाउद्दीन खिलजी द्वारा की गई अत्यधिक कठोरता को कम किया तथा खुसरो खां द्वारा बांटे गए अतिरिक्त धन को गृहीताओं से वापस लिया, जिसके कारण ग्यासुद्दीन की सूफी संत निजामुद्दीन औलिया से अनबन हो गई।
- निजामुद्दीन औलिया ने ग्यासुद्दीन के बारे में कहा था—'दिल्ली अभी दूर है'।
- ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु 1325 में (बंगाल अभियान से लौटते समय) जूना खां द्वारा निर्मित एक महल में दबकर हुई थी।

24 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

### मुहम्मद बिन तुगलक (1325 से 1351 ई. तक)

- ग्यासुद्दीन की मृत्यु के बाद (वर्ष 1325 में) मुहम्मद बिन तुगलक दिल्ली का सुल्तान बना। अलाउद्दीन खिलजी की तरह वह भी साम्राज्यवादी था।
- मुहम्मद बिन तुगलक का एक अन्य नाम 'जूना खा' था।
- इतिहासकारों ने मुहम्मद बिन तुगलक को 'महत्वाकांक्षी', 'तार्किक' किंतु 'जिद्दी' तथा 'जल्दबाज' कहा है।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने 1326-27 ई. में राजधानी, दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरि) स्थानांतरित कर दी। परन्तु उसकी यह योजना विफल रही।
- मुहम्मद बिन तुगलक के कार्यकाल में ही द. भारत में विजयनगर साम्राज्य और बहमनी साम्राज्य की स्थापना हुई।
- मुहम्मद बिन तुगलक उदार शासक भी था। वह दिल्ली सल्तनत का ऐसा पहला शासक था, जो हिंदुओं के त्यौहारों, जैसे, होली में भाग लेता था।
- मुहम्मद बिन तुगलक इल्तुतमिश के बाद दिल्ली सल्तनत का दूसरा ऐसा सुल्तान था, जिसने खलीफा से मान्यता प्राप्त की थी।
- इसने कृषि के विकास के लिए एक पृथक् कृषि विभाग (दीवान-ए-कोही) की स्थापना की।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने वर्ष 1347 में प्लेग के प्रकोप से बचने के लिए कन्नौज के निकट 'स्वर्गद्वारी' नामक स्थान में शरण ली थी।
- प्रसिद्ध अफ्रीकी यात्री 'इब्नबतूता' इसी के शासनकाल में भारत आया था।
- मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु वर्ष 1351 ई. में हुई।

### फिरोजशाह तुगलक (1351 से 1388 ई. तक)

- मुहम्मद तुगलक का कोई उत्तराधिकारी न होने के कारण उसका चचेरा भाई फिरोजशाह तुगलक 1351 ई. में दिल्ली का सुल्तान बना।
- फिरोजशाह तुगलक ऐसा पहला सुल्तान था, जिसने राज्य की आमदनी का ब्यौरा तैयार करवाया।
- फिरोजशाह ने नहरों का निर्माण करवाया। उसने एक नया सिंचाई कर भी लगाया।
- फिरोजशाह ने हिंदू ब्राह्मणों पर 'जजिया कर' भी आरोपित किया।
- फिरोजशाह ने उलेमा वर्ग को पुनः प्रशासन में प्रमुखता दी।
- फिरोजशाह के शासनकाल में खिज़्राबाद एवं मेरठ से अशोक के दो स्तंभों को लाकर दिल्ली में स्थापित किया गया।
- फिरोजशाह के बाद तुगलक वंश का पतन शुरू हो गया और इस वंश में कोई योग्य शासक नहीं हुआ।
- तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरुद्दीन महमूद के शासनकाल में समरकंद के शासक 'तैमूरलंग' ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया।

### सैयद वंश (1414 से 1451 ई. तक)

#### खिज़्र खां (1414 से 1421 ई. तक)

- पंजाब में तैमूरलंग के गवर्नर रहे खिज़्र खां ने सैयद वंश की स्थापना वर्ष 1414 ई. में की।
- इनके पूर्वज अरब से आए थे तथा वह स्वयं को 'पैंगबर का वंशज' बताता था। अतः यह 'सैयद' कहलाए।
- इस वंश में खिज़्र खां के बाद तीन शासक हुए, किंतु कोई भी योग्य नहीं था। अतः शीघ्र ही इस वंश का पतन हो गया।

### लोदी वंश के प्रमुख शासक (1451 से 1526 ई. तक)

#### बहलोल लोदी (1451 से 1489 ई. तक)

- दिल्ली सल्तनत के इस प्रथम अफगान वंश की स्थापना बहलोल लोदी (1451-89 ई.) ने अपनी शक्ति एवं चतुराई के बल पर की थी।
- बहलोल लोदी को जौनपुर को दिल्ली सल्तनत में मिलाने में भी सफलता मिली थी। बहलोल लोदी सबसे लंबी अवधि तक शासन करने वाला सुल्तान था।

#### सिकंदर लोदी (1489 से 1517 ई. तक)

- बहलोल लोदी के बाद उसका पुत्र निजाम खां जुलाई 1489 ई. में 'सुल्तान सिकंदर शाह' की उपाधि धारण कर दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- सिकंदर लोदी ने ही वर्ष 1504 में आगरा नगर की स्थापना की थी। इसने इसे अपनी राजधानी (वर्ष 1506 में) भी बनाया।
- सिकंदर लोदी ने राजस्व व्यवस्था में सुधार हेतु भूमि-मापन के लिए एक प्रामाणिक गेज बनाया, जिसे 'सिकंदरे गज' कहते हैं।
- सिकंदर लोदी को फारसी में कविताएं लिखने का भी शौक था। वह 'गुलरूखी' के उपनाम से कविताएं लिखा करता था।

#### इब्राहिम लोदी (1517 से 1526 ई. तक)

- सिकंदर लोदी की मृत्यु के बाद उसका पुत्र इब्राहिम लोदी दिल्ली का सुल्तान (वर्ष 1517 में) बना। इसी के शासनकाल में दिल्ली सल्तनत का पतन शुरू हो गया था।
- इब्राहिम लोदी ने दरबार में अफगान परंपरा के विरुद्ध अत्यधिक कठोर अनुशासन लागू किया (जबकि अफगान शासक काफी उदार व सहिष्णु होते थे)। इब्राहिम के इस व्यवहार के कारण कई अफगान अमीर इससे काफी नाराज थे।
- पंजाब के गवर्नर दौलत खां लोदी एवं इब्राहिम के चाचा आलम खां लोदी ने बाबर को भारत पर आक्रमण करने के लिए उकसाया।

## 26 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 1526 में पानीपत के मैदान में इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच ऐतिहासिक युद्ध हुआ, जिसमें इब्राहिम लोदी की हार हुई। इस युद्ध को 'पानीपत के प्रथम युद्ध' के नाम से भी जाना जाता है।
- लोदियों के पतन के साथ ही दिल्ली सल्तनत का भी अंत हो गया। इसी के साथ (1526 में) बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी।

## सल्तनत कालीन प्रांतीय राजवंश

- तुगलक काल में एवं उसके पश्चात् उत्तर व दक्षिण भारत के विभिन्न प्रांतों में छोटे-छोटे राजवंशों ने अपने स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिए थे।
- सल्तनत काल में केंद्रीय शासन की कमजोरी तथा प्रांतीय अमीरों के विद्रोह के कारण विजयनगर और बहमनी जैसे साम्राज्य की स्थापना हुई।

## विजयनगर साम्राज्य

- दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में ही दक्षिण भारत में कृष्णा नदी के दक्षिण में एक हिंदू साम्राज्य 'विजयनगर साम्राज्य' की स्थापना हुई।
- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों द्वारा की गई थी।
- तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित विजयनगर (आधुनिक हंपी) इस साम्राज्य की राजधानी थी।
- विजयनगर राज्य/साम्राज्य पर क्रमशः संगम वंश, सालुव वंश, तुलुव वंश और अरविदु (आरविडु) वंश के शासकों ने शासन किया।
- विजयनगर के प्रथम राजवंश संगम वंश के शासकों में हरिहर और बुक्का के पश्चात् देवराय प्रथम (1406-22 ई.) एवं देवराय द्वितीय (1426 से 1446 ई. तक) का नाम उल्लेखनीय है।
- कृष्णदेव राय (1509-29 ई.) तथा सदाशिवराव (1542-67 ई.) तुलुव वंश के प्रमुख शासक थे।
- विजयनगर के प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय की गणना भारतीय इतिहास के सर्वश्रेष्ठ शासकों में की जाती है।
- संस्कृत एवं तेलुगू भाषा के विद्वान कृष्णदेव राय ने 'अमुक्त माल्यद' नामक प्रशासन व राजनीतिक विषय पर एक तेगू ग्रंथ की रचना की थी। कृष्णदेव राय ने 'आंध्र भोज' की उपाधि धारण की थी।
- विजयनगर साम्राज्य में कई विदेशी यात्रियों ने यात्रा की थी। इटली के निकोलो कॉट्टी ने देवराय प्रथम के काल में तथा पुर्तगाल के डोमिंगो पेज ने कृष्णदेव राय के शासनकाल में विजयनगर की यात्रा की थी।

- वेदों के प्रसिद्ध भाष्यकार विद्वान् सायण तथा माधव विद्यारण्य विजयनगर साम्राज्य में ही थे।
- विजयनगर का अपने समकालीन 'बहमनी' राज्य से सदैव संघर्ष बना रहा।
- वर्ष 1565 में तालीकोटा के युद्ध में पराजित होने के पश्चात् विजयनगर साम्राज्य का वैभव नष्ट हो गया।

### बहमनी राज्य

- दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक से असंतुष्ट दक्षिण के मुस्लिम अमीरों ने दक्षिण भारत में एक मुस्लिम राज्य की स्थापना की, जिसे 'बहमनी राज्य' कहा जाता है।
- अमीरों के नायक हसन गंगू ने अलाउद्दीन हसन बहमन शाह के नाम से वर्ष 1347 में सत्ता ग्रहण की तथा गुलबर्गा को अपनी राजधानी बनाया।
- विद्वान् एवं शक्तिशाली शासक फिरोजशाह बहमनी राज्य का प्रसिद्ध शासक था।
- सन् 1417 में रूसी यात्री निकीतिन ने बहमनी राज्य की यात्रा की थी।
- बहमनी राज्य में गोलकुंडा की हीरे की खान तथा रायचूर दोआब का उपजाऊ क्षेत्र विजयनगर और बहमनी राज्य के मध्य संघर्ष का मुख्य कारण था।
- बहमनी साम्राज्य के शासक महमूद शाह (1482 से 1518 ई.) के शासनकाल में सरदारों के आपसी संघर्ष के कारण बहमनी राज्य पांच राज्यों में बंट गया।

### बहमनी राज्य से बने पांच छोटे राज्य

( एक दृष्टि में )

	राज्य	स्थापना/वर्ष	राजवंश	संस्थापक
1.	बरार	1484	इमादशाही	फतेह इमादशाह
2.	बीजापुर	1489	आदिलशाही	युसुफ आदिलशाह
3.	अहमद नगर	1490	निजामशाही	मलिक निजामशाह
4.	गोलकुंडा	1518	कुतुबशाही	कुतुबशाह
5.	बीदर	1526	बरीदशाही	अमीर अली बरीद

### मुगल साम्राज्य ( 1526 से 1707 ई. तक )

- दिल्ली के अंतिम सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत के प्रथम युद्ध (1526 ई.) में पराजित करके बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य/वंश की नींव रखी।
- मुगलों का शासन भारत में 300 वर्ष से अधिक समय (1526 से 1857 तक) रहा, परंतु इसमें से केवल 181 वर्ष (1526 से 1707 ई.) तक का समय ही मुगलों के वैभव (Great Mughals) का काल रहा था।



## 28 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के बाद भारतीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हुई, जिसे 'उत्तर मुगल काल' भी कहा जा सकता है। इस काल में (1707 से 1857 ई. तक) कमजोर व अयोग्य मुगल शासक हुए।
- मुगल वंश का अंतिम शासक बहादुर शाह द्वितीय था। वर्ष 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों का साथ देने के कारण अंग्रेजों ने इसे निर्वासित कर रंगून भेज दिया, जहां 1862 में इसकी मृत्यु हो गई। इसकी मृत्यु के साथ ही भारत में मुगल साम्राज्य का अंत हो गया।

### मुगल वंश के प्रमुख शासक

#### बाबर ( 1526 से 1530 ई. तक )

- सन् 1526 ई. में पानीपत के युद्ध में दिल्ली सल्तनत के अंतिम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराकर बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना की थी।
- बाबर ने दिल्ली सल्तनत के शासकों की परंपरा 'सुल्तान' को तोड़कर स्वयं को 'बादशाह' घोषित किया।
- बाबर के भारत पर आक्रमण के दौरान भारत में कई स्वतंत्र राज्य भी थे, जिनमें प्रमुख थे— बंगाल, कश्मीर, सिंध, विजयनगर एवं बहमनी इत्यादि।
- बाबर ने पानीपत के युद्ध के पश्चात् 1527 ई. में खानवा के युद्ध में मेवाड़ के शासक राणा सांगा को पराजित किया। इस युद्ध में विजयी होने के पश्चात् बाबर ने 'गाजी' की उपाधि धारण की।
- बाबर ने मात्र चार वर्ष ही भारत में शासन किया। वर्ष 1530 में उसकी मृत्यु हो गई।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' की रचना तुर्की भाषा में की थी।

#### हुमायूँ ( 1530 से 1556 ई. तक )

- बाबर की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र हुमायूँ मुगल वंश के सिंहासन पर बैठा।
- सन् 1538 में हुमायूँ ने बंगाल को जीतकर मुगल शासन के अधीन किया।
- हुमायूँ के सबसे बड़े शत्रु अफगान थे। वह बाबर के समय से ही मुगलों को भारत से बाहर खदेड़ना चाहते थे। हुमायूँ का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी अफगान नेता 'शेर खां' था, जिसे 'शेरशाह सूरी' भी कहा जाता है।
- 26 जून, 1539 में चौसा के युद्ध में शेर खां हुमायूँ को बुरी तरह पराजित कर दिल्ली की गद्दी पर बैठा और हुमायूँ भारत से भागने पर मजबूर हो गया।
- सन् 1540 से 1555 तक हुमायूँ ने सिंध में अमरकोट, फारस एवं अन्य राज्यों में निर्वासित जीवन व्यतीत किया।
- सन् 1555 में मच्छीवारा एवं सरहिंद के युद्धों में विजय प्राप्त कर हुमायूँ ने शेरशाह के वंशजों से भारत का साम्राज्य वापस छीन लिया। इस प्रकार हुमायूँ ने पुनः दिल्ली पर अधिकार कर लिया।

- हुमायूँ के योग्य सेनापति बैरम खाँ ने हुमायूँ को पुनः राजसिंहासन प्राप्त करने में मदद की थी।
- 27 जनवरी, 1556 को अपने ही पुस्तकालय (Library) 'शेरमंडल' की सीढ़ियों से गिरकर हुमायूँ की मृत्यु हो गई।

### शेरशाह सूरी ( 1540-45 ): सूर वंश का संस्थापक

- इसका बचपन का नाम फरीद था। शेर मारने के कारण इसे 'शेर खाँ' की उपाधि (सूबेदार बहार खाँ द्वारा) दी गई थी।
- सन् 1539 में हुमायूँ को (चौसा के युद्ध में) पराजित करने के पश्चात् शेर खाँ ने 'शेरशाह' की उपाधि धारण की थी।
- दिल्ली की गद्दी पर 67 वर्ष की आयु (1540 में) में बैठने के बाद (मुगल साम्राज्य की नींव उखाड़कर) इसने 'सूर वंश' की स्थापना की। इसे द्वितीय अफगान साम्राज्य भी कहा जाता है।
- शेरशाह भारतीय इतिहास में अपने कुशल शासन प्रबंध के लिए विख्यात है। इसने प्रसिद्ध 'ग्रैंड ट्रंक रोड' का निर्माण व मरम्मत करवाई।
- शेरशाह का मकबरा सासाराम (बिहार) में स्थित है।
- शेरशाह की मृत्यु सन् 1545 में एक बारूद के विस्फोट में घायल होने के कारण हुई। शेरशाह के उत्तराधिकारी इस्लाम शाह (1545-53 ई.), फिरोजशाह (1553 ई.) तथा मुहम्मद आदिल शाह (1553-55 ई.) हुए।
- शेरशाह की मृत्यु के बाद भी सूर वंश का शासन वर्ष 1555 तक (हुमायूँ द्वारा पुनः दिल्ली का शासक बनने तक) चलता रहा।

### अकबर (1556 से 1605 ई. तक)

- अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 को हुमायूँ के निर्वासन काल में, अमरकोट के राणा वीरसाल के दुर्ग में हुआ।
- हुमायूँ की मृत्यु के समय अकबर पंजाब अभियान पर था। पंजाब में ही कालानौर नामक स्थान पर (14 वर्ष की आयु में) अकबर का राज्याभिषेक हुआ तथा बैरम खाँ उसका संरक्षक बना।
- पानीपत के द्वितीय युद्ध (सन् 1556 में) में अकबर की सेना ने अफगान शासक मुहम्मद आदिल शाह के योग्य सेनापति हेमू को पराजित किया। अकबर ने दक्षिण भारत के भी कई राज्यों पर अपना आधिपत्य स्थापित किया; जैसे—दौलताबाद (1599); अहमदनगर (1600)।
- अकबर अपनी धार्मिक सहिष्णुता के लिए विख्यात था। वर्ष 1582 ई. में अकबर ने एक नवीन धर्म 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना की थी, जो विभिन्न धर्मों के अच्छे तत्वों का मिश्रण था।

30 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- अकबर ने शासन की शुरुआत उदार कार्यों; जैसे— युद्धबंदियों को गुलाम बनाना, तीर्थयात्रा कर एवं जजिया कर की समाप्ति से की।
- अकबर ने आगरा से 35 किमी. दूर शेख सलीम चिश्ती की दरगाह के निकट नई राजधानी फतेहपुर सीकरी की स्थापना की।
- अकबर ने अपनी गुजरात-विजय की स्मृति में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' निर्मित करवाया था।
- अकबर ने अपने संपूर्ण साम्राज्य को 12 सूबों/प्रांतों में बांटा था, जिनकी संख्या बरार, खानदेश एवं अहमदनगर को जीतने के बाद बढ़कर 15 हो गई।

अकबर के साम्राज्य के प्रमुख सूबे/प्रांत ( एक दृष्टि में )					
1.	बंगाल	6.	मालवा	11.	मुल्तान
2.	बिहार	7.	अहमदाबाद	12.	काबुल
3.	इलाहाबाद	8.	दिल्ली	13.	बरार
4.	अवध	9.	अजमेर	14.	अहमदनगर
5.	आगरा	10.	लाहौर	15.	खानदेश

- अकबर ने 1573-74 ई. में 'मनसबदारी प्रथा' की शुरुआत की।
- अकबर ने 1575 में फतेहपुर सीकरी में 'इबादत खाना' की शुरुआत की। यहाँ सभी धर्मों के विद्वानों के वार्तालाप को अकबर सुनता था।
- सन् 1576 में अकबर के सेनापति मानसिंह व मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप सिंह के बीच हल्दी घाटी का युद्ध हुआ। इस युद्ध में जीतकर भी अकबर मेवाड़ पर अधिकार न कर सका।

**अकबर के दरबार के नौ रत्न**  
( एक दृष्टि में )

1.	अब्दुरहीम खानखाना	खानखाना बैरम खां का पुत्र था। वह फारसी, तुर्की व हिंदी भाषा का विद्वान् था। वह एक कुशल सेनापति भी था। अकबर ने इसे 'खानखाना' की उपाधि से विभूषित किया था। बाबर की आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी का तुर्की से फारसी में अनुवाद किया था।
2.	राजा मानसिंह	यह अकबर का सेनापति था। मुगल साम्राज्य के विस्तार में इसका महत्वपूर्ण योगदान था।
3.	बीरबल	यह अपनी वाक्पटुता के लिए प्रसिद्ध था।
4.	टोडरमल	इसकी भूमि व्यवस्था के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका थी।

Contd...

5.	मुल्ला दो प्याजा	यह प्याज का अत्यधिक प्रेमी था, इसलिए इसे 'मुल्ला दो प्याजा' की उपाधि दी गई थी। यह अपनी तीक्ष्ण बुद्धि एवं वाक्पटुता के लिए जाना जाता था।
6.	तानसेन	प्रसिद्ध संगीतज्ञ एवं राजकवि था।
7.	फैजी	प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार था। यह अकबर का राजकवि था।
8.	अबुल फजल	'अकबरनामा' एवं 'आइन-ए-अकबरी' इसकी प्रमुख ऐतिहासिक कृतियां हैं।
9.	हकीम हुमाम	अकबर की पाठशाला के प्रधान अधिकारी थे।

### जहांगीर ( 1605 से 1627 ई. तक )

- अकबर के पुत्र जहांगीर का जन्म सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की खानकाह में, फतेहपुर सीकरी में हुआ। इसलिए इसका बचपन का नाम 'सलीम' रखा गया था।
- सलीम (जहांगीर) की शिक्षा अकबर के विश्वासपात्र विद्वान् अब्दुरहीम खानखाना के संरक्षण में हुई थी।
- सलीम ने अपने पिता अकबर के विरुद्ध भी विद्रोह (1599-1604) किया था। 1602 ई. में इसने अकबर के सलाहकार अबुल फजल की हत्या करवा दी थी।
- बादशाह बनने के बाद (1605 ई. में) जहांगीर को भी अपने पुत्र खुसरो के विद्रोह का सामना करना पड़ा, इसमें खुसरो की पराजय हुई।
- खुसरो को शरण देने के कारण जहांगीर ने सिख गुरु अर्जुन देव की हत्या करवा दी।
- सन् 1616 में अब्दुरहीम खानखाना के नेतृत्व में बीजापुर एवं गोलकुंडा पर विजय जहांगीर की प्रमुख उपलब्धि थी।
- जहांगीर के शासनकाल में कला व साहित्य का काफी विकास हुआ। वह स्वयं भी कला व साहित्य का प्रेमी था। जहांगीर ने 'तुजुक-ए-जहांगीर' नामक अपनी आत्मकथा लिखी थी।
- चित्रकला प्रेमी जहांगीर के दरबार में कई प्रसिद्ध हिंदू व मुस्लिम चित्रकार थे। जहांगीर ने सूरदास को अपने दरबार में आश्रय दिया था। सूरदास की प्रसिद्ध रचना 'सूरसागर' है।
- जहांगीर की पत्नी नूरजहां का उस पर काफी प्रभाव था, जहांगीर के जीवन के अंतिम 14 वर्ष नूरजहां ही सत्ता का केंद्र रही।
- सन् 1627 में जहांगीर की मृत्यु हुई। इसे लाहौर में दफनाया गया। वहीं इसका मकबरा भी स्थित है।

### प्रमुख मुगल बादशाहों के मकबरे

बादशाह	स्थान
बाबर	काबुल (अफगानिस्तान)
हुमायूँ	दिल्ली
अकबर	सिकंदरा (आगरा, उ.प्र.)
जहांगीर	लाहौर (पाकिस्तान)
शाहजहां	ताजमहल (आगरा)
औरंगजेब	दौलताबाद (औरंगाबाद, भारत)

- जहांगीर के शासनकाल में ही इंग्लैंड (UK) के सम्राट् जेम्स प्रथम ने कप्तान हॉकिंस (1608 ई. में) को भारत भेजा था। इसके कारण अंग्रेज भारत से कुछ व्यापारिक सुविधाएं प्राप्त करने में सफल भी हुए।

### शाहजहां (1627 से 1658 ई. तक)

- जहांगीर के पुत्र शाहजहां का बचपन का नाम खुर्रम था, इसका जन्म 1592 में हुआ था।
- शाहजहां अपने सभी भाइयों एवं प्रतिद्वंद्वियों को हराकर 24 फरवरी, 1628 में आगरा के सिंहासन पर बैठा।
- शाहजहां का विवाह (1612 में) नूरजहां की भतीजी 'बानू बेगम' से हुआ, जो बाद में 'मुमताज़ महल' के नाम से विख्यात हुई।
- शाहजहां ने दक्षिण भारत में अहमदनगर पर सर्वप्रथम आक्रमण कर इसे (1633 ई. में) मुगल साम्राज्य में मिलाया।
- शाहजहां के शासनकाल में मुगल साम्राज्य का वैभव, कला, स्थापत्य एवं शक्ति अपने चरम पर थी। अतः शाहजहां के काल को 'मुगलकाल का स्वर्ण युग' कहा जाता है।
- शाहजहां ने दिल्ली का लाल किला एवं जामा मस्जिद तथा अपनी पत्नी मुमताज़ महल की याद में आगरा में विश्व प्रसिद्ध 'ताजमहल' का निर्माण करवाया था।
- शाहजहां के बड़े पुत्र दारा शिकोह ने 'भगवत गीता' का फारसी भाषा में अनुवाद करवाया था। इसके अतिरिक्त दारा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य 'वेदों का संकलन' था।
- शाहजहां के जीवन के अंतिम वर्षों में उसके पुत्रों के बीच उत्तराधिकार के लिए युद्ध प्रारंभ हो गया। शाहजहां दारा को बादशाह बनाना चाहता था, परंतु (1658 ई. में) धर्मत के युद्ध में औरंगजेब ने उसे हरा दिया।
- शाहजहां ने अपने जीवन के अंतिम दिन आगरा किले में बंदी के रूप में गुजारे। शाहजहां की मृत्यु उपरांत उसके शव को मुमताज़ महल की कब्र के नजदीक ही (ताजमहल में) दफनाया गया।

- शाहजहां के शासन काल में कला व संस्कृति उच्च स्तर पर थी, जिसके कारण मुगलकाल इतिहास में प्रसिद्ध है। मुगलकाल की 'सांस्कृतिक गतिविधियों' के विकास के इसे भारतीय इतिहास का 'द्वितीय क्लासिकी युग' (गुप्त साम्राज्य के बाद) कहा जाता है।

### औरंगजेब (1658 से 1707 ई. तक)

- औरंगजेब उत्तराधिकार के युद्ध में विजयी होने के पश्चात् 21 जुलाई, 1658 को मुगल साम्राज्य की गद्दी पर बैठा।
- औरंगजेब एक कट्टर रूढ़िवादी सुन्नी मुसलमान था।
- वह शाहजहां के काल में (1636-44 ई. तक) दक्षिण के सूबेदार के रूप में औरंगाबाद में रहा, जो मुगलों के दक्षिण सूबे की राजधानी थी।
- सम्राट बनने के बाद औरंगजेब ने दक्षिण में दो बड़े युद्ध लड़े थे— पहला बीजापुर एवं गोलकुंडा के विरुद्ध तथा दूसरा मराठों के साथ।
- बीजापुर को (1686 ई. में) तथा गोलकुंडा को (1687 ई. में) मुगल साम्राज्य में मिलाया गया।
- औरंगजेब की राजपूतों के प्रति नीति (अकबर एवं जहांगीर व शाहजहां के विपरीत) कठोर थी।
- औरंगजेब ने सती प्रथा पर प्रतिबंध (1663 ई. में) लगाया। साथ ही सन् 1669 में हिंदू त्यौहारों को मनाए जाने पर रोक लगाई। हिंदुओं पर (1679 ई. में) जजिया कर लगाया।
- औरंगजेब ने सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर की हत्या करवाई।
- मुगलों और मारवाड़ के बीच औरंगजेब के काल में 30 वर्षीय युद्ध हुआ।
- औरंगजेब की गलत नीतियों के चलते वह जनता के बीच अप्रिय एवं अलोकप्रिय बन गया। इसकी गलत नीतियों के चलते ही मुगल साम्राज्य का पतन हो गया।
- सन् 1707 में औरंगजेब की दक्षिण में ही मृत्यु हो गई।

### परवर्ती मुगल शासक (1707 से 1857 ई. तक)

बहादुरशाह प्रथम	(1707 से 1712 ई तक)
जहांदारशाह	(1712 से 1713 ई तक)
फर्रुखसियर	(1713 से 1719 ई तक)
मुहम्मदशाह	(1719 से 1748 ई तक)
अहमदशाह	(1748 से 1754 ई तक)

आलमगीर द्वितीय	(1754 से 1759 ई तक)
शाह आलम द्वितीय	(1759 से 1806 ई तक)
अकबर द्वितीय	(1806 से 1837 ई तक)
बहादुर शाह द्वितीय	(1837 से 1857 ई तक)

## मराठा साम्राज्य

- 17वीं सदी के अंत में मुगल साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही भारत में स्वतंत्र राज्यों की स्थापना प्रारंभ हो गई थी। नए स्वतंत्र राज्यों में मराठों का उद्भव एक प्रमुख घटना थी।
- मराठों का एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में उत्कर्ष शिवाजी के नेतृत्व में हुआ था।
- अपनी सैनिक योग्यता के कारण मराठों ने एक बड़ा साम्राज्य शीघ्र ही स्थापित कर लिया।

### शिवाजी ( 1627 से 1680 ई. तक )

- शिवाजी का जन्म सन् 1627 में पूना के निकट शिवनेर के दुर्ग में बीजापुर के एक सेनानायक एवं जागीरदार शाहजी भोंसले की पत्नी जीजाबाई के गर्भ से हुआ था।
- शिवाजी ने सन् 1642 में सर्वप्रथम सिंहगढ़ का दुर्ग बीजापुर से जीतकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई किले जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की।
- मुगलों से शिवाजी का प्रथम संघर्ष 1657 ई. में हुआ। बीजापुर के सेनापति अफजल खां ने शिवाजी को छलपूर्वक मारने की योजना बनाई, परंतु शिवाजी ने उसे ही मार दिया।
- सन् 1665 में औरंगजेब के सेनापति राजा जयसिंह ने शिवाजी को पराजित किया और 'पुरंदर की संधि' (वर्ष 1665 ई. में) मानने के लिए बाध्य किया।
- 'पुरंदर की संधि' के तहत शिवाजी को अपने 23 किले मुगलों को सौंपने पड़े तथा बीजापुर के खिलाफ मुगलों की सहायता करने का वचन देना पड़ा।
- सन् 1670 में शिवाजी ने मुगलों पर हमला करके खोए हुए किले पुनः जीत लिए।
- मराठा (शिवाजी) प्रशासन में राजा/छत्रपति ही प्रमुख होता था। संपूर्ण सत्ता का केंद्र वही होता था। राजा की सहायता के लिए एक मंत्रिपरिषद होती थी, जिसे 'अष्टप्रधान' कहते थे। इस अष्टप्रधान के आठ मंत्री निम्न थे—

### अष्टप्रधान

1. पेशवा	प्रधानमंत्री
2. अमात्य	वित्तमंत्री
3. वाकिया नवीस	गृहमंत्री
4. दबीर/सुमंत	विदेशमंत्री
5. सचिव/शुनवीस	शाही पत्राचार प्रभारी
6. सर-ए-नौबत	सैन्य प्रमुख
7. पंडित राव	धार्मिक मामलों का मंत्री
8. न्यायाधीश	न्याय प्रमुख

- शिवाजी का राज्याभिषेक 19 मई, 1674 को रायगढ़ के किले में 'छत्रपति' की उपाधि के साथ हुआ।
- छत्रपति शिवाजी का राज्याभिषेक 'हिंदू साम्राज्य की स्थापना' के संकल्प की घोषणा ही नहीं, बल्कि हिंदू संस्कृति के पुनरुत्थान और विश्व धर्म की पुनः प्रतिष्ठा का शंखनाद था।
- शिवाजी की मृत्यु (1680 ई.) के पश्चात् उनके बड़े पुत्र शंभा जी (1680-88 ई. तक) ने मराठों का नेतृत्व किया, परंतु वह मुगलों से पराजित होकर मारा गया।
- इसके बाद के शिवाजी के उत्तराधिकारी काफी कमजोर हुए। शिवाजी का दूसरा पुत्र राजाराम (1689-1700 ई.), राजाराम की पत्नी ताराबाई (1700 से 1707 ई. तक) तथा शंभा जी का पुत्र साहू (1707-40 ई. तक) क्रमशः मराठों के शासक हुए।

### पेशवा

- साहू के शासनकाल में ही मंत्रिपरिषद का प्रमुख पेशवा ही प्रमुख शासक बन गया। इसके बाद से सारी शक्तियां पेशवा के पास ही आ गईं।
- पेशवा का पद वंशानुगत हो गया।
- बालाजी विश्वनाथ (1714-20 ई.)ए बाजीराव प्रथम (1720-40 ई.) तथा बालाजी बाजीराव (1740-61 ई.) प्रभावशाली पेशवा हुए।
- बालाजी बाजीराव के समय में ही मराठा शक्ति चरम पर थी। मराठों ने मुगलों की भी (बाद में) मदद की। पेशवा बालाजी बाजीराव ने मराठा राजधानी पूना (वर्तमान पुणे) में (सतारा से हटाकर) बनाई थी।
- सन् 1761 में पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठा सेनापति सदाशिव राव भाऊ की अफगान शासक अहमदशाह अब्दाली के हाथों हार के बाद से ही मराठा शक्ति का पतन हो गया।







3  
रा  
दिन

प्रभाग (3)

## आधुनिक भारत (Modern India)

### 1857 का विद्रोह

- आधुनिक भारत के इतिहास में 1857 का विद्रोह विशिष्ट स्थान रखता है। इसे भारत का 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' भी माना जाता है। इसी विद्रोह से भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रारंभ हुआ।
- चर्बी लगे (संभवतः गाय एवं सुअरों की चर्बी) कारतूसों के प्रयोग को 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण माना गया।
- 29 मार्च, 1857 को मेरठ छावनी में तैनात एक सैनिक मंगल पांडे ने चर्बी लगे कारतूसों का प्रयोग करने से इनकार करते हुए अपने ब्रिटिश अधिकारी की हत्या कर दी, जिसके चलते 8 अप्रैल, 1857 को मंगल पांडे को फांसी की सजा दी गई।
- 10 मई, 1857 को मेरठ छावनी के सैनिकों ने विद्रोह की शुरुआत कर दिल्ली की ओर कूच किया तथा 12 मई को दिल्ली पर कब्जा करके सैनिकों ने निर्वासित मुगल सम्राट् बहादुरशाह द्वितीय को भारत का बादशाह घोषित कर दिया।
- शीघ्र ही यह विद्रोह उत्तर एवं मध्य भारत में भी फैल गया।
- 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड केनिंग था।

### 1857 के विद्रोह के प्रमुख केंद्र एवं विद्रोही नेता

	स्थान/केंद्र ( वह स्थान व केंद्र जहां विद्रोह हुआ )	विद्रोही नेता ( वह नेता जिसने विद्रोह का नेतृत्व किया )	अधिकारी ( वह ब्रिटिश अधिकारी जिसने विद्रोह का दमन किया )
1.	जगदीशपुर	कुंवर सिंह	जनरल आयर टेलर
2.	पटना	कुंवर सिंह	ब्रिसेट आयर
3.	कानपुर	नाना साहेब	कैपबेल
4.	बरेली	खान बहादुर	कैपबेल
5.	इलाहाबाद एवं वाराणसी	लियाकत अली	कर्नल नील
6.	झांसी	रानी लक्ष्मीबाई	कैप्टन हयूरोज
7.	लखनऊ	बेगम हजरत महल	कैपबेल

- झांसी में विद्रोह का नेतृत्व रानी लक्ष्मीबाई ने किया। नाना साहेब के नेतृत्व में (5 जून, 1857 को) कानपुर पर अधिकार किया गया।
- 1857 के विद्रोह में पंजाब, बंगाल और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों (जैसे-हैदराबाद एवं मद्रास ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।)
- बिहार के जगदीशपुर में जमींदार कुंवर सिंह ने विद्रोह का नेतृत्व किया।
- विद्रोह के बाद भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत हो गया तथा भारत ब्रिटिश क्राउन के अधीन हो गया। भारत के गवर्नर जनरल को अब वायसराय कहा गया।
- वी.डी. सावरकर ने अपनी पुस्तक 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' में इस विद्रोह (1857) को एक सुनियोजित राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम माना।
- बहादुरशाह द्वितीय (जिसने इस विद्रोह का नेतृत्व किया था) को 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों का साथ देने के कारण अंग्रेजों ने निर्वासित कर रंगून भेज दिया। वहीं (1862 में) इसकी मृत्यु हो गई।

### 1857 के विद्रोह के स्वरूप पर विद्वानों के विभिन्न मत

1.	वी.डी. सावरकर	'सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम'
2.	आर.सी. मजूमदार	'सैन्य विद्रोह'
3.	सर जेम्स आउट्रम	'हिंदू मुस्लिम षड्यंत्र'

Contd...

4.	बेंजामिन डेजरेली	‘राष्ट्रीय विद्रोह’
5.	एल.ई.आर. रीज	धार्मिक युद्ध

## ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी

- 16वीं-17वीं सदी में कई यूरोपीय देशों के लोग भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से भारत आए। भारत में यूरोपीय कंपनियों के आगमन का क्रम पुर्तगाली, अंग्रेज (ब्रिटिश), डच (हॉलैंड), डेन (डेनमार्क) एवं फ्रांसीसी, इनमें अंग्रेज सर्वाधिक सफल रहे।
- भारत में व्यापार करने सबसे पहले पुर्तगाल ईस्ट इंडिया कंपनी (1498 ई. में) आई। भारत आने वाला (1498 ई.) प्रथम यूरोपीय यात्री वास्को-डि-गामा पुर्तगाली ही था।
- पुर्तगाल के बाद अंग्रेज/ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी 1600 में भारत में व्यापार करने आई। इसके बाद डच ईस्ट इंडिया कंपनी (1602 ई. में), डेनिश (डेनमार्क) कंपनी (1616 ई. में) तथा अंत में फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी (1664 ई. में) भारत में व्यापार करने आईं।
- भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज व्यक्ति (वर्ष 1599 में) जॉन मिल्डेन हॉल था।
- ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ प्रथम द्वारा (31 दिसंबर, 1600) प्रदान किए गए चार्टर द्वारा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना की गई। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का वास्तविक नाम ‘दि गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट ऑफ ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज’ था।
- ब्रिटेन के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में वर्ष 1608 में हॉकिंस नामक एक अंग्रेज मुगल सम्राट् जहांगीर के दरबार में आया था। वर्ष 1613 में जहांगीर ने अंग्रेजों को सूत में व्यापारिक कोठी स्थापित करने की इजाजत दी थी।
- वर्ष 1615 में सर टॉमस रो नामक एक अंग्रेज भी जेम्स प्रथम के दूत के रूप में भारत आया था।
- बंगाल में अंग्रेजों ने अपनी पहली फैक्ट्री/कोठी शाहजहां के काल में 1651 में बंगाल के सूबेदार की आज्ञा से बनाई।
- पुर्तगालियों की राजकुमारी कैथरीन ब्रिग्रेजा का विवाह ब्रिटेन के चार्ल्स द्वितीय से (1616 ई. में) हुआ, जिसके फलस्वरूप अंग्रेजों को बंबई (मुंबई) दहेज के रूप में प्राप्त हुआ।

**गवर्नर, गवर्नर जनरल एवं वायसराय**

नाम	कार्यकाल	प्रमुख कार्य
<b>बंगाल के गवर्नर</b>		
लॉर्ड क्लाइव	1757-1760 ई. तथा 1765 से 1767 ई. तक	ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा (1757 ई.) नियुक्त बंगाल का प्रथम गवर्नर; भारत में ब्रिटिश शासन का संस्थापक; ऐतिहासिक प्लासी का युद्ध (1757 ई.) तथा बक्सर का युद्ध (1764 ई.) इसके नेतृत्व में लड़ा गया; अंग्रेज विजयी रहे; बंगाल में द्वैध शासन स्थापित किया। क्लाइव के बाद बरेलास्ट (1767 से 1769 ई. तक) तथा करियर (1769-1772 ई. तक) बंगाल के गवर्नर रहे।
<b>बंगाल के गवर्नर जनरल</b>		
वॉरेन हेस्टिंग्स	1772-1785 ई.	बंगाल में द्वैध शासन की समाप्ति; बंगाल का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन किया; 1773 ई. में रेग्युलेंटिंग ऐक्ट के तहत हेस्टिंग्स को बंगाल का (गवर्नर से) प्रथम गवर्नर जनरल बनाया गया; इसी ऐक्ट के तहत कलकत्ता (कोलकाता) में उच्चतम न्यायलय की स्थापना; बंगाल की राजधानी कलकत्ता (कोलकाता) को अंग्रेजी साम्राज्य की राजधानी घोषित किया; 1775-82 ई. में प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध एवं 1780-84 ई. में द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध।
लॉर्ड कार्नवालिस	1786-1793 ई.	तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92 ई.); बंगाल में स्थायी भूमि बंदोबस्त प्रणाली की शुरुआत (1793 ई.) की; भारतीय सिविल सेवा का जनक; शासक के पृथक्कीकरण के सिद्धांत का जन्मदाता, कार्नवालिस संहिता (1793) लागू।
सर जॉन शोर	1793-1798 ई.	अपनी अहस्तक्षेप/तटस्थता नीति के लिए विख्यात।
लॉर्ड वेल्लेजली	1798-1805 ई.	‘सहायक संधि प्रथा’ द्वारा भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार; चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799 ई.); द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-04) तथा कलकत्ता (कोलकाता) में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना।

Contd...

लेलेजली के बाद सर जॉर्ज बालों (1805-07 ई. तक) बंगाल का गवर्नर जनरल रहा।		
महाराजा रणजीत सिंह के साथ प्रसिद्ध 'अमृतसर की संधि' (1809 ई.) की। इसके कार्यकाल में 1813 का चार्टर ऐक्ट पारित हुआ।	1807-1813 ई.	
प्रथम आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-16 ई.); तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-18 ई.)।	1813-1823 ई.	
प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-26 ई.) इसी के कार्यकाल में हुआ।	1823-1828 ई.	
<b>भारत के गवर्नर जनरल</b>		
1833 के चार्टर ऐक्ट के तहत बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया। बैंटिक भारत में सामाजिक सुधारों के लिए विख्यात; (1829 ई. में) सती प्रथा का अंत; कन्या-शिशु वध पर प्रतिबंध; कलकत्ता (कोलकाता) में मेट्रिकल कॉलेज की स्थापना (1835 ई.)।	1828-1835 ई.	
समाचार-पत्रों से प्रतिबंध हटाया, इसे 'समाचार पत्रों का मुक्तिदाता' भी कहा जाता है।	1835-1836 ई.	
प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (1838-42 ई.); शेरशाह द्वारा निर्मित ग्रांड ट्रंक रोड की मरम्मत करवाई।	1836-1842 ई.	
वर्ष 1843 में सिंध का ब्रिटिश राज्य में विलय हुआ; दास प्रथा का अंत किया।	1842-1844 ई.	
प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845); प्राचीन स्मारकों का संरक्षण।	1844-1848 ई.	
द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1851-52 ई.), पी.डब्ल्यू.डी. (सार्वजनिक निर्माण विभाग) का निर्माण (1853); प्रथम रेल लाइन (1853) का निर्माण; पोस्ट ऑफिस ऐक्ट (1854) पारित; सर चार्ल्स वुड की शिक्षा सुधार नीति (1854 ई.) डलहौजी की व्ययगत नीति (लैप्स नीति) द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाए गए राज्य थे- सतारा (1848), झांसी (1853) एवं नागपुर (1854)।	1848-1856 ई.	
शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया। हिंदू विधवा पुनर्विवाह ऐक्ट पारित।		

वायसराय	
लॉर्ड कैनिंग	1858-1862 ई. कैनिंग (1856-58 ई. तक) भारत का गवर्नर जनरल (अंतिम) रहा। 1858 के ब्रिटिश संसद द्वारा पारित ऐक्ट के तहत इसे भारत का प्रथम 'वायसराय' बनाया गया। महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी घोषित (1858); मद्रास (चेन्नई) एवं कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालयों की स्थापना (1857); भारतीय दंड संहिता (1858) एवं सिविल दंड प्रक्रिया (CPC) (1859); भारतीय परिषद अधिनियम (1861); भारतीय उच्च न्यायालय ऐक्ट (1861); इसके तहत कलकत्ता (कोलकाता), मद्रास (चेन्नई), बंबई (मुंबई) में उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
लॉर्ड एलिंग	1862-63 ई. वहाबी आंदोलन का दमन; धर्मशाला में अचानक मृत्यु।
सर जॉन लॉरेंस	1864-1869 ई. बड़ी मात्रा में रेलवे एवं नहरों का निर्माण; संचार व्यवस्था स्थापित की।
लॉर्ड मेयो	1869-1872 ई. मेयो कॉलेज (अजमेर में) स्थापित किया; कार्यकाल में ही (1872 में) प्रथम जनगणना कराई; कार्यकाल के दौरान ही अंडमान में एक कैदी द्वारा उसकी हत्या कर दी गई।
लॉर्ड नार्थब्रुक	1872-1876 ई. पंजाब में कृषक आंदोलन; बिहार में अकाल पड़ा।
लॉर्ड लिटन	1876-1880 ई. लिटन एक विख्यात कवि/लेखक था, जिसे 'ओवन मेरिडिथ' के नाम से भी (चिट्ठानों में) जाना जाता था। लिटन ने सिविल सेवा प्रवेश आयु 21 से घटाकर 19 की। रिचर्ड स्ट्रुची की अध्यक्षता में अकाल आयोग का गठन (1878); महारानी विक्टोरिया को इसके कार्यकाल में ही 'केसर-ए-हिंद' की उपाधि दी गई। प्रसिद्ध वर्नाक्यूलर ऐक्ट (प्रेस के प्रतिबंध हेतु) तथा भारतीय राज्य अधिनियम (1878); द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध (1878-80)।
लॉर्ड रिपन	1880-1884 ई. वर्नाक्यूलर ऐक्ट रद्द किया (1882 ई. में) रिपन को प्रेस का 'मुक्तदाता' भी कहा जाता है। 1881 से नियमित जनगणना (प्रति दस वर्ष पश्चात्) कराई गई; इल्बर्ट बिल विवाद (1883 ई.); स्थानीय स्वशासन की प्रणाली की शुरूआत (1882 ई.)।

लॉर्ड डफरिन	1884-1888 ई.	ए.ओ. ह्यूम के नेतृत्व में 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना (1885); तृतीय ऑगल-बर्मा युद्ध (1885-1888)।
लॉर्ड लैंसडाउन	1888-1894 ई.	भारतीय परिषद ऐक्ट (1892) पारित; भारत व अफ़ग़ानिस्तान के बीच सीमा रेखा 'डूंड रेखा' का निर्धारण।
लॉर्ड एल्लिन द्वितीय	1894-1899 ई.	तिलक द्वारा 'शिवाजी उत्सव' की घोषणा (1895); चापेकर बंधुओं द्वारा पूना में दो अंग्रेज अधिकारियों की हत्या (1897); भारत में यह किसी ब्रिटिश अधिकारी की प्रथम राजनीतिक हत्या थी।
लॉर्ड कर्जन	1899-1905 ई.	उत्तर-पश्चिम सीमा-प्रांत का गठन; पश्चिम विश्वविद्यालय अधिनियम (1904); प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (1904); रेलवे बोर्ड का गठन (1905); पुलिस सुधार हेतु फ़्रेजर कमीशन का गठन; बंगाल का विभाजन (1905)।
लॉर्ड मिंटो द्वितीय	1905-1910 ई.	मुस्लिम लीग का गठन (1906); मॉर्ले-मिंटो सुधार ऐक्ट (भारतीय परिषद ऐक्ट, 1909) पारित; सूत में कांग्रेस का विभाजन (1907)।
लॉर्ड हार्डिंग II	1910-1916 ई.	ब्रिटेन के राजा जार्ज V का भारत आगमन (12 दिसंबर, 1911); दिल्ली में बंगाल विभाजन रद्द, दिल्ली राजधानी बनी (1912); हार्डिंग के दिल्ली प्रवेश के दौरान बम फेंका गया (23 दिसंबर, 1912); प्रथम विश्व युद्ध का प्रारंभ (1914)।
लॉर्ड चेम्सफोर्ड	1916-1921 ई.	बनास हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना (1916); गांधीजी द्वारा चंपारन में प्रथम सत्याग्रह (अप्रैल 1917); जलियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919), मॉंटैग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम (1919)।
लॉर्ड रीडिंग	1921 से 1926 ई.	चौरा-चौरी कांड (5 फरवरी, 1922); काकोरी ट्रेन डकैती कांड (9 अगस्त, 1925); स्वामी श्रद्धानंद की हत्या (1926); कानपुर में अखिल भारतीय साम्यवादी दल का गठन (1924)।

Contd...

लॉर्ड इरविन	1926-1931 ई.	साइमन कमीशन का भारत आगमन; दिल्ली की असेंबली में भागलसिंह व बटुकेश्वर दत्त द्वारा बम फेंका गया (8 अप्रैल, 1929); कांग्रेस ने अपने लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' की घोषणा की (31 दिसंबर, 1929); गांधी द्वारा ऐतिहासिक 'दांडी यात्रा' (12 मार्च, 1930 में प्रारंभ); लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन संपन्न (1930); गांधी इरविन समझौता (5 मार्च, 1931)
लॉर्ड विलिंग्टन	1931-1936 ई.	द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में गांधीजी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया (1931); ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रैम्जे-मैकडॉनल द्वारा ऐतिहासिक सांप्रदायिक निर्णय की घोषणा (1932); गांधी और अबेडकर में 'पूना पैक्ट' (1932); तृतीय गोलमेज सम्मेलन संपन्न (1932); भारत सरकार अधिनियम (1935)
लॉर्ड लिनलिथगो	1936-1943 ई.	द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45); कांग्रेस द्वारा व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ (17 जनवरी 1941); गांधीजी का भारत छोड़ो आंदोलन (1942) प्रारंभ
लॉर्ड वैवेल	1943-1947 ई.	शिमला समझौता (1945); कैबिनेट मिशन का भारत आगमन (24 मार्च, 1946); प. नेहरू द्वारा अंतरिम सरकार का गठन (सितंबर 1946); संविधान सभा की प्रथम बैठक (9 दिसंबर, 1946); ब्रिटिश पी.एम. एटली की घोषणा (20 फरवरी, 1947 को), इसमें भारत को जून, 1948 तक स्वतंत्र करने की घोषणा की गई
लॉर्ड माउंटबेटेन	1947-1948 ई.	भारत के अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटेन ने 3 जून, 1947 को भारत विभाजन की घोषणा की। ब्रिटिश संसद में (4 जुलाई, 1947 को) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित; इस ऐक्ट के तहत भारत के दो टुकड़े करके इसे भारत-पाकिस्तान दो राज्यों में विभाजित कर दिया गया।
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	1948-1950 ई.	स्वतंत्र भारत के (1948 से 1950 तक) प्रथम वायसराय बने।



## भारत के प्रमुख सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन

- राजा राममोहन राय द्वारा वर्ष 1828 ई. में 'ब्रह्म समाज' की स्थापना कलकत्ता (कोलकाता) में हिंदू धर्म में सुधार करने तथा एकेश्वरवाद का प्रचार करने के लिए की गई थी।
- राजा राममोहन राय को 'भारतीय नवजागरण का अग्रदूत' माना जाता है। वह पहले ऐसे भारतीय हुए, जिन्होंने भारतीय समाज में व्याप्त धार्मिक व सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए आंदोलन किया।
- राजा राममोहन राय द्वारा 'संवाद कौमुदी' तथा 'मिरात अल' अखबार प्रकाशित करके भारत में पत्रकारिता की नींव रखी गई।
- वर्ष 1839 में देवेंद्रनाथ टैगोर ने कलकत्ता (कोलकाता) में 'तत्वबोधिनी सभा' की स्थापना की थी।
- वर्ष 1867 में डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने बंबई (मुंबई) में 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की थी।
- राधास्वामी सत्संग की स्थापना आगरा में (वर्ष 1861 में) तुलसीराम शिवदयाल द्वारा की गई थी।
- दयानंद सरस्वती द्वारा वर्ष 1875 में बंबई (मुंबई) में 'आर्यसमाज' की स्थापना की गई थी।
- आर्यसमाज द्वारा मूर्ति पूजा का विरोध किया गया। वह वेदों में विश्वास रखते थे, इसलिए आर्यसमाज का प्रमुख नारा था 'वेदों की ओर लौटो'।
- स्वामी दयानंद की प्रमुख रचना 'सत्यार्थ प्रकाश' और 'पाखंड खंडन' थी।
- वर्ष 1897 में स्वामी विवेकानंद ने 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की स्मृति में (बेल्लूर) कलकत्ता (कोलकाता) में की।
- वर्ष 1893 में विवेकानंद ने शिकागो (सं. रा. अमेरिका) के 'विश्व धर्म सम्मेलन' में भाग लिया तथा भारत की प्रतिष्ठा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया।
- अमेरिका जाने से पहले विवेकानंद ने महाराज खेतड़ी के सुझाव पर अपना नाम नरेंद्र नाथ से 'स्वामी विवेकानंद' रखा।
- महादेव गोविंद रानाडे को (पश्चिम भारत में) 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अग्रदूत' माना जाता है।
- वर्ष 1875 में 'थियोसोफिकल सोसाइटी' की स्थापना मैडम एच.पी. ब्लोवोट्स्की और हेनरी स्टील आलकॉट ने अमेरिका में की थी।
- भारत में होमरूल की तर्ज पर 'होमरूल लीग' की स्थापना (वर्ष 1916 में) ऐनी बेसेंट (आयरलैंड) द्वारा की गई।
- महात्मा गांधीजी द्वारा (वर्ष 1932 में) छुआछूत के विरोध में 'हरिजन सेवक मंडल/संघ' की स्थापना की गई।
- डॉ. अबेडकर द्वारा (वर्ष 1942 में) 'अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ' की स्थापना की गई।





# भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (Indian National Movement)

## भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना ए.ओ. ह्यूम (अंग्रेज) द्वारा भारतीय नेताओं के सहयोग से 28 दिसंबर, 1885 को बंबई (मुंबई) में की गई थी।
- कांग्रेस के संस्थापक ए.ओ. ह्यूम का पूरा नाम – एलन ऑक्टोवियन ह्यूम था। वह अवकाश प्राप्त ब्रिटिश अधिकारी थे, जो इटावा के कलेक्टर भी रह चुके थे।
- कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन दिसंबर 1885 में बंबई (मुंबई) में हुआ था। इस प्रथम सम्मेलन की अध्यक्षता व्योमेश चंद्र बनर्जी ने की थी। इस सम्मेलन में लगभग 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। पहले यह सम्मेलन पूना में होना था, परंतु वहां प्लेग फैलने के कारण बंबई (मुंबई) में आयोजित हुआ।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरा अधिवेशन (1886), जो कलकत्ता (कोलकाता) में हुआ था, इसकी अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की थी। इस अधिवेशन के अलावा वर्ष 1893 के तथा 1906 के अधिवेशन की अध्यक्षता भी उन्होंने ही की थी।
- दादा भाई नौरोजी को 'ग्रेंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से भी जाना जाता है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से पूर्व स्थापित कुछ राजनीतिक संस्थाएं	
• बंगाल जमींदार सभा (लैंडर्स होल्डर्स सोसाइटी)	इसकी स्थापना वर्ष 1838 में द्वारकानाथ टैगोर के प्रयासों से कलकत्ता (कोलकाता) में हुई थी।
• ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन	इसकी स्थापना 28 अक्टूबर, 1851 को कलकत्ता (कोलकाता) में हुई। इसके संस्थापक सदस्य थे— राधाकांत देव (अध्यक्ष); देवेन्द्र नाथ टैगोर, हरिश्चंद्र मुखर्जी।

Contd...

46 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

• ईस्ट इंडिया एसोसिएशन (विदेश में)	इस संस्था की स्थापना लंदन में दादाभाई नौरोजी द्वारा वर्ष 1866 में की गई थी।
• पूना सार्वजनिक सभा	इस सभा की स्थापना वर्ष 1870 में महादेव गोविंद रानाडे द्वारा पूना में की गई।
• इंडियन एसोसिएशन	इसकी स्थापना वर्ष 1876 में कलकत्ता (कोलकाता) में सुरेंद्र नाथ बनर्जी द्वारा की गई।
• बंबई (मुंबई) प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	इसकी स्थापना वर्ष 1885 में बंबई (मुंबई) में फिरोजशाह मेहता तथा बदरुद्दीन तैय्यब द्वारा की गई।

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष (वर्ष 1897 में) सैयद बदरुद्दीन तैय्यब थे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष जॉर्ज यूले थे। इन्होंने 1888 ई. के इलाहाबाद अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।
- 'स्वराज्य' शब्द का प्रथम बार प्रयोग दादाभाई नौरोजी द्वारा 1906 के कलकत्ता (कोलकाता) अधिवेशन में किया गया।
- वर्ष 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता रासबिहारी बोस ने की थी।
- वर्ष 1916 के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता ए.सी. मजूमदार द्वारा की गई।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम (विदेशी/ब्रिटिश) महिला अध्यक्ष एनी बेसेंट थी। एनी बेसेंट ने वर्ष 1917 के कलकत्ता (कोलकाता) अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।
- महात्मा गांधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एकमात्र बेलगांव अधिवेशन की अध्यक्षता (वर्ष 1924 में) की गई।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष सरोजिनी नायडू थीं। इन्होंने वर्ष 1925 के कानपुर अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।
- वर्ष 1929 में कांग्रेस के लाहौर के अधिवेशन में (जो पं. नेहरू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ था) 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित किया गया।
- वर्ष 1931 के करांची अधिवेशन में 'मूल अधिकारों' से संबंधित प्रस्ताव पारित किया गया।
- वर्ष 1937 में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन गांव फैजपुर में संपन्न हुआ था।
- वर्ष 1939 के त्रिपुरी अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस ने गांधीजी के साथ मतभेद के कारण अध्यक्षता से त्यागपत्र दे दिया था।

- वर्ष 1941 से 1945 तक (द्वितीय विश्व युद्ध के कारण) कांग्रेस का कोई अधिवेशन नहीं हुआ।
- वर्ष 1946-47 में कांग्रेस का मेरठ अधिवेशन जे.बी. कृपलानी की अध्यक्षता में हुआ।

## **बंगाल का विभाजन: स्वदेशी आंदोलन, 1905**

- बंगाल के विभाजन की सर्वप्रथम आधिकारिक घोषणा 4 जुलाई, 1905 को हुई, जबकि 16 अक्टूबर, 1905 को यह लागू हुआ। उस दौरान बंगाल भारतीय राष्ट्रवाद का प्रमुख केंद्र था।
- बंगाल का विभाजन लॉर्ड कर्जन के काल में हुआ था। उस दौरान बंगाल प्रेसीडेंसी में बिहार, उड़ीसा (ओडिशा), पं. बंगाल व बांग्लादेश शामिल थे। कर्जन ने प्रशासनिक बहाना बनाकर बंगाल का दो भागों में विभाजन करा दिया।
- बंगाल का विभाजन लागू होने के दिन को 'शोक दिवस' के रूप में मनाया गया।
- बंगाल-विभाजन विरोधी आंदोलन के रूप में ही स्वदेशी तथा बहिष्कार आंदोलनों की उत्पत्ति हुई। जगह-जगह विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई।
- बंगाल विरोधी आंदोलन का नेतृत्व लोकमान्य तिलक, बिपिन चंद्र पाल और अरविंद घोष द्वारा किया गया।
- विदेश में सैन फ्रांसिस्को (सं.रा. अमेरिका) में क्रांतिकारी लाला हरदयाल सिंह ने (1913 ई. में) 'गदर पार्टी' की स्थापना की।

## **कांग्रेस-लीग समझौता ( 1916 )**

- इस समझौते को 'लखनऊ समझौते' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह समझौता वर्ष 1916 में लखनऊ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच हुआ था।
- कांग्रेस के (1916 के) लखनऊ अधिवेशन में दो प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं हुईं। एक तो 1907 में कांग्रेस का जो दो गुटों में विभाजन हो गया था, वह फिर से एक हो गए।
- लखनऊ अधिवेशन (1916 ई.) की दूसरी महत्वपूर्ण उपलब्धि थी कि अपने पुराने मतभेद भुलाकर कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने मिलकर ब्रिटिश सरकार के समक्ष अपनी प्रमुख राजनीतिक मांगें रखीं।

## **महात्मा गांधी और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन**

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 9 जनवरी, 1915 को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने के लिए (विदेश से) दक्षिण अफ्रीका से (स्वदेश) भारत लौटे थे।

48 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- इसी दिन (9 जनवरी को) वर्ष 2003 से प्रतिवर्ष भारत में 'प्रवासी दिवस' भी मनाया जाता है।
- महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत में किया गया पहला सत्याग्रह 'चंपारण सत्याग्रह' था, जिसमें (वर्ष 1917 में) चंपारण जिले में किसानों ने नील बागान मालिकों के खिलाफ संघर्ष किया था।
- महात्मा गांधी ने अहमदाबाद के निकट साबरमती आश्रम की स्थापना वर्ष 1917 में की थी।
- गांधीजी ने वर्ष 1919 में 'यंग इंडिया' एवं 'नवजीवन' तथा वर्ष 1933 में 'हरिजन' का प्रकाशन प्रारंभ किया।
- 24 नवंबर, 1919 में गांधीजी खिलाफत सम्मेलन के अध्यक्ष चुने गए थे।
- गांधीजी ने चौरी-चौरा कांड (गोरखपुर) के विरोध में अपना असहयोग आंदोलन स्थगित (वर्ष 1922 में) किया था।
- महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा दी गई थी।
- महात्मा गांधी को सर्वप्रथम 'राष्ट्रपिता' सुभाष चंद्र बोस ने कहकर संबोधित किया था।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत महात्मा गांधीजी द्वारा वर्ष 1930 में की गई थी। इसके तहत गांधीजी ने (नमक कानून तोड़ने के लिए) अपने 78 चुने हुए अनुयायियों के साथ ऐतिहासिक दांडी यात्रा (Dandi March) 12 मार्च, 1930 को (साबरमती आश्रम से) शुरू की थी।
- 6 अप्रैल, 1930 को गांधीजी अपने अनुयायियों के साथ दांडी पहुंचे, जहां उन्होंने नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा।
- महात्मा गांधीजी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के केवल एकमात्र बेलगांव अधिवेशन (वर्ष 1924 में) की अध्यक्षता की थी।
- 5 मार्च, 1931 को गांधी-इरविन समझौता हुआ, जिसके तहत सविनय अवज्ञा आंदोलन को समाप्त कर दिया गया।
- गांधीजी ने एकमात्र द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए गांधीजी 27 अगस्त, 1931 को बंबई (मुंबई) से इंग्लैंड (लंदन) गए थे।
- गांधीजी को द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1931) से खाली हाथ लौटना पड़ा, क्योंकि उन्होंने मुस्लिम एवं दलितों के लिए पृथक् निर्वाचन मंडल की बात मानने से इनकार कर दिया था।
- गांधीजी के सत्याग्रह शब्द का अर्थ है— 'सत्य की खोज और उसका आग्रह'।
- गांधीजी ने अपनी आत्मकथा (1922 में जेल में) 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' (My Experiments with Truth) जेल में ही लिखना प्रारंभ कर दी थी।

- गांधीजी ने यह गुजराती में लिखी थी।
- गांधीजी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह के लिए विनोबा भावे को पहला सत्याग्रही चुना था, यह सत्याग्रह वर्ष 1940 में प्रारंभ हुआ था।
  - महात्मा गांधी तथा अंबेडकर के बीच 26 सितंबर, 1932 को 'पूना समझौता/पैक्ट' हुआ था।
  - महात्मा गांधी अपने जीवनकाल में कुल 2,338 दिनों तक जेल में रहे थे।
  - भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान गांधीजी ने कहा था कि 'यह मेरे जीवन का अंतिम संघर्ष होगा' और उन्होंने 'करो या मरो' का नारा दिया।
  - मार्च 1942 में गांधीजी ने दिल्ली में सर स्टेफोर्ड क्रिप्स से भेंट कर 'क्रिप्स योजना' को अस्वीकार कर दिया। इसके प्रस्तावों को गांधीजी ने 'पोस्ट डेटेड चेक' (Post-dated Cheque) की संज्ञा दी।
  - 22 फरवरी, 1944 को शिवरात्रि के अवसर पर महात्मा गांधी की धर्मपत्नी कस्तूरबा का (74 वर्ष की आयु में) निधन हुआ।
  - 30 जनवरी, 1948 को नई दिल्ली के बिरला भवन में प्रार्थना करने जाते समय एक हिंदू राष्ट्रवादी नाथूराम गोडसे ने गांधीजी को गोलियों से मार दिया।

## जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919)

- सन् 1917 में सर सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में क्रांतिकारी गतिविधियों की देखरेख के लिए एक समिति गठित की गई। इस समिति की सिफारिश पर ही 'एनार्किकल एंड रिवोल्यूशनरी क्राइम्स ऐक्ट' 1919 लागू किया गया, इस अधिनियम को संक्षिप्त में 'रोलैक्ट ऐक्ट' कहा जाता है।
- रोलैक्ट ऐक्ट को 'काला विधेयक' (Black Act) के रूप में घोषित कर इसका जगह-जगह विरोध किया गया। 8 अप्रैल, 1919 को कांग्रेस द्वारा एक अखिल भारतीय हड़ताल का आह्वान किया गया।
- इस ऐक्ट के विरोध में गांधीजी ने एक अखिल भारतीय सत्याग्रह आंदोलन प्रारंभ किया। सरकार इस आंदोलन को कुचल देने पर उतारू थी। सरकार की दमनकारी नीतियों तथा डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल जैसे लोकप्रिय नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में (अमृतसर के) जलियांवाला बाग में एक सभा आयोजित की गई।
- जनरल डायर ने इस सभा स्थल को सशस्त्र सैनिकों के साथ चारों ओर से घेर लिया तथा बिना किसी चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां चलाने का आदेश दिया, जिससे इस घटना में एक हजार से अधिक बच्चे, बूढ़े, युवा, महिलाएं मारे गए।
- इस घटना के विरोध में रविंद्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' की उपाधि वापस कर दी।

50 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- उल्लेखनीय है कि जलियांवाला बाग को महाराजा रणजीत सिंह के दरबारी पंडित जाला द्वारा एक बगीचे के रूप में विकसित किया गया था, जो उसके नाम से ही जाना जाता है।

## असहयोग आंदोलन ( 1921-22 )

- सितंबर 1920 में कांग्रेस द्वारा एक विशेष अधिवेशन हुआ, जिसमें अंग्रेजों द्वारा मांगों की पूर्ति नहीं किए जाने पर असहयोग आंदोलन प्रारंभ करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बाद में दिसंबर 1920 में नागपुर अधिवेशन में इस आंदोलन/निर्णय को स्वीकृति दी गई।
- जनवरी, 1921 में कांग्रेस द्वारा गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया गया।
- इसमें सरकारी स्कूलों, कॉलेजों तथा विधि न्यायालयों के बहिष्कार की योजना बनाई गई।
- 5 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा नामक गांव (गोरखपुर) में तीन हजार से अधिक किसानों के एक जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई। फलस्वरूप किसानों ने पुलिस पर हमला कर थाने में आग लगा दी।
- गांधीजी ने हिंसा के कारण जल्द ही (12 फरवरी को) बारदोली में हुई कांग्रेस की कार्य समिति में इस आंदोलन को वापस ले लिया।

## साइमन कमीशन ( 1928 )

- 8 नवंबर, 1927 को ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में भारतीय वैधानिक आयोग (इंडियन स्टेट्यूटरी कमीशन) के गठन की घोषणा की।
- इस आयोग/कमीशन में अध्यक्ष (अंग्रेज) के अतिरिक्त 6 सदस्य थे, जिनमें 4 कंजरवेटिव पार्टी के तथा 2 लेबर पार्टी के थे, जबकि इसमें कोई भारतीय शामिल नहीं किया गया था।
- कांग्रेस सहित लगभग सभी बड़े दलों ने इसका बहिष्कार करने का फैसला किया।
- 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत आया। इस कमीशन का भारत में लगभग सभी प्रमुख नगरों में हड़तालों एवं जुलूसों के माध्यम से विरोध किया गया। 'साइमन वापस जाओ' के नारे लगाए गए।
- सरकार ने जनता पर उग्र पुलिस कार्यवाहियों का सहारा लिया, जिसके कारण साइमन कमीशन का विरोध करते समय 17 नवंबर, 1928 को लाला लाजपत राय पुलिस के लाठी प्रहारों का शिकार हुए और एक महीने के अंदर उनका देहांत हो गया।

## सविनय अवज्ञा आंदोलन ( 1930-31 )

- आंदोलन की शुरुआत से पूर्व गांधीजी द्वारा ब्रिटिश सरकार को '11 सूत्री मांग-पत्र (जिसमें पूर्ण स्वतंत्रता/स्वराज्य की मांग शामिल नहीं थी) प्रस्तुत किया गया। इन मांगों को अस्वीकार किए जाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई।
- लॉर्ड इरविन (तत्कालीन वायसराय) द्वारा 11 सूत्री मांगों को अस्वीकार किए जाने के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन प्रारंभ किया गया।
- गांधीजी ने 12 मार्च, 1930 को अपने 78 स्वयंसेवकों के साथ दांडी के लिए यात्रा प्रारंभ की। इसमें पूरे देश से आए हुए सत्याग्रहियों में 2 मुस्लिम, 1 ईसाई तथा शेष हिंदू थे।
- इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य समुद्र तट पर नमक बनाकर सरकार द्वारा बनाए गए 'नमक कानून' को तोड़ना था। यह यात्रा साबरमती आश्रम से गुजरात के तट दांडी तक 24 दिनों में पूरी हुई। 6 अप्रैल, 1930 को गांधीजी ने समुद्र तट पर नमक कानून भंग किया।

## गोलमेज सम्मेलन (Round Table Conference 1930-32)

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन 12 दिसंबर, 1930 से 9 जनवरी, 1931 तक (लंदन में) आयोजित हुआ (लॉर्ड इरविन के कार्यकाल में)।
- प्रथम गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस ने भाग नहीं लिया।
- इस सम्मेलन में दलितवर्ग के प्रतिनिधि के रूप में बी.आर. अंबेडकर ने भाग लिया। इस सम्मेलन में 'हिंदू महासभा' के मुंजे तथा जयकर ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त इंडियन लिबरल फेडरेशन के तेज बहादुर सपू, सी.वी. चिंतामणि सहित कुल 89 सदस्यों ने भाग लिया।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 7 सितंबर से 1 दिसंबर, 1931 तक आयोजित हुआ था (लॉर्ड विलिंगटन के कार्यकाल में)।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में गांधीजी ने अन्य दलों (कुल 107) के प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया था।
- इसमें किसी भी मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन पाई। गांधीजी ने मुसलमानों एवं दलितों के लिए पृथक् निर्वाचनमंडल का विरोध किया।
- तृतीय गोलमेज सम्मेलन 17 नवंबर से 24 दिसंबर, 1932 तक संपन्न हुआ (लॉर्ड विलिंगटन के कार्यकाल में)।
- इस तृतीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के किसी भी प्रतिनिधि ने भाग नहीं लिया। इस सम्मेलन में प्रतिनिधियों की संख्या (मात्र 46) पहले के दो अधिवेशनों से काफी कम रही।



## गांधी इरविन समझौता/पैक्ट ( 1931 )

- सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. जयकर तथा अन्य लोगों द्वारा लगातार प्रयासों के बाद सरकार तथा कांग्रेस के बीच समझौता हुआ, जिसके परिणामस्वरूप गांधी और लॉर्ड इरविन द्वारा एक समझौता-पत्र पर 5 मार्च, 1931 को हस्ताक्षर किए गए। इसे ही 'गांधी-इरविन पैक्ट' कहा गया।
- इस समझौते के तहत सरकार निम्न शर्तें मानने को राजी हुई-
  - समुद्री तटों से कुछ दूरी तक रहने वाले लोगों को मुफ्त नमक इकट्ठा करने तथा बनाने की अनुमति देना।
  - सत्याग्रहियों की जब्त संपत्ति उन्हें वापस करना।
  - सभी अध्यादेशों की वापसी।
  - शराब तथा विदेशी कपड़े की दुकानों पर शांतिपूर्वक धरना देने की अनुमति देना।

## पूना समझौता ( 1932 )

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनाल्ड ने 16 अगस्त, 1932 को पृथक् प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु सांप्रदायिक पंचाट (कम्युनल अंबार्ड) की घोषणा की।
- सितंबर, 1932 में गांधीजी और बी.आर. अंबेडकर के बीच एक समझौता हुआ, जिसे 'पूना पैक्ट' के नाम से जाना जाता है।
- इसके तहत सांप्रदायिक पंचाट में दलितों के लिए प्रांतीय व्यवस्थापिका सभाओं में प्रारंभ राज्यों में 71 स्थानों को सुरक्षित किया गया, जो बढ़ाकर 148 किए गए।
- बाद में, इस समझौते के तहत दलित वर्ग के लिए पृथक् निर्वाचक मंडल की व्यवस्था को वापस ले लिया गया।

## क्रिप्स मिशन ( 1942 )

- ब्रिटिश युद्ध मंत्रिमंडल के एक सदस्य सर स्टैफोर्ड क्रिप्स के द्वारा इंग्लैंड ने भारत के राजनैतिक गतिरोध को दूर करने का गंभीर प्रयास किया। 'क्रिप्स योजना' के दो भाग थे।
- एक भाग में, स्वतंत्र उपनिवेश सविधान के गठन की प्रक्रिया थी। दूसरा भाग, युद्ध के दौरान शीघ्र एवं अंतरिम उपायों से संबंधित था।
- केवल मुस्लिम लीग द्वारा 'क्रिप्स योजना' का स्वागत किया गया जबकि अन्य दलों, जैसे— हिंदू महासभा, अकाली दल, नेशनल लिबरल फेडरेशन ने इसका विरोध किया।

## भारत छोड़ो आंदोलन ( 1942 )

- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 8 अगस्त, 1942 की वर्धा की बैठक में प्रसिद्ध 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें इसके उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अहिंसात्मक जन आंदोलन प्रारंभ करने का प्रस्ताव था।
- इस आंदोलन में गांधीजी ने 'करो या मरो' का नारा दिया। गांधीजी ने इस आंदोलन को 'अपने जीवन का अंतिम आंदोलन' कहा था।
- इस आंदोलन के प्रारंभ होने के अगले ही दिन (9 अगस्त को) गांधीजी सहित सभी महत्वपूर्ण नेताओं को गिरफ्तार कर लिया।
- 'भारत छोड़ो आंदोलन' का भूमिगत होकर संचालन जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया एवं श्रीमती अरुणा आसफ अली ने किया था।
- इस आंदोलन को दबाने में अंग्रेज हालांकि सफल रहे, परंतु उन्होंने इस प्रकार के विकराल विद्रोह को संघर्ष की अपेक्षा समझौते से समाप्त करने का प्रयास किया।
- इस आंदोलन के कारण वामपंथी समूहों/पार्टियों का भारत में प्रभाव कमजोर हुआ। समाजवादियों तथा सुभाष चंद्र बोस के समर्थकों ने कम्युनिस्टों पर धोखेबाजी का आरोप लगाया।

## सी. राजगोपालाचारी फॉर्मूला ( 1944 )

- भारत द्वारा स्वतंत्रता की प्राप्ति हेतु कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के बीच समझौते की आवश्यकता को महसूस कर सी. राजगोपालाचारी ने एक फॉर्मूला, वर्ष 1944 में तैयार किया। इसके निम्न प्रावधान थे—
  - संक्रमण काल में मुस्लिम लीग को अंतरिम सरकार की स्थापना में कांग्रेस के साथ सहयोग करना चाहिए।
  - युद्ध की समाप्ति के पश्चात् भारत के उत्तर-पश्चिम एवं पूर्व के मुस्लिम बाहुल्य जिलों की पहचान के लिए एक आयोग का गठन किया जाए।
  - पृथक् होने की स्थिति में रक्षा, वाणिज्य एवं संचार क्षेत्रों में दोनों सरकारों में परस्पर सहमति हो।

## वेवेल योजना तथा शिमला सम्मेलन ( 1945 )

- सी.आर. फॉर्मूले पर आधारित गांधी-जिन्ना वार्ता के विफल होने के पश्चात् तत्कालीन वायसराय लॉर्ड वेवेल ने संवैधानिक गतिरोध समाप्त करने के लिए एक नई योजना प्रस्तुत की।
- इसके तहत सभी प्रमुख भारतीय राजनीतिक पार्टियों एवं संबद्ध नेताओं का एक

#### 54 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- सम्मेलन शिमला में आयोजित (वर्ष 1945 में) किया गया।
- इसमें कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर कार्यपालिका परिषद् भारतीयों के हाथ में देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसमें हिंदुओं तथा मुसलमानों को बराबर प्रतिनिधित्व देने की बात की गई।
- जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग के हठ के चलते यह योजना विफल रही।

### कैबिनेट मिशन योजना ( 1946 )

- 'वेवेल योजना' के विफल होने के पश्चात् भारत का राजनीतिक गतिरोध दूर करने हेतु तथा भारत को शीघ्र स्वतंत्रता में मदद देने हेतु 24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मंत्रियों (ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एटली के मंत्रिमंडल के 3 मंत्री) का समूह भारत आया।
- 'कैबिनेट मिशन' के सदस्य थे- लॉर्ड पेथिक लॉरेंस, सर स्टैफोर्ड क्रिप्स एवं ए.बी. एलेक्जेंडर।
- कैबिनेट मिशन का मूल उद्देश्य कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच समझौता कराने के लिए मध्यस्थता करवाना तथा भारत की संविधान सभा (Constitutional Assembly) के गठन में (वायसराय की) मदद करना था।
- मुस्लिम लीग ने कांग्रेस और लीग की समानता पर जोर दिया तथा ऐसा नहीं करने पर 'कैबिनेट मिशन योजना' को टुकरा दिया।
- मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त, 1946 को 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' मनाया।
- पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में 11 सहयोगियों के साथ 2 सितंबर, 1946 को अंतरिम सरकार का गठन किया गया। प्रारंभ में, इसमें मुस्लिम लीग के सदस्य शामिल नहीं हुए।
- वायसराय के प्रयासों से (26 अक्टूबर, 1946 को) लीग सरकार में शामिल हुई। सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्य थे- लियाकत अली, अब्दुल खनशतर, गजनफल अली एवं योगेंद्र नाथ मंडल आदि।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई।

### माउंटबेटन योजना ( जून, 1947 )

- कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच राजनीतिक गतिरोध को दूर करने हेतु ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री एटली ने 20 फरवरी, 1947 को एक घोषणा की कि ब्रिटिश सरकार द्वारा जून, 1948 तक पूरी तरह से सत्ता भारतीयों को सौंप दी जाएगी।
- मार्च, 1947 में (लॉर्ड वेवेल के स्थान पर) लॉर्ड माउंटबेटन को भारत का वायसराय बनाकर भेजा गया।

- माउंटबेटन ने भारत तथा पाकिस्तान के बीच बंटवारे के प्रश्न पर कांग्रेस एवं लीग के नेताओं से वार्तालाप करके एक योजना तैयार की, जिसे 'माउंटबेटन योजना' कहते हैं।
- माउंटबेटन द्वारा इस योजना की घोषणा 3 जून, 1947 को की गई, जिसमें सत्ता का हस्तांतरण कर देश का दो भागों में (भारत तथा पाकिस्तान) विभाजन का सुझाव दिया गया।
- योजना के तहत यह भी निर्धारित किया गया कि 15 अगस्त, 1947 को भारत और पाकिस्तान को सत्ता हस्तांतरण 'डोमिनियन स्टेट्स' के आधार पर किया जाएगा।
- कांग्रेस तथा मुस्लिम दोनों ने यह योजना स्वीकार की।
- ब्रिटिश संसद ने इस योजना को कार्यरूप देने हेतु एक विधेयक (जुलाई, 1947 में) पारित किया।

### भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम ( 1947 )

- माउंटबेटन की योजना के आधार पर ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को एक विधेयक पेश किया गया। यह विधेयक (14 दिनों के भीतर ही) 18 जुलाई, 1947 को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' (Indian Independence Act, 1947) के रूप में पारित हुआ।
- इस अधिनियम के तहत 15 अगस्त, 1947 को भारत को दो स्वतंत्र डोमिनियनों में बांट दिया गया— एक भारत, दूसरा पाकिस्तान।
- ब्रिटिश क्राउन का भारतीय रियासतों पर प्रभुत्व समाप्त हुआ।
- भारत तथा पाकिस्तान दोनों के पृथक्-पृथक् वायसराय बने। पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर जनरल वायसराय जिन्ना बने तथा भारत के लिए माउंटबेटन ही (वर्ष 1947 से 48 तक) बने रहे। बाद में स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय वायसराय सी. राजगोपालाचारी (1948 से 50 तक) बने।





5  
वां  
दिन

प्रभाग (4)

# विश्व इतिहास (World History)

## विश्व की प्रमुख प्राचीन सभ्यताएं

### मेसोपोटामिया की सभ्यता (बेबीलोन)

- यूनानी भाषा में मेसोपोटामिया का अर्थ होता है— 'नदियों के बीच की भूमि'।
- यह सभ्यता दजला एवं फरात नदियों के बीच के क्षेत्र में विकसित हुई।
- मेसोपोटामिया की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है।
- वर्तमान में मेसोपोटामिया की पहचान आधुनिक देश इराक (Iraq) से होती है। इसलिए वर्तमान इराक अनेक सभ्यताओं का जनक भी है।
- मेसोपोटामिया सभ्यता की लिपि कीलाकार थी।

### मिस्र की सभ्यता

- मिस्र की सभ्यता प्राचीन विश्व की अति विकसित सभ्यता थी। इस सभ्यता का प्रारंभ लगभग 3400 ई.पू. में हुआ था।
- मिस्रवासियों को मरणोत्तर जीवन में विश्वास था, इसलिए वह मृतकों के शवों को सुरक्षित रखने के लिए रासायनिक द्रव्यों का लेप लगाया करते थे। ऐसे मृतक शरीर को 'ममी' कहा जाता है।
- मिस्र के राजा को 'फराओ' कहा जाता था। उसे 'सूर्य देवता का पुत्र' तथा ईश्वर/भगवान का प्रतिनिधि माना जाता था।
- मिस्र में मरणोपरांत राजा के शरीर को 'पिरामिड' (Pyramid) में सुरक्षित रखा जाता था।

## यूनान की सभ्यता

- प्राचीन काल में यूनान छोटे-छोटे 'नगर-राज्यों' (City-States) में विभाजित था। इनमें 'स्पार्टा' तथा 'एथेंस' काफी शक्तिशाली थे।
- स्पार्टा जहां सैन्य तंत्रात्मक राज्य था, वहीं एथेंस में गणतंत्रात्मक शासन पद्धति थी।
- यूनान की सभ्यता को 'यूरोपीय सभ्यता का उद्गम स्थल' भी माना जाता है।
- प्रसिद्ध मैराथन का युद्ध 490 ई.पू. में यूनानियों एवं ईरानियों के मध्य हुआ था।
- सिकंदर महान् (Great Alexander) के युग को 'हेलीनिस्टिक' युग माना जाता है।
- सिकंदर मेसिडोनिया के राजा फिलिप द्वितीय का पुत्र था, जिसने लगभग समस्त विश्व को जीत लिया था।
- सिकंदर महान् अरस्तु के (Aristotle) के प्रिय शिष्य थे।
- सिकंदर ने 326 ई.पू. में झेलम नदी के तट पर भारत पर आक्रमण के दौरान राजा पोरस को हराया था।
- प्राचीन यूनान के प्रमुख दार्शनिक विचारक थे— सुकरात, प्लेटो तथा अरस्तु।

## रोम की सभ्यता

- रोम की सभ्यता यूनान की सभ्यता से प्रभावित थी।
- जूलियस सीजर रोम के साम्राज्य का बिना ताज का बादशाह था। प्राचीन रोम साम्राज्य तीन महाद्वीपों तक फैला था।
- रोमन साम्राज्य के साथ भारत का व्यापार रोम पर हूणों द्वारा आक्रमण के साथ समाप्त हो गया था।
- रोमन दर्शन एवं धर्म का विश्व सभ्यता पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा।
- रोम का पोप कालांतर में संपूर्ण यूरोप की राजनीति का संचालक बन गया।

## विश्व के प्रमुख आंदोलन/क्रांतियां

### पुनर्जागरण

- पुनर्जागरण (फ्रांसीसी भाषा का शब्द है) जिसका अर्थ होता है—'फिर से जागना'।
- पुनर्जागरण का प्रारंभ इटली (यूरोप) के फ्लोरेंस नगर से माना जाता है। यह एक बौद्धिक आंदोलन था।
- पुनर्जागरण के दौरान कला (Art) के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास चित्रकला का हुआ। 'मोनालिसा' तथा 'लियोनार्दो-द-विंसी' प्रसिद्ध चित्र थे।
- इटली के महान् कवि दांते को 'पुनर्जागरण का अग्रदूत' भी माना जाता है।
- आधुनिक विश्व का प्रथम राजनीतिक चिंतक मैकियावेली को माना जाता है।
- इनका जन्म भी इटली में ही हुआ था। मैकियावेली 'प्रिंस' नामक पुस्तक के रचयिता थे।

58 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- इटली के निवासी पेट्रॉक को 'मानवतावाद का संस्थापक' माना जाता है। 'मानवतावाद' (Humanism) पुनर्जागरण की सबसे प्रमुख विशेषता थी।

### धर्म-सुधार आंदोलन

- यूरोप में धर्म-सुधार आंदोलन वर्ष 1517 में (जर्मनी में) मार्टिन लूथर किंग के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ।
- पुनर्जागरण से पूर्व यूरोप पर कैथोलिक चर्च (church) का एकमात्र साम्राज्य था। मार्टिन लूथर ने जर्मनी में कैथोलिक चर्च के खिलाफ विद्रोह करके सुधार आंदोलन की आधारशिला रखी तथा एक नए संप्रदाय 'प्रोटेस्टेंट' को जन्म दिया।
- यूरोप में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य 1618 से 1648 तक 30 वर्षीय युद्ध हुआ। इस युद्ध का अंत 'वेस्टफोलिया की संधि' (1648) से हुआ।

### इंग्लैंड की क्रांति

- इंग्लैंड में स्टुअर्ट राजवंश का शासन वर्ष 1603 में प्रारंभ हुआ। इस राजवंश के लगभग सभी शासक दैवी अधिकारों में विश्वास रखते थे।
- इंग्लैंड में (1642-1649) गृहयुद्ध (Civil war) चार्ल्स प्रथम के शासनकाल में हुआ। गृहयुद्ध के पश्चात् इसे फांसी दी गई। इसके पश्चात् चार्ल्स द्वितीय शासक बना, परंतु वह भी निरंकुश निकला।
- चार्ल्स द्वितीय के पश्चात् जेम्स द्वितीय इंग्लैंड का शासक बना, परंतु वह भी राजा के असीमित दैवी अधिकारों में विश्वास रखता था।
- जेम्स द्वितीय के क्रियाकलापों से इंग्लैंड में 1688 में 'रक्तहीन क्रांति' या गौरवपूर्ण क्रांति हुई। इस क्रांति में एक भी बूंद खून की नहीं बही।
- क्रांति के बाद जेम्स द्वितीय को (निरंकुश शासक एवं प्रोटेस्टेंट विरोधी नीति के कारण) राजगद्दी छोड़नी पड़ी।
- गौरवपूर्ण क्रांति (1688) के बाद इंग्लैंड में संसद की सर्वोच्चता की स्थापना हुई।
- क्रांति के बाद (1689 में) ब्रिटेन की संसद तत्कालीन सम्राट् जॉन विलियम से एक 'बिल ऑफ राइट्स' पर हस्ताक्षर कराने में सफल रही।

### औद्योगिक क्रांति (Industrial Revolution)

- आधुनिक युग में (अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में) होने वाली सबसे बड़ी क्रांति 'औद्योगिक क्रांति' थी।
- 18वीं शताब्दी के मध्य में औद्योगिक क्रांति का प्रारंभ सर्वप्रथम इंग्लैंड में हुआ। इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम कच्चे माल की प्रचुरता तथा इंग्लैंड के पास सर्वाधिक उपनिवेशों (Colonies) के कारण हुई।
- इंग्लैंड में सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति की शुरुआत सूती कपड़ों के उद्योग से प्रारंभ हुई।

- औद्योगिक क्रांति के तहत (18वीं सदी में) विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों के साथ यंत्रों का भी आविष्कार हुआ। लगभग प्रत्येक व्यवसाय के लिए कारखानों एवं मशीनों का निर्माण हुआ। उत्पादन के क्षेत्र में मशीनों से जो परिवर्तन हुआ, उसे 'औद्योगिक क्रांति' कहा गया।
- सर विलियम आर्कराइट ने वर्ष 1769 में स्पनिंग मशीन का पेटेंट कराया, इसे औद्योगिक क्रांति की ओर प्रथम कदम माना जाता है।
- इंग्लैंड के बाद वर्ष 1815 में फ्रांस, जर्मनी आदि देशों में भी मशीनों के बढ-चढकर प्रयोग होने लगे जिसके चलते वहां भी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत हुई। एशिया में सर्वप्रथम जापान जैसे छोटे से राष्ट्र में आधुनिक उद्योगों का विकास हुआ।

### अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम

- अमेरिकी क्रांति/स्वतंत्रता संग्राम का तत्कालीन कारण 'बोस्टन-टी-पार्टी' था।
- 16 दिसंबर, 1773 को ईस्ट इंडिया कंपनी के चाय से लदे जहाज से चाय की 340 बोरियों/बक्सों को (बोस्टन बंदरगाह पर) समुद्र में फेंक दिया गया था। इस घटना को ही 'बोस्टन टी-पार्टी' के नाम से जाना जाता है।
- अमेरिका का प्रसिद्ध 'स्वतंत्रता का घोषणा-पत्र' (Declaration of Independence) 4 जुलाई, 1776 को लिखकर तैयार हुआ। इसके लेखक टॉमस जैफरसन थे।
- 4 जुलाई, 1776 को ही फिलॉडेल्फिया (सं. रा. अमेरिका) में उपनिवेशवासियों की बैठक में 'डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेस' स्वीकार की गई। इसके तहत 13 संयुक्त उपनिवेशों को (ब्रिटेन से) स्वतंत्र घोषित किया गया।
- अमेरिकी क्रांति से पूर्व उत्तर अमेरिका के कुल 13 उपनिवेशों पर ब्रिटेन का शासन था।
- जॉर्ज वाशिंगटन अमेरिकी क्रांति के नायक थे। इन्हें उपनिवेशों का सेनापति नियुक्त किया गया। बाद में, ये अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति बने।
- संयुक्त राज्य अमेरिका का नया (वर्तमान) संविधान वर्ष 1789 में लागू हुआ। यह विश्व का प्रथम लिखित संविधान (Written Constitution) है।
- अमेरिका में गृहयुद्ध वर्ष 1861 से 1865 तक उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के मध्य हुआ। अमेरिकी गृहयुद्ध (Civil War) की शुरुआत 12 अप्रैल, 1861 में दक्षिणी कैरोलिना राज्य से हुई।
- अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान अमेरिका का राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन था। लिंकन ने (गृहयुद्ध के दौरान) दास प्रथा (Slavery) का उन्मूलन 1 जनवरी, 1863 में किया। लिंकन की हत्या 4 मार्च, 1865 को हुई।
- अमेरिकी गृहयुद्ध की समाप्ति 26 मई, 1865 को हुई।



60 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

## फ्रांस की राज्य-क्रांति

- फ्रांसीसी क्रांति में मॉटेस्क्यू एवं रूसो जैसे दार्शनिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रूसो प्रजातंत्रात्मक पद्धति का समर्थक था।
- फ्रांसीसी क्रांति से पूर्व फ्रांस में लुई चौदहवां नामक शासक हुआ, जो कहा करता था कि 'मैं ही राज्य हूँ और मेरे ही शब्द कानून हैं'।
- लुई सोलहवां फ्रांस की गद्दी पर 1774 में बैठा।
- फ्रांस की राज्य क्रांति वर्ष 1789 में लुईसोलहवें के शासनकाल में ही हुई। लुई 16वें की पत्नी ऑस्ट्रिया की राजकुमारी एंतोएनेत थी। क्रांति के बाद इसे फ्रांसी हुई।
- 14 जुलाई, 1789 को क्रांतिकारियों ने पेरिस स्थित बास्तील की जेल का फाटक तोड़कर बंदियों को मुक्त कराया। इसी दिन (14 जुलाई) की याद में फ्रांस में प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- पूरे विश्व को फ्रांस की राज्य क्रांति की प्रमुख देन स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता है।
- क्रांति के बाद लुई 16वें को देशद्रोह के अपराध में फांसी दी गई।
- सन् 1804 में, नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस का सम्राट् बना। नेपोलियन को आधुनिक फ्रांस का निर्माता माना जाता है।
- वाटरलू का युद्ध नेपोलियन एवं मित्र राष्ट्रों के बीच 18 जून, 1815 में हुआ। इस युद्ध में नेपोलियन पराजित हुआ और उसे कैद कर सेंट हेलेना द्वीप भेज दिया गया। इसी टापू में नेपोलियन की मृत्यु वर्ष 1821 में हुई।
- यूरोप के राष्ट्रों ने (मित्र राष्ट्रों ने) 'वियना कांग्रेस समझौते' के तहत फ्रांस के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।

## जर्मनी का एकीकरण

- बिस्मार्क का जन्म 1 अप्रैल, 1815 को ब्रैडनबर्ग में हुआ था। वह 1862 में प्रशा का चांसलर बना।
- 19वीं शताब्दी में जर्मनी अनेक छोटे-छोटे राज्यों में बंटा हुआ था, जिनमें प्रशा जर्मनी का सबसे शक्तिशाली राज्य था।
- जर्मनी का एकीकरण करने का श्रेय बिस्मार्क को जाता है। बिस्मार्क ने 'लौह एवं रक्त की नीति' का अनुसरण करते हुए जर्मनी का एकीकरण किया। जर्मनी का एकीकरण 19वीं शताब्दी की एक प्रमुख घटना थी।
- वर्ष 1815 से 1850 तक जर्मनी पर ऑस्ट्रिया का आधिपत्य था।
- वर्ष 1870 में प्रशा (जर्मनी) और फ्रांस के बीच 15 जुलाई, 1870 को 'सेडान

का युद्ध' हुआ। इस युद्ध में फ्रांस की पराजय हुई। सेडान के युद्ध के पश्चात् ही जर्मनी का पूर्ण एकीकरण संभव हुआ।

### रूस की क्रांति

- रूस की क्रांति वर्ष 1917 में हुई। रूसी क्रांति का तत्कालीन कारण प्रथम विश्व युद्ध में रूस की पराजय थी।
- रूस में निरंकुश तानाशाही जार निकोलस द्वितीय को 15 मार्च, 1917 को जनविद्रोह/क्रांति के चलते गद्दी छोड़नी पड़ी। इस प्रकार रूस में निरंकुश राजशाही का अंत हुआ।
- रूस में साम्यवादी पार्टी (क्रांति के बाद) वैचारिक मतभेदों के कारण दो भागों में बंट गई। एक, अल्पमत वाला दल 'मेनशेविक' कहलाया, जिसका नेता करेंसकी था। दूसरा, बहुमत वाला दल 'बोल्शेविक' कहलाया, जिसका नेता लेनिन (Lenin) था।
- जारशाही की समाप्ति के बाद सत्ता मेनशेविकों के हाथ में आई, जिसका प्रधानमंत्री करेंसकी था, परंतु यह सरकार जनता की समस्याओं का निवारण न कर सकी, जिसके चलते लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविकों ने बल प्रयोग द्वारा सत्ता पलट दी (7 नवंबर, 1917 को), करेंसकी को देश छोड़ना पड़ा।
- लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविकों ने नई (साम्यवादी) सरकार का गठन किया। यह साम्यवादी शासन का पहला प्रयोग रूस में ही हुआ। ट्राट्स्की को विदेश मंत्री बनाया गया।

### प्रथम विश्व युद्ध (1914 से 1918 तक)

- प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत 28 जुलाई, 1914 को हुई। इस युद्ध की समाप्ति 11 नवंबर, 1918 को हुई।
- प्रथम विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण था- ऑस्ट्रिया के ड्यूक (राजकुमार) फर्डिनेंड की बोस्निया की राजधानी सराजेवो में हत्या।
- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान विश्व दो भागों में बंटा था- एक, मित्र राष्ट्र और दूसरा, धुरी राष्ट्र।
- मित्र राष्ट्रों में शामिल थे- इंग्लैंड, फ्रांस, रूस सर्बिया, जापान, इटली पुर्तगाल एवं अमेरिका। प्रारंभ में अमेरिका (USA) तटस्थ रहा, परंतु, जर्मनी द्वारा अमेरिकी जहाजों को डुबाने के बाद वह मित्र राष्ट्रों की तरफ से युद्ध में शामिल हो गया।
- धुरी/शत्रु राष्ट्रों में शामिल थे- जर्मनी, इटली, आस्ट्रिया, हंगरी, बुल्गारिया व तुर्की। बाद में तुर्की धुरी/शत्रु राष्ट्रों से अलग होकर मित्र राष्ट्रों के साथ हो गया।
- प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के कुछ महीने बाद 18 जून, 1919 को पेरिस

## 62 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

में शांति सम्मेलन का आयोजन हुआ। मित्र राष्ट्रों ने पराजित जर्मनी के साथ अन्यायपूर्ण 'वर्साय की संधि' की।

- युद्ध के उपरांत विश्व में शांति की स्थापना हेतु (वर्ष 1920 में) एक नए अंतर्राष्ट्रीय संस्था/संगठन 'राष्ट्र संघ' (League of Nation) की स्थापना की गई।

### इटली में फासीवाद (फासिस्ट) का उदय

- 'फासिज्म' का जन्मदाता मुसोलिनी था। मुसोलिनी के दल का नाम 'फासिस्टवाद' था। सर्वप्रथम फासिज्म का उदय इटली में ही हुआ था (मुसोलिनी द्वारा)।
- फासिस्ट पार्टी के स्वयंसेवक काली कमीज पहनते थे। फासीवाद राष्ट्रवाद का समर्थक था। फासिस्टों ने रोमन साम्राज्य के प्रतीकों को भी स्वीकार किया था।
- वर्ष 1919 में, मुसोलिनी ने 'फासिस्ट पार्टी' की स्थापना की थी। प्रारंभ में, मुसोलिनी की पार्टी को बहुत कम स्थान प्राप्त हुए, परंतु उसने जल्द ही छल-कपट एवं कूटनीति से इटली की सत्ता पर कब्जा कर लिया और इटली का तानाशाह बन बैठा।
- वर्ष 1935 में, मुसोलिनी ने अबीसीनिया पर आक्रमण कर राष्ट्रसंघ की अवहेलना प्रारंभ कर दी।
- वर्ष 1936 में, मुसोलिनी (इटली) ने जर्मनी और जापान के साथ मिलकर 'रोम-बर्लिन-टोकियो' धुरी का निर्माण किया।
- मुसोलिनी के समर्थक उसे 'ड्यूस' कहते थे।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मुसोलिनी ने 10 जून, 1939 को मित्र राष्ट्रों के खिलाफ जंग की घोषणा की।
- द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् इटली के युद्ध में पराजित होने पर मुसोलिनी के समर्थकों ने उसे गोली मार दी।

### जर्मनी में नाजीवाद का उदय

- जर्मनी में नाजीदल का उदय हिटलर के नेतृत्व में हुआ। नाजीवाद वास्तव में फासीवाद का ही जर्मन रूप था।
- हिटलर प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी की सेना में भर्ती हुआ था, परंतु युद्ध के उपरांत अन्यायपूर्ण 'वर्साय की संधि' से काफी दुखी हुआ और उसने 'जर्मन वर्कर्स पार्टी' की सदस्यता ग्रहण की।
- हिटलर ने बाद में 'जर्मन वर्कर्स पार्टी' (German Workers Party) का नाम बदलकर 'नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी' रख लिया। यह पार्टी ही 'नाजी पार्टी' के नाम से प्रसिद्ध हुई।
- हिटलर के समर्थक उसे फ्यूरर कहकर पुकारते थे। हिटलर के अनुयायी बांह पर 'स्वास्तिक' का चिह्न लगाते थे।

- हिटलर वर्ष 1933 में जर्मनी का चांसलर नियुक्त हुआ। अगले ही वर्ष (1934) में वह जर्मनी का तानाशाह बन गया।
- हिटलर का प्रमुख नारा था—एक राष्ट्र, एक देश एक नेता।
- हिटलर की आत्मकथा का नाम 'मेन केम्फ' (मेरा संघर्ष) है। यह उसने (1923-24 में) जेल में लिखी थी।
- हिटलर यहूदियों से नफरत करता था।
- 1 सितंबर, 1939 को हिटलर ने पोलैंड पर आक्रमण किया, जिसके फलस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई।
- विश्व युद्ध में जर्मनी की पराजय के पश्चात् हिटलर ने 30 अप्रैल, 1945 को आत्महत्या कर ली।

### द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45 तक)

- द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत 1 सितंबर, 1939 को हुई, जर्मनी द्वारा पोलैंड पर आक्रमण किए जाने पर।
- यह युद्ध कुल 6 वर्षों तक चला (1 सितंबर, 1939 से 14 अगस्त, 1945 तक) इस युद्ध में लगभग 61 देशों ने भाग लिया।
- इस युद्ध में मित्र राष्ट्रों में शामिल थे—सोवियत रूस (Russia), इंग्लैंड, (ब्रिटेन), फ्रांस, चीन, अमेरिका एवं अन्य राष्ट्र आदि। चूंकि अमेरिका प्रारंभ में द्वितीय विश्व युद्ध से तटस्थ रहा, परंतु जापान द्वारा 7 सितंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर आक्रमण किए जाने के बाद वह मित्र राष्ट्रों की तरफ से युद्ध में कूद पड़ा।
- द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों द्वारा पराजित होने वाला अंतिम देश जापान था।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के शहर हिरोशिमा पर (6 अगस्त, 1945 को) फैंरमैन नामक परमाणु बम गिराया, जबकि (9 अगस्त, 1945 को) जापान के एक अन्य शहर नागासाकी पर अमेरिका ने 'लिटल बॉय' नामक परमाणु बम गिराया।
- द्वितीय विश्व युद्ध की सबसे बड़ी देन 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (UNO) की स्थापना रही। युद्ध के पश्चात् (24 अक्टूबर, 1945 को) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के उद्देश्य से यू.एन.ओ. (UNO) की स्थापना की गई।

### चीनी क्रांति

- वर्ष 1911 की चीनी क्रांति का जनक डॉ. सनयात सेन को माना जाता है। इसी क्रांति के तहत वर्ष 1911 में चीन में मंचू राजवंश (राजतंत्र) का अंत हुआ।
- वर्ष 1912 में डॉ. सनयात सेन चीनी गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

64 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- डॉ. सनयात सेन द्वारा स्थापित 'तुंग मोंग-हुई' पार्टी का नाम बदलकर वर्ष 1912 में 'कुओमितांग' रखा गया। वर्ष 1925 में डॉ. सनयात सेन की मृत्यु हुई।
- डॉ. सनयात सेन की मृत्यु के पश्चात् च्यांग काई शेक कुओमितांग दल के अध्यक्ष प्रधान/बने।
- चीन में साम्यवादी (कम्युनिस्ट) पार्टी की स्थापना वर्ष 1921 में हुई। च्यांग काई शेक इस पार्टी का विरोधी था। साथ ही वह साम्यवादियों का भी विरोधी था।
- चीन में गृहयुद्ध (Civil war) 1928-1936 तक चला। गृहयुद्ध में च्यांग काई शेक की हार हुई और वह फारमोसा भाग गया।
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 21 नवंबर, 1949 को माओ-त्से-तुंग के नेतृत्व में चीन में गणराज्य की स्थापना हुई। माओ चीन के राष्ट्रपति बने। माओ चीन के को ही 'आधुनिक साम्यवादी चीन का निर्माता' माना जाता है।

### अरब-इजराइल युद्ध

- 15 मई, 1948 को (फिलिस्तीन पर 'ब्रिटिश मंडेट' की घोषणा के साथ) इजराइल राज्य का उदय हुआ, जो अरब राज्यों को पूर्णतः अमान्य था।
- उक्त राजनीतिक घोषणा के अस्तित्व को समाप्त करने के उद्देश्य से मिस्त्र, जॉर्डन, सीरिया, लेबनान एवं सऊदी अरब ने इजराइल पर आक्रमण कर दिया। इस युद्ध में इजराइल की अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस ने भरपूर मदद की।
- इस युद्ध में इजराइली अरबों के हमलों को विफल करने में सफल तो हुए ही, साथ ही उन्होंने अरबों के एक बड़े क्षेत्र पर भी अधिकार कर लिया। इसे प्रथम अरब-इजराइल युद्ध माना जाता है।
- मिस्त्र के कर्नल नासिर द्वारा 26 जुलाई, 1956 को स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण (Nationalization of suez canal) करने के बाद मिस्त्र पर ब्रिटेन, फ्रांस तथा इजराइल ने मिलकर आक्रमण किया। इसे द्वितीय अरब-इजराइल युद्ध माना जाता है।
- स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किए जाने से स्वेज में इजराइल का प्रवेश अवरुद्ध हो गया तथा पश्चिमी शक्तियों का नियंत्रण, प्रभुत्व व शक्ति उपयोग समाप्त हो गया। स्वेज के राष्ट्रीयकरण से पश्चिमी राष्ट्र बौखला उठे थे।
- वर्ष 1967 में तृतीय अरब-इजराइल युद्ध हुआ।
- चतुर्थ अरब-इजराइल युद्ध 6-22 अक्टूबर, 1973 तक चला।
- वर्तमान में भी प. एशिया में अस्थिरता का दौर खत्म नहीं हो रहा। वर्तमान संकट के 3 प्रमुख पक्ष हैं—इजराइल एवं द. लेबनान में सक्रिय 'हिजबुल्ला तथा फिलिस्तीन' में हमास।

## खाड़ी युद्ध (Gulf war)

- 2 अगस्त, 1990 को इराक (Iraq) ने अपने पड़ोसी देश कुवैत पर आक्रमण करके उस पर कब्जा कर लिया तथा इसे अपना 19वां प्रांत घोषित कर दिखाए, जिसका विश्वव्यापी विरोध हुआ।
- 15 जनवरी, 1991 तक इराक को कुवैत खाली करने का अल्टीमेटम यू. एन. सुरक्षा परिषद (Security Council) ने दिया था। इसका अनुपालन न किए जाने पर अमेरिका के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय सेना ने 17 जनवरी, 1991 को इराक पर आक्रमण कर दिया।
- 20 मार्च, 2003 को अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन/बहुराष्ट्रीय सेनाओं ने इराक पर आक्रमण कर दिया। अमेरिका ने इस युद्ध को 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' का नाम दिया। इसे 'द्वितीय खाड़ी युद्ध' भी कहा जाता है।
- 9 अप्रैल, 2003 को बगदाद (इराक) पर गठबंधन सेना के काबिज होने के साथ ही सद्दाम हुसैन के 24 साल (1979 से 2003 तक रहे इराकी राष्ट्रपति) से चले आ रहे शासन का अंत हुआ।

### विश्व का इतिहास: एक संक्षिप्त परिचय

ई.पू.	
8000	नवपाषाण युग की शुरुआत। मेसोपोटामिया क्षेत्र (वर्तमान में इराक Iraq) में कृषि की शुरुआत।
3500–3000	मिस्र (Egypt) में संस्कृति का विकास।
1755–1122	प्रारंभिक चीनी सभ्यता (China Civilization) का हुवांग हो घाटी में विकास।
1200	लौह युग (Iron Age) की शुरुआत।
800	ग्रीक (Greece)। यूनान में 'नगर-राज्यों' (City states) की स्थापना।
776	एथेंस (Athens), ग्रीस में प्रथम ओलंपिक (Olympics) का आयोजन।
753	रोम (इटली) की स्थापना।
600	बेबीलोन के राजा नेबुचादनेज्जर ने जेरूसलम को नष्ट किया (586 ई.पू. में)।
539	पर्सिया के राजा साइरस ने बेबीलोन को हराया।
490	ग्रीक एवं ईरान (Iran) के मध्य मैराथन का युद्ध।
326	मेसोडोनिया के शासक सिकंदर महान् (Alexander Great) ने हिडस्पीस के युद्ध में (भारत के) राजा पोरस को पराजित किया।
323	सिकंदर महान् की बेबीलोन में मृत्यु।

Contd...

66 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

214	चीन की महान् दीवार (Great wall of China) का निर्माण।
55	जूलियस सीजर ने ब्रिटेन पर आक्रमण किया और गाउल (फ्रांस) पर कब्जा किया।
44	जूलियस सीजर की हत्या।
4	ईसा मसीह का जन्म।
<b>ईसवी</b>	
29	ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया।
117	रोमन साम्राज्य हैडेरियन के नेतृत्व में अपने शिखर पर पहुँचा।
220	चीनी गणितज्ञों ने पाई का मान दशमलव के पांच स्थानों तक किया। चीन में हान वंश की समाप्ति।
395	रोमन साम्राज्य का विभाजन
600	यूरोप में प्लेग का कहर। लगभग आधी जनसंख्या की समाप्ति के बाद (594 ई. में) यूरोप में प्लेग थमा।
570-632	पैगंबर मोहम्मद साहब का जीवनकाल। मो. साहब ने 622 ई. में मक्का से मदीना प्रस्थान किया। उल्लेखनीय है कि इसको मुस्लिम कैलेंडर में 'हिजरा' कहते हैं।
637-641	अरबों ने जेरूसलम पर विजय प्राप्त की। इसी के चार वर्ष बाद अरबों ने (641 ई. में) पर्शिया (ईरान/ Iran) पर भी विजय प्राप्त की।
786-808	खलीफा हारून-अल-राशिद का शासनकाल। इनके शासनकाल को 'अरबी संस्कृति का स्वर्णकाल' भी माना जाता है।
1095	पोप अर्बन II ने मुस्लिमों से जेरूसलम छीनने के लिए ईसाइयों से धर्मयुद्ध (Crusade) का आहवान किया।
1215	15 जून 1215 को ब्रिटेन के तत्कालीन सम्राट् जॉन को उसके सामंतों द्वारा मानवाधिकारों (Human Rights) को मान्यता देने वाले घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने को विवश किया गया।
1325	इटली (Italy) में नवजागरण/पुनर्जागरण (Renaissance) की शुरुआत।
1337-1453	इंग्लैंड एवं फ्रांस के मध्य सौ वर्षीय युद्ध (100 Year war)
1453	तुर्कों ने कांस्टेंटाइनोपल पर विजय प्राप्त करके 'ऑटोमन साम्राज्य' की नींव रखी।
1455	इंग्लैंड में गृहयुद्ध की शुरुआत। आधुनिक मुद्रण कला के आविष्कारक जॉन गुटेनबर्ग (Joan Gutenberg) ने सन् 1455 में बाइबल (Bible) को छापा। इसे यूरोप की प्रथम मुद्रित पुस्तक भी माना जाता है।

1492	कोलंबस ने अमेरिका (USA) की खोज की।
1498	वास्को-डि-गामा ने 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते भारत की खोज की।
1517	मार्टिन लूथर ने जर्मनी में (Germany) कैथोलिक चर्च के खिलाफ विद्रोह करके 'सुधार आंदोलन' (Refer motion Movement) की आधारशिला रखी।
1558	महारानी एलिजाबेथ प्रथम इंग्लैंड/ब्रिटेन की गद्दी पर बैठी।
1582	पोप ग्रेगरी 13वें ने ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया।
1618-48	कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य यूरोप में तीस वर्षीय युद्ध/इस युद्ध का अंत (1648 में) वेस्टफोलिया की संधि से हुआ।
1644	चीन में (मिंग वंश की समाप्ति) मांचू वंश का शासन प्रारंभ।
1688	इंग्लैंड में ग्लोरियस/रक्तहीन क्रांति।
1689	ब्रिटेन की संसद तत्कालीन सम्राट विलियम से एक अधिकार-पत्र/बिल ऑफ राइट्स' (Bill of Rights) पर हस्ताक्षर कराने में सफल रही।
1707	एक संसदीय कानून द्वारा 'यूनाइटेड किंगडम' (UK) की स्थापना। इंग्लैंड, वेल्स एवं स्कॉटलैंड इसमें शामिल हुए।
1756-63	इंग्लैंड और फ्रांस के मध्य सात वर्षीय युद्ध हुआ।
1769	सर विलियम ऑर्कराइट ने स्पिनिंग मशीन का पेटेंट करवाया। इसे औद्योगिक क्रांति (Industrial Revolution) की ओर प्रथम कदम माना जाता है।
1770	जेम्स कुक ने 'न्यू साउथ वेल्स' (ऑस्ट्रेलिया) की खोज की।
1776	स्वीडन सूचना के अधिकार (RTI) का कानून बनाने वाला विश्व का प्रथम देश बना।
1776	4 जुलाई, 1776 को अमेरिकी (क्रांति के बाद) स्वाधीनता की घोषणा (Independent Declaration of USA) की गई, जिसमें कहा गया कि "सभी मनुष्य जन्म से समान पैदा हुए हैं"।
1789	फ्रांस की क्रांति के बाद फ्रांस की राष्ट्रीय सभा ने 1789 में 'राइट्स ऑफ मैन एंड सिटीजन' (Rights of Man & Citizen) की घोषणा की। इसी वर्ष जॉर्ज वाशिंगटन भी अमेरिका (USA) के प्रथम राष्ट्रपति बने।
1805	ब्रिटेन एवं फ्रांस के मध्य ट्राल्फर का युद्ध हुआ।
1805	नेपोलियन (Napoleon) फ्रांस का (1805 में) सम्राट बना। नेपोलियन की वाटरलू के युद्ध में (1815) में पराजय हुई। वाटरलू बेल्जियम में स्थित है।
1822	ग्रीस/यूनान ने तुर्की से आजादी की घोषणा की।



68 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

1839-42	ब्रिटेन और चीन के मध्य 'अफीम युद्ध'।
1853-56	रूस, ब्रिटेन व फ्रांस के मध्य क्रीमिया का युद्ध, रूस पराजित हुआ।
1862	बिस्मार्क प्रशा का चांसलर बना।
1861-65	अमेरिका में गृहयुद्ध प्रारंभ, राष्ट्रपति लिंकन की हत्या।
1869	स्वेज नहर का प्रारंभ।
1871	जर्मनी का एकीकरण, सम्राट् कैसर विल्होल्म-प्रथम के नेतृत्व में जर्मन राष्ट्र की स्थापना।
1895	जापान (Japan) का फारमोसा एवं कोरिया (Korea) पर अधिकार।
1904-5	रूस, जापान युद्ध में रूस जैसे बड़े राष्ट्र की बुरी पराजय।
1905	रूस (Russia) में क्रांति को कुचला गया। जार निकोलस द्वितीय ने सुधार लागू किए। (संसद की स्थापना की)
1911	चीनी क्रांति के बाद मंचू वंश का पतन/अंत, चीन गणराज्य (Republic) घोषित। डॉ. सनयात सेन को 1911 की चीन की क्रांति का जनक माना गया।
1914	ऑस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेंड की बोस्निया की राजधानी सराजेवो में (वर्तमान सर्बिया में) हत्या के साथ 28 जुलाई, 1914 को प्रथम विश्वयुद्ध (First World War) की शुरुआत हुई।
1917	रूसी क्रांति वर्ष 1917 में हुई। रूस की क्रांति का तात्कालिक कारण प्रथम विश्व युद्ध में रूस की पराजय था। क्रांति के कारण रूस के जार निकोलस द्वितीय ने गद्दी त्याग दी, जिससे रूस में निरंकुश राजशाही का अंत हुआ। लेनिन (स्मदपद) के नेतृत्व में कम्युनिस्टों ने सत्ता पर कब्जा किया।
1918	प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति 11 नवंबर, (लगभग चार वर्ष बाद) 1918 को हुई।
1919	18 जून, 1919 को पेरिस में शांति सम्मेलन का आयोजन किया गया। वर्साय की संधि (Warsaw Treaty) पर मित्र राष्ट्रों ने हस्ताक्षर किए।
1920	युद्धोपरांत विश्व में शांति स्थापना हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'राष्ट्र संघ' (League of Nations) की स्थापना वर्ष 1920 में की गई।
1923	कमाल पाशा के नेतृत्व में तुर्की गणराज्य की घोषणा की गई।
1924	रूस (USSR) के नेता लेनिन की मृत्यु हुई, जोसेफ स्टालिन नए सोवियत शासक बने। इसी वर्ष ब्रिटेन में मैकडोनाल्ड के नेतृत्व में प्रथम लेबर सरकार (Labour Govt) बनी।
1929	अमेरिका (USA) में भयंकर आर्थिक संकट (Economic crises)।
1933	एडोल्फ हिटलर (Hitler) जर्मनी का चांसलर बना। जर्मनी और जापान 'राष्ट्रसंघ' से बाहर हुए।

1935	इटली ने इथियोपिया पर कब्जा किया।
1939	1 सितंबर, 1939 को हिटलर द्वारा पोलैंड पर आक्रमण किए जाने से द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ।
1941	जर्मनी ने रूस पर हमला किया। जापान द्वारा 7 दिसंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर आक्रमण।
1945	अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा एवं नागासाकी शहरों पर (क्रमशः 6 अगस्त एवं 9 अगस्त) हमला किया। इसी के साथ द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति। 24 अक्टूबर को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (UNO) की स्थापना।
1948	यहूदियों के लिए एक पृथक् राष्ट्र इजराइल राष्ट्र की स्थापना।
1949	माओ के नेतृत्व में (साम्यवादी) चीनी क्रांति। पश्चिमी व पूर्वी जर्मनी का गठन।
1950	कोरियाई युद्ध प्रारंभ।
1956	मिस्र द्वारा स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किया जाना।
1958	यूरोपीय आर्थिक समुदाय (EEC) की स्थापना।
1959	क्यूबा (Cuba) में फिदेल कास्त्रो ने सत्ता पर कब्जा किया।
1963	अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कॅनेडी की हत्या।
1968	मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या।
1971	अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रॉंग एवं एडविन एल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरे।
1971	भारत-पाक के बीच युद्ध, 1971 के युद्ध के पश्चात् बांग्लादेश का एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय।
1973	अरब-इजराइल युद्ध
1975	बांग्लादेश के राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या।
1976	माओ-त्से-तुंग की मृत्यु।
1978	मिस्र-इजराइल के मध्य ऐतिहासिक 'कंप डैविड' समझौता।
1979	सोवियत सेनाओं का अफगानिस्तान में प्रवेश।
1981	मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या।
1982	ब्रिटेन ने अर्जेंटीना को फाकलैंड युद्ध में पराजित किया।
1985	मिखाइल गोर्बाच्योव सोवियत संघ के नए महासचिव चुने गए।
1988	पाकिस्तान के राष्ट्रपति जिया-उल हक की विमान दुर्घटना में मृत्यु। इराक-ईरान युद्ध की समाप्ति। यासर अराफात ने फिलीस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया।
1989	अफगानिस्तान से सोवियत सेना की वापसी। बर्लिन की दीवार गिराई गई, चीन में लोकतंत्र आंदोलन हिंसक।
1990	इराक का कुवैत पर हमला।

70 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

1991	सोवियत संघ (USSR) का विखंडन, रूस सहित 15 स्वतंत्र गणराज्य अस्तित्व में आए।
1993	इजराइल व फिलीस्तीन के मध्य ऐतिहासिक समझौता। चेकोस्लोवाकिया का चेक एवं स्लोवाकिया में विभाजन।
1994	नेल्सन मंडेला द. अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति निर्वाचित।
1995	विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने 'गैट' (GATT) का स्थान लिया।
1996	तालिबान ने अफगानिस्तान में सत्ता हथियाई, यासर अराफात फिलीस्तीनी अंथारिटी के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1997	ब्रिटेन ने हांगकांग चीन को (लगभग 165 वर्षों के बाद) वापस किया।
1998	ब्रिटेन व आयरलैंड के बीच उत्तरी आयरलैंड को लेकर समझौता।
1999	पाकिस्तान में जनरल परवेज मुशर्रफ ने तख्ता पलट किया। विश्व की जनसंख्या ने (11 जुलाई) को 6 अरब का आंकड़ा पार किया।
2001	नेपाल में राजा वीरेन्द्र सहित राजपरिवार के कई लोगों की हत्या। बामियान (अफगानिस्तान) में स्थित बुद्ध प्रतिमा तालिबान द्वारा नष्ट। अमेरिका पर अलकायदा का आतंकवादी हमला (11 सितंबर)। अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान पर हमला।
2002	पूर्वी तिमोर (इंडोनेशिया से अलग/स्वतंत्र होकर) यू.एन. का 191वां सदस्य बना।
2003	अमेरिकी गठबंधन सेनाओं का इराक पर हमला, सद्दाम हुसैन का पतन।
2004	हिंद महासागर में भीषण सुनामी (26 दिसंबर) से लगभग दो लाख से ज्यादा लोगों की मृत्यु।
2006	मोरेनेगो ने सर्बिया से स्वतंत्रता की घोषणा की। सद्दाम हुसैन को मृत्युदंड।
2007	पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या।
2008	डेमोक्रेटिक पार्टी के बराक ओबामा अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। क्यूबा के राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो ने (लगभग 49 वर्षों से सत्ता में बने रहने के पश्चात्) अपने पद से इस्तीफा दिया। नेपाल की संविधान सभा ने 239 वर्ष पुरानी राजशाही को समाप्त करके देश को गणराज्य घोषित किया।
2009	श्रीलंका में गृहयुद्ध (Civil war) की समाप्ति, आतंकवादी संगठन लिट्टे का सफाया।
2011	दक्षिणी सूडान का पृथक् राज्य/राष्ट्र के रूप अस्तित्व, यू.एन. का 193वां सदस्य बना, अरब देशों में अरब स्प्रिंग/क्रांतियां। अमेरिकी कमांडो की कार्यवाही से ओसामा बिन लादेन की मौत। विश्व जनसंख्या 7 अरब (11 अक्टूबर को) हुई।
2013	द.अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला और ब्रिटिश पी.एम. मार्गरेट थैचर का निधन। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज का निधन।
2014	आतंकवादी संगठन ISIS एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा। मलेशिया एयरलाइंस का बोइंग 777 विमान विद्रोहियों के तथाकथित मिसाइल

	हमले से दुर्घटनाग्रस्त। महत्वपूर्ण जनमत संग्रह में स्काटलैंड ने यू.के. (UK) से आजादी के खिलाफ मतदान किया (18 सितंबर), अमेरिका ने क्यूबा के साथ संबंध सामान्य बनाने की घोषणा (17 दिसंबर) की। पश्चिमी अफ्रीका में एबोबा वायरस का प्रकोप बढ़ा।
2015	सऊदी अरब के शासक अब्दुल्ला का 90 वर्ष की आयु में निधन। ISIS आतंकवादियों ने इराक में कई प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर स्थलों (जैसे निमरूद्ध हात्रा और दर-शरूकिन) को ध्वस्त किया। क्यूबा और अमेरिका के बीच 54 वर्षों के बाद राजनयिक संबंधों की बहाली (20 जुलाई)। एलिजाबेथ II ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली साम्राज्ञी (9 सितंबर को) बनी।
2016	53 साल के सैनिक शासन के बाद हतिन क्याव-म्यांमार के पहले राष्ट्रपति निर्वाचित (30 मार्च); ब्रेक्जिट जनमत संग्रह में ब्रिटेन ने ई. यू. (EU) छोड़ने के पक्ष में मतदान किया (23 जून)। मर दररेसा को पोप ने 'संत' का दर्जा दिया। पुर्तगाल के पूर्व पी.एम. एरिनियो गुटेस यू.एन. के नए महासचिव निर्वाचित। विश्व में सबसे लंबी अवधि तक शासन करने वाले थाईलैंड के सम्राट् भूमिबेल का (1946 से 2016 तक लगभग 70 वर्षों तक शासन करने के उपरांत) 88 वर्ष की आयु में निधन। क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो का निधन।
2017	2 जनवरी, 2017 को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति निर्वाचित, नेपाल के पहले प्रधानमंत्री कीर्ति निधि बिष्ट का 11 नवंबर, 2017 को निधन, 15 मई, 2017 को एडवर्ड फिलिप फ्रांस के नए प्रधानमंत्री निर्वाचित।
2018	14 मार्च, 2018 को एंजेला मर्केल चौथी बार जर्मनी की चांसलर बनी, पुतिन चौथी बार रूस के राष्ट्रपति निर्वाचित, बान की मून को बाओ फोरम का अध्यक्ष चुना गया, इमरान खान पाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री नियुक्त, अफ्रीकी देश स्वाजीलैंड ने अपने देश का नाम बदलकर किंगडम ऑफ ईस्वातिनी रखा।
2019	संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार यौन उत्पीड़न के विरुद्ध प्रस्ताव को मंजूरी दी, जापान के नए सम्राट नारुहितो बने, ताइवान समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला एशिया का प्रथम देश बना।
2020	कोरोना वायरस महामारी ने विश्व के अधिकांश देशों को अपनी चपेट में लिया। विश्व में 3 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित, श्रीलंका में राजपक्षे चौथी बार प्रधानमंत्री बने, पोलैंड में आन्द्रेज दुडा राष्ट्रपति निर्वाचित, मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को 12 वर्ष कारावास की सजा।





# महान् व्यक्तित्व (Great Personalities)

## भारत के महान् व्यक्तित्व

- **गौतम बुद्ध ( 563-483 ई. पू. )** : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल के लुंबिनी में हुआ था। वह कपिलवस्तु के राजा (शुद्धोदन) के पुत्र थे। बुद्ध ने संसार का त्याग किया तथा ज्ञान की प्राप्ति के बाद वह 'महात्मा बुद्ध' कहलाए। इन्हें ज्ञान की प्राप्ति बोधगया में हुई। बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया। बुद्ध की शिक्षाएं सदाचार पर आधारित हैं। इनका निधन 483 ई. पू. में (महापरिनिर्वाण) कुशीनगर में हुआ।
- **चाणक्य ( 370-283 ई. पू. )** : चाणक्य को 'कौटिल्य' के नाम से भी जाना जाता है। 'चाणक्य' चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु व प्रधानमंत्री थे। इनकी मौर्य वंश की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका थी। चाणक्य की प्रमुख कृति 'अर्थशास्त्र' है, जो आज भी काफी प्रसिद्ध है। कौटिल्य को महान् कूटनीतिज्ञ भी माना जाता है।
- **अशोक महान् ( 264-228 ई. पू. )** : अशोक भारत के महान् सम्राट् थे। वह चंद्रगुप्त मौर्य के पोते थे। कलिंग युद्ध के पश्चात् अशोक ने हिंसा का परित्याग करके बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।
- **कनिष्क ( 120-163 ई. )** : कुषाण वंश का महानतम सम्राट् कनिष्क था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। साथ ही वह एक महान् विजेता भी था। कनिष्क का साम्राज्य मध्य एशिया तक विस्तृत था।
- **कृष्णदेव राय ( 1509-1529 ई. )** : कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक थे। वह तेलुगू एवं संस्कृत के महान् विद्वान् थे। इनकी गणना भारतीय इतिहास के सर्वश्रेष्ठ शासकों में की जाती है।

- **अकबर ( 1542-1605 ई. )** : अकबर मुगल वंश का महानतम सम्राट् था। अकबर मुगल वंश के संस्थापक बाबर का पोता था। अकबर को मुख्य रूप से धार्मिक सहिष्णुता और प्रशासनिक क्षमताओं के लिए जाना जाता है। अकबर ने नए धर्म/पंथ 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना की थी।
- **छत्रपति शिवाजी ( 1627-1680 ई. )** : शिवाजी का जन्म 1627 ई. में हुआ। वह सैन्य प्रतिभा के धनी थे। शिवाजी अंतिम हिंदू राजा थे, जो 'हिंदू स्वराज' स्थापित करने में काफी हद तक सफल रहे। शिवाजी ने औरंगजेब के विरुद्ध काफी युद्ध लड़े और मुगल साम्राज्य को हिलाने में भी सफल हुए। इनकी मृत्यु के उपरांत पेशवाओं ने इनके राज्य को मजबूती प्रदान की।
- **राजा राममोहन राय ( 1774-1833 ई. )** : राजा राममोहन राय भारत के महान् समाज सुधारक (Social Reformer) थे, जिन्होंने सती प्रथा, पर्दा प्रथा एवं बाल विवाह जैसी कृप्रथाओं को खत्म करने का प्रयास किया। उन्होंने विधवा विवाह और स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने 'ब्रह्म समाज' की स्थापना की।
- **स्वामी विवेकानंद ( 1863-1902 ई. )** : स्वामी विवेकानंद वेदांत दर्शन की महानता के समर्थक थे। विवेकानंद रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे। वर्ष 1893 में शिकागो (सं.रा. अमेरिका) में विश्व धार्मिक सम्मेलन में उनके विचारों ने पश्चिमी देशों को भारत की ओर आकृष्ट किया। विवेकानंद ने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की याद में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की। विवेकानंद का मात्र 39 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- **रवींद्रनाथ टैगोर ( 1861-1941 ई. )** : रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म कलकत्ता (कोलकाता) में 7 मई, 1861 को हुआ। वर्ष 1913 में इनके द्वारा लिखित 'गीतांजलि' को साहित्य का विश्व प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार मिला। वह यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले एशियाई थे। बंगाल में इन्होंने 'शांति निकेतन' की स्थापना की। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित (1912) 'जन-गण-मन' को भारत के राष्ट्रीय गान का सम्मान (वर्ष 1950 में) दिया गया।
- **वी. डी. सावरकर ( 1883-1966 ई. )** : वी. डी. सावरकर एक राष्ट्रवादी थे। सावरकर को राजद्रोह के अपराध में अंग्रेजों ने काला पानी की सजा दी। वह लंबे समय तक 'हिंदू महासभा' के अध्यक्ष रहे। वी. डी. सावरकर द्वारा (वर्ष 1906 में) 'अभिनव भारत' नामक संस्था की स्थापना की गई।
- **शंकराचार्य ( 788-820 ई. )** : आदिगुरु शंकराचार्य ने हिंदू अद्वैत दर्शन के प्रचार-प्रसार हेतु देश के चारों कोनों में चार मठों की स्थापना की। शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **मोहनदास करमचंद गांधी ( 1869-1948 ई. )** : भारत के राष्ट्रपिता के नाम से विख्यात महात्मा गांधी को विश्व के महानतम व्यक्तियों में से एक माना जाता है। गांधीजी ने भारत को आजादी दिलाने के लिए सत्याग्रह एवं अहिंसा जैसे अभिनव शस्त्रों का प्रयोग किया। गांधीजी के 'राजनैतिक गुरु' गोपाल कृष्ण गोखले थे। गांधीजी को सर्वप्रथम सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्रपिता (Father of the Nation) कहकर संबोधित किया था, जबकि महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि रवींद्र नाथ टैगोर ने दी थी। 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गौडसे ने गांधीजी की हत्या कर दी।
- **पं. जवाहरलाल नेहरू ( 1889-1964 ई. )** : पं. नेहरू ने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में गांधीजी के बाद सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (वर्ष 1947 से 1964 तक) बने। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना में पं. नेहरू की मुख्य भूमिका रही।
- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद ( 1884-1963 ई. )** : डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति (1950 से 62 तक) बने। डॉ. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा (Constitutional Assembly) के अध्यक्ष भी रहे।
- **डॉ. बी. आर. अंबेडकर ( 1891-1956 ई. )** : डॉ. भीमराव अंबेडकर संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी (Drafting Committee) के अध्यक्ष थे, जिन्होंने संविधान का निर्माण किया था। अंबेडकर ने जिंदगीभर दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। आजादी के बाद से वर्ष 1954 तक वह भारत के कानून मंत्री रहे।
- **सरदार वल्लभभाई पटेल ( 1875-1950 ई. )** : सरदार वल्लभभाई पटेल को 'लौह पुरुष' के नाम से भी जाना जाता है। सरदार पटेल ने भारतीय रियासतों (रजवाड़ों) के भारतीय संघ में विलय में मुख्य भूमिका निभाई। सरदार पटेल भारत के प्रथम गृह मंत्री बने। पटेल भारत के उपप्रधानमंत्री (Deputy PM) भी बने।
- **सुभाष चंद्र बोस ( 1897-1945 ई. )** : 'नेताजी' के नाम से विख्यात सुभाष चंद्र बोस दो बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 1939 में इन्होंने कांग्रेस छोड़कर 'फॉरवर्ड ब्लॉक' नामक एक नई पार्टी का गठन किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सुभाष चंद्र बोस को बंदी बना लिया गया था, किंतु वह बचकर जापान चले गए। जापान में इन्होंने ब्रिटिश शासन से लड़ने के लिए 'इंडियन नेशनल पार्टी' (INA) का गठन किया। इन्होंने राष्ट्र को 'जय हिंद' का नारा दिया। ऐसा माना जाता है कि इनकी मृत्यु वर्ष 1945 में हवाई दुर्घटना में हुई।
- **अब्दुल गफ्फार खान ( 1890-1988 ई. ) ( विदेशी मूल के )** : अब्दुल गफ्फार खान को 'सीमांत गांधी' या 'फ्रंटियर गांधी' के नाम से भी जाना जाता

है। वह अविभाजित भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती प्रांत (NWFP जो वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है) के लोगों को गांधीजी के सिद्धांतों पर संगठित करते थे। गप्फार के प्रशंसक उन्हें 'बादशाह खान' के नाम से बुलाते थे। वर्ष 1987 में अब्दुल गप्फार खान को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

- **मदर टेरेसा ( 1910-1977 ई. ) ( विदेशी मूल की भारतीय )** : मदर टेरेसा का जन्म वर्ष 1910 में अल्बानिया में हुआ। वह एक रोमन कैथोलिक नन थी। भारत आकर वर्ष 1949 में मदर टेरेसा ने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' नामक धार्मिक संस्था की स्थापना करके सामाजिक सेवा प्रारंभ की। वर्ष 1979 में मदर टेरेसा को शांति का नोबेल पुरस्कार (Nobel Peace Prize) प्रदान किया गया। वर्ष 2003 में समाजसेवी मदर टेरेसा को 'धन्य' (Beatified) घोषित किया गया तथा हाल ही में (सितंबर, 2016 में) मदर टेरेसा को (निधन पश्चात्) रोम स्थित वेटिकन सिटी द्वारा 'संत' (Sant) का दर्जा प्रदान किया गया है।

## विश्व के महान् व्यक्तित्व

- **सुकरात ( 470-399 ई. पू. )** : सुकरात एथेंस (यूनान/ग्रीस) के रहने वाले थे। प्रारंभ में वह एक कलाकार थे, किंतु बाद में वह एक दार्शनिक बन गए। सुकरात सदैव सत्य की खोज में रहते थे। अपनी एक अलग विचारधारा के चलते उनका तत्कालीन शासन से टकराव हुआ, जिसके कारण उन्हें विष/जहर देकर मृत्युदंड दिया गया। सुकरात के प्रमुख शिष्य 'प्लेटो' थे।
- **प्लेटो ( 428-346 ई. पू. )** : प्लेटो भी एथेनियन (यूनानी) दार्शनिक थे। प्लेटो को 'पश्चिमी राजनीतिक विचारों का पिता' कहा जाता है। वह सुकरात के प्रमुख शिष्य थे। इनकी प्रमुख पुस्तक 'द रिपब्लिक' है, जिसमें उनके राजनैतिक विचार, शिक्षा के सिद्धांत, आदर्श राज्य आदि के संबंध में विचार दिए गए हैं, जो सुकरात (प्लेटो के गुरु) के साथ वाद-विवाद के रूप में हैं, ये संवाद के रूप में लिखे गए हैं।
- **अरस्तू (Aristotle) ( 384-322 ई. पू. )** : अरस्तू ने मात्र 17 वर्ष की आयु में अपना घर छोड़ दिया था और प्लेटो के संरक्षण में दर्शनशास्त्र (philosophy) का अध्ययन करने के लिए 'प्लेटो अकादमी' चले गए। वर्ष 342 ई. पू. वह मेसोडोनिया में सिकंदर महान् के शिक्षक बन गए। अरस्तू को 'विश्व राजनीति का पिता' (Father of World Politics) भी कहा जाता है। अरस्तू प्रायः तथ्यों (Facts) को देखते थे और उन तथ्यों के आधार पर नए विचारों का निर्माण करने का प्रयास करते थे।
- **सिकंदर महान् (Alexander Great) ( 356-323 ई. पू. )** : सिकंदर (एलेक्जेंडर द ग्रेट) मकदूनिया का राजा था, जिसने लगभग समस्त विश्व को



76 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- जीत लिया था। सिकंदर ने 327 ई. पू. में पोरस (भारत) को हराया। उसकी सेना में विद्रोह ने उसे भारत के भीतर जाने से रोका। 323 ई. पू. में सिकंदर का निधन हो गया। सिकंदर अरस्तू का प्रिय शिष्य था।
- **ऑगस्टस ( 63 ई. पू.-14 ई. )** : ऑगस्टस प्रथम रोमन सम्राट् (First Roman King) थे। ऑगस्टस ने कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया। इन्होंने रोम में कई नैतिक एवं धार्मिक सुधारों का सूत्रपात् किया।
  - **निकोलो मैकियावली ( 1469-1527 ई. )** : मैकियावली का जन्म वर्ष 1469 में फ्लोरेंस (इटली) में उस समय हुआ, जब इतावली प्रायद्वीप पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा था। मैकियावली इटली के महान् इतिहासकार एवं कूटनीतिज्ञ थे। मैकियावली की प्रसिद्ध पुस्तक 'प्रिंस' (Prince) है, जिसमें उन्होंने व्यावहारिक राजनीति को प्रस्तुत किया। वह पहले ऐसे विद्वान् थे, जिन्होंने राजनीति विज्ञान को 'राज्य' (State/स्टेट) शब्द दिया। मैकियावली की 'द आर्ट ऑफ वार' (The Art of War) युद्ध कला पर लिखी गई एक उत्कृष्ट रचना है।
  - **लियोनार्डो डि विंची ( 1452-1519 ई. )** : लियोनार्डो इतावली कलाकार, वास्तुशास्त्री, आविष्कारक एवं वैज्ञानिक थे। इन्हें पुनर्जागरण का प्रतिनिधि पुरूष माना जाता है। 'मोनालिसा' और 'द लास्ट सपर' जैसे प्रसिद्ध भित्ति चित्रों का निर्माण इन्होंने ही किया।
  - **शेक्सपियर ( 1564-1616 ई. )** : विलियम शेक्सपियर अंग्रेजी के महानतम कवि, नाटककार और अंग्रेजी साहित्य की महान् हस्ती थे। इनका जन्म स्ट्रेटफर्ड-ऑन-एवन में हुआ। इन्होंने अपने जीवनकाल में लगभग 37 नाटक लिखे, जिसमें हास्य, ऐतिहासिक, त्रासदी और त्रासद-हास्य नाटक शामिल हैं। इनके प्रमुख नाटक 'जूलियस सीजर'; 'हेमलेट', 'किंगलियर', 'रोमियो एंड जूलियट' आदि हैं। शेक्सपियर को 'बार्ड ऑफ एवन' के उपनाम से जाना जाता है।
  - **ब्रेंजामिन फ्रैंकलिन ( 1706-90 ई. )** : ब्रेंजामिन फ्रैंकलिन अमेरिकी राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा (Declaration of USA Independent) पर हस्ताक्षर किए थे। फ्रैंकलिन का अमेरिकी संविधान (1787) को बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।
  - **फ्लोरेंस नाइटेंगल ( 1820-1910 ई. )** : फ्लोरेंस नाइटेंगल अंग्रेजी नर्स थीं, जिन्होंने यूरोप में क्रिमिया युद्ध के दौरान सैनिकों की निःस्वार्थ भावना से सेवा की थी। इन्हें नर्सिंग सेवा का संस्थापक होने का श्रेय दिया जाता है। फ्लोरेंस नाइटेंगल को 'लेडी विद द लैंप' के उपनाम से भी जाना जाता है।

**विश्व के महान् व्यक्तियों के उपनाम ( एक दृष्टि में )**

नाम	उपनाम
नेपोलियन बोनापार्ट	मैन ऑफ डेस्टिनी
बिस्मार्क	मैन ऑफ ब्लड एंड आयरन
एडोल्फ हिटलर	फ्यूहरर
मुसोलिनी	ड्यूक द्वितीय
फ्लोरेंस नाइटिंगल	लेडी विद द लैंप
मार्टिन लूथर किंग (जू.)	ब्लैक गांधी
सैमुएल लागहार्न क्लेमेंस	मार्क ट्वेन
अर्ल ऑफ वार्विक	किंग मेकर
विलियम शेक्सपियर	बार्ड ऑफ एवन

**भारतीय व्यक्तियों के नाम**

अब्दुल गफ्फार खान	सीमांत/फ्रंटियर गांधी
महादेवी वर्मा	आधुनिक मीरा
महात्मा गांधी	महात्मा, राष्ट्रपिता, बापू
सुभाषचंद्र बोस	नेताजी
सरदार पटेल	लौह पुरुष
दादा भाई नौरोजी	ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया
सरोजनी नायडू	भारत कोकिला
समुद्र गुप्त	भारत का नेपोलियन
बाल गंगाधर तिलक	लोकमान्य
सरदार भगत सिंह	शहीद-ए-आजम
जय प्रकाश नारायण	जे. पी., लोकनायक
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	सी. आर., राजाजी

- **जॉर्ज वाशिंगटन ( 1732-1799 ई. )** : जॉर्ज वाशिंगटन अमेरिकी जनरल थे, जिन्होंने ब्रिटेन के विरुद्ध विरोध का नेतृत्व किया और अमेरिका की स्वाधीनता की घोषणा (1776) की। जॉर्ज वाशिंगटन संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रथम (1789 ई.) राष्ट्रपति थे।

78 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- **अब्राहम लिंकन ( 1809-1865 ई. )** : अब्राहम लिंकन अमेरिका (USA) के 16वें राष्ट्रपति (वर्ष 1861-1865 तक) बने। लिंकन के कार्यकाल के दौरान अमेरिका में गृह युद्ध (Civil War) हुआ। वह गुलामी/दासप्रथा को खत्म करने में सफल हुए। वर्ष 1865 में लिंकन की हत्या जार्ज विल्केस बूथ नामक व्यक्ति द्वारा की गई।
- **फ्रैंकलीन रूजवेल्ट ( 1882-1945 ई. )** : रूजवेल्ट अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका की बागडोर (वर्ष 1945 तक) इनके ही हाथों में थी। रूजवेल्ट अमेरिका के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जो लगभग चार बार लगातार राष्ट्रपति रहे। इन्हें विशेष रूप से इनकी विदेश नीति (Foreign Policy) के लिए जाना जाता है।
- **मार्टिन लूथर किंग, जूनियर ( 1929-1968 ई. )** : मार्टिन लूथर किंग एक अश्वेत अमेरिकन नीग्रो पादरी और नागरिक अधिकारों के नेता थे। इन्होंने अहिंसात्मक आंदोलन का नेतृत्व करके अमेरिका के नीग्रो लोगों को नागरिक अधिकार दिलाए। मार्टिन लूथर किंग को वर्ष 1964 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 5 अप्रैल, 1968 को एक श्वेत ने इनकी हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि मार्टिन लूथर सीनियर (1483-1546 ई.) जर्मनी के धार्मिक सुधारक थे, जिन्होंने सर्वप्रथम पोप व चर्च की प्रभुसत्ता को चुनौती दी थी।
- **बिस्मार्क ( 1815-1898 ई. )** : बिस्मार्क 19वीं शताब्दी के जर्मनी (Germany) के सर्वाधिक सशक्त राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने जर्मनी का एकीकरण करके उसकी स्थापना की। बिस्मार्क को 'मैन ऑफ ब्लड एंड आयरन' (Man of Blood and Iron) के उपनाम से जाना जाता है।
- **कार्ल मार्क्स ( 1818-1883 ई. )** : कार्ल मार्क्स जर्मनी के एक महान् दर्शनशास्त्री और कम्युनिस्ट विचारधारा के प्रतिपादक थे। कम्युनिज्म (Communism) मार्क्स की शिक्षाओं पर आधारित है। मार्क्स ने समाजवाद/साम्यवाद पर कई पुस्तकें लिखी हैं, जैसे- 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' एवं 'दास कैपिटल'।
- **चार्ल्स द गाल ( 1890-1970 ई. )** : चार्ल्स द गाल स्वतंत्र फ्रांसीसी सेना के कमांडर इन चीफ थे। वह (गाल) फ्रांस के पांचवें रिपब्लिक (Fifth Republic) के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। इन्होंने फ्रांस को एक नया संविधान (Constitution) भी दिया, इसलिए फ्रांस के वर्तमान संविधान को 'चार्ल्स द गाल संविधान' के नाम से भी जाना जाता है। वह नेपोलियन के बाद फ्रांस के सबसे अधिक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरे।
- **नेपोलियन बोनापार्ट ( 1769-1821 ई. )** : नेपोलियन फ्रांस का एक महान् राजनीतिज्ञ था, जो बाद में फ्रांस का राजा बना। नेपोलियन अपने समय का सबसे विद्वान् जनरल भी था। उसने इंग्लैंड, रूस एवं ऑस्ट्रिया के विरुद्ध वर्ष

- 1805 में शानदार सफलता पाई, परंतु 1815 में वह वाटरलू के युद्ध में बुरी तरह पराजित हुआ। वर्ष 1812 में नेपोलियन का निधन हो गया। नेपोलियन को 'मैन ऑफ डेस्टनी' के उपनाम से भी जाना जाता है।
- **सर विस्टन चर्चिल (1874-1965 ई.)** : सर विस्टन चर्चिल ब्रिटिश राजनीतिज्ञ एव द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन (UK) के प्रधानमंत्री थे। इनकी पुस्तक 'द सेकेंड वर्ल्ड वार' (The Second World War) बहुत प्रसिद्ध हुई। चर्चिल को वर्ष 1953 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
  - **जोसिफ ब्रॉज टीटो (मार्शल) (1892-1980 ई.)** : जोसिफ टीटो एक कम्युनिस्ट नेता थे। वर्ष 1941-45 के बीच उन्होंने नाजी कब्जे के विरोध का नेतृत्व किया। वर्ष 1948 में वह यू. एस. एस. आर. (USSR सोवियत यूनियन) से अलग हो गए और अपने देश यूगोस्लाविया में अपने ढंग के 'राष्ट्रीय साम्यवाद' का गठन किया। इन्हें वर्ष 1963 में यूगोस्लाविया का आजीवन राष्ट्रपति मनोनीत किया गया।
  - **मुसोलिनी (1883-1945 ई.)** : बेनितो मुसोलिनी फासिस्ट पार्टी के संस्थापक और इटली (Italy) के तानाशाह (वर्ष 1925 से 1943 तक) थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मुसोलिनी ने जर्मनी के हिटलर का साथ दिया। वर्ष 1945 में मुसोलिनी की हत्या कर दी गई।
  - **एडोल्फ हिटलर (1889-1945 ई.)** : एडोल्फ हिटलर का जन्म ऑस्ट्रिया में हुआ। वह जर्मनी के तानाशाह (Dictator) थे। हिटलर द्वारा नाजी पार्टी (Nazy Party) की स्थापना की गई और वर्ष 1933 में वह जर्मनी के चांसलर (Chancellor) बने। हिटलर ने विश्व के अधिकांश देशों को द्वितीय विश्व युद्ध की आग में धकेल दिया। हिटलर के द्वारा 1939 में पोलैंड पर आक्रमण किए जाने से द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत हुई और इस युद्ध में (वर्ष 1945 में) जर्मनी बुरी तरह हार गया। वर्ष 1945 में ही हिटलर ने आत्महत्या कर ली। हिटलर की आत्मकथा का नाम 'मीनकैंप' (Mein Kampf) है। हिटलर को 'फ्यूहरर' के उपनाम से भी जाना जाता है।
  - **व्लादीमीर लेनिन (1870-1924 ई.)** : लेनिन (Lenin) रूसी क्रांतिकारी नेता थे। लेनिन ने (वर्ष 1898 में) क्रांतिकारी पार्टी 'बोल्शेविक पार्टी' का गठन किया, जिसकी मदद से वह रूस (Russia) में क्रांति लाना चाहते थे। लेनिन के नेतृत्व में 7 नवंबर, 1917 को (जारशाही को समाप्त कर) एक नई समाजवादी सरकार का गठन किया गया।
  - **स्टालिन (1879-1953 ई.)** : स्टालिन मात्र सत्रह वर्ष की अल्प आयु से ही विद्रोही क्रांतिकारी नेता बन गए थे। इन्होंने गृहयुद्ध में भाग लिया। लेनिन की मृत्यु के उपरांत (1924 में) स्टालिन ही उत्तराधिकारी बने और उन्होंने सोवियत

80 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

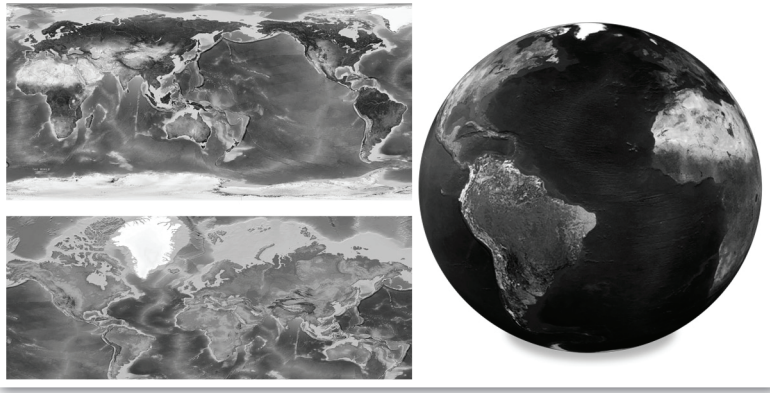
संघ (USSR) की बागडोर संभाली। द्वितीय विश्व युद्ध में वह एक विजयी नेता के रूप में उभरे।

- **मिखाइल गोर्बाच्योव (1931- )** : मिखाइल गोर्बाच्योव सोवियत संघ के कम्युनिस्ट शासक/राष्ट्रपति (वर्ष 1985 से 91 तक) थे। गोर्बाच्योव ने 'ग्लासोस्त' एवं 'पेरेस्त्रोइका' की नीति के द्वारा राजनीतिक एवं आर्थिक सुधारों (Political and Economic Reforms) की शुरुआत की। वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन/पतन (USSR Disintegration) के बाद इन्होंने इस्तीफा दे दिया।
- **डॉ. सनयात सेन (1816-1925 ई.)** : वर्ष 1905 में डॉ. सनयात सेन ने यूरोप और जापान में 'चीनी क्रांतिकारी लीग' की स्थापना की और वर्ष 1911 की क्रांति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह वर्ष 1912 में चीनी गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- **माओ-त्से-तुंग (1893-1976 ई.)** : माओ-त्से-तुंग ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (CPC) की स्थापना में (वर्ष 1921 में) मुख्य भूमिका निभाई। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद चियांग काई शोक को पराजित करके वह देश के राष्ट्राध्यक्ष बने। वर्ष 1949 में माओ ने 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' (People's Republic of China) की घोषणा की और इसके चेयरमैन भी बने। माओ को 'आधुनिक साम्यवादी चीन का निर्माता' कहा जाता है।
- **मुस्तफा कमाल अतातुर्क (1881-1938 ई.)** : आधुनिक तुर्की का निर्माता मुस्तफा कमाल पाशा को माना जाता है। वर्ष 1919 में मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने 'तुर्किश नेशनल पार्टी' की स्थापना की। इन्होंने अंकारा (तुर्की की राजधानी) के ऑटोमन सुल्तान की प्रतिद्वंद्वी सरकार स्थापित की। वर्ष 1923 में गृहयुद्ध के पश्चात् वह तुर्की गणराज्य/रिपब्लिक के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए तथा अपनी मृत्यु तक (1938 तक) इस पद पर बने रहे।
- **अहमद सुकार्णो (1901-1970 ई.)** : सुकार्णो वर्ष 1945 में इंडोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति (1945 से 67 तक) बने। वर्ष 1967 में जब सेना द्वारा उनका तख्ता पलट कर दिया गया, तब उन्हें अपना पद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा।
- **शेख मुजीबुर्रहमान (1920-1975 ई.)** : शेख मुजीबुर्रहमान ने जनरल अयूब खान की सरकार के दौरान पूर्वी पाकिस्तान की स्वाधीनता की घोषणा की। वर्ष 1971 में इन्हें गिरफ्तार किया गया। जब भारत के हस्तक्षेप के बाद बांग्लादेश स्वतंत्र हुआ तब (वर्ष 1972 में), वह स्वतंत्र बांग्लादेश के प्रथम प्रधानमंत्री और बाद में राष्ट्रपति भी बने। वर्ष 1975 में शेख मुजीबुर्रहमान का तख्ता पलट कर दिया गया तथा उनकी हत्या कर दी गई। शेख मुजीबुर्रहमान को 'बंग बंधु' के उपनाम से भी जाना जाता है।

- **डॉ. जूलियस नियेरेरे ( 1922-99 ई. )** : डॉ. जूलियस नियेरेरे ने यूनाइटेड किंगडम (UK) से तंजानिया की स्वाधीनता का प्रचार किया। वह 1961 में तंजानिया के प्रधानमंत्री (PM) बने। वर्ष 1962 में वह स्वाधीन 'रिपब्लिक ऑफ तंजानिया' के राष्ट्रपति बने। वर्ष 1964 में इन्होंने तंजानिया राष्ट्र की स्थापना के लिए 'यूनियन ऑफ जंजीवार' का समझौता/एग्रीमेंट किया। वर्ष 1987 में जूलियस नियेरेरे (जेनेवा स्थित) 'दक्षिण आयोग' (South Commission) के अध्यक्ष बनाए गए।
- **क्वामें न्क्रुमाह ( 1909-72 ई. )** : क्वामें न्क्रुमाह (Kwame Nkrumah) ने घाना (अफ्रीकी देश) को ब्रिटेन से स्वाधीनता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1952 से 1960 तक घाना (अफ्रीका) के प्रथम प्रधानमंत्री रहे। बाद में वर्ष 1960 में वह राष्ट्रपति बने। सेना द्वारा तख्ता पलट किए जाने के बाद इन्हें देश से निष्कासित कर दिया गया। क्वामें (Kwame) द्वारा (वर्ष 1965 में) दिया गया प्रमुख सिद्धांत था—'नव-उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद की अंतिम अवस्था है'।
- **नेल्सन मंडेला ( 1918-2013 ई. )** : नेल्सन (रोहिल्लाहला) मंडेला का जन्म 18 जुलाई, 1918 को दक्षिण अफ्रीका के ट्रान्स्की क्षेत्र के मैजो गांव में हुआ। मंडेला को रंगभेद के विरुद्ध लड़ाई के फलस्वरूप 27 वर्ष के लिए (वर्ष 1964 से 90 तक लगभग) बंदी बनाकर रखा गया। जुलाई, 1990 को वह 'अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस' (ANC) के अध्यक्ष बने। 10 मई, 1994 को वह दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति निर्वाचित हुए और दक्षिण अफ्रीका में प्रथम गैर-नस्लवादी, प्रजातांत्रिक सरकार (Democratic Govt) का गठन हुआ। सन् 1999 में 5 वर्ष का राष्ट्रपति कार्यकाल समाप्त होने पर मंडेला ने सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया।
- **फिदेल कास्त्रो ( 1926-2016 ई. )** : फिदेल कास्त्रो का जन्म 13 अगस्त, 1926 को क्यूबा (Cuba) में हुआ। फिदेल कास्त्रो ने मात्र 25 वर्ष की आयु में मुट्ठीभर साथियों को लेकर और बिना किसी बाहरी मदद के क्यूबा के तत्कालीन तानाशाह फुल्जेसियो बतिस्ता एवं उसके पोषक अमेरिकी साम्राज्यवाद को सदा के लिए क्यूबा से अलविदा कर दिया। कास्त्रो ने क्यूबा में लगभग 50 वर्ष तक शासन (वर्ष 1959 से 2008 तक) किया। प्रारंभ में वह क्यूबा के प्रधानमंत्री (वर्ष 1959 से 76 तक) रहे, फिर बाद में राष्ट्रपति (1976 में) बने। वर्ष 2008 में कास्त्रो ने क्यूबा की सत्ता अपने भाई को सौंपी। कास्त्रो पूरी दुनिया में साम्राज्यवाद-विरोध का प्रतीक बने।







## भाग 2: भारत एवं विश्व का भूगोल

प्रभाग 1: भारत का भूगोल

7. भारत का भूगोल

8. परिवहन

प्रभाग 2: विश्व का भूगोल

9. ब्रह्मांड एवं सौरमंडल

10. भौगोलिक संरचना

11. महाद्वीप

12. विश्व के देश







7  
वां  
दिन

प्रभाग (1)

# भारत का भूगोल (Geography of India)

## भारत : भौगोलिक परिचय (एक दृष्टि में)

- भारतीय उप-महाद्वीपों के देशों में भारत सबसे विशाल देश है।
- इस देश का नाम (हिंदुस्तान) देश के उत्तरी-पश्चिमी भाग में बहने वाली सिंधु नदी (Indus River) के नाम पर पड़ा है।
- भारत दक्षिण में 8°4' उत्तरी अक्षांश से उत्तर में 37°6' उत्तरी अक्षांश तक तथा पश्चिम में 68°7' पूर्वी देशांतर से पूर्व में 97°25' पूर्वी देशांतर के मध्य तक विस्तृत है।
- भारत विषुवत् रेखा के उत्तरी गोलार्द्ध में अवस्थित है।
- भारत के 82°30' पूर्वी देशांतर रेखा के स्थानीय समय को पूरे भारत का मानक समय (Standard Time) माना जाता है। यह समय ग्रीनविच समय से लगभग 5 घंटा 30 मिनट आगे है।
- 82°30' पूर्वी देशांतर रेखा इलाहाबाद के 'नैनी' से होकर गुजरती है।
- भारत का विस्तार (लंबाई) उत्तर से दक्षिण तक 3,214 कि.मी. है और (चौड़ाई) पूर्व से पश्चिम तक 2,933 कि.मी. है।
- भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग कि.मी. (1,20,849 वर्ग कि.मी. चीन और पाकिस्तान द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र को हटाकर) है।
- भारत का क्षेत्रफल (32,87,263 वर्ग कि.मी.) विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.43 प्रतिशत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवां स्थान है।
- भारत का उच्चतम बिंदु कंचनजंगा पर्वत (K2) (8,586 मी.) है, जबकि निम्नतम बिंदु कुदानाड (-2.2 मी.) है।
- भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है तथा सबसे छोटा राज्य गोवा है।

86 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121 करोड़, 5 लाख के आसपास है।
- भारत का विश्व की कुल जनसंख्या में प्रतिशत 17.5 है। भारत चीन के बाद दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है।
- भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है तथा न्यूनतम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम है।
- भारत की स्थलीय सीमाएं (पश्चिम में) पाकिस्तान को स्पर्श करती हैं तथा उत्तर में भी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, (उत्तर-पूर्व में) भूटान तथा (पूर्व में) बांग्लादेश एवं म्यांमार (बर्मा) को स्पर्श करती हैं।

**भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगने वाले देश एवं राज्य**

देश	राज्य (सीमा पर अवस्थित राज्य)
➤ पाकिस्तान	राजस्थान, गुजरात, पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर।
➤ चीन	जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं सिक्किम।
➤ नेपाल	उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पं. बंगाल, एवं सिक्किम।
➤ भूटान	पं. बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम।
➤ म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड एवं मिजोरम।
➤ बांग्लादेश	पं. बंगाल, मेघालय, असम, मिजोरम एवं त्रिपुरा।

- भारत की सबसे लंबी स्थलीय सीमा बांग्लादेश (4,096 कि.मी.) से लगती है।
- भारत की स्थलीय सीमा की लंबाई 15,200 कि.मी. है।
- रेडक्लिफ रेखा, भारत और पाकिस्तान की सीमा को दर्शाती है। यह रेखा (वर्ष 1947 में) सर सायरिल रेडक्लिफ द्वारा खींची गई थी।
- मैकमोहन रेखा भारत और चीन की सीमा को दर्शाती है। चीन प्रायः इस रेखा को नहीं मानता। यह रेखा वर्ष 1914 में सर हेनरी मैकमोहन द्वारा खींची गई थी।
- वर्तमान में भारत के कुल 28 राज्य तथा 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करके उसे दो केन्द्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बाँट दिया गया है।
- 3 दिसम्बर, 2019 को पारित विधेयक के अनुसार दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली का विलेय हो गया है।
- भारत का दक्षिणतम बिंदु 'इंदिरा प्वाइंट' ग्रेट निकोबार दीप समूह में स्थित है। भारत की मुख्य भूमि का उत्तरतम बिंदु 'इंदिरा कोल' (जम्मू-कश्मीर में स्थित) है।
- भारत का पश्चिमी बिंदु राजहर सरक्रीक (गुजरात) है तथा पूर्व बिंदु वालांगू (अरुणाचल प्रदेश) में स्थित है।
- भारत के 8 राज्यों से कर्क रेखा गुजरती है— गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पं. बंगाल, झारखंड, मिजोरम एवं त्रिपुरा आदि।

- भारत के अंतर्गत सम्मिलित द्वीपों की कुल संख्या 247 मानी जाती है, जिनमें बंगाल की खाड़ी में 204 द्वीप तथा अरब सागर में 43 द्वीप स्थित हैं। (द्वीपों सहित) भारत की समुद्री सीमा की कुल लंबाई 7,516 किलोमीटर है। गुजरात सबसे लंबा समुद्रतटीय सीमा वाला राज्य है।

## भारत की भौगोलिक संरचना

- भूआकृतिक (भौगोलिक) दृष्टिकोण से भारत विविधताओं का देश है। भूगर्भिक/भौगोलिक संरचना की दृष्टि से भारत को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है।
- एक उत्तर का (हिमालय का) पर्वतीय क्षेत्र, दूसरा दक्षिण का पठारी क्षेत्र तथा तीसरा उत्तर का विशाल मैदानी भाग।
- भारत के लगभग 10.5 प्रतिशत क्षेत्र पर पर्वत; 18.5 प्रतिशत क्षेत्र पर पहाड़ियां; 27.7 प्रतिशत क्षेत्र पर पठार तथा 43.1 प्रतिशत क्षेत्र पर मैदान हैं।

### उत्तर का/हिमालय का पर्वतीय क्षेत्र

- हिमालय पर्वतमाला का निर्माण अवसादी चट्टानों के वलन से हुआ है।
- उत्तर-पश्चिम तथा उत्तर-पूर्व में संलग्न पहाड़ियों के साथ मिलकर हिमालय भारत की उत्तरी सीमा बनाता है।
- हिमालय पर्वत क्षेत्र पश्चिम में जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्व में असम, मिजोरम व मणिपुर तक फैला हुआ है।
- इस पर्वतमाला की चौड़ाई 150 से 400 कि.मी. तथा औसत ऊंचाई लगभग 2,000 मीटर है।
- इस पर्वत श्रृंखला की कुल लंबाई लगभग 5,000 कि.मी. है, जिसमें से लगभग आधी, 2,500 कि.मी. की लंबाई भारत की उत्तरी सीमा के साथ धनुषाकार दीवार के रूप में फैली हुई है।
- इन पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई सामान्यतया: पश्चिम से पूर्व की ओर घटती जाती है।
- हिमालय पर्वतमाला कई श्रृंखलाओं से मिलकर बनी है।
- हिमालय श्रृंखला की सबसे ऊंची पर्वत चोटी एवरेस्ट (8850 मी.) है, जो नेपाल में स्थित है, जबकि भारत का सबसे ऊंचा पर्वत K2 कराकोरम (8,611 मी.) है।
- भारत में हिमालय का विस्तार सिंधु तथा ब्रह्मपुत्र घाटियों के बीच माना जाता है। सिंधु घाटी के पश्चिम में फैले पर्वत क्षेत्र को सामान्यतया: 'ट्रांस हिमालय' कहा जाता है। इसी प्रकार पूर्व में ब्रह्मपुत्र घाटी से पूर्व में विस्तृत पहाड़ी क्षेत्र को 'पूर्वांचल' कहा जाता है।

### हिमालय की प्रमुख श्रेणियाँ

- **महान् हिमालय ( हिमाद्री ):** इस श्रेणी को 'सेंट्रल हिमालय' भी कहा जाता है। यह हिमालय की सबसे ऊँची श्रेणी है। यह श्रेणी अनेक नदियों का उद्गम क्षेत्र है। विश्व की सबसे ऊँची पर्वतीय चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848 मी.) इसी श्रेणी में स्थित है।
- **लघु/मध्य हिमालय ( हिमाचल ):** यह श्रेणी हिमाद्री की अपेक्षा अधिक चौड़ी है, परंतु इसकी ऊँचाई हिमाद्री से कम है। इस श्रेणी का विस्तार महान् हिमालय के दक्षिण में है। 'मेन सेंट्रल थ्रस्ट जोन' इस श्रेणी को वृद्ध हिमालय से अलग करता है।
- **उप हिमालय ( शिवालिक ):** इस श्रेणी को 'बाह्य हिमालय' के नाम से भी जाना जाता है। 'मेन बाउंडरी थ्रस्ट' (thrust) इस श्रेणी को मध्य हिमालय से अलग करती है।
- तिब्बत हिमालय को 'ट्रांस हिमालय' भी कहा जाता है। यह हिमालय के उत्तर में स्थित है।
- भूवैज्ञानिकों के अनुसार आज जहाँ हिमालय पर्वत है, वहाँ (कई हजार वर्ष पूर्व) टेंथीज नामक उथला समुद्र हुआ करता था।
- हिमालय की उत्पत्ति के संबंध में सर्वश्रेष्ठ आधुनिक सिद्धांत 'प्लेट विवर्तनिक' (Plate tectonics) को माना जाता है।

### दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार

- यह विश्व की प्राचीनतम चट्टानों से निर्मित हुआ है, यह 'गोंडवानालैंड' का ही भाग है।
- गंगा-सिंधु के मैदान के दक्षिण में फैले त्रिभुजाकार क्षेत्र को प्रायद्वीपीय पठार अथवा 'प्रायद्वीपीय भारत' कहा जाता है।
- प्रायद्वीपीय पठार को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है— एक नर्मदा नदी के उत्तर के क्षेत्र को 'मालवा का पठार' तथा इसके दक्षिण के भाग को 'दक्कन का पठार' कहा जाता है।
- मालवा को पठार के पश्चिमी भाग में अरावली तथा पूर्वी भाग में छोटा नागपुर का पठार स्थित है।
- प्रायद्वीपीय पठार के दक्षिण भाग (दक्कन का पठार) को 3 भागों में विभाजित किया जा सकता है पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट तथा दक्कन ट्रेप।

### उत्तर का विशाल मैदानी भाग

- उत्तर भारत का मैदान मुख्यतः एक जलोढ़ मैदान है तथा इसके पश्चिमी भाग में थार का मरुस्थल स्थित है।
- भारत के मैदानी क्षेत्र के मुख्यतः दो भाग हैं— एक उत्तरी भारत का मैदान, दूसरा तटीय मैदान।

- भारत के उत्तरी मैदानों को 'गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान तथा सिंधु गंगा के मैदानों' के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत के तटीय मैदान बंगाल की खाड़ी (पूर्वी तटीय मैदान) तथा अरब सागर (पश्चिमी तटीय मैदान) तट के साथ उत्तर से दक्षिण में फैली मैदान पट्टियाँ हैं।

## भारत के वनस्पति प्रदेश

- **पर्वतीय वन या हिमालय की वनस्पति** : इसके प्रमुख वृक्ष चीड़ देवदार, साल व शीशम, बेर इत्यादि हैं।
- **उष्णार्द्र सदाबहार वन** : इन वनों में मिलने वाले प्रमुख वृक्ष हैं— बांस, महोगनी, जंगली आम आदि।
- **आर्द्र मानसूनी वन** : इनमें मिलने वाले प्रमुख वृक्ष साल, लाल चंदन, आम, जामुन, गूलर आदि हैं।
- **उष्णार्द्र पतझड़ वन** : इन वनों में आम, बरगद, शीशम, बबूल आदि वृक्ष पाए जाते हैं।
- **मरुस्थलीय वन** : इसके प्रमुख वृक्ष बबूल, खजूर व खेजड़ा आदि हैं।
- **ज्वार.भाटा क्षेत्रों के वन** : इसके प्रमुख वृक्ष नारियल, सुपारी एवं ताड़ हैं।

## भारत के द्वीप

- भारत की मुख्य भूमि के अतिरिक्त देश में अनेक द्वीप (Islands) भी हैं।
- भारत के अंतर्गत सम्मिलित द्वीपों की संख्या 247 हैं, जिनमें 204 द्वीप बंगाल की खाड़ी में तथा 43 द्वीप अरब सागर में स्थित हैं।
- बंगाल की खाड़ी में अंडमान तथा निकोबार द्वीप-समूह द्वीपों का सबसे बड़ा समूह है।
- 10° चैनल अंडमान द्वीप समूह को निकोबार द्वीप-समूह से पृथक् करता है।
- निकोबार द्वीप समूह के अंतर्गत 19 द्वीप आते हैं, जिनमें ग्रेट निकोबार सबसे बड़ा है।
- अरब सागर में स्थित सभी द्वीप मूंगे के बने हुए हैं जिनमें प्रवाल-भित्तियाँ पाई जाती हैं।
- अरब सागर में स्थित उत्तरी समूह को 'लक्षद्वीप द्वीप-समूह' तथा दक्षिणी समूह को 'मिनिक्ॉय द्वीप-समूह' कहते हैं।

## नदियाँ/अपवाह

- भारत में कुल धरातलीय जल प्रवाह का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग बंगाल की खाड़ी में जाता है तथा शेष अपवाह अरब सागर में जाता है।

90 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारत की नदियों को (उद्गम क्षेत्रों के आधार पर) दो प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जाता है— एक हिमालय से निकलने वाली नदियां तथा दूसरी प्रायद्वीपीय पठार की (दक्षिण की) नदियां।

### हिमालय क्षेत्र की नदियां

- हिमालय क्षेत्र की नदियों को तीन प्रमुख अपवाह तंत्रों में बांटा गया है— सिंधु तंत्र, गंगा तंत्र तथा ब्रह्मपुत्र तंत्र।
- इन तीनों अपवाह तंत्रों में सिंधु तंत्र सबसे विस्तृत है, परंतु इस अपवाह तंत्र के अपवाह क्षेत्र का एक बड़ा भाग पाकिस्तान में है।

### सिंधु तंत्र

- हिमालय पार के क्षेत्र से निकलने वाली सिंधु नदी इस तंत्र की प्रमुख नदी है। सिंधु नदी कैलाश पर्वत से निकलती है। इस नदी की सहायक नदियां झेलम, चिनाब, रावी, व्यास एवं सतलुज पाकिस्तान में प्रवेश करने के पश्चात् मुख्य नदी में मिलती हैं।
- सिंधु नदी पाकिस्तान में उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हुई कराची के निकट से अरब सागर में प्रवेश करती है।
- सिंधु नदी भारत में केवल जम्मू-कश्मीर (JK) राज्य से होकर बहती है। वर्ष 1960 के भारत-पाकिस्तान सिंधु जल समझौते के तहत भारत इस नदी के संपूर्ण जल का केवल 20% जल ही उपयोग कर सकता है।

### गंगा तंत्र

- हिमालय से निकलने वाली नदियों में गंगा तंत्र दूसरा सबसे बड़ा नदी तंत्र है।
- गंगा नदी तंत्र भारत का सबसे बड़ा नदी तंत्र है, जो भारत के लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्रफल के अपवाह को बहाकर ले जाता है।
- गंगा इस तंत्र की प्रमुख नदी है, जिसकी उत्पत्ति देवप्रयाग में भागीरथी तथा अलकनंदा के संगम से होती है।
- यमुना गंगा की प्रमुख सहायक नदी है, जिसका गंगा के साथ संगम इलाहाबाद में होता है।

### ब्रह्मपुत्र तंत्र

- यह उत्तर भारत का तीसरा बड़ा अपवाह तंत्र है।
- ब्रह्मपुत्र, जो इस तंत्र की प्रमुख नदी है, तिब्बत से निकलती है।
- ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम कैलाश पर्वत के निकट चेमयुंगडंग हिमानी से होता है।
- नामचा बरवा के निकट यह नदी दक्षिण की ओर मुड़कर भारत में प्रवेश करती है तथा पश्चिम की ओर बहती हुई दुबरी तक जाती है।

- दुबरी के निकट ब्रह्मपुत्र एकाएक दक्षिण की ओर मुड़कर बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- बांग्लादेश में दक्षिण दिशा में बहती हुई ब्रह्मपुत्र पश्चिम से आने वाली गंगा से मिल जाती है और दोनों नदियां (संयुक्त रूप में) बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

### प्रायद्वीपीय भारत की नदियां

- प्रायद्वीपीय पठार का अधिकांश अपवाह बंगाल की खाड़ी में गिरता है। इनमें शामिल नदी हैं— गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, महानदी आदि।
- प्रायद्वीपीय भारत की केवल तीन नदियां (बंगाल की खाड़ी में न गिरकर) अरब सागर में गिरती हैं। इनमें शामिल हैं— नर्मदा, तापी एवं साबरमती नदी।

### भारत की प्रमुख नदियां ( एक दृष्टि में )

नदी	लंबाई ( कि.मी. )	अपवाह क्षेत्र ( वर्ग कि.मी. )
गंगा	2500	9,51,600
ब्रह्मपुत्र	900 ( भारत में )	5,80,080
सिंधु	2900	1,17,864
यमुना	1374	3,59,000
गोदावरी	1450	3,13,384
कृष्णा	1400	2,59,000
महानदी	856	1,32,080

### भारत की प्रमुख बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएं

परियोजना	नदी	लाभांवित्र राज्य
दामोदर घाटी परियोजना	दामोदर नदी	प. बंगाल व झारखंड
भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलुज नदी	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश
नर्मदा सागर परियोजना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश एवं गुजरात
सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी	गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व राजस्थान
टिहरी बांध परियोजना	भागीरथी नदी	उत्तराखंड
फरक्का परियोजना	गंगा व भागीरथी नदी	प. बंगाल
हीराकुंड बांध परियोजना	महानदी नदी	ओडिशा
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश
इंदिरा गांधी नहर परियोजना	सतलुज नदी	राजस्थान, पंजाब व हरियाणा।



## भारत की जलवायु

- **शीत ऋतु (दिसंबर-फरवरी)** : उत्तर भारत में शीत ऋतु की शुरुआत मध्य नवंबर से होती है और यह फरवरी-मार्च तक रहती है। मौसम काफी खुशनुमा होता है। उत्तरी मैदानों का औसत तापमान 10-15°C और दक्षिण भारत में 25°C तक रहता है।
- **ग्रीष्म ऋतु (मार्च-मई)** : इसमें तापमान बढ़ता है तथा वायुदाब गिरता है। उत्तर भारत में 'लू' का प्रकोप रहता है। उत्तर भारत में औसत तापमान 41-42°C तक रहता है।
- **वर्षा ऋतु (जून-सितंबर)** : संपूर्ण देश पर दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं प्रभावी होती हैं। मानसूनी हवाओं की औसत गति 30 कि.मी. प्रति घंटा होती है। संपूर्ण वर्षा का 3/4 जल इसी ऋतु के दौरान बरसता है।
- **शरद ऋतु (अक्टूबर-दिसंबर)** : इस ऋतु में आसमान एकदम साफ रहता है। वर्षा ऋतु के बाद जब मानसूनी पवनें लौटती हैं, तो देश के उत्तरी-पश्चिमी भाग में तापमान तेजी से कम होने लगता है। भारत की जलवायु को 'उष्ण मानसूनी जलवायु' कहा जाता है।

## भारत में वर्षा वाले क्षेत्र

- **अधिक वर्षा वाले क्षेत्र** : भारत में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मौसिनराम (मेघालय) है, (इससे पूर्व चेरापूँजी था)। भारत में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, कोंकण, मालाबार आदि सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्र हैं। यहां वार्षिक वर्षा की मात्रा 200 से.मी. से अधिक होती है।
- **साधारण वर्षा वाले क्षेत्र** : इस क्षेत्र में वार्षिक वर्षा की मात्रा 100 से 200 से.मी. तक होती है। यह क्षेत्र पश्चिमी घाट का पूर्वोत्तर ढाल, प. बंगाल का दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्र, उड़ीसा (ओडिशा), बिहार, दक्षिणी-पूर्वी उत्तर प्रदेश इत्यादि।
- **न्यून वर्षा वाले क्षेत्र** : यहां 50 से 100 से.मी. वार्षिक वर्षा होती है। यह क्षेत्र हैं— मध्य प्रदेश, दक्षिण का पठारी भाग, गुजरात, कर्नाटक, पूर्वी राजस्थान एवं दक्षिणी यू.पी.।
- **अपर्याप्त वर्षा वाले क्षेत्र** : यहां वर्षा 50 से.मी. से भी कम होती है। यह क्षेत्र हैं— कच्छ, लद्दाख एवं पश्चिमी राजस्थान।

## भारत की मिट्टियां

- **जलोढ़ मिट्टी** : यह मिट्टी भारत के लगभग 40 प्रतिशत भाग में 15 लाख वर्ग कि.मी. क्षेत्र में विस्तृत है। यह मिट्टी काफी उपजाऊ होती है। यह मिट्टी पोटाश,

- फॉस्फोरस, चूना व कार्बनिक तत्वों से समृद्ध होती है।
- **लैटेराइट मिट्टी** : इस मिट्टी में लौह-ऑक्साइड एवं एल्युमीनियम ऑक्साइड की प्रचुरता होती है। यह 200 से.मी. या अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती है।
  - **पर्वतीय मिट्टी**: यह मिट्टी कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, मणिपुर, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती है। इस प्रकार की मिट्टी ह्यूमस की अधिकता के कारण काफी उपजाऊ होती है। यह मिट्टी अम्लीय गुण रखती है।
  - **लाल मिट्टी** : यह मिट्टी प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों के अपक्षयण व अपरदन से निर्मित हुई है।
  - **शुष्क मरुस्थलीय मिट्टी** : इस प्रकार की मिट्टी में घुलनशील लवणों एवं फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है।
  - **लवणीय मिट्टी**: यह मिट्टी खेती के लिए उपयुक्त नहीं होती है। सोडियम एवं मैग्नेशियम की अधिकता के कारण यह मिट्टी क्षारीय होती है।
  - **काली मिट्टी** : इस प्रकार की मिट्टी को 'कपासी मिट्टी' भी कहा जाता है; क्योंकि यह कपास की खेती के लिए सबसे अधिक उपयुक्त होती है। काली मिट्टी का निर्माण ज्वालामुखी लावा के अपक्षयण व अपरदन से होता है।

### भारत के प्रमुख जलप्रपात (Waterfall)

नाम	नदी (संबंधित राज्य)
जोग प्रपात (नया नाम महात्मा गांधी प्रपात)	शरावती नदी (कर्नाटक)
शिवसमुद्रम प्रपात	कावेरी नदी (कर्नाटक)
चूलिया प्रपात	चंबल नदी (राजस्थान)
किलियूर प्रपात	किलियूर नदी (तमिलनाडु)
चित्रकूट प्रपात	इंद्रावती नदी (छत्तीसगढ़)
हुंडरू प्रपात	स्वर्ण रेखा नदी (झारखंड)
पुनासा प्रपात	चंबल नदी (राजस्थान)
वसुधारा प्रपात	अलकनंदा नदी (उत्तराखंड)
ककोलत प्रपात	नवादा (बिहार)

### भारत के खनिज संसाधन

- भारत विश्व के प्रमुख खनिज संसाधन संपन्न देशों में आता है।
- भारत में लगभग 90 प्रतिशत खनिज संपदा छोटा नागपुर पठार क्षेत्र में पाई जाती है।
- भारत में अभ्रक, लौह अयस्क, बॉक्साइट, मैंगनीज एवं कोयले के विस्तृत भंडार हैं।

#### 94 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- दामोदर घाटी (प. बंगाल एवं झारखंड), महानदी घाटी (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा ओडिशा) तथा गोदावरी घाटी (महाराष्ट्र एवं आंध्र प्रदेश) में अधिकांश खनिज संपदा पाई जाती है।
- झारखंड, प. बंगाल एवं ओडिशा से लौह अयस्क, कोयला, चूना, मैंगनीज बड़ी मात्रा में प्राप्त होता है वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में अभ्रक, कोयला, चूना पत्थर, मैंगनीज और अन्य खनिजों के भंडार पाए जाते हैं।
- खनिजों को धातु एवं अधातु खनिजों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- जिन खनिजों से धातुओं को निकाला जाता है, उन्हें धात्विक खनिज कहा जाता है; जैसे— लौह अयस्क, तांबा, सोना, चांदी, मैंगनीज व बॉक्साइट आदि।
- जिन खनिजों से धातुएं प्राप्त नहीं होती हैं, उन्हें अधात्विक खनिज कहते हैं; जैसे— अभ्रक, हीरा, संगमरमर, चूना-पत्थर आदि।
- धातु खनिजों को पुनः दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। वह धातु, जिनमें लौह तत्व उपस्थित होता है (लौह खनिज) और वह धातु जिनमें लौह तत्व उपस्थित नहीं होता (अलौह खनिज)।
- लौहा, मैंगनीज एवं निकल लौह खनिज है, जबकि तांबा, जिंक एवं टंगस्टन अलौह खनिज हैं।
- यूरेनियम, थोरियम, ग्रेफाइट आदि अणु शक्ति के खनिज होते हैं।
- जीवाश्म ईंधन वाले खनिज हैं— कोयला, प्राकृतिक गैस एवं खनिज तेल इत्यादि।

### भारत में पाए जाने वाले खनिज (संक्षिप्त परिचय)

#### लौह अयस्क

- लौह अयस्क से प्राप्त लोहा 'आधुनिक औद्योगिक सभ्यता का आधार' है।
- लौह अयस्क के अनेक प्रकार हैं; जैसे— मैग्नेटाइट, लिमोनाइट एवं हैमेटाइट।
- यह भारत के सर्वाधिक विस्तृत क्षेत्र में पाया जाता है। झारखंड व ओडिशा राज्यों से देश का लगभग 75 प्रतिशत लोहा प्राप्त किया जाता है।
- भारत में सर्वाधिक लौह अयस्क का उत्पादन ओडिशा के मयूरगंज में होता है।

#### बॉक्साइट

- यह एल्युमीनियम का अयस्क है।
- भारत में बॉक्साइट का सर्वाधिक उत्पादन ओडिशा में (लगभग 50%) होता है।
- बॉक्साइट भारत में रांची और पलामू (झारखंड) से भी बड़ी मात्रा में प्राप्त किया जाता है।

### तांबा

- भारत में खेतड़ी क्षेत्र (राजस्थान) से बड़े पैमाने पर तांबा प्राप्त किया जाता है।
- खेतड़ी में ही भारत का प्रमुख तांबा शोधन संयंत्र भी है।

### सोना

- भारत के कुल स्वर्ण/सोना उत्पादन का 98% भाग अकेले कर्नाटक राज्य से प्राप्त किया जाता है।
- आंध्र प्रदेश में अनंतपुर जिले के रामागिरी क्षेत्र में तथा कर्नाटक के कोलार जिले में सोने की खानें हैं।
- भारत की कोलार (सोने) की खान विश्व की सबसे गहरी खानों में से एक है।

### हीरा

- यह एक कठोर पदार्थ होता है। यह भारत में कम ही पाया जाता है।
- मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में हीरा पाया जाता है।

### अभ्रक

- भारत विश्व में अभ्रक का सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्यातक देश है।
- झारखंड में कोडरमा की खानें अभ्रक के उत्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

### कोयला

- भारत में कोयले का सर्वाधिक उत्पादन झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा में होता है।
- कोयले के उत्पादन में भारत का स्थान विश्व में तीसरा है।
- बोकारो, झरिया, रानीगंज (प. बंगाल), सिंगरेनी (आंध्र प्रदेश) तथा पेंच वैली भारत में कोयला उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र हैं।

### मैंगनीज

- मैंगनीज के उत्पादन में भारत का (विश्व में) तीसरा स्थान है।
- भारत में ओडिशा देश का सर्वाधिक मैंगनीज (लगभग एक-तिहाई) उत्पादन करने वाला राज्य है।
- मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में भी मैंगनीज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

### डोलोमाइट

- भारत में इसके प्रचुर भंडार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, प. बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक व महाराष्ट्र में पाए जाते हैं।

96 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- चूना-पत्थर की भाँति यह भी लोहा एवं स्टील उद्योगों में उपयोग होने वाला महत्वपूर्ण कच्चा पदार्थ है।

### चूना-पत्थर

- भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान में चूना-पत्थर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- सीमेंट एवं लोहा व स्टील उद्योग में चूना-पत्थर का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

### यूरेनियम

- यूरेनियम का उपयोग परमाणु ऊर्जा प्राप्त करने में किया जाता है।
- झारखंड में जादूगड़ा की खानें इसके उत्पादक क्षेत्रों में प्रमुख हैं।

### थोरियम

- यह भी परमाणु ऊर्जा उत्पादन में उपयोग होने वाला खनिज है।
- भारत थोरियम का विश्व में सबसे बड़ा निर्माता/उत्पादक है।
- यह समुद्री किनारों पर पाई जाने वाली बालू से प्राप्त किया जाता है।
- भारत में यह केरल, तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश में पाया जाता है।

### ग्रेफाइट

- इसके भंडार भारत में तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में पाए जाते हैं।

### गंधक

- गंधक का उपयोग रासायनिक उद्योगों में किया जाता है।
- भारत में गंधक के भंडार केवल तमिलनाडु में ही पाए जाते हैं।

## ऊर्जा संसाधन

- भारत का पहला तेल शोधक कारखाना डिगबोई (असम) में स्थापित किया गया था।
- भारत में परमाणु ऊर्जा अनुसंधान का जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा को माना जाता है।
- डॉ. होमी भाभा के प्रयासों से वर्ष 1948 में 'परमाणु ऊर्जा आयोग' की स्थापना की गई थी। वह ही इस आयोग के प्रथम अध्यक्ष बने थे।
- मुंबई के निकट ट्रांबे में भारत का पहला परमाणु अनुसंधान संयंत्र 'अप्सरा' स्थापित किया गया था।
- वर्ष 1969 में महाराष्ट्र के तारापुर नामक स्थान पर भारत का पहला 'परमाणु विद्युतगृह' स्थापित किया गया था।

- 18 मई, 1974 को राजस्थान के जैसलमेर जिले में पोखरण नामक स्थान पर (शांतिपूर्ण कार्यों हेतु) भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण (Nuclear Test) किया था।
- वर्ष 1984 में 'न्यूक्लियर पावर बोर्ड' की स्थापना की गई।
- वर्ष 1987 में 'न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (NPCIL) की स्थापना की गई।
- वर्ष 1989 में नरौरा (उत्तर प्रदेश) में परमाणु विद्युतगृह की प्रथम यूनिट की स्थापना की गई।
- वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी सरकार के दौरान पोखरण (राजस्थान) में 11 एवं 13 मई को शांतिपूर्ण पांच श्रृंखलाबद्ध भूमिगत परमाणु परीक्षण किए गए।
- महाराष्ट्र में मुंबई के निकट ट्रांबे (Trombay) में लगभग 50 वर्ष पूर्व स्थापित परमाणु अनुसंधान संयंत्र 'साइरस' (CIRUS) को वर्ष 2010 में बंद कर दिया गया। इसकी स्थापना (1960 में) कनाडा के सहयोग से हुई थी।
- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संगठन (IAEA) की स्थापना वर्ष 1957 में 'एटम्स फॉर पीस' (Atoms for Peace) के रूप में हुई थी। इसका मुख्यालय वियना (ऑस्ट्रिया) में स्थित है।
- भारत में ताप विद्युत का योगदान कुल विद्युत उत्पादन में सर्वाधिक है।
- भारत की संपूर्ण ऊर्जा उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा का प्रतिशत मात्र दो प्रतिशत ही है।
- भारत की प्रथम जल विद्युत परियोजना (वर्ष 1902 में) कर्नाटक के शिवसमुद्रम् में प्रारंभ की गई थी।
- भारत में खंभात की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी तथा सुंदरवन में ज्वारीय ऊर्जा के उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं। 'कच्छ की खाड़ी' के 'कांडला' में एशिया का प्रथम ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र लगाने का प्रस्ताव है।
- 'परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह' (NSG) की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। एन.एस.जी. नियमों के तहत जिस देश ने 'एन.पी.टी' (NPT) संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उन्हें यूरेनियम की सप्लाई नहीं की जा सकती।
- 'परमाणु अप्रसार संधि' (NPT) 12 जून, 1968 को यू.एन. महासभा द्वारा स्वीकार की गई थी।
- 'सी.टी.बी.टी.' (CTBT) अर्थात् 'व्यापक परमाणु परीक्षण संधि' को यू.एन. महासभा ने वर्ष 1996 में स्वीकार किया था।
- नाभिकीय विद्युत उत्पादन की महत्वाकांक्षी 'आई.टी.ई.आर.' (ITER) परियोजना में चीन, जापान, द. कोरिया, रूस, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, यूरोपीय संघ (EU) तथा भारत शामिल हैं।
- इस परियोजना के तहत परमाणु संचलन संयंत्र की स्थापना फ्रांस में की गई।

### भारत के प्रमुख परमाणु/ऊर्जा उत्पादन केंद्र

तारापुर	- यह मुंबई (महाराष्ट्र) में स्थित है। यह भारत का प्रथम परमाणु विद्युत केंद्र तथा एशिया का सबसे बड़ा परमाणु विद्युतगृह है। इसकी स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी।
रावतभाटा	- वर्ष 1972 एवं 1980 में कनाडा के सहयोग से रावतभाटा (राजस्थान) में दो दाबित भारी पानी रियक्टर (Reactor) स्थापित किए गए।
कलपक्कम	- यह चेन्नई (तमिलनाडु) में स्थित है।
नरौरा	- उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में स्थित है। इस विद्युत केंद्र की स्थापना 1989 में हुई थी।
काकरापार	- सूरत (गुजरात) में स्थित है।
कैगा	- इस केंद्र की शुरुआत वर्ष 2010 में कैगा (Kaiga), कर्नाटक में हुई। यह भारत का 20वां परमाणु बिजली संयंत्र है।
कुडुनकुलम	- इस नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र की स्थापना रूस के सहयोग से वर्ष 2013 में हुई। यह (कुडुनकुलम) संयंत्र तमिलनाडु में स्थित है।

- 1 अप्रैल, 2009 से रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (RIL) ने बंगाल की खाड़ी में स्थित कृष्णा-गोदावरी बेसिन (के D-6 ब्लॉक) में प्राकृतिक गैस का उत्पादन प्रारंभ कर दिया, जो भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस (Natural Gas) भंडार है।
- तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान व पाकिस्तान के रास्ते भारत तक 1680 कि.मी. लंबी गैस पाइपलाइन बिछाने की प्रस्तावित तापी परियोजना (TAPI) पर कागजी कार्यवाही फरवरी, 2015 में कुछ आगे बढ़ी है।





# परिवहन (Transport)

## सड़क परिवहन

- भू-भागों में यात्रियों के आवागमन के लिए बनाए गए मार्गों को 'सड़क' कहते हैं। कम दूरी की यात्रा तथा माल ढुलाई के लिए सड़कें यातायात का महत्वपूर्ण साधन हैं।
- सड़क मुख्यतः 4 प्रकार की होती हैं—राष्ट्रीय राजपथ, राज्य राजपथ, जिले की सड़क एवं ग्राम मार्ग इत्यादि।
- भारत की सड़क प्रणाली विश्व की विशालतम सड़क प्रणालियों में से एक है। देश में सड़कों की कुल लंबाई (वर्ष 2015 तक) 42 लाख कि.मी. है।
- सड़कों की कुल लंबाई के दृष्टिकोण से महाराष्ट्र देश का अग्रणी राज्य है। राज्य में सड़क मार्ग की कुल लंबाई लगभग 3,62,000 कि.मी. है।
- भारत सरकार (केंद्र सरकार) का 'केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय' सड़कों के निर्माण की देखभाल करता है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई कुल सड़क मार्ग का 2 प्रतिशत से भी कम है, परंतु इन पर कुल सड़क यातायात का 40 प्रतिशत आवागमन होता है।
- विश्व का सबसे ऊंचा सड़क मार्ग (भारत में) लेह श्रीनगर मार्ग है, जो कराकोरम दर्रे को पार करता है।
- एशिया का सबसे विशाल बस अड्डा चेन्नई में (वर्ष 2002 में) स्थापित है।
- भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग न. 7 है, जो वाराणसी से कन्याकुमारी तक जाता है। इसकी लंबाई लगभग 2,370 कि.मी. है।
- भारत में प्रत्येक वर्ष 10 नवंबर को 'परिवहन दिवस' (Transport Day) मनाया जाता है।



100 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- सड़क सुरक्षा सप्ताह 7-13 जनवरी को मनाया जाता है।
- भारत का सबसे लंबा सड़क का पुल 'महात्मा गांधी सेतु' है, जो पटना में स्थित है।
- देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने हेतु 'राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम' के अंतर्गत (वर्ष 1999 में) करीब 14,000 कि.मी. लंबे 4/6 लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास का व्यापक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।
- चार महानगरों (दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नई) को जोड़ने वाली राष्ट्रीय राजमार्गों से संबद्ध 'स्वर्ण चतुर्भुज योजना' भी इसी कार्यक्रम के अंतर्गत आती है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियंत्रण 'राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' का होता है।
- राज्यों के राजमार्गों तथा जिला स्तर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण एवं रख-रखाव राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क परिवहन के विकास हेतु सरकार (केंद्र) कई योजनाएं भी चला रही है; जैसे- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना।
- भारत में अंतर्राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण वर्ल्ड बैंक (World Bank) की वित्तीय सहायता से किया जाता है। ये राजमार्ग भारत के प्रमुख राजमार्गों को पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश व म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के प्रमुख राजमार्गों से जोड़ते हैं।
- राष्ट्रीय राजमार्ग 1 और 2 को सम्मिलित रूप से 'ग्रांड ट्रंक रोड' (G.T. Road) कहते हैं।
- भारत के सिक्किम राज्य में सड़कों की लंबाई न्यूनतम है।
- भारत के उत्तरी तथा उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों में सामरिक महत्व की सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव के उद्देश्य से वर्ष 1960 में 'सीमा सड़क संगठन' की स्थापना की गई। इसने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का कार्य अपने हाथों में लिया है।

**प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highways)**

राजमार्ग संख्या	जोड़े गए स्थान
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 1	दिल्ली एवं अमृतसर
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2	दिल्ली एवं कोलकाता
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3	आगरा एवं मुंबई
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7	वाराणसी एवं कन्याकुमारी (सबसे लंबा)
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8	दिल्ली एवं मुंबई
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21	चंडीगढ़ एवं मनाली
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24	दिल्ली एवं लखनऊ

Contd...

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44	शिलांग एवं अगरतला
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 50	नासिक एवं पुणे
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 56	लखनऊ एवं वाराणसी

- राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल (Toll) की अदायगी के लिए बार-बार वाहन रोकने की आवश्यकता को समाप्त कर 'इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन' (ETC) की नई व्यवस्था देश में शुरू की जा रही है।
- वाहनों की आवाजाही को तेज करने हेतु इस नई FAST ag व्यवस्था का शुभारंभ 31 अक्टूबर, 2014 को दिल्ली-मुंबई कॉरीडोर में किया गया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 मार्च, 2016 को आधारीक संरचना में मजबूती लाने हेतु एक 'सेतु भारतम् योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को वर्ष 2019 तक रेलवे क्रॉसिंग रहित करने का लक्ष्य है।

## वायु परिवहन

- परिवहन के साधनों में वायु परिवहन सबसे तीव्रगामी है।
- भारत में नागर विमानन कार्य 'नागर विमानन मंत्रालय' द्वारा किया जाता है।
- भारत की अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवा प्रदान करने वाली एयर इंडिया की स्थापना 8 जून, 1948 को की गई। इसने 1 अगस्त, 1953 से कार्य करना प्रारंभ किया।
- इंडियन एयर लाइंस लि. का गठन वायु निगम अधिनियम, 1953 के अंतर्गत किया गया।

## एयर इंडिया एवं इंडियन एयरलाइंस का विलय

- सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनियां एयर इंडिया एवं इंडियन एयरलाइंस (भारतीय विमान निगम) का विलय 24 अगस्त, 2007 को हुआ। अब ये दोनों कंपनियां नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लि. (NACIL) के नाम से कार्यरत हैं तथा कंपनी का ब्रांड नाम 'एयर इंडिया' (Air India) ही है।
- एयर इंडिया का शुभंकर 'महाराजा' ही नई एकीकृत एयर इंडिया का शुभंकर (Mascot) है, जबकि एयर इंडिया का प्रतीक चिह्न (Logo) 'उड़ते हुए हंस' (Flying Swan) में इंडियन एयरलाइंस का नारंगी रंग का 'कोणार्क चक्र' नई विमान सेवा का 'लोगो' है।
- पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लि. की स्थापना वर्ष 1985 में (हेलीकॉप्टर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नाम से) एक सरकारी कंपनी के रूप में कंपनी ऐक्ट (1956) के तहत हुई थी।
- पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लि. भारत की प्रथम विमानन कंपनी है।
- निजी क्षेत्र का भारत का पहला हवाई अड्डा कोचीन में स्थित है।

102 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 'एयर सहारा' अंतर्राष्ट्रीय उड़ान वाली भारत की पहली निजी (Private) विमान सेवा थी।
- हवाई अड्डों के प्रबंधन के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण निकाय 'भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण' (AAI) है। यह प्राधिकरण देश में स्थित सभी हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।
- देश में (वर्ष 2016 तक) 23 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के अतिरिक्त 92 घरेलू हवाई अड्डे तथा 23 सिविल एंक्लेव हैं, जो डिफेंस एयर फिल्ड्स पर स्थित हैं।
- वर्ष 2012 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रस्ताव पर पांच घरेलू हवाई अड्डों को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा केंद्र सरकार ने प्रदान किया। इन हवाई अड्डों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ व वाराणसी के अतिरिक्त दक्षिण भारत के तिरुचिरापल्ली, कोयंबटूर एवं मंगलूर हवाई अड्डे सम्मिलित हैं।
- जुलाई, 2013 में बंगलुरु स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नामकरण अब 16वीं सदी के शासक 'हिरिया कैपेगोड़ा' के नाम पर 'कैपेगोड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' (KIA) किया गया है।
- देश के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की संख्या वर्तमान में 22 है।

**प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे**

क्र. स.	हवाई अड्डा	स्थित
1.	इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नई दिल्ली
2.	छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मुंबई
3.	अन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	चेन्नई
4.	नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोलकाता
5.	सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अहमदाबाद
6.	राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद
7.	लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गुवाहाटी
8.	वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पोर्ट ब्लेयर
9.	दाबोलिम हवाई अड्डा	गोवा
10.	श्रीनगर हवाई अड्डा	श्रीनगर
11.	कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोच्चि
12.	मंगलौर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मंगलौर
13.	देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	इंदौर
14.	त्रिवेंद्रम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुवनंतपुरम्

contd...

15.	डॉ. बाबा साहब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नागपुर
16.	श्री गुरु रामदासजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर
17.	जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	जयपुर
18.	कैंपेगोड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बंगलुरु
19.	चौ. चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	लखनऊ
20.	लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	वाराणसी
21.	तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुचिरापल्ली
22.	कोयंबटूर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोयंबटूर

## जल परिवहन

- भारत की 7,516 कि.मी. लंबी समुद्री तट सीमा अंडमान व निकोबार (1962 कि.मी.) एवं लक्षद्वीप (132 कि.मी.) समूह की तट सीमा सहित) है, जिस पर 13 बड़े बंदरगाह एवं 200 छोटे बंदरगाह स्थित हैं।
- जलमार्गों को 3 भागों में बांटा जा सकता है— आंतरिक जलमार्ग, सामुद्रिक जलमार्ग एवं नहर जलमार्ग।
- विकासशील देशों में भारत के पास सबसे बड़ा जहाजी बेड़ा है। देश के कुल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लगभग 95% माल का परिवहन इसी (जल) साधन के माध्यम से होता है।
- भारत में 13 बड़े तथा 180 से भी अधिक छोटे बंदरगाह हैं, जहां बड़े बंदरगाह केंद्र सरकार के अधीन हैं, वहीं छोटे बंदरगाहों का रख-रखाव राज्य सरकारों के अधीन है।
- 'राष्ट्रीय जहाजरानी बोर्ड' की स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी।
- वर्ष 2000 में जल-भूतल परिवहन मंत्रालय को दो मंत्रालयों अर्थात् 'पोत मंत्रालय' एवं 'सड़क परिवहन मंत्रालय' में विभाजित किया गया।
- वर्तमान में लगभग 200 जहाजरानी कंपनियां भारत में कार्यरत हैं।
- 'भारतीय जहाजरानी निगम लि.' (SCI) भारत की सबसे बड़ी जहाजरानी कंपनी हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी जहाजरानी कंपनी "शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया" की स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी।
- कोचीन शिपयार्ड लि. की स्थापना वर्ष 1972 में सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में हुई थी।
- कोचीन शिपयार्ड ऐसी एकमात्र शिपयार्ड है, जिसे जहाज निर्माण, मरम्मत एवं समुद्री इंजीनियरों के प्रशिक्षण हेतु ISO: 9001:2000 मिल चुका है।

104 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारत में सर्वप्रथम निजी क्षेत्र (Private) की जहाजरानी कंपनी 'सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी लि.' है। इसकी स्थापना वर्ष 1941 में हुई थी।
- भारत में 'दि हिंदुस्तान शिपयार्ड' सबसे पुरानी जहाज निर्माण यूनिट है।
- 'भारतीय नौवहन निगम' मुंबई में स्थित है।
- भारत में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र में नौ शिपयार्ड हैं जो पोत निर्माण कार्य में लगे हैं।
- देश में अंतर्देशीय जल परिवहन से संबंधित महत्वपूर्ण संस्थान "भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, (IWAI) है, इसकी स्थापना वर्ष 1986 में हुई। यह नोएडा में स्थित है।
- हिंदुस्तान शिपयार्ड लि. (विशाखापट्टनम्) की स्थापना वर्ष 1991 में की गई थी।

**भारत के ( 13 ) बड़े बंदरगाह**

क्र. सं.	बंदरगाह	समुद्री अवस्थिति	विशेष ( तथ्य )
1.	मुंबई बंदरगाह ( महाराष्ट्र )	अरब सागर	भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है। यह भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित है। यह एक प्राकृतिक बंदरगाह है।
2.	चेन्नई बंदरगाह ( तमिलनाडु )	बंगाल की खाड़ी	यह भारत का सबसे पुराना (वर्ष 1875 में स्थापित) बंदरगाह है। यह एक मनुष्यकृत पत्तन है।
3.	कोलकाता बंदरगाह ( प. बंगाल )	बंगाल की खाड़ी	यह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बंदरगाह है। यह हुगली नदी पर स्थित है।
4.	विशाखापट्टनम ( आंध्र प्रदेश )	बंगाल की खाड़ी	यह मुख्यतः नौसैनिक स्टेशन है।
5.	कांडला बंदरगाह ( गुजरात )	कच्छ की खाड़ी ( अरब सागर )	यह भारत का एकमात्र ज्वारीय बंदरगाह है।
6.	मर्मुगोवा बंदरगाह ( गोवा )	अरब सागर	भारत का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह तथा एक महत्वपूर्ण नौसैनिक स्टेशन।
7.	तूतीकोरिन बंदरगाह ( तमिलनाडु )	हिंद महासागर	यह उथला बंदरगाह है, जो मन्नार की खाड़ी पर स्थित है। यह पूर्वी तट पर स्थित है। वर्ष 2011 में इस बंदरगाह का नाम बदलकर 'पी.ओ. चिदंबरनार पिल्लै' पोर्ट ट्रस्ट किया गया है।

contd...

8.	पाराद्वीप बंदरगाह (उड़ीसा/ओडिशा)	बंगाल की खाड़ी	स्वतंत्र भारत का पूर्वी तट पर पहला बंदरगाह। वर्ष 1966 में भारत का 8वां बंदरगाह घोषित।
9.	न्हावाशेवा बंदरगाह (जवाहरलाल नेहरू) बंदरगाह (महाराष्ट्र)	अरब सागर	वर्ष 1989 में निर्मित।
10.	न्यू मंगलूरू बंदरगाह (कर्नाटक)	अरब सागर	भारत का 9वां बंदरगाह।
11.	कोचीन बंदरगाह (केरल)	अरब सागर	भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह।
12.	एन्नौर (कामराज) बंदरगाह (तमिलनाडु)	बंगाल की खाड़ी	वर्ष 2001 में स्थापित। वर्ष 2014 में इसका नाम कामराज बंदरगाह रखा गया है।
13.	पोर्ट ब्लेयर बंदरगाह (अंडमान द्वीप)	बंगाल की खाड़ी	भारत का नवीनतम बंदरगाह, वर्ष 2001 में स्थापित

**नोट:** नौवहन के क्षेत्र में आधारिक संरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से दो और नए बड़े बंदरगाह स्थापित करने की केंद्र सरकार की योजना है। इनमें एक सागर बंदरगाह प. बंगाल में तथा दूसरा द्गाराजपट्टनम, आंध्र प्रदेश में स्थापित किया जाएगा।

- भारत के पश्चिमी तट पर मुंबई, कांडला, मझगांव, न्यू मंगलूरू, कोचीन तथा जवाहर लाल नेहरू बंदरगाह, मुम्बाडो तथा पूर्वी तट पर तूतीकोरिन, विशाखापट्टनम, चेन्नई, पाराद्वीप एवं कोलकाता बंदरगाह प्रमुख हैं।

### भारत के (छह) राष्ट्रीय जलमार्ग

- वर्ष 2013 में केंद्र सरकार ने दक्षिणी असम में बराक नदी के लाखीपुर एवं भंगा के बीच 121 कि. मी. लंबे प्रखंड को देश का छठा राष्ट्रीय जल मार्ग (National Water Way) घोषित किया है।

### राष्ट्रीय जलमार्ग

संख्या	जलमार्ग	लंबाई (कि.मी.)
1.	गंगा-भागीरथी-हुगली का इलाहाबाद-हल्दिया प्रखंड	1620 कि.मी. (सबसे लंबा)
2.	ब्रह्मपुत्र नदी का सादिया धुतटी प्रखंड	891 कि.मी.
3.	प. तट केनाल एवं उद्योगमंडल केनाल को कोट्टापुरम्-कोलम प्रखंड	205 कि.मी.

contd...

4.	कालुवेलि टैक का काकीनाडा-पुदुचेरी प्रखंड व कृष्णा नदी का बाजीराबाद-विजवाड़ा प्रखंड	1095 कि.मी.
5.	ब्रह्मणी नदी का तलचर-धामरा प्रखंड तथा महानदी डेल्टा का पाराद्वीप प्रखंड	623 कि.मी.
6.	बराक नदी का लाखीपुर-भंगा प्रखंड	121 कि.मी. (छोटा)

### विश्व नहर प्रणाली (World Canal System) — एक दृष्टि में

- विश्व के प्रमुख सामुद्रिक मार्ग हैं— उतरी अटलांटिक मार्ग, प्रशांत महासागरीय मार्ग, भूमध्यसागरीय मार्ग, दक्षिण अटलांटिक मार्ग, केप मार्ग (केप ऑफ गुड होप मार्ग) इत्यादि।
- **स्वेज नहर**— स्वेज नहर का निर्माण वर्ष 1869 में एक फ्रांसीसी इंजीनियर फर्दीनंद-द-लेपेटस के द्वारा किया गया था। इस नहर की लंबाई लगभग 168 कि.मी. है। वर्ष 1956 में मिस्र (Egypt) की सरकार ने इसका (इस नहर का) राष्ट्रीयकरण कर दिया। यह नहर भूमध्यसागर को लाल सागर से जोड़ने के लिए बनाई गई।
- **पनामा नहर**— पनामा नहर का निर्माण वर्ष 1914 में हुआ। यह 64.8 कि.मी. लंबी है। यह नहर प्रशांत महासागर और कैरेबियन सागर (अटलांटिक महासागर) को जोड़ती है।

### रेल परिवहन

- भारत में सर्वप्रथम रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 1853 को बोरीबंदर, मुंबई (वर्तमान में छत्रपति शिवाजी टर्मिनल) से थाणे के बीच (लगभग 34 कि.मी.) चलाई गई थी।
- भारतीय रेलवे में 16 अप्रैल को 'रेलवे दिवस' तथा 10 से 16 अप्रैल तक 'रेल सप्ताह' मनाया जाता है।
- भारतीय रेलवे की पहली गाड़ी लॉर्ड डलहौजी के शासनकाल में 'ब्लैक ब्यूटी' के नाम से चली थी।
- भारतीय रेलवे एशिया (Asia) में सबसे बड़ी तथा विश्व का दूसरी सबसे बड़ी रेलवे है।
- भारत में भारतीय रेलवे सबसे बड़ा नियोक्ता (रोजगार प्रदाता) संस्थान है। भारतीय रेलवे में सबसे अधिक खर्च कर्मचारियों के वेतन भुगतान के रूप में होता है।
- भारतीय रेलवे में सबसे बड़ी आमदनी का जरिया माल भाड़ा है।

- भारत का एकमात्र प्राचीनतम चालू रेल इंजन 'फेयरी क्वीन' (सन् 1855) है।
- भारत में सर्वप्रथम रेल दुर्घटना 25 जनवरी, 1869 को भोरघाट (पूना (पुणे)-मुंबई मार्ग के निकट) में हुई थी।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'नैरोगेज रेल प्रणाली' 5 जुलाई, 1881 को सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग के मध्य प्रारंभ हुई थी।
- भारतीय रेलवे अधिनियम/ऐक्ट सन् 1890 में पारित हुआ था।
- भारतीय रेलवे बोर्ड (Railway Board) की स्थापना लॉर्ड कर्जन के शासनकाल में सन् 1905 में हुई। भारतीय रेलवे का प्रशासन व संचालन रेलवे बोर्ड के द्वारा किया जाता है। इसमें अध्यक्ष सहित 5 सदस्य होते हैं।
- भारतीय रेलवे द्वारा डाक सेवा सन् 1907 में प्रारंभ की गई।
- भारतीय रेलवे का मूलमंत्र 'सुरक्षा (Security), संरक्षा (Safety) एवं समय पालन' (Punctuality) है।
- भारतीय रेलवे का लक्ष्य (Aims) 'समय पालन' (Punctuality), 'स्वच्छता' (Cleanliness) एवं 'बेहतर यात्री सुविधाएं' (Improving Passenger Amenities) है।
- रेलवे बजट को सामान्य बजट से सन् 1924-25 में अलग किया गया।
- पाकिस्तान के भारत से अलग/पृथक् होने पर (सन् 1947 में) लगभग 11 हजार कि.मी. लंबी रेलवे लाइन पाकिस्तान को मिली।
- स्वतंत्रता मिलने के पश्चात् कुछ रेल रियासतों के अधीन थीं, उन्हें भारतीय रेलवे में सन् 1950 में मिलाया गया।
- भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण (Nationalisation) सन् 1950 में हुआ।
- भारत के प्रथम रेल मंत्री आसफ अली थे।
- रेल दुर्घटना के कारण अपने पद से इस्तीफा देने वाले भारत के प्रथम रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री थे।
- सन् 1953 को 'रेलवे शताब्दी वर्ष' के रूप में मनाया गया।
- भारत में विद्युत रेलवे (Electricity Railway) की शुरुआत सन् 1925 में हुई। प्रथम विद्युत रेल पूना (पुणे) और बंबई (मुंबई) के मध्य चलाई गई।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'स्वचालित सिग्नल प्रणाली' (Signal System) सन् 1928 में मध्य रेलवे द्वारा शुरू की गई।
- रेलवे संपत्ति के बेहतर रक्षण एवं सुरक्षा हेतु 'रेलवे सुरक्षा बल' (RPF) का गठन रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 के अंतर्गत किया गया। वर्ष 1985 में संसद के एक अधिनियम द्वारा इसे संघ का "सशस्त्र बल" बना दिया गया।
- 'भारतीय रेल कर्मचारी बीमा योजना', 1977 में लागू की गई तथा 'रेल यात्री बीमा योजना' 1 अगस्त, 1994 से प्रारंभ की गई।



108 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम रेलगाड़ियों में टेलीफोन (STD/ISD) सेवा बंबई (मुंबई)-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में 10 अक्टूबर, 1996 में प्रारंभ हुई थी।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'तत्काल आरक्षण सेवा' 20 दिसंबर, 1997 को नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस से प्रारंभ की गई।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण व्यवस्था 15 नवंबर, 1985 को नई दिल्ली से शुरू हुई।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम केंद्रीयकृत यात्री नियंत्रण (CTC) प्रणाली पूर्वोत्तर रेलवे में वर्ष 1966 में प्रारंभ की गई थी।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम महिला ड्राइवर सुश्री सुरेखा यादव (वर्ष 1990 में मध्य रेलवे में सहायक ड्राइवर के पद पर) नियुक्त हुई थीं।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'महिला स्पेशल ट्रेन' पश्चिम रेलवे के चर्चगेट-बोरीवली रेलवे स्टेशन के बीच मई, 1992 में प्रारंभ की गई।
- वर्तमान में भारतीय रेलवे में 17 जॉस (zones) तथा लगभग 67 मंडल/डिवीजन हैं।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम क्षेत्रीय जोनों में 'दक्षिण रेलवे' (South Railway) का गठन 14 अप्रैल, 1951 को हुआ था।
- भारत का सबसे लंबा रेलवे जोन 'उत्तर रेलवे' (North Railway) है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 6,968 कि.मी. (वर्ष 2015 तक) है।
- दक्षिण-पूर्व रेलवे को 'ब्लू चिप' के नाम से भी जाना जाता है।

**क्षेत्रीय रेलवे/जोन के नाम, स्थापना वर्ष, मुख्यालय एवं मंडल: एक दृष्टि में**

क्षेत्रीय रेलवे (Zone)	स्थापना वर्ष	मुख्यालय	संबंधित मंडलों के नाम
दक्षिण रेलवे (S.R.)	14-4-1951	मद्रास (चेन्नई)	मद्रास (चेन्नई), तिरुचिरापल्ली, मदुरई, पालघाट, सेलम एवं तिरुवनंतपुरम।
मध्य रेलवे (C.R.)	5-11-1951	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल बंबई (मुंबई)	बंबई (मुंबई), भुसावल, शोलापुर एवं पुणे।
पश्चिम रेलवे (W.R.)	5-11-1951	बंबई (मुंबई) (चर्चगेट)	बंबई (मुंबई) (से.) वडोदरा, भावनगर, रतलाम, राजकोट एवं अहमदाबाद।
पूर्व रेलवे (E.R.)	14-4-1952	कलकत्ता (कोलकाता)	हावड़ा, आसनसोल, सियालदाह एवं माल्दा।

Contd...

उत्तर रेलवे (N.R.)	14-4-1952	नई दिल्ली	दिल्ली, फिरोजपुर, मुरादाबाद, लखनऊ, अंबाला।
उत्तर-पूर्व रेलवे (N.E.R.)	14-4-1952	गोरखपुर	इज्जतनगर, लखनऊ, वाराणसी।
दक्षिण-पूर्व रेलवे (S.E.R.)	1-8-1955	कलकत्ता (कोलकाता)	चक्रधरपुर, खड़गपुर, आद्रा, रांची, खड़गपुर, वर्कशॉप।
उत्तर-पूर्व सीमा रेलवे (N.E.F.R.)	15-1-1958	मालेगांव	कटिहार, अलीपुरद्वार, तिनसुकिया, लुंबडिंग, रेंगिया
दक्षिण-मध्य रेलवे (S.C.R.)	2-10-1966	सिकंदराबाद	सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंटकल, नांदेड़
पूर्वीतटीय रेलवे (E.C.R.)	8-8-1996	भुवनेश्वर	खुदरारोड़, संबलपुर, वाल्टेयर।
उत्तर-मध्य रेलवे (N.C.R.)	28-8-1996	इलाहाबाद	इलाहाबाद, आगरा, झांसी।
पूर्व-मध्य रेलवे (E.C.R.)	8-9-1996	हाजीपुर	दानापुर, सोनपुर, समस्तीपुर, मुगलसराय, धनबाद।
उत्तर-पश्चिम रेलवे (N.W.R.)	17-10-1996	जयपुर	अजमेर, जयपुर, बीकानेर, जोधपुर।
दक्षिण-पश्चिम रेलवे (S.W.R.)	1-11-1996	हुबली	बंगलुरु (बंगलौर), हुबली, मैसूर।
पश्चिम-मध्य रेलवे (W.C.R.)	8-12-1996	जबलपुर	जबलपुर, भोपाल, वर्कशॉप, कोटा।
दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे (S.E.C.R.)	1-6-1998	बिलासपुर	नागपुर, बिलासपुर, रायपुर।
कलकत्ता (कोलकाता) मेट्रो रेलवे	28-12-2010	कलकत्ता (कोलकाता)	कलकत्ता (कोलकाता) मेट्रो

- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'राजधानी एक्सप्रेस' 1 मार्च, 1969 को नई दिल्ली और हावड़ा के बीच चली थी। यह एक पूर्णतया वातानुकूलित व तीव्रगति से चलने वाली रेलगाड़ी है, जो कई राज्यों की राजधानियों को नई दिल्ली से जोड़ती है, इसलिए इसका नाम राजधानी एक्सप्रेस है।
- वर्तमान में लगभग 18 राजधानी एक्सप्रेस चल रही हैं। इसकी गति (Speed) 120-130 कि.मी. प्रतिघंटा होती है।

110 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- पं. जवाहरलाल नेहरू की जन्म शताब्दी (सन् 1988) के उपलक्ष्य में 'शताब्दी एक्सप्रेस' चलाई गई थी। प्रथम शताब्दी एक्सप्रेस 10 जुलाई, 1988 को नई दिल्ली और झांसी के मध्य/बीच चलाई गई थी।
- वर्तमान में देश में 20 शताब्दी एक्सप्रेस रेलगाड़ियां चल रही हैं। इसकी गति 140 कि.मी. प्रतिघंटा है, जो भारत की सबसे तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी है।
- भारतीय रेलवे में पहली 'जनशताब्दी एक्सप्रेस' रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 2002 को बंबई (मुंबई) एवं मड़गांव के मध्य/बीच चलाई गई थी।
- वर्ष 1982 में भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम पर्यटन रेलगाड़ी 'पैलेस ऑन व्हील्स' दिल्ली-जयपुर के बीच प्रारंभ की गई।
- भारतीय रेलवे का एकमात्र पुराना चालू भाप इंजन "फेयरी क्वीन" है, जो वर्ष 1997-98 में पुनः चलाया गया था। इसका निर्माण वर्ष 1855 में हुआ था।
- भारतीय रेलवे में पूर्णतया अनारक्षित एक्सप्रेस रेलगाड़ी, 'जनसेवा एक्सप्रेस' सर्वप्रथम 6 जुलाई, 1995 को सूरत-वाराणसी के बीच प्रारंभ हुई थी।
- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम 'तत्काल आरक्षण सेवा 26 दिसंबर, 1997 को नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस से शुरू की गई थी।
- सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 150 वर्ष एवं देश की आजादी की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर 28 सितंबर, 2007 को 'आजादी एक्सप्रेस' की यादगार यात्रा नई दिल्ली से प्रारंभ हुई।
- कश्मीर घाटी में पहली रेलगाड़ी का प्रचालन 11 अक्टूबर, 2008 से शुरू/प्रारंभ हुआ, जब तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस (डी.एम. यू.) रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर श्रीनगर के नौगम स्टेशन से रवाना किया।
- भारत में भूमिगत मेट्रो (Metro) रेल की शुरुआत सर्वप्रथम 24 अक्टूबर, 1984 को कलकत्ता (कोलकाता) में हुई थी।
- दिल्ली में (प्रथम चरण की) मेट्रो रेल सेवा का शुभारंभ 25 दिसंबर, 2002 को तीसहजारी से शाहदरा के बीच किया गया था।
- भारत एवं विश्व का एकमात्र 'स्काई बस मेट्रो स्टेशन' कोंकण रेलवे के मड़गांव में 15 अक्टूबर, 2003 में बनाया गया।
- भारत के रेल मंत्रालय तथा गोवा, केरल, कर्नाटक व महाराष्ट्र राज्यों द्वारा संयुक्त रूप से परिचालित रेलवे, जो अपनी विशिष्ट संरचना के कारण विश्व में प्रथम रेलवे है, को कोंकण क्षेत्र में होने के कारण 'कोंकण रेलवे' कहा जाता है।
- भारत के अमृतसर तथा पाकिस्तान के लाहौर के बीच चलने वाली रेलगाड़ी 'समझौता एक्सप्रेस' कहलाती है। भारतीय संसद भवन परिसर पर (13 दिसंबर, 2001) को हुए आतंकवादी हमले के पश्चात् इस सेवा को बंद कर दिया गया था। बाद में इसका परिचालन 15 जनवरी, 2004 से पुनः शुरू कर दिया गया।

- भारत में राजस्थान के बाड़मेर जिले के मुनाबाओ एवं पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र में स्थित खोखरापार के मध्य चलाई गई 'थार एक्सप्रेस' दोनों देशों के मध्य चलाई गई दूसरी रेलगाड़ी है, जिसका परिचालन 18 फरवरी, 2006 को प्रारंभ हुआ।
- भारत एवं बांग्लादेश के बीच रेल सेवा का नाम "मैत्री एक्सप्रेस" है। दोनों देशों के मध्य यह रेल सेवा (43 वर्षों के अंतराल के बाद) वर्ष 2008 में शुरू की गई। उल्लेखनीय है कि यह रेल सेवा भारत-पाकिस्तान युद्ध 1965 के दौरान बंद कर दी गई थी; उस समय बांग्लादेश 'पूर्वी पाकिस्तान' के नाम से पाकिस्तान का ही हिस्सा था।
- 'राष्ट्रीय रेल संग्रहालय' की स्थापना वर्ष 1977 में नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में रेल परिवहन संग्रहालय के रूप में की गई।
- वर्तमान में भारतीय रेलवे के रेलवे भर्ती बोर्ड की संख्या 19 है। इन भर्ती बोर्डों का नियंत्रण 'रेलवे बोर्ड के रेलवे भर्ती नियंत्रण बोर्ड' द्वारा किया जाता है। यह ग्रुप सी के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती करता है।
- भारतीय रेल का शुभंकर (Mascot) "भोलू" है, जो गार्ड के रूप में गज (हाथी), हरी बत्ती वाली लालटेन उठाए है।
- भारत की सबसे लंबी रेलगाड़ी "प्रयागराज एक्सप्रेस" है। इसमें लगभग 26 कोच लगे होते हैं।
- भारत का (एवं विश्व का) सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म खड़गपुर पश्चिम बंगाल में है, जो लगभग 834 मीटर लंबा है।
- भारत में सर्वाधिक दूरी तय करने वाली रेलगाड़ी 'विवेक एक्सप्रेस' है, जो असम के डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी तक कुल 4,285 कि.मी. की दूरी लगभग 82.30 घंटे में तय/पूरी करती है। इस रेलगाड़ी को 19 नवंबर, 2011 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर प्रारंभ किया गया।
- 'विवेक एक्सप्रेस' रेलगाड़ी के परिचालन से पूर्व जम्मू-तवी एवं कन्याकुमारी के बीच लगभग 3,715 कि.मी. की दूरी तय करने वाली 'हिमसागर एक्सप्रेस' भारत में सबसे लंबी दूरी तय करने वाली रेलगाड़ी थी।
- सियालदाह-नई दिल्ली के बीच चलने वाली 'दुरंतो एक्सप्रेस' भारत में पहली दुरंतो एक्सप्रेस रेलगाड़ी है, जिसका परिचालन 19 सितंबर, 2009 से प्रारंभ हुआ।
- नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस 'वाई-फाई (Wifi) सुविधा' वाली भारत की पहली रेलगाड़ी है। रेलवे ने रेलगाड़ियों में इस इंटरनेट सुविधा की शुरुआत अप्रैल, 2013 में की।
- भारतीय रेल की सेवा के 160 वर्ष 16 अप्रैल, 2013 को पूरे हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में पहली रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 1853 को मुंबई एवं थाणे के बीच 34 कि.मी. रेलमार्ग पर चलाई गई थी।

- असम के डेकरगांव (Dekargaon) से अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के नाहर लागुन (Nahar Lagun) स्टेशन के बीच पहली रेल सेवा 8 अप्रैल, 2014 से प्रारंभ हुई है।
- पूर्वोत्तर के राज्यों में असम एवं अरुणाचल प्रदेश के बाद अब मेघालय भी रेलवे के मानचित्र पर आ गया है। मेघालय के नॉर्थ गारो हिल्स जिले के मेंदी पथार (Mendi Pathar) रेलवे स्टेशन से असम के दुघनोई रेलवे स्टेशन के बीच रेल सेवा की शुरुआत 29 नवंबर, 2014 को हुई।
- भारत की पहली 'डबल डेकर शताब्दी एक्सप्रेस रेलगाड़ी' गोवा-मुंबई के बीच प्रचालित है, जिसका प्रचालन 6 दिसंबर, 2015 से प्रारंभ हुआ।
- भारतीय रेलवे में ढांचागत सुधारों के लिए सुझाव देने हेतु एक 'कायाकल्प परिषद' का गठन प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा की अध्यक्षता में (वर्ष 2015 में) किया गया है।
- भारत में सर्वाधिक तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी 'गतिमान एक्सप्रेस' है, जो सर्वप्रथम नई दिल्ली के निजामुद्दीन एवं आगरा कैंट (Agra Cantt) के बीच 5 अप्रैल, 2016 से चलाई गई। यह रेलगाड़ी दोनों स्टेशनों के बीच की 187 कि.मी. की दूरी मात्र 100 मिनट में तय करती है।
- प्रत्येक कोच में सी.सी.टी.वी. (CCTV) कैमरों (Camera) से युक्त पहली रेलगाड़ी अमृतसर एवं नई दिल्ली के बीच चलने वाली 'शान-ए-एक्सप्रेस' है। सी.सी.टी.वी. कैमरों की सुविधा इस रेलगाड़ी में (प्रत्येक कोच) 8 अप्रैल, 2016 को शुरू की गई है।





प्रभाग (2)

## ब्रह्मांड एवं सौरमंडल (Universe and Solar System)

- ब्रह्मांड के अंतर्गत सभी आकाशीय पिंडों, उल्काओं तथा समस्त सौर परिवार (जिसमें सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी इत्यादि सम्मिलित हैं) का अध्ययन किया जाता है।
- ब्रह्मांड के अध्ययन का प्रारंभ टॉलेमी द्वारा (140 ई. में) हुआ। टॉलेमी के अनुसार पृथ्वी सौरमंडल के केंद्र में स्थित है तथा सूर्य और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं।
- पोलिश मूल के निकोलस कोपर्निकस ने सर्वप्रथम सौरमंडल का पता लगाया तथा इन्होंने (1543 ई. में) बताया कि सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है न कि पृथ्वी।
- आकाशगंगाएं (Milky Way) तारों का विशाल पुंज होती हैं, जिनमें अरबों तारे (Stars) होते हैं।
- आकाश गंगा, (मिल्की वे अंग्रेजी में कहते हैं) इसमें लगभग 100 अरब तारे शामिल हैं। सौरमंडल और सूर्य 'मिल्की वे' के केंद्र से आधी दूरी पर स्थित हैं।
- 'मिल्की वे' के एक सिरे से दूसरे सिरे तक यात्रा करने में प्रकाश को 1,00,000 वर्ष लगते हैं।
- तारे विशाल चमकदार गैसों के पिंड होते हैं, जो स्वयं के गुरुत्वाकर्षण (Gravity) बल से बंधे होते हैं।
- भार के अनुपात में तारों में 70% हाइड्रोजन, 28% हीलियम, 1.5% कार्बन नाइट्रोजन एवं ऑक्सीजन तथा 0.5% लौह एवं अन्य तत्व होते हैं।

### सौरमंडल

ग्रह	सूर्य से औसत दूरी (10 लाख किमी.)	परिक्रमा अवधि (ग्रह वर्ष)	घूर्णन अवधि	उपग्रह
बुध (Mercury)	58	88 दिन	59 दिन	--
शुक्र (Venus)	108	255 दिन	244 दिन	--
पृथ्वी (Earth)	150	365 दिन	24 घंटे	एकमात्र चंद्रमा
मंगल (Mars)	228	687 दिन	24.6 घंटे	2
बृहस्पति (Jupiter)	778	12 वर्ष	9.9 घंटे	67 (सर्वाधिक)
शनि (Saturn)	1,425	29 वर्ष	10.3 घंटे	62
अरुण (Uranus)	2,871	84 वर्ष	17.3 घंटे	27
वरुण (Neptune)	4,498	165 वर्ष (सर्वाधिक)	16.1 घंटे	14

नोट: [सन् 2006 में अंतर्राष्ट्रीय खगोल संघ द्वारा 'प्लूटो' (यम) को ग्रहों की गणना से निष्कासित कर दिया गया, जिसके चलते अब ग्रहों की संख्या (9 से घटकर) 8 रह गई है।

### सौरमंडल (Solar System)

- सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले ग्रहों, उपग्रहों, धूमकेतुओं, क्षुद्रग्रहों तथा अन्य अनेक पिंडों के समूह या परिवार को 'सौरमंडल' (Solar System) कहते हैं।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है और सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं। यह सिद्धांत कोपर्निकस द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
- वर्तमान में सौरमंडल में (प्लूटो के ग्रह का दर्जा हट जाने के बाद) कुल 8 ही ग्रह हैं, जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं।
- सौरमंडल के ग्रहों का विभाजन आंतरिक ग्रहों (Terrestrial) और बाह्य (Outer) ग्रहों के रूप में किया जाता है।
- सौरमंडल के आंतरिक ग्रह हैं—बुध, शुक्र, पृथ्वी व मंगल तथा बाह्य ग्रह बृहस्पति, शनि, वरुण एवं अरुण अत्यंत विशाल हैं। इनका निर्माण प्रायः हाइड्रोजन एवं हीलियम गैसों से हुआ है।
- पृथ्वी (Earth) सूर्य से तीसरा ग्रह है और यह सौरमंडल का एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां जीवन संभव है।

- पृथ्वी की सूर्य से दूरी 9.3 करोड़ मील है। यह सूर्य की परिक्रमा करने में 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट और 45.1 सेकेंड का समय लेती है, जबकि पृथ्वी अपनी धुरी पर एक परिक्रमा 23 घंटे 56 मिनट और 4.06 सेकेंड में पूरी करती है।
- सौरमंडल के दो ग्रहों मंगल एवं शुक्र के बीच पृथ्वी (Earth) स्थित है।
- सूर्य एवं पृथ्वी के बीच अधिकतम दूरी 4 जुलाई को होती है तथा न्यूनतम दूरी 3 जनवरी को होती है।
- सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुंचने में 8 मिनट का समय लगता है, जबकि चंद्रमा के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुंचने में 1.3 सेकेंड का समय लगता है।
- चंद्रमा (Moon) पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। चंद्रमा पर वायुमंडल की उपस्थिति नहीं है।
- चंद्रमा (Moon) की पृथ्वी के चारों ओर घूमने की अवधि (परिभ्रमण काल) 27 दिन, 7 घंटे, 43 मिनट, 11.47 सेकेंड है।
- चंद्रमा की पृथ्वी (Earth) से दूरी 384 हजार कि.मी. है।
- पृथ्वी के अलावा मंगल (Mars) पर ही जीवन (Life) की संभावना है, क्योंकि वहां का पर्यावरण जीवन के अनुकूल है।
- पृथ्वी के वायुमंडल का निर्माण नाइट्रोजन (79%), ऑक्सीजन (21%), जल (1%) तथा ऑर्गन (0.3%) से मिलकर हुआ है।
- बुध (Mercury) और शुक्र (Venus) दो ऐसे ग्रह हैं, जो सुबह के तारों (Morning Star) के रूप में पूर्वी आकाश में और संध्या के तारों (Evening Star) के रूप में पश्चिमी आकाश में प्रकट होते हैं।
- एक प्रकाश वर्ष  $9.46 \times 10^{12}$  कि.मी. दूरी के बराबर होता है।
- भारतीय प्रामाणिक मानक समय (Indian Standard Time) ग्रीनविच समय से लगभग साढ़े पांच घंटे आगे है।
- सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह बुध (Mercury) है। सूर्य के सबसे निकट का ग्रह भी बुध ही है।
- सौरमंडल का सबसे बड़ा उपग्रह गेनीमेड (Ganymede) है, जबकि सबसे छोटा उपग्रह डीमोस (Deimos) है।
- सौरमंडल का सबसे चमकीला ग्रह शुक्र (Venus) है। शुक्र ग्रह को 'भोर का तारा' भी कहा जाता है।
- पृथ्वी के सबसे निकट ग्रह शुक्र (Venus) है। इसे 'पृथ्वी की बहन' के उपनाम से भी जाना जाता है।
- सौरमंडल का सबसे बड़ा/भारी ग्रह तथा सबसे अधिक उपग्रहों वाला ग्रह बृहस्पति (Jupiter) है।



116 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- बृहस्पति ग्रह सूर्य की परिक्रमा लगभग 12 वर्षों में पूरी करता है।
- बृहस्पति (Jupiter) अपनी धुरी पर एक चक्कर अत्यंत तीव्र गति से मात्र 9 घंटे 55 मिनट में पूरा करता है।
- सौरमंडल में संभवतः सबसे बड़ी संरचना बृहस्पति का चुंबकीय मंडल (Magnetosphere) है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है, जहां बृहस्पति का चुंबकीय क्षेत्र स्थित है।
- बृहस्पति के अभी तक खोजे गए 67 उपग्रहों में से 21 उपग्रहों की खोज वर्ष 2003 में की गई थी।
- सौरमंडल के मंगल ग्रह का अक्ष (Axis) पृथ्वी के अक्ष के समान झुका हुआ है।
- मंगल ग्रह (Mars) का एक दिन 24 घंटे 37 मिनट के बराबर होता है। यह पृथ्वी के एक दिन के लगभग बराबर है, किंतु इसका एक वर्ष 687 दिनों का होता है।
- सौरमंडल का छठवां ग्रह शनि (Saturn) है। यह बृहस्पति के बाद सबसे विशाल ग्रह है।
- शनि (Saturn) ग्रह के 62 ज्ञात उपग्रह हैं। इसका सबसे बड़ा उपग्रह 'टाइटन' है। यह सौरमंडल का ऐसा अकेला उपग्रह है, जिस पर वायुमंडल की उपस्थिति है।
- सौरमंडल के अरुण/यूरेनस (Uranus) ग्रह की खोज सन् 1781 में सर विलियम हर्शेल ने की थी।
- अरुण/यूरेनस ग्रह अपनी धुरी पर 97° पर झुका हुआ है। यह एकमात्र ऐसा ग्रह है, जो एक ध्रुव से दूसरे ध्रुव तक अपनी प्रदक्षिणा कक्षा में लगातार सूर्य के सामने रहता है।
- सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह वरुण/नेपच्यून (Neptune) है। यह सूर्य से औसतन 2.8 अरब मील की दूरी पर स्थित है और 165 वर्षों में सूर्य की परिक्रमा पूरी करता है।
- सूर्य को 'मिल्की वे' के केंद्र की परिक्रमा करने में 22.5 करोड़ वर्ष का समय लगता है, जिसे 'आकाशगंगीय वर्ष' (Galactic Year) कहते हैं।
- मंगल एवं बृहस्पति के मध्य में हजारों छोटे-छोटे पिंड पाये जाते हैं, जिन्हें 'क्षुद्रग्रह' (Asteroids) कहते हैं।
- क्षुद्रग्रहों में सबसे बड़ा 'सेरस' (Ceres) है, जिसका व्यास लगभग 1000 कि.मी. है और आकार चंद्रमा का एक-तिहाई है। सेरस' (Ceres) के अतिरिक्त अन्य बड़े क्षुद्रग्रह वेस्टा, पल्लास, हाइजिया आदि हैं।
- जोहांस केप्लर (सन् 1571-1630) ने ग्रहों द्वारा सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने संबंधी अपने अध्ययन से तीन नियमों का प्रतिपादन किया, जो 'केप्लर के ग्रह संबंधी नियम' कहलाते हैं।

- सबसे निकटतम तारा 'सूर्य' है। इसकी मूल संरचना आकाश के अन्य तारों के समान ही है। यह तप्त गैस (Gas) का एक गोला है, जिसमें 74% हाइड्रोजन; 25% हीलियम तथा 1% अन्य तत्व होते हैं।
- सूर्य में ऊर्जा, नाभिकीय संलयन प्रक्रिया से उत्पन्न होती है।
- सूर्य के प्रकाश मंडल का ताप 5,800 K होता है।
- पृथ्वी की भांति सूर्य के भी कई स्तर होते हैं। पृथ्वी से दिखाई देने वाले भाग को 'सूर्यमंडल' (Photosphere) कहते हैं। सूर्यमंडल के ऊपरी भाग को 'वर्णमंडल' (Chromosphere) कहते हैं।
- वर्णमंडल के ऊपर एक विशाल आभामंडल होता है, जिसे सिर्फ सूर्यग्रहण के समय देखा जा सकता है, इसे 'परिमंडल' (Corona) कहते हैं।
- सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा के आ जाने से सूर्यग्रहण पड़ता है।
- सन् 2006 में 'अंतर्राष्ट्रीय खगोल संघ' द्वारा स्वीकार किया गया कि अब यम/प्लूटो (Pluto) एक ग्रह नहीं है, यह एक छोटा पिंड है। परिणामस्वरूप प्लूटो को ग्रहों की सूची से हटा दिया गया तथा अब मात्र 8 ग्रह ही ऐसे माने गए हैं, जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं। उल्लेखनीय है कि प्लूटो को ग्रह का दर्जा 70 वर्ष पूर्व दिया गया था।
- सौरमंडल के 8वें ग्रह वरुण (Neptune), जिसकी खोज 1846 में हुई थी, ने अपनी खोज के पश्चात् सूर्य का पहला चक्कर (165 वर्ष में) जुलाई 2011 में पूरा किया।

## पृथ्वी

- पृथ्वी पूरे ब्रह्मांड में (सौरमंडल में) एकमात्र ऐसी ज्ञात (ग्रह) जगह है, जहां जीवन संभव है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी की आयु लगभग 4.6 अरब वर्ष है।
- पृथ्वी सूर्य से तीसरा ग्रह है। सौरमंडल के दो ग्रहों मंगल एवं शुक्र के बीच यह स्थित है।
- पृथ्वी सौरमंडल का पाचवां सबसे बड़ा ग्रह है। इसका द्रव्यमान  $6.569 \times 10^{21}$  टन है।
- पृथ्वी की सूर्य से दूरी 9.3 करोड़ मील है।
- पृथ्वी का कुल क्षेत्रफल 510,100,500 वर्ग कि.मी. है। इसमें कुल स्थलीय क्षेत्रफल 148,95,800 वर्ग कि.मी. (कुल 29.08%) है, जबकि जलीय क्षेत्रफल 3,61,149,700 वर्ग कि.मी. (70.92%) है।
- पृथ्वी (Earth) का एकमात्र उपग्रह चंद्रमा (Moon) है।

## पृथ्वी का भूगर्भिक इतिहास

- पृथ्वी के संपूर्ण भूगर्भिक इतिहास को कई कल्पों (Eras) में विभाजित किया जाता है जैसे पूर्व कैम्ब्रियन काल (Pre Cambrian Era); पुराजीवी कल्प (Palaeozoic era); मेसोजोइक कल्प (Mesozoic era); सेनोजोइक कल्प (Cenozoic era) एवं नियोजोइक/नूतन कल्प (Neozoic era)।
- पूर्व कैम्ब्रियन काल में पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। यह कल्प/काल लगभग 57 करोड़ वर्ष पूर्व समाप्त हुआ। इसी काल के दौरान महाद्वीपों व महासागरों का निर्माण हुआ और जीवन की उत्पत्ति भी इसी काल के दौरान हुई।
- पुराजीवी काल 57 करोड़ वर्ष पूर्व से 22.5 करोड़ वर्ष तक रहा। इस काल में जीवों एवं वनस्पतियों का विकास तीव्र गति से हुआ।
- पुराजीवी काल (Palaeozoic Era) को कई शकों (Eras) में विभाजित किया जा सकता है; जैसे— कैम्ब्रियन (Cambrian), आर्डोविसियन (Ordovician), सिल्यूरियन (Silurian), डिवोनियन (Devonian), कार्बनीफेरस (Carboniferous) एवं पर्मियन (Permian) इत्यादि।
- मेसोजोइक काल की अवधि 22.5 करोड़ से 7 करोड़ वर्ष पूर्व तक है। इसमें रेंगने वाले जीव अधिक मात्रा में विद्यमान थे।
- मेसोजोइक काल को तीन शकों में विभाजित किया जा सकता है; जैसे— ट्रियासिक (Triassic), जुरासिक (Jurassic) एवं क्रिटैशियस इत्यादि।
- सेनोजोइक काल (Cenozoic Era) का प्रारंभ आज से लगभग 7.0 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। इसी काल में सर्वप्रथम स्तनपायी जीवों का विकास हुआ।
- सेनोजोइक काल को भी पांच शकों में विभाजित किया गया है—पैलियोसीन (Paleocene), इयोसीन (Eocene), ओलिगोसीन (Oligocene), मायोसीन (Miocene) एवं प्लायोसीन (Pliocene)।
- सेनोजोइक काल में ही हिमालय, रॉकीज, आल्प्स, एंडीज आदि पर्वतमालाओं का विकास हुआ।
- नियोजोइक या नूतन काल (Neozoic Era) 10 लाख वर्ष पूर्व से वर्तमान समय तक चलने वाला काल है।
- इस काल को पहले चतुर्थक काल में रखकर पुनः प्लोस्टोसीन (Pleistocene) हिमयुग तथा वर्तमान काल, जिसे होलीसीन (Holocene) कहा जाता है, में वर्गीकृत किया जाता है।

## पृथ्वी की संरचना

- पृथ्वी की आकृति लहकक्ष गोलाभ (Oblate Spheroid) के समान है। यह लगभग गोलाकार है, जो ध्रुवों पर थोड़ी चपटी है।

- पृथ्वी का सबसे उच्चतम बिंदु माउंट एवरेस्ट है, जिसकी ऊंचाई 8,848 मी. है। पृथ्वी का सबसे निम्नतम बिंदु प्रशांत महासागर में स्थित मरियाना खाई है।
- पृथ्वी की आंतरिक संरचना के 3 प्रधान अंग हैं—ऊपरी सतह भूपर्पटी (Crust), मध्य स्तर मेंटल (mantle) और आंतरिक स्तर धात्विक क्रोड (Core)।
- पृथ्वी का निर्माण आयरन (32.1%), ऑक्सीजन (30.1%), सिलिकॉन (15.1%), मैग्नीशियम (13.9%), सल्फर (2.9%), निकल (1.8%), कैल्सियम (1.5%) और ऐल्युमिनियम (1.4%) से हुआ है।

### सूर्यग्रहण एवं चंद्रग्रहण

- पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है, जबकि चंद्रमा पृथ्वी की।
- जब सूर्य और चंद्रमा के मध्य पृथ्वी आ जाती है, तो पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है, जिससे ग्रहण पड़ता है, इसे 'चंद्रग्रहण' कहते हैं।
- जब पृथ्वी एवं सूर्य के मध्य चंद्रमा आ जाता है, तो उसकी छाया पृथ्वी पर पड़ती है, जिससे सूर्यग्रहण की घटना होती है।

### पृथ्वी की गतियां

- पृथ्वी अपने अक्ष पर निरंतर घूमती रहती है। इसकी दो गतियां हैं एक घूर्णन (Rotation) एवं दूसरी परिक्रमण (Revolution)।
- पृथ्वी के अपने अक्ष पर चक्रण को घूर्णन (Rotation) कहते हैं। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व दिशा में घूमती है और एक घूर्णन को पूरा करने में 23 घंटे, 56 मिनट 4.1 सेकेंड का समय लेती है। इससे दिन व रात होते हैं।
- पृथ्वी सूर्य के चारों ओर अंडाकार पथ पर 365 दिन, 5 घंटे 48 मिनट व 45.1 सेकेंड में एक चक्कर पूरा करती है, जिसे इसकी 'परिक्रमण गति' (Revolution) कहते हैं।

### अक्षांश रेखाएं (Latitude)

- ग्लोब पर पश्चिम से पूर्व की ओर खींची गई काल्पनिक रेखाओं को अक्षांश रेखाएं कहते हैं।
- अक्षांश रेखाओं की कुल संख्या 180 है। प्रति 1° की अक्षांशीय दूरी लगभग 111 कि.मी. के बराबर होती है।
- अक्षांश रेखाओं में तीन प्रमुख रेखाएं होती हैं—कर्क रेखा, मकर रेखा एवं विषुवत् (भूमध्य) रेखा।
- कर्क रेखा (Tropic of Cancer), उत्तरी गोलार्द्ध में भूमध्य रेखा के समानांतर 23°30' पर खींची गई है।
- मकर रेखा (Tropic of Capricorn), दक्षिणी गोलार्द्ध में भूमध्य रेखा के समानांतर 23°30' पर खींची गई है।

120 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- विषुवत् अथवा भूमध्य रेखा (Equator) पृथ्वी को उत्तरी गोलार्द्ध (Northern Hemisphere) और दक्षिणी गोलार्द्ध (Southern Hemisphere) दो बराबर भागों में बांटती है। इसे 'शून्य अंश अक्षांश रेखा' भी कहते हैं।

### संक्रांति

- प्रत्येक वर्ष दो संक्रांति होती हैं— कर्क संक्रांति एवं मकर संक्रांति।
- कर्क संक्रांति (Summer Solstice) -21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर लंबवत् चमकता है, इस स्थिति को 'कर्क संक्रांति' कहते हैं।
- मकर संक्रांति (Winter Solstice) -22 दिसंबर को सूर्य मकर रेखा पर लंबवत् चमकता है, इस स्थिति को 'मकर संक्रांति' कहते हैं।

### देशांतर रेखाएं (Longitudes)

- पृथ्वी पर दो अक्षांशों के मध्य कोणीय दूरी को 'देशांतर' कहा जाता है।
- भूमध्य रेखा पर  $1^\circ$  के अंतराल पर देशांतरों के मध्य दूरी 111.32 कि.मी. होती है।
- दुनिया का मानक समय इसी रेखा से निर्धारित होता है, इसलिए इसे 'प्रधान मध्याह्न देशांतर रेखा' (Longitudes) कहते हैं।
- लंदन का एक नगर ग्रीनविच इसी रेखा पर स्थित है, इसलिए इस रेखा को 'ग्रीनविच रेखा' भी कहते हैं।
- $1^\circ$  देशांतर की दूरी तय करने में पृथ्वी को 4 मिनट का समय लगता है, क्योंकि पृथ्वी अपने अक्ष पर एक घूर्णन ( $360^\circ$ ) 24 घंटे में पूरा करती है।
- स्थानीय समय (Local Time) – पृथ्वी पर स्थान विशेष के सूर्य की स्थिति से परिकल्पित समय को 'स्थानीय समय' कहते हैं।
- किसी देश/क्षेत्र विशेष में किसी एक मध्यवर्ती देशांतर रेखा के स्थानीय समय को पूरे देश/क्षेत्र का समय मान लिया जाता है, जिसे 'मानक समय' (Standard Time) कहते हैं।
- भारत के  $82^\circ 30'$  पूर्व देशांतर रेखा के स्थानीय समय को पूरे देश का मानक समय माना जाता है।
- भारत का मानक समय ग्रीनविच मीन समय से 5 घंटे 30 मिनट आगे है।

### अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा (International Date Line-IDL)

- अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा एक काल्पनिक रेखा है, जो प्रशांत महासागर के बीचोबीच ( $180^\circ$  देशांतर पर) उत्तर से दक्षिण की ओर खिंची गई है।
- इस रेखा के पूर्व एवं पश्चिम में एक दिन का अंतर होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा से पश्चिम की ओर का क्षेत्र पूर्वी गोलार्द्ध है, जहां तिथि एक दिन आगे होती है तथा इसके पूर्व की ओर का क्षेत्र पश्चिमी गोलार्द्ध है, जहां तिथि पीछे होती है।

- वर्ष 1884 में वाशिंगटन (USA) में हुए एक समझौते के अनुसार 180° देशांतर को 'अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा' कहते हैं।

## वायुमंडल

- पृथ्वी को चारों ओर से सैकड़ों कि.मी. मोटाई में लपेटने वाले गैसीय आवरण को वायुमंडल कहते हैं।
- वायुमंडल सूर्य की गर्मी को रोककर रखने में एक विशाल 'कांच घर' का काम करता है, जो लघु तरंगों और विकिरण को ही पृथ्वी के धरातल पर आने देता है, परंतु पृथ्वी से विकिरित होने वाली तरंगों को बाहर जाने से रोकता है।
- वायुमंडल की वायु के मुख्य अवयवों में नाइट्रोजन (78%) सर्वाधिक पाई जाती है। इसके बाद क्रमशः ऑक्सीजन (21%), आर्गन (0.93%), कार्बन डाइऑक्साइड (0.03%) का स्थान आता है। इसके अतिरिक्त नियाॉन, हीलियम, ओजोन आदि गैसों भी वायुमंडल में सम्मिलित हैं।

### वायुमंडल की परतें

- वायुमंडल को 5 मंडलों/परतों में विभाजित किया जाता है—क्षोभमंडल (Troposphere), समतापमंडल (Stratosphere), ओजोनमंडल (मध्य मंडल) (Ozonosphere), आयनमंडल (Ionosphere) एवं बर्हिमंडल (Exosphere)।
- क्षोभमंडल (Troposphere): यह वायुमंडल की सबसे निचली परत है। इसकी ऊंचाई धरातल से 12 कि.मी. तक है। सभी मुख्य वायुमंडलीय घटनाएं; जैसे-बादल, आंधी, वर्षा इसी परत/मंडल में होती हैं।
- समतापमंडल (Stratosphere): यह वायुमंडल की दूसरी परत है, जो कि क्षोभमंडल के ऊपर स्थित है। इस मंडल में 20 से 35 कि.मी. के बीच ओजोन परत (Ozone Layer) की सघनता अधिक है। समतापमंडल 18 से 32 कि.मी. की ऊंचाई तक है।
- ओजोनमंडल (Ozonosphere): यह धरातल से 32 से 62 कि.मी. के मध्य स्थित है। इस मंडल में ओजोन गैस की परत पाई जाती है, जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों से रक्षा करती है, इसलिए इसे 'पृथ्वी का सुरक्षा कवच' भी कहते हैं।
- आयनमंडल (Ionosphere): यह ओजोनमंडल के ऊपर स्थित है इसका विस्तार 600 कि.मी. की ऊंचाई तक है। यहां गैसों के विद्युत आवेशी आयन पाए जाते हैं, जो कि रेडियो तरंगों को पुनः परावर्तित कर पृथ्वी पर वापस लौटा देते हैं।
- बर्हिमंडल (Exosphere) – वायुमंडल में पृथ्वी के धरातल से 640 कि.मी. के ऊपर यह परत विस्तृत है। इसे वायुमंडल का 'सीमांत क्षेत्र' भी कहा जाता है।





# भौगोलिक संरचना (Geographical Structure)

## चट्टान (Rocks)

- पृथ्वी की सतह का निर्माण करने वाले सभी पदार्थों को 'चट्टान या शैल' कहते हैं।
- चट्टानों का वर्गीकरण इस प्रकार है— आग्नेय चट्टान (Igneous Rocks), अवसादी चट्टान (Sedimentary Rocks) एवं रूपांतरित चट्टान (Metamorphic Rocks)।
- आग्नेय चट्टान/शैल (Igneous rocks) की रचना धरातल के नीचे स्थित तप्त एवं तरल मैग्मा के शीतलन के परिणामस्वरूप उसके ठोस हो जाने पर होती है। उदाहरण— माइका, ग्रेनाइट इत्यादि।
- अवसादी शैल (Sedimentary Rocks) -अपक्षय एवं अपरदन के विभिन्न साधनों द्वारा मौलिक चट्टानों के विघटन एवं उसके अवसादों से निर्मित शैल को अवसादी शैल कहा जाता है। उदाहरण— कोयला एवं बालुका पत्थर।
- अवसादी एवं आग्नेय शैलों में ताप एवं दबाव के कारण परिवर्तन या रूपांतरण हो जाने से रूपांतरित शैलों का निर्माण होता है। उदाहरण— संगमरमर।
- दो भ्रंशों के बीच धंसी हुई भूमि को 'भ्रंश घाटी' कहा जाता है। एशिया में स्थित जॉर्डन की प्रसिद्ध भ्रंश घाटी समुद्रतल से भी नीचे है।

## पर्वत (Mountains)

- पर्वत धरातल के ऐसे ऊपर उठे भागों के रूप में जाने जाते हैं, जिनका ढाल तीव्र होता है और शिखर भाग संकुचित क्षेत्र वाला होता है।

## पर्वतों का वर्गीकरण

- **मोड़दार पर्वत (Fold Mountains):** पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों द्वारा धरातलीय चट्टानों में मोड़ पड़ने के परिणामस्वरूप बने हुए पर्वतों को मोड़दार (अथवा) वलित पर्वत कहते हैं उदाहरण—यूरोप के आल्प्स, द. अमेरिका के एंडीज तथा भारत की अरावली शृंखला।
- **ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic Mountains):** इन पर्वतों का निर्माण ज्वालामुखी द्वारा फेंके गए पदार्थों से होता है। उदाहरण— हवाई द्वीप (USA) का माउंट माउना लोआ पर्वत।
- **अवशिष्ट पर्वत (Residual Mountains):** इनका निर्माण विभिन्न कारकों द्वारा अपरदन से होता है। उदाहरण— भारत में नीलगिरि पर्वत।
- **अवरोधी पर्वत या ब्लॉक पर्वत:** इन पर्वतों का निर्माण पृथ्वी की आंतरिक हलचलों के कारण तनाव की शक्तियों से धरातल के किसी भी भाग में दरार पड़ जाने के परिणामस्वरूप होता है। उदाहरण— यूरोप का ब्लॉक फॉरेस्ट पर्वत।

### विश्व के सबसे ऊंचे पर्वत/पर्वत श्रेणियां

पर्वत	ऊंचाई
माउंट एवरेस्ट (एशिया)	8,850 मीटर
के 2 (Godwin-Austen) (एशिया)	8,611 मीटर (भारत का सबसे ऊंचा पर्वत)
कंचनजंगा	8,598 मीटर
आल्प्स (मध्य यूरोप)	4,807 मीटर
रॉकी पर्वत श्रेणी (प. उत्तरी अमेरिका)	4,400 मीटर
एटलस पर्वत (उ.प. अफ्रीका)	4,165 मीटर
यूराल पर्वत श्रेणी (मध्य रूस)	1,864 मीटर

## पठार

- विश्व का सबसे ऊंचा (लगभग पांच हजार मीटर तक) पठार 'तिब्बत का पठार' है।
- साधारणतया अपने सीमावर्ती धरातल से पर्याप्त ऊंचे व सपाट एवं चौड़े शीर्ष भाग वाले स्थल रूप को 'पठार' कहते हैं। यह तीन प्रकार के होते हैं— अंतरापर्वतीय पठार, पीडमांट पठार एवं महाद्वीपीय पठार।
- भारत का सबसे ऊंचा पठार लद्दाख का पठार है।
- महाद्वीपीय पठारों में ब्राजील का पठार, द. अफ्रीका का पठार, ग्रीनलैंड का पठार, अरब का पठार एवं दक्षिण भारत का पठार प्रमुख हैं।



## 124 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारत के दक्कन के पठार में तीन विस्तृत पठारी क्षेत्र महाराष्ट्र का लावा पठार, तेलंगाना का महाद्वीपीय पठार एवं कर्नाटक का महाद्वीपीय पठार सम्मिलित हैं।
- अरब का पठार (प. एशिया) अत्यंत प्राचीन चट्टानों से निर्मित है।
- कोलंबिया का पठार (द. अमेरिका) ज्वालामुखी के लावा द्वारा निर्मित है।
- ज्वालामुखी पर्वतों में प्रमुख हैं— मोनोलोआ पर्वत (हवाई द्वीप, अमेरिका), फ्यूजीयामा (जापान) तथा पोपा पर्वत (म्यांमार) आदि।
- ऑस्ट्रेलिया का पठार प्राचीन कठोर चट्टानों से निर्मित शुष्क पठार है।
- मंगोलिया का पठार अत्यधिक उबड़-खाबड़ पठार है।
- ग्रीनलैंड का पठार हिम/बर्फ से ढका पठार है, जो अत्यंत प्राचीन चट्टानों से निर्मित है।

## मैदान (Plains)

- धरातल पर मिलने वाले अपेक्षाकृत समतल और निम्न भू-भाग को 'मैदान' (Plains) कहा जाता है। इनका ढाल एकदम न्यून होता है। मैदानों के प्रकार (निर्माण की प्रक्रिया के आधार पर):
- **रचनात्मक मैदान:** रचनात्मक मैदानों का निर्माण पटल विरूपणी बलों के परिणामस्वरूप समुद्री भागों में निक्षेपित जमावों के ऊपर उठने से होता है।
- **अपरदनात्मक मैदान:** ऐसे मैदानों का निर्माण अपक्षय तथा अपरदन की क्रियाओं के परिणामस्वरूप होता है। उदाहरण— उत्तरी कनाडा का मैदान तथा उत्तरी यूरोप का मैदान।
- **निक्षेपात्मक मैदान:** अपरदन के कारकों द्वारा धरातल के किसी भाग से अपरदित पदार्थों को परिवहित करके उन्हें दूसरे स्थान पर निक्षेपित कर देने से ऐसे मैदानों की उत्पत्ति होती है। उदाहरण— गंगा-ब्रह्मपुत्र का मैदान।

## जल एवं स्थल संधियां

- ऐसा संकरा समुद्री मार्ग अथवा क्षेत्र, जो दो विस्तृत समुद्री अथवा बड़ी खाड़ियों तथा समुद्रों को परस्पर जोड़ता है 'जलसंधि' कहलाता है। उदाहरण के लिए 'जिब्राल्टर जल संधि' अंटलाटिक महासागर तथा भूमध्य सागर को जोड़ती है।
- एक ऐसा संकरा स्थल खंड, जो दो बड़े स्थल खंडों को परस्पर जोड़ता है, उसे स्थलसंधि/स्थलडमरूमध्य (Isthmus) कहा जाता है। उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका को परस्पर जोड़ने वाली 'पनामा स्थलसंधि' इसका एक प्रमुख उदाहरण है। यह संकरे स्थल भाग दो बड़ी जलराशियों को पृथक् करते हैं।

विश्व की प्रमुख जलसंधियां ( एक दृष्टि में )		
जलसंधि	निकटवर्ती देश/स्थिति	जोड़ी गई जलराशियां
डेविस जलसंधि	ग्रीनलैंड-कनाडा	अटलांटिक महासागर एवं बैफिन की खाड़ी
जिब्राल्टर जलसंधि (अथवा गिब्राल्टर)	स्पेन-मोरक्को	अटलांटिक महासागर व भूमध्य सागर
मोंजाबिक जलसंधि	मोंजाबिक-मालागौसी	हिंद महासागर
पाक जलसंधि	भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी तथा बंगाल की खाड़ी।
डेनमार्क जलसंधि	आइसलैंड-ग्रीनलैंड	अटलांटिक महासागर तथा ग्रीनलैंड सागर
डॉवर जलसंधि	फ्रांस-इंग्लैंड	इंग्लिश चैनल एवं उत्तरी सागर
बासपोरस जलसंधि	तुर्की	मारमारा सागर तथा काला सागर
टॉरेस जलसंधि	पापुआ न्यू गिनी-ऑस्ट्रेलिया	अराफूरा सागर तथा कोरल सागर
हारमुज जलसंधि	ओमान-ईरान	फारस की खाड़ी तथा ओमान की खाड़ी
कर्क जलसंधि	तुर्की	अजोव सागर तथा काला सागर
ओटरंटो जलसंधि	इटली-अल्बानिया	ऐड्रियाटिक सागर तथा आयोनियन सागर
हडसन जलसंधि	कनाडा	हडसन की खाड़ी तथा अटलांटिक महासागर
कोरिया जलसंधि	जापान-कोरिया	जापान सागर तथा पूर्वी चीन सागर
बैरिंग जलसंधि	अलास्का-रूस	बैरिंग सागर तथा ब्यूफोर्ट सागर
यूकाटान जलसंधि	मैक्सिको-क्यूबा	मैक्सिको की खाड़ी तथा कैरिबियन सागर
बास जलसंधि	ऑस्ट्रेलिया-तस्मानिया	तस्मान सागर तथा हिंद महासागर

प्रमुख स्थल संधियां	
स्थल संधि	स्थिति
स्वेज स्थलसंधि	अफ्रीका तथा एशिया के मध्य (मिस्र में)
पनामा स्थलसंधि	मध्य अमेरिका तथा दक्षिणी अमेरिका के बीच
पेरैकोप स्थलसंधि	क्रीमिया तथा यूक्रेन के बीच
ऑकलैंड स्थलसंधि	न्यूजीलैंड स्थित
एक्लोन स्थलसंधि	कनाडा
कुशीमोटो स्थलसंधि	जापान

## नदियां (Rivers)

- एक निश्चित मार्ग पर तथा निश्चित दिशा में स्थल पर बहती हुई जलधारा को 'नदी' (River) कहते हैं।
- नदियां विभिन्न आकार की होती हैं, यह अपने अपवाह क्षेत्र के अतिरिक्त धरातलीय जल को भी समुद्र अथवा झीलों में पहुंचाती हैं।
- अनेक छोटी नदियां अपने-अपने (अपवाह क्षेत्रों के अतिरिक्त) जल को मुख्य अथवा बड़ी नदियों में ले जाती हैं, इस प्रकार एक नदी तंत्र का निर्माण होता है।
- नदियां स्वच्छ अथवा मीठे जल की महत्त्वपूर्ण स्रोत होती हैं।
- विश्व में अनेक नदियां ऐसी भी हैं, जो बड़े मरुस्थलों से होकर बहती हैं; जैसे— नील नदी तथा सिंधु नदी।
- संसार की सबसे लंबी नदी नील नदी (मिस्र) है। मिस्र (Egypt) को 'नील नदी की देन' कहा जाता है।
- अमेजन (द. अमेरिका) विश्व की दूसरी सबसे बड़ी नदी (अपवाह की दृष्टि से सबसे बड़ी नदी) है।

विश्व की प्रमुख नदियां			
नाम	उदगम स्थल	गिरने का स्थान	लंबाई (कि.मी.)
नील	विक्टोरिया झील	भूमध्य सागर	6688
अमेजन	पेरू/कोलंबिया	ब्राजील-अटलांटिक महासागर	6296
मिसिसिपी मिसूरी	अमेरिका	यू.एस.-मैक्सिको की खाड़ी	6240
यांग्सी	तिब्बत का पठार	चीन सागर	5796
हांग हो	क्यूनलुन पर्वत	विहिल की पहाड़ी	4465
एनिसी	ओला पर्वत	आर्कटिक महासागर	4504
ब्रह्मपुत्र	तिब्बत (मानसरोवर झील)	बंगाल की खाड़ी	2086
सिंधु	कैलाश श्रेणी	पाक-अरब सागर	-

## झीलें

- एक झील को स्थल खंड पर स्थित जल से भरे गर्त के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह नदियों की अपेक्षा छोटी होती है।
- झीलों को उनके जल की प्रकृति के आधार पर स्वच्छ जल की झीलों तथा खारे जल की झीलों में विभाजित किया जाता है।
- स्वच्छ (मीठे) जल वाली झीलों का पानी मीठा होता है तथा इनमें पानी की

आपूर्ति नदियों अथवा हिम/बर्फ के पिघलने से होती है। स्वच्छ पानी (मीठे पानी) की झीलें हैं— मानसरोवर झील, बैकाल झील इत्यादि।

- खारे जल वाली झीलों का पानी खारा होता है, यह कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं।
- खारे जल वाली झीलों से नदियां नहीं निकलती हैं।
- खारे जल वाली झीलों में प्रमुख हैं— चिल्का झील, पुलीकट झील।
- मानव निर्मित (कृत्रिम) झीलों का निर्माण विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। सिंचाई व जल विद्युत उत्पादन हेतु बनाए गए बांधों से बनी झीलें इनमें महत्वपूर्ण हैं।
- भारत में भाखड़ा नागल बांध पर बनी 'गोविंद सागर झील' कृत्रिम झील का प्रमुख उदाहरण है।

विश्व की प्रमुख झीलें	
झीलें	स्थिति
त्सो सिकुरू (सबसे ऊंचाई पर स्थित झील)	तिब्बत
बैकाल (विश्व की सबसे गहरी झील)	रूस
मृत सागर	तुर्की
कैस्पियन	रूस एवं कजाकिस्तान
सुपीरियर	अमेरिका व कनाडा
विक्टोरिया	कीनिया व तंजानिया
ग्रेट बीयर	कनाडा
कैस्पियन सागर (क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ी)	रूस-कजाकिस्तान, अजरबैजान-ईरान
अरब सागर झील	कजाकिस्तान व उज्बेकिस्तान

महत्वपूर्ण भौगोलिक तथ्य/बिंदु ( एक दृष्टि में )	
सबसे ऊंचा पर्वत	माउंट एवरेस्ट (8850 मी.)
सबसे बड़ा मरुस्थल	सहारा (उ. अफ्रीका)
सबसे अधिक जनसंख्या	चीन
सबसे बड़ा देश	रूस
सबसे छोटा देश	वेटिकन सिटी (रोम)
सबसे ऊंचा पठार	तिब्बत का पठार

Contd...

महासागर में सबसे गहरा बिंदु	मैरियाना ट्रेंच (फिलीपींस)
पृथ्वी का सबसे नीचा बिंदु	मृत सागर (इजराइल-जॉर्डन)
सबसे लंबी नदी	नील नदी (6688 किमी.) (अफ्रीका)
सबसे बड़ी (अपवाह) नदी	अमेजन (द. अमेरिका)
सबसे बड़ी झील	कैस्पियन सागर
सबसे गहरी झील	बैकाल झील (साइबेरिया)
सबसे बड़ा सागर	दक्षिण चीन सागर
सबसे गहरा महासागर	प्रशांत महासागर
सबसे बड़ी खाड़ी	हडसन की खाड़ी (उ. कनाडा)
सबसे बड़ा द्वीप	ग्रीनलैंड
सबसे ऊंचा जलप्रपात	एंजल जलप्रपात (वेनेजुएला)
सबसे बड़ा द्वीप समूह	इंडोनेशिया
सबसे बड़ा डेल्टा	सुंदरवन (गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी पर)
सबसे ऊंचा सक्रिय ज्वालामुखी	गुउल्लातिरी (चिली)
सबसे ऊंचा मृत ज्वालामुखी	सेरो एकांकामुआ, (अर्जेंटीना)
सबसे ऊंची राजधानी	लापाज (बोलीविया)
सबसे चौड़ा जलडमरूमध्य	डेविस जलसंधि (ग्रीनलैंड)
सबसे बड़ा बांध	ग्रांड कुली (अमेरिका)
सबसे ऊंचा बांध	रौहन्स्काई (तजाकिस्तान)
महासागर का सबसे गहरा बिंदु	मैरियाना गर्त (प्रशांत महासागर) (11,034 मी.)

## ज्वालामुखी (Volcano)

- ज्वालामुखी वह छिद्र होता है, जिससे लावा, राख एवं जलवाष्प का उद्गार होता है।
- विश्व में सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखी अमेरिका तथा एशिया में पाए जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में एक भी ज्वालामुखी नहीं है।
- ज्वालामुखी तीन प्रकार के होते हैं— सक्रिय ज्वालामुखी (Active Volcano) प्रसुप्त ज्वालामुखी (Dormant Volcano) एवं शांत ज्वालामुखी (Extinct Volcano)।
- विश्व का सबसे ऊंचाई पर स्थित सक्रिय ज्वालामुखी (ओजस डेल सालाडो) एंडीज पर्वतमाला में विली-अर्जेंटीना की सीमा पर स्थित है।

- विश्व का सबसे ऊंचाई पर स्थित शांत ज्वालामुखी 'एकाकागुआ' है, जो एंडीज पर्वतमाला पर स्थित है।
- अधिकांश सक्रिय ज्वालामुखी प्रशांत महासागर के तटीय भाग में ही पाये जाते हैं।
- विश्व का सबसे ऊंचा ज्वालामुखी पर्वत कोटापैक्सी (इक्वाडोर) में स्थित है।

सक्रिय (जाग्रत्) ज्वालामुखी (एक दृष्टि में)		
नाम	स्थिति	संबंधित देश
माउंट पिनातुओ	विरूगां	फिलीपींस
माउंट एटना	सिसली	इटली
ग्लालाटिरी	एंडीज	चिली
वोल्कन मिस्टी	एंडीज	पेरू
मोना लोवा	हवाई	मध्य प्रशांत
सेमेरू	जावा	इंडोनेशिया

## भूकंप (Earthquake)

- भूपर्पटी में उत्पन्न कंपन, जो आंतरिक गतिविधियों (जैसे- ज्वालामुखी-उद्गार, वलन भ्रंशों इत्यादि) का परिणाम होता है, 'भूकंप' कहलाता है।
- भूकंप की तीव्रता को रिक्टर पैमाने पर मापा जाता है।
- अधिकांश भूकंपों का उद्भव धरातल से 60 कि.मी. की गहराई से होता है। जिस स्थान से भूकंप की उत्पत्ति होती है, उसे भूकंप का 'उत्पत्ति केंद्र' कहते हैं।
- भूकंप की व्याख्या करने में प्लेट टेक्टोनिक्स सिद्धांत का महत्वपूर्ण स्थान है। इस सिद्धांत के अनुसार भूकंपों की उत्पत्ति गतिशील स्थलमंडलीय प्लेटों के किनारों पर होती है।
- स्थलमंडलीय प्लेटों के अभिसारी और अपसारी सीमांत विश्व के प्रमुख भूकंपीय क्षेत्र हैं। यही कारण है कि प्रशांत महासागर के किनारों पर तथा भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में भूकंप अधिक आते हैं।

## मरुस्थल

- शुष्क जलवायु वाले प्रदेशों में पाए जाने वाले वह क्षेत्र जहां वर्षा कम या नहीं के बराबर होती है एवं वनस्पतियां नहीं उगती हैं, 'मरुस्थल' कहलाते हैं।
- ऐसे प्रदेशों (मरुस्थल) में बालुकाभित्ति, कंकड़-पत्थर एवं चट्टानों की अधिकता होती है।

130 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- मरुस्थल तीन प्रकार के होते हैं— वास्तविक मरुस्थल (इसमें बालू की प्रचुरता पाई जाती है); पथरीले मरुस्थल (इसमें कंकड़ पत्थर से युक्त भूमि पाई जाती है) एवं चट्टानी मरुस्थल (इसमें चट्टानी भूमि का हिस्सा अधिकाधिक होता है)

## हिमनद

- हिमनद बर्फ का एक विशाल संग्रह होता है, जो निम्न भूमि की ओर धीरे-धीरे बढ़ता है।
- हिमनद तीन तरह के होते हैं— गिरिपद हिमनद, महाद्वीपीय हिमनद एवं घाटी हिमनद।
- नदी की तरह ही हिमनद भी अपरदन, परिवहन और निक्षेपण का कार्य करते हैं।

## विश्व के महासागर

- विश्व के प्रमुख महासागर हैं— प्रशांत महासागर (Pacific Ocean), अटलांटिक महासागर (Atlantic Ocean) एवं हिंद महासागर (Indian Ocean)।
- विश्व का सबसे बड़ा तथा गहरा महासागर प्रशांत महासागर है। इसकी आकृति त्रिभुजाकार है।
- प्रशांत महासागर का सबसे गहरा बिंदु 'मेरियाना गर्त' है। यह महासागर कुल 46% जलक्षेत्र पर विस्तृत है।
- प्रशांत महासागर की गहराई लगभग 11,033 मीटर है।
- इस महासागर में लगभग बीस हजार से अधिक द्वीप स्थित हैं।
- इस महासागर का शीर्ष बैरिंग जलसंधि पर स्थित है।
- अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 'एस' (S) अक्षर के समान है। (कुल जलक्षेत्र 23%)।
- इस महासागर का सबसे गहरा बिंदु 'प्यूटो-रिको-गर्त' है।
- अटलांटिक महासागर की गहराई 9,200 मीटर है।
- हिंद महासागर का सबसे बड़ा द्वीप मेडागास्कर है तथा इस महासागर का सबसे गहरा बिंदु 'जावा गर्त' है।
- हिंद महासागर में गर्तों का अभाव है, केवल जावा द्वीप (इंडोनेशिया) के निकट कुछ गर्त स्थित हैं।
- आर्कटिक महासागर क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा महासागर है।
- आर्कटिक उत्तरी ध्रुव के चारों ओर फैला है। यहां साल भर बर्फ जमी रहती है।

विश्व के प्रमुख महासागर		
महासागर	गहराई (मीटर में)	जलक्षेत्र (% में)
प्रशांत महासागर	11,033	45%
अटलांटिक महासागर	9,200	23%
हिंद महासागर	7,450	20%

### महासागरीय धाराएं

- महासागरीय धाराएं, विश्व के अनेक भागों के तापमान को प्रभावित करती हैं।
- यह धाराएं जलवायु से संबंधित महत्वपूर्ण कारक तो नहीं हैं, परंतु कई क्षेत्रों में जलवायु को परिवर्तित करने में इनकी अहम भूमिका है।
- महासागरीय धाराएं दो प्रकार की होती हैं— एक गर्म धाराएं, दूसरी ठंडी धाराएं।
- विषुवत् रेखा से ध्रुवों की ओर प्रवाहित होने वाली धाराएं गर्म और ध्रुवों से विषुवत् रेखा की ओर बहने वाली धाराएं ठंडी होती हैं।
- प्रशांत महासागर की प्रमुख जलधाराएं हैं— अलास्का की धारा (गर्म), कैलीफोर्निया धारा (ठंडी); क्यूरोशिवो जलधारा (गर्म) एवं एलनिनो धारा (गर्म)।
- अटलांटिक महासागर की प्रमुख धाराएं हैं— गल्फस्ट्रीम/ खाड़ी की धारा (गर्म); नार्वे की धारा (गर्म); ब्राजील की धारा (गर्म) एवं फॉकलैंड की धारा (ठंडी)।
- हिंद महासागर की जलधाराएं हैं— मोजांबिक धारा (गर्म); दक्षिणी विषुवत् रेखीय धारा (गर्म) एवं अगुल्हास धारा (गर्म) आदि।
- ग्रेट बेरियर रीफ ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के निकट स्थित है। यह विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति है, जो प्रशांत महासागर में स्थित है।

### महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं

- मैकमोहन रेखा (Macmohan Line) — भारत तथा चीन के मध्य सीमा रेखा।
- ड्यूरेंड रेखा (Durand Line) — अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य सीमा रेखा।
- रैडक्लिफ रेखा (Radcliffe Line) — भारत तथा पाकिस्तान के बीच स्थित सीमा रेखा।
- 38 वीं अक्षांश रेखा (38th Parallel) — दक्षिणी और उत्तरी कोरिया के बीच सीमा रेखा।
- 49 वीं अक्षांश रेखा (49th Parallel) — सं.रा. अमेरिका और कनाडा के मध्य सीमा रेखा।
- मैगीनॉट रेखा (Maginot Line) — फ्रांस और जर्मनी के मध्य सीमा रेखा।



विश्व के भौगोलिक उपनाम	
उपनाम	देश/स्थान/शहर
मध्य रात्रि के सूर्य का देश (Land of Midnight Sun)	नार्वे
लैंड ऑफ विंड मिल्स/पवन चक्कियों की भूमि (Land of Windmills)	नीदरलैंड्स
प्ले ग्राउंड ऑफ यूरोप (Playground of Europe)	स्विट्जरलैंड
सिकमैन ऑफ यूरोप	तुर्की (टर्की)
यूरोप का युद्धक्षेत्र (काँकपिट ऑफ यूरोप), यूरोप का कार्यस्थल	बेल्जियम
सात पहाड़ियों का शहर (City of Seven Hills), पोप का शहर, प्राचीन विश्व की रानी	रोम
लैंड ऑफ सेटिंग सन (Land of Setting Sun)	ब्रिटेन
लैंड ऑफ केक्स (Land of Cakes)	स्कॉटलैंड
आइलैंड ऑफ पर्ल/(मोतियों का द्वीप) (Island of Pearl)	बहरीन
लैंड ऑफ पैगोडा	म्यांमार (बर्मा)
लैंड ऑफ राइजिंग सन (उगते सूरज का देश) (Land of Rising Sun)	जापान
लैंड ऑफ थंडर बोल्ट	भूटान
श्वेत हाथियों का शहर/देश	थाइलैंड
हजार हाथियों का देश	लाओस
ब्रिटेन ऑफ द साउथ	न्यूजीलैंड
लैंड ऑफ कंगारू, (Land of Kangaroo) लैंड ऑफ गोल्डन डाउन अंडर/फ्लीस	ऑस्ट्रेलिया
संसार का भंडारगृह	मैक्सिको
सिटी ऑफ गोल्डन गेट अमेरिका	सैन फ्रांसिस्को (USA)
सिटी ऑफ मैग्नीफिशेंट डिस्टेंशन	वाशिंगटन (USA)
गगनचुंबी इमारतों का शहर	न्यूयॉर्क (USA)
होली लैंड (पवित्र भूमि)	फिलीस्तीन
चीनी का कटोरा	क्यूबा
श्वेत शहर	बेलग्रेड
श्वेत लोगों की कब्र	गिनी कोस्ट





# महाद्वीप (Continents)

- कांटिनेंट (Continent) शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी भाषा के शब्द 'कांटिनेंट लैंड' से हुई है, जिसका अर्थ है— एकीकृत या आपस में जुड़ी हुई भूमि। सामान्यतया महाद्वीप पृथ्वी के विशाल, एकीकृत एवं विशिष्ट भू-क्षेत्र हैं, जो जलीय एवं अन्य भौगोलिक संरचनाओं (पर्वतमालाओं, रेगिस्तान आदि) से एक-दूसरे से पृथक् होते हैं।
- वर्तमान में विश्व में सात महाद्वीप (अंटार्कटिका सहित) हैं, जिनमें शामिल हैं— एशिया (Asia); अफ्रीका (Africa); यूरोप (Europe); उत्तरी अमेरिका (North America); दक्षिणी/लैटिन अमेरिका (South America); ऑस्ट्रेलिया (Australia) एवं अंटार्कटिका (Antarctica) आदि।
- सभी (सातों) महाद्वीपों का कुल क्षेत्रफल 148,67,000 वर्ग किलोमीटर है तथा यह पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का लगभग 29.1% भाग है।

## एशिया (Asia)

- एशिया महाद्वीप जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला (विश्व की लगभग 60%) महाद्वीप है।
- एशिया में विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है। चीन न केवल एशिया का, अपितु विश्व का भी (जनसंख्या की दृष्टि से) सबसे बड़ा देश है।

## विश्व के महाद्वीप: एक दृष्टि में

	महाद्वीप	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	धरती का क्षेत्रफल (प्रतिशत में)	जनसंख्या (वर्ष 2012 तक)	विश्व जनसंख्या का प्रतिशत
1.	एशिया	43,810,000	29.5%	3,800,000,000	60%
2.	अफ्रीका	30,370,000	20.0%	890,000,000	14%
3.	यूरोप	10,180,000	6.5%	710,000,000	11%
4.	उत्तरी अमेरिका	24,490,000	16.3%	515,000,000	8%
5.	दक्षिणी अमेरिका	17,840,000	11.8%	371,000,000	6%
6.	ऑस्ट्रेलिया	7,600,000	5.2%	21,000,000	0.3%
7.	अंटार्कटिका	13,720,000	9.6%	—	—

- एशिया विश्व का सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला (बड़ा) महाद्वीप है, जो कि 43,810,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर विस्तृत है। एशिया महाद्वीप विश्व के लगभग 30% क्षेत्र पर विस्तृत है। इसमें 45 देश स्थित हैं।
- एशिया महाद्वीप अफ्रीका से लाल सागर एवं स्वेज नहर द्वारा, यूरोप से कैस्पियन सागर, काला सागर, यूराल पर्वत एवं काकेशस पर्वत द्वारा तथा आस्ट्रेलिया से न्यूगिनी द्वीप के द्वारा पृथक् होता है।
- एशिया महाद्वीप में विश्व के सबसे गर्म स्थानों में से एक जैकोबाबाद (59° से.) तथा सबसे ठंडे स्थानों में बरखोयांस्क (-68°) स्थित है। बरखोयांस्क को 'पृथ्वी का शीत ध्रुव (cold pole) भी कहते हैं'।
- एशिया महाद्वीप का उच्चतम बिंदु माउंट एवरेस्ट (नेपाल-तिब्बत सीमा) तथा मृत सागर (जॉर्डन स्थित) निम्नतम बिंदु है।
- एशिया महाद्वीप में विश्व का सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान मासिनराम (मेघालय) (2,700 मि.मी. वार्षिक) है। इससे पहले चेरापूंजी विश्व का सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र माना जाता था।
- एशिया में फिलीपींस द्वीपसमूह के निकट विश्व का सबसे गहरा सागरीय गर्त (प्रशांत महासागर में) 'मेरियाना गर्त (लगभग 12,000 मीटर गहरा) है'।

## एशिया महाद्वीप में स्थित प्रमुख देश (एक दृष्टि में)

- पूर्वी एशिया के देश - चीन, हांगकांग, जापान, उत्तरी कोरिया, दक्षिणी कोरिया, ताइवान, मंगोलिया।

- दक्षिण एशिया - भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका।
- मध्य एशिया - कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किरगिस्तान।
- दक्षिण-पूर्वी एशिया - इंडोनेशिया, म्यांमार, मलेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया, लाओस, वियतनाम, फिलीपींस, सिंगापुर एवं ब्रुनेई।
- दक्षिण-पश्चिम एशिया - इरान, इराक, अफगानिस्तान, ओमान, कुवैत, कतर, साइप्रस, इजराइल, बहरीन, फिलिस्तीन, सीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (U.A.E) एवं लेबनान। एशिया महाद्वीप के प्रमुख स्थल अवरुद्ध (Land Locked) देश हैं— अफगानिस्तान, मंगोलिया, (क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा) एवं नेपाल।

- एशिया में विश्व की सबसे गहरी झील बेकाल झील स्थित है, जिसकी धरातल से ऊंचाई 1,774 मीटर और समुद्र तल से 1,515 मीटर है। एशिया की सबसे बड़ी झील (आंतरिक सागर) कैस्पियन सागर है।
- एशिया में विश्व का सबसे ऊंचा एवं विस्तृत पठार 'तिब्बत का पठार' स्थित है, पामीर का पठार जिसकी औसत ऊंचाई लगभग 5,000 मीटर है। इसी कारण पामीर को 'विश्व की छत' (Roof of the World) भी कहा जाता है।
- एशिया महाद्वीप में स्थित तीन प्रमुख प्रायद्वीप हैं— एक, अरब का प्रायद्वीप, दूसरा, दक्कन का प्रायद्वीप, तीसरा, इंडोचीन का प्रायद्वीप। इनमें अरब का प्रायद्वीप विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप माना जाता है।
- एशिया महाद्वीप खनिज संसाधनों की दृष्टि से काफी समृद्ध है। एशिया में विश्व की 92% प्राकृतिक रबड़ उत्पादित होती है। एशिया में विश्व का सर्वाधिक प्राकृतिक रबड़ उत्पादित करने वाला देश थाइलैंड है।
- एशिया में विश्व का सर्वाधिक अभ्रक उत्पादित करने वाला देश भारत (India) है। एशिया में विश्व का दूसरा सर्वाधिक चाय उत्पादित करने वाला देश (चीन के बाद) भारत है।
- विश्व का 60% कोयला एवं 60% पेट्रोलियम अकेले एशिया महाद्वीप में पाया जाता है। तेल उत्पादन एवं भंडारण दोनों ही दृष्टियों से सऊदी अरब विश्व में प्रथम स्थान पर है।
- एशिया महाद्वीप में सभी धर्मों के अनुयायी मिलते हैं, इसलिए एशिया को 'सभी धर्मों की आद्यभूमि' भी कहते हैं।

- एशिया में हर प्रजाति (Race) के लोग भी मिलते हैं। एशिया विभिन्न नृजातीय समूहों का वासस्थल है। यहां मुख्यतया प्रोटो ऑस्ट्रोलायड एवं मंगोलाम प्रजाति के लोग पाए जाते हैं।

## अफ्रीका (Africa)

- अफ्रीका (क्षेत्रफल की दृष्टि से) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल 30,370,000 वर्ग कि.मी. है। इस महाद्वीप में लगभग 54 देश स्थित हैं।
- अफ्रीका महाद्वीप एशिया से स्वेज नहर एवं लाल सागर तथा यूरोप से जिब्राल्टर स्ट्रेट/जलसंधि एवं भूमध्य सागर से पृथक् होता है। इसके पूर्व में हिंद महासागर एवं पश्चिम में अटलांटिक महासागर स्थित है।
- अफ्रीका विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला महाद्वीप है।
- अफ्रीका महाद्वीप मानव के प्रारंभिक विकास की अवस्था का साक्षी है। वैज्ञानिकों के अनुसार आधुनिक मानव के पूर्वजों का विकास इसी महाद्वीप में हुआ। अफ्रीका महाद्वीप विश्व का एकमात्र महाद्वीप है, जहां लगभग सभी युगों की प्राचीनतम एवं नवीनतम संस्कृतियां पलती रही हैं।
- अफ्रीका विश्व का एकमात्र महाद्वीप है, जिससे कर्क रेखा एवं मकर रेखा दोनों गुजरती हैं। अफ्रीका की लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार काटती है।
- अफ्रीका में विश्व की सबसे लंबी नदी (River) नील नदी (6,690 कि.मी.) स्थित है। अफ्रीका का सबसे बड़ा जलप्रपात 'विक्टोरिया' 'जंबेजी नदी' पर स्थित है।
- भूमध्य रेखा अफ्रीकी महाद्वीप के मध्य भाग से गुजरकर इसे दो बराबर भागों में विभाजित करती है।
- अफ्रीका महाद्वीप में विश्व का सबसे विशाल रेगिस्तान सहारा स्थित है।
- अफ्रीका महाद्वीप का सबसे ऊंचा स्थान 'माउंट किलिमंजारो' है, जो समुद्र तल से 5,895 मीटर ऊंचा है, जबकि सबसे नीचा स्थान असाई झील है, जिसकी समुद्र तल से गहराई 168 मीटर है।
- अफ्रीका में विश्व का सबसे गर्म स्थान अलजीयाह (लीबिया) है, जिसका तापमान 3 सितंबर, 1922 को 58°C दर्ज किया गया था।
- अफ्रीका (विश्व का) में सबसे बड़ा स्वर्ण (Gold) उत्पादक देश दक्षिण अफ्रीका है। अफ्रीका में किंबरले खान (द. अफ्रीका) विश्व की सबसे बड़ी हीरे (Diamond) की खान है। विश्व का सबसे अधिक क्रोमाइट भी द. अफ्रीका में पाया जाता है।
- अफ्रीका का आइवरी कोस्ट विश्व में सर्वाधिक कोको उत्पादक देश है। अफ्रीका में सर्वाधिक फॉस्फेट रॉक खनिज पैदा करने वाला देश मोरक्को (विश्व में तृतीय स्थान) है।

- सुमालीलैंड प्रायद्वीप को 'अफ्रीका का सींग' कहते हैं।
- अफ्रीका में सर्वाधिक कसावा पैदा करने वाला देश कांगो है, जबकि अफ्रीका में सर्वाधिक ज्वार पैदा करने वाला देश नाइजीरिया (विश्व में तृतीय स्थान) है।
- अफ्रीका में उष्ण घास के मैदानों को 'सवाना' और शीतोष्ण घास के मैदानों को 'वैल्डस' कहते हैं। 'एटलस' अफ्रीका का प्रमुख पर्वत है।

### अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख देश ( एक दृष्टि में )

- उत्तरी अफ्रीका के देश - अल्जीरिया, लीबिया, मिस्र, मोरक्को, ट्यूनीशिया, चाड, माली, नाइजर, सूडान एवं दक्षिण सूडान।
- दक्षिण अफ्रीका - दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, तंजानिया, जिंबाब्वे, मोजांबिक, मॉरीशस, मलावी, स्वाजीलैंड, सेशल्स, अंगोला, मेडागास्कर।
- उत्तर-पूर्वी अफ्रीका - युगांडा, तंजानिया, इथियोपिया, कीनिया, रवांडा, सोमालिया, बुरुंडी, इथियोपिया, इरीट्रिया।
- पश्चिम-मध्य अफ्रीका - कांगो, कैमरून।
- पश्चिम अफ्रीका - नाइजीरिया, सिएरा लियोन, लाइबेरिया, घाना, गिनी, आइवरी कोस्ट, गिनी बिसाऊ, टोगो।

## यूरोप (Europe)

- यूरोप तीन ओर से पानी/सागर से घिरा महाद्वीप है, इसलिए इसे (यूरोप को) 'प्रायद्वीपों का महाद्वीप' भी कहते हैं।
- यूरोप (क्षेत्रफल की दृष्टि से) विश्व का छठा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- यूरोप महाद्वीप का क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस (Russia) सबसे बड़ा एवं वेटिकन सिटी सबसे छोटा देश है।
- यूरोप महाद्वीप (जनसंख्या की दृष्टि से) एशिया एवं अफ्रीका के बाद तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- यूरोप महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, दक्षिण में भूमध्यसागर, पूर्व में कॉकेशस पर्वत तथा पश्चिम में अटलांटिक महासागर है। इसके पूर्व में स्थित यूराल पर्वत/यूराल नदी इसे (यूरोप को) एशिया से पृथक् करते हैं।
- यूरोप के प्रमुख स्थल अवरुद्ध देश हैं—चेक गणराज्य, स्लोवाक गणराज्य, स्विट्जरलैंड, हंगरी, एवं ऑस्ट्रिया।
- यूरोप महाद्वीप का सर्वोच्च शिखर माउंट एलब्रूस (रूस) है। इसकी ऊंचाई लगभग 5,645 मीटर है। यूरोप में आल्प्स, यूराल एवं ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत स्थित हैं।

138 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- यूरोप के हंगरी, रूमानिया और यूक्रेन देशों में शीतोष्ण घास के मैदान (जिन्हें 'प्रेयरी क्षेत्र भी कहते हैं') विस्तृत हैं।
- यूरोप महाद्वीप के प्रमुख द्वीप (Island) हैं- ग्रेट ब्रिटेन, आयरलैंड, आइसलैंड, स्काटलैंड आदि। इस महाद्वीप के कई प्रायद्वीप हैं जैसे- स्कैंडिनेविया एवं बाल्कन आदि।

### यूरोप महाद्वीप के प्रमुख देश ( एक दृष्टि में )

- उत्तरी यूरोप के देश – स्वीडन, नार्वे, डेनमार्क, आइसलैंड, फिनलैंड, लिथुआनिया, आयरलैंड, ब्रिटेन, (UK), लाटविया।
- पूर्वी यूरोप – बेलारूस, चेक गणराज्य, हंगरी, यूक्रेन, जॉर्जिया, बुल्गारिया, माल्डोवा, रोमानिया।
- पश्चिमी यूरोप – जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया लक्जमबर्ग, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड।
- दक्षिण यूरोप – यूनान, स्पेन, माल्टा, पुर्तगाल, क्रोएशिया, अल्बानिया, सर्बिया।

## उत्तरी अमेरिका (North America)

- उत्तरी अमेरिका महाद्वीप (क्षेत्रफल की दृष्टि से) एशिया एवं अफ्रीका के पश्चात् विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप पृथ्वी के उत्तरी एवं पश्चिमी गोलार्द्ध में स्थित है। उत्तर में यह आर्कटिक महासागर, पूर्व में उत्तरी अटलांटिक महासागर, दक्षिण-पूर्व में भूमध्यसागर तथा दक्षिण एवं पश्चिम में यह उत्तरी प्रशांत महासागर से घिरा हुआ है।
- उत्तरी अमेरिका महाद्वीप (जनसंख्या की दृष्टि से) एशिया, अफ्रीका एवं यूरोप के पश्चात् विश्व का चौथा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप अलास्का से लेकर ग्रीनलैंड तक तथा फ्लोरिडा से लेकर मैक्सिको तक फैला/विस्तृत है।
- सन् 1492 में सर्वप्रथम कोलंबस (ने अमेरिका की खोज की) यहाँ पहुँचा था। बाद में एक अन्य खोजी अन्वेषक अमेरिगो वैस्पुची के नाम पर इसका नाम अमेरिका (America) पड़ा।
- उत्तरी अमेरिका का सर्वोच्च पर्वत शिखर 'माउंट मेककिनले' (अलास्का, सं. रा. अमेरिका) है। उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी भाग में पश्चिमी कॉर्डिलेस (राँकी पर्वतमाला) और पूर्वी भाग में 'अप्लेशियन पर्वत' है।

- उत्तरी अमेरिका की पांच झीलों (सुपीरियर, मिशीगन, ईरी, हयूरन एवं ओंटोरियो) के समूह को 'महान् झील' (Great Lakes) कहते हैं। उत्तरी अमेरिका की सुपीरियर झील विश्व की सबसे बड़ी ताजे जल/मीठे पानी की झील है।
- उत्तरी अमेरिका के शीतोष्ण घास के मैदानों को 'प्रेयरी' कहते हैं।
- उत्तरी अमेरिका का संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) देश विश्व में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादित करने वाला देश है।
- उत्तरी अमेरिका का संयुक्त राज्य अमेरिका देश विश्व में सर्वाधिक फॉस्फेट रॉक उत्खनित करने वाला देश भी है।
- उत्तरी अमेरिका का कनाडा (Canada) देश विश्व में सर्वाधिक अखबारी कागज उत्पादित करने वाला देश है।
- उत्तरी अमेरिका का मैक्सिको (Mexico) देश विश्व में सर्वाधिक चांदी उत्खनित (Silver) करने वाला देश है।

## दक्षिण अमेरिका (South America)

- दक्षिण अमेरिका (क्षेत्रफल की दृष्टि से) विश्व का चौथा बड़ा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल 17,840,000 (11.8%) है। इस महाद्वीप में लगभग 15 देश स्थित हैं। इस महाद्वीप का सबसे बड़ा देश ब्राजील है।
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप पृथ्वी के पश्चिमी एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है। इसके उत्तर की ओर उत्तरी अमेरिका महाद्वीप है। पश्चिम में यह प्रशांत महासागर, उत्तर तथा पूर्व में अटलांटिक महासागर एवं उत्तर-पश्चिम में उत्तरी अमेरिका एवं भूमध्य सागर से घिरा है।
- दक्षिण अमेरिका में एंडीज (पर्वतमाला) विश्व की सबसे लंबी पर्वतमाला है। यह पर्वतमाला प्रशांत महासागर के साथ-साथ उत्तर से दक्षिण की ओर 6,440 किलोमीटर तक फैली हुई है। एकांकागुआ इसकी सबसे ऊंची चोटी है।
- दक्षिण अमेरिका की (ब्राजील में बहने वाली) अमेजन नदी (अपवाह की दृष्टि से) विश्व की सबसे बड़ी नदी है। इसका अपवाह क्षेत्र लगभग 70,80,000 वर्ग किलोमीटर है। यह नदी विश्व की दूसरी सबसे लंबी नदी (नील नदी के बाद) भी है।
- दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला देश में स्थित 'एंजिल जलप्रपात' विश्व का सबसे ऊंचा जलप्रपात है।

### दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के प्रमुख देश (एक दृष्टि में)

- ब्राजील, अर्जेंटीना, वेनेजुएला, चिली, पैराग्वे, उरुग्वे, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद व टोबैगो। इसके अतिरिक्त एनडियन देश हैं; जैसे—कोलंबिया, बोलीविया, पेरू व इक्वाडोर।



## 140 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- दक्षिण अमेरिका में चिली-अर्जेन्टाइना सीमा पर विश्व का सबसे ऊंचा ज्वालामुखी 'ओजोस डेल सोलाडो' (लगभग 6,918 मीटर) स्थित है।
- दक्षिण अमेरिका में मुख्यतया: तीन प्रजाति के लोग पाए जाते हैं— मंगोलायड, काकेशायड एवं निग्रिटो। यहां सर्वप्रथम मंगोलायड प्रजाति के लोग आए।
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का 40% भाग वनाच्छादित है, जो सभी महाद्वीपों में सर्वाधिक है।
- दक्षिण अमेरिका की मुख्य भाषाएं स्पेनी, पुर्तगाली, फ्रेंच एवं अंग्रेजी हैं। इस महाद्वीप के लगभग 10 देशों की आधिकारिक भाषा स्पेनिश/स्पेनी (Spanish) है।
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का सबसे अधिक कृषिप्रधान देश अर्जेन्टीना है। दक्षिण अमेरिका के अर्जेन्टीना में विस्तृत घास के मैदानों को 'पेम्पाज' कहते हैं।
- दक्षिण अमेरिका में अर्जेन्टीना सर्वाधिक सूरजमुखी (के बीज) उत्पादित करने वाला देश है, जबकि दक्षिण अमेरिका में ब्राजील सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादक देश है। इसका विश्व में द्वितीय स्थान है।
- दक्षिण अमेरिका का ब्राजील (Brazil) देश विश्व में सर्वाधिक कॉफी (Coffee) उत्पादित करने वाला देश है। विश्व का सर्वाधिक 'कहवा' उत्पादन करने वाला देश ब्राजील है। विश्व का 'कहवा का पत्तन' सैटोस है, जबकि 'विश्व कहवा मंडी' साओपाओ है।
- दक्षिण अमेरिका के स्थलअवरूद्ध (Land Locked) देश बोलीविया एवं पराग्वे हैं।
- दक्षिण अमेरिका का उच्चतम बिंदु 'अकानुकगआना' जबकि निम्नतम 'वटल्डेस' है। इस महाद्वीप का शुष्कतम भाग चिली में स्थित है। अटाकापा का मरूस्थल द. अमेरिका महाद्वीप में स्थित है।

## ऑस्ट्रेलिया (Australia)

- ऑस्ट्रेलिया (Australia) शब्द की उत्पत्ति 'आस्ट्रल' से हुई है, जिसका अर्थ है, 'दक्षिण'। ऑस्ट्रेलिया की खोज का श्रेय एबेल तस्मान एवं जेम्स कुक (सन् 1769) को जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को 'प्यासी भूमि का महाद्वीप' भी कहा जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया (क्षेत्रफल की दृष्टि से) सबसे छोटा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल मात्र 7,60,000 वर्ग कि.मी है।

विश्व के महाद्वीपों के उच्चतम एवं निम्नतम बिंदु (एक दृष्टि में)

महाद्वीप	उच्चतम बिंदु	निम्नतम बिंदु
एशिया	माउंट एवरेस्ट	मृत सागर
अफ्रीका	किलीमंजारो	असाई झील

Contd...

यूरोप	एल्बुर्ज	कैस्पियन सागर
उ. अमेरिका	मैकिनली	मृत सागर
द. अमेरिका	एकाकागुआ	वाल्डेस पेनिन
ऑस्ट्रेलिया	कोसिस्कु	ईरी झील
अंटार्कटिका	विसंन मैसिफ	-

- ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और आस-पास के द्वीपों को सम्मिलित रूप से 'ओसीनिया' कहा जाता है, इन्हें 'आस्ट्रेलेशिया' भी कहते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया में विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति (मूंगे की चट्टानों की बड़ी दीवार) पाई जाती है, जो 'ग्रेट बैरियर रीफ' कहलाती है। विश्व प्रसिद्ध इस प्रवाल भित्ति की लंबाई 1900 कि.मी. है।
- ऑस्ट्रेलिया की 97% जनसंख्या 3% भू-भाग पर निवास करती है।
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में जन्म दर तथा मृत्यु दर सबसे कम है।
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में सबसे कम देश स्थित हैं। यहां मानव की तुलना में भेड़ों की संख्या अधिक है।
- ऑस्ट्रेलिया विश्व में सर्वाधिक बॉक्साइट और सीसा अयस्क उत्खनित करने वाला देश है।





# विश्व के देश

## (Countries of the World)

### विश्व के देश

- विश्व में वर्तमान में (वर्ष 2016 तक) कुल 264 देश (CIA=World fact book, 2016 के अनुसार) हैं। इनमें से 193 देश (संप्रभु देश) संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के सदस्य हैं।
- विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन (Peoples Republic of China) है। विश्व में चीन ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसकी सीमाएं समीपवर्ती 14 देशों से मिलती हैं।
- विश्व में (क्षेत्रफल की दृष्टि से) सबसे बड़ा देश रूस (Russia) है। रूस का क्षेत्रफल 17,07,5,200 वर्ग कि.मी. है।
- विश्व में लगभग 44 ऐसे देश हैं, जो चारों तरफ/ओर से स्थलीय सीमाओं से घिरे हुए हैं। ऐसे देशों को स्थलरुद्ध देश (Landlocked Countries) कहते हैं। विश्व का सबसे बड़ा स्थलरुद्ध देश कजाकिस्तान है।
- विश्व में लगभग 99 देश द्वीपीय हैं, जिनकी सीमाएं अन्य किसी देश से नहीं मिलती हैं।
- वेटिकन सिटी (रोम स्थित) क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का सबसे छोटा देश (स्वतंत्र देश) है।
- विश्व में मानव विकास की दृष्टि से नार्वे (Norway) का स्थान (यू.एन.डी.पी. की रिपोर्ट के अनुसार) प्रथम है।
- विश्व का सबसे बड़ा नगर (क्षेत्रफल की दृष्टि से) लंदन है।
- 'बेनेलक्स' (BENELUX: Be→Belgium; Ne→Netherlands; Lux→Luxemburg) देशों में सम्मिलित तीन देश क्रमशः बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग हैं।

- 'स्कैंडिनेविया' (Scandinavian) में स्वीडन (Sweden), नार्वे (Norway), फिनलैंड (Finland) आदि देश सम्मिलित हैं।
- सर्बिया-माण्टेनिग्रो (पूर्व यूगोस्लाविया), रूमानिया एवं अल्बानिया देशों को सम्मिलित रूप से 'बाल्कन' देश कहा जाता है।
- एस्तोनिया, लातविया और लिथुआनिया को 'बाल्टिक गणराज्यों' के नाम से जाना जाता है।
- अर्जेंटीना (Argentina), ब्राजील (Brazil) एवं चिली (Chile) विश्व के ऐसे तीन राष्ट्र/देश हैं, जो एक साथ एक ही महाद्वीप (दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप) में स्थित हैं और जिनके नाम के प्रथम अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला के 'ए' 'बी' 'सी' से प्रारंभ होते हैं। इन्हें 'एबीसी के देशों' (ABC Countries) के नाम से भी जाना जाता है।
- 'अफ्रीका हार्न' (अफ्रीका शृंग) में चार देश— जिबूती, इथियोपिया, सोमालिया एवं इरीट्रिया आते हैं।
- विश्व में 29% (14,89,52,000 वर्ग कि.मी.) स्थल और 71% (36,11,50,500 वर्ग कि.मी.) जल भाग है।
- 'क्यूबा' (CUBA) विश्व का एकमात्र ऐसा राष्ट्र है, जिसके चार अक्षरीय (राष्ट्र के) नाम में अंग्रेजी वर्णमाला के प्रथम तीन अक्षर आते हैं।
- कनाडा (Canada) एक इंडियन शब्द है, जिसका अर्थ 'बड़ा गांव' (Big Village) होता है।
- दक्षिण अमेरिका के देश 'इक्वाडोर' (Ecuador) का यह नाम भूमध्य रेखा (इक्वाडोर) के इस देश से गुजरने के कारण पड़ा।

विश्व के 8 सबसे बड़े देश (क्षेत्रफल के अनुसार)			विश्व के 8 सबसे छोटे देश (क्षेत्रफल के अनुसार)		
क्रम सं.	देश	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	क्रम सं.	देश	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
1.	रूस	1,70,75,000	1.	वेटिकन सिटी	0.44
2.	कनाडा	99,76,139	2.	मोनाको	1.95
3.	चीन	95,61,000	3.	नौरू	21.2
4.	सं. रा. अमेरिका	93,72,614	4.	तुवालु	26
5.	ब्राजील	85,11,965	5.	सैन मैरीलो	61
6.	आस्ट्रेलिया	76,82,300	6.	लीचेन्सटीन	160
7.	भारत	32,87,263	7.	मार्शल आइलैंड	182
8.	अर्जेंटीना	27,76,654	8.	सेशल्स	271

144 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- लीबिया (Libya) विश्व का एकमात्र ऐसा देश है, जिसका राष्ट्रीय झंडा (National Flag) एकरंगा (एक ही रंग) है, जबकि नेपाल (Nepal) देश को छोड़कर विश्व के सभी देशों के राष्ट्रीय झंडे आयताकार (Rectangular) हैं।
- विश्व में जापान (Japan) का राष्ट्रीय गीत (National) सबसे छोटा (मात्र 4 लाइनों का) है, जबकि सबसे लंबा राष्ट्रीय गीत ग्रीस (Greece) देश का है।
- बोलीविया (Bolivia) राष्ट्र की राजधानी 'लापाज' विश्व की सबसे ऊँचाई पर स्थित (समुद्र तल से 3,659 मीटर ऊँची) राजधानी (Capital) है।
- दक्षिण कोरिया (South Korea) विश्व की सबसे हेलीपोर्ट राजधानी है।
- विश्व का सबसे लंबा रेलमार्ग ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग (लगभग 9,440 कि.मी.) है, जो मास्को (रूस) से मारवोउका तक जाता है। इसमें लगभग 98 स्टेशन हैं और यात्रा 8 दिन 4 घण्टे में पूरी होती है। यही मार्ग मास्को से लेनिनग्राद तक भी है।
- विश्व में सड़कों एवं रेलमार्गों की सर्वाधिक लंबाई वाला देश संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) है, जबकि विश्व में सर्वाधिक ऊँचाई पर बना रेलमार्ग चिली (Chile) देश में है।

विश्व के 8 सबसे बड़े देश (सन् 2011 की जनसंख्या के अनुसार)			विश्व के 8 सबसे छोटे देश (सन् 2011 की जनसंख्या के अनुसार)		
क्रम सं.	देश	जनसंख्या	क्रम सं.	देश	जनसंख्या
1.	चीन	1,327,951,970	1.	वेटिकन सिटी	921
2.	भारत	1,210,193,424	2.	तुवालु	11,740
3.	सं. रा. अमेरिका	3,04,446,000	3.	नौरू	13,050
4.	इंडोनेशिया	1,86,486,887	4.	पलाऊ	20,350
5.	ब्राजील	1,86,758,708	5.	सैन मरीनो	28,890
6.	पाकिस्तान	1,69,300,200	6.	मोनाको	32,410
7.	बांग्लादेश	1,44,420,300	7.	लिचेंस्टीन	33,725
8.	रूस	1,43,420,200	8.	सेंट किट्स व नेविस	38,925

- चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष्वक्र के आधार पर लगातार 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग जानवरों के आधार पर होता है।
- आधुनिक साम्यवादी चीन (China) की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ 1 अक्टूबर, 2009 में मनाई गई। वर्ष 1949 में चीन में साम्यवादी क्रांति के बाद चीन का

नाम बदलकर 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' रखा गया।

- ब्रिटेन (UK) से (लगभग 100 वर्षों के पश्चात्) 1 जुलाई, 1997 को हांगकांग (Hong Kong) की चीन को वापसी हुई।
- वर्ष 1993 में चेकोस्लोवाकिया के विघटन के परिणामस्वरूप चेक गणराज्य (Czech Republic) तथा 'स्लोवाकिया' (Slovakia) दो अलग-अलग राष्ट्र बने।
- वर्ष 2006 में मोंटेनेग्रो के द्वारा स्वतंत्र व संप्रभु राष्ट्र बन जाने के बाद अब यूगोस्लाविया में केवल सर्बिया ही शेष है। वर्ष 2008 में कोसावो (Kosovo) ने भी सर्बिया से अलग होकर स्वयं को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया।

विश्व के कुछ नवीन देश		
क्रम सं.	देश	निर्माण तिथि/वर्ष
1.	दक्षिण सूडान	11 जुलाई, 2011
2.	मोंटेनेग्रो	जुलाई 2006
3.	सर्बिया	जुलाई 2006
4.	पूर्वी तिमोर	2002
5.	पलाऊ	1994
6.	चेक गणराज्य	1993

- विश्व में पूर्वी तिमोर (ईस्ट तिमोर) राष्ट्र की राजधानी (भारत की राजधानी दिल्ली से मिलती-जुलती) 'दिली' (DILI) है।
- भारत के अतिरिक्त विश्व में कोरिया गणतंत्र (S. Korea Republic) का स्वतंत्रता दिवस भी 15 अगस्त को होता है।
- विश्व में सबसे अधिक आयात एवं सबसे अधिक निर्यात (मूल्य की दृष्टि से) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) द्वारा होता है।
- ग्रीनलैंड (Greenland) राजनीतिक दृष्टि से अमेरिका (America) में तथा भौगोलिक दृष्टि से यूरोप (Europe) में स्थित है।

विश्व में सर्वाधिक/सबसे कम	
विश्व का सबसे बड़ा द्वीप	ग्रीनलैंड
विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप	एशिया
विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप	ऑस्ट्रेलिया
विश्व का सबसे बड़ा देश (जनसंख्या की दृष्टि से)	चीन

विश्व का सबसे छोटा देश (जनसंख्या की दृष्टि से)	रूस
विश्व का सबसे छोटा देश (जनसंख्या/क्षेत्रफल की दृष्टि से)	वेटिकन सिटी
विश्व की सबसे ऊंची पर्वतीय चोटी	माउंट एवरेस्ट (नेपाल)
सबसे बड़ी खाड़ी	मैक्सिको की खाड़ी
सबसे बड़ा सागर	दक्षिण चीन सागर
सबसे बड़ा महासागर	प्रशांत महासागर
बड़ा मरुस्थलीय क्षेत्र	सहारा (अफ्रीका)
सबसे लंबी रेल लाइन	ट्रांस-साइबेरियन लाइन
विश्व का सबसे ठंडा स्थान	वोस्तोक, अंटार्कटिका
विश्व का सबसे गर्म स्थान	अजीजिया (लीबिया)
विश्व का सबसे व्यस्त बंदरगाह	रॉटरडम यूरोपोर्ट (नीदरलैंड)
विश्व का सबसे बड़ा समुद्रीय बंदरगाह	न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी बंदरगाह
विश्व का सबसे ऊंचा टॉवर	सी. एन टॉवर (टोरंटो, कनाडा)
विश्व की सबसे लंबी दीवार	चीन की दीवार
सबसे बड़ा हवाई अड्डा	किंग खालिद हवाई अड्डा (रियाद, सऊदी)
विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम	स्ट्राहोव (चेक रिपब्लिक)
विश्व का प्रथम क्लोन मानव शिशु	ईव
विश्व में कागज का आविष्कार करने वाला देश	चीन (105 ई.)

- आयरिश गणराज्य और उत्तरी आयरलैंड (North Ireland) को 'एमराल्ड द्वीप' के नाम से पुकारा जाता है, क्योंकि यहां 'घासो की अधिकता' है।
- यूक्रेन (Ukraine) गणराज्य विश्व का प्रमुख गेहूं उत्पादक क्षेत्र 'विश्व का अन्न भंडार' या 'रोटी की डलिया' (Bread Basket of the World) कहलाता है।
- रोम (Rome, Italy) को 'सात पहाड़ियों का शहर (City of Seven Hills) के उपनाम से जाना जाता है। रोम की सात पहाड़ियों के नाम क्रमशः पेलेटइन, केपीटोलाइन, क्वीटीनल, विमिनल, एस्क्वीलाइन, केईलिइन और एवेन्टाइन हैं। इनमें से पेलेटाइन पहाड़ी पर ही प्राचीन रोम बसा हुआ है।
- नार्वे (Norway) को 'मध्यरात्रि के सूर्य का देश' (Land of Midnight Sun) कहा जाता है।
- फिनलैंड (Finland) को 'हजारों मीलों की भूमि का देश' कहा जाता है।

- नीदरलैंड्स (Netherlands) को 'लैंड ऑफ विंड मिल्स' (पवन चक्कियों की भूमि) के नाम से जाना जाता है।
- जापान (Japan) को 'लैंड ऑफ राइजिंग सन' (Land of Rising Sun) के नाम से जाना जाता है।
- स्विट्जरलैंड (Switzerland) को 'प्लेग्राउंड ऑफ यूरोप' (Playground of Europe) कहा जाता है।
- 'सिकमैन ऑफ यूरोप' (Sick man of Europe) तुर्की/टर्की को कहा जाता है।
- विश्व के अधिकांश गरीब लोग अफ्रीकी देशों में रहते हैं। विश्व में सोमालिया सबसे गरीब देश (वर्ष 2012 के आंकड़ों के अनुसार) है, जबकि यूरोप का लक्जमबर्ग (Luxembourg) देश विश्व में सबसे धनी देश है।
- विश्व का सबसे बड़ा द्वीपीय देश (क्षेत्रफलानुसार) इंडोनेशिया है, जबकि विश्व का सबसे बड़ा द्वीप (Island) ग्रीनलैंड है, जो डेनमार्क के अधिकार क्षेत्र में है।
- संयुक्त राज्य अमीरात (UAE) में कुल सात शेख राज्य/अमीरात (Emirates) हैं।
- अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस 4 जुलाई को मनाया जाता है। इसी दिन 4 जुलाई, 1776 को (ग्रेट ब्रिटेन से) सं. रा. अमेरिका की 'स्वतंत्रता की घोषणा' (Declaration of Independence) की गई थी। प्रारंभ में अमेरिका के मात्र 13 राज्य थे। वर्तमान में अमेरिका (USA) के 50 राज्य हैं।

विश्व के प्रमुख देशों के बदले हुए नाम			
पुराना नाम	नया नाम	पुराना नाम	नया नाम
मेसोपोटामिया	इराक	फ्रांसीसी इंडो चीन (1949)	वियतनाम
पर्शिया (फारस)	ईरान	फार्मोसा (1949)	ताइवान
आटोमन साम्राज्य	तुर्की (टर्की)	डच ईस्ट इंडीज (1949)	इंडोनेशिया
किंगडम ऑफ हेजाज नजद	सऊदी अरब	सिलोन (1972)	श्रीलंका
अबीसीनिया (1941)	इथियोपिया	बर्मा (1989)	म्यांमार
उत्तरी/नॉदर्न रोडेशिया	जांबिया	डच गुयाना	सूरीनाम
दक्षिणी रोडेशिया (1980)	जिम्बाबे	एलिस आइलैंड	तुवालु
गोल्ड कोस्ट (1957)	घाना	हॉलैंड	नीदरलैंड्स
न्यासालैंड (1964)	मलावी		

विश्व के प्रमुख शहरों के बदले हुए नाम			
1. अंगोरा	अंकारा	6. स्टालिनग्राड	वोल्गोग्राड
2. बटाविया	जकार्ता	7. सलिसबर्ग	हरारे
3. क्रिस्टीना	ओस्लो	8. कलकत्ता	कोलकाता



4. पेकिंग	बीजिंग	9. बंबई	मुंबई
5. पेट्रोगार्ड (सेंट पिट्सबर्ग)	लेनिनग्राद	10. मद्रास	चेन्नई

- वर्तमान इराक (Iraq) को पहले मेसोपोटामिया के नाम से जाना जाता था, जबकि ईरान (Iran) को पर्शिया (फारस) के नाम से जाना जाता था।
- विश्व में बांग्लादेश सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व एवं ग्रीनलैंड सबसे कम जनसंख्या वाला देश है।
- विश्व में (वर्ष 2015 तक) जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा महानगर (Metropolitan) शंघाई (चीन) है, जबकि विश्व में दक्षिण कोरिया में 'सिओल-इन्चीन-सियोगनाम' सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र है।
- विश्व में सर्वाधिक लंबी समुद्र तटीय सीमा वाला देश कनाडा (Canada) है, जिसकी तटीय सीमा की लंबाई 2,02,080 कि.मी. है एवं विश्व में सर्वाधिक लंबी स्थलीय सीमा वाला देश चीन (China) है, जिसकी स्थलीय सीमा की लंबाई लगभग 22,147 कि.मी. है।
- विश्व में दक्षिणी सूडान (South Sudan) सबसे युवा (या) नवीन राष्ट्र/देश है। यह वर्ष 2011 में अस्तित्व में आया। इसे यू. एन. ओ. (UNO) का 193वां नवीनतम सदस्य (वर्ष 2011 में) बनाया गया है।
- वर्ष 2012 में यू. एन. ओ. (UNO) की महासभा ने फिलीस्तीन (Palestine) को गैर-सदस्यीय पर्यवेक्षक राष्ट्र (Non-Member Observer State) का दर्जा प्रदान किया है। इससे पूर्व वेटिकन सिटी को भी यह दर्जा प्राप्त है।
- यू. एन. ओ. (UNO) में गैर सदस्य पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त फिलीस्तीन का ध्वज (Flag) सितंबर 2015 में यू. एन. मुख्यालय में फहराए जाने वाले ध्वजों में शामिल किया गया है।
- 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड' के एक भाग के रूप में ब्रिटेन (UK) के साथ ही बने रहने (या) उससे अलग होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित करने के मुद्दे पर एक ऐतिहासिक जनमत संग्रह 18 सितंबर, 2014 को स्कॉटलैंड में कराया गया, जिसमें स्कॉटिश जनता ने ब्रिटेन से अलग होने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।
- स्कॉटलैंड वर्ष 1707 से ही (लगभग 307 वर्षों से) इंग्लैंड के साथ मिलकर ग्रेट ब्रिटेन (UK) का हिस्सा बना हुआ है। बाद में वर्ष 1801 में आयरलैंड के भी इसके साथ मिल जाने से 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन ऑफ आयरलैंड' अस्तित्व में आया था।

- चेक रिपब्लिक के विट जेडलिका ने लिबरलैंड (Liberland) के नाम से एक नया देश बनाने की घोषणा 13 अप्रैल, 2015 को की। यह एक प्रकार का स्वघोषित देश है। इस देश का आधिकारिक नाम 'फ्री रिपब्लिक ऑफ लिबरलैंड' है। इसका क्षेत्रफल मात्र 7 स्क्वायर कि.मी. है।
- ब्रिटेन के उपनिवेशवादी निशान से मुक्ति के लिए न्यूजीलैंड (New Zealand) में राष्ट्रीय ध्वज (Flag) में परिवर्तन हेतु वर्ष 2016 में जनमत संग्रह कराया गया। इस ध्वज के एक कोने में ब्रिटेन का यूनियन जैक अंकित है।







### भाग 3: भारतीय राजनीति एवं अभिशासन

13. भारतीय संविधान और राजनीति
14. प्रशासन
15. पंचायती राज
16. मूल अधिकार
17. अंतर्राष्ट्रीय संगठन





# भारतीय संविधान और राजनीति (Indian Constitution and Polity)

## संविधान सभा (Constitutional Assembly)

- संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission) योजना के तहत अप्रत्यक्ष रूप से राज्यों की विधानसभाओं द्वारा नवंबर 1946 में किया गया था।
- (प्रारंभ में) संविधान सभा में कुल 389 सदस्य थे, जिनमें 292 प्रांतों से तथा 93 देशी रियासतों से चुने गए थे तथा 4 कमिश्नरी क्षेत्रों से थे।
- प्रत्येक प्रांत और देशी रियासत को अपनी जनसंख्या के अनुपात में स्थान आवंटित किए गए थे।
- 10 लाख की जनसंख्या के लिए स्थान का अनुपात रखा गया था तथा प्रत्येक प्रांत के स्थानों की जनसंख्या के अनुपात में तीन प्रमुख संप्रदायों मुस्लिम, सिख व साधारण में बांटा गया था।
- प्रांतीय विधानसभा में प्रत्येक समुदाय के सदस्यों ने एकल संक्रमणीय पद्धति से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के अनुसार अपने प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया।
- देशी रियासतों से चयन की पद्धति परामर्श से तय की गई।

## भारत का संवैधानिक विकास (Constitutional Development)

### (एक दृष्टि में)

कंपनी के अंतर्गत	ब्रिटिश क्राउन के अंतर्गत
• रेगुलेंटिंग ऐक्ट, 1773	• गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1858
• पिट्स इंडियन ऐक्ट, 1784	• इंडियन काउंसिल ऐक्ट, 1861
• चार्टर ऐक्ट, 1793	• इंडियन काउंसिल ऐक्ट, 1892
• चार्टर ऐक्ट, 1813	• गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1909

Contd...

• चार्टर ऐक्ट, 1833	• गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1919
• चार्टर ऐक्ट, 1853	• गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1935
	• क्रिप्स प्रस्ताव, 1942
	• कैबिनेट मिशन, 1946
	• माउंटबेटन प्लान, 1947
	• इंडिया इंडिपेंडेंस ऐक्ट, 1947

## पाकिस्तान हेतु पृथक् संविधान सभा

- विभाजन (अगस्त 1947) के फलस्वरूप जो संविधान सभा पूर्व में अविभाजित भारत के लिए गठित की गई थी, उसमें से कुछ सदस्य (लगभग 90) कम हो गए।
- 3 जून, 1947 की योजना के अधीन पाकिस्तान के लिए पृथक् संविधान सभा का गठन किया गया। बंगाल, पंजाब, सिंध, NWFP और असम के सिलचर जिले (जो जनमत संग्रह द्वारा पाकिस्तान में सम्मिलित हुए) के प्रतिनिधि भारत की संविधान सभा के सदस्य नहीं रहे।
- पश्चिम बंगाल तथा पूर्वी पंजाब के प्रांतों में नए निर्वाचन कराए गए, जिसके फलस्वरूप 31 अक्टूबर, 1947 को सभा की सदस्यता घटकर (389 से) 299 रह गई।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई थी।
- प्रथम बैठक की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी।
- (इसके 2 दिन बाद ही) 11 दिसंबर, 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- प्रथम बैठक वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष (Central Hall) में हुई थी।
- श्री बी. एन. राव को संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार पद (Constitutional Advisor) पर नियुक्त किया गया था।
- डॉ. अम्बेडकर को 'संविधान का पिता' (Father of the Constitution) कहा जाता है। वह संविधान की प्रमुख प्रारूप/ड्राफ्ट समिति के अध्यक्ष थे। इसी समिति ने संविधान को फाइनल कराया था।
- भारतीय संविधान को विश्व का सबसे बड़ा संविधान (Worlds Largest Constitution) कहा जाता है।
- संसार का प्रथम लिखित संविधान (Written Constitution) सं. रा. अमेरिका का संविधान माना जाता है।

## प्रस्तावना (Preamble)

- भारतीय संविधान में प्रस्तावना (उद्देशिका) (Preamble) के अतिरिक्त (मूल संविधान में) 395 अनुच्छेद तथा 8 अनुसूचियां थीं जो वर्तमान में संविधान में अनुच्छेद 395 ही हैं जबकि अनुसूचियां बढ़कर (Schedules) 12 हो गई हैं।

- 13 दिसंबर, 1946 को पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के उद्देश्य का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिससे संविधान सभा निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ।
- संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) में संविधान के ध्येय और उसके आदर्शों का संक्षिप्त वर्णन है।
- केशवानंद भारती केस (1973 में) प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग माना गया था।
- उद्देशिका की प्रथम पक्ति 'हम भारत के लोग ...' इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।
- 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा प्रस्तावना में 'समाजवाद' 'पंथ-निरपेक्ष' तथा 'अखंडता' जोड़ा गया है।
- संविधान सभा को भारतीय संविधान का निर्माण करने में कुल समय 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन लगा।
- संविधान सभा के सभापति तथा (299 सदस्यों में से) कुल 284 सदस्यों ने 29 नवंबर, 1949 को संविधान पर हस्ताक्षर किए।
- 26 नवंबर, को 'विधि दिवस' के रूप में घोषित किया गया। इसी दिन संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार (Adopt) किया था।

### संविधान सभा की प्रमुख समितियां एवं उनके अध्यक्ष (Committees)

प्रारूप समिति	-	डॉ. अंबेडकर
संघ संविधान समिति	-	पं. नेहरू
संचालन समिति	-	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
प्रांतीय विधान समिति	-	सरदार पटेल
झंडा समिति	-	जे. वी. कृपलानी
कार्य संचालन समिति	-	के. एम. मुंशी
मूल अधिकार व अल्पसंख्यक समिति	-	सरदार पटेल

- नागरिकता, निर्वाचन एवं अंतरिम संसद से संबंधित उपबंध को तथा अस्थायी एवं संक्रमण उपबंधों को 26 नवंबर, 1949 से ही प्रभावी किया गया। संपूर्ण संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। 26 जनवरी, 1950 को भारत को गणतंत्र (Republic) घोषित किया गया।

### संविधान के भाग ( एक दृष्टि में )

भाग	विषय	अनुच्छेद
भाग I	संघ और उसके राज्यक्षेत्र	अनुच्छेद 1-4
भाग II	नागरिकता	अनुच्छेद 5-11
भाग III	मौलिक अधिकार	अनुच्छेद 12-35
भाग IV	राज्य के नीति-निदेशक तत्व	अनुच्छेद 36-51
भाग IV क	मूल कर्तव्य अनुच्छेद 51(क)	



भाग	विषय	अनुच्छेद
भाग V	संघ	अनुच्छेद 52-151
भाग VI	राज्य	अनुच्छेद 152-237
भाग VII	[सातवें संशोधन द्वारा 1956 में समाप्त]	
भाग VIII	केंद्रशासित प्रदेशों का शासन	अनुच्छेद 238
भाग IX	पंचायतें	अनुच्छेद 243 (क-ण तक)
भाग IX क	नगरपालिकाएं	अनुच्छेद 243 (त-छ तक)
भाग X	अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र	अनुच्छेद 244-244 क
भाग XI	केंद्र व राज्यों के बीच संबंध	अनुच्छेद 245 से 263 तक
भाग XII	वित्त, संपत्ति एवं वाद	अनुच्छेद 264 से 300 तक
भाग XIII	भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर	अनुच्छेद 301 से 307 तक
भाग XIV	संघ तथा राज्यों के अधीन सेवाएँ	अनुच्छेद 308 से 323 तक
भाग XV	निर्वाचन	अनुच्छेद 324 से 329 तक
भाग XVI	कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध	अनुच्छेद 330 से 342 तक
भाग XVII	राजभाषा	अनुच्छेद 343 से 351 तक
भाग XVIII	आपात उपबंध	अनुच्छेद 352 से 360 तक
भाग XIX	प्रकीर्ण	अनुच्छेद 361 से 367 तक
भाग XX	संशोधन	अनुच्छेद 368
भाग XXI	अस्थायी, संक्रमणकालीन	उपबंध अनुच्छेद 369 से 392 तक
भाग-XXII	संक्षिप्त नाम, प्रारंभ हिंदी में प्राधिकृत पाठ व निरसन	अनुच्छेद 393 से 395 तक

## मूल संविधान और भारतीय राज्य

मूल संविधान में राज्यों का विभाजन 4 प्रकार से था— 'क' 'ख' 'ग' एवं 'घ' राज्य

भाग 'क' राज्य	बिहार, असम, बंबई (मुंबई), मध्य प्रदेश, मद्रास (चेन्नई), उड़ीसा (ओडिशा), पंजाब, मध्य प्रांत एवं पश्चिम बंगाल सम्मिलित थे (कुल 9)।
भाग 'ख' राज्य	जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद, मध्य भारत, मैसूर, पटियाला एवं पूर्वी पंजाब शामिल थे (कुल 5)।
भाग 'ग' राज्य	भोपाल, अजमेर, कूच बिहार, विलासपुर एवं कुर्ग इत्यादि (कुल 5)
भाग 'घ' राज्य	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह। (1)

## राज्यों का पुनर्गठन

- वर्ष 1956 में राज्यों का पुनर्गठन किया गया (भाषा के आधार पर), जिसके फलस्वरूप देश 14 राज्यों एवं 6 केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित हुआ।

- राज्यों के पुनर्गठन के बाद (1956) भाषा के आधार पर बनने वाले
- ( 14 ) राज्य थे
  - आंध्र प्रदेश, • असम, • बिहार, • बंबई (मुंबई)
  - जम्मू-कश्मीर • मध्य प्रदेश • मैसूर • तमिलनाडु
  - उड़ीसा (ओडिशा) • आंध्र प्रदेश • पंजाब • राजस्थान
  - उत्तर प्रदेश एवं प. बंगाल • केरल
- ( 6 ) केन्द्रशासित क्षेत्र थे
  - दिल्ली, • मणिपुर, • त्रिपुरा, • हिमाचल प्रदेश,
  - लक्षद्वीप, • मिनीकोई व अमीनदिवी द्वीप तथा
  - अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह।

### 1956 के उपरांत गठित राज्य

- महाराष्ट्र तथा गुजरात (1960)
- पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश (1966)
- त्रिपुरा एवं मणिपुर (1970)
- मिजोरम (1986)
- गोवा (1987)
- छत्तीसगढ़, झारखंड एवं उत्तराखंड (2000)
- तेलंगाना (2014)
- नागालैंड 1963
- मेघालय (1969)
- सिक्किम (1975)
- अरुणाचल प्रदेश (1987)

## जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019

- ❖ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को संघीय क्षेत्र बना दिया गया है। जम्मू-कश्मीर में विधान सभा रहेगी और लद्दाख में विधान सभा नहीं होगी।
- ❖ राष्ट्रपति ने जो अधिसूचना जारी की है उसके अनुसार संविधान के सभी प्रावधान उनके संशोधनों, अपवादों एवं परिवर्तनों के साथ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लागू हो गये हैं।
- ❖ जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 में उपराज्यपाल को व्यापक शक्तियाँ दी गई हैं और मुख्यमंत्री पर यह दायित्व दिया गया है कि वह सभी प्रशासनिक निर्णयों और कानून से सम्बंधित प्रस्तावों से उपराज्यपाल को अनिवार्य रूप से अवगत कराएगा।
- ❖ सभी केन्द्रीय कानूनों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर राज्य के कानून अब नए संघीय क्षेत्रों पर लागू होंगे।
- ❖ जम्मू कश्मीर (J&K) एवं लद्दाख की सम्पत्तियों और दायित्वों का बँटवारा एक केन्द्रीय समिति के सुझाव के अनुसार एक वर्ष में कर दिया जाएगा।
- ❖ राज्य लोक उपक्रमों तथा स्वायत्त निकायों में काम करने वाले कर्मचारी अगले एक वर्ष तक अपने पदों पर बने रहेंगे जब तक उनके विषय में नया निर्णय नहीं लिया जाएगा।

- ❖ दोनों संघीय क्षेत्रों की पुलिस और विधि व्यवस्था केंद्र के हाथ में होगी।
- ❖ धारा 370 के उपवाक्य (3) के परन्तुक (proviso) में वर्णित शब्दावली “संविधान सभा” को सुधारकर अब उसे “विधान सभा” कर दिया गया है।

### जम्मू-कश्मीर संघीय विधायी शक्तियाँ

1. विधि व्यवस्था और पुलिस को छोड़कर राज्य सूची में वर्णित सभी विषयों पर जम्मू-कश्मीर की विधान सभा संघीय क्षेत्र के पूरे भू-भाग के लिए अथवा उसके किसी अंश के लिए कानून बना सकती है।
2. यदि संसद द्वारा और विधान सभा द्वारा बनाए गये कानूनों में यदि कोई विसंगति है तो संसद का कानून माना जाएगा और विधान सभा का कानून निरस्त हो जाएगा।
3. मुख्यमंत्री का यह काम होगा कि वह मंत्रिमंडल द्वारा संघीय क्षेत्र के प्रशासन से सम्बंधित लिए गये निर्णयों और कानून बनाने के प्रस्तावों को उपराज्यपाल को बताएगा और अन्य ऐसी सूचनाएँ उपलब्ध कराएगा जिन्हें उपराज्यपाल चाहे।

### उपराज्यपाल की भूमिका एवं शक्तियाँ

- ❖ संविधान की धारा 239 के अंतर्गत राष्ट्रपति जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में उपराज्यपाल (Lieutenant Governor – LG) की नियुक्ति करेगा।
- ❖ जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 में प्रावधान है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों संघीय क्षेत्रों के लिए एक ही उपराज्यपाल होगा।
- ❖ लद्दाख में विधान सभा नहीं होगी, इसलिए वहाँ केंद्र उपराज्यपाल की सहायता के लिए परामर्शियों की नियुक्ति करेगा।
- ❖ जहाँ तक जम्मू-कश्मीर संघीय क्षेत्र की बात है वहाँ का उपराज्यपाल अखिल भारतीय सेवाओं एवं भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो से सम्बद्ध मामलों के साथ-साथ उन सभी विषयों पर अपने विवेक के अनुसार काम करेगा जो विधान सभा के क्षेत्राधिकार के बाहर आते हैं।
- ❖ उपराज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करेगा और मुख्यमंत्री के सहयोग से अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करेगा। उपराज्यपाल ही मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएगा।
- ❖ उपराज्यपाल को यह शक्ति होगी कि वह आदेश निकाले जो उतना ही प्रभावी होगा जितना कि विधान सभा द्वारा पारित कोई अधिनियम।

### प्रभाव

- ❖ जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 का सदन में उपस्थापित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि 1954 के आदेश के दिन लद गये। विदित हो कि उस आदेश में धारा 3 के साथ एक परन्तुक जोड़ा गया था जिसके अनुसार “राज्य के क्षेत्रफल को बढ़ाने-घटाने अथवा उसका नाम बदलने अथवा उसकी सीमा संशोधित करने के बारे में संसद में कोई भी विधेयक नहीं लाया जा सकता जब तक कि विधान सभा सहमत न दे दे।”

- ❖ 1954 के आदेश के समाप्त होते ही राज्य की विधान सभा की शक्तियाँ समाप्त हो गई हैं और संसद द्वारा आरक्षण सहित अन्य विषयों पर बनाए गये कानून जम्मू-कश्मीर में उसी तरह लागू होंगे जिस तरह देश के अन्य भागों में लागू होते हैं।
- ❖ केंद्र सरकार का कहना है कि उसने प्रस्ताव के द्वारा एक पुराने भेद-भाव को समाप्त किया है और जम्मू-कश्मीर के निवासियों तथा देश के अन्य नागरिकों के बीच की खाई को पाटने का काम किया है।
- ❖ संविधान की धारा 352 में एक उपवाक्य के द्वारा यह प्रावधान किया गया था कि जम्मू-कश्मीर की सरकार की सहमति के बिना आंतरिक विप्लव अथवा आसन्न खतरे को छोड़कर किसी भी आधार पर आपातकाल जम्मू-कश्मीर में नहीं लगाया जा सकता। 1954 के आदेश के निरस्त हो जाने के कारण यह प्रावधान भी समाप्त हो गया है।

### जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 2019 लाने का तर्क

- ❖ धारा 370 ने जम्मू-कश्मीर को भारत में सच्चे तौर पर विलय को रोक रखा था।
- ❖ धारा 370 पक्षपातपूर्ण धारा थी क्योंकि यह लिंग, वर्ग, जाति और उत्पत्ति स्थान के आधार पर भेद-भाव करती थी।
- ❖ इस धारा की समाप्ति के पश्चात् जम्मू-कश्मीर में निजी निवेश का मार्ग प्रशस्त हो गया है जो अंततः यहाँ विकास की सम्भावनाओं को बढ़ाएगा।
- ❖ निवेश बढ़ने पर रोजगार का सृजन होगा तथा यहाँ का सामाजिक-आर्थिक परिवेश बेहतर होगा।
- ❖ पूरे भारत वर्ष के लोग जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जमीन खरीदने में निवेश करेंगे और बहुदेशीय कम्पनियाँ यहाँ उद्योग लगा सकती हैं जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

विभिन्न राज्यों की राजधानियों के नाम में परिवर्तन		
1991	केरल की राजधानी त्रिवेंद्रम	वर्तमान में तिरुवनन्तपुरम
1996	तमिलनाडु की राजधानी मद्रास	वर्तमान में चेन्नई
1996	महाराष्ट्र की राजधानी बंबई	वर्तमान में मुंबई
2001	प. बंगाल की राजधानी कलकत्ता	वर्तमान में कोलकाता
2006	कर्नाटक की राजधानी बंगलोर	वर्तमान में बंगलुरु
संघ एवं इसके क्षेत्रों से सम्बन्धित अनुच्छेद		
अनुच्छेद	विषयवस्तु	
1.	संघ के क्षेत्र का नाम	
2.	नए राज्यों का नामांकन अथवा स्थापना	
2A.	सिक्किम संघ के साथ सम्बद्ध (निरस्त)	

3.	नए राज्यों की स्थापना तथा मौजूदा राज्यों के क्षेत्रफल, सीमा अथवा नामों में परिवर्तन
4.	अनुच्छेद 2 एवं 3 के अंतर्गत बनाए गए कानून जिनके द्वारा पहली तथा चौथी अनुसूची एवं पूरक, आनुषंगिक एवं अनुवर्ती (Consequential) मामलों में संशोधन किया जा सके।

## राष्ट्रपति (President)

### संघीय कार्यपालिका

- राष्ट्रपति (President) भारत राष्ट्र का राज्याध्यक्ष (Head of Nation) होता है। वह भारत का 'प्रथम नागरिक' कहलाता है। वह भारत राष्ट्र की एकता, अखंडता व सुदृढ़ता का प्रतीक है।
- भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। [अनुच्छेद 53]
- भारत में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है, अतः राष्ट्रपति नाममात्र का कार्यपालिका है, जबकि प्रधानमंत्री तथा उसकी मंत्रिपरिषद् वास्तविक कार्यपालिका है।
- भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल (Electoral College) द्वारा होता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य तथा दिल्ली एवं पुदुचेरी संघ शासित क्षेत्रों के विधानसभा के निर्वाचित सदस्य (70वें संविधान संशोधन द्वारा) सम्मिलित हैं।
- वर्तमान में राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में सदस्यों की कुल संख्या 4896 है, जिसमें 776 सदस्य संसद के (केवल संसद के निर्वाचित सदस्य, मनोनीत नहीं) एवं शेष 4120 सदस्य दिल्ली एवं पुदुचेरी सहित सभी राज्यों की विधानसभाओं के (निर्वाचित सदस्य) शामिल हैं।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व (Proportional Representation) की एकल संक्रमणीय मत पद्धति (Single Transferable Vote System) द्वारा किया जाता है। चुनाव का मतदान गुप्त होता है।
- राष्ट्रपति संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता है।
- राष्ट्रपति भारत की तीनों सेना का सर्वोच्च सेनापति होता है।
- राष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
- राष्ट्रपति (भारतीय) का वर्तमान वेतन 5,00,000 लाख रुपए प्रतिमाह है। राष्ट्रपति की उपलब्धियां एवं भत्ते उसकी पदावधि के दौरान कम नहीं होती।
- राष्ट्रपति को 5 वर्ष से पहले केवल महाभियोग (Impeachment) लगाकर एवं सिद्ध करके हटाया जा सकता है। महाभियोग संसद के किसी भी सदन में प्रारंभ किया जा सकता है (अनुच्छेद 61)।
- भारतीय राष्ट्रपति लोकसभा के लिए अधिकतम दो एंग्लो इंडियन सदस्यों को मनोनीत कर सकता है। (संविधान के अनुच्छेद 331 के अनुसार)।

- राष्ट्रपति राज्यसभा में साहित्य, विज्ञान, कला एवं समाज सेवा क्षेत्र के बारह विशिष्ट सदस्यों को मनोनीत करता है। (अनुच्छेद 80 (3))।
- संसद द्वारा पारित कोई भी विधेयक बिल (Bill) तभी कानून बनता है, जब उस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर हो जाते हैं।
- राष्ट्रपति पद ग्रहण करने से पूर्व भारत के मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice of Supreme Court) या उसकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ/ज्येष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष – शपथ (Oath) लेता है (अनुच्छेद 60 के तहत)।
- यदि एक ही समय में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों के पद रिक्त हो जाएं, तो राष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वाहन भारत का मुख्य न्यायाधीश करता है। सन् 1969 में एम. हिदायतुल्ला को कार्यकारी राष्ट्रपति पद की शपथ सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश से दिलवाई थी।

### राष्ट्रपति भवन (एक दृष्टि में)

- राष्ट्रपति के निवास स्थान को 'राष्ट्रपति भवन' कहते हैं।
- प्रारंभ में राष्ट्रपति भवन का नाम 'वायस रीगल लॉज' था। जब भारत सन् 1950 में गणतंत्र बना, तब राष्ट्रपति यहां रहने आए तो इसका नाम 'गवर्नमेंट हाउस' (Govt House) कर दिया गया। सन् 1952 में इसका नामकरण 'राष्ट्रपति भवन' किया गया।
- इस भवन का निर्माण सन् 1913 में प्रारंभ हुआ।
- राष्ट्रपति भवन का डिजाइन प्रसिद्ध वास्तुकार सर एडविन लुटियंस ने तैयार किया था।
- इस भवन में निवास करने वाला प्रथम व्यक्ति – तत्कालीन वायसराय लार्ड इरविन (1931) था।
- वर्तमान में जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है, प्रारंभ में इसे 'रायसीना पहाड़ी' भी कहते थे।
- राष्ट्रपति भवन न केवल भारत के राष्ट्रपति का आवास एवं कार्यालय है, बल्कि देश, विदेश के गणमान्य अतिथियों, राष्ट्रध्यक्षों आदि का औपचारिक स्वागत स्थल भी है।
- केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री एवं मंत्रियों को शपथ राष्ट्रपति भवन में दिलाई जाती है।
- भारत के सर्वोच्च सिविल (सार्वजनिक) सैनिक एवं खेल अलंकरण इसी भवन में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं।
- भारत का राष्ट्रपति उद्घोषणा कर सकता है, राष्ट्रीय आपातकाल की (संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत) राज्यीय संवैधानिक आपातकाल की (अनुच्छेद 356 के तहत राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर) तथा वित्तीय आपात की (अनुच्छेद 360 के तहत)।
- राष्ट्रपति ने अब तक तीन बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा की है। प्रथम बार 26 अक्टूबर, 1962 को की गई थी। दूसरी बार 3 दिसंबर, 1971 को की तथा तीसरी बार 25 जून, 1975 को की गई थी।
- सन् 1962 के आपात की उद्घोषणा के समय राधाकृष्णन् सन् 1971 की आपात घोषणा के समय वी.वी. गिरि तथा सन् 1975 की आपात की घोषणा के समय फखरुद्दीन अली अहमद राष्ट्रपति थे।

### भारत के राष्ट्रपति एवं उनका कार्यकाल (अवधि): एक दृष्टि में

राष्ट्रपति	कार्यकाल/अवधि
डॉ. राजेंद्र प्रसाद (1884-1963)	26 जनवरी, 1950 से 13 मई, 1962 तक, (लगातार 2 बार निर्वाचित हुए)।
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् (1888-1975)	13 मई, 1962 से 13 मई, 1967 तक।
डॉ. जाकिर हुसैन (1897-1969)	13 मई, 1967 से 3 मई, 1969 तक।
वी. वी. गिरि (1884-1980)	3 मई, 1969 से 20 जुलाई, 1969 तक (कार्यवाहक)।
न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्ला	20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त, 1969 (कार्यवाहक)।
वी. वी. गिरि	24 अगस्त, 1969 से 24 अगस्त, 1974 तक।
फखरुद्दीन अली अहमद (1905-1977)	24 अगस्त, 1974 से 11 फरवरी, 1977 तक।
बी.डी. जत्ती	11 फरवरी, 1977 से 25 जुलाई, 1977 तक (कार्यवाहक)।
नीलम संजीव रेड्डी (1913-1996)	25 जुलाई, 1977 से 25 जुलाई, 1982 तक।
ज्ञानी जैलसिंह (1916-1994)	25 जुलाई, 1982 से 25 जुलाई, 1987 तक।
आर वेंकटरमण (1910-	25 जुलाई, 1987 से 25 जुलाई, 1992 तक।
डॉ. शंकर दयाल शर्मा (1918-1999)	25 जुलाई, 1992 से 25 जुलाई, 1997 तक।
डॉ. आर. के. नारायण (1920-2007)	25 जुलाई, 1997 से 25 जुलाई, 2002 तक।
डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम (1931-2015)	25 जुलाई, 2002 से 25 जुलाई, 2007 तक।
श्रीमती प्रतिभा पाटिल (1934-)	25 जुलाई, 2007 से 25 जुलाई, 2012 तक।
प्रणव मुखर्जी	25 जुलाई, 2012 से 25 जुलाई, 2017 तक।
रामनाथ कोविंद	25 जुलाई, 2017 से वर्तमान तक

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। संविधान सभा (Constitutional Assembly) की 24 जनवरी, 1950 की बैठक में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को निर्विरोध भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया था। इन्होंने 26 जनवरी, 1950 को भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में पद भार संभाला।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद लगातार दो बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राष्ट्रपति पद के लिए संविधान के अधीन प्रथम विधिवत् चुनाव मई 1952 में हुआ, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद विजयी रहे तथा द्वितीय निर्वाचन (1957) में भी वह पुनः निर्वाचित हुए।

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद 26 जनवरी, 1950 से 13 मई, 1962 तक राष्ट्रपति पद पर रहे। इस प्रकार डॉ. राजेंद्र प्रसाद का राष्ट्रपति कार्यकाल (कुल बारह वर्ष तक) सबसे बड़ा रहा है।
- प्रथम राष्ट्रपति के चुनाव (सन् 1952) में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के. टी. शाह को हराकर राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने एक ही प्रधानमंत्री (पं. नेहरू) को उक्त पद के लिए 3-3 बार पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् ने सबसे अधिक प्रधानमंत्रियों को (कार्यवाहक सहित) शपथ ग्रहण करवाई थी।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति रहे हैं, जो 10 वर्षों तक उपराष्ट्रपति रहने के बाद (सन् 1962 में) राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- भारत के दो राष्ट्रपति जाकिर हुसैन तथा फखरूद्दीन अली अहमद की अपने कार्यकाल के दौरान ही मृत्यु हुई थी।
- वी. वी. गिरि ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने एक समय कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, मगर बाद में वह (1969 में) निर्वाचित होकर राष्ट्रपति बने।
- अभी तक दूसरे चक्र की गणना से सिर्फ वी. वी. गिरि ही राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं।
- राष्ट्रपति पद के (1969 के) निर्वाचन के समय 'आत्मा की आवाज' / 'अंतःकरण की आवाज' पर मतदान करने की अपील निर्वाचकों से की गई थी।
- श्री वी. वी. गिरि ऐसे राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे जिन्होंने कांग्रेस का संघ में स्पष्ट बहुमत होते हुए भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव में सफलता प्राप्त की थी। सन् 1969 में राष्ट्रपति चुनाव में वी. वी. गिरि से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी पराजित हुए थे।
- राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद का अंतिम संस्कार (1977 में) संसद भवन के मुख्य फाटक के समीप किया गया था।
- नीलम संजीव रेड्डी ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति हुए हैं, जो राष्ट्रपति के चुनाव (1969) में निकटतम उम्मीदवार रहे और पराजित हो गए, मगर बाद में (1977 में) निर्विरोध (आम सहमति से) निर्वाचित हुए।
- बी. डी. जत्ती ऐसे एकमात्र कार्यवाहक राष्ट्रपति हुए हैं, जिन्होंने एक प्रधानमंत्री (मोरारजी देसाई को मार्च, 1977 में) शपथ (Oath) ग्रहण करवाई थी।
- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम (1976) द्वारा राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य कर दिया गया।
- 44वें संविधान संशोधन (1979) द्वारा प्रावधान किया गया कि 'राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद से जो परामर्श प्राप्त होगा, उसके संबंध में राष्ट्रपति को अधिकार होगा कि वह मंत्रिपरिषद को इस परामर्श पर पुनर्विचार के लिए कहे, लेकिन पुनर्विचार के बाद भी मंत्रिपरिषद से राष्ट्रपति को जो परामर्श प्राप्त होगा, राष्ट्रपति उस परामर्श के अनुसार ही कार्य करेगा'।



- भारतीय राष्ट्रपति को 'जेबी वीटो' (Pocket Veto) की शक्ति प्राप्त है। इस 'जेबी वीटो' के तहत राष्ट्रपति किसी विधेयक को कितने भी समय तक रोक सकता है। इस शक्ति का प्रयोग तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने (1986 में) संसद द्वारा पारित भारतीय डाकघर संशोधन विधेयक में किया था।

### भारत के संविधान में राष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान (एक दृष्टि में)

संविधान के अनुच्छेद	प्रावधान
अनुच्छेद 52	भारत का राष्ट्रपति
अनुच्छेद 53	संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनुच्छेद 54	राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 55	राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
अनुच्छेद 56	राष्ट्रपति की पदावधि
अनुच्छेद 57	राष्ट्रपति के पुनःनिर्वाचन के लिए पात्रता
अनुच्छेद 58	राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अहर्ताएं (Qualifications)
अनुच्छेद 59	राष्ट्रपति पद के लिए शर्तें
अनुच्छेद 60	राष्ट्रपति द्वारा शपथ (Oath)
अनुच्छेद 61	राष्ट्रपति पर महाभियोग (Impeachment) चलाने की प्रक्रिया
अनुच्छेद 62	राष्ट्रपति पद में रिक्त पद को भरने हेतु निर्वाचन करने का समय
अनुच्छेद 72	क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण करने की राष्ट्रपति की शक्ति
अनुच्छेद 73	संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार
अनुच्छेद 74	राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद

- राष्ट्रपति के पद पर सबसे अधिक उम्र में आर. वेंकटरमण (77 वर्ष की आयु में) आसीन हुए थे।
- राष्ट्रपति पद पर डॉ. जाकिर हुसैन का कार्यकाल (मात्र दो वर्ष 1967 से 1969 तक) सबसे कम रहा है।
- डॉ. जाकिर हुसैन, फखरुद्दीन अली अहमद, ज्ञानी जैलसिंह तथा ए. पी. जे. अब्दुल कलाम अल्पसंख्यक समुदाय से होते हुए राष्ट्रपति के उच्च पद पर निर्वाचित हुए हैं।
- श्री के. आर. नारायणन ऐसे भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे, जो दलित वर्ग से थे।
- किसी देश के राजदूत (Ambassador) के रूप में अपनी सेवा अर्पित कर चुके राष्ट्रपति के. आर. नारायणन रहे हैं। इनकी पत्नी भी मूलतः विदेशी रही हैं।
- राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, भारत के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक (Scientist) और साथ ही अविवाहित (Unmarried) भी थे। यह 'मिसाइल मैन' (Missile Man) के नाम से प्रसिद्ध रहे।

- डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ. अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम है। इनका निधन 27 जुलाई, 2015 को हुआ।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, फखरुद्दीन अली अहमद, नीलम संजीव रेड्डी, ज्ञानी जैलसिंह, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, प्रतिभा पाटिल तथा प्रणव मुखर्जी को छोड़कर अन्य सभी राष्ट्रपति पदधारी उपराष्ट्रपति पद को सुशोभित करने के बाद राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हुए।
- सन् 2012 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में प्रणव मुखर्जी भारत के 14वें (जबकि इस पद पर आसीन रहे व्यक्तियों की संख्या की दृष्टि से वह 13वें) राष्ट्रपति बने थे।
- श्री प्रणव मुखर्जी ने राष्ट्रपति पद के लिए जुलाई, 2012 को संपन्न चुनाव में (भाजपा समर्थित प्रत्याशी) पी. ए. संगमा को भारी मतों से पराजित किया। प्रणव मुखर्जी को 25 जुलाई, 2012 को राष्ट्रपति पद की शपथ तत्कालीन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एस. एच. कपाडिया ने दिलाई।
- हाल ही में भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री रामनाथ कोविंद भारत के (14वें) राष्ट्रपति निर्वाचित हुए तथा 25 जुलाई, 2017 को इन्होंने अपना कार्यभार संभाला।
- रामनाथ कोविंद को एन. डी. ए. (NDA) के सभी घटकों का समर्थन प्राप्त था।
- इस पद पर विपक्ष की कांग्रेसी उम्मीदवार श्रीमती मीरा कुमार (पूर्व लोकसभा स्पीकर) को उन्होंने पराजित किया।
- रामनाथ कोविंद को उनके पद की शपथ भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जे. एस. खेहर ने दिलाई थी।

## प्रधानमंत्री (Prime Minister)

- राष्ट्रपति कार्यकारिणी का जहां नाममात्र का अध्यक्ष होता है, वहीं वास्तविक (कार्यपालिका) कार्यकारिणी शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री एवं उसकी मंत्रिपरिषद् द्वारा किया जाता है।
- प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- प्रायः राष्ट्रपति लोकसभा के बहुमत दल के नेता को ही प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित करते हैं।
- भारत में सबसे लंबी अवधि तक (1947 से 1964 तक) कार्यकाल संभालने वाले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू थे।
- भारत के प्रथम गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई (1977-79) थे।
- चौ. चरण सिंह भारत के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने लोकसभा का सामना नहीं किया था।
- लोकसभा चुनाव में पराजित होने वाली एकमात्र प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं।
- वी. पी. सिंह अविश्वास प्रस्ताव (No Confidence Motion) द्वारा हटाए जाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री थे।
- वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री बने, जो दो सीटों (बनारस (उ. प्र.) एवं वड़ोदरा, गुजरात) से चुनाव जीतकर लोकसभा में पहुंचे, बाद में उन्होंने वड़ोदरा सीट छोड़ी।

### भारत के प्रधानमंत्री

नाम	कार्यकाल
पं. जवाहर लाल नेहरू	15 अगस्त, 1947 से 27 मई, 1964
गुलजारी लाल नंदा (कार्यवाहक)	27 मई, 1964 से 9 जून, 1964 11 जनवरी, 1966 से 24 जनवरी, 1966
लाल बहादुर शास्त्री	9 जून, 1964 से 11 जनवरी, 1966
इंदिरा गांधी	24 जनवरी, 1966 से 24 मार्च, 1977
मोरारजी देसाई	24 मार्च, 1977 से 28 जुलाई, 1979
चरण सिंह	28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980
इंदिरा गांधी	14 जनवरी, 1980 से 31 अक्टूबर, 1984
राजीव गांधी	31 अक्टूबर, 1984 से 1 दिसंबर, 1989
वी. पी. सिंह	2 दिसंबर, 1989 से 10 नवंबर, 1990
चंद्रशेखर	10 नवंबर, 1990 से 21 जून, 1991
पी. वी. नरसिम्हा राव	21 जून, 1991 से 16 मई, 1996
अटल बिहारी वाजपेयी	16 मई, 1996 से 1 जून, 1996
एच. डी. देवगौड़ा	1 जून, 1996 से 21 अप्रैल, 1997
आई. के. गुजराल	21 अप्रैल, 1997 से 18 मार्च, 1998
अटल बिहारी वाजपेयी	19 मार्च, 1998 से 13 अक्टूबर, 1999 13 अक्टूबर, 1999 से 21 मई, 2004
मनमोहन सिंह	22 मई, 2004 से 21 मई, 2014
नरेंद्र मोदी	21 मई, 2014 से वर्तमान तक

### उप प्रधानमंत्री (Deputy PM)

- उप प्रधानमंत्री के संबंध में भारतीय संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।
- उप प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री के बाद सम्मान प्राप्त होता है।
- प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार पटेल (1947-50) थे।
- भारत के अभी तक 7 उप-प्रधानमंत्री हुए हैं— सरदार पटेल (1947-50), मोरारजी देसाई (1967-69), जगजीवन राम एवं चौ. चरण सिंह (1977-79), चौ. देवीलाल (1989-91) एवं एल. के. आडवाणी (2002-04)।

### मंत्रिपरिषद एव मंत्रिमंडल में अंतर (Minister of Council Cabinet)

- 91 वें संविधान संशोधन अधिनियम (2003) के अनुसार मंत्रिपरिषद की सीमा संख्या लोकसभा के कुल सदस्य संख्या 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

- नीति संबंधी सभी महत्वपूर्ण निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा ही लिए जाते हैं तथा मंत्रिपरिषद केवल उन निर्णयों को लागू करती है।
- मंत्रिमंडल की तुलना में मंत्रिपरिषद एक बड़ी संस्था है, जिसमें 60 से 70 तक सदस्य (मंत्री) होते हैं जबकि मंत्रिमंडल में मात्र 15 से 20 सदस्य ही होते हैं।
- मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- संविधान में मंत्रिपरिषद शब्द का ही प्रयोग किया गया है परंतु 44वें संशोधन (1978) द्वारा मंत्रिमंडल शब्द को अनुच्छेद 352 में जोड़ा गया।
- अनुच्छेद 352 में कहा गया है कि राष्ट्रपति राष्ट्रीय संकट की घोषणा केवल मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर ही करेगा।

## विरोधी दल का नेता

- विरोधी दल के नेता को कैबिनेट स्तर के मंत्री के समान माना जाता है।
- मूल संविधान में विरोधी दल के नेता का कोई प्रावधान नहीं है।
- विरोधी दल के नेता के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए उस दल (PP) को, लोकसभा के कुल सदस्य संख्या का 10 प्रतिशत स्थान प्राप्त करना आवश्यक होता है।

## संसद (Parliament)

- संसद भारत की संघीय विधायिका है। यह राष्ट्रपति तथा दोनों सदनों राज्यसभा एवं लोकसभा से मिलकर बनती है।

## लोकसभा (Lok Sabha)

- लोकसभा भारतीय संसद का लोकप्रिय (निम्न) सदन है। लोकसभा के सदस्य जनता द्वारा वयस्क मताधिकार के आधार पर (गुप्त मतदान द्वारा) चुने जाते हैं।
- 84वें संविधान संशोधन (सन् 2001) के तहत लोकसभा सदस्यों की संख्या सन् 2026 तक यथावत् 545 बनी रहेगी।
- संविधान के अनुसार लोकसभा की अधिकतम (Maximum) सदस्य संख्या 552 हो सकती है। इसमें से अधिकतम 530 सदस्य राज्यों से तथा अधिकतम 20 सदस्य संघीय क्षेत्रों (UT's) से निर्वाचित किए जाते हैं तथा राष्ट्रपति द्वारा 2 आंग्ल भारतीय (Anglo-Indian) वर्ग के सदस्य का मनोनयन किया जाता है।
- वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 545 है। इन सदस्यों में 530 सदस्य 29 राज्यों से और 13 सदस्य 7 संघीय क्षेत्रों से निर्वाचित किए जाते हैं तथा 2 सदस्य आंग्ल भारतीय वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।
- लोकसभा में (सन् 2008 के परिसीमन के बाद) अनुसूचित जाति के लिए 84 सीटें आरक्षित (Reserved) हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति हेतु 47 सीटें आरक्षित हैं। सामान्य कोटे (General) की संख्या 412 है।

### लोकसभा का राज्यवार प्रतिनिधि (एक दृष्टि में)

समान सीट वाले राज्य	
• आंध्र प्रदेश (तेलंगाना के गठन के पश्चात्) एवं राजस्थान	25
• झारखंड एवं असम (Assam)	14
• सिक्किम, मिजोरम, नागालैंड	1
• अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम एवं गोवा	2
• दिल्ली (NCR) को छोड़कर सभी संघशासित प्रदेशों में	1

असमान सीट वाले राज्य		
• उत्तर प्रदेश-80	• महाराष्ट्र-48	• तेलंगाना-17
• पश्चिम बंगाल-42	• बिहार-40	• छत्तीसगढ़-11
• तमिलनाडु-39	• मध्य प्रदेश-29	• जम्मू-कश्मीर-7*
• कर्नाटक-28	• गुजरात-26	• उत्तरांचल-5
• ओडिशा-21	• केरल-20	• हिमाचल प्रदेश-4
• पंजाब-13	• हरियाणा-10	• दिल्ली-7

\* अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करके उसे दो केन्द्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में बाँट दिया गया।

- 42वें संविधान संशोधन (1976) के पूर्व तक लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष था, लेकिन इस संशोधन द्वारा लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष किया गया। बाद में 44 वें संशोधन (1978) द्वारा पुनः यह 5 वर्ष कर दिया गया।
- प्रधानमंत्री के परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा को समय के पूर्व भी भंग किया जा सकता है। ऐसा अब तक कई बार 1970, 1977, 1979, 1990, 1997, 1999, और 2004 में किया जा चुका है।
- आपातकाल (संकटकाल) की घोषणा लागू होने पर संसद कानून द्वारा लोकसभा के कार्यकाल में वृद्धि हो सकती है, जो एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं हो सकती।
- लोकसभा के अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा ही बुलाए और स्थगित किए जाते हैं और इस संबंध में नियम है कि लोकसभा की बैठक की अंतिम तिथि और दूसरी बैठक की प्रथम तिथि में छह मास से अधिक अंतर नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की गणपूर्ति (Quorum) कुल सदस्य संख्या का 10वां भाग अथवा 55 सदस्यों से होती है।

### लोकसभा की प्रथम बैठक एवं भंग होने की तारीखों का विवरण पहली से पंद्रहवीं लोकसभा तक

लोकसभा	पहली बैठक की तारीख	भंग होने की तारीख
पहली	13 मई, 1952	4 अप्रैल, 1957
दूसरी	10 मई, 1957	31 मार्च, 1962
तीसरी	16 अप्रैल, 1962	3 मार्च, 1967
चौथी	16 मार्च, 1967	27 दिसंबर, 1970*

पांचवीं	19 मार्च, 1971	18 जनवरी, 1977*
छठी	25 मार्च, 1977	22 अगस्त, 1979*
सातवीं	12 जनवरी, 1980	31 दिसंबर, 1984
आठवीं	15 जनवरी, 1985	27 नवंबर, 1989
नौवीं	15 दिसंबर, 1989	13 मार्च, 1991*
दसवीं	9 जुलाई, 1991	10 मई, 1996
ग्यारहवीं	22 मई, 1996	4 दिसंबर, 1997*
बारहवीं	23 मार्च, 1998	26 अप्रैल, 1999*
तेरहवीं	20 अक्टूबर, 1999	6 फरवरी, 2004*
चौदहवीं	2 जून, 2004	18 मई, 2009
पंद्रहवीं	18 मई, 2009	16 मई, 2014
सोलहवीं	मई, 2017 से	वर्तमान तक

**नोट:** ‘\*’ समय से पूर्व भंग हुई।

### राज्यसभा (Rajya Sabha)

- राज्यसभा संसद का उच्च सदन है।
- इसमें राज्यों के प्रतिनिधि सम्मिलित होते हैं।
- राज्यसभा के सदस्यों की अधिकतम सीमा 250 है। इसमें 238 राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों से आते हैं तथा 12 सदस्य (साहित्य, कला, विज्ञान, सामाजिक सेवा में ख्याति प्राप्त) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- वर्तमान में राज्यसभा के सदस्यों की संख्या (सभी राज्यों एवं दो संघशासित प्रदेशों दिल्ली (तीन) एवं पुदुचेरी (एक) मिलाकर) 233 है।

### राज्यसभा में राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व

राज्य	सदस्यों की संख्या	संघशासित प्रदेश	सीट
उत्तर प्रदेश	31	दिल्ली	3
महाराष्ट्र	19	पुदुचेरी	1
तमिलनाडु	18		
पं. बंगाल एवं बिहार	16+16		
कर्नाटक	12		
आंध्र प्रदेश, गुजरात एवं मध्य प्रदेश	11+11+11		
ओडिशा एवं राजस्थान	10+10		
केरल	9		
तेलंगाना, असम (असोम) व पंजाब	7+7+7		
झारखंड	6		
छत्तीसगढ़ एवं हरियाणा	5+5		

Contd...

170 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

*जम्मू-कश्मीर	4		
हिमाचल प्रदेश व उतराखंड	3+3		
अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा	1+1+1+1		
मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम व गोवा	1+1+1+1		

\*अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करके उसे दो केन्द्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बाँट दिया गया।

### संविधान की अनुसूचियाँ (Schedul में)

अनुसूची	विषय
प्रथम अनुसूची	राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेशों का वर्णन।
दूसरी अनुसूची	राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा, विधानसभा अध्यक्षों, उच्चतम न्यायालय, व उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के संबंध में उपबंध तथा भारत के नियंत्रण महालेखा परीक्षक से संबंधित में उपबंध।
तीसरी अनुसूची	राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, विधायिका के मंत्रियों एवं न्यायाधीशों इत्यादि के शपथ (Oath) प्रारूप।
चौथी अनुसूची	राज्यसभा के स्थानों का आवंटन।
पांचवीं अनुसूची	अनुसूचित क्षेत्रों तथा अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन एवं नियंत्रण संबंधित उपबंध।
छठी अनुसूची	असम (असोम), मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान।
सातवीं अनुसूची	संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।
आठवीं अनुसूची	भाषाएं।
नौवीं अनुसूची	—
दसवीं अनुसूची	दलबदल के आधार पर निरहता के संबंध में उपबंध।
ग्यारहवीं अनुसूची	पंचायतों की शक्तियाँ एवं उत्तरदायित्व।
बारहवीं अनुसूची	नगरपालिकाओं की शक्तियाँ एवं उत्तरदायित्व।

## न्यायपालिका

### सर्वोच्च न्यायालय

- भारत में एकीकृत न्यायपालिका है।
- वर्ष 1937-50 के दौरान संसद भवन में 'चैंबर ऑफ प्रिंसेज' में 'फेडरल कोर्ट ऑफ इंडिया' कार्यरत रहा था तथा 1958 तक यहीं पर कार्यरत रहा। तब इसे ही सुप्रीम कोर्ट कहा जाता था।
- नई दिल्ली भगवान दास मार्ग पर नए परिसर का निर्माण वर्ष 1958 में पूरा होने पर यह इसमें स्थानांतरित हुआ।
- प्रारंभ में (स्वतंत्रता के दौरान) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या मात्र 8 थी।

- बाद में बढ़ते दबाव व कार्य को देखते हुए 1956 में 11 की गई तथा 1960 में न्यायाधीशों की संख्या पुनः बढ़ाकर 14; 1977 में 18 तथा 1986 में 26 की गई।
- उच्चतम न्यायालय 'संविधान का संरक्षक' (Constitutional Guardian) होता है।
- उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश एक बार नियुक्त होने के पश्चात् 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक पद पर रहता है।
- न्यायाधीश की पदावधि के दौरान उसके वेतन एवं भत्तों में कटौती नहीं की जा सकती।
- उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश भारत के किसी भी राज्य क्षेत्र में स्थित न्यायालय में वकालत नहीं कर सकता।

### उच्च न्यायालय

- प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय का प्रावधान संविधान में है, परंतु संसद को यह शक्ति है कि वह दो (या) दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है।
- प्रत्येक उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश (न्यायमूर्ति) तथा अन्य न्यायाधीश, जितने राष्ट्रपति उचित समझता है, होते हैं।
- वर्तमान में भारत के कुल 24 उच्च न्यायालय हैं। वर्ष 2013 में पूर्वोत्तर के राज्यों त्रिपुरा, मेघालय व मणिपुर में उच्च न्यायालय स्थापित किया गया।

### भारत के उच्च न्यायालय (High Court)

नाम	स्थापना वर्ष	कार्यक्षेत्र	स्थान व पीठ
इलाहाबाद	1866	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद (लखनऊ में पीठ)
मुंबई	1862	महाराष्ट्र, गोवा, दादरा व नगर हवेली, दमन व द्वीप	मुंबई (पीठ नागपुर, पणजी एवं औरंगाबाद)
कोलकाता	1862	प. बंगाल एवं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह	कोलकाता
मद्रास	1862	तमिलनाडु व पुंडुचेरी	चेन्नई (पीठ मदुरै)
कर्नाटक*	1884	कर्नाटक	बेंगलुरु (धारवाड़ एवं गुलबर्गा)
गुवाहाटी**	1948	असम, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम	गुवाहाटी (पीठ कोहिमा), आइजोल एवं ईटानगर
मध्य प्रदेश	1956	मध्य प्रदेश	जबलपुर (पीठ ग्वालियर एवं इंदौर)
पटना	1916	बिहार	पटना
पंजाब व हरियाणा	1966	पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़	चंडीगढ़
राजस्थान	1949	राजस्थान	जोधपुर (पीठ जयपुर)
केरल	1958	केरल व लक्षद्वीप	एर्नाकुलम

Contd...



गुजरात	1960	गुजरात	अहमदाबाद
हिमाचल प्रदेश	1971	हिमाचल प्रदेश	शिमला
आंध्र प्रदेश	1954	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
ओडिशा	1948	ओडिशा	कटक
जम्मू-कश्मीर	1928	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर एवं जम्मू
दिल्ली (UTs)	1966	दिल्ली	दिल्ली
सिक्किम	1975	सिक्किम	गंगटोक
छत्तीसगढ़	2000	छत्तीसगढ़	बिलासपुर
उत्तराखंड	2000	उत्तराखंड	नैनीताल
झारखंड	2000	झारखंड	रांची
मेघालय	2013	मेघालय	शिलांग
मणिपुर	2013	मणिपुर	इंफाल
त्रिपुरा	2013	त्रिपुरा	अगरतला

\*पहले (1973 से पहले तक) मैसूर उच्च न्यायालय नाम था।

\*\*1971 से पहले असम (असोम) उच्च न्यायालय नाम था।

## आपात प्रावधान (Emergency Provisions)

- भारतीय संविधान में 3 प्रकार की आपात स्थिति की घोषणा का उल्लेख है—राष्ट्रीय आपात अनुच्छेद (352); राज्यों में आपात (या) राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) एवं वित्तीय आपात (अनुच्छेद 360)।
- राष्ट्रीय आपात की घोषणा राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही करता है।
- 44 वें संविधान संशोधन (1978) के तहत अनुच्छेद 352 के अधीन उद्घोषणा संपूर्ण भारत में (या) उसके किसी भी भाग में की जा सकती है।
- आपात के समय संसद विधि द्वारा लोकसभा की अवधि एक वर्ष तक (एक बार में) बढ़ा सकती है।
- राष्ट्रीय आपात के समय सरकारें निलंबित नहीं होती हैं, बल्कि वह संघ की कार्यपालिका के पूरे नियंत्रण में आ जाती हैं।
- आपातकाल के समय अनुच्छेद 19 में वर्णित मौलिक अधिकार निलंबित किए जा सकते हैं, परंतु अनुच्छेद 20 एवं 21 में दिया गया प्राण तथा दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार निलंबित नहीं होता।
- अनुच्छेद 356 के तहत सर्वप्रथम पंजाब राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।
- अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति को किसी राज्य में यह सुनिश्चित हो जाने पर कि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल (Constitutional Machinery Fail) हो गया है अथवा राज्य संघ की कार्यपालिका के किन्हीं निर्देशों का अनुपालन करने में असमर्थ रहता है, तो वह आपात स्थिति की घोषणा कर सकता है।





## प्रशासन (Administration)

- 'प्रशासन' (Administration) शब्द का अर्थ है—'प्रबंधन करना'।
- नौकरशाही (Bureaucracy) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग सन् 1745 में विंसेट डि गौर ने द्वारा किया गया था।
- अंग्रेजी शब्द 'Bureaucracy' फ्रांसीसी भाषा के Bureau (ब्यूरो) से बना है, जिसका अर्थ है—लिखने की मेज अथवा डेस्क (Desk)। इसी कारण नौकरशाही को 'अफसरों की सरकार' भी कहा जाता है।
- फाइनेर ने नौकरशाही को 'डेस्क सरकार' कहा है।
- एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका के अनुसार 'जिस तरह तानाशाही का अर्थ—तानाशाह का (Dictator) शासन तथा प्रजातंत्र (Democracy) का अर्थ—जनता का शासन होता है, उसी प्रकार ब्यूरोक्रेसी का अर्थ—ब्यूरो का शासन है'।
- प्रशासन में लालफीताशाही (Red Tapeism) का अर्थ—'विलंबकारी प्रशासनिक प्रक्रिया से है'।
- मैक्स वेबर (Max Weber) नौकरशाही का व्यवस्थित अध्ययन करने वाला प्रथम (जर्मन) समाजशास्त्री था।
- मैक्स वेबर ने वर्ष 1920 में प्रकाशित अपनी कृति 'सामाजिक और आर्थिक संगठन का सिद्धांत' में नौकरशाही के 'आदर्श प्रकार' का वर्णन किया है। वेबर ने आदर्श नौकरशाही को स्पष्ट करने के लिए इसे परंपरागत सत्ता, करिश्माई सत्ता (गौरवपूर्ण सत्ता) एवं विविध (कानूनी सत्ता) आदि तीन वर्गों में बांटा।
- एफ. एम. मार्क्स ने नौकरशाही के चार रूपों की चर्चा की— अभिभावक नौकरशाही (Guardian Bureaucracy); जातीय नौकरशाही (Caste); संरक्षक नौकरशाही (Patronage) एवं योग्यता नौकरशाही (Merit)।

- संरक्षक नौकरशाही (Patronage Bureaucracy) का दूसरा नाम 'लूट प्रणाली' है, जिसकी जन्मभूमि अमेरिका (USA) है।
- भारतीय संविधान के भाग-14 (Part 14) में अनुच्छेद (Article) 308 से 323 तक (कुल 16 अनुच्छेद) हैं, जो संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) तथा राज्य लोक सेवा आयोगों से संबंधित हैं।
- अनुच्छेद 308-314 संघ लोकसेवा आयोग तथा अनुच्छेद 315-323 राज्य लोकसेवा आयोग से संबंधित हैं।
- 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा संविधान के भाग-14 में भाग 14 'A' जोड़ा गया। इसमें कुल दो अनुच्छेद 323 A तथा 323 B हैं। यह प्रशासनिक अदालतों (Administrative Tribunals) से संबंधित हैं। इनकी स्थापना संसद ऐक्ट द्वारा होती है।
- प्रशासनिक अदालतों का गठन संघीय, राज्यीय तथा स्थानीय कर्मचारियों के विवादों के समाधान व शिकायतों की सुनवाई के लिए किया जाता है।
- भारतीय संविधान में 3 प्रकार की लोक सेवाओं का प्रावधान किया गया है— अखिल भारतीय सेवाएं (AIS), केंद्रीय सेवाएं तथा राज्य सेवाएं।
- संसद (संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत) कानून (Act) द्वारा अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना कर सकता है। वर्तमान में प्रमुख अखिल भारतीय सेवाएं हैं— भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) एवं भारतीय पुलिस सेवा (IPS)।
- वर्ष 1963 में संसद द्वारा तीन नई अखिल भारतीय सेवाओं का गठन किया गया था—अखिल भारतीय इंजीनियरिंग सेवा, भारतीय वन सेवा एवं भारतीय चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवा।

## भारतीय प्रशासन की विशेषताएं (Features)

- नौकरशाही लालफीताशाही का पर्याय बनती जा रही है। यह अनावश्यक विलंब, नागरिकों की परेशानी एवं प्रशासनिक अकार्यकुशलता को जन्म देती है।
- आई. सी. एस. (ICS) की उत्तराधिकारी सेवा है। स्वतंत्र भारत में इंडियन सिविल सर्विस (ICS) का स्थान भारतीय प्रशासनिक सेवा ने ले लिया है।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सामान्यज्ञ कहा जाता है, यह विशेषज्ञ नहीं होते।
- वर्तमान में भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) भारत का प्रशासनिक संरचना का मूल ढांचा है।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा की संरचना अपिरामिडीय है।
- आई. ए. एस. (IAS) में पदावधि प्रणाली अपनाई गई है।
- संघ और राज्यों के लिए साझी सेवा है।
- भारत सरकार ने नागरिकों की समस्याओं को सुलझाने में लोक सेवकों के स्वयं

को पुनः समर्पित करने एवं लोक सेवा तथा कार्य में उत्कृष्टता हेतु सिविल सेवकों के लिए एक समारोह के तौर पर प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को 'सिविल सेवा दिवस' मनाने का निर्णय लिया है।

- इस तरह का पहला समारोह एवं दिवस 21 अप्रैल, 2016 को आयोजित किया गया।
- 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' मसूरी (उत्तराखण्ड) में स्थित है।
- भारत में जिलाधीश का पद (DC/DM) सर्वप्रथम 1772 में (वॉरेन हेस्टिंग्स काल में) स्थापित हुआ था।
- फ्रेडरिक रिग्स ने प्रशासन के परिवेश को तीन वर्गों में विभाजित किया है— एक फ्यूज्ड (अविकसित) समाज, दूसरा प्रिज्मैटिक (विकासशील) समाज एवं तीसरा रिफ्रेक्टिव (विकसित) समाज।

<b>प्रशासनिक सुधार हेतु प्रमुख समितियां</b> <b>(Administrative Reforms Committees)</b>		
समिति/आयोग (अध्यक्षता)	गणित (वर्ष)	सुझाव
एन. गोपालास्वामी अय्यंगार	1949	मुख्यालयों संगठनों हेतु पुनर्गठन योजना।
ए. डी. गोखाला	1950-51	विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु लोक प्रशासक की समीक्षा।
पॉल बी. एप्पलबी	1952	भारतीय प्रशासन सर्वेक्षण।
ए. रामास्वामी मुदलियार	1956	पब्लिक सेवा समिति (भर्ती व योग्यता)।
के. सन्यानम	1964	भारत व राज्य प्रशासनिक सेवाओं की समस्याएं।
मोरारजी देसाई (1966-67) तथा के हनुमन्तथ्या (67-70)	1966-70	प्रशासनिक सुधार आयोग (प्रथम)।
डी. सी. कोठारी	1976	भारतीय उच्च सिविल सर्विसेज में परीक्षा तथा भर्ती संबंधी नीतियां एवं विधि।
धर्मवीर	1979	भारतीय पुलिस आयोग का गठन।
सतीश चंद्रा	1989	सिविल सर्विसेज परीक्षा पद्धति की समीक्षा।
एन. एन. बोरा	1997	राजनीतिज्ञों में अपराधियों से संबंधित।
पी. सी. जैन	1998	प्रशासनिक कानूनों की समीक्षा।
पी. सी. होता	2002-4	सिविल सेवा में सुधार हेतु।
वीरप्पा मोइली	2005-9	द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग।

प्रशासन के संबंध में विद्वानों के महत्वपूर्ण कथन (एक दृष्टि में)	
डिर्माँक	‘प्रशासन का संबंध सरकार के ‘क्या’ और ‘कैसे’ से है’।
हार्वे वाकर	‘सरकार विधि/कानून को लागू करने के लिए जो कार्य करती है, उसे प्रशासन कहते हैं’।
ई. एन. ग्रेडन	‘प्रशासन एक लंबा-सा शब्द है, किंतु इसका अर्थ सीधा-सादा है-क्योंकि इसका अर्थ लोगों की देखभाल करना तथा पारस्परिक संबंधों की व्यवस्था करना है’।
हरबर्ट साइमन	‘सबसे अधिक व्यापक अर्थ में समान लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वर्गों के साथ मिलकर किए जाने वाले क्रियाकलापों को प्रशासन कहा जाता है’।
लूथर गुलिक	‘प्रशासन का संबंध कार्यों को संपन्न करने से है, जिसके साथ निर्धारित लक्ष्य पूरे हो सकें’।
लिलिंटन कोल्डवैल	‘जब कभी मनुष्य किसी सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए साथ-साथ कार्य करते हैं, तब प्रशासन आवश्यक हो जाता है’।
प्रो. बी. डोनहम	‘यदि हमारी सभ्यता असफल होती है, तो ऐसा मुख्यतः प्रकाशन के पतन के कारण होगा’।
वुडरो विल्सन	‘प्रशासन राजनीति की परिधि के बाहर है, प्रशासकीय समस्याएं राजनीतिक समस्याएं नहीं हैं। यद्यपि राजनीति प्रशासन के कार्य निर्धारित करती है, तथापि उसे प्रशासकीय पदों के साथ चापलूसी करने की स्वीकृति नहीं मिलनी चाहिए’
एडम ब्रुक्स	‘प्रशासन एक प्रकार की क्षमता है, जो समाज के संघर्षात्मक बहु तत्वों तथा शक्तियों को इस प्रकार समन्वित कर दे, कि वह सब संगठित इकाई के रूप में कार्य करने लगे’
मार्शल डिर्माँक	‘प्रशासन का क्षेत्र संगठन की समस्याओं और सत्ता के संबद्ध है, जिसके द्वारा नीति और कार्यक्रमों को संपादित किया जाता है’
जॉन विगो	‘प्रशासन निश्चयात्मक कार्य है, जिसका प्रयोग निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है’
पॉल एच. एपलबी	‘प्रशासन के अभाव में सरकार एक मनोरंजन का केंद्र बनकर रह जाएगी। यह यदि नहीं होगा, तब सरकार के होने में पर्याप्त संदेह बना रहेगा’।

## लोक प्रशासन

- लोक प्रशासन का अंग्रेजी अनुवाद ‘Public Administration’ होता है, जो Public तथा Administration जैसे दो शब्दों के संयोग से बना है। प्रथम शब्द

‘Public’ लैटिन भाषा के शब्द ‘Publicus’ से बना है जिसका अर्थ पीपुल/लोग होता है। द्वितीय शब्द ‘Administration’ भी दो लैटिन शब्द ‘Ad’ एवं ‘Ministrare’ के संयोग से बना है, जिसका अर्थ होता है प्रबंध करना, सेवा करना या देखभाल करना।

- ‘लोक प्रशासन शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अमेरिका में 19वीं शताब्दी में प्रकाशित विश्वकोश ‘फेडरेलिस्ट’ (Federalist) में अमेरिका के तत्कालीन वित्त मंत्री हेमिल्टन ने किया।
- लोक प्रशासन के विषय में पहली पुस्तक सन् 1812 में ‘लोक प्रशासन के सिद्धांत’ फ्रांसीसी लेखक चार्ल्सजीन बेनिन द्वारा लिखी गई।
- लोक प्रशासन का विषय के रूप में उद्भव सन् 1887 में वुडरो विल्सन के लेख ‘The Study of Administration’ (Political Science Quarterly में प्रकाशित) से हुआ। वुडरो विल्सन को लोक प्रशासन का जनक/पिता (Father of Public Administration) कहा जाता है, उनके द्वारा प्रशासन एवं राजनीति को विभाजित/पृथक् किया गया।
- लोक प्रशासन राजनीति विज्ञान से पृथक् विषय के रूप में प्रतिष्ठित करने का श्रेय एल.डी. व्हाइट (L.D. White) की रचना ‘इंट्रोडक्शन टू स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन’ (Introduction to Study of Public Administration) (1926) को जाता है।
- विद्वान् लूथर गुलिक ने प्रशासनिक क्रियाओं के संचालन हेतु “पोस्डकोर्ब” (POSDCoRB) का सिद्धांत प्रतिपादित किया। यह सिद्धांत मुख्यतः लोक प्रशासन के क्षेत्र में प्रबंधकीय दृष्टिकोण को स्वीकार करता है। यह लूथर गुलिक के ‘पेपर्स ऑफ द साइंस ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन’ (1937) में प्रकाशित हुआ।
- POSDCoRB के प्रत्येक अक्षर का अलग-अलग अर्थ है, जो इस प्रकार है—

P	Planning (योजना बनाना/नियोजित करना);
O	Organising (संगठित करना);
S	Staffing (कर्मचारियों की नियुक्ति करना);
D	Direction (निर्देशन करना);
Co	Coordinating (समन्वय करना);
R	Reporting (प्रतिवेदन/रिपोर्ट देना) एवं
B	Budgeting (बजट बनाना)।

- वुडरो विल्सन ने लोक प्रशासन को ‘प्रशासन का विज्ञान’ (Science of Administration) माना है।
- लोक प्रशासन के प्रारंभिक विद्वानों में लूथर गुलिक तथा हरबर्ट ए. साइमन का मानना है कि लोक प्रशासन का संबंध कार्यपालिका से है।

178 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- विद्वान् एल. डी. व्हाइट, क्लोबी तथा एफ.एम. मार्क्स आदि का मानना है कि लोक प्रशासन का संबंध शासन के तीनों अंगों – विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका से है।
- हरबर्ट ए. साइमन, लैडल उर्विक, फ्रेडिक्स टेलर, रॉबर्ट डहल, एफ. डब्ल्यू. रिग्स जैसे कई विद्वान् लोक प्रशासन के व्यापक स्वरूप को विज्ञान नहीं मानते हैं।
- पॉल एच. एपलबी, हरबर्ट साइमन, फ्रेडिक्स ए. नीग्रो, सर जोसिया स्टॉप लोक प्रशासन और निजी प्रशासन में व्यापक अंतर मानते हैं जबकि हेनरी फेयोल तथा उर्विक जैसे विद्वान् लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन में अंतर मानते हैं।
- लोक प्रशासन के विद्वानों ने सुविधा के दृष्टिकोण से लोक प्रशासन के विकासकाल को पांच भागों में विभाजित किया है, जो इस प्रकार हैं—

प्रथम चरण (1887-1926)	राजनीति प्रशासन विभाजन (कुल 39 वर्ष)
द्वितीय चरण (1927-1937)	प्रशासन के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर जोर (कुल 10 वर्ष)
तृतीय चरण (1938-1947)	प्रशासनिक व्यवहार का अध्ययन (9 वर्ष)
चतुर्थ चरण (1948-1970)	पहचान का संकट (22 वर्ष)
पंचम चरण (1971 से वर्तमान तक)	अंतर्विषयक उपागम पर बल।

- लोक प्रशासन के विकास के द्वितीय चरण (1927-37) के काल को लोक प्रशासन के सिद्धांतों का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसी समय क्लोबी की पुस्तक (सन् 1927 में) 'Principles of Public Administration' प्रकाशित हुई।
- 'पोस्टकोर्ब' (POSDCoRB) शब्द लोक प्रशासन के विकास के द्वितीय चरण की ही देन है।
- लोक प्रशासन के विकास में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) का सर्वाधिक योगदान है। एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का जन्म अमेरिका में ही हुआ है।
- लोक प्रशासन के विकास के चौथे चरण का इतिहास संकट काल (पहचान का संकट) का रहा है।
- तुलनात्मक लोक प्रशासन समूह (CAG) की स्थापना अमेरिकी लोक प्रशासन संस्थान की एक समिति के रूप में सन् 1960 में की गई। फ्रेड रिग्स प्रारंभ से लेकर 1970 तक इस ग्रुप के प्रथम अध्यक्ष रहे।
- सन् 1969 में तुलनात्मक लोक प्रशासन समूह (CAG) ने एक (त्रैमासिक) शोध पत्रिका 'जर्नल ऑफ कम्परेटिव एडमिनिस्ट्रेशन' (The Journal of Comparative Administration) प्रकाशित करना प्रारंभ किया। इस पत्रिका के प्रथम संपादक पीटर सैवेज रहे। वर्ष 1974 में यह जर्नल प्रकाशित होना बंद हुआ।

- तुलनात्मक लोक प्रशासन समूह (CAG) विकासशील देशों के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पर्यावरण के व्यवस्थित संदर्भ में प्रशासनिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित कर सका।
- 1970 का दशक तुलनात्मक लोक प्रशासन के हास/पतन के लिए जाना जाता है। सन् 1971 में फोर्ड फाउंडेशन (Ford Foundation) ने CAG को अपनी वित्तीय सहायता देना बंद कर दी। सन् 1975 तक यह (CAG) विघटित हो गया।

(लोक प्रशासन में) संगठन के प्रमुख सिद्धांत/दृष्टिकोण: एक दृष्टि में	
सिद्धांत/दृष्टिकोण/उपागम (Model/Approach)	प्रतिपादक/समर्थक
शास्त्रीय उपागम/संरचनात्मक-कार्यात्मक सिद्धांत (Classical Approach/Structural Functional Approach)	हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक एवं लिंडल उर्विक, मेरी पाकर
वैज्ञानिक प्रबंध उपागम (Scientific Management Approach)	फ्रेडरिक टेलर
मानवीय संबंधात्मक उपागम/मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण (Human Relation/Psychological Approach)	एल्टन मेयो
नौकरशाही उपागम (Bureaucracy Approach)	मैक्स वेबर
पारिस्थितिकीय उपागम (Ecological Approach)	फ्रेड डब्ल्यू रिंग्स
व्यावहारवादी उपागम (Behavioural Approach)	हरबर्ट साइमन
व्यवस्थावादी उपागम (Systems Approach)	चेस्टर बर्नार्ड
सामाजिक-मनोवैज्ञानिक उपागम/अभिप्रेरणा सिद्धांत (Social Psychological Approach)	मैकग्रेगर एवं अब्राहम मेयो

- फ्रेडरिक विंसलो टेलर (F.W.Taylor) को वैज्ञानिक प्रबंध (Scientific Management) का पिता/जन्मदाता माना जाता है। वैज्ञानिक प्रबंध ने प्रबंधकीय क्रांति के माध्यम से प्रबंध को पेशे के रूप में विकसित किया है।
- एफ.डब्ल्यू. टेलर ने 'वैज्ञानिक प्रबंध' के सिद्धांत का प्रतिपादन 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के तत्कालीन संगठनात्मक समस्याओं में सुधार लाने के लिए किया।
- हर्बर्ट ए. साइमन ने वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत को 'शरीर क्रिया विज्ञान संगठन' सिद्धांत कहा है। टेलर के वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धांत को आलोचकों ने 'प्रबंध के शीत दर्शन' की संज्ञा दी।
- मानव संबंधी सिद्धांत का प्रतिपादन एल्टन मेयो ने अपनी रचना 'औद्योगिक समाजशास्त्र और औद्योगिक मनोविज्ञान' में की। इस सिद्धांत को 'सामाजिक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत' (Social Psychological Approach) भी कहा जाता है।



- मानव संबंध आंदोलन (Human Relation) की शुरुआत 'हॉथोर्न प्रयोग' (Hawthorne Experiment) 1927 एवं 1932 से माना जाता है। मानव संबंध विचारधारा को 'हॉथोर्न प्रयोग' ने सबसे अधिक प्रभावित एवं व्यवस्थित किया है।
- मानव संबंध आंदोलन से संबंधित 'हॉथोर्न प्रयोग' (शिकागो स्थित) वेस्टर्न इलेक्ट्रिक कंपनी में संपन्न किया गया।
- हेनरी फेयोल ने अपनी पुस्तक 'जनरल एंड इंडस्ट्रियल एडमिनिस्ट्रेशन' (General of Industrial Administration) में संगठन के 14 सिद्धांतों का उल्लेख किया है।
- हर्बर्ट ए. साइमन को 'निर्णय निर्माण सिद्धांत' (Decision Making Theory) के एक प्रसिद्ध प्रतिपादक के रूप में जाना जाता है।
- हर्बर्ट ए. साइमन ने निर्णय निर्माण को तीन प्रमुख स्तरों में विभाजित किया है— निर्णय निर्माण हेतु अवसर की तलाश; कार्य निष्पादन हेतु संभावित विकल्पों की पहचान और संभावित विकल्पों में से एक का चयन।
- मैकग्रेगर ने अभिप्रेरण (Motivation) संबंधी 'X' तथा 'Y' नामक दो सिद्धांतों को अपनी पुस्तक 'Human Science of the Inspices' से लिया।
- 'आदेश की एकता' (Unity of Command) से अभिप्राय संगठन के प्रत्येक सदस्य का केवल एक वरिष्ठ अधिकारी से आदेश प्राप्त करना व उसके प्रति जवाबदेह होना है। यह सिद्धांत 'सैनिक प्रशासन' की देन है। इस सिद्धांत को एफ. डब्ल्यू टेलर ने 'सैनिक तानाशाही' कहा है।
- 'गैंग प्लॉक' (Gang Plank) पदसोपान व्यवस्था में निहित दोषों को दूर करने के लिए हेनरी फेयोल द्वारा निर्मित एक 'पुल व्यवस्था' है, जिसे 'सोपानीय कूद' (Level Jumping) भी कहा जाता है।
- लूथर गुलिक ने विभागीय संगठन के चार आधार बताए हैं, जो इस प्रकार हैं— उद्देश्य/कार्य (Purpose), प्रक्रिया (Process), व्यक्ति (Person) एवं स्थान (Place)। इन आधारों को 'चार-पी' (Four P's) के नाम से भी जाना जाता है।
- लोक प्रशासन के क्षेत्र में संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण (Structural Functional Approach) को अपनाने वाला प्रथम विद्वान् वाल्डों (1955) था।
- विद्वान् उर्विक (Urwick) ने संगठन के आठ नियमों (Eight Principles of Organisation) की चर्चा की, जो इस प्रकार हैं—

1. उत्तरदायित्व का सिद्धांत (Principles of Responsibility)
2. समन्वय का सिद्धांत (Principles of Co-ordination)
3. पदसोपान का सिद्धांत (Principles of Hierarchy)
4. अनुरूपता का सिद्धांत (Principles of Uniformity)

5. व्याख्या का सिद्धांत (Principles of Definition)
6. विस्तार नियंत्रण का सिद्धांत (Principles of Span of Control)
7. उद्देश्य का सिद्धांत (Principles of Objectives)
8. विशिष्टीकरण का सिद्धांत (Principles of Specialization)

- विद्वान् मूने एवं रैले ने एक आदर्श संगठन के लिए 4 सिद्धांतों की चर्चा की है, जो इस प्रकार हैं—

1. स्टाफ एवं सूत्र सिद्धांत (Staff and Line Principles)
2. पदसोपान सिद्धांत (Scalar Principles)
3. कार्यात्मक सिद्धांत (Functional Principles)
4. समन्वयात्मक सिद्धांत (Coordinative Principles)

- सन् 1968 के बाद लोक प्रशासन के अध्ययन को 'नवीन लोक प्रशासन' (New Public Adm.) के नाम से जाना जाता है।
- नवीन लोक प्रशासन की उत्पत्ति एवं विकास से संबंधित प्रमुख घटनाएं (कारण) इस प्रकार हैं। क्रमशः—
  - अमेरिका में लोक सेवा के लिए उच्चतम शिक्षा पर हेनरी रिपोर्ट, 1967
  - अमेरिका में लोक प्रशासन के सिद्धांत एवं व्यवहार पर फिलाडेल्फिया सम्मेलन, 1967
  - मिन्नोब्रुक सम्मेलन, 1968
  - डवाइट वाल्डो का ग्रंथ 'Public Administration in Time of Turbulance' 1971
  - फ्रेक मेरिनी का ग्रंथ—'Toward a New Public Administration' 1971
  - द्वितीय मिन्नोब्रुक सम्मेलन 1988
- प्रथम मिन्नोब्रुक सम्मेलन (1968) का विचारणीय विषय 'परिवर्तनशील समाज में लोक प्रशासन की भूमिका' था।
- प्रथम मिन्नोब्रुक सम्मेलन 1968 में (अमेरिका) आयोजित हुआ। द्वितीय मिन्नोब्रुक सम्मेलन (20 वर्ष पश्चात्) भी 1988 में अमेरिका में ही आयोजित हुआ।
- नवीन लोक प्रशासन विचारधारा को शुरू करने का श्रेय डवाइट वाल्डो को जाता है। नवीन लोक प्रशासन के समर्थकों में एक प्रमुख नाम फ्रेंक मेरीनो का भी है।
- 'नवीन लोक प्रशासन की दिशाएं' मिन्नोब्रुक सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में (1971 में) पुस्तक फ्रेंक मेरिनी द्वारा लिखी गई।
- नया लोक प्रबंध परिप्रेक्ष्य 'बाजारोन्मुखी शासन' (Market Oriental Administration) पर बल देता है।

182 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- नया लोक प्रबंधनोमुखी लोक प्रशासन का संकेत 'रिइन्वेंटिंग गवर्नमेंट, (Reinventing Govt.)' में मिलता है। 'Reinventing Govt.' नामक कृति डेविड आस्बोर्न एवं टेड गैबलर नामक लेखक की है।
- नवीन लोक प्रशासन संगठन (NPA) लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य अंतर को स्वीकार नहीं करता है।
- सन् 1990 के दशक में लोक प्रशासन के एक नए प्रतिमान/मॉडल का उदय हुआ, जिसे प्रबंधकीकरण, नवीन लोक प्रशासन, बाजार आधारित लोक प्रशासन, उद्यमकर्ता शासन आदि के नाम से जाना जाता है। इस नए प्रतिमान में तीन 'E' दक्षता (Efficiency); अर्थव्यवस्था (Economy) एवं प्रभाविता (Effectiveness) के कार्यान्वयन पर बल दिया गया है।
- नवीन लोक प्रशासन को 'विकास प्रशासन' (Development Adm.) के निकटतम माना जा सकता है। 'विकास प्रशासन' एक अमेरिकी (USA) उपज है।

### नवीन लोक प्रशासन की प्रमुख विशेषताएं ( एक दृष्टि में )

1. मूल्यां से परिपूर्ण प्रशासन पर बल।
  2. मूल्यां एवं तथ्यों के बीच समन्वय।
  3. ग्राहक केंद्रित प्रशासन को कायम करने का लक्ष्य।
  4. सामाजिक परिवर्तन एवं कार्यकुशलता पर बल।
  5. राजनीति एवं प्रशासन के मध्य द्वि-विभाजन स्वीकार नहीं।
  6. मानवीय दृष्टिकोण का समर्थन।
  7. प्रासंगिकता एवं नैतिक मूल्यां की खोज।
  8. विकेंद्रीकरण पर बल।
- तृतीय मिन्नोब्रुक सम्मेलन (Third Minnowbrook Conference) 3-5 सितंबर 2008 को ब्लू माउंटेन लेक, न्यूयॉर्क (सं.रा. अमेरिका) में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में लोक प्रशासन को नवीन ढंग से सामूहिक संबंध एवं मानवीय हित के संदर्भ में पारिभाषित किया गया।
  - तृतीय मिन्नोब्रुक (Minnowbrook III), 2008 में चर्चा का प्रमुख विषय था 'लोक प्रशासन, लोक प्रबंधन तथा लोक सेवा का समकालीन विश्व में भविष्य'। इस सम्मेलन में कुल 13 देशों के लगभग 220 विद्वानों ने भाग लिया।
  - वर्तमान में लोक प्रशासन का उद्देश्य सभी लोगों का कल्याण करना है।





# पंचायती राज (Panchayati Raj)

- 'पंचायत' (Panchayat) शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के शब्द 'पंचायतन्' से हुई, जिसका अर्थ है—'पांच व्यक्तियों का समूह'।
- पंचायतें लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण (Democratic Decentralisation) का एक रूप हैं, जिसमें प्रशासनिक एवं सत्ता के अधिकारों को केंद्र से गांवों को हस्तांतरित किया जाता है। इसे 'ग्रासरूट डेमोक्रेसी' के नाम से संबोधित किया जाता है।
- भारत में प्राचीन काल से ही पंचायतों का किसी-न-किसी रूप से अस्तित्व रहा है। पंचायतों को 'स्थानीय स्वशासन' (Local Self Government) की इकाई माना जाता रहा है।
- लॉर्ड रिपन को भारत में 'स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं का पिता' माना जाता है। इन्होंने वर्ष 1882 में स्थानीय स्वशासन को स्वशासी बनाने का एक प्रस्ताव दिया था। रिपन के इस प्रस्ताव को 'स्थानीय स्वशासन का मैग्नाकार्टा' भी कहा जाता है।
- सर्वप्रथम कांग्रेस (Congress) द्वारा ग्रामीण प्रशासन हेतु पंचायतों को पुनर्जीवित करने की मांग सन् 1909 में (लाहौर में हुए) अखिल भारतीय कांग्रेस के अधिवेशन में रखी थी।
- सन् 1919 में ब्रिटिश संसद ने भारत सरकार अधिनियम पारित किया, जिसे मांटैग्यू चेम्सफोर्ड सुधार ऐक्ट, के नाम से जाना जाता है। इस ऐक्ट में 'पंचायतें' Panchayat प्रांतीय सरकारों को हस्तांतरित करने की बात की गई थी।
- सन् 1932 में महात्मा गांधी ने 'सेवाग्राम' में ग्रामीण विकास हेतु कई योजनाओं का सूत्रपात् किया।

184 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारतीय संविधान, जो सन् 1950 को लागू हुआ, इसके अनुच्छेद 40 (Article 40) पंचायतों से संबंधित है। इस अनुच्छेद के अनुसार “राज्य ग्राम पंचायतों के गठन हेतु कदम उठाएगा”।
- भारतीय संविधान में स्थानीय स्वशासन को संविधान की 7वीं अनुसूची (Seventh Schedule) की सूची-2 राज्य सूची (State List) की प्रविष्टि-5 के अधीन रखा गया है।
- पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा पंचायती राज एवं सामुदायिक विकास मंत्रालय के तत्वावधान में 2 अक्टूबर, 1952 को ‘सामुदायिक विकास कार्यक्रम’ (Community Development Programme) प्रारंभ किया गया, जिसमें विकास खंड (Block) की इकाई माना गया। यह कार्यक्रम विफल रहा।
- 2 अक्टूबर, 1953 को ‘राष्ट्रीय प्रसार सेवा’ कार्यक्रम प्रारंभ किया, किंतु यह भी असफल सिद्ध हुआ।
- ‘सामुदायिक विकास कार्यक्रम’ तथा ‘राष्ट्रीय प्रसार सेवा’ की विफलता के बाद सन् 1957 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई। इस समिति ने त्रिस्तरीय (Three-Tier) पंचायत राज संस्थाओं की स्थापना करने की सिफारिश की।
- पंचायती राज के क्षेत्र में देश के शीर्ष प्रशिक्षण अनुसंधान तथा परामर्शकारी निकाय के रूप ‘राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान’ (मूल नाम राष्ट्रीय सामुदायिक विकास संस्थान) की स्थापना सन् 1958 में की गई। यह संस्थान हैदराबाद में स्थित है।
- सर्वप्रथम 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर (राजस्थान) में पं. नेहरू ने ‘प्रजातंत्रिक विकेंद्रीकरण’ की योजना का शुभारंभ किया, जिसे ‘पंचायती राज’ कहा गया।
- बलवंत राय मेहता द्वारा की गई सिफारिशों में आई कमियों को दूर करने हेतु सन् 1977 में अशोक मेहता की अध्यक्षता में एक पंचायती राज समिति का गठन किया गया। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में द्विस्तरीय (Two-Tier) पंचायत राज संस्थाओं की सिफारिश की।
- ग्रामीण विकास एवं गरीबी उन्मूलन से संबंधित प्रशासनिक व्यवस्था पर सिफारिश करने हेतु सन् 1985 में जे.के.वी. राव (JKV) की अध्यक्षता में समिति गठित की गई।
- पंचायती राज संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा हेतु सन् 1986 में एल. एम. सिंघवी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। समिति ने अपनी रिपोर्ट में पंचायती राज की प्रणाली के कुछ पहलुओं को संवैधानिक दर्जा दिए जाने की सिफारिश की।
- सर्वप्रथम भारत के कर्नाटक राज्य ने सन् 1987 जिला ग्रामीण विकास अभिकरणों का जिला पंचायत में विलय किया।

- सन् 1988 में पी. के. थुंगन की अध्यक्षता में (जिला नियोजन पर) संसद की एक सलाहकार समिति का गठन किया गया। इस समिति ने भी पंचायतीराज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिए जाने की सिफारिश की।
- सन् 1989 में राजीव गांधी की (कांग्रेस) सरकार ने पंचायतों से संबंधित 64वां संविधान संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया। यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया, परंतु राज्य सभा में पारित नहीं हो सका।
- पंचायतों से संबंधित 73वें संविधान संशोधन विधेयक (73rd Constitutional Amendment Bill) को संसद ने दिसंबर 1992 में पारित किया। अप्रैल 1993 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह विधेयक 73वां संविधान संशोधन अधिनियम बना। इस संविधान संशोधन द्वारा पंचायतों को संविधान के भाग-9 में शामिल कर संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 73वें संविधान संशोधन द्वारा (सन् 1993) भाग-9 में कुल 16 अनुच्छेद (अनुच्छेद 243 से 243ण तक) जोड़े गए। साथ ही संविधान में एक 11बी अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें कुल 29 विषय हैं, जो पंचायतों के कार्य से संबंधित हैं।

**संविधान का भाग-9 पंचायतें ( एक दृष्टि में )  
( अनुच्छेद 243 से 243 तक )**

अनुच्छेद 243	परिभाषाएं
अनुच्छेद 243(क)	ग्राम सभा
अनुच्छेद 243(ख)	पंचायतों का गठन
अनुच्छेद 243(ग)	पंचायतों की संरचना
अनुच्छेद 243(घ)	स्थानों का आरक्षण
अनुच्छेद 243(ङ.)	पंचायतों की अवधि
अनुच्छेद 243(च)	सदस्यता के लिए निरर्हताएं
अनुच्छेद 243(छ)	पंचायतों की शक्तियां एवं उत्तरदायित्व
अनुच्छेद 243(ज)	पंचायतों द्वारा कर अधिरोपित की शक्तियां
अनुच्छेद 243(झ)	वित्तीय स्थिति के पुनर्विलोकन हेतु वित्त आयोग
अनुच्छेद 243(ञ)	पंचायतों के लेखाओं की संपरीक्षा
अनुच्छेद 243(ट)	पंचायतों के लिए निर्वाचन
अनुच्छेद 243(ठ)	संघ राज्यों क्षेत्रों को लागू करना
अनुच्छेद 243(ड)	इस भाग का कुछ क्षेत्र में लागू न होना
अनुच्छेद 243(द)	विद्यमान विधियों एवं पंचायत का बना रहना
अनुच्छेद 243(ण)	न्यायालय के हस्तक्षेप का वर्णन

186 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 73वें संविधान संशोधन विधेयक पर राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह विधेयक 24 अप्रैल, 1993 से अधिनियम (Act) के रूप में लागू हुआ, इसलिए प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को 'पंचायत दिवस' (Panchayat Day) के रूप में मनाया जाता है।
- सन् 1996 में संसद ने पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों में 'विस्तार' अधिनियम पारित किया। इस ऐक्ट को 'पीसा' या 'पेसा' (PESA: Panchayat Extension to Schedule Areas Act) के नाम से जाना जाता है।
- आंध्र प्रदेश के कुर्नल जिले की कालवा ग्राम पंचायत के सरपंच का चुनाव सन् 1996 में महिला फातिमा बी (Fatima Bi) ने जीता। फातिमा बी ने गांव के विकास हेतु एक विकास संगठन 'प्रोड' (सूर्योदय) गठित किया। बाद में फातिमा बी को सर्वश्रेष्ठ सरपंच का यू. एन. पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- केरल शक्तियों के विकेंद्रीकरण अधिनियम, 2000 द्वारा पंचायती राज को सशक्त बनाया गया। केरल के पंचायती राज मॉडल भारत के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बनता जा रहा है।
- सन् 2000 में संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया गया, जिसने 2002 में अपनी रिपोर्ट दी। आयोग द्वारा गठित विषय विशेषज्ञ समितियों में 'पंचायती राज विषय' की समिति के अध्यक्ष पी. ए. संगमा थे। इस समिति ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक 'राज्य पंचायत परिषद' (State Panchayat Council) गठित करने की सिफारिश की।
- भारत में केंद्रीय स्तर पर पंचायती राज के कार्य निर्देशित एवं समन्वित करने हेतु पृथक् से एक मंत्रालय पंचायती राज मंत्रालय की मई 2004 में स्थापना की गई। मणिशंकर अय्यर प्रथम पंचायती राज मंत्री बने।
- पंचायती राज मंत्रालय की स्थापना के कुछ मास बाद ही विभिन्न राज्यों के पंचायती राज मंत्रियों एवं शासन सचिवों को देश के अलग-अलग शहरों में बुलाकर अलग-अलग विषयों पर कुल 7 गोलमेज सम्मेलन जुलाई से दिसंबर 2004 तक आयोजित हुए।
- सन् 2004 के अंत में पंचायतों से संबंधित राष्ट्रीय पंचायत पोर्टल-www.Panchayat.gov.in प्रारंभ किया गया।
- 'पंचायत सशक्तिकरण एवं उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना' यानी 'पी.ई.ए.आई. एस.' (Panchayat Empowerment and Accountability Incentive Scheme) वर्ष 2005-2006 से पंचायती राज मंत्रालय द्वारा लागू की गई।

**भारत के राज्यों में पंचायती राज की स्थिति ( एक दृष्टि में )**

क्र.सं.	राज्य	स्तर	संस्थाएं
1.	केरल	एकस्तरीय	ग्राम पंचायत
2.	जम्मू-कश्मीर	एकस्तरीय	ग्राम पंचायत

Contd...

3.	सिक्किम	एकस्तरीय	ग्राम पंचायत
4.	त्रिपुरा	एकस्तरीय	ग्राम पंचायत
5.	मणिपुर	एकस्तरीय	ग्राम पंचायत
6.	मिजोरम	जनजातीय परिषद	जनजातीय परिषद
7.	मेघालय	जनजातीय परिषद	जनजातीय परिषद
8.	नागालैंड	जनजातीय परिषद	जनजातीय परिषद
9.	असम ( असोम )	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
10.	मध्य प्रदेश	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
11.	छत्तीसगढ़	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
12.	हरियाणा	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
13.	कर्नाटक	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
14.	उड़ीसा ( ओडिशा )	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
15.	दिल्ली ( UT )	द्विस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति
16.	उत्तर प्रदेश	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
17.	बिहार	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
18.	राजस्थान	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
19.	झारखंड	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
20.	उत्तराखंड	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति जिला परिषद
21.	पंजाब	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
22.	हिमाचल प्रदेश	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
23.	महाराष्ट्र	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
24.	गुजरात	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
25.	आंध्र प्रदेश	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद

Contd...



26.	तमिलनाडु	त्रिस्तरीय	ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
27.	पश्चिम बंगाल	चार स्तरीय	ग्राम पंचायत, अंचल पंचायत, आंचलिक परिषद एवं जिला परिषद।

- सन् 2005 से गांवों में स्वच्छता को बढ़ावा (Sanitation Campaign) देने हेतु पंचायती राज्य संस्थाओं को 'निर्मल ग्राम पुरस्कार' प्रदान किए जाते हैं।
- सन् 2005 से केंद्र सरकार ने वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया। इस आयोग ने पंचायतों से संबंधित अपनी प्रमुख सिफारिश में जमीनी लोकतंत्र को सुदृढ़ करने हेतु स्थानीय स्वशासन के क्षेत्र में आनुवागिता के सिद्धांत अपनाने की सलाह दी।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी ऐक्ट-'मनरेगा' (MNREGA) की शुरुआत 2 फरवरी, 2006 को (देश के 200 जिलों से) की गई। मनरेगा की धारा-13 से 17 तक में पंचायती राज संस्थाओं के अधिकारों का उल्लेख किया गया है।
- 19 फरवरी, 2007 को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने असम के बरपेटा जिले से पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि '(BRGF)' का प्रारंभ किया। यह योजना ऊपर से नीचे योजना (Top Down Plan Approach) के दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन कर जमीनी स्तर से ऊपर के स्तर (Grassroots Level Upwards Plan) पर भागीदारी योजना पर आधारित है।
- पंचायतों के लगभग 8 हजार से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक राष्ट्रीय अधिवेशन अप्रैल 2008 में नई दिल्ली में आयोजित हुआ। सम्मेलन का नारा था-'प्रधान से प्रधानमंत्री तक'।
- भारत में पहली बार 16 जून, 2008 को 'राइट टू रिकॉल' (Right to Recall) का प्रयोग करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य की जनता ने तीन नगर पंचायत प्रमुखों को वापस बुलाया।

### पंचायतों में नेतृत्वकारी स्थिति ( एक दृष्टि में )

( सन् 2012-2013 रिपोर्ट के आधार पर )

पंचायती स्तर	संख्या	चुने गए प्रतिनिधि	महिला
जिला (District)	542	15,613	5,810
मध्यम/ब्लॉक (Block)	6,094	1,56,794	58,191
गांव/ग्राम (Village)	2,32,855	26,45,883	9,72,057
कुल (Total)	2,39,491	28,18,290	10,39,058

- भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश (World Largest Democratic Country) इसलिए नहीं कहा जाता है कि यहां जनसंख्या अधिक है या देश का भौगोलिक आकार बड़ा है। बल्कि हम भारतीय संसद से लेकर ग्राम पंचायत तक लगभग 32 लाख से भी अधिक जनप्रतिनिधि चुनते हैं।
- संसद ने ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 में पारित किया, जो 2 अक्टूबर, 2009 से लागू हुआ। गांवों में सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने हेतु ग्राम न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान इस अधिनियम में किया गया है।
- केंद्र के पंचायती राज मंत्रालय ने 73वें संविधान संशोधन के वास्तविक क्रियान्वयन हेतु मॉडल पंचायत एवं ग्राम स्वराज ऐक्ट (MPGSA) का प्रारूप तैयार किया, जिसे मई 2009 को विभिन्न राज्य सरकारों से लागू करने हेतु आग्रह किया गया।
- भारत के लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में तीन वर्षों में 'पंचायत घर' का निर्माण करने तथा प्रत्येक पंचायत घर में एक सेवा केंद्रों की स्थापना की घोषणा पूर्व केंद्र सरकार ने 20 अगस्त 2009 को (पूर्व पीएम राजीव गांधी के जन्मदिवस पर की)। इन प्रस्तावित सेवा केंद्रों को 'राजीव गांधी पंचायत सेवा केंद्र' के नाम से जाना जाएगा।
- 2 अक्टूबर, 2009 को देश में पंचायती राज के 50 वर्ष पूर्ण हुए। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्र भारत में पंचायती राज का शुभारंभ 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर में हुआ था।
- पंचायतों की स्वर्ण जयंती (1959-2009) के अवसर पर केंद्र सरकार ने 'नरेगा' का नामकरण महात्मा गांधी के नाम पर 'मनरेगा' (MNREGA) किया, साथ ही पंचायतों में महिलाओं को 50% आरक्षण देने का फैसला भी लिया।
- केंद्र सरकार ने 2009-2010 को 'ग्राम सभा वर्ष' 'Gram Sabha Year' के रूप में मनाया।
- अक्टूबर, 2010 को अहमदाबाद (गुजरात) में म्यूनिसिपल चुनाव में नागरिकों को ऑनलाइन वोटिंग की (Online Voting) की सुविधा प्रदान की गई। ऑनलाइन वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराने वाला गुजरात भारत का पहला राज्य बना।
- पंचायत में शासन की गुणवत्ता सुधार हेतु केंद्र सरकार ने सभी पंचायतों (लगभग 2.5 लाख) को ई-सक्षम करने हेतु 'ई-पंचायत' (e-panchayat) 'मिशन-मोड परियोजना' (MMPS) नामक एक परियोजना प्रारंभ की है।
- पंचायती राज संस्थाओं की संवैधानिक स्थापना के 20 वर्ष (1992 से 2012) पूरे होने के अवसर पर मणिशंकर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन 27 अगस्त, 2012 को किया गया। इस समिति द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने हेतु एक 'राष्ट्रीय पंचायत आयोग' (National Panchayat Commission) को स्थापित करने की सिफारिश की गई।

**190 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में**

- गांवों के समग्र विकास हेतु एक नई 'सांसद आदर्श गांव योजना' (SAGY) का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने 11 अक्टूबर, 2014 को किया। इस योजना के तहत हर सांसद (MP) को अपनी स्वयं की 5-5 करोड़ की सांसद निधि का इस्तेमाल करके सन् 2016 तक 1-1 तथा 2019 तक 3-3 गांवों में बुनियादी संस्थागत ढांचा विकसित करने का आग्रह किया गया है।
- गुजरात (Gujarat) स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान अनिवार्य करने वाला भारत का पहला राज्य (2015 में) बना।
- सन् 2015 में राजस्थान (Rajasthan) भारत का ऐसा पहला राज्य बना है, जहां पंचायत चुनावों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान किया गया है।





# मूल अधिकार

## (Fundamental Rights)

- मूल/मौलिक अधिकार (Fundamental Rights), वह अधिकार होते हैं, जो व्यक्ति के जीवन के लिए मौलिक एवं अनिवार्य होने के कारण संविधान (Constitution) द्वारा नागरिकों को प्रदान किए जाते हैं तथा जिन अधिकारों में राज्य द्वारा हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।
- इन अधिकारों को मूल अधिकार निम्न कारणों से कहा जाता है—
  - यह अधिकार व्यक्ति के पूर्ण मानसिक, नैतिक एवं भौतिक विकास के लिए बहुत आवश्यक होते हैं।
  - यह अधिकार नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के प्रदान किए जाते हैं।
  - मूल अधिकार न्याय योग्य होते हैं। न्यायपालिका इन अधिकारों की रक्षा हेतु कदम उठा सकती है।
  - यह अधिकार अनुल्लंघनीय हैं इनका व्यवस्थापिका या कार्यपालिका द्वारा अतिक्रमण नहीं किया जा सकता।

### मूल अधिकारों की विशेषताएं

- भारतीय संविधान में मूल अधिकारों का वर्णन विश्व के अन्य देशों के संविधानों की अपेक्षा काफी विस्तृत है।
- भारतीय संविधान के भाग-3 में मूल अधिकारों का वर्णन अनुच्छेद 12 से 30 तथा 32 से 35 तक है। इस प्रकार संविधान में मूल अधिकारों के संबंध में कुल 23 अनुच्छेद हैं।
- भारतीय संविधान के मूल अधिकार (भाग 3) के 19 वें अनुच्छेद में ही अकेले 450 शब्द हैं।
- मूल अधिकार सीमित है, असीमित नहीं। इन पर संविधान में प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

192 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- मूल अधिकार संसद/राज्यों के विधानमंडलों द्वारा बनाए गए कानूनों से ऊपर हैं।
- मूल अधिकार केवल सिद्धांत ही नहीं, वरन् व्यावहारिकता पर आधारित हैं। इनमें प्राकृतिक अधिकारों के लिए कोई स्थान नहीं।
- भारतीय नागरिकों तथा भारत में रहने वाले विदेशी नागरिकों के लिए संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों में अंतर है।
- कुछ मूल अधिकार ऐसे हैं, जो केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त हैं (विदेशियों को नहीं) ऐसे अधिकार हैं—
  - धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग एवं जन्मस्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध (अनुच्छेद 15)
  - लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता (अनुच्छेद 16)।
  - वाक् स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19)।
  - अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण (अनुच्छेद 29)।
  - शिक्षा संस्थाओं की स्थापना का अल्पसंख्यक वर्गों को अधिकार (अनुच्छेद 30)।
- राज्य की सुरक्षा, भारत की प्रभुता एवं अखंडता, विदेशी एवं लोक व्यवस्था की दृष्टि से मूल अधिकारों को निर्लंबित भी किया जा सकता है।
- संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत नागरिक अपने अधिकारों की रक्षा हेतु न्यायालय की शरण भी ले सकते हैं। इस अनुच्छेद 32 को भीम राव अम्बेडकर ने “संविधान की आत्मा” कहा था।
- अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय मूल अधिकारों की रक्षा के लिए कई रिट (Writ) जारी कर सकता है; जैसे— बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण एवं अधिकार पृच्छा।

## संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार

- भारतीय संविधान भाग-3 द्वारा नागरिकों के मूल अधिकार प्रदान किए गए थे, परंतु 44 वें संविधान संशोधन (1978) द्वारा संपत्ति के अधिकार को मूल अधिकार के रूप में समाप्त कर दिया गया। इस प्रकार अब भारतीय नागरिकों को 6 अधिकार ही प्राप्त हैं।

### (पहला) समता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18 तक)

- कानून के प्रति समानता (अनुच्छेद 14)।
- धर्म, मूल, वंश, जाति, लिंग एवं जन्म के स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध (अनुच्छेद 15)
- लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता (अनुच्छेद 16)।
- अस्पृश्यता छुआछूत का अंत (अनुच्छेद 17)।
- उपाधियों का अंत (अनुच्छेद 18)।

**(दूसरा) स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22 तक)**

- वाक् स्वतंत्रता आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण (अनुच्छेद 19)।
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण (अनुच्छेद 20)।
- प्राण व दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (अनुच्छेद 21)।
- **नोट:** 86 वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा अनुच्छेद 21 (क) जोड़ा गया है, जिसके अनुसार राज्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा।
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध के संरक्षण (अनुच्छेद 22)।

**(तीसरा) शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 22 से 24)**

- मानव के दुर्व्यापार एवं बलात् श्रम का प्रतिषेध (अनुच्छेद 23)।
- कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध (अनुच्छेद 24)।

**(चौथा) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28 तक)**

- आस्था और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25)।
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 26)।
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता (अनुच्छेद 27)।
- शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा (या) धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता (अनुच्छेद 28)।

**(पांचवां) संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30 तक)**

- अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण (अनुच्छेद 29)।
- शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और प्रचालन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार (अनुच्छेद 30)।

**संपत्ति का अधिकार (जो अब मूल अधिकार नहीं रहा) के संबंध में वर्तमान स्थिति**

- अनुच्छेद 31 के अंतर्गत प्राप्त संपत्ति के अधिकार (संपत्ति का अनिवार्य अर्जन) को 44 वें संशोधन अधिनियम (1978) द्वारा रद्द कर दिया गया।
- इसके साथ ही संविधान के भाग 12 में एक नया अध्याय 4 जोड़ा गया। इस नए अध्याय का शीर्षक है 'संपत्ति का अधिकार' और इसमें केवल एक ही अनुच्छेद (Article) है, अनुच्छेद 300 (क)।

- अनुच्छेद 300 (क) के अनुसार “किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से विधि के प्राधिकार से ही वंचित किया जाएगा, अन्यथा नहीं”।
- वर्तमान में संपत्ति का अधिकार एक विधिक/कानूनी अधिकार है, संवैधानिक अधिकार नहीं है। इसे अन्य मूल अधिकार की भांति संवैधानिक संरक्षण भी प्राप्त नहीं है।

### (छठा) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

- अनुच्छेद 32 के अनुसार “भाग 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों में से किसी को प्रवर्तित कराने हेतु उच्चतम न्यायालय को ऐसे आदेश या रिट (Writ), जिसके अंतर्गत बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार पृच्छा एवं उत्प्रेक्षण रिट-जो भी समुचित हो, निकालने की शक्ति प्राप्त है।”

### मानव अधिकार (Human Rights)

- मानव अधिकारों के लिए संघर्ष का सर्वप्रथम प्रमाण 15 जून, 1215 की उस घटना से मिलता है, जब ब्रिटेन के तत्कालीन सम्राट् जॉन को उसके सामंतों द्वारा मानव अधिकारों को मान्यता देने वाले घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए विवश किया गया। इसे इतिहास में ‘मैग्नाकार्टा’ (Magna Carta) के नाम से जाना जाता है।
- ब्रिटेन की संसद सन् 1689 में तत्कालीन सम्राट् विलियम से एक अधिकारपत्र (Bill of Rights) पर हस्ताक्षर कराने में सफल रही, जो मानव अधिकारों के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध हुआ।
- अमेरिकी (USA) क्रांति के बाद 4 जुलाई, 1776 को स्वाधीनता की घोषणा (US Declaration of Independence) की गई, जिसमें कहा गया कि ‘सभी मनुष्य जन्म से समान पैदा हुए हैं। इन्हें अनिवार्य रूप से कुछ अधिकार, जिसमें जीवन की स्वतंत्रता का अधिकार सम्मिलित हैं, प्राप्त हैं।
- फ्रांस की क्रांति (सन् 1789) (French Revolution) के बाद फ्रांस की राष्ट्रीय सभा ने 1889 में ‘राइट्स ऑफ मैन एंड सिटीजन’ (Rights of Man and Citizen) की घोषणा की।
- अमेरिकी संविधान (US Constitution) में सन् 1791 में प्रथम दस संशोधन (Amendments) द्वारा नागरिकों के मूल अधिकारों को संविधान का अंग बनाया गया। यह दस संशोधन सामूहिक रूप से ‘अधिकार-पत्र’ (Bill of Rights) कहलाए।
- रूस (Russia) की सन् 1917 की क्रांति (Revolution) के बाद सर्वहारा वर्ग के लिए मूल अधिकारों की घोषणा की गई।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के सन् 1931 के कराची अधिवेशन में सर्वप्रथम अधिकारों की मांग की गई।

- अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रेंकलिन रूजवेल्ट के द्वारा मानव अधिकारों के संबंध में एक घोषणा 6 जनवरी, 1941 में की गई, जिसमें 4 तरह की स्वतंत्रताओं की घोषणा की गई।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई। इस संगठन (UN) ने मानव अधिकारों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर (माने संविधान) के कई अनुच्छेदों में मानव अधिकारों के संबंध में उल्लेख मिलता है; जैसे— अनुच्छेद 1, 13, 55, 56, 62, 68 तथा 76(3) आदि।
- सन् 1946 में संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् द्वारा मानव अधिकार आयोग (Human Right Commission) की स्थापना की गई।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (General Assembly) ने 10 दिसंबर, 1948 को “मानव अधिकारों” के ‘सार्वभौमिक घोषणा पत्र’ (Universal Declaration of HR) को स्वीकार किया। अतः इसी दिन 10 दिसंबर को प्रत्येक वर्ष ‘मानव अधिकार दिवस’ (Human Right Day) के रूप में मनाया जाता है। इसे ‘मानव अधिकारों का मैग्नाकार्टा’ (Magna Carta) भी कहते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा युद्धबंदियों (POW) से संबंधित ‘जेनेवा प्रसंविदा’ (Geneva Convention) स्वीकार की गई।
- भारत के संविधान (Indian Consitution) (सन् 1950) के भाग-3 अनुच्छेद 12 से 35 तक में मूल अधिकारों को शामिल किया गया। संविधान के भाग-3 के मूल अधिकारों को ‘भारत का अधिकार-पत्र’ (Manga Carta) कहा जाता है।
- ‘यूरोपीय मानव अधिकार प्रसंविदा’ (European HR Convention) को 4 नवंबर, 1950 को अंगीकार किया गया, जो 3 सितंबर, 1953 से लागू हुई।
- यू.एन. द्वारा सन् 1951 में शरणार्थियों की प्रस्थिति से संबंधित प्रसंविदा (Refusee Convention) बनाई गई, जो लागू 22 अप्रैल, 1954 को हुई।
- सन् 1954 में ‘यूरोपीय मानव अधिकार आयोग’ (European HR Commission) की स्थापना की गई।
- मानव अधिकारों के संरक्षण हेतु वर्तमान में कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं (NGOs) मौजूद हैं, जिनमें प्रमुख हैं—‘एमनेस्टी इंटरनेशनल’ (Amnesty International) तथा ‘ह्यूमन राइट्स वॉच (Human Right Watch)।
- ‘एमनेस्टी इंटरनेशनल’ की स्थापना सन् 1961 में पीटर बेनसन (UK) द्वारा की गई थी। यह मानव अधिकारों से संबद्ध एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- इस संगठन को सन् 1977 में ‘नोबेल शांति पुरस्कार’ (Nobel Peace Prize) भी प्राप्त हो चुका है।



196 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 'ह्यूमन राइट्स वॉच' की स्थापना सन् 1978 में 'हेलेसिंकी वॉच' के रूप में की गई थी। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क (सं. रा. अमेरिका) में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UN) द्वारा 'सिविल और राजनीतिक अधिकारों' पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (ICCPR) तथा आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (ICCPR) दिसंबर, 1966 में स्वीकार की गई, जबकि यह दोनों प्रसंविदाएं (Conventions) सन् 1976 में लागू हुईं।
- यू.एन. महासभा (UNO) द्वारा 'सिविल और राजनीतिक अधिकारों' की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा का प्रथम 'वैकल्पिक प्रोटोकॉल (ICCPR-OP-1) भी दिसंबर, 1966 में स्वीकार किया गया, जो सन् 1976 में लागू हुआ।
- सन् 1968 में तेहरान (ईरान) में 'विश्व मानव अधिकार सम्मेलन' (World HR Summit) आयोजित हुआ।
- सन् 1968 में बेरूत (लेबनान) में अरब लीग (Arab League) का मानव अधिकारों पर अरब क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया तथा एक स्थायी 'अरब मानव अधिकार आयोग' की स्थापना की गई।
- मानव अधिकारों के अंतर-अमेरिकी सम्मेलन में अमेरिकी मानव अधिकार प्रसंविदा 22 नवंबर, 1969 को स्वीकार की गई, जो जुलाई 1978 को लागू की हुई।
- मानव अधिकारों का 'अफ्रीकी चार्टर' (African Charter on HR) जिसे 'बजुल चार्ट' के नाम से भी जाना जाता है, को 27 जून, 1981 को अंगीकार किया गया और यह 21 अक्टूबर, 1986 से लागू हुआ।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति पर प्रसंविदा (CEDAW) 18 दिसंबर, 1979 को अंगीकृत की, जो 3 सितंबर, 1981 को लागू हुई।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बालकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'बाल अधिकार प्रसंविदा' (CRC) 20 नवंबर, 1989 को स्वीकार की गई, जो 2 सितंबर, 1990 को लागू की गई।
- यू.एन. महासभा द्वारा सिविल व राजनीतिक अधिकारों की प्रसंविदा का द्वितीय वैकल्पिक प्रोटोकॉल (ICCPR-OP2) दिसंबर, 1989 में स्वीकार किया गया, जो 11 जुलाई, 1991 को लागू हुआ।

### **मानव अधिकारों के विकास के विभिन्न चरण (एक दृष्टि में)**

मानव अधिकार (Human Rights) के विकास को कुल चार चरणों में बांटा जा सकता है। इन चरणों में समय-समय पर की गई विभिन्न घोषणाओं एवं प्रसंविदाओं (Conventions) का जो विवरण है, वह इस प्रकार है:

### प्रथम चरण ( सन् 1945 [ यू.एन. की स्थापना ] से 1948 तक )

मानव अधिकारों के विकास के प्रथम चरण में मानव अधिकारों के प्रति अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांतों की स्वीकृति एवं क्रियान्वयन हेतु प्रावधान किए गए, जो इस प्रकार हैं-

- संयुक्त राष्ट्र चार्टर (UN Charter), 1945
- मानव अधिकार आयोग (Human Rights Commission), 1946
- मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (Universal Declaration on HR), 1948
- नरसंहार के अपराध रोकने एवं दंड से संबंधित प्रसंविदा, 1948

### द्वितीय चरण ( सन् 1949 से 1975 तक )

मानव अधिकारों के विकास के इस चरण में मानव-अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा द्वारा निश्चित किए गए कार्यक्रमों की वैधानिकता प्राप्त करने वाला चरण कहा जाता है। इस चरण में कई क्षेत्रीय प्रसंविदाएं भी स्वीकृत की गईं, जो इस प्रकार हैं-

- युद्धबंदियों से संबंधित जेनेवा प्रसंविदा (POW), 1949
- यूरोपीय मानव अधिकार प्रसंविदा (Europeon HR Convention), 1950
- शरणार्थियों की प्रस्थिति से संबंधित प्रसंविदा (Refugee Convention), 1951
- सिविल व राजनीतिक अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (CCPR), 1966
- आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (CESCR), 1966
- विश्व मानव अधिकार सम्मेलन (HR Summit) (तेहरान), 1968
- अमेरिकी मानव अधिकार प्रसंविदा (American HR Convention), 1969

### तृतीय चरण ( सन् 1976 से 89 तक )

मानव अधिकार के तृतीय चरण में मानव अधिकारों से संबंधित कई प्रवृत्तियां देखी जा सकती हैं, जो इस प्रकार हैं-

- आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की प्रसंविदा को लागू करना, 1976
- सिविल और राजनीतिक अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा को लागू करना, 1976
- महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति पर प्रसंविदा, 1979
- बाल न्याय प्रशासन हेतु यू.एन. के स्टैंडर्ड्स मिनिमम रूल्स (Rules), 1985
- बाल अधिकार प्रसंविदा (Child Rights Convention), 1989

### चतुर्थ चरण (सन् 1990 से वर्तमान तक)

इस चरण में मानव अधिकारों से संबंधित, जो नई प्रवृत्तियां स्वीकृत हुईं, वह इस प्रकार हैं-

- “स्वैच्छिक मानव अधिकार न्याय कोष” की स्थापना 1991
- राष्ट्रीय अथवा जातीय, धार्मिक एवं भाषीय अल्पसंख्यकों से संबंधित व्यक्तियों के अधिकारों की घोषणा, 1992

198 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- विश्व मानव अधिकार सम्मेलन (वियना, ऑस्ट्रिया), 1993
- संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार उच्चायुक्त का गठन (UNHCHR), 1993
- यू.एन. मानव अधिकार आयोग के स्थान पर 'मानव अधिकार परिषद्' (UNHRC) का गठन, 2006।
- यू.एन. महासभा ने अगस्त, 2010 में एक प्रस्ताव पारित कर स्वच्छ जल (Clean Water) और स्वच्छता (Sanitation) दो नए मानव अधिकारों को मान्यता प्रदान की।
- यूनाइटेड किंगडम ने मैग्नाकार्टा (Magna Carta) की 800 वीं वर्षगांठ 15 जून, 2015 में मनाई।
- मानव अधिकार की सार्वभौमिक घोषणा (1948); सिविल एवं राजनीतिक अधिकारों की प्रसंविदा (1966); आर्थिक व सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की प्रसंविदा (1966); सिविल एवं राजनीतिक अधिकारों की प्रसंविदा का प्रथम प्रोटोकॉल (1966) तथा द्वितीय प्रोटोकॉल (1989) को मिलाकर "अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार बिल" (International Human Rights Bill) कहा जाता है।
- यू.एन. महासभा द्वारा 18 दिसंबर, 1991 को "स्वैच्छिक मानव अधिकार न्याय कोष" की स्थापना की गई।
- सन् 1993 में संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के तत्वावधान में वियना (ऑस्ट्रिया) में विश्व मानव अधिकार सम्मेलन' (World HR Summit) आयोजित हुआ।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव अधिकारों की रक्षा हेतु सन् 1993 'में मानव अधिकार उच्चायुक्त (Office of the UN High Commissioner for HR) का गठन किया।
- भारतीय संसद ने मानव अधिकारों के संरक्षण हेतु 'मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 (HR Protection Act) पारित किया, जिसके तहत 'राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग' (NHRC) की स्थापना की गई।
- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (UNHCHR) ने सन् 1994 में मानव अधिकार हॉट लाइन (HR Hotline) की स्थापना की।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1 जनवरी, 1995 से प्रारंभ होने वाले दशक 'मानव अधिकार शिक्षा दशक' (1995-2004) के रूप में मनाया गया।
- राष्ट्रीय मानव अधिकार संस्थाओं के लिए 'एशिया पैसिफिक फोरम' (Asia Pacific Forum), 1996 में ऑस्ट्रेलिया में स्थापित किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) को मानव अधिकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु सन् 2001 में 'नोबल शांति पुरस्कार' (Nobel Peace Prize) प्रदान किया गया।

- 16 जून, 2006 को यू. एन. मानव अधिकार आयोग के स्थान पर 'मानव अधिकार परिषद्' (UN HR Council) की स्थापना की गई। इस परिषद् के सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होता है।
- यू. एन. मानवाधिकार परिषद् (UNHRC) के कुल सदस्यों की संख्या 47 है। यह जेनेवा में स्थित है। यह सीधे महासभा के अधीन है।
- भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् का प्रारंभिक सदस्य है तथा वर्तमान में भी सदस्य है।
- यह वास्तविकता है कि न केवल विकासशील (Developing) देशों में बल्कि विकसित (Developed) देशों में भी मानव अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।
- वर्तमान में मानव अधिकारों का सर्वाधिक हितैषी कहने वाला देश अमेरिकी (USA) जैसा विकसित देश ही मानव अधिकारों के उल्लंघन का सबसे बड़ा दोषी है।
- भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी नागरिक नवानथेम पिल्लै सन् 2008 में मानव अधिकारों हेतु संयुक्त राष्ट्र आयुक्त (UNHCHR) चुनी गई।
- फिनलैंड ब्रॉडबैंड (Broadband) सेवा को 1 जुलाई, 2010 को कानूनी अधिकार घोषित करने वाला विश्व का प्रथम देश बना है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UN General Assembly) ने 28 जुलाई, 2010 को एक प्रस्ताव पारित कर 'स्वच्छ जल' (Clean Water) और 'स्वच्छता' (Sanitation) को दो नए मानव अधिकारों की मान्यता प्रदान की है।
- मानव अधिकार हनन के लिए यू.एन. मानव अधिकार परिषद् (UNHRC) में श्रीलंका के विरुद्ध वर्ष 2012 में लाए गए एक निंदा प्रस्ताव के पक्ष में भारत ने मतदान किया।
- सन् 2013 के प्रारंभ में इजरायल 'यू.एन. मानव अधिकार परिषद्' का बहिष्कार करने वाला पहला देश बना है। इजरायल ने अपने अधिकारों की स्थिति की समीक्षा (Universal Periodic Review-UPR) पर इस परिषद् का बहिष्कार किया है।
- फिलिस्तीन पर इजरायली हमलों के मामलों में यू.एन. मानव अधिकार परिषद् (UNHRC) में इजरायल के विरुद्ध लाए गए एक प्रस्ताव के पक्ष में जुलाई 2014 में भारत ने मतदान किया।
- 15 जून, 2015 यूनाइटेड किंगडम (UK) में (मानवाधिकारों से संबंधित) मैग्नाकार्टा (Magna Carta) की 800 वीं वर्षगांठ मनाई गई। उल्लेखनीय है कि 'मैग्नाकार्टा' लैटिन भाषा का शब्द है-जिसका अर्थ 'महान चार्टर' (Great Charter) से है।

## सूचना का अधिकार (RTI)

- स्वीडन सूचना के अधिकार (RTI) का कानून बनाने वाला विश्व का पहला देश था। सन् 1766 में स्वीडन ने 'प्रेस की स्वतंत्रता 'नामक कानून' (Freedom of Press Act) बनाया।
- वर्तमान में (सन् 2016 तक) विश्व के 193 देश ऐसे हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) सदस्यता प्रदान करता है, जिनमें से लगभग आधे 97 देशों में सूचना के अधिकार कानून बनाने के लिए चर्चा चल रही है।
- सूचना का अधिकार (Right to information-RTI) गोपनीयता के विरुद्ध पारदर्शिता की वकालत करता है।
- सूचना का अधिकार नागरिकों के हाथों में एक सशक्त हथियार है। अगर कार्यपालिका के पास 'शासकीय गोपनीयता कानून' (Official Secret Act) है तो विधायिका के पास 'संसदीय विशेषाधिकार' (Parliament Privileges) हैं न्यायपालिका के पास 'न्यायालय की अवमानना' (Contempt of Court) संबंधी कानून हैं, तो नागरिकों के पास भी यह एक अचूक हथियार है।
- सूचना के अधिकार से लोकतंत्र स्थापित किया जा सकता है। यह देश के विकास के लिए अनिवार्य है।
- सूचना के अधिकार के कानून को ज्यादा-से-ज्यादा जिन राष्ट्रों ने स्वीकारा है, उनमें अधिक संख्या उत्तरी गोलार्द्ध के विकसित (Developed Countries) देशों की अभी तक रही है।
- दक्षिणी गोलार्द्ध के विकासशील देशों (Developing Countries) का जहां तक सवाल है, वहां सूचना के अधिकार की कोई चर्चा नहीं है। रोटी, कपड़ा, और मकान की लड़ाई उनके लिए सूचना के अधिकार से बड़ी लड़ाई है।
- यू.एन. (UNO) की महासभा (UN General Assembly) ने सन् 1946 के सत्र में संकल्प संख्या 59 (1) में स्पष्ट रूप से कहा कि सूचना का अधिकार एक मूल अधिकार है।
- संयुक्त राष्ट्र की महासभा (UNO) ने दिसंबर, 1948 को मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणा-पत्र (Universal Declaration of HR) स्वीकार किया। इस घोषणा-पत्र के अनुच्छेद-19 में कहा गया है कि हर व्यक्ति को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है।
- यू.एन. महासभा द्वारा सिविल एवं राजनैतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (CCPR) दिसंबर, 1966 में स्वीकार की गई। यह प्रसंविदा 1976 में लागू हुई। इस प्रसंविदा (Convention) के अनुच्छेद 19 (2) में सूचना की स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान हैं।

- 'नई विश्व सूचना संचार व्यवस्था' (NWICO) की स्थापना से संबंधित यूनेस्को (UNESCO) ने सन् 1977 में सीन मैकब्राइड की अध्यक्षता में एक आयोग गठित किया, जिसने अपनी रिपोर्ट (1980 में) 'मैनी वायसेज वन वर्ल्ड' (Many Voices One World) शीर्षक से प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि सूचना की स्वतंत्रता के बिना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधूरी है।
- यू.एन.ओ. (UNO) के तत्वाधान में वर्ष 2005 में ट्यूनिंस (ट्यूनिशिया) में सूचना समाज पर विश्व सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में सूचना की स्वतंत्रता के अधिकार को सभी को प्रदान करने हेतु उपयुक्त कदम उठाने की बात की गई।
- विश्वभर में प्रतिवर्ष 28 सितंबर का दिन 'जानकारी के अधिकार के दिवस' (Right to Know Day) के रूप में मनाया जाता है। इसका प्रारंभ एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था (Freedom of Information Advocate Network) ने किया।
- 'इंटरनेशनल फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन एक्चेंज (International freedom of Expression Exchange-IFEX) एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का गैर-सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय टोरंटो (कनाडा) में स्थित है। इस संगठन का प्रमुख कार्य वाक् की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करना है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNO) ने वर्ष 2000 में सूचना की स्वतंत्रता से संबंधित 10 सिद्धांत (10 Principal of RTI) स्वीकार किए।
- भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा सरकारी कामकाज में गोपनीयता बनाए रखने के लिए सन् 1923 में 'शासकीय गोपनीयता ऐक्ट' (Official Secret Act) बनाया गया। इस ऐक्ट की धारा-5 बहुत विवादास्पद (Controversial) है। यह ऐक्ट (सन् 1967 के मामूली से संशोधन को छोड़कर) वर्तमान में भी मौजूद है।
- भारत में लोकपाल (ओम्बड्समैन का भारतीय प्रतिमान) विधेयक पहली बार 9 मई, 1968 में लोकसभा में प्रस्तुत किया गया था।
- भारत में सर्वप्ररूप महाराष्ट्र राज्य में सन् 1972 में लोक आयुक्त (Lokayukta) की स्थापना की गई थी, यद्यपि उड़ीसा (ओडिशा) राज्य ने 1970 में ही लोकायुक्त ऐक्ट पारित कर दिया था, परंतु यह ऐक्ट बाद में जाकर सन् 1983 में प्रभावी हुआ।
- भारतीय संसद ने लोकपाल एवं लोकायुक्त विधेयक (2011) को दिसंबर, 2013 में पारित किया। बाद में 1 जनवरी, 2014 को राष्ट्रपति का अनुमोदन भी प्राप्त हो गया, जिससे विधेयक ने कानून का रूप ले लिया है।
- भारत के संविधान (1950) में ऐसा कोई प्रत्यक्ष प्रावधान नहीं है, जो नागरिकों की सूचना का अधिकार प्राप्त करता है, परंतु फिर भी यह अधिकार 'विचार व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के अधिकार (Right to Freedom of Expression

202 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

Views) में ही अंतर्निहित है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में दी गई है।

- भारत में सूचना का अधिकार (RTI) की लड़ाई आजादी की दूसरी और प्रजातंत्र की पहली लड़ाई मानी जाती है। भारत में सूचना का अधिकार का संघर्ष आजादी मिलने में लगभग पांच दशक बाद सुनियोजित रूप से प्रारंभ हुआ।
- सूचना के अधिकार की मांग भारत में सर्वप्रथम राजस्थान से प्रारंभ हुई। राज्य में आर.टी.आई. हेतु जनान्दोलन की शुरुआत 90 के दशक में 'मजदूर किसान शक्ति संगठन (MKSS) द्वारा अरुणा राय की अगुवाई में हुई।
- भारत में संसद ने दिसंबर, 2002 में सूचना स्वतंत्रता अधिनियम (Freedom of Information Act) पारित किया। इसे जनवरी, 2003 में राष्ट्रपति की मंजूरी तो मिली, परंतु इसे लागू नहीं किया जा सका।
- भारत में सन् 2005 में एक (नया) सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI Act, 2005) संसद ने पारित किया, जिसे 15 जून, 2005 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली और यह ऐक्ट 12 अक्टूबर, 2005 से लागू हुआ। इसी के साथ सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 निरस्त हो गया।
- भारत के सूचना के अधिनियम (RTI Act, 2005) के तहत नागरिकों द्वारा मांगी जाने वाली सूचनाएं आवेदन के 30 दिन के भीतर (सूचना अधिकारी द्वारा) उपलब्ध कराई जाएंगी। इस ऐक्ट के अनुच्छेद 2(9) में सूचना के अधिकारी की परिभाषा दी गई है।
- भारत में सन् 2005 में 'केंद्रीय सूचना आयोग' (Central Information Commission) का गठन किया गया। प्रथम केंद्रीय सूचना आयुक्त के रूप में (अक्टूबर 2015 में) वजाहत हबीबुल्ला की नियुक्ति की गई।
- सन् 2005 में भारत में सूचना का अधिकार के केंद्रीय कानून के बनने से पहले देश के लगभग नौ राज्यों में यह अधिकार मिल चुका था; जैसे- तमिलनाडु (1997); राजस्थान (2003); कर्नाटक (2000); दिल्ली (2001); महाराष्ट्र (2002); असम (2002); मध्य प्रदेश (2003) एवं जम्मू-कश्मीर (2004) आदि।
- लोकहित संबंधी किसी सूचना को सामने लाने वाला व्यक्ति जिसे 'व्हीसिल ब्लोवर' (Whistle Blower) कहा जाता है, को सुरक्षा प्रदान करने हेतु अमेरिका में 'व्हीसिल ब्लोवर' प्रोटेक्शन ऐक्ट' 1989 में बनाया। बाद में ब्रिटेन ने भी इससे संबंधित एक अधिनियम Public Interest Disclosure Act, 1998 में बनाया।
- सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार घोटालों एवं कृप्रबंध आदि को उजागर करने वालों की सुरक्षा निश्चित करने वाला ' व्हीसिल ब्लोवर प्रोटेक्शन बिल' को लोकसभा (भारतीय संसद) ने वर्ष 2011 में पारित किया, जबकि राज्यसभा ने इसे 21

- फरवरी, 2014 को पारित किया। 13 मई, 2014 को राष्ट्रपति ने भी इस पर अपनी मंजूरी प्रदान कर दी, जिससे इस विधेयक ने कानून का रूप ले लिया।
- विश्व बैंक ने सन् 1992 में 'सुशासन' (Good Governance) की नई अवधारणा का प्रतिपादन किया; इसमें प्रशासन के कई तत्त्वों का उल्लेख किया गया, जिसमें पारदर्शिता एवं सूचना भी शामिल है।
  - ओम्बड्समैन (Ombudsman) प्रणाली स्केण्डीनेवियन देशों द्वारा विकसित पद्धति है। विश्व में सर्वप्रथम सन् 1809 में स्वीडन में ओम्बड्समैन की नियुक्ति की गई थी।
  - न्यूजीलैंड संसदीय शासन प्रणाली वाला ऐसा पहला देश है, जिसने ओम्बड्समैन को सन् 1962 में स्वीकार किया। ब्रिटेन ने भी सन् 1967 में इस संस्था को स्वीकार किया। ब्रिटेन में इसे 'संसदीय आयुक्त' भी कहा जाता है।
  - फिनलैंड के नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार सन् 1951 में प्राप्त हुआ। जब फिनलैंड ने 'लॉ ऑन द पब्लिक करेक्टर ऑफ ऑफिशियल डाक्युमेंट्स' नामक कानून बनाया।
  - डेनमार्क (Denmark) ने सन् 1964 में नागरिकों को सूचना का अधिकार सुलभ कराने हेतु एक कानून बनाया। यह सन् 1970 में संविधान का अंग बना।
  - नार्वे में सूचना की स्वतंत्रता का कानून, 1970 में बनाया गया।
  - ऑस्ट्रिया की संसद ने सन् 1973 में प्रशासनिक स्तर पर सरकारी सूचनाएं प्राप्त करने संबंधी उपबंध किए।
  - फ्रांस (France) में सन् 1978 में प्रशासनिक अभिलेखों को प्राप्त करने का कानून बनाया गया।
  - नीदरलैंड्स (हॉलैंड) ने भी सन् 1978 में सूचना की स्वतंत्रता से संबंधित 'ओपननेस ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1978 में स्वीकार किया।
  - आस्ट्रेलिया (Australia) में 'सूचना की स्वतंत्रता का कानून' (Freedom of Information Act) सन् 1982 में बनाया गया तथा सन् 1989 में इस कानून को और अधिक सशक्त रूप दिया गया।
  - न्यूजीलैंड में 'आफिशियल इन्फॉर्मेशन ऐक्ट' (Official Information Act) भी सन् 1982 में बनाया गया।
  - कनाडा में सूचना प्राप्त करने का अधिकार सन् 1983 में 'एक्सेस टू इन्फॉर्मेशन ऐक्ट' (Access to Information Act) द्वारा नागरिकों को दिया गया।
  - दक्षिण कोरिया में आम नागरिकों का सूचना का अधिकार प्रदान करने हेतु सन् 1996 में कानून बनाया गया। यह ऐक्ट सन् 1998 में लागू हुआ।
  - आयरलैंड में सूचना का स्वतंत्रता अधिनियम, 1977 में पारित किया गया, जो सन् 1998 में लागू हुआ।



204 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- ब्रिटिश संसद में सन् 2000 में सूचना की स्वतंत्रता का अधिनियम पारित किया।
- दक्षिण अफ्रीका की संसद ने सन् 2000 में सूचना के अधिकार का अधिनियम पारित किया, जो सन् 2001 से प्रभावी हुआ।
- पाकिस्तान ने सन् 2002 में एक अध्यादेश (Ordinance) के जरिए अपने नागरिकों को सूचना का अधिकार मुहैया कराया।
- मैक्सिको की संसद द्वारा सन् 2002 में पब्लिक गवर्नमेंट इन्फॉर्मेशन ऐक्ट पारित किया। यह कानून सभी नागरिकों को आदेश देता है कि वह सरकारी विभागों से सूचना प्राप्त कर सकते हैं।
- चीन (People Republic of China) ने वर्ष 2007 में नए रेगुलेशन स्वीकार किए जो गवर्नमेंट इन्फॉर्मेशन से संबंधित थे (Regulation of Open Govt. Information), यह मई 2008 से प्रभावी हुए।
- मलेशिया ने सन् 2010 में सूचना का अधिकार का अधिनियम पारित किया, जो अप्रैल, 2011 से लागू हुआ।
- मालदीव (Maldives) की संसद ने 12 जनवरी, 2014 में 'राइट टू इन्फॉर्मेशन ऐक्ट' पारित किया।





## अंतर्राष्ट्रीय संगठन (International Organisations)

- अंतर्राष्ट्रीय संगठन (International Organisation) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 19वीं शताब्दी में जेम्स लोरिमट (स्कॉटलैंड विधिवेत्ता) द्वारा सन् 1867 में किया गया था।
- आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन का संस्था के रूप में उदय 19वीं शताब्दी में हुआ था, परंतु अंतर्राष्ट्रीय संगठन का इतिहास 19वीं शताब्दी से पूर्व प्रारंभ होता है। इसका इतिहास उतना ही प्राचीन है, जितना प्राचीन 'अंतर्राष्ट्रीय संबंध' (International Relation) है।
- सर्वप्रथम 'वेस्टफालिया की संधि' के द्वारा यूरोप में 30 वर्षीय युद्ध (1618 से 1648 ई.) को समाप्त किया जा सका और राष्ट्रीय राज्य (Nation State) की अवधारणा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में प्रतिष्ठित की जा सकी। इसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन के निर्माण का प्रथम चरण कहा जाता है।
- सन् 1815 में नेपोलियन की पराजय के पश्चात् यूरोप में शांति की स्थापना हेतु 'वियना कांग्रेस' (Vienna Congress) बुलाई गई। इस सम्मेलन का अंतर्राष्ट्रीय संगठन के विकास क्षेत्र में योगदान 'कंसर्ट ऑफ यूरोप' की स्थापना की।
- 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' (ITU) की स्थापना सन् 1865 में-'अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ संघ' के रूप में हुई। बाद में सन् 1934 में इसका नाम बदलकर 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' किया गया। इसका मुख्यालय जेनेवा में स्थित है।

### प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठन (एक दृष्टि में)

क्र.सं.	संगठन	स्थापना वर्ष	सदस्यता ( वर्ष 2016 तक )	मुख्यालय	विवरण
1.	अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस (Red Cross Society)	1863	-	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)	इसकी स्थापना वर्ष 1863 में हेनरी दुनांत (Henry Dunant) के द्वारा युद्ध एवं विपदा के दौरान लोगों को राहत देने के उद्देश्य से की गई थी।
2.	अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)	1865	193	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)	इसकी स्थापना (1865 में) अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ संघ के रूप में हुई। बाद में इसका नाम अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) किया गया।
3.	अंतर-संसदीय संघ (IPU)	1889	164	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)	इसकी स्थापना विलियम रेंडल क्रिजर (UK) एवं फ्रेडरिस पासे (फ्रांस) द्वारा की गई।
4.	राष्ट्रसंघ (League of Nation)	1919	-	जेनेवा	राष्ट्रसंघ की स्थापना का प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् वर्षों की संधि के अंतर्गत की गई थी। वर्ष 1946 में इस संस्था का विघटन हुआ।
5.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	1919	189	जेनेवा	यह संगठन/संस्था विश्व में श्रमिक, मालिक और सरकार के बीच विविध सहयोग के लिए प्रयत्न करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। वर्ष 1946 में यह यू.एन.ओ. (UNO) का विशिष्ट एजेंसी बना।
6.	राष्ट्रमंडल (Common Wealth of Nations)	1926	54	लंदन (यूनाइटेड किंगडम) (UK)	‘इम्पीरियल सम्मेलन’ के रूप में इसकी स्थापना वर्ष 1926 में हुई। वर्ष 1949 से यह राष्ट्रमंडल (Common wealth) कहलाया। वर्तमान में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II इसकी अध्यक्ष हैं।

Contd...

7.	संयुक्त राष्ट्रसंघ (UNO)	1945	193	न्यूयॉर्क (USA)	संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रसंघ (UNO) की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को विश्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। वर्तमान में यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसकी सदस्य संख्या 193 है। वर्ष 2011 में दक्षिणी सूडान (South Sudan) इसका 193वां सदस्य बना ।
8.	विश्व बैंक (World Bank)	1945	189	वाशिंगटन (USA)	विश्व बैंक पांच संस्थाओं का समूह है। इसमें सम्मिलित संस्थाएँ हैं- 'अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD); अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IDA); अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA); आई.सी.एस.आई.डी. (ICSID) एवं मीगा (MIGA - बहुराष्ट्रीय निवेश प्रत्याभूति एजेंसी)
9.	अरब लीग (Arab League)	1945	22	काहिरा (मिस्र)	अरब लीग की स्थापना वर्ष 1945 को इस्लामिक देशों के एक क्षेत्रीय संगठन के रूप में हुई।
10.	बेनीलक्स (BENELUX)	1948	3	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)	यह संगठन 3 पश्चिमी यूरोपीय देशों-बेल्जियम, नीदरलैंड्स एवं लक्जेमबर्ग का एक व्यापारिक संघ है।

Contd...

11.	अमेरिकी राष्ट्रों का संगठन (OAS)	1948	35	वाशिंगटन (USA)	अमेरिकी राष्ट्रों के संगठन (OAS) का चार्टर 30 अप्रैल, 1948 को बोगोटा (कोलंबिया) में स्वीकृत हुआ। इसे 'रिओ संधि' के नाम से भी जाना जाता है। ओ.ए.एस (OAS) का उदय सन् 1889 में तब हुआ था, जब पहली बार पैन- अमेरिकी सम्मेलन हुआ था।
12.	नाटो (NATO) नोट- हाल ही में जून 2017 को मॉंटेनेग्रो नाटो का 29वां नवीनतम सदस्य बना है।	1949	29	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)	उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) की स्थापना वर्ष 1949 में साम्यवादी प्रभाव से पश्चिमी यूरोप को बचाने के उद्देश्य से की गई थी।
13.	नॉर्डिक परिषद् (Nordic Council)	1952	8	कोपेनहेगन (डेनमार्क)	नॉर्डिक परिषद् की स्थापना नॉर्डिक (उत्तरी ध्रुव के) देशों की सरकारों के बीच सहयोग संबंधी स्थापना हेतु वर्ष 1952 में हुई।
14.	ओपेक (OPEC)	1960	11	वियना (ऑस्ट्रिया)	'ओपेक' (OPEC) - पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1960 में बगदाद (इराक) में हुई।
15.	गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM)	1961	120	-	'गुटनिरपेक्ष' (Non-Alignment) से अभिप्राय है 'गुटों से दूर रहना'। इस संगठन के तीन कर्णधारी थे- पं. नेहरू (भारत); नासिर (मिस्र) एवं मार्शल टीटो (यूगोस्लाविया)।

Contid...

16.	ग्रुप-77 (G-77)	1964	132	-	इसकी स्थापना वर्ष 1964 में अंकटाड (UNCTAD) बैठक के दौरान जेनेवा में हुई। यह विश्व के विकासशील देशों का समूह है। वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 77 से बढ़कर 132 हो गई है, परंतु फिर भी इसे 'जी-77' के नाम से ही (संस्थापक देशों की संख्या के आधार पर) संबोधित किया जाता है।
17.	आसियान (ASEAN)	1967	10	जकार्ता (इंडोनेशिया)	'आसियान' (ASEAN) का पूरा विस्तार है-दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन। इसकी स्थापना 8 अगस्त, 1967 में हुई।
18.	इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC)	1969	57	जेद्दाह (सऊदी अरब)	इस संगठन का सदस्य मुस्लिम बहुल जनसंख्या (50% से अधिक) वाला देश ही सदस्य बन सकता है।
19.	विश्व आर्थिक मंच (WEF)	1971	-	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)	इसकी स्थापना क्लॉस एम. श्वाब (Schwab) द्वारा 1971 में एन.जी.ओ. (NGO) के रूप में की गई। इस मंच की प्रत्येक वर्ष बैठक दावोस (स्विट्जरलैंड) में जनवरी के अंत में होती है।
20.	ग्रुप-8 (G-8)	1975	8	-	जी-8 (Group-8) औद्योगिक रूप से विकसित (Developed) 8 देशों का समूह है। इस संगठन का कोई मुख्यालय नहीं है।

Contd...

21.	खाड़ी सहयोग परिषद् (GCC)	1981	6	रियाद (सऊदी अरब)	इसकी स्थापना वर्ष 1981 में 6 खाड़ी (Gulf Countries) देशों-सऊदी अरब; यू.ए.ई.; ओमान; बहरीन; कुवैत एवं कतर के द्वारा एक समझौते पर हस्ताक्षर के द्वारा हुई।
22.	सार्क (SAARC)	1985	8	काठमांडू (नेपाल)	7 दिसंबर, 1985 को ढाका में दक्षिण एशिया के 7 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने एक सम्मेलन में सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) की स्थापना की। वर्ष 2011 में सार्क का 8वां सदस्य अफगानिस्तान बना।
23.	एपेक (APEC)	1989	21	सिंगापुर	'एपेक (APEC) का विस्तार है-एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग'। इसकी स्थापना वर्ष 1989 में आपसी सहयोग बढ़ाने हेतु की गई।
24.	यूरोपीय संघ (EU)	1993	28	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)	'यूरोपीय संघ' (EU) नए रूप में 1 नवंबर, 1993 को अस्तित्व में आया। मॉस्ट्रिच संधि (1991) के द्वारा यूरोपीय आर्थिक समुदाय (EEC) का नाम बदलकर 'यूरोपीय संघ' किया गया। यह संधि 1993 में लागू हुई।
25.	विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995	159	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)	'विश्व व्यापार संगठन' (WTO) 'गैट' (General Agreement on Tariffs & Trade-GATT) की उत्तरवर्ती संस्था है। 1 जनवरी 1995 से 'गैट' के स्थान पर यह संस्था अस्तित्व में आई।

Contid...

26.	अफ्रीकी संघ (AV)	2001	54	आदिस अबाबा (इथोपिया)	अफ्रीकी संघ (African Union AV) की स्थापना वर्ष 2001 में 'अफ्रीकी एकता संगठन' (OAV) की उत्तरवर्ती संस्था के रूप में हुई।
27.	विश्व सामाजिक मंच (WSF)	2001	-	पोर्टी एलियो (ब्राजील)	'विश्व सामाजिक मंच' (WSF) का गठन 'विश्व आर्थिक मंच' (WEF) की तर्ज पर वर्ष 2001 में चिका विरेकर (ब्राजील) द्वारा हुआ। यह मंच वैश्वीकरण का विरोधी है।
28.	शंघाई सहयोग संगठन (SCO)	2001	6	बीजिंग (चीन)	'शंघाई-5' का औपचारिक रूपांतरण (वर्ष 2001 में) 'शंघाई सहयोग संगठन' (SCO) के रूप में हुआ। वर्ष 2001 में उज्बेकिस्तान इस संगठन का 6वाँ सदस्य बना। हाल ही में भारत को भी इस संगठन की सदस्यता प्राप्त हुई है।
29.	एशिया सहयोग संवाद (ACD)	2002	32	-	एशियाई राष्ट्रों का यह एक नया संगठन (एशिया सहयोग संवाद ACD) है, जो थाइलैंड की पहल पर वर्ष 2002 में अस्तित्व में आया।
30.	इब्सा (IBSA)	2003	3	-	यह मंच विश्व के तीन बड़े लोकतांत्रिक देशों भारत, ब्राजील एवं दक्षिण अफ्रीका का संगठन है। 'इब्सा' (IBSA) शब्द तीनों सदस्य देशों के नाम के पहले अक्षर का प्रतीक है।

Contd...



31.	ब्रिक्स (BRICS)	2008	5	-	‘ब्रिक्स’ (BRICS) ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका देशों का एक समूह है। शुरू में यह केवल ‘ब्रिक’ (BRIC) कहलाता था, बाद में (वर्ष 2010 में) दक्षिण अफ्रीका के इस समूह में सम्मिलित होने के बाद इसका नाम ‘ब्रिक्स’ पड़ा।
32.	युनासुर (UNASUR)	2008	12	इक्वाडोर (सचिवालय)	यूरोपीय संघ (EU) की तर्ज पर दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के 12 राष्ट्रों ने एक नए संगठन ‘दक्षिण अमेरिकी राष्ट्रों के संघ’ (UNASUR) की स्थापना 23 मई, 2008 को एक संधि (Constitute Treaty) के तहत की।
33.	कम्युनिटी ऑफ-लैटिन अमेरिकन एण्ड कैरिबियन स्टेट्स (CELAC)	2010	33	-	यह संस्था/संगठन लैटिन अमेरिका तथा कैरिबियन देशों का एक क्षेत्रीय ब्लॉक है। इसका निर्माण कैरिबियन के 33 देशों ने मिलकर 23 फरवरी, 2010 को एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर के तहत किया।

- 'अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन' (INTERPOL) की स्थापना सन् 1923 में अपराधों की रोकथाम हेतु हुई थी। इंटरपोल द्वारा 'रेड कॉर्नर' (Red Corner) नोटिस जारी किया जाता है। इसका मुख्यालय लियोन (फ्रांस) में है।
- 'राष्ट्रमंडल' (Commonwealth of Nations) की स्थापना सन् 1926 में (इम्पीरियल सम्मेलन के रूप में) ब्रिटिश साम्राज्य के भाग रहे स्वतंत्र राज्यों को मिलाकर की गई। ब्रिटिश कॉमनवेल्थ वर्तमान में सन् 1949 से 'राष्ट्रमंडल' कहलाता है।
- वर्तमान में ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय राष्ट्रमंडल की अध्यक्ष हैं। राष्ट्रमंडल (CIS) लंदन (यू.के.) में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई। इसका प्रमुख उद्देश्य विश्व शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना है। वर्तमान में यू.एन. की कुल सदस्य संख्या 193 है। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क (USA) में स्थित है।
- 'विश्व बैंक' (World Bank) पांच संस्थाओं का समूह है, वह हैं- अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (स्थापित 1945); अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (1956); अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (1960); आई.सी.एस.आई.डी. (ICSID 1966); एवं बहुराष्ट्रीय निवेश प्रत्याभूति एजेंसी (MIGA 1988)।
- विश्व बैंक की स्थापना का विचार (जुलाई, 1944 में) ब्रिटेनवुड्स, न्यू हैम्पशायर (USA) में यू.एन.मुद्रा एवं वित्त सम्मेलन के दौरान रखा गया था। इसका विधिवत् उद्घाटन सन् 1945 में हुआ। इसका मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. (USA) में स्थित है।
- 'अरब लीग' (Arab League) की स्थापना 22 मार्च 1945 को इस्लामिक देशों के एक क्षेत्रीय संगठन के रूप में हुई। वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 22 है। इसका मुख्यालय काहिरा (मिस्र) में है।
- 'अमेरिकी राज्यों का संगठन' (Organisation of American States-OAS) का चार्टर 30 अप्रैल, 1948 को बोगोटा (कोलंबिया) सम्मेलन में स्वीकृत हुआ। इसे 'रिओ संधि' (Rio-Treaty) भी कहा जाता है। सं.रा. अमेरिका, कनाडा एवं मैक्सिको सहित दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप के 35 देश इसके सदस्य हैं।
- 'अमेरिकी राज्यों के संगठन' (OAS) का प्रादुर्भाव/उदय सन् 1889 में ही हो गया था, जब पहली बार पैन-अमेरिकी सम्मेलन हुआ था। ओ.ए.एस. (OAS) का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. (USA) में स्थित है।
- अंतर-संसदीय संघ (IPU) की स्थापना सन् 1889 में विलियम क्रिंमर तथा फ्रेडरिस पासे (फ्रांस) द्वारा की गई। यह संगठन विभिन्न राष्ट्रों की संसदों तथा

214 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

सांसदों के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है। इसका मुख्यालय जेनेवा में स्थित है।

- 'राष्ट्र संघ' (League of Nation) की स्थापना प्रथम युद्ध के पश्चात् 'वर्साया की संधि' के अंतर्गत (सन् 1919 में) हुई। सन् 1946 में इसकी (राष्ट्रसंघ की) सभा ने एक प्रस्ताव द्वारा राष्ट्रसंघ का विघटन किया।
- 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (ILO) की स्थापना सन् 1919 में हुई। बाद में (सन् 1946 में) यह यू.एन. (UNO) का विशिष्ट अभिकरण बना। यह संगठन विश्व में श्रमिक, मालिक और सरकार के बीच विविध सहयोग हेतु प्रयत्न करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। यह जेनेवा में स्थित है।
- बेनीलक्स (BENELUX) तीन पश्चिमी यूरोपीय देशों—बेल्जियम, नीदरलैंड्स एवं लक्जेंमबर्ग का एक व्यापारिक संघ है, जिसकी स्थापना सन् 1948 में हुई। 'बेनीलक्स' शब्द तीनों सदस्य देशों के नाम के प्रथम अक्षरों का प्रतीक है। इसका मुख्यालय ब्रूसेल्स में स्थित है।
- उत्तर-अटलांटिक संधि संगठन-नाटो (NATO) की स्थापना सन् 1949 में सोवियत विस्तार और साम्यवादी प्रभाव से पश्चिमी यूरोप को बचाने हेतु पूंजीवादी राष्ट्रों ने इस सैनिक गुट का निर्माण किया था।
- सन् 2009 में 'नाटो' की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मनाई गई। 'नाटो' का मुख्यालय ब्रूसेल्स (बेल्जियम) में स्थित है।
- वर्तमान में (सन् 2016) 'नाटो' की कुल सदस्य संख्या 29 है। 6 जून, 2017 को मोटेनेग्रो 'नाटो' का 29वां सदस्य राष्ट्र बना है।
- नॉर्डिक (Nordic माने उत्तरी ध्रुव के) देशों की सरकारों के बीच सहयोग-संबंधों की स्थापना हेतु सन् 1952 में 'नॉर्डिक परिषद्' (Nordic Council) की स्थापना हुई। इनमें फिनलैंड, आयरलैंड, डेनमार्क, नार्वे एवं स्वीडन शामिल हैं। इस परिषद् का मुख्यालय कोपेनहेगन (स्वीडन) में है।
- 'ओपेक' (OPEC) की स्थापना सन् 1960 में बगदाद (इराक) में हुई। इसका प्रमुख उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों की पेट्रोलियम संबंधी नीतियों में समन्वय व एकरूपता लाना है, ताकि उत्पादकों को उचित व स्थिर मूल्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो।
- 'ओपेक' का मुख्यालय (Headquarter) इसके किसी सदस्य देश में न होकर वियना (ऑस्ट्रिया) में स्थित है।
- 'गुटनिरपेक्षता' (Non-alignment) से अभिप्राय है—'गुटों से दूर रहना'। गुटनिरपेक्षता के तीन कर्णधारी थे—पं. नेहरू, नासिर (मिस्र) तथा टीटो (यूगोस्लाविया)। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना सन् 1961 में इन्हीं कर्णधारियों द्वारा हुई थी।

- वर्तमान में यू.एन.ओ. (UNO) के दो-तिहाई देश गुटनिरपेक्षता के दायरे में आ चुके हैं। वर्तमान में गुटनिरपेक्ष आंदोलन 'नाम' (NAM) की कुल सदस्य संख्या 120 है।
- 'जी-77' (Group 77) की स्थापना सन् 1964 में अंकटाड (UNCTAD) बैठक के दौरान जेनेवा में हुई थी। 'जी-77' विश्व के विकासशील देशों का एक समूह है। वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 134 है, फिर भी इसे 'जी-77' के नाम से ही संबोधित किया जाता है।
- 'आसियान' (ASEAN) का पूरा नाम – दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का संगठन है, जिसकी स्थापना 8 अगस्त, 1967 को हुई थी। वर्तमान में इसकी कुल सदस्य संख्या 10 है। इसका मुख्यालय जकार्ता (इंडोनेशिया) में है।
- 'इस्लामिक सहयोग संगठन' (OIC) की स्थापना के पीछे रबात (मोरक्को) में सन् 1969 में संपन्न मुस्लिम राष्ट्रध्यक्षों के शिखर सम्मेलन का प्रमुख योगदान है।
- 'इस्लामिक सहयोग संगठन' (OIC) का सदस्य मुस्लिम बहुल जनसंख्या (50 प्रतिशत से अधिक) वाला देश ही बन सकता है। इसका मुख्यालय –जेद्दाह (सऊदी अरब) में स्थित है।
- 'एंडीन समुदाय' (Andean Community) की स्थापना 26 मई, 1969 को हुई। इसका प्रमुख उद्देश्य अपने क्षेत्र में एक साझा बाजार (Common Market) स्थापित करना है।
- एंडीन समुदाय के कुल चार सदस्य हैं— इक्वाडोर, कोलंबिया, बोलीविया एवं पेरू। इसका मुख्यालय पेरू में स्थित है।
- 'कैरिबियाई समुदाय' (CARICOM) की स्थापना सन् 1973 में आपसी व्यापार तथा साझा बाजार के विकास हेतु की गई। इसका मुख्यालय जॉर्जटाउन (गुयाना) में स्थित है।
- 'जी-8' (Group-8) अर्थात् औद्योगिक रूप से विकसित (Developed) 8 देशों का समूह है। इसकी स्थापना सन् 1975 में हुई। इसका कोई मुख्यालय नहीं है।
- 'खाड़ी सहयोग परिषद्' (GCC) की स्थापना 25 मई, 1981 को खाड़ी के 6 देशों— सऊदी, यू.ए.ई. कुवैत, कतर, ओमान एवं बहरीन के समझौते पर हस्ताक्षर से हुई। इसका मुख्यालय रियाद (सऊदी अरब) में स्थित है।
- 7-8 दिसंबर 1985 को ढाका में दक्षिण एशिया (South Asia) के 7 देशों के राष्ट्राध्यक्षों के एक सम्मेलन में सार्क (SAARC) की स्थापना की गई। बाद में अफगानिस्तान सार्क का 8वां सदस्य बना।
- 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन'—'सार्क' (SAARC) का मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में स्थित है।

216 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 'एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग'-'एपेक' (APEC) की स्थापना सन् 1989 में आपसी आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए हुई। इसका मुख्यालय सिंगापुर (Singapore) में स्थित है।
- 'स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल' (CIS) को सोवियत संघ (USSR) का उत्तराधिकारी कहा जा सकता है। सोवियत संघ के विघटन के बाद (सन् 1991 में) यह अस्तित्व में आया। यह मिनस्क (बेलारूस) में स्थित है।
- 'मर्कोसुर' (MERCOSUR) एक स्पेनिश शब्द है—जिसका अर्थ दक्षिण शंकु का साझा बाजार है। वर्तमान में मर्कोसुर के सदस्य हैं—अर्जेंटीना, ब्राजील, पराग्वे, उरुग्वे तथा वेनेजुएला (2012)। मर्कोसुर का मुख्यालय मोण्टेविडियो (उरुग्वे) में स्थित है।
- 'यूरोपीय संघ' (European Union) नए रूप में 1 नवंबर, 1993 को अस्तित्व में आया। मेस्ट्रिच की संधि (सन् 1991) के द्वारा 'यूरोपीय आर्थिक समुदाय' (EEC) का नाम बदलकर 'यूरोपीय संघ' किया गया। यह संधि 1993 में लागू हुई।
- वर्तमान में यूरोपीय संघ (EU) की कुल सदस्य संख्या 28 है। सन् 2013 में क्रोएशिया यूरोपीय संघ का (28वां) सदस्य बना।
- 'विश्व व्यापार संगठन' (WTO) 'गैट' (GATT) का उत्तरवर्ती संगठन है। 1 जनवरी, 1995 से 'गैट' के स्थान पर 'विश्व व्यापार संगठन' की स्थापना हुई। इसका मुख्यालय जेनेवा में स्थित है। सन् 2015 में सेशेल्स डब्ल्यू.टी.ओ. का 161वां सदस्य बना।
- 'अफ्रीकी संघ' (African Union) की स्थापना सन् 2001 में 'अफ्रीकी एकता संगठन' (OAN) के उत्तरवर्ती संस्था के रूप में हुई। वर्तमान में (2015 तक) इसकी सदस्य संख्या 54 है। इसका मुख्यालय आदिस अबाबा (इथोपिया) में स्थित है। वर्तमान में रार्बट मुगाबे अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष हैं।
- 'शंघाई-5' का औपचारिक रूपांतरण (सन् 2001 में) 'शंघाई सहयोग संगठन' (SCO) के रूप में हुआ। सन् 2001 में उज़्बेकिस्तान के शामिल होने से इस संगठन की कुल सदस्य संख्या 6 हो गई। इसका मुख्यालय बीजिंग (चीन) में स्थित है।
- 'ब्रिक्स' (BRICS) अर्थात् ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका देशों का समूह है। प्रारंभ में यह ब्रिक (BRIC) कहलाता था। बाद में (2010 में) दक्षिण अफ्रीका के इस समूह में शामिल होने के बाद इसका नाम 'ब्रिक्स' पड़ा।
- दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के 12 राष्ट्रों ने यूरोपीय संघ (EU) की तर्ज पर एक नया संगठन 'दक्षिण अमेरिकी राष्ट्रों के संघ'— 'युनासुर' (UNASUR) का गठन 23 मई, 2008 को एक संधि (Constitute Treaty) के तहत किया।

- 'कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन स्टेट्स' (CELAC) लैटिन अमेरिका तथा कैरिबियन देशों का एक क्षेत्रीय ब्लॉक है, जिसका निर्माण 23 फरवरी, 2010 को किया गया। यह 2001 में अस्तित्व में आया। इस नए संगठन में अमेरिका एवं कनाडा को छोड़कर अमेरिकी महाद्वीप के सभी देश शामिल हैं।
- रूस एवं पूर्व सोवियत संघ से स्वतंत्र चार देशों ने एक नया आर्थिक संगठन 'यूरोशियन इकॉनॉमिक यूनियन' (EEU) का गठन किया है, जो 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आ गया। इसमें रूस के अलावा बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया एवं किर्गिस्तान सम्मिलित हैं।
- दक्षिणी प्रशांत में स्थित छोटा सा द्वीपीय राष्ट्र नौरू (Nauru) अप्रैल 2016 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एवं विश्व बैंक का 189वां सदस्य बना है।
- ब्रिटेन (UK) के 51.9 प्रतिशत मतदाताओं ने 23 जून, 2016 को यूरोपीय संघ (European Union) की सदस्यता छोड़ने के पक्ष में यानी 'ब्रेकिजट' (Brexit) हेतु मतदान किया है।

## संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)

- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् (1945 में) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा (International Peace and Security) बनाए रखने के उद्देश्य से हुई।
- संयुक्त राष्ट्र संघ को 'यूनाइटेड नेशंस' (United Nations) का नाम अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट द्वारा दिया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र संघ का 'चार्टर' (Charter) ही संगठन का संविधान है। यू.एन. के चार्टर में कुल 111 अनुच्छेद तथा 19 अध्याय (लगभग 10 हजार शब्द) हैं।
- यू.एन.ओ. के चार्टर को अंतिम रूप सन् (1945 में) सेन फ्रांसिस्को सम्मेलन (USA) में दिया गया है। आधिकारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ 24 अक्टूबर, 1945 को अस्तित्व में आ गया, जब इसके चार्टर की पुष्टि अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, चीन व सोवियत संघ (USSR/रूस) द्वारा की गई।
- प्रतिवर्ष '24 अक्टूबर' को 'संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस' (UNO Day) के रूप में मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ की पहली बैठक 10 जनवरी, 1946 को लंदन (UK) में हुई।
- संयुक्त राष्ट्र के कुल 51 प्रारंभिक मूल सदस्य हैं। पोलैंड (Poland) ने यू.एन. के चार्टर पर बाद में हस्ताक्षर किए, फलस्वरूप वह भी यू.एन.ओ. (UNO) का प्रारंभिक सदस्य बन गया।
- भारत संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) का प्रारंभिक सदस्य है।

218 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्तमान में (वर्ष 2016 तक) संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्य राष्ट्रों की संख्या 193 है। दक्षिण सूडान (South Sudan) संयुक्त राष्ट्र (UNO) का 193वां सदस्य (वर्ष 2011 में) बना।
- सन् 1971 में चीनी गणराज्य की जगह चीन ने एवं 1991 में सोवियत संघ के पतन (USSR Disintegration) के बाद उसका स्थान रूस (Russia) ने ले लिया/सदस्य बना।
- संयुक्त राष्ट्र के (पांच) प्रमुख अंग (Organ) हैं- महासभा (General Assembly), सुरक्षा परिषद् (Security Council), आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (Economic and Social Council), अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (International Court) एवं सचिवालय (Secretariat)। प्रारंभ में यू.एन.ओ. (UNO) के अंगों की संख्या छह थी, लेकिन सन् 1994 में न्याय परिषद् (Trust SWP Council) का कार्य समाप्त कर दिया गया।

**यू.एन.ओ. का चार्टर ( एक दृष्टि में ) (UNO Charter)**

अध्याय-I (अनुच्छेद 1 और 2)	प्रयोजन एवं सिद्धांत से संबंधित।
अध्याय-II (अनुच्छेद 3 से 6 तक)	सदस्यता से संबंधित।
अध्याय-III (अनुच्छेद 7 से 8)	अंग से संबंधित।
अध्याय-IV (अनुच्छेद 9 से 22 तक)	महासभा (General Assembly) के गठन, मतदान एवं प्रक्रिया से संबंधित।
अध्याय-V (अनुच्छेद 23 से 32)	सुरक्षा परिषद् (Security Council) के गठन, कार्य, मतदान एवं प्रक्रिया से संबंधित।
अध्याय-VI (अनुच्छेद 33 से 38 तक)	विवादों के शांतिपूर्ण निपटारे से संबंधित।
अध्याय-VII (अनुच्छेद 39 से 51 तक)	भंग और आक्रामिक कृत्यों के विषय में कार्यवाही से संबंधित।
अध्याय-VIII (अनुच्छेद 52 से 54 तक)	प्रादेशिक व्यवस्थाओं से संबंधित।
अध्याय-IX (अनुच्छेद 55 से 60 तक)	अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं सामाजिक सहकारिता से संबंधित।
अध्याय-X (अनुच्छेद 61 से 71 तक)	आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् के गठन, कार्य, मतदान एवं प्रक्रिया से संबंधित।

Contd...

अध्याय-XI (अनुच्छेद 72 से 74 तक)	राज्य क्षेत्रों के विषय में
अध्याय-XII (अनुच्छेद 75 से 85 तक)	अंतर्राष्ट्रीय न्याय पद्धति (Trustship Council) से संबद्ध।
अध्याय-XIII (अनुच्छेद 86 से 91 तक)	न्याय परिषद् के गठन, कार्य, मतदान एवं प्रक्रिया से संबंधित।
अध्याय-XIV (अनुच्छेद 92 से 96 तक)	अंतर्राष्ट्रीय न्यायलय से संबंधित। (International Court)
अध्याय-XV (अनुच्छेद 97 से 101 तक)	सचिवालय (Secretariat) से संबद्ध।
अध्याय-XVI (अनुच्छेद 102 से 105 तक)	प्रकीर्ण उपबंध से संबद्ध।
अध्याय-XVII (अनुच्छेद 106 से 107 तक)	संक्रमकालिन सुरक्षा व्यवस्थाओं से संबद्ध।
अध्याय-XVIII (अनुच्छेद 108 से 109 तक)	संशोधन से संबद्ध।
अध्याय-XIX (अनुच्छेद 110 और 111)	अनुसमर्थन एवं हस्ताक्षर से संबद्ध।

- संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय (Headquarter) न्यूयॉर्क (सं. रा. अमेरिका) में स्थित है। इसके भवन हेतु भूमि जॉन रॉकफेलर ने (9 मिलियन डॉलर में) दी थी।
- हेग (नीदरलैंड) में स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अतिरिक्त संगठन के अन्य सभी अंग संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय (न्यूयॉर्क) में स्थित हैं।
- संयुक्त राष्ट्र की मुख्य व्यवस्थापिका महासभा (General Assembly) है। इसमें प्रत्येक राष्ट्र का प्रतिनिधित्व होने के कारण ही इसे 'विश्व की लघु संसद' कहा जाता है।
- महासभा के प्रत्येक सदस्य राष्ट्र को पांच प्रतिनिधि भेजने का अधिकार है, किंतु उसका वोट (Vote) एक ही होता है।
- महासभा की बैठक/अधिवेशन (Session) प्रत्येक वर्ष सितंबर के दूसरे मंगलवार से लेकर क्रिसमस तक होता है।
- महासभा द्वारा प्रत्येक वार्षिक सत्र के प्रारंभ में एक अध्यक्ष तथा 21 उपाध्यक्षों का चुनाव किया जाता है।
- भारत की श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित (प्रथम महिला अध्यक्ष) महासभा (आठवें सत्र-1953) की अध्यक्ष रह चुकी हैं।



220 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भौगोलिक प्रतिनिधित्व में सामंजस्य हेतु महासभा की अध्यक्षता प्रतिवर्ष चक्रानुक्रम में आधार पर राष्ट्रों के पांच भौगोलिक समूहों-एशियाई, अफ्रीकी, पूर्वी यूरोपीय, लैटिन अमेरिकी तथा पश्चिमी यूरोपीय तथा अन्य राष्ट्रों को बारी-बारी से सौंपी जाती है।
- यू. एन. महासभा ने नवंबर 1950 में 'शांति के लिए एकता प्रस्ताव' (Uniting for Peace Resolution) पारित किया। इसके तहत महासभा किसी ऐसे मुद्दे पर, जिस पर सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों की आम राय नहीं बन पा रही हो, उन पर कार्यवाही कर सकती है।
- सन् 1972 में महासभा द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार किसी भी राष्ट्र द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि की अधिकतम सीमा को संगठन के कुल खर्च का 25% और न्यूनतम सीमा को 0.01% निर्धारित किया गया।
- सन् 2016 तक अमेरिका (USA) संयुक्त राष्ट्र के कुल व्यय का 22 प्रतिशत योगदान करता था।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) का सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद् (Security Council) है। सुरक्षा परिषद् को यू.एन.ओ. का प्रवर्तन स्कंध (Enforcement Wing) भी कहा जाता है।
- सुरक्षा परिषद् में मूल रूप से 11 सदस्य (5 स्थायी तथा 6 अस्थायी) थे, परंतु सन् 1965 में संशोधन द्वारा अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई।
- वर्तमान में सुरक्षा परिषद् की कुल सदस्य संख्या 15 है, जिसमें 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। इसके पांच स्थायी सदस्य हैं-अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन एवं रूस (भूतपूर्व सोवियत संघ)।
- सुरक्षा परिषद् के 10 अस्थायी सदस्यों (Non-Permanent Members) का क्षेत्रीय विवरण इस प्रकार है-5 एशियाई-अफ्रीकी राष्ट्रों से, 2 लैटिन अमेरिका से, 1 पूर्वी यूरोप से एवं शेष पश्चिमी यूरोप एवं राज्यों से होते हैं।
- अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन महासभा अपने दो-तिहाई बहुमत से 2 वर्ष के लिए करती है, जिस राष्ट्र का कार्यकाल समाप्त हो जाता है, उसे उसी वर्ष पुनः उम्मीदवार होने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

**संयुक्त राष्ट्रसंघ का नवीनतम 193वां सदस्य : (दक्षिण सूडान) ( एक दृष्टि में )**

- दक्षिणी सूडान (South Sudan) (सूडान से अलग होकर) 9 जुलाई 2011 को एक पृथक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया।
- 21 वर्ष तक चले गृहयुद्ध (Civil war) के पश्चात् ईसाई बहुल 'दक्षिणी सूडान' मुस्लिम बहुल उत्तरी सूडान से अलग होकर अफ्रीकी महाद्वीप का 54वां देश बना है।
- इस नवोदित राष्ट्र की राजधानी जूबा (JUBA) है तथा जनरल साल्वा कीर इसके पहले राष्ट्रपति बनाए गए।

- जुलाई 2001 में ही नवोदित राष्ट्र (दक्षिण सूडान) को संयुक्त राष्ट्र संघ में 193वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया/बनाया गया।
- इससे पूर्व यू.एन.ओ. (UNO) का 192वां सदस्य (वर्ष 2006 में) 'मोंटेनेगो' को बनाया गया था।

- यू.एन. चार्टर की धारा-27 में (सुरक्षा परिषद् में) मतदान की प्रक्रिया का उल्लेख है। इसके अनुसार प्रक्रिया संबंधी विषय (Procedural Matters) में परिषद् के निर्णय 9 सदस्यों के स्वीकारात्मक मत (Positive) से लिए जाएंगे।
- प्रक्रिया संबंधी विषयों के अतिरिक्त महत्वपूर्ण विषयों (Substantive Matters) के निर्णय के लिए 9 सदस्यों के स्वीकारात्मक वोट के साथ 5 स्थायी सदस्यों के स्वीकारात्मक (Positive) वोट भी होने चाहिए। सुरक्षा परिषद् के सभी (पांच) स्थायी सदस्यों को 'वीटो' (VETO) की शक्ति प्राप्त है।
- अमेरिका (USA) ने यू.एन.ओ. (UNO) की स्थापना से लेकर वर्तमान तक सर्वाधिक बार इजरायल के विरुद्ध प्रस्ताव रोकने हेतु (सुरक्षा परिषद् में) 'वीटो' का इस्तेमाल किया है।
- 'आर्थिक तथा सामाजिक परिषद्' (Economic and Social Council) के सदस्यों की संख्या प्रारंभ में कुल 18 थी, लेकिन सन् 1996 में यू.एन. चार्टर में संशोधन द्वारा। यह संख्या 27 कर दी गई और सन् 1973 में एक बार पुनः संशोधन द्वारा अब 54 हो गई।
- आर्थिक तथा सामाजिक परिषद् के सदस्यों की अवधि 3 वर्ष की होती है। परिषद् में एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक वर्ष अवकाश ग्रहण करते हैं।
- यू.एन.ओ. (UNO) ने राष्ट्रसंघ (League of Nations) की मंडेट व्यवस्था (Mandate System) के स्थान पर 'न्यास पद्धति' (Trusteeship Council) को ग्रहण किया। न्यास पद्धति के अंतर्गत कुल 11 प्रदेश थे। सन् 1994 में न्यास परिषद् का कार्य लगभग समाप्त हो गया।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) का न्यायिक अंग 'अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय' (International Court) है। इस न्यायालय में कुल 15 न्यायाधीश होते हैं, जिसमें 5 न्यायाधीश (एक-तिहाई) प्रत्येक 3 वर्ष बाद रिटायर होते हैं। न्यायाधीशों का कार्यकाल नौ वर्ष का होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का एक पृथक संविधान है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की संविधि' कहा जाता है। इसमें कुल 5 अध्याय तथा 70 अनुच्छेद हैं। यह न्यायालय हेग में स्थित है।
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (International Criminal Court-ICC) की स्थापना 1 जुलाई 2002 को जनसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामले में सुनवाई हेतु की गई। इस न्यायालय का मुख्यालय भी हेग (नीदरलैंड) में 'पीस पैलेस बिल्डिंग' में स्थित है।

222 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

**संयुक्त राष्ट्र संघ के विशिष्ट अभिकरण/एजेंसियाँ (UNO Specialized Agencies) (एक दृष्टि में)**

यू.एन. विशिष्ट अभिकरण	स्थापना वर्ष	सदस्य	मुख्यालय
अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)	1865	189	जेनेवा
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	1919	-	जेनेवा
विश्व बैंक (World Bank)	1945	189	वाशिंगटन डीसी
संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)	1946	188	पेरिस (फ्रांस)
संयुक्त राष्ट्र बाल कोष/यूनिसेफ (UNICEF)	1946	154	न्यूयॉर्क (USA)
खाद एवं कृषि संगठन (FAO)	1946	182	रोम (इटली)
अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO)	1947	186	मोंट्रियल (कनाडा)
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	1948	192	जेनेवा (switz)
शरणार्थियों हेतु संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त कार्यालय (UNHCR)	1948	-	जेनेवा
अंतर्राष्ट्रीय सामुहिक संगठन (IMO)	1948	159	लंदन (UK)
विश्व मौसम वैज्ञानिक संगठन (WMO)	1950	179	जेनेवा
विश्व खाद कार्यक्रम (WFP)	1961	-	-
व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड-UNCTAD)	1964	149	जेनेवा
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)	1965	181	न्यूयॉर्क (USA)
संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	1966	169	विएना (ऑस्ट्रिया)
विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)	1967	151	जेनेवा
संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFP)	1967	-	न्यूयॉर्क
संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम	1972	120	नैरोबी (कीनिया)
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995	162	जेनेवा (switz)

- 'संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय' (वर्ष 1972) टोक्यो (जापान) में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ की लाइब्रेरी 'हेम्मर्सजोल्ड लाइब्रेरी' के नाम से जानी जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र के कई विशिष्ट अभिकरणों/एजेंसियों (Specialised Agencies) को 'नोबेल शांति पुरस्कार' (Nobel Peace Prize) मिल चुका है। यू.एन. शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय (वर्ष 1954 एवं 1981 में), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (1969 में) यू.एन. बाल कोष (1965 में) एवं संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (UNPK) तथा वर्ष 2005 में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA) को भी यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

- सन् 2001 का नोबेल शांति पुरस्कार संयुक्त राष्ट्रसंघ (UNO) एवं इसके महासचिव (Secretary General) कोफी अन्नान को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र संघ की छह आधिकारिक भाषाएं (Official Languages) हैं— अंग्रेजी, रूसी, चीनी, फ्रेंच, स्पेनिश तथा अरबी। अरबी भाषा को यू.एन. महासभा द्वारा वर्ष 1973 में मान्यता दी गई थी।
- सचिवालय (Secretariat) संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रशासनिक अंग है। यू.एन. सचिवालय सन् 1952 में बनकर तैयार हुआ था। सचिवालय का प्रधान 'महासचिव' होता है।
- यू.एन. के प्रथम महासचिव ट्रीगवी ली (नार्वे) (सन् 1946 से 1952 तक) थे। महासचिव ही यू.एन.ओ. (UNO) का प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी (Chief Administrative Officer) होता है।
- महासचिव की नियुक्ति सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर महासभा द्वारा पांच वर्षों के लिए की जाती है।
- एशिया से महासचिव बनने वाला प्रथम व्यक्ति यू-थांट (बर्मा/म्यांमार) (सन् 1961 से 1971 तक) थे। सन् 2007 में बान की मून (दक्षिण कोरिया) यू.एन. के महासचिव नियुक्त हुए। वह एशिया से महासचिव बनने वाले दूसरे व्यक्ति थे।
- यू.एन. महासचिव पद के दायित्वों को संवारने तथा इसके कार्यों में कुशलता एवं सहायता पहुंचाने हेतु महासभा द्वारा सन् 1997 में एक नया पद यू.एन. 'उपमहासचिव' सृजित किया गया है। यू.एन. उपमहासचिव पद पर प्रथम नियुक्ति लुइस फ्रेचिट (कनाडा) की जनवरी 1998 में हुई।

**संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव (एक दृष्टि में)  
(UNO Secretary Generals)**

क्र. सं.	नाम	अवधि	विशेष
1.	ट्रीगवी ली (नार्वे)	2 फरवरी, 1946 से 10 नवंबर, 1952	नवंबर 1952 में स्वयं अपने पद से इस्तीफा दिया।
2.	डैग हैमरशोल्ड (स्वीडन)	10 अप्रैल, 1953 से 18 सितंबर, 1961	सितंबर 1961 में अफ्रीका में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु।
3.	यू-थांट (म्यांमार/बर्मा)	30 नवंबर, 1961 से 1 जनवरी, 1971	एशिया से महासचिव बनने वाले प्रथम व्यक्ति।
4.	कुर्त वैल्डहीम (ऑस्ट्रिया)	1 जनवरी, 1972 से 1 जनवरी, 1982	-

Contd...

224 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

5.	जेवियर पेरिज डी कृइलार (पेरू)	1 जनवरी, 1982 से 1 जनवरी, 1992	दक्षिण अमेरिका से यू.एन. के महासचिव बनने वाले प्रथम व्यक्ति।
6.	बुतरस घाली (मिस्र)	1 जनवरी, 1992-1 जनवरी, 1997	बुतरस घाली (मिस्र) अफ्रीका से महासचिव बनने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
7.	कोफी अन्नान (घाना)	1 जनवरी, 1997 से 1 जनवरी, 2006	कोफी अन्नान की अनुशांसा पर (वर्ष 1997 में) उप-महासचिव के पद की रचना की गई।
8.	बान की मून (दक्षिण कोरिया)	1 जनवरी, 2006 से 31 दिसंबर, 2016	बान की मून पूर्व में दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री रहे। वह एशिया से महासचिव बनने वाले (यू थांट के बाद) दूसरे व्यक्ति बने।
9.	एंटोनियो गुटेरस (पुर्तगाल)	1 जनवरी, 2017 से वर्तमान तक	एंटोनियो गुटेरस पूर्व में पुर्तगाल के प्रधानमंत्री रहे। 1 सितंबर, 2016 में यू.एन. के महासचिव पद पर नियुक्ति हुई तथा 1 जनवरी, 2017 को उन्होंने कार्यभार संभाला।

- यू.एन. (UNO) के तत्कालीन महासचिव कोफी अन्नान ने सन् 2003 में संयुक्त राष्ट्र में सुधार हेतु एक 16 सदस्यीय समिति 'आनंद पण्यार्चुन' (थाइलैंड) की अध्यक्षता में गठित की। समिति ने अपनी एक सिफारिश (वर्ष 2014) में सुरक्षा परिषद् (Security Council) की सदस्य संख्या 15 से बढ़ाकर 24 करने का सुझाव दिया।
- यू.एन. के सतत विकास (Sustainable Development) के अगले 15 वर्षों के एजेंडे (सतत विकास हेतु एजेंडा 2030) पर यू.एन. के सभी 193 सदस्य राष्ट्रों में आम सहमति 2 अगस्त 2015 को (महासभा के 70वें सत्र में) हुई। इसके तरह संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्य (SD Goals) निर्धारित किए गए हैं। इन लक्ष्यों को सन् 2015 से 2030 के दौरान प्राप्त करने के प्रयास किए जाएंगे।

- संयुक्त राष्ट्र संघ में गैर-सदस्य पर्यवेक्षक (Observer) का दर्जा प्राप्त फिलीस्तीन (Palestine) का ध्वज (न्यूयॉर्क में) यू.एन. मुख्यालय में फहराए जाने वाले ध्वजों में सितंबर 2015 में शामिल किया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) ने 2011-2020 के दशक को संयुक्त राष्ट्र जैव-विविधता दशक (United Nations Biodiversity Decade) घोषित किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देकर विकास की गति में सुदृढ़ता लाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2017 को 'विकास हेतु सतत पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' (International year of Sustainable Tourism for Development) घोषित किया है।
- 1 जनवरी, 2017 से संयुक्त राष्ट्र के नए महासचिव एंटोनियो गुटेरस (पुर्तगाल के पूर्व प्रधानमंत्री) हैं। वह यू.एन.ओ. के नौवें महासचिव हैं।







## भाग 4: भारतीय अर्थव्यवस्था

18. वित्तीय, बैंकिंग व विदेशी व्यापार
19. कृषि एवं उद्योग-धंधे
20. भारत की जनगणना (2011)







# वित्तीय, बैंकिंग व विदेशी व्यापार (Financial, Banking and Foreign Trade)

---

- एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का जनक (Father of Economy) माना जाता है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'द वेल्थ ऑफ नेशन' (The Wealth of Nation) का प्रकाशन वर्ष 1776 में हुआ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यतः मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) मानी जाती है। यह वह अर्थव्यवस्था होती है, जहां सरकारी एवं निजी क्षेत्र का सहअस्तित्व होता है।
- भारत की वित्तीय राजधानी (Financial Capital) बंबई (मुंबई) शहर को माना जाता है।
- किसी देश की अर्थव्यवस्था (Economy) में एक वित्तीय वर्ष में उस देश के नागरिकों द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्यों का योग "जी. एन. पी." (Gross National Product–G.N.P.) कहा जाता है।
- किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में एक वित्तीय वर्ष में उसकी भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का योग "जी. डी. पी." (Gross Domestic Product–G.D.P.) कहलाता है।
- G.D.P. में से मूल्य ह्रास हटाने पर जो शेष बचता है उसे एन. डी. पी. (Net Domestic Product–N.D.P.) कहा जाता है।
- भारत में पहला स्टॉक एक्सचेंज (Stock Exchange) वर्ष 1875 में स्थापित किया गया था।
- भारत में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के निर्धारण का आधार 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' है।

- भारतीय कंपनी ऐक्ट वर्ष 1956 में संसद में पारित किया गया था।
- भारत में निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से भारत का प्रथम ई. पी. जेड. (Export Processing Zone -EPZ) वर्ष 1965 में कांडला (सूरत, गुजरात) में स्थापित किया गया था।
- देश में निर्यात, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि करने के उद्देश्य से (वर्ष 2005 में) संसद ने एक विधेयक द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र/जोनों (SEZ) की स्थापना की है।

## बैंकिंग (Banking)

- भारत में स्थापित होने वाला पहला बैंक 'बैंक ऑफ हिंदुस्तान' था। इस बैंक की स्थापना वर्ष 1770 में कलकत्ता (कोलकाता) में अलेक्जेंडर एंड कंपनी द्वारा की गई थी।
- भारत में सर्वप्रथम 'प्रेसीडेंसी बैंक' बंगाल में (सन् 1809 में 'बैंक ऑफ कलकत्ता (कोलकाता)') स्थापित हुआ।
- भारत में (वर्ष 1894 में) स्थापित होने वाला पहला पूर्णतः देशी बैंक 'पंजाब नेशनल बैंक' था।
- बंगाल, बंबई (मुंबई) व मद्रास (चेन्नई) के प्रेसीडेंसी बैंकों को 1921 में मिलाकर 'इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया' (Imperial Bank of India) बनाया गया। उल्लेखनीय है कि यही बैंक बाद में (वर्ष 1955 में) 'स्टेट बैंक ऑफ इंडिया' (SBI) बना।
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को हुई। आर. बी. आई. का राष्ट्रीयकरण (Nationalization) 1 जनवरी, 1949 को हुआ।
- 19 जुलाई, 1969 को (50 करोड़ से अधिक जमा वाले) 14 व्यापारिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। इन सभी बैंकों की जमा पूंजी 200 करोड़ से अधिक थीं।
- 4 सितंबर, 1993 को केंद्र सरकार ने 'न्यू बैंक ऑफ इंडिया' का 'पंजाब नेशनल बैंक' में विलय किया, जिससे राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्या 20 से घटकर 19 रह गई।
- देना बैंक और विजया बैंक का विलय बैंक ऑफ बड़ौदा में किया गया, जो 1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी हुआ।
- रिजर्व बैंक के राष्ट्रीयकरण (वर्ष 1949) के साथ ही बैंकिंग नियमन अधिनियम पारित किया गया, जिसके द्वारा आर. बी. आई. को वाणिज्यिक बैंकों पर नियंत्रण रखने का विस्तृत अधिकार प्राप्त हुआ।
- वर्तमान में (2016 के अंत तक) भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 27 वाणिज्यिक बैंक (इनमें 19 राष्ट्रीयकृत बैंक, 1 एस.बी.आई., 5 एस.बी.आई. के सहयोगी बैंक एवं 1 आई.डी.बी.आई. (IDBI) सहित) कार्यरत हैं।

प्रमुख बैंकिंग दर ( एक दृष्टि में )	
• रेपो दर (Repo Rate)	वह ब्याज दर जिस पर आर. बी. आई. (RBI) द्वारा अपने ग्राहकों को लघु अवधि (Short term) ऋण उपलब्ध कराया जाता है। 2017-18 की तीसरी द्विमासिक समीक्षा में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गई है। 2 अगस्त, 2017 से यह 6.00 प्रतिशत हो गई है। पिछले 7 वर्षों में यह इसका निम्नतम स्तर है।
• रिवर्स रेपो दर (Reverse Repo Rate)	वह ब्याज दर, जो आर. बी. आई. अपने ग्राहकों को उनसे लिये गए लघु अवधि के ऋण पर देता है। वर्तमान में (2 अगस्त, 2017 तक) रिवर्स रेपो दर 5.75 प्रतिशत है।
• बैंक दर (Bank Rate)	वह ब्याज दर, जिस पर आर. बी. आई. अपने ग्राहकों को दीर्घ अवधि (Long Term) ऋण देता है, बैंक दर कहलाती है। वर्तमान में यह 6.25 प्रतिशत है।
• एम. एस. एफ. (Marginal Standing Facility-MSF)	इसके द्वारा देश में कार्यरत बैंक तरलता (Liquidity) की कमी की स्थिति में सीधे RBI से कर्ज ले सकते हैं। यह RBI द्वारा वर्ष 2011 में प्रारंभ की गई। 2 अगस्त, 2017 तक यह दर 6.25 प्रतिशत थी।
• सी. आर. आर. (Cash Reserve Ratio-CRR)	नकद आरक्षण अनुपात (CRR) भारत में कार्य करने वाले अनुसूचित बैंकों (चाहे देशी हों या विदेशी) की सफल जमाओं का वह अनुपात है, जो उन्हें RBI के पास नकद रूप से रखना अनिवार्य है। वर्तमान में CRR दर 4.00% है।
• एस. एल. आर. (Statutory Liquidity Ratio-SLR)	सावधिक तरलता अनुपात (SLR) भारत में कार्यरत सभी अनुसूचित बैंकों की सकल जमाओं का वह अनुपात है, जिसे उन्हें अपने पास विद्यमान रखना होता है। यह गैर नकद (Non Cash) भी हो सकता है। वर्तमान में यह दर 20.00 प्रतिशत है।

- 31 मार्च, 2016 तक भारतीय वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 225 अनुसूचित बैंक (विदेशी बैंक सहित) सम्मिलित थे। भारत में 43 विदेशी बैंक कार्यरत हैं।
- वर्तमान में भारत में कार्यरत निजी (Private) क्षेत्र के कुल 22 बैंक हैं।
- निजी क्षेत्र में पूंजी उगाहने वाला पहला राष्ट्रीयकृत बैंक 'ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स' है।
- केरल भारत का पहला पूर्ण बैंकिंग वाला राज्य है।
- प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार वर्ष 1998 में (कल्याण अर्थशास्त्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु) प्रदान किया गया।

- नोबेल शांति पुरस्कार (वर्ष 2006) विजेता प्रो. मुहम्मद यूनूस, जो बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक के संस्थापक रहे हैं, इन्हें (2006 में) नोबेल पुरस्कार “माइक्रो बैंकिंग की अवधारणा” के प्रतिपादन हेतु मिला।

### प्रमुख विदेशी बैंक (जिनकी शाखाएं भारत में हैं)

- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (सार्वधिक)
- एच. एस. बी. सी.
- सिटी बैंक
- रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड
- बैंक ऑफ अमेरिका
- बर्कलेज बैंक
- आई. एस. बी. सी.

### भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को हुई थी।
- रिजर्व बैंक के प्रथम (ब्रिटिश) गवर्नर सर ओस्बोर्न ए. स्मिथ थे।
- भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण (रिजर्व बैंक ट्रांसफर टू पब्लिक ओनरशिप ऐक्ट, 1948 के तहत) 1 जनवरी, 1949 को किया गया।
- रिजर्व बैंक के प्रमुख कार्य हैं— नोटों का निर्गमन करना, बैंकों के बैंक के रूप में कार्य करना एवं विदेशी विनिमय पर नियंत्रण रखना।
- भारतीय रिजर्व बैंक का ‘रिपोर्ट ऑन करेंसी एंड फाइनेंस’ (Report on Currency and Finance) वार्षिक प्रकाशन है।
- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ‘बैंकिंग लोकपाल’ (Lokpal) की नियुक्ति भी की जाती है।
- आर. बी. आई. (RBI) ने वर्ष 2000 में 22 वर्ष के अंतराल के पश्चात् एक हजार का नोट पुनः जारी किया।
- 1 जुलाई, 2011 से 25 पैसे के सिक्के एवं इससे कम मूल्य के सिक्के अमान्य हो गए।
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नोट निर्गमन विभाग के पास हर समय लगभग 115 करोड़ मूल्य का स्वर्ण कोष में रहना अनिवार्य है।
- भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्यालय बंबई (मुंबई) में स्थित है।
- काले धन एवं नकली नोटों की समस्या से निपटने के लिए वर्ष 2005 से पहले मुद्रित सभी करेंसी नोट वापस लेने की घोषणा 22 जनवरी, 2014 में आर. बी. आई. (RBI) ने की।
- 8 नवंबर, 2016 को बड़े नोटों, पांच सौ तथा एक हजार के नोटों का विमुद्रीकरण किया गया। इनके स्थान पर नए दो हजार के नोट तथा 500 का नया नोट लाया गया।

### भारतीय स्टेट बैंक (SBI)

- बंगाल, बंबई (मुंबई) और मद्रास (चेन्नई) के प्रेसीडेंसी बैंकों को वर्ष 1921 में मिलाकर 'इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया' (Imperial Bank of India) की स्थापना की गई।
- 1 जुलाई, 1955 को इंपीरियल बैंक की सभी संपत्तियों तथा देनदारियों का अधिग्रहण करके भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने कार्य करना प्रारंभ किया।
- भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के राष्ट्रीयकरण के बाद (वर्ष 1959 में) इसके साथ अन्य 8 बैंक (वर्तमान में केवल 5) को एस.बी.आई. के सहायक बैंक (Associate Bank) के रूप में बदल दिया गया और इसे 'स्टेट बैंक समूह' (State Bank Group) का नाम दिया गया।
- एस.बी.आई. (SBI) के सहायक बैंक हैं— स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर; स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद; स्टेट बैंक ऑफ मैसूर; स्टेट बैंक ऑफ पटियाला एवं स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर इत्यादि।
- सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) सबसे बड़ा बैंक है।
- भारत में (वर्तमान में) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की सर्वाधिक शाखाएं हैं।
- एस.बी.आई. (SBI) द्वारा ही सर्वप्रथम उपग्रह नेटवर्क (Satellite) का इस्तेमाल किया गया है।
- बैंक ऑफ बड़ौदा के पश्चात् विदेशों में सर्वाधिक शाखाएं भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की हैं।
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भारत में प्रथम तैरता ए.टी.एम. कोच्चि में 9 फरवरी, 2004 को लॉन्च किया।
- भारतीय स्टेट बैंक ने विदेश में पहली शाखा कोलंबो (श्रीलंका) में खोली थी।
- मार्केट बैंकिंग डिवीजन खोलने वाला पहला राष्ट्रीयकृत बैंक (1974 में) भारतीय स्टेट बैंक है।
- म्यूचुअल फंड स्थापित करने वाला (1987 में) पहला राष्ट्रीयकृत बैंक भी भारतीय स्टेट बैंक है।

#### प्रमुख (राष्ट्रीयकृत) बैंक (एक दृष्टि में)

बैंक का नाम		प्रधान कार्यालय
पंजाब नेशनल बैंक	-	नई दिल्ली
पंजाब एंड सिंध बैंक	-	नई दिल्ली
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	-	नई दिल्ली
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	-	बंबई (मुंबई)

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	–	बंबई (मुंबई)
बैंक ऑफ इंडिया	–	बंबई (मुंबई)
देना बैंक	–	बंबई (मुंबई)
इंडियन ओवरसीज बैंक	–	मद्रास (चेन्नई)
इंडियन बैंक	–	मद्रास (चेन्नई)
बैंक ऑफ बड़ौदा	–	बड़ौदा
यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक	–	कलकत्ता (कोलकाता)
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	–	कलकत्ता (कोलकाता)
इलाहाबाद बैंक	–	कलकत्ता (कोलकाता)
केनरा बैंक	–	बंगलौर (बंगलुरु)
सिंडीकेट बैंक	–	मणिपाल
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	–	पुणे
आंध्रा बैंक	–	हैदराबाद
विजया बैंक	–	बंगलौर (बंगलुरु)
कॉर्पोरेशन बैंक	–	मंगलौर

## प्रमुख ( निजी क्षेत्र ) बैंक

- कर्नाटक बैंक लि.
- नैनीताल बैंक लि.
- धनलक्ष्मी बैंक लि.
- रत्नाकर बैंक लि.
- कोटक महिंद्रा बैंक लि.
- जम्मू-कश्मीर बैंक लि.
- यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक लि.
- फ़ेडरल बैंक लि.

## निजी क्षेत्र के नए बैंक (Private Bank)

- वर्तमान में भारत में कार्यरत कुल 22 निजी क्षेत्र के बैंक हैं।
- इन 22 निजी बैंकों में 13 पुराने बैंक हैं तथा 9 नए बैंक हैं।
- निजी क्षेत्र के 9 नए बैंक हैं:
  - एक्सिस बैंक
  - कोटक महिंद्रा बैंक
  - यस बैंक
  - डेवलपमेंट क्रेडिट बैंक

- एच. डी. एफ. सी.
- आई. सी. आई. सी. आई.
- इंडसइंड बैंक

इनके अलावा निजी क्षेत्र के दो नए बैंक आई. डी. एफ. सी. बैंक (IDFC) तथा बंधन बैंक (Bandhan Bank) हाल ही के वर्षों में अस्तित्व में आए हैं।

- बंधन बैंक ने 23 अगस्त, 2015 से तथा आई. डी. एफ. सी. बैंक ने 1 अक्टूबर, 2015 से कार्य करना शुरू किया है।
- भारत में सर्वप्रथम (सन् 1853 में) विदेशी बैंक 'चार्टर्ड बैंक' ने अपनी शाखा मद्रास (चेन्नई) में खोली थी।
- भारत में विदेशी बैंक 'स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक' (SC Bank की 100 शाखाएं) की सर्वाधिक शाखाएं कार्यरत हैं। यह ब्रिटिश (UK) बैंक है।
- भारत में (वर्ष 2016 के अंत तक) कार्यरत विदेशी बैंकों की संख्या 43 है।
- विदेशी बैंक एच. एस. बी. सी. (HSBC) का पूरा विस्तार है—'हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन'।
- विदेशी बैंक आई. एस. बी. सी. (ISBC) का विस्तार है—'इंडस्ट्रियल एंड कॉमर्शियल बैंक ऑफ चाइना'।
- वर्तमान में लगभग 50 से अधिक देशों में भारतीय बैंक काम कर रहे हैं। इनमें सर्वाधिक शाखाएं (विदेशों में) बैंक ऑफ बड़ौदा की हैं तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का दूसरा स्थान है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के इलाहाबाद बैंक ने विदेश में अपनी पहली शाखा हांगकांग में स्थापित की थी।
- ब्रिटेन में भारतीय बैंकों की सर्वाधिक शाखाएं स्थित हैं।
- भारत में सर्वप्रथम (वर्ष 1987 में) एच. एस. बी. सी. (HSBC) ने बंबई (मुंबई) में ओटोमेटिक टेलर की मशीन स्थापित की थी।

### भारतीय महिला बैंक (BMB)

- महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए भारत सरकार ने देश में पहले 'भारतीय महिला बैंक' की स्थापना नवंबर 2013 में की थी।
- भारतीय महिला बैंक का उद्घाटन तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 19 नवंबर, 2013 को बंबई (मुंबई) में किया।
- एक हजार करोड़ की पूंजी से शुरू किए गए इस बैंक का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित किया गया।
- वरिष्ठ बैंकर उषा अनंतसुब्रमण्यम को इस बैंक का (प्रथम) अध्यक्ष बनाया गया है।
- बैंक की पंचलाइन 'महिला सशक्तिकरण भारत का सशक्तिकरण' है।



236 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

### भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)

- वर्ष 1964 में भारत में औद्योगिक विकास तथा औद्योगिक वित्त के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय के उद्देश्य से 'भारतीय औद्योगिक विकास बैंक' की स्थापना की गई।
- इसकी अधिकृत पूंजी 50 करोड़ रुपए हैं।
- वर्ष 1975 तक यह आर. बी. आई. (RBI) की अनुषंगी इकाई थी, परंतु वर्ष 1976 में सरकार ने इसका स्वामित्व अपने हाथों में ले लिया।
- यह बैंक संबंधित साख का मुख्य स्रोत है।

#### भारत की प्रमुख वित्तीय संस्थाएं

संस्था	स्थापना वर्ष
भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)	1 अप्रैल, 1935
रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण	1 जनवरी, 1949
भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI)	1948
भारतीय औद्योगिक ऋण व निवेश निगम (ICICI)	1955
भारतीय स्टेट बैंक (राष्ट्रीयकरण)	1955
भारतीय यूनिट ट्रस्ट UTI (वर्ष 2007 में UTI का नाम बदलकर Axis Bank Ltd. किया गया।)	1964
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	1964
भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)	1956
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रारंभ	1975
गृह विकास वित्त निगम लि. (HDFC)	1977
कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)	1982
भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक (IRBI)	1985
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)	1990

### क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (Regional Rural Bank)

- भारत में 2 अक्टूबर, 1975 को पांच क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्थापित किए गए।
  - मुरादाबाद (UP) - सिंडीकेट बैंक
  - गोरखपुर (UP) - एस. बी. आई. (SBI)
  - भिवानी (हरियाणा) - पंजाब नेशनल बैंक
  - जयपुर (राजस्थान) - यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक
  - माल्टा (पं. बंगाल) - यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

- वर्ष 2014 तक भारत में इन बैंकों की 16,000 से अधिक शाखाएं थीं तथा देश के 545 जिलों में इनका फैलाव है।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भारत के दो राज्यों गोवा एवं सिक्किम को छोड़कर भारत के सभी राज्यों में कार्यरत हैं।

### नाबार्ड (NABARD)

- नाबार्ड 'राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक' देश में कृषि एवं ग्रामीण साख की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिजर्व बैंक की इकाई के रूप में स्थापित किया गया।
- 'नाबार्ड' की स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी।
- वर्ष 2010 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नाबार्ड में अपनी लगभग सारी हिस्सेदारी सरकार को बेच दी थी।
- जन-जन तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय समावेश हेतु भारतीय बैंक संघ (IBA) के सहयोग से केंद्र सरकार ने 10 फरवरी, 2011 को 'स्वाभिमान अभियान' प्रारंभ किया।
- इस 'स्वाभिमान अभियान' का उद्देश्य 2 हजार से भी अधिक जनसंख्या वाले लगभग 73 हजार बैंक रहित गांवों को बुनियादी बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है।

## मुद्रा

### भारतीय रुपए का अपना पहचान चिह्न ₹

- देवनागरी के 'र' तथा रोमन अक्षर 'आर' (R) से मिलते-जुलते प्रतीक चिह्न '₹' को रुपए के चिह्न (Symbol) के रूप में केंद्रीय कैबिनेट की 15 जुलाई, 2010 की बैठक में स्वीकार किया गया।
- अमेरिकी 'डॉलर' (\$); यूरोपीय देशों की एकीकृत मुद्रा 'यूरो' (€); ब्रिटिश 'पौंड' (£) तथा जापान के 'येन' (¥) की तरह अब भारतीय रुपए का भी अपना प्रतीक चिह्न हो गया है।
- भारतीय रुपया विश्व की ऐसी पांचवीं मुद्रा है, जिसका अपना अलग पहचान चिह्न (Symbol) है।
- रुपए के सिम्बल के लिए चयनित चिह्न (₹) की रचना IIT बंबई (मुंबई) से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में PG उपाधि प्राप्त डी. उदय कुमार ने की है।

### यूरोप की एकीकृत मुद्रा: 'यूरो' (EURO) (एक दृष्टि में)

- 1 जनवरी, 2002 से यूरोपीय संघ (EU) के 12 सदस्यों ने अपने यहां साझा 'यूरो' (EURO) मुद्रा का चलन शुरू किया।

- इनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, लक्सम्बर्ग, नीदरलैंड, इटली, पुर्तगाल व स्पेन शामिल हैं।
- सन् 2007 में स्लोवेनिया तथा 2008 में माल्टा व साइप्रस द्वारा भी 'यूरो' मुद्रा को अपनाया गया। वर्ष 2009 में स्लोवाकिया तथा वर्ष 2011 में एस्टोनिया ने 'यूरो' अपनाई।
- 1 जनवरी, 2014 में लाटविया ने भी 'यूरो' को अपनाया, जिससे यूरो वाले देशों की संख्या 18 हो गई।
- उल्लेखनीय है कि यूके (UK) तथा डेनमार्क को 'यूरो' अपनाने या न अपनाने की छूट मिली हुई है, जिसके कारण ये प्रमुख देश अभी तक यूरो जोन में शामिल नहीं हुए हैं।
- 1 जनवरी, 2015 को पूर्वी यूरोपीय (बाल्टिक राष्ट्र) लिथुवानिया भी यूरो जोन का सदस्य बना, जिससे यूरो वाले देशों की संख्या अब (18 से बढ़कर) 19 हो गई है।

## भारत में विदेशी पूंजी निवेश (FDI)

- भारत में विदेशी पूंजी निवेश (FDI) करने वाले शीर्ष देश हैं— मॉरीशस, सिंगापुर, यू.के., नीदरलैंड एवं जापान।
- भारत में सर्वाधिक एफ. डी. आई. (FDI) आकर्षित करने वाले क्षेत्र हैं— सेवा क्षेत्र (कुल 18%), निर्माण, दूरसंचार, कंप्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर तथा फार्मास्यूटिकल इत्यादि।
- भारत के सर्वाधिक एफ. डी. आई. (FDI) प्राप्त करने वाले राज्य हैं— दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात।
- भारतीय आयात के शीर्ष देश हैं— चीन, सऊदी अरब, यू. ए. ई. एवं अमेरिका (USA) तथा निर्यात के शीर्ष गंतव्य हैं— अमेरिका, यूएई (UAE), चीन व सिंगापुर।
- भारत द्वारा सर्वाधिक निर्यात की जाने वाली वस्तुएं हैं— पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न (आभूषण) एवं वस्त्र।
- देश में विदेशी विनिमय के लिए वर्ष 1973 में 'विदेशी विनिमय नियमन अधिनियम' (Foreign Exchange Regulation Act—FERA) पारित किया गया, जो 1 जनवरी, 1974 से लागू हुआ।
- 'फेरा' (FERA) अधिनियम के प्रावधानों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- वर्तमान समय में इसकी जगह ('फेरा' के स्थान पर) एक नया 'विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम' (FEMA 'फेमा') लागू है (वर्ष 2000-01 से)।
- 'FEMA' पूर्ववर्ती 'FERA' की तुलना में काफी उदार अधिनियम है।
- वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016-17 के दौरान पूरे वित्तीय वर्ष में डॉलर मूल्य में भारत का निर्यात 274.6 अरब डॉलर तथा आयात

380.3 अरब डॉलर का रहा था, जिससे पूरे वित्तीय वर्ष में व्यापार घाटा 105.7 अरब डॉलर का रहा।

- वर्तमान में विश्व व्यापार में भारतीय विदेशी व्यापार का हिस्सा 0.5 प्रतिशत एवं 0.8 प्रतिशत के बीच है।

## विदेशी व्यापार नीति (2015-20)

### ( महत्वपूर्ण बिंदु ) - ( 1 अप्रैल, 2015 को घोषित )

- विदेशी व्यापार नीति 2015-20 में सन् 2020 तक विश्व व्यापार में भारत के निर्यात की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है।
- निर्यातकों व आयातकों को लंबी अवधि की रणनीति बनाने में मदद के लिए यह नीति 5 वर्ष के लिए बनाई गई है।
- इस नीति में प्रतिवर्ष परिवर्तन करने के स्थान पर केवल ढाई वर्ष के अंतराल पर इसकी मध्यावधि समीक्षा करने का प्रावधान किया गया है।
- विशेष आर्थिक जोनों (SEZs) के साथ-साथ ई-कॉमर्स के लिए विशेष प्रोत्साहनों की घोषणा इस नीति में की गई है।
- इस नीति के तहत पहले से चल रही पांच विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं का विलय कर दो प्रमुख योजनाओं को प्रारंभ किया गया है।
- इनमें से एक वस्तुओं के निर्यात से संबंधित है, भारत से 'वस्तु निर्यात की स्कीम' (MEIS), जो निर्दिष्ट उत्पादों के निर्दिष्ट बाजारों (देशों) में निर्यात को बढ़ावा देने से संबंधित है।
- दूसरी भारत से सेवाओं की 'निर्यात स्कीम' (SEIS) सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने से संबंधित है।
- इन दोनों ही योजनाओं के तहत पुरस्कार स्वरूप जारी किए जाने वाले 'ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स' को पूरी तरह हस्तांतरणीय बनाया गया है।
- निर्यात के मामले में बेहतर निष्पादन करने वाली इकाईयों को एक्सपोर्ट हाउस, ट्रेडिंग हाउस, प्रीमियम ट्रेडिंग हाउस आदि के जो दर्जे अभी तक प्रदान किए जाते थे, अब इस वर्गीकरण को समाप्त करके 1, 2, 3, 4, 5 स्टार एक्सपोर्ट हाउस के दर्जे प्रदान किए जाएंगे।

## भारत में नियोजन (Planning in India)

- आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उपलब्ध संसाधनों का महत्तम (Optimum) दोहन करने की प्रक्रिया को 'नियोजन' (Planning) कहा जाता है।
- अर्थव्यवस्था के विकास हेतु केंद्रीकृत नियोजन को सर्वप्रथम भूतपूर्व सोवियत संघ (USSR) द्वारा अपनाया गया था।

- भारतीय संविधान की सातवी अनुसूची में 'आर्थिक नियोजन' समवर्ती सूची (Concurrent List) में सम्मिलित है।
- सर्वप्रथम 1934 में नियोजन के बारे में सर. एम. विश्वेश्वरैया द्वारा 'द प्लान्ड इकोनॉमी फॉर इंडिया' (The Planned Economy for India) नामक पुस्तक में लिखा गया था।
- सन् 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दरिपुरा अधिवेशन, जो पं. नेहरू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ था, में सर्वप्रथम 'प्लानिंग ऐंड द पूअर' (Planning and the Poor) नामक पुस्तक प्रकाशित की गई थी।
- वर्ष 1944 में बंबई (मुंबई) के कुछ उद्योगपतियों द्वारा अर्देशिर दलाल की देख-रेख में 'बॉम्बे योजना' (Bombay Plan) प्रस्तुत की गई।
- वर्ष 1944 में मानववादी नेता एम. एन. रॉय द्वारा 'जन योजना' (The People's Plan) प्रस्तुत की गई।
- वर्ष 1949 में 'राष्ट्रीय आय समिति' का गठन पी. सी. महालनोबिस की अध्यक्षता में किया गया।
- वर्ष 1950 में जय प्रकाश नारायण (JP) द्वारा 'सर्वोदय योजना' (Sarvodaya Plan) प्रस्तुत की गई।
- वर्ष 1950 में ही योजना आयोग का गठन (प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में) हुआ। यहीं से स्वतंत्र भारत में नियोजन का काल प्रारंभ हुआ।
- वर्ष 1951 से लेकर 2012 तक 11 पंचवर्षीय योजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं।
- वर्तमान में 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) अस्तित्व में है।
- 6 अगस्त, 1952 को मंत्रीमंडल सचिवालय के एक प्रस्ताव पर (कैबिनेट के प्रस्ताव द्वारा, संसद के अधिनियम/एक्ट द्वारा नहीं) गैर-सांविधिक निकाय के रूप में 'राष्ट्रीय विकास परिषद्' (NDC) का गठन किया गया।
- वर्ष 1951 में वित्त आयोग का गठन किया गया। प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष के.सी. नयोगी को बनाया गया था।
- वर्ष 1956 में क्षेत्रीय परिषदों (Zonal Council) का गठन किया गया।
- वर्ष 1990 में (सरकारिया आयोग की सिफारिश पर) 'अंतर्राज्यीय परिषद्' (Inter State Council) का गठन किया गया।

## **योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन (2015)**

- वर्ष 1950 में गठित योजना आयोग (Planning Commission) के स्थान पर एक नई संस्था 'National Institution for Transforming India-NITI (नीति)' 1 जनवरी, 2015 को अस्तित्व में आई।
- इसे संक्षिप्त में 'नीति आयोग' के नाम से जाना जाता है।

- योजना आयोग की तरह नीति आयोग का पदेन अध्यक्ष भी भारत का प्रधानमंत्री होता है। वर्तमान में नरेंद्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं।
- इस आयोग का प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को बनाया गया है, जिन्होंने 1 अगस्त, 2017 को अपनी इच्छा से अपने पद से त्यागपत्र देने की घोषणा की है।
- यह आयोग पंचवर्षीय योजनाओं (Five Year Plan) के भावी स्वरूप तथा केंद्र व राज्य सरकारों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों पर रणनीतिक व तकनीकी सलाह देगा।

### पंचवर्षीय योजनाएं (Five Year Plan) (एक दृष्टि में)

योजना (अवधि)	केंद्रीय बिंदु/मुख्य बिंदु	विशेष (तथ्य)
प्रथम (1951-56)	कृषि व सिंचाई पर बल	सामुदायिक विकास कार्यक्रम (CDP) प्रारंभ (1952 में) किया गया।
द्वितीय (1956-61)	आधारभूत व भारी उद्योगों पर बल	उड़ीसा (ओडिसा), प.बंगाल व छत्तीसगढ़ में कई इस्पात संयंत्र स्थापित किए गए (इस अवधि के दौरान)।
तीसरी (1961-66)	खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना	यू.टी.आई. (UTI) तथा आई.डी.बी.आई. (IDBI) जैसे कई वित्तीय संस्थाओं का गठन हुआ (1964 में)।
वार्षिक योजना (1966-69)	(योजना अवकाश)	आर्थिक तंगी के चलते चौथी पंचवर्षीय योजना की रूपरेखा के अंतर्गत 3 वार्षिक योजनाओं का एक के बाद एक कार्यान्वयन किया गया। इस अवधि में (1967-68 में) 'हरित क्रांति' का प्रारंभ हुआ।
चौथी योजना (1969-74)	स्थिरता के साथ विकास	वाणिज्यिक बैंकों का (1969 में) राष्ट्रीयकरण किया गया। 'गरीबी हटाओ' का नारा भी दिया गया।
पांचवी (1974-79)	गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता	'न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम' वर्ष 1974 में प्रारंभ। वर्ष 1977 में आई जनता पार्टी की सरकार ने इस योजना को एक वर्ष बाद (1978) समाप्त कर दिया।

अनवरत योजना (1979-80)		जनता पार्टी द्वारा (1979 में) 'ग्रामीण युवा (Youth) स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम' प्रारंभ किया गया।
छठी (1980-85)	गरीबी उन्मूलन एवं आधुनिकीकरण	कृषि तथा ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक 'नाबार्ड' (NABARD) की स्थापना वर्ष 1982 में की गई। गरीबी का पैमाना (कैलोरी के हिसाब से) तय किया गया।
सातवीं (1985-90)	आधुनिकीकरण व आत्मनिर्भरता	'कपार्ट' (CAPART) की (1986 में) तथा 'सेबी' (SEBI) की 1988 में स्थापना की गई।
वार्षिक योजना (1990-92)	(योजना अवकाश)	वर्ष 1991 में आर्थिक सुधारों (Economic Reforms) की नीति अपनाई गई।
आठवीं (1992-97)	आर्थिक समृद्धि, रोजगार व उदारीकरण	भारत (1995) विश्व व्यापार संगठन (WTO) का सदस्य बना।
नवीं (1997-2002)	मानव विकास पर बल	कई महत्वपूर्ण केंद्रीय योजनाएं जैसे 'स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना' (1999) तथा 'प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना' (2000-01) प्रारंभ की गईं।
दसवीं (2002-07)	सामाजिक न्याय एवं समता के साथ आर्थिक विकास	2006 में 'नरेगा' (बाद में 'मनरेगा' हुई) नामक महत्वपूर्ण परियोजना प्रारंभ की गई।
ग्यारहवीं (2007-12)	आर्थिक समावेशी विकास	'विशिष्ट पहचान संख्या' (आधार नं.) (AADHAR) जारी किए गए (2010)।
बारहवीं (2012-17)	आर्थिक विकास	वार्षिक विकास दर 9% (संशोधित दर/लक्ष्य 8%) प्राप्त करने का लक्ष्य।

## प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन

### अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), विश्व बैंक एवं विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना जुलाई 1944 में ब्रेटनवुड्स न्यू हैपशायर (स. रा. अमेरिका) में 'संयुक्त राष्ट्र मुद्रा व वित्त सम्मेलन' में एक समझौते के तहत हुई। यह समझौता 27 दिसंबर, 1945 से प्रभावी हुआ।
- वर्तमान में आई. एम. एफ. (IMF) के सदस्य देशों की कुल संख्या 189 है।
- वर्ष 2016 में दक्षिणी प्रशांत में स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र नौरू (Nauru) IMF का 189वां सदस्य बना।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. (USA) में स्थित है।
- IMF के चार्टर में प्रथम बार संशोधन (वर्ष 1969) करके 'विशेष आहरण' (SDR) का 'प्रावधान' किया गया था। इसे 'कागजी स्वर्ण' के नाम से भी जाना जाता है।
- आई. एम. एफ. (IMF) द्वारा प्रतिवर्ष 'वर्ल्ड इकॉनामिक आउटलुक' नामक रिपोर्ट का प्रकाशन किया जाता है।
- वर्तमान में IMF के महानिदेशक क्रिस्टीन लगेर्ड (फ्रांस) हैं।

### भारत एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

- भारत IMF का सदस्य है।
- आई. एम. एफ. का पिछला कोटा रिवीजन (Quota Review) 26 जनवरी, 2016 से लागू हुआ, जिसमें भारत, रूस, चीन एवं ब्राजील के कोटों में वृद्धि हुई।
- हाल ही में आई. एम. एफ. के कोटे में हुई वृद्धि के कारण भारत अब IMF के 10 बड़े कोटाधारकों में शामिल हो गया है।
- आई. एम. एफ. की कुल कोटा पूंजी में भारत का योगदान अब 2.7 प्रतिशत हो गया है (पहले यह 2.4 प्रतिशत था) तथा भारत की मत शक्ति भी बढ़कर अब 2.6% हो गई है।

### विश्व बैंक (World Bank)

- 'विश्व बैंक' (World Bank) वस्तुतः पांच संस्थाओं का समूह है, वे इस प्रकार हैं—
  - अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD)
  - अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)
  - निवेश संबंधी विवादों के निपटारे हेतु निर्मित अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)
  - बहुपक्षीय निवेश गारंटी योजना (MIGA)
  - अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)



- विश्व बैंक की स्थापना भी (1944 के) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन (Bretton Woods Conference) के तहत (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की तरह) हुई थी। दिसंबर 1945 में विश्व बैंक का उद्घाटन हुआ तथा जून 1946 से इसने कार्य प्रारंभ किया।
- विश्व बैंक का वही देश सदस्य हो सकता है, जो अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का भी सदस्य होता है। इस प्रकार दोनों की सदस्यता साथ-साथ चलती है।
- वर्ष 2016 तक विश्व बैंक की कुल सदस्य संख्या 189 है (IMF की ही तरह)।
- भारत विश्व बैंक का प्रारंभिक सदस्य है।
- 'अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक' को अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलाकर 'विश्व बैंक' के नाम से जाना जाता है।
- 'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष' (IMF) तथा 'विश्व बैंक' एक-दूसरे की पूरक संस्थाएँ हैं, किंतु इनमें सैद्धांतिक अंतर भी है। IMF जहाँ सदस्य देशों को भुगतान शेष की प्रतिकूलता दूर करने के लिए अल्पकालीन ऋण (Short-term Loan) देता है, वहीं विश्व बैंक दीर्घकालिक ऋण (Long-Term Loan) उपलब्ध कराता है।
- वर्तमान में 'जिम योग किम' (USA) विश्व बैंक के अध्यक्ष हैं।

### विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- विश्व व्यापार संगठन (WTO) 'गैट' (GATT) का उत्तरवर्ती संगठन है।
- 30 अक्टूबर, 1947 को जेनेवा (Switzerland) में विश्व व्यापार संगठन के सदस्य के देशों द्वारा सीमा शुल्कों से संबंधित एक सामान्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते को General Agreement on Tariffs & Trade—(GATT) 'गैट' के नाम से जाना जाता है।
- 'गैट' (GATT) की स्थापना (1947) से उसके अंत तक इसकी वार्ताओं के आठ दौर (8 Rounds) आयोजित हुए।
- 15 अप्रैल, 1994 को मोरक्को के माराकेश नगर में 123 सदस्य देशों ने 'गैट' की 'उरग्वे वार्ता' पर हस्ताक्षर किए थे।
- 1 जनवरी, 1995 से गैट (GATT) के स्थान पर 'विश्व व्यापार संगठन' का आविर्भाव हुआ।
- विश्व व्यापार संगठन का पहला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 9-13 दिसंबर, 1996 को सिंगापुर में संपन्न हुआ था।
- डब्ल्यू. टी. ओ. (WTO) का 10वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 15-18 दिसंबर, 2015 को नैरोबी (कीनिया) में आयोजित हुआ।
- वर्तमान में WTO के सदस्य राष्ट्रों की कुल संख्या 162 है।
- विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक राबर्टो एजेवेडो (ब्राजील) हैं।





# कृषि एवं उद्योग-धंधे

## (Agriculture and Industries)

### कृषि (Agriculture)

- कृषि को अंग्रेजी में 'एग्रीकल्चर' कहते हैं। 'एग्रीकल्चर' (Agriculture) शब्द की उत्पत्ति लैटिन (Latin) शब्द से हुई है।
- फसल उत्पादन के लिए भूमि पर जितने कार्य किए जाते हैं, उसे कृषि कहते हैं।
- भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि भारत का प्रमुख व्यवसाय है। देश की श्रमशक्ति का लगभग दो-तिहाई हिस्सा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र से आजीविका प्राप्त करता है।
- देश (भारत) के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कृषि का योगदान/हिस्सा 14.2 प्रतिशत है। वर्ष 1950-51 (स्वतंत्रता के दौरान) में यह हिस्सा 55.4 प्रतिशत था।
- स्वतंत्रता के पश्चात् निरंतर राष्ट्र की आय में कृषि का योगदान घटा है और इसकी जगह उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों द्वारा अपने योगदान में वृद्धि की गई है, परंतु यदि आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर जनसंख्या की मात्रा (लगभग 2/3) देखें तो यह अब भी औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों से अधिक है।
- 'भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान' (IARI) की स्थापना (वर्ष 1905 में) बिहार के समस्तीपुर जिले के 'पूसा' नामक स्थान पर की गई थी, बाद में इसे दिल्ली स्थानांतरित किया गया। वर्ष 1958 में यू.जी.सी. (UGC) ने इसे विश्वविद्यालय की मान्यता दी।
- सन् 1974 में प्रथम 'कृषि विज्ञान केंद्र' की स्थापना (पुंडुचेरी में) की गई थी।
- वर्ष 2014 को (यू.एन.ओ. द्वारा घोषित) 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार कृषि वर्ष' (International Year of Family Farming) के रूप में मनाया गया।

246 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- विश्व में गेहूँ की ज्यादा पैदावार करने वाली मैक्सिकन किस्मों के विकास से खाद्यान्न उत्पादन में आई 'हरित क्रांति' (Green Revolution) का जनक डॉ. नॉर्मन बारलॉग को माना जाता है।
- भारत में हरित क्रांति (का जनक) लाने का श्रेय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को जाता है। भारत में इस क्रांति की शुरुआत 1967-68 में हुई।
- फलों और सब्जियों के उत्पादन में विश्व में चीन का प्रथम स्थान है, जबकि भारत का दूसरा।
- भारत में सर्वाधिक सब्जियों का उत्पादक राज्य पं. बंगाल है।
- भारत में फलों का सर्वाधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है।
- भारत में कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 15% भाग पर गेहूँ की खेती की जाती है।
- विश्व में गेहूँ उत्पादन में भारत का (चीन के बाद) दूसरा स्थान है। भारत में गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है।
- खाद्यान्न उत्पादन में गेहूँ, चावल व मोटे अनाजों के अतिरिक्त दालों का उत्पादन भी शामिल किया जाता है।
- भारत की मुख्य खाद्यान्न फसल चावल है।
- भारत में खाद्यान्नों का सर्वाधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। पंजाब व मध्य प्रदेश का इस मामले में दूसरा व तीसरा स्थान है।
- भारत में खाद्यान्नों का सर्वाधिक उत्पादन (पिछले दस वर्षों में) वर्ष 2013-14 में (265.04 मिलियन टन) प्राप्त किया गया था। वर्ष 2015-16 में यह 252.02 मिलियन टन ही रहा। 2019-20 में खाद्यान्न उत्पादन 28.45 करोड़ टन रहा।
- भारत में बागानी फसल (Plantation Crop) के रूप में नील (Indigo) की खेती सबसे पहले 17वीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुई थी।

( ऋतुओं के आधार पर ) फसलों का वर्गीकरण

खरीफ फसल	यह जून-जुलाई में बोई जाती है और नवंबर-दिसंबर में काटी जाती है। खरीफ की प्रमुख फसलें हैं- धान, गन्ना, ज्वार, बाजरा, तिलहन आदि।
रबी फसल	यह अक्टूबर-नवंबर में बोई जाती है और मार्च-अप्रैल में काट ली जाती है। रबी की प्रमुख फसलें हैं- गेहूँ, सरसों, जौ, मटर, चना, आलू।
जायद फसल	यह मई-जून में बोई जाती है और जुलाई-अगस्त में काट ली जाती है। इसकी प्रमुख फसलें हैं- ज्वार व मक्का।

भारत में 'किसान दिवस' 23 दिसंबर को प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह के जन्मदिन पर मनाया जाता है।

- भारत में पहली बार कृषि गणना (Agriculture Census) वर्ष 1970 में कराई गई थी।
- भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (N.E. Region) में देश का एकमात्र 'केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय' इंपाल (मणिपुर) में स्थित है।
- 'किसान क्रेडिट कार्ड योजना' वर्ष 1998 में प्रारंभ की गई थी।
- 'राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना' वर्ष 1999 में शुरू की गई।
- भारत में टोल फ्री (Toll-free) किसान कॉल सेंटर (KCC) की शुरुआत 21 जनवरी, 2004 को की गई थी।
- कृषि वस्तुओं का समर्थन मूल्य (Support Price) वह न्यूनतम मूल्य (Minimum Price) है, जिस पर सरकार कृषि वस्तुओं को खरीदने के लिए तैयार होती है।
- एक हेक्टेयर (Hectare) क्षेत्रफल 2,47,109 एकड़ के बराबर होता है।
- कृषि क्षेत्र में ई-मार्केटिंग (E-Marketing) की 'इ-सागु' (E-Sagu) योजना सर्वप्रथम भारत के तमिलनाडु राज्य में प्रारंभ की गई।
- किसानों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'मेगा फूड पार्क' (Mega Food Park) योजना लागू की गई है।
- यू.एन.ओ. (UNO) द्वारा वर्ष 2008 को 'अंतर्राष्ट्रीय आलू वर्ष' के रूप में मनाया गया था।
- भारत में कृषि क्षेत्र (Cultivated Area) का लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र वर्षाधीन (Rainfed) है।
- 'सोपानी कृषि' भारत के उत्तराखंड राज्य में की जाती है।
- नई कृषि नीति के अंतर्गत एच.वाई.वी. (HYV) (High Yielding Varieties of Crop Programming) की फसलों की पैदावार बढ़ाने हेतु किसानों को इसे अपनाने के लिए कहा गया है।
- भारत के 'छत्तीसगढ़' राज्य को 'धान का कटोरा' के नाम से भी जाना जाता है।

#### प्रमुख फसलों के उत्पादन वाले (शीर्ष) राज्य

	फसल	राज्य
1.	गन्ना	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व कर्नाटक।
2.	चाय	असम (असोम), प. बंगाल व तमिलनाडु।
3.	मक्का	आंध्र प्रदेश, (तेलंगाना सहित), महाराष्ट्र व कर्नाटक।
4.	सोयाबीन	मध्य प्रदेश (परंतु प्रति हेक्टेयर उत्पादकता आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक), महाराष्ट्र व राजस्थान।

Contd...

5.	मूंगफली	गुजरात, राजस्थान व तमिलनाडु।
6.	गेहूँ	उत्तर प्रदेश (प्रति हेक्टेयर उत्पादकता पंजाब में सर्वाधिक) व हरियाणा।
7.	चावल	प. बंगाल, उत्तर प्रदेश व आंध्र प्रदेश।
8.	कॉफी	कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु।
9.	तंबाकू	आंध्र प्रदेश, गुजरात व कर्नाटक।
10.	कपास	गुजरात (जबकि प्रति हेक्टेयर उत्पादकता पंजाब में सर्वाधिक), महाराष्ट्र व आंध्र प्रदेश।
11.	सूजमुखी	कर्नाटक, आंध्र प्रदेश व उड़ीसा (ओडिशा)।
12.	तिलहन	मध्य प्रदेश, राजस्थान व गुजरात।
13.	दलहन	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व राजस्थान।

- वर्ष 2015 में सिक्किम पूर्ण रूप से जैविक खेती (Fully organic state) करने वाला भारत का प्रथम राज्य बना है।
- सिक्किम के लगभग 75,000 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को जैविक खेती के अधीन लाकर पूर्णतः जैविक राज्य का दर्जा 18 जनवरी, 2016 को गंगटोक (सिक्किम) में कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में (प्रधानमंत्री मोदी ने) औपचारिक रूप से दिया गया।
- कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट (2016-17) के अनुसार भारत में कुल बागवानी उत्पादन में लगभग 90% भाग फलों व सब्जियों का था। इनके उत्पादन में भारत (चीन के बाद) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बना हुआ है।

### भारत में कृषि क्षेत्र में आई क्रांतियां ( एक दृष्टि में )

कृषि क्रांतियां	संबंध	विशेष
हरित क्रांति (Green Revolution)	खाद्यान्न उत्पादन (गेहूँ-I एवं धान II)	'हरित क्रांति' शब्द को पहली बार प्रयोग में लाने का श्रेय अमेरिकी कृषि वैज्ञानिक विलियम गैड को जाता है। हरित क्रांति का जनक जर्मन कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बारलॉग को माना जाता है। भारत में हरित क्रांति लाने का श्रेय डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को जाता है।
पीली क्रांति (Yellow Revolution)	तिलहन (तेल) उत्पादन	-

श्वेत क्रांति (White Revolution)	दुग्ध उत्पादन	भारत में 'ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम' (दुग्ध उत्पादन से संबंधित) वर्ष 1970 में चलाया गया। इस ऑपरेशन के सूत्रधार डॉ. वर्गीज कूरियन थे।
नीली क्रांति (Blue Revolution)	मछली उत्पादन	भारत में मछली उत्पादन में प. बंगाल शीर्ष राज्य है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक राष्ट्र है।
गुलाबी क्रांति (Pink Revolution)	झींगा (Prawn) उत्पादन	-
गोल क्रांति (Round Revolution)	आलू उत्पादन	भारत (चीन व रूस के बाद) विश्व का तीसरा सबसे बड़ा आलू उत्पादक राष्ट्र है।
रजत क्रांति (Silver Revolution)	अंडा एवं मुर्गी (मांस) उत्पादन	-
सुनहरी क्रांति	बागवानी/सेब (फलोत्पादन)	भारत फल उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है।
भूरी क्रांति (Grey Revolution)	उर्वरक उत्पादन	-
ब्लैक क्रांति (Black Revolution)	वैकल्पिक ऊर्जा	-
इंद्रधनुषी क्रांति (Rainbow Revolution)	सभी क्रांतियों को मिलाकर	इंद्रधनुषी क्रांति को 'दूसरी सतत् हरित क्रांति' अर्थात् सतरंगी सबको साथ लेकर चलने की जरूरत (21वीं सदी में) है।

### हरित क्रांति (Green Revolution)

- 'हरित क्रांति' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अमेरिकी कृषि वैज्ञानिक विलियम ग्रैंड ने किया था।
- हरित क्रांति का जनक (Father of Green Revolution) जर्मन कृषि वैज्ञानिक नार्मन अर्नेस्ट बारलॉग को माना जाता है।
- भारत में 'हरित क्रांति' लाने का श्रेय डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को जाता है।
- भारत में 'हरित क्रांति' की शुरुआत 1967-68 में हुई।
- हरित क्रांति के दौरान कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन अर्नेस्ट बारलॉग द्वारा विकसित उन्नत

250 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

किस्म के गेहूँ के बीजों द्वारा खाद्यान्न उत्पादकता दो से ढाई गुना बढ़ाए जाने में सफलता मिली।

- हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बना दिया। इस क्रांति का सर्वाधिक प्रभाव (उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर पंजाब राज्य) गेहूँ और चावल की कृषि पर पड़ा।

### दूसरी हरित क्रांति (Second Green Revolution)

- भारत के कृषि वैज्ञानिकों (विशेषकर एम.एस. स्वामीनाथन) द्वारा 1990 के दशक के मध्य में 'द्वितीय हरित क्रांति' की अवधारणा का विकास किया गया।
- इसे 'सदाबहार हरित क्रांति' (Evergreen Revolution) भी कहा गया।
- वास्तव में यह एक टिकाऊ कृषि विकास का तरीका है, जिसमें हरित क्रांति द्वारा उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की क्षमता निहित है।
- दूसरी हरित क्रांति का एक उद्देश्य यह भी है कि उन्नत बीजों/उर्वरकों की तकनीक का उन क्षेत्रों में विस्तार करना, जो हरित क्रांति के लाभ से वंचित रहे थे।
- इसमें रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक उर्वरकों के उपयोग पर बल दिया जाता है। हाल ही में सिक्किम भारत का पूर्ण रूप से जैविक कृषि वाला प्रथम राज्य बना है।

#### कुछ रोचक तथ्य

• फलों की रानी	लीची
• फलों का राजा	आम
• दलहनों की रानी	मटर
• दलहनों का राजा	चना
• दूध की रानी	बकरी (साइनेन)
• मदिरा की रानी	चाय
• समशीतोष्ण फलों का राजा	सेब
• माखन फल	एवोकेडो
• पुराना फल (शताब्दी पौधा)	खजूर
• हरा सोना	अफीम
• मरु फलों का राजा	बेर

#### विश्व की प्रमुख फसलें एवं उनके उत्पादक देश

	फसलें	उत्पादक देश
1.	गेहूँ	चीन, भारत, अमेरिका, कनाडा, रूस व फ्रांस।
2.	चाय	भारत, चीन, श्रीलंका।

Contd...

3.	चावल	चीन, भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, थाइलैंड।
4.	गन्ना	क्यूबा, ब्राजील, चीन।
5.	तंबाकू	चीन, भारत, अमेरिका एवं ब्राजील।
6.	आलू	चीन, भारत, अमेरिका, रूस।
7.	जौ	फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया।
8.	प्राकृतिक खाद	थाइलैंड, मलेशिया, भारत।
9.	सोयाबीन	अमेरिका, चीन, भारत।
10.	कहवा	ब्राजील, वियतनाम, इंडोनेशिया।
11.	मक्का	अमेरिका, चीन, ब्राजील, भारत।
12.	तिलहन	अमेरिका, चीन, भारत।

### भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR)

- 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्' (ICAR) की स्थापना आजादी से पूर्व (सन् 1929 में) 'इंपीरियल कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च' के रूप में हुई थी।
- वर्तमान में यह भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के 'कृषि अनुसंधान परिषद्' की एक स्वायत्त संस्था है।
- इस परिषद् (ICAR) ने देश में हरित क्रांति (Green Revolution) लाने में और उसके बाद कृषि के निरंतर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- परिषद् के अंतर्गत वर्तमान में देश में लगभग 98 भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र एवं 54 कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं।

### नाबार्ड (NABARD)

- वर्ष 1963 में स्थापित 'कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम' को पुनर्गठित करने के बाद वर्ष 1982 में ग्रामीण ऋण की सर्वोच्च संस्था 'नाबार्ड' की स्थापना की गई।
- 'नाबार्ड' का पूरा विस्तार है— 'राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक'।
- 'नाबार्ड' की मदद से भारत सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 'रुरल नॉलेज सेंटर' की स्थापना भी की है।

#### कृषि से संबंधित प्रमुख आयोग/संस्थान

संस्थान/आयोग	स्थापना वर्ष
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR)	1929
राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)	1982
राष्ट्रीय कृषि कोऑपरेशन मार्केटिंग फेडरेशन (NAFED)	1985

Contd...



252 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

कृषि लागत व मूल्य आयोग (ACP) (पूर्व में इसका नाम कृषि कीमत आयोग था)	1985
राष्ट्रीय किसान आयोग	2004
मूल्य स्थिरीकरण आयोग	2003
भारतीय खाद्य निगम (FCI)	1965
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (11वीं पंचवर्षीय योजना से प्रारंभ)	2007-8

**( प्रमुख ) केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान  
(Central Agricultural Research Institutes)**

संस्थान	स्थापना ( वर्ष )	स्थान
सैंट्रल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (CARI)	1978	पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार
सैंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग (CIAE)	1955	भोपाल (मध्य प्रदेश)
सैंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (CIRRI)	1946	कटक उड़ीसा (ओडिशा)
सैंट्रल पोटेटो रिसर्च इंस्टीट्यूट (CPRI)	1949	शिमला (हिमाचल प्रदेश)
सैंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट (CFTRI)	1956	मैसूर (कर्नाटक)
सैंट्रल प्लांटेशन क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट (CPCRI)	—	कासरगोड (केरल)
सैंट्रल सीप एंड वूल रिसर्च इंस्टीट्यूट (CWRI)	1962	अविकारनगर (राजस्थान)

**( प्रमुख ) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान**

नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर सोयाबीन	1987	इंदौर (मध्य प्रदेश)
नेशनल एकेडमी फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड मैनेजमेंट	1976	हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)
नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट	1955	करनाल (हरियाणा)
नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर मीट	1991	इज्जत नगर (उ.प्र)
नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रे फॉरेस्ट्री	1988	झांसी (उ.प्र)
नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर ओनियन एंड गार्लिक	—	पुणे (महाराष्ट्र)

Contd...

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट	-	कानपुर (उ.प्र.)
नेशनल रिसर्च सेंटर फार बनाना	-	तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)
नेशनल बायो फर्टिलाइजर डेवलपमेंट सेंटर	-	गाजियाबाद (उ.प्र.)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन	-	हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)

## भारतीय खाद्य निगम (Food Corporation of India)

- भारत सरकार द्वारा इस सार्वजनिक उपक्रम की स्थापना (विश्व बैंक की सलाह पर) वर्ष 1965 में की गई।
- यह (FCI) देश में खाद्यान्नों के भंडारण और वितरण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण घटक है।
- यह देश के सभी जिलों में अपने गोदामों की व्यवस्था रखता है।

### खाद्य निगम के प्रमुख कार्य

- सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों (MSP) पर किए जाने वाले खाद्यान्नों का प्राप्ति इसी के द्वारा किया जाता है।
- देश में खाद्यान्नों के 'बफर स्टॉक' (Buffer Stock) इसी के द्वारा भंडारित किये जाते हैं।
- सरकार द्वारा की जाने वाली सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के खाद्यान्नों की जिला स्तरीय (District Level) आपूर्ति यही करता है।
- 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (Food & Agriculture Organisation, FAO) का मुख्यालय रोम (इटली) में स्थित है।
- 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (FAO) द्वारा वर्ष 1963 में 'विश्व खाद्य कार्यक्रम' (World Food Programme) प्रारंभ किया गया।
- 'विश्व खाद्य दिवस' प्रतिवर्ष 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 'विश्व खाद्य दिवस' (World Food Prize) की शुरुआत करने का श्रेय डॉ. पाल रोमानी (हंगरी) को जाता है।
- कृषि क्षेत्र में (गेहूँ उत्पादन में योगदान हेतु) एकमात्र नोबेल पुरस्कार प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. नॉर्मन बारलॉग को दिया गया है।
- 'विश्व खाद्य पुरस्कार' (World Food Prize) की शुरुआत करने का श्रेय डॉ. नॉर्मन बारलॉग को है। प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार भारत के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को (वर्ष 1987 में) मिला था।
- 'टू ए हंगर फ्री वर्ल्ड' (To A Hunger free World) नामक पुस्तक के लेखक डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन हैं।

## उद्योग

- भारतीय अर्थव्यवस्था में कपड़ा उद्योग का स्थान कृषि के बाद दूसरा है। कपड़ा उद्योग भारत का सबसे बड़ा एवं संगठित उद्योग है।
- भारत की पहली सूती वस्त्र मिल वर्ष 1818 में फोर्ट ग्लोसेट (प. बंगाल) में स्थापित की गई थी।
- कपड़ा उद्योग भारत का सबसे प्राचीन उद्योग है।
- भारत में सबसे पहला सफल सूती कपड़े का कारखाना (मिल) बंबई (मुंबई) में (वर्ष 1854 में) कावासाजी डावर द्वारा खोला गया था।
- 'भारत का मेनचेस्टर' अहमदाबाद (गुजरात) को कहा जाता है।
- मुम्बई को भारत के 'सूती वस्त्रों की राजधानी' के उपनाम से भी जाना जाता है।
- भारत का पहला लौह-इस्पात कारखाना कुलटी (प. बंगाल) नामक स्थान पर (वर्ष 1874 में) खोला गया था।
- भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना (वर्ष 1955 में) तत्कालीन मध्य प्रदेश के भिलाई (दुर्ग जिला, वर्तमान छत्तीसगढ़ में) में पूर्व सोवियत संघ (USSR) की सहायता से की गई थी।
- हिंदुस्तान स्टील लि., राउरकेला की स्थापना उड़ीसा (ओडिशा) के राउरकेला में प. जर्मनी की सहायता से की गई थी।
- हिंदुस्तान स्टील लि., दुर्गापुर की स्थापना (वर्ष 1956 में) प. बंगाल के दुर्गापुर नामक स्थान पर ब्रिटेन के सहयोग से की गई थी।
- बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना (वर्ष 1968 में) बिहार राज्य के बोकारो (वर्तमान में झारखंड में) नामक स्थान पर पूर्व सोवियत संघ (USSR) की मदद से की गई थी।

## उद्योगों के प्रकार

- सूक्ष्म उद्योग (Micro Industry) सूक्ष्म उद्योगों की श्रेणी में ऐसे उद्योगों को रखा जाता है, जो निर्माण उद्योग में प्लांट एवं मशीनरी में 25 लाख से अधिक का निवेश नहीं करते हैं।
- लघु उद्योग (Small Industry) ऐसे उद्योगों को लघु उद्योगों की श्रेणी में रखा जाता है, जो निर्माण उद्योग में प्लांट एवं मशीनरी में 25 लाख से अधिक मगर 5 करोड़ से कम रुपए का निवेश करते हैं तथा सेवा उद्योग में उपकरणों पर 10 लाख से 2 करोड़ तक का निवेश करते हैं।

- मध्यम उद्योग (Medium Industry) मध्यम उद्योगों की श्रेणी में ऐसे उद्योगों को रखा जाता है, जो प्लांट व मशीनरी पर 5 करोड़ से अधिक मगर 10 करोड़ से कम रुपए का निवेश करते हैं तथा सेवा उद्योगों में उपकरणों पर 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपए तक का निवेश करते हैं।
- कुटीर उद्योग (Cottage Industry) इस प्रकार के उद्योगों में पूर्ण निवेश नाममात्र का होता है। इन्हें किसी एक परिवार के सदस्यों द्वारा पूर्ण या अंशकालिक तौर पर चलाया जाता है।
- भारत में निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु स्थापित किए जानेवाले विशेष आर्थिक क्षेत्रों (Special Economic Zones) की प्रमुख विशेषताएं हैं—
  - आयात-निर्यात जहाजी माल की सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा कोई जांच नहीं की जाएगी।
  - व्यापार संचालनों, शुल्क व प्रशुल्कों हेतु विशेष आर्थिक क्षेत्रों को विदेशी राज्यक्षेत्र की तरह माना जाएगा।
  - इस क्षेत्र में आयात के लिए लाइसेंस (Licence) की जरूरत नहीं होती।
- भारत में सर्वप्रथम 'विशेष निर्यात संसाधित क्षेत्र' (Special Export Processing Zone) कांडला में स्थापित किया गया था।

### भारत में महत्त्वपूर्ण विनिर्माण उद्योग

उद्योग	प्रदेश
कागज	प. बंगाल, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात।
सीमेंट	गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश।
सूती टेक्सटाइल	हरियाणा, तमिलनाडु, गुजरात, पंजाब, प. बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली।
लौह व इस्पात	छतीसगढ़, झारखंड, तमिलनाडु, प. बंगाल, उड़ीसा (ओडिशा), आंध्र प्रदेश।
ऑटोमोबाइल	हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश व तमिलनाडु।
वायुयान	कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा (ओडिशा), आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र।
रबड़	केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, प. बंगाल।
पेट्रोलियम शोधन	असम (असोम), महाराष्ट्र व आंध्र प्रदेश।

Contd...

मशीन टूल्स	आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र व पंजाब।
ऊनी टेक्सटाइल	पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कश्मीर, महाराष्ट्र व हिमाचल प्रदेश।
ग्लास	राजस्थान व आंध्र प्रदेश।

### नई औद्योगिक नीति, 1991 (New Industrial Policy)

- यह नई औद्योगिक नीति (1991) भारत की पिछली सभी औद्योगिक नीतियों से भिन्न थी।
- भारतीय अर्थव्यवस्था के स्वरूप का निर्धारण इसकी औद्योगिक नीतियों द्वारा ही हुआ।
- भारत में आर्थिक सुधारों का प्रारंभ इस नई औद्योगिक नीति (1991) के तहत हुआ।
- नई आर्थिक नीति में उदारीकरण (Liberalization), निजीकरण (Privatization) एवं वैश्वीकरण (Globalization) को सम्मिलित किया गया है।
- भारत में आर्थिक उदारीकरण (Economic Liberalization) की शुरुआत वर्ष 1991 में 'औद्योगिक लाइसेंस नीति' में वास्तविक बदलाव के साथ हुई है।
- नई औद्योगिक नीति, जो 23 जुलाई, 1991 को घोषित हुई थी, इसके मुख्य बिंदु हैं:
  - इस नीति के तहत, वर्ष 1956 की औद्योगिक नीति, जिसके तहत जिन उद्योगों के लिए लाइसेंस की व्यवस्था की गई थी, उसे घटाकर कम किया गया।
  - विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को बढ़ावा दिया गया।
  - उद्योगों का उदारीकरण एवं सरलीकरण किया गया तथा निजीकरण को बढ़ावा दिया गया।
  - कंपनियों के ऋण को शेयरों में परिवर्तित करने की बाध्यता को समाप्त किया गया।
  - चरणबद्ध उत्पादन (Phased Production) की बाध्यता को समाप्त किया गया।
  - 'फेरा' (FERA) को 'फेमा' (FEMA) में परिवर्तित करने की घोषणा। नया 'फेमा' (FEMA—Foreign Exchange Management Act) कानून वर्ष 2000-2001 में लागू हुआ।
- भारत में सर्वप्रथम कूटीर उद्योग विकसित हुए थे।
- एगमार्क (Agmark) पदार्थों हेतु गुणवत्ता ही गारंटी की मोहर होता है।
- स्वर्ण आभूषणों की परिशुद्धता को सुनिश्चित करने के लिए 'हॉलमार्क' (Hallmark) प्राप्त चिह्न का होना आवश्यक है।
- भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए 'मेगा फूड पार्क' (Mega Food Park) योजना का प्रमुख उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए ढांचागत/अवसंरचनात्मक सुविधाओं में सुधार लाना है।

- भारत का महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास की दृष्टि से भारत में सर्वोच्च स्थान पर है।
- देश की प्रमुख औद्योगिक नीतियां (सर्वप्रथम) 1948 में, 1956 में तथा वर्ष 1991 में घोषित की गईं।
- नई 1991 की औद्योगिक नीति में लघु उद्योगों पर अधिक जोर दिया गया है।
- भारत में 8 वृहद् औद्योगिक प्रदेश तथा 13 लघु औद्योगिक प्रदेश हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित क्षेत्र हैं – रेल, उद्योग, परिवहन तथा परमाणु ऊर्जा।
- भारत में (पांच) लाइसेंस अनिवार्य उद्योग हैं—खतरनाक रसायन उद्योग; तंबाकू के सिगार व सिगरेट तथा तंबाकू से बनी अन्य वस्तुएं; एल्कोहलयुक्त पेय पदार्थ; इलेक्ट्रॉनिक व रक्षा उपकरण, औद्योगिक विस्फोट उद्योग इत्यादि।
- वर्ष 1954 में 'लघु उद्योग विकास संगठन' की स्थापना हुई।
- 'भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक' की स्थापना वर्ष 1990 में हुई।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों के लिए राष्ट्रीय बोर्ड की स्थापना वर्ष 2006 में हुई।
- वर्ष 2013 में भारत में छठी 'आर्थिक गणना' की गई। जिस प्रकार राष्ट्रीय जनगणना (Census) हेतु राष्ट्रीय जनगणना पंजीयक (Register) बनाया जाता है, उसी प्रकार आर्थिक जनगणना के लिए भी 'नेशनल बिजनेस-रजिस्ट्रार' बनाया जाता है।





# भारत की जनगणना : 2011

## Census of India: 2011

---

- वर्ष 2011 की जनगणना के (फाइनल आंकड़ों) अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1,21,05,69,573 है। इसमें पुरुष जनसंख्या 62,31,21,843 तथा महिला जनसंख्या 58,74,47,730 है।
- वर्ष 2011 की जनगणना भारत की 15वीं जनगणना (Census) है।
- भारत में पहली बार जनगणना वर्ष 1871 में संपन्न हुई थी, जो देशव्यापी नहीं थी। 10 वर्षीय अंतराल पर होने वाली पहली देशव्यापी जनगणना वर्ष 1881 में संपन्न हुई थी। तब से प्रत्येक 10-10 वर्ष के अंतराल पर देश में जनगणना कराई जाती है।
- भारत की जनसंख्या (2011) विश्व की कुल जनसंख्या की 17.5% है, जबकि भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का मात्र 2.4% है।
- भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला (चीन के बाद) देश है।
- भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 19,98,12,341 है।
- भारत का न्यूनतम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम है, जिसकी जनसंख्या मात्र 6,10,577 है।
- भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला संघ शासित प्रदेश (Union Territory UTs) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली है। इसकी जनसंख्या कुल 1,67,87,941 है।
- भारत का न्यूनतम (सबसे कम) जनसंख्या वाला संघ शासित प्रदेश लक्षद्वीप है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है, जो पिछले दशक (2001) से 57 अंक अधिक है।

- विगत एक दशक (सन् 2001 से 2011 तक) में भारत की जनसंख्या में 17.7% की वृद्धि हुई है।
- भारत का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य बिहार है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार राज्य का जनसंख्या घनत्व 1,106 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
- भारत का न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य अरुणाचल प्रदेश है। वर्ष 2011 का जनगणना के अनुसार राज्य का जनसंख्या घनत्व मात्र 17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
- भारत का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली (NCT) है, जबकि न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली का जनसंख्या घनत्व 11,320 (व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.) है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर ग्रेटर मुंबई है।
- भारत का सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य (प्रतिशत में) गोवा (Goa) है।
- भारत का (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है।

**भारत के 10 सबसे बड़े शहर: एक दृष्टि में (जनसंख्या के अनुसार)**

क्र.सं. रैंक	शहर	जनसंख्या (2011)
1.	बंबई (मुंबई)	1.84 करोड़
2.	दिल्ली (NCT)	1.67 करोड़
3.	कलकत्ता (कोलकाता)	1.41 करोड़
4.	मद्रास (चेन्नई)	86.7 लाख
5.	बंगलौर (बंगलुरु)	84.8 लाख
6.	हैदराबाद	77.6 लाख
7.	अहमदाबाद	62.5 लाख
8.	पुणे	50.5 लाख
9.	सूरत	45.7 लाख
10.	जयपुर	30.8 लाख

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का सर्वाधिक लिंगानुपात (Sex Ratio) वाला राज्य केरल है। केरल राज्य में प्रति हजार पुरुषों पर 1,084 महिलाएं हैं।



260 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारत का न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य हरियाणा है, जहां प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या मात्र 879 है।
- भारत का सर्वाधिक लिंगानुपात वाला केंद्रशासित प्रदेश पुंडुचेरी है, जबकि न्यूनतम लिंगानुपात वाला केंद्रशासित प्रदेश दमन और दीव है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल साक्षरता दर (Literacy Rate) 73.00% है। भारत में पुरुष साक्षरता दर महिला साक्षरता दर से बहुत ज्यादा है। पुरुष साक्षरता दर जहां 80.09% है, वहीं महिला साक्षरता दर मात्र 64.6% है।
- भारत का सर्वाधिक साक्षरता दर वाला राज्य केरल है। केरल राज्य में 94% साक्षरता दर है।
- भारत का न्यूनतम साक्षरता दर वाला राज्य बिहार है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या 31.16% है।
- भारत की जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 68.84% है।
- भारत में अनुसूचित जनजातियों (ST) की जनसंख्या का प्रतिशत (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) 8.6% है। भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जनजातियों की सर्वाधिक जनसंख्या निवास करती है।
- भारत में अनुसूचित जातियों (SC) की जनसंख्या का प्रतिशत (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) 16.6% है।
- भारत की कुल जनसंख्या में उत्तर प्रदेश राज्य (सर्वाधिक) की जनसंख्या का भाग 16.49% है।
- भारत में 0-6 वर्ष आयु वर्ग की कुल जनसंख्या 16,44,78,150 (कुल जनसंख्या का 13.6%) है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार तमिलनाडु राज्य में सर्वाधिक (48.5%) शहरी जनसंख्या निवास करती है।

**भारत के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की जनसंख्या (एक दृष्टि में)  
(वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार)**

क्र. सं.	राज्य	जनसंख्या (2011)	देश की कुल जनसंख्या का प्रतिशत (%)
1.	उत्तर प्रदेश	19,98,12,341	16.49
2.	महाराष्ट्र	11,23,74,333	9.29
3.	बिहार	10,40,99,452	8.58
4.	पश्चिम बंगाल	9,12,76,115	7.55

Contd...

5.	मध्य प्रदेश	7,26,26,809	6.00
6.	तमिलनाडु	7,21,47,030	5.96
7.	राजस्थान	6,85,48,437	5.67
8.	कर्नाटक	6,10,95,297	5.05
9.	गुजरात	6,04,39,692	4.99
10.	उड़ीसा (ओडिशा)	4,19,74,218	3.47
11.	आंध्र प्रदेश	4,93,86,799	4.00
12.	तेलंगाना	3,51,93,978	3.00
13.	केरल	3,34,06,061	2.76
14.	झारखंड	3,29,88,134	2.72
15.	असम (असोम)	3,12,05,576	2.58
16.	पंजाब	2,77,43,338	2.29
17.	छत्तीसगढ़	2,55,45,198	2.11
18.	हरियाणा	2,53,51,462	2.09
19.	जम्मू-कश्मीर*	1,25,41,302	1.04
20.	उत्तराखंड	1,00,86,292	0.84
21.	हिमाचल प्रदेश	68,64,402	0.57
22.	त्रिपुरा	36,73,917	0.30
23.	मेघालय	29,66,889	0.24
24.	मणिपुर	25,70,390	0.22
25.	नागालैंड	19,78,502	0.16
26.	गोवा	14,58,545	0.12
27.	अरुणाचल प्रदेश	13,83,727	0.11
28.	मिजोरम	10,97,206	0.09
29.	सिक्किम	6,10,577	0.05

\*अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करके उसे दो केन्द्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बाँट दिया गया।

### केंद्रशासित प्रदेशों की जनसंख्या (2011)

क्र. सं.	केंद्रशासित प्रदेश	जनसंख्या 2011	प्रतिशत (%)
1.	दिल्ली (NCT)	1,67,87,941	1.38
2.	पुदुचेरी	12,47,953	0.10
3.	चंडीगढ़	10,55,450	0.09
4.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	3,80,581	0.03

Contd...

5.	*दादरा एवं नगर हवेली	3,43,709	0.03
6.	*दमन एवं दीव	2,43,247	0.02
7.	लक्षद्वीप	64,473	0.01

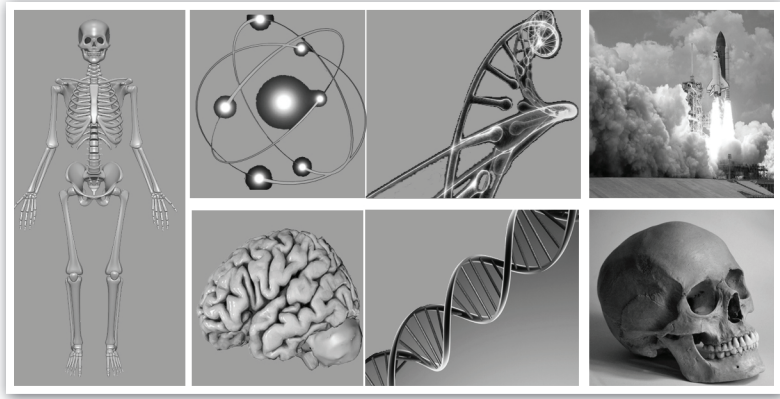
\*3 दिसम्बर, 2019 को पारित विधेयक के अनुसार दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली का विलेय कर दिया गया है।

- वर्ष 1921 को भारतीय जनसंख्या के इतिहास में 'महान् विभाजित वर्ष' (Great Divide Year) कहा जाता है।
- 'राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग' मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन आता है।
- भारत में पहली आर्थिक गणना (Economic Census) 1977 में हुई थी। दूसरी वर्ष 1980 में; तीसरी वर्ष 1990 में; चौथी वर्ष 1998 में हुई थी तथा पांचवीं वर्ष 2005 में हुई थी।
- भारत में छठीं (6) आर्थिक गणना वर्ष 2011 में हुई थी।
- लगभग 80 वर्ष के अंतराल के बाद भारत में 'जातीय गणना' (Caste-Based Census) वर्ष 2011 में कराई गई। इससे पूर्व वर्ष 1931 में ऐसी गणना हुई थी।
- 'जनगणना' (Census) को भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची (Seventh Schedule) में रखा गया है। इसे 'संघ' सूची (Union List) में 69वीं मद के रूप में रखा गया है, जिस पर कोई भी कानून केवल संघ की संसद ही बना सकती है।
- देश की जनसंख्या को सन् 2045 तक 'स्थिर' (Stable) करने का दीर्घकालिक लक्ष्य सन् 2000 की 'राष्ट्रीय जनसंख्या नीति' (NPP) में निर्धारित किया गया था, जिसे अब (बढ़ाकर) 2070 तक ही प्राप्त किया जा सकेगा, किंतु तब तक देश की जनसंख्या 170 करोड़ हो चुकी होगी।
- संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के ताजा आंकलन के अनुसार वर्ष 2028 के पश्चात् भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा।
- विश्व की कुल जनसंख्या सन् 1804 में एक अरब (100 करोड़) हुई थी। इसमें एक अरब की वृद्धि लगभग 123 वर्षों में हुई, जिसके चलते वर्ष 1927 में विश्व की जनसंख्या दो अरब हो गई।
- विश्व की जनसंख्या में तीसरा अरब जुड़ने में मात्र 32 वर्ष तथा चौथा अरब जुड़ने में मात्र 15 वर्ष ही लगे, जिससे वर्ष 1959 में यह तीन अरब तथा वर्ष 1974 में यह चार अरब हो गई।
- 11 जुलाई, 1987 को विश्व की कुल जनसंख्या पांच अरब (500 करोड़) हो गई। विश्व जनसंख्या में 5वां अरब जुड़ने में मात्र 13 वर्ष ही लगे।
- 11 जुलाई, 1987 को जिस दिन विश्व जनसंख्या ने 5 अरब का आंकड़ा पार किया, उस दिन को 'विश्व जनसंख्या दिवस' (World Population Day) घोषित किया गया।

- विश्व की कुल जनसंख्या छह अरब (600 करोड़) 12 अक्टूबर, 1999 को हुई थी। विश्व जनसंख्या में 6वां अरब जुड़ने में मात्र 12 वर्ष ही लगे।
- 'संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष' (UN Population Fund-UNPF) की स्थापना सन् 1969 में हुई थी। इस कोष में सभी सदस्य देश स्वैच्छिक रूप से दान देते हैं। इस कोष का मुख्यालय न्यूयॉर्क (USA) में है।
- यू.एन. पॉपुलेशन फंड (UNPF) द्वारा प्रतिवर्ष 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट' (The State of World Population Report) जारी की जाती है।
- विश्व की कुल जनसंख्या ने सात अरब का बिंदु 31 अक्टूबर, 2011 को पार किया। यू.एन. पॉपुलेशन फंड (UNPF) के अनुसार सात अरबवां शिशु फिलीपींस के मनीला में (31 अक्टूबर, 2011 को) पैदा हुआ, जिसका नाम 'डेनिस कमाको' है।
- वर्ष 2016 तक विश्व की कुल 7.2 अरब जनसंख्या में 1.3 अरब जनसंख्या विकसित देशों (Developed Countries) में थी, जबकि 5.9 अरब लोग विकासशील देशों (Developing Countries) में निवास करते थे। वर्ष 2050 में विश्व की कुल जनसंख्या 9.6 अरब संभावित है।
- वर्तमान में विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश, चीन (China) का हिस्सा विश्व की कुल जनसंख्या में 19.4% है, जबकि भारत की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या की 17.5% है।
- विश्व की कुल जनसंख्या में अमेरिका (USA) का हिस्सा 4.5% है।







## भाग 5: सामान्य विज्ञान

21. भौतिक विज्ञान
22. रसायन विज्ञान
23. जीव विज्ञान
24. अंतरिक्ष
25. आविष्कार/खोजें





# भौतिक विज्ञान (Physics)

## भौतिक विज्ञान

- भौतिक विज्ञान की वह शाखा है, जिसमें ऊर्जा के विभिन्न स्वरूपों तथा द्रव्य से उसकी अन्योन्य क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।
- भौतिक विज्ञान को विभिन्न शाखाओं में विभाजित किया जा सकता है; जैसे-यांत्रिकी, ऊर्जा, प्रकाश, ध्वनि, विद्युत, चुंबकीय, नाभिकीय भौतिकी, परमाणु भौतिकी आदि।

### भौतिक राशियां, मानक एवं मात्रक

- भौतिक विज्ञान संबंधी नियमों को समय, बल, ताप, घनत्व जैसी अनेक भौतिक राशियों के संबंध सूत्रों में व्यक्त किया जा सकता है।
- सभी भौतिक राशियों को सामान्यतः मूल (लंबाई, द्रव्यमान व समय) एवं व्युत्पन्न (गति, क्षेत्रफल एवं घनत्व) राशियों में बांटा जा सकता है।
- वर्ष 1960 में भार एवं माप संबंधी संगोष्ठी में मापों के लिए 'मीट्रिक पद्धति' प्रस्तावित की गई, जिसे मात्रकों की 'अंतर्राष्ट्रीय पद्धति' के नाम से भी जाना जाता है। इसका संक्षिप्त रूप 'SI मात्रक' (System Internationale) है।

### लंबाई का मात्रक

- लंबाई का SI मात्रक मीटर (m) है। शुरू में यह 0°C ताप पर प्लैटिनम इरीडियम मिश्र धातु निर्मित एक विशेष छड़ की लंबाई थी। यह छड़ पेरिस (फ्रांस) के निकट सेवरेस के 'अंतर्राष्ट्रीय भार एवं माप कार्यालय' (International Office of Weights & Measures) में रखी गई है।



268 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भाप एवं माप के सामान्य सम्मेलन (General Conf. of Weight of Measures) ने वर्ष 1983 में मीटर को पुनः परिभाषित किया, जिसके अनुसार यह प्रकाश द्वारा  $1/299792458$  सेकेंड में तय की गई दूरी है।

- कि.मी. = 1000 मी.,
- सें.मी. =  $10^{-2}$  मी.,
- मिमी. =  $10^{-3}$  मी.,
- प्रकाश वर्ष =  $9.46 \times 10^{15}$  मी.,

### समय का मात्रक

समय का मात्रक सेकेंड (s) है। सेकेंड को 1967 में गैसीय सीजियम परमाणुओं में ऊर्जा परिवर्तन पर आधारित परमाणु घड़ी के अनुसार पुनः परिभाषित किया गया।

### SI के सात मूल मात्रक एवं उनके प्रतीक

भौतिक राशि	मात्रक (Unit)	संकेत/प्रतीक
समय	सेकेंड	S
पदार्थ का द्रव्यमान	मोल	Mol
विद्युत धारा	ऐम्पियर	A
लंबाई	मीटर	M
ताप	कैल्विन	K
ज्योति तीव्रता	कैंडेला	Cd
द्रव्यमान	किलोग्राम	Kg

## बल विज्ञान/यांत्रिकी (Mechanics)

- पिंडों की गति का अध्ययन 'बल विज्ञान' कहलाता है।
- यांत्रिकी गति दो प्रकार की होती है— एक स्थानांतरण (Linear) तथा दूसरी घूर्णन (Rotational)।
- किसी गतिशील वस्तु की चाल, वस्तु द्वारा दूरी तय करने की दर से तय होती है; जैसे—

$$\text{चाल} = \frac{\text{तय की गई दूरी}}{\text{समय}}$$

- वेग, किसी वस्तु द्वारा इकाई समय में निर्दिष्ट दिशा में तय की गई दूरी को ही 'वेग' कहा जाता है।

$$\text{वेग} = \frac{\text{चाल में परिवर्तन}}{\text{समय}}$$

- भार, किसी वस्तु का भार वह बल होता है, जो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण उस पर लगता है तथा पृथ्वी के केंद्र की ओर कार्यरत् होता है।
- बल, किसी वस्तु की विरामावस्था या एक समान गति से सीधी रेखा में चलने की अवस्था में परिवर्तन करता है।
- गुरुत्वाकर्षण बल— जो बल हमें पृथ्वी की ओर खींचे रखता है, उस बल को हम 'गुरुत्वाकर्षण बल' कहते हैं।
- न्यूटन का सार्वत्रिक गुरुत्वाकर्षण का नियम है, जिसके अनुसार ब्रह्मांड का प्रत्येक कण अन्य कणों को अपनी ओर एक बल से आकर्षित करता है।

### न्यूटन के गति संबंधी नियम: (एक दृष्टि में)

न्यूटन के गति संबंधी 3 नियम हैं, जिसमें गति के मूलभूत सिद्धांत निहित हैं।

प्रथम नियम (First Law of Newton)	प्रत्येक वस्तु अपनी विरामावस्था में तब तक बनी रहती है, जब तक उस पर कोई बल कार्य न करे।
दूसरा नियम (Second Law)	इस नियम के तहत 'किसी वस्तु के संवेग के परिवर्तन की दर लगाए गए बल के समानुपाती होती है तथा बल की दिशा में कार्य करती है'।
तीसरा नियम (Third Law)	इस नियम के अनुसार 'प्रत्येक बल के लिए बराबर और विपरित प्रतिक्रिया होती है'।

## ऊष्मा

- पदार्थ के अणु निरंतर गति में होते हैं और इन अणुओं की कुल गतिज एवं स्थितिज ऊर्जा को पदार्थ की 'आंतरिक ऊर्जा' कहते हैं।
- आंतरिक ऊर्जा जितनी अधिक होगी, पदार्थ उतना ही गर्म होता है।
- ताप, किसी वस्तु का ताप वह मात्रा है, जिससे यह ज्ञात होता है कि एक मानक वस्तु की अपेक्षा वह कितनी गर्म एवं ठंडी है।
- ताप को 'तापमापी' (Thermometer) से मापा जाता है।
- तापमापी के पैमाने का निर्धारण उसका शून्यांक शुद्ध बर्फ के गलनांक को शून्य मानकर तथा पारे के 760 मि. मी. के मानक वायुमंडलीय दाब पर उबलने से निकलती भाप के ताप को 100 का अंशाकार मानकर करते हैं।
- शून्य एवं 100 को बराबर अंशों में विभाजित कर प्रत्येक अंश को एक अंश (डिग्री) मान लिया जाता है, इस प्रकार पैमाना 'सैल्सियस पैमाना' कहलाता है।

### ऊष्मा-संचरण के तीन प्रकार

- चालन, लोहे की एक छड़ को जब एक सिरे से पकड़ कर दूसरे सिरे को गर्म करते हैं, तो कुछ समय बाद हाथ से पकड़ा सिरा भी उतना ही गर्म हो जाता है।
- ऊष्मा छड़ के सिरे से प्रवेश कर धीरे-धीरे दूसरे सिरे तक संचारित होकर पूरी छड़ को गर्म कर देती है। ऊष्मा संचरण की यह प्रक्रिया 'चालन' कहलाती है।
- संवहन, द्रवों एवं गैसों में ऊष्मा संवहन (Convection) द्वारा संचारित होती है। इस प्रक्रिया में ऊष्मा एक स्थान से दूसरे स्थान तक, द्रव व गैसों के अपने गमन द्वारा संचारित होती है।
- विकिरण, चालन एवं संवहन में जहां ऊष्मा संचरण हेतु पदार्थ रूपा माध्यम की आवश्यकता होती है, वहीं विकिरण में ऊष्मा संचरण हेतु किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।
- सूर्य से विकिरण ऊष्मा विद्युत-चुंबकीय तरंगों के रूप में निर्वात (Vaccum) से होकर सीधे पृथ्वी तक पहुंचती है।

#### प्रमुख (व्युत्पन्न) मापक एवं उनके प्रतीक

भौतिक राशि	मात्रक (Unit)	प्रतीक/संकेत
आवेग	न्यूटन/सेकेंड	kgm/s
वेग	मीटर/सेकेंड	m/s
घनत्व	कि.ग्रा./घनमीटर	kg/m <sup>3</sup>
संवेग	कि.ग्रा. मीटर/सेकेंड	kgm/s
सांद्रता	घनमीटर	m <sup>3</sup>
बल	न्यूटन	N
आवृत्ति	हर्ट्ज	Hz
दाब	पास्कल	Pa
शक्ति	वाट	W
ऊष्मा/ऊर्जा	जूल	J
रेडियोधर्मिता	बेक्यूरल	Bq
चालकता	सीमेन्स	S
विद्युत आवेश	फैराडे	C
समुद्री चाल	नॉट	-

## तरंगे (Waves)

- प्रकाश एवं ध्वनि दोनों ही तरंग रूप में गमन करते हैं। पदार्थ के अंतरण के बिना ही ऊर्जा के अंतरण (गमन) को 'तरंग' कहते हैं।
- तरंग के इस रूप में, जिसमें कणों की गति तरंग गति के लंबवत हो, 'अनुप्रस्थ तरंगें' (Transverse Wave) कहलाती हैं।
- प्रकाश की तरंगें अनुप्रस्थ तरंगें होती हैं। जब किसी माध्यम में यांत्रिक तरंगें इस प्रकार चलती हैं, कि माध्यम के कण तरंगों के संचरण की दिशा में समानांतर कंपन करते हैं, तो ऐसी तरंगों को 'अनुदैर्घ्य तरंगें' (Longitudinal waves) कहते हैं।
- तरंग के उच्चतम एवं निम्नतम भागों को क्रमशः 'शीर्ष' (Crest) तथा 'गर्त' (trough) कहते हैं।
- 'A' दूरी की तरंग का 'आयाम' (amplitude) होता है।
- तरंग की आवृत्ति (Frequency) तरंगों की वह संख्या है, जो किसी बिंदु से प्रति सेकेंड गुजरती है।
- आवृत्ति का मात्रक कंपन/सेकेंड अथवा हर्ट्ज (H<sup>2</sup>) होता है।
- सभी प्रकार की तरंगों की गति हेतु समीकरण है-  

$$V = VI$$
 (तरंग की आवृत्ति V तथा तरंग दैर्घ्य VI है)

## विद्युत-चुंबकीय विकिरण

- विद्युत-चुंबकीय तरंगों के संचरण हेतु किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती तथा यह तरंगें निर्वात (Space) में भी संचारित हो सकती हैं।
- इन तरंगों का तरंग दैर्घ्य पारस (Wave Length rage) काफी विस्तृत होता है।
- इनका पारस  $10^{-14}$  से लेकर  $10^{14}$  मी. तक होता है।
- यह तरंगें चुंबकीय एवं विद्युत क्षेत्रों के दोलन से उत्पन्न होने वाली अनुप्रस्थ तरंगें हैं।

## विद्युत-चुंबकीय स्पेक्ट्रम

- सूर्य के प्रकाश एव स्पेक्ट्रम का विस्तार लाल रंग के ऊपर तथा बैंगनी रंग के नीचे भी होता है, जिसे 'अदृश्य स्पेक्ट्रम' (Invisible Spectrum) कहते हैं।
- लाल रंग के ऊपर बड़ी तरंग दैर्घ्य वाले भाग को 'आवरक्त स्पेक्ट्रम' (Infrared Spectrum) तथा बैंगनी रंग से नीचे छोटी तरंग दैर्घ्य वाले भाग को 'पराबैंगनी स्पेक्ट्रम' (Ultra Violet Spectrum) कहते हैं।

## ध्वनि तरंगें (Sound Waves)

- ध्वनि एक स्थान से दूसरे स्थान तक तरंगों के रूप में गमन करती है। ध्वनि तरंगें अनुदैर्घ्य यांत्रिक तरंगें होती हैं।

272 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- ध्वनि तरंगों के गमन के लिए किसी माध्यम की जरूरत नहीं होती।
- इन तरंगों में व्यातिकरण (Interference) होता है।

## प्रकाश

- प्रकाश ऊर्जा का ही रूप है, जो हमारी दृष्टि के संवेदन का कारण है।
- प्रकाश द्वारा अपनाए गए सरल पथ को किरण (Ray) कहते हैं, अनेक किरणों से किरण पुंज (Beam) बनता है, जो अपसारी (Diverging) तथा अभिसारी (Converging) होता है।

## परावर्तन (Reflection)

- जब किसी सतह पर प्रकाश पड़ता है तो उसका कुछ भाग सतह द्वारा परावर्तित कर दिया जाता है, किंतु कुछ सतह जैसे-दर्पण, धातु की पालिश की सतह आदि आपतित प्रकाश को लगभग पूर्णतः परावर्तित कर देती है। इसे परावर्तन कहते हैं।

## अपवर्तन (Refraction)

- जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में तिरछे होकर गमन करता है, तो वह अपने पथ से मुड़ जाता है। प्रकाश के इस प्रकार मुड़ने को 'अपवर्तन' कहते हैं।
- तारों का टिमटिमाना वायुमंडलीय अपवर्तन के कारण होता है।
- जब प्रकाश की किरणें सघन माध्यम से विरल माध्यम में पृष्ठ पर आपतित हो रही हों और आपतन कोण क्रांतिक कोण से अधिक हो, तब प्रकाश का अपवर्तन नहीं होता, बल्कि संपूर्ण प्रकाश परावर्तित होकर उसी माध्यम में लौट जाता है।
- कैमरों, दूरबीनों आदि प्रकाशीय यंत्रों में लेंसों का उपयोग प्रतिबिंब प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

## विद्युत (Electricity)

- वह गुण, जिसके कारण पदार्थ विद्युतमय होते हैं, 'विद्युत' (Electricity) कहलाती है। जब आवेश किसी तार या चालक पदार्थ में बहता है तो उसे 'धारा विद्युत' (Current Electricity) कहते हैं।
- आवेश दो प्रकार के होते हैं—धनात्मक आवेश (Positive charge) तथा ऋणात्मक आवेश (Negative Charge)।
- जिन पदार्थों से होकर विद्युत आवेश सरलता से प्रवाहित होता है, उन्हें चालक (Conductor) कहते हैं तथा वे पदार्थ जिनमें आवेश का प्रवाह नहीं होता है, अचालक कहलाते हैं।
- लगभग सभी धातुएं, लवणों के जलीय विलयन, मानव शरीर आदि विद्युत चालक पदार्थों के उदाहरण हैं तथा लकड़ी, कागज, रबड़, अभ्रक आदि अचालक पदार्थों के उदाहरण हैं।

- विद्युत सेल में विभिन्न रासायनिक क्रियाओं से विद्युत ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। विद्युत सेल में धातु की दो छड़ें होती हैं, जिन्हें इलेक्ट्रोड (Electrode) कहते हैं।
- विद्युत सेल मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं प्राथमिक सेल तथा द्वितीयक सेल।
- ऊर्जा को 'वाट घंटा' अथवा 'किलोवाट घंटा' में व्यक्त करते हैं।
- एक 'वाट घंटा' ऊर्जा की वह मात्रा है, जो 1000 वाट की सामर्थ्य वाले उपकरणों में एक घंटे में व्यय/खर्च होती है। इसका मान 3600 जूल होता है।

## चुंबकत्व (Magnetism)

- चुंबकत्व द्वारा आकर्षित होने वाले पदार्थ चुंबकीय पदार्थ कहलाते हैं; जैसे—लोहा—निकिल तथा इनकी मिश्रित धातुएं किंतु जो पदार्थ आकर्षित नहीं हो पाते, उन्हें अचुंबकीय पदार्थ कहते हैं, जैसे तांबा, लकड़ी, कांच इत्यादि।
- किसी चुंबक के चारों ओर का वह क्षेत्र, जिसके द्वारा चुंबक आकर्षण अथवा प्रतिकर्षण बल का अनुभव करता है, उस चुंबक का 'चुंबकीय क्षेत्र' कहलाता है। इसका मात्रक 'गैस' कहलाता है।

### चुंबकीय पदार्थों के प्रकार

- प्रति चुंबकीय पदार्थ, यह वह पदार्थ है, जो चुंबकीय क्षेत्र में रखे जाने पर क्षेत्र की विपरीत दिशा में चुंबकीय होते हैं तथा किसी चुंबक के निकट जाने पर प्रतिकर्षित होते हैं।
- प्रति चुंबकीय पदार्थों (Diamagnetic Substance) के उदाहरण हैं जल, तांबा, सोना, चांदी, हीरा, नाइट्रोजन इत्यादि।
- प्रति चुंबकीय का गुण प्रायः उन पदार्थों में पाया जाता है, जिनके परमाणुओं में इलेक्ट्रॉनों की संख्या सम होती है।
- अनचुंबकीय (Para magnetic substance), यह वह पदार्थ है जो किसी चुंबकीय क्षेत्र में रखे जाने पर क्षेत्र की दिशा में आंशिक रूप से चुंबकीय होता है तथा किसी चुंबक के समीप लाए जाने पर आकर्षित होते हैं। उदाहरण— लोहा, निकिल आदि।
- डोमेन, लौह चुंबकीय पदार्थों के भीतर परमाणुओं की असंख्य अतिसूक्ष्म संरचनाओं को 'डोमेन' (Domain) कहा जाता है।
- एक डोमेन में  $10^{18}$  से लेकर  $10^{21}$  तक परमाणु होते हैं।

## शक्ति एवं ऊर्जा

- कार्य करने की दर को 'शक्ति' कहते हैं। शक्ति का मात्रक वाट (w) है।
- ऊर्जा, कार्य करने की कुल क्षमता को ऊर्जा कहते हैं। ऊर्जा का मात्रक जूल है।
- यांत्रिक ऊर्जा दो प्रकार की होती है गतिज (Kinetic) और स्थितिज (Potential) ऊर्जा।

274 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- गतिज ऊर्जा, वस्तु की गति से उत्पन्न ऊर्जा को कहा जाता है।
- किसी वस्तु की अपनी स्थिति के कारण जो ऊर्जा होती है, वह स्थितिज ऊर्जा कहलाती है।
- ऊर्जा को न तो समाप्त किया जा सकता है और न ही उत्पन्न, बल्कि इसे एक से दूसरे रूप में रूपांतरित किया जा सकता है।
- किसी वस्तु का गुरुत्व केंद्र वह बिंदु होता है, जिस पर वस्तु का संपूर्ण भार कार्य करता है अथवा केंद्रित होता है।
- अपेक्षित घनत्व का कोई मात्रक नहीं होता।

## दाब

- प्रति इकाई क्षेत्रफल पर लगे बल को 'दाब' कहते हैं।

$$\text{दाब} = \frac{\text{बल}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

- दाब का मात्रक न्यूटन प्रति वर्ग किमी अथवा पास्कल होता है।
- पृथ्वी के चारों ओर काफी ऊंचाई तक वायु है, जिसे वायुमंडल कहते हैं। वायु में भार होता है, अतः यह पृथ्वी की सतह पर नहीं, बल्कि पृथ्वी पर स्थित सभी वस्तुओं पर दबाव डालती है।
- मानव एवं समुद्र के वायुमंडलीय दाब को 'वायुदाबमापी' (Barometer) द्वारा मापा जाता है।





# रसायन विज्ञान (Chemistry)

- रसायन विज्ञान, विज्ञान की वह शाखा जिसमें उन सभी वस्तुओं के गुण, संघटन और संरचना का अध्ययन किया जाता है, जो हमारे आस-पास मौजूद होती हैं।

## रसायन विज्ञान की शाखाएं (अध्ययन की प्रकृति के आधार पर)

- कार्बनिक रसायन विज्ञान, कार्बन एवं इसके यौगिकों के अध्ययन से संबंधित होता है।
- अकार्बनिक रसायन विज्ञान, की शाखा के अंतर्गत मुख्यतः तत्व और उनकी प्रकृति और उनसे बनने वाले यौगिकों का अध्ययन किया जाता है।
- भौतिक रसायन विज्ञान के अंतर्गत रासायनिक अभिक्रियाओं में रासायनिक परिवर्तन के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन आता है।
- जैव रसायन विज्ञान, यह विज्ञान की वह शाखा है जिसमें जीवन प्रणाली में अंतर्निहित रासायनिक परिवर्तनों का अध्ययन सम्मिलित होता है।
- इनके अतिरिक्त भी रसायन विज्ञान की कई शाखाएं हैं; जैसे—प्रकाश रसायन विज्ञान (फोटोकेमिस्ट्री); वैद्युत रसायन विज्ञान (इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री) विघटनाभिक रसायन विज्ञान (रेडियो केमिस्ट्री) तथा वनस्पति विज्ञान इत्यादि।

## द्रव्य (Mass)

- हर वह वस्तु जिसमें भार होता है और जगह घेरती है, उसे 'द्रव्य' कहते हैं। किसी भी वस्तु में द्रव्य की मात्रा को 'द्रव्यमान' (Mass) कहा जाता है।
- द्रव्य को शुद्ध पदार्थ तथा मिश्रण में वर्गीकृत किया जा सकता है।



276 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- द्रव्य का वर्गीकरण तत्व, यौगिक और मिश्रण में होता है।
- तत्व (Element), वह पदार्थ जो न तो तोड़ा जा सकता है और न ही दो या अधिक साधारण पदार्थों से भौतिक या रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा बनाया जा सकता है, उसे 'तत्व' कहते हैं।
- तत्व (Element) के प्रमुख उदाहरण हैं - तांबा, चांदी एवं हाइड्रोजन।
- यौगिक (Compound), दो या दो से अधिक तत्वों का निश्चित अनुपात में संयोजन 'यौगिक' कहा जाता है।
- यह किसी विधि द्वारा दो या अधिक तत्वों में विभाजित किया जा सकता है। इन यौगिकों के गुणधर्म इनके घटक तत्वों से बिल्कुल ही भिन्न होते हैं; जैसे- जल, लवण, शर्करा आदि।
- मिश्रण (Mixture), जब दो या दो से अधिक पदार्थ, तत्व या यौगिकों को अनिश्चित अनुपात में मिलाते हैं तो प्राप्त होने वाले पदार्थ को मिश्रण कहा जाता है।
- मिश्रण में घटकों का गुण-धर्म अपरिवर्तित रहता है; जैसे- पेट्रोल व वायु।

## रासायनिक समीकरण

- रासायनिक समीकरण को रासायनिक क्रिया या रासायनिक अभिक्रिया भी कहते हैं। वह प्रक्रम (Process) जिसमें दो या दो से अधिक पदार्थों (तत्व तथा यौगिक) की पारस्परिक अभिक्रिया से जब कोई एक या अधिक नए पदार्थ बनते हैं, वह रासायनिक अभिक्रिया कहलाती है।
- रासायनिक अभिक्रियाएं मुख्यतः 4 प्रकार की होती हैं- संयोजन, अपघटन, विस्थापन तथा उभय अपघटन (Double decomposition)।
- किसी भी रासायनिक अभिक्रिया को प्रदर्शित करने का सबसे सरल तरीका उसे रासायनिक समीकरणों के रूप में लिखना है।

## रासायनिक बंधन (Chemical Bonding)

- विभिन्न तत्वों के परमाणु रासायनिक अभिक्रिया करके आपस में आबंध निर्माण करते हैं तो उस क्रिया को रासायनिक बंधन कहते हैं।
- रासायनिक बंधन कई प्रकार के होते हैं- वैद्युत संयोजकता (Electrovalency); सह-संयोजकता (Covalency) तथा उपसह-संयोजकता (Coordinate Valency)
- वैद्युत संयोजक तब बनता है, जब एक परमाणु से इलेक्ट्रान पूर्णतः दूसरे तत्व के परमाणु में स्थानांतरित होते हैं। ऐसे बंध 'आयनिक बंध' कहलाते हैं; जैसे- सोडियम क्लोराइड (NaCl) का बनना।
- दो परमाणुओं के संयुक्त होने का वह प्रक्रम जिसमें इलेक्ट्रानों की पारस्परिक साझेदारी होती है, सह-संयोजकता कहलाती है। उदाहरण के लिए क्लोरीन अणु का बनना।

- तत्वों के परमाणुओं के परस्पर संयोजन करने की क्षमता को संयोजकता (Valency) कहते हैं।
- किसी तत्व की संयोजकता उसके परमाणु के बाहरी कक्षा में उपस्थित इलेक्ट्रॉनों की संख्या पर निर्भर करती है।

**प्रमुख रासायनिक तत्व एवं उनका परमाणु भार**

	तत्व/संकेत	परमाणु संख्या	परमाणु भार
1.	कार्बन (C)	6	12.0
2.	कॉपर (Cu)	29	63.5
3.	एल्युमीनियम (Al)	13	27
4.	नाइट्रोजन (N)	7	14.0
5.	सोडियम (Na)	11	23.0
6.	सिलिकॉन (Si)	14	28.1
7.	यूरेनियम (U)	92	238.0
8.	टिन (Sn)	50	118.7
9.	थैलियम (Tl)	81	204.4
10.	रेडियम (Ra)	88	226.1
11.	हीलियम (He)	2	4.0
12.	हाइड्रोजन (H)	1	1.0
13.	क्रोमियम (Cr)	24	52.0
14.	मैंगनीज़ (Mn)	25	54.9
15.	लीथियम (Li)	3	6.9
16.	आयोडीन (I)	53	126.9
17.	क्लोरीन (Cl)	17	35.5
18.	बेरियम (Ba)	56	137.3
19.	पोटेशियम (K)	19	89.1
20.	ऑक्सीजन (O)	8	16.0
21.	फॉस्फोरस (P)	15	31.0
22.	कैल्सियम (Ca)	20	40.1
23.	फ्रेंसियम (Fr)	87	223
24.	निकिल (Ni)	28	58.7
25.	सल्फर (S)	16	32.1
26.	मरकरी (Hg)	80	200.6
27.	फ्लोरीन (F)	9	19.0

## परमाणु संरचना (Atomic Structure)

- सन् 1808 में ब्रिटेन के भौतिकशास्त्री जॉन डाल्टन ने कहा था कि पदार्थ अत्यंत छोटे-छोटे अविभाज्य कणों से मिलकर बना होता है, जिन्हें परमाणु कहते हैं।
- जे.जे. थॉमसन एवं रदरफोर्ड ने भी बताया कि परमाणु अविभाज्य नहीं है, बल्कि वह छोटे-छोटे आवेशित कणों से मिलकर बना होता है।
- आधुनिक अवधारणा के अनुसार परमाणु धनावेशित प्रोटॉनों, इलेक्ट्रॉनों एवं न्यूट्रॉनों से मिलकर बना होता है।
- परमाणु के केंद्र में एक नाभिक बना होता है, जिसमें प्रोटॉन एवं न्यूट्रॉन उपस्थित रहते हैं। इलेक्ट्रॉन नाभिक के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। परमाणु का समस्त द्रव्यमान इसके नाभिक में केंद्रित रहता है।

### रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल

- सन् 1911 में अंग्रेज भौतिकशास्त्री रदरफोर्ड ने धातु पन्नों पर कणों की बमबारी करके परमाणु संरचना के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले; जैसे—
  - परमाणु के केंद्र में अति-सूक्ष्म स्थान में एक धनावेशित भाग है।
  - परमाणु का अधिकांश भाग खोखला है।
  - धनावेश अत्यंत सघन एवं दृढ़ भाग में सकेन्द्रित है, जिसे नाभिक भी कहते हैं।
- किसी तत्व के परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों की संख्या को उस तत्व का परमाणु क्रमांक (Atomic number) कहते हैं।
- परमाणु क्रमांक = प्रोटॉनों की संख्या = इलेक्ट्रॉनों की संख्या
- किसी तत्व के परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों एवं न्यूट्रॉनों की संख्याओं का योग, द्रव्यमान संख्या (Mass number) कहलाता है।
- द्रव्यमान संख्या = प्रोटॉनों की संख्या + न्यूट्रॉनों की संख्या।
- किसी तत्व का परमाणु भार वह संख्या है, जो प्रदर्शित करती है कि तत्व का एक परमाणु कार्बन परमाणु के  $1/12$  भाग से कितना गुना भारी है।

### अणु (Molecules)

- पदार्थ अणुओं से मिलकर बने होते हैं और अणु परमाणुओं से/ अणु किसी पदार्थ के वे सूक्ष्मकण होते हैं, जो स्वतंत्र अवस्था में रह सकते हैं और उसमें पदार्थ के समस्त गुण उपस्थित रहते हैं।
- किसी पदार्थ का अणुभार (Molecular weight) वह संख्या है, जो यह प्रदर्शित करती है कि उस पदार्थ का एक अणु कार्बन-12 समस्थानिक (Isotopes) के एक परमाणु के भार के  $1/12$  भाग से कितना गुना भारी है।

- किसी तत्व के वे परमाणु, जिनके परमाणु क्रमांक भिन्न-भिन्न परंतु द्रव्यमान समान होते हैं, समभारिक (Isobars) कहलाते हैं।
- जिन परमाणुओं में न्यूट्रॉनों की संख्या समान होती है, वह सम-न्यूट्रॉनिक (Isotones) कहलाते हैं।

## प्रकृति में कार्बन चक्र/एवं प्रकाश-संश्लेषण

- वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा लगभग निश्चित (0.4 प्रतिशत) रहती है।
- सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में पौधे वायुमंडल से CO<sub>2</sub> ग्रहण करके तथा क्लोरोफिल की सहायता से इसको ग्लूकोज, स्टार्च में बदल देते हैं। इस क्रिया को प्रकाश-संश्लेषण कहते हैं।
- रात्रिकाल में पौधे वायुमंडल से O<sub>2</sub> (Oxygen) लेते हैं और CO<sub>2</sub> (कार्बन डाइऑक्साइड) छोड़ते हैं। रात्रि के समय छोड़ी जाने वाली O<sub>2</sub> दिन में ग्रहण की गई CO<sub>2</sub> की तुलना में बहुत कम होती है।
- अतः जो CO<sub>2</sub> श्वसन एवं दहन में उत्पन्न होती है, वह पौधों द्वारा ही उपयोग में ली जाती है अर्थात् वायुमंडल में CO<sub>2</sub> की मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
- जीवों द्वारा निकाली गई CO<sub>2</sub> एवं पौधों द्वारा ली जाने वाली CO<sub>2</sub> के बीच एक चक्र चलता है, जिसे 'कार्बन चक्र' (Carbon cycle) कहते हैं।

## हाइड्रोकार्बन

- हाइड्रोजन एवं कार्बन से बने यौगिक हाइड्रोकार्बन कहलाते हैं। हाइड्रोजन दो भागों में विभाजित है: संतृप्त (Single Bond) तथा असंतृप्त (Multiple Bond) हाइड्रोकार्बन।

### महत्वपूर्ण रासायनिक यौगिक (एक दृष्टि में)

	यौगिक का नाम	रासायनिक सूत्र
1.	पेट्रोलियम	CH <sub>4</sub> 1C <sub>4</sub> OH <sub>82</sub>
2.	कार्बन डाइऑक्साइड	CO <sub>2</sub>
3.	कार्बन मोनोऑक्साइड	CO
4.	अमोनिया	NH <sub>3</sub>
5.	बॉक्साइट	Al <sub>2</sub> O <sub>3</sub> 3H <sub>2</sub> O
6.	मैग्नेटाइट	Fe <sub>3</sub> O <sub>4</sub>
7.	डोलोमाइट	MgCO <sub>3</sub> CaCO <sub>3</sub>

Contd...

8.	क्रोयोलाइट	$\text{Na}_3\text{AlF}_6$
9.	फॉस्फीन	$\text{PH}_3$
10.	जिप्सम	$\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$
11.	इप्सम	$\text{MgSO}_4 \cdot 7\text{H}_2\text{O}$
12.	ओजोन	$\text{O}_3$
13.	पोटेशियम परमैंगनेट	$\text{KMnO}_4$
14.	मिथेन	$\text{CH}_4$
15.	अश्रु गैस	$\text{CaP}$
16.	हास्य गैस	$\text{N}_2\text{O}$
17.	ओलियम	$\text{H}_2\text{S}_2\text{O}_7$
18.	हाइपो	$\text{Na}_2\text{S}_2\text{O}_3 \cdot 5\text{H}_2\text{O}$
19.	नाइट्रोलीम	$\text{CaCN}_2 + \text{C}$
20.	कैल्सियम ऑक्साइड	$\text{CaO}$
21.	जिंक सल्फाइड	$\text{ZnS}$
22.	लिथार्ज	$\text{PbO}$
23.	एसीटिलीन	$\text{C}_2\text{H}_2$
24.	यूरिया	$\text{NH}_2\text{CONH}_2$
25.	पॉलीथीन	$(\text{C}_2\text{H}_4)_n$

## ऑक्सीकरण (Oxidation)

- यह एक ऐसा प्रक्रम है जिसमें पदार्थ ऑक्सीजन में मिल जाता है अथवा उसकी हाइड्रोजन निकल जाती है।
- सरल शब्दों में ऑक्सीकरण (Oxidation) वह प्रक्रम है जिसमें पदार्थ के इलेक्ट्रॉन कम हो जाते हैं। ऑक्सीकरण पदार्थ वह पदार्थ है जो दूसरे पदार्थों को ऑक्सीकृत कर देते हैं, जैसे नाइट्रिक अम्ल ( $\text{HNO}_3$ ) तथा पोटेशियम परमैंगनेट।
- अपचयन (Reduction) एक ऐसा प्रक्रम है, जिसमें ऑक्सीजन निकलती है और हाइड्रोजन का संयोग होता है।
- अपचयन वह प्रक्रम है जिसमें पदार्थ के इलेक्ट्रॉन अधिक हो जाते हैं। यह वह पदार्थ है जो दूसरे पदार्थों का अपचयन करते हैं तथा ऑक्सीकृत हो जाते हैं; जैसे—हाइड्रोजन ( $\text{H}_2$ ) एवं कार्बन (C) आदि।

## विलयन (Solution)

- दो या दो से अधिक अणुओं, परमाणुओं अथवा आयनों/पदार्थों का समागी मिश्रण (Homogeneous Mixture) विलयन (Solution) कहलाता है।
- जो पदार्थ घुलता है, उसे विलेय (Solute) तथा जिस माध्यम में उसे घोला जाता है, वह विलायक (Solvent) कहलाता है।
- विलेय का अनुपात कम हो तो विलयन तनु (dilute) कहा जाता है, जबकि यदि विलेय का अनुपात अधिक हो तो विलयन सांद्रित (Concentrated) कहलाता है।
- किसी विलायक द्वारा विलेय पदार्थ को घोलने की क्षमता ही उसकी विलेयता (Solubility) कहलाती है।
- परासरण (Osmosis) विलयन से संबद्ध एक असाधारण परिघटना है। यह विलायक अणुओं का अर्द्धपारगम्य (SemiPermeable) -झिल्ली द्वारा कम सांद्रता वाले विलयन से अधिक सांद्रता वाले विलयन (Solution) की ओर विसरण है।
- एक लीटर (Litre) विलायक में एक मोल विलेय का विलयन 'मोलर (1m) विलयन' कहलाता है।
- प्रति एक हजार ग्राम विलायक में विलेय के मोलों की संख्या को 'मोललता' (Molality) कहते हैं।

## कार्बन और उसके यौगिक

- कार्बन प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है, जिसका ज्ञान आदिकाल से है।
- यह विभिन्न अपरूपों में पाया जाता है; जैसे— हीरे, कोयला, ग्रेफाइट, चारकोल आदि।
- यह एकमात्र ऐसा तत्व है जिसमें इतने ज्यादा यौगिक पाए जाते हैं कि उनका अध्ययन करने के लिए रसायन विज्ञान की एक शाखा 'कार्बनिक रसायन' का उद्गम हुआ है।
- सभी खाद्य पदार्थों (जैसे— शर्करा, प्रोटीन, वसा) ईंधन (लकड़ी, कोयला, मिट्टी का तेल व प्राकृतिक गैस), वस्त्र (सूती, नायलॉन, टेरीकोन, पॉलिस्टर) तथा दवाएँ आदि कार्बन के ही यौगिक हैं।
- कार्बन काफी समय पूर्व मर चुके प्राणियों, पेड़-पौधों का मुख्य अवयव है, जो कोयला, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैसों में परिवर्तित हो गया है।
- यह चट्टानों तथा समुद्रों में कार्बोनेट के रूप में होता है।
- कार्बन (Carbon) के अपरूप हैं— हीरा एवं ग्रेफाइट।
- हीरा (Diamond) कार्बन का एक शुद्धतम अपरूप है।

282 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- अब तक ज्ञात सभी यौगिकों में हीरा सबसे अधिक कठोर है।
- हीरे की यह विशेष कठोरता उसकी त्रिविमिय बहुलकी संरचना की वजह से होती है।
- ग्रेफाइट मुलायम एवं चिकना होता है। इसे 'काला शीशा' भी कहा जाता है।
- कोक चूर्ण तथा बालू के मिश्रण को लगभग 25 घंटों तक विद्युत भट्टी में गर्म करके इसे बनाया जाता है।
- ग्रेफाइट, मुख्य रूप से श्रीलंका, भारत तथा इटली में पाया जाता है।

## अम्ल एवं लवण (Acid & Salt)

- अम्ल (Acid) हाइड्रोजनयुक्त पदार्थ होते हैं।
- जलीय विलयन में हाइड्रोजन आयन  $H^+$  बनाते हैं। उदाहरण-सल्फ्यूरिक एसिड।
- क्षारक (Base) ऐसे पदार्थ हैं, जिनमें हाइड्रॉक्सिल समूह होते हैं और जो विलयन में हाइड्रॉक्सिल आयन ( $OH^-$ ) बनाते हैं।
- लवण (Salt) आयनिक यौगिक होते हैं।
- अम्ल (Acid) और क्षार (Alkalies) (जो जल में घुलनशील होते हैं) के बीच परस्पर अभिक्रिया होने से लवण एवं जल बनते हैं।
- सोडियम क्लोराइड, सोडियम सल्फेट इसके उदाहरण हैं।
- स्टार्च, गोंद आदि पदार्थ, जो अक्रिस्टलीय हैं और घुलनशील अवस्था में विसरित नहीं होते हैं, उन्हें 'कोलॉइड' कहते हैं।
- कोलॉइड दो प्रकार के होते हैं— द्रवस्नेही (Lyophobic Colloids) तथा द्रव विरोधी कोलॉइड (Lyophobic Colloids)।
- 'पायस' (Emulsion) एक ऐसा कोलॉइडल प्रसाव है, जिसमें परिक्षिप्त प्रावस्था और 'परिक्षेपण माध्यम' दोनों ही द्रव हैं।





# जीव विज्ञान (Biology)

- जीव विज्ञान (Biology), विज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत समस्त जीवधारियों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। इसमें संपूर्ण वनस्पति जगत, मानव सहित प्राणी जगत और जीवाणु (Bacteria) भी सम्मिलित हैं।
- जीव विज्ञान का अध्ययन (विज्ञान के रूप में) अरस्तू (Aristotle) के पौधों और पशुओं के अध्ययन से प्रारंभ हुआ था, जिसकी वजह से उन्हें 'जीव विज्ञान का जनक' (Father of Biology) भी कहा जाता है।

## जीव विज्ञान की शाखाएं (Branches)

- नए-नए उपकरणों एवं नई-नई तकनीकों के विकास के चलते जीव विज्ञान की नई-नई शाखाओं का जन्म हुआ है। इन शाखाओं को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

मौलिक जीव विज्ञान (Basic Biology)	वनस्पति विज्ञान (Botany) प्राणी विज्ञान (Zoology) सूक्ष्मजीव विज्ञान (Microbiology)
अनुप्रायोगिक जीव विज्ञान (Applied Biology)	कृषि विज्ञान (Agriculture) पशु चिकित्सा विज्ञान (Veterinary) चिकित्सा/औषधि विज्ञान (Pharmacy Medical Science)



## जीवधारियों के लक्षण एवं वर्गीकरण (Features and classification of Living Organism)

### लक्षण

- संगठन, सभी जीवों का निश्चित आकार एवं भौतिक एवं रासायनिक संगठन होता है।
- जीवधारियों में कोशिका के विभाजन और पुनर्विभाजन से ढेर सारी कोशिकाएं बनती हैं।
- उपापचय (Metabolism), पशु, जीवाणु आदि अपना आहार –कार्बनिक पदार्थों से ग्रहण करते हैं।
- जनन (Reproduction), जीवधारी अलैंगिक अथवा लैंगिक जनन द्वारा अपना वंश बढ़ाने की क्षमता द्वारा पहचाने जाते हैं।

### जीवधारियों का वर्गीकरण

- सर्वप्रथम स्वीडिश प्राकृतिक वैज्ञानिक कैरोलस लीनियस ने जीवधारियों के वर्गीकरण (Classification of Living Organism) की संकल्पना अपनी पुस्तक 'सिस्टेमा नैचुरे' में (1758 ई. में) 'द्विपाद नामपद्धति' (Binominal nomenclature) नाम से सामने रखी थी।
- द्विपाद नामपद्धति के अनुसार हर जीवधारी के नाम में दो शब्द होते हैं। पहला पद है वंश (Generic) नाम, जो उसके संबंधित रूप से साझा होता है और दूसरा पद एक विशिष्ट शब्द होता है। दोनों पदों के मिलने से जाति (Species) का नाम बनता है।
- वर्ष 1969 में आर.एच. व्हीटेकर ने जीवों को 5 जगतों (Kingdoms) में विभाजित किया। यह पांच जगत हैं— मोनेरा (Monera), प्रोटिस्टा (Protista), कवक (Fungi), प्लान्टी (Plantae) एवं एनीमेलिया (Animalia)
- 'मोनेरा' जगत के जीवों में केंद्रक विहीन प्रोकैरियोटिक (Prokaryotic) कोशिका होती है। इसके अंतर्गत जीवाणु तथा नीलहरित शैवाल (Blue green algae) आते हैं।
- 'प्रोटिस्टा', यह एकल कोशकीय (Unicellular) जीव होते हैं, जिनमें विकसित केंद्रक वाली यूकैरियोटिक कोशिका होती है। उदाहरण— पैरामीशियम, 'कवक' (Fungi), यह यूकैरियोटिक जीव होते हैं, क्योंकि हरित लवक और वर्णक के अभाव में इनमें प्रकाश-संश्लेषण नहीं होता है।
- 'प्लान्टी', यह बहुकोशकीय पौधे होते हैं, इनमें प्रकाश-संश्लेषण होता है। इनकी कोशिकाओं में रिक्तिका (Vacuole) पाई जाती है।
- 'एनीमेलिया', यह बहुकोशकीय यूकैरियोटिक जीव होते हैं, जिनकी कोशिकाओं में दृढ़ कोशिका भित्ति और प्रकाश-संश्लेषण नहीं होता है।

## कोशिका (Cell)

- सर्वप्रथम वर्ष 1665 में रॉबर्ट हुक ने 'कोशिका' (Cell) का वर्णन किया था।
- जर्मन जीव वैज्ञानिक एम. श्लाइडन तथा टी. श्वान ने (1838-39 ई. में) कोशिका सिद्धांत (Cell theory) को प्रतिपादित किया, जिसके अनुसार सभी जीवों का निर्माण कोशिकाओं से होता है।
- जीवधारियों में दो प्रकार के कोशकीय संगठन होते हैं। एक प्रकार है, प्राकिक केंद्रकी (प्रोकैरियोट) जिनमें केंद्रक झिल्लीबद्ध नहीं होता, जबकि सुकेंद्रकी (यूकैरियोट) में एक सुस्पष्ट केंद्रक दो झिल्लियों से घिरा होता है।
- कोशिका के मुख्य अवयव तत्व हैं - कोशिका भित्ति, केंद्रक, लवक, लाइसोसोम, राइबोजोम, सूत्रगुणिका आदि।

### कोशिका विभाजन

- प्रत्येक जीव, जिसमें जनन लैंगिक क्रिया द्वारा होता है, का जन्म एककोशीय युग्मनज (Zygote) से होता है, जिसके बार-बार विभाजित होने से शरीर की अनेक कोशिकाएं बनती हैं। यह विभाजन दो चरणों में पूरा होता है। केंद्रक विभाजन, जिसे सूत्रीविभाजन (Mitosis) भी कहते हैं और दूसरा कोशिका विभाजन (साइटोकाइनेसिस) कहलाता है।
- सूत्रीविभाजन (Mitosis), यह जीवों की कायिक कोशिकाओं (Somatic cells) में होता है, इसलिए इसे 'कायिक कोशिका विभाजन' भी कहते हैं। इसे 'समसूत्री विभाजन' (equational division) भी कहा जाता है।
- अर्द्धसूत्रीविभाजन (Meiosis), सूत्रीविभाजन के विपरीत इसमें गुणसूत्र संख्या कम होकर आधी रह जाती है, क्योंकि इसमें पूरे गुणसूत्र समजात गुणसूत्र (Homologous chromosomes) अलग हो जाते हैं, न कि उनके अर्द्धगुणसूत्र।
- संतति कोशिकाओं में गुणसूत्र संख्या जनन कोशिका से आधी होने के कारण इस विभाजन को 'न्यूनीकरण विभाजन' (Reductional division) भी कहते हैं।

### जीवाणुओं (Bacteria) द्वारा होने वाले रोग

रोग का नाम	कारण/रोगाणु का नाम	प्रभावित अंग	रोग के लक्षण
हैजा (Cholera)	विब्रियो कोलेरी	पाचन तंत्र	उल्टी व दस्त, शरीर में ऐंठन एवं डिहाइड्रेशन
न्यूमोनिया (Pneumonia)	डिफ्लोकोकस न्यूमोनी	फेफड़े	फेफड़ों में जल/पानी भर जाना, श्वास लेने में पीड़ा
प्लेग (Plague)	पासट्यूरेला पेस्टिस	लिम्फ ग्रंथियां	शरीर में दर्द, तेज बुखार, आंखों का लाल होना।

Contd...

286 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

काली खांसी (Whooping cough)	हेमोफिलस परटूसिस	श्वसन तंत्र	लगातार आने वाली तेज खांसी।
टिटनेस (Tetnus)	क्लोस्ट्रीडियम टिटैनी	तंत्रिका तंत्र एवं मांसपेशियां	जबड़ा ना खुलना, बेहोशी, शरीर में झटके लगना।
क्षय रोग (Tuberculosis, T.B.)	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस	शरीर का कोई भी अंग, विशेषकर फेफड़े।	श्वास फूलना, बलगम आना, थूक में रक्त आना, ज्वर व खांसी।
टाइफाइड (Typhoid fever)	टाइफी सालमोनेल	आंत	पेट में दर्द होना एवं बदहजमी, बुखार तीव्र गति से चढ़ना।

**विषाणुओं (Virus) द्वारा होने वाले रोग**

रोग का नाम	प्रभावित अंग	रोग के लक्षण
फ्लू (अथवा) इन्फ्लूएंजा (Flu/Influenza)	श्वसन तंत्र	सिर दर्द, शरीर में पीड़ा, जुकाम, खांसी।
रेबीज (Rabies) पागल कुत्ते के काटने पर	तंत्रिका तंत्र	शरीर में पीड़ा, मांसपेशियों तथा श्वसन तंत्र में लकवा, बेहोशी व बेचैनी।
पोलियो (Polio)	तंत्रिका तंत्र	मांसपेशियों के संकुचन में अवरोध तथा हाथ-पैर में लकवा।
चेचक (Small Pox)	पूरा शरीर विशेष रूप से चेहरा	पूरे शरीर में फफोले, बुखार, पीड़ा, जलन, बेचैनी।
हरपीस (Herpes)	त्वचा	त्वचा में जलन, शरीर पर फोड़े व बेचैनी।

**शरीर के तंत्र (System of the Body)**

- प्रत्येक कार्य के लिए कई अंग मिलकर एक तंत्र बनाते हैं; जैसे— भोजन के पाचन के लिए पाचन तंत्र (digestive system), श्वसन के लिए श्वसन तंत्र आदि।
- शरीर में अंगों को उनकी क्रियाओं के अनुसार कुछ प्रमुख तंत्रों में विभाजित किया जाता है, यह इस प्रकार हैं—
  - पाचन तंत्र (Digestive system)
  - श्वसन तंत्र (Respiratory system)
  - उत्सर्जन तंत्र (Excretory system)

- कंकाल तंत्र (Skeletal system)
  - लसिका तंत्र (Lymphatic system)
  - त्वचीय तंत्र (Cutaneous system)
  - पेशी तंत्र (Muscular system)
  - तंत्रिका तंत्र (Nervous system)
  - परसंचरण तंत्र (Circulatory system)
  - अंतःस्रावी तंत्र (Endocrine system)
  - प्रजनन तंत्र (Reproductive system)
  - विशिष्ट ज्ञानेंद्रित तंत्र (Special sense organ System)
- पाचन तंत्र में, मुख, यकृत, छोटी आंत, बड़ी आंत, आमाशय इत्यादि शामिल हैं। पाचन तंत्र में भोजन पचाने की प्रक्रिया होती है।
  - श्वसन तंत्र में सांस के माध्यम से शरीर के प्रत्येक भाग में ऑक्सीजन पहुंचती है तथा कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकलती है। इस तंत्र में श्वासनली, श्वासनी तथा फेफड़े आते हैं।
  - उत्सर्जन तंत्र में मलाशय, यकृत, त्वचा तथा वृक्क आदि शामिल होते हैं। इस तंत्र में शारीरिक क्रिया में उत्पन्न उत्कृष्ट पदार्थ और आहार का बिना पचा हुआ भाग उत्सर्जन तंत्र द्वारा शरीर से बाहर निकलता है।
  - हड्डियों से बने ढांचे को कंकाल तंत्र (Skeletal system) कहते हैं। मानव शरीर कुल 206 हड्डियों से मिलकर बना होता है। हड्डियां आपस में संधियों से जुड़ी होती हैं।
  - लसिका तंत्र छोटी-छोटी पतली वाहिकाओं का जाल होता है। यह हानिकारक पदार्थों को नष्ट करती है।
  - शरीर की रक्षा के लिए संपूर्ण शरीर त्वचा से ढका रहता है। त्वचा का बाहरी भाग स्तरित उपकला (Stratified epithelium) के कड़े स्तरों से बना होता है।
  - संपूर्ण मानव शरीर में पांच सौ से अधिक पेशियां होती हैं। यह त्वचा के नीचे होती हैं।
  - तंत्रिका तंत्र (Nervous system) विभिन्न अंगों एवं संपूर्ण जीव की क्रियाओं को नियंत्रण करता है। इसमें मस्तिष्क और मेरुरज्जुतंत्र शामिल हैं।
  - शरीर के विभिन्न भागों में रक्त का विनिमय परिसंचरण तंत्र (Circulatory system) द्वारा होता है।
  - पुरुषों और स्त्री का प्रजनन तंत्र (Reproductory system) भिन्न-भिन्न अंगों से मिलकर बना होता है।
  - सुनने के लिए कान, देखने के लिए आंखें, सूंघने के लिए नाक, स्वाद के लिए जीभ आदि विशिष्ट ज्ञानेंद्रियों का काम करती हैं, इसे अंग्रेजी में 'स्पेशल सेंस ऑर्गन' कहते हैं, जिनका संबंध मस्तिष्क से बना रहता है।

## मानव शरीर के प्रमुख आंतरिक अंग (Internal organs)

□ हृदय	Heart
□ मांसपेशियां	Muscles
□ यकृत	Liver
□ पित्ताशय	Gall bladder
□ गुर्दा	Kidney
□ आतें	Intestines
□ मस्तिष्क	Brain
□ फेफड़े	Lungs
□ तिल्ली	Spleen
□ पेट	Stomach
□ नसें	Veins
□ मूत्राशय	Urinary bladder

### मानव शरीर से संबंधित कुछ (अन्य) महत्वपूर्ण तथ्य: एक दृष्टि में

- मानव शरीर का लगभग 15% भाग प्रोटीन से निर्मित होता है।
- पुरुष (नर) मानव में उसके संपूर्ण भार का लगभग 43% प्रतिशत वजन पेशियों का होता है जबकि स्त्रियों में उनके सकल भार का 35% वजन होता है।
- मानव शरीर में लगभग 650 पेशियां होती हैं।
- मानव शरीर में छोटी-बड़ी लगभग 63% मांसपेशियां होती हैं। इनमें सबसे बड़ी कूल्हे की मांसपेशी होती है, जबकि सबसे छोटी मांसपेशी (स्टेपिडियम) कान होती है।
- शरीर के कुल भाग में सामान्यतः 40% भाग पेशियों का ही होता है।
- मानव शरीर में मास्टर ग्रंथि, पीयूष ग्रंथि कहलाती है, जबकि सबसे बड़ी ग्रंथि यकृत होती है।
- हृदय का भार (बंद मुठ्ठी के आकार के हृदय का) लगभग 300 ग्राम होता है। हृदय (Heart) वास्तव में एक मांसपेशी है, जिसके अंदर रक्त भरा होता है।
- सामान्य अवस्था में पुरुष का हृदय एक मिनट में 72 बार धड़कता है जबकि महिला का हृदय एक मिनट में 78-82 बार धड़कता है।
- मानव के मस्तिष्क का संबंध तंत्रिका तंत्र से होता है। मानव के तंत्रिका तंत्र में लगभग 13 अरब कोशिकाएं होती हैं। इनमें से 10 अरब केवल मस्तिष्क (Brain) में होती हैं।
- मानव/मनुष्य एक मिनट में 15 से 17 बार सांस लेता है।
- एक वयस्क व्यक्ति के मुंह में 32 दांत होते हैं, जिनमें 16 दांत ऊपर के जबड़े में तथा 16 दांत नीचे के जबड़े में होते हैं।

- एक स्वस्थ मनुष्य के शरीर में लगभग 5 लीटर रक्त होता है।
- रक्त (Blood) लाल रंग का चिपचिपा तरल होता है, जो शरीर में काम करने हेतु कोशिकाओं (Cells) को भोजन और ऑक्सीजन देता है।
- रक्त कणिकाएं 3 प्रकार की होती हैं— लाल रक्त कणिकाएं; श्वेत रक्त कणिकाएं तथा प्लेटलेट्स।

## पोषण (Nutrition)

- पादप अपने कार्बनिक खाद्यों के लिए (कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन और विटामिन) केवल वायुमंडल पर ही निर्भर नहीं रहते हैं, इसलिए इन्हें स्वपोषी (Autotrophs) कहते हैं।
- कुछ जीवाणु सौर ऊर्जा या रासायनिक ऊर्जा का इस्तेमाल कर अपना भोजन स्वयं बना लेते हैं। उन्हें क्रमशः फोटोऑटोट्रॉफ या कीमोऑटोट्रॉफ कहते हैं।
- दूसरी तरफ कुछ जीव जैसे- कवक और अधिकांश जीवाणु, अपना भोजन निर्माण करने में सक्षम नहीं हैं, वह इसे वायुमंडल से प्राप्त करते हैं। ऐसे सभी जीवों को परपोषी (Heterotroph) कहते हैं।

### विटामिन (Vitamins) एवं उनके प्रमुख स्रोत

विटामिन	स्रोत	कार्य	शारीरिक क्रिया पर प्रभाव
विटामिन A (रैटिनॉल)	मछली का तेल, सब्जियां, दूध व अंडा।	बच्चों का शारीरिक विकास करना एवं त्वचा का समन्वय।	त्वचा का सूखना, रतौंधी एवं आंखों के अन्य रोग।
विटामिन B (i) विटामिन बी कॉम्प्लेक्स (B-Complex-B-I) (थायमिन)	सभी प्रकार के अन्न एवं सब्जियां।	बच्चों के शारीरिक विकास में रुकावट।	स्वास्थ्यवर्धक उपापचय में महत्वपूर्ण घटक। मांसपेशियों में क्षीणता, बेरी-बेरी एवं हृदय दुर्बलता।
(ii) विटामिन B <sub>2</sub> (राइबाफ्लेविन)	अनाज, दूध, सब्जियां, मांस।	कार्बोहाइड्रेट से सतत् उर्जा का उत्पादन।	त्वचा का सूखना एवं फटना।

Contd...

290 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

(iii) विटामिन B <sub>6</sub> (पाइरिडॉक्सिन)	सभी प्रकार के अन्न।	प्रोटीन एवं अमीनो अम्लों के उपापचय में महत्वपूर्ण।	शारीरिक असामान्यता
(iv) विटामिन B <sub>12</sub> (साइरामेन)	हरी सब्जियां	लाल रक्त कणिकाओं में वृद्धि करना।	रक्तक्षीणता, (Anemia) मंद बुद्धि।
(v) विटामिन C (एस्कॉर्बिक अम्ल)	आंवला, अमरूद, टमाटर, हरी सब्जियां	प्रतिरक्षा (Immunity), घावों को भरने में सहायक व मसूड़ों को स्वस्थ रखना।	मसूड़ों से रक्त बहना।
(vi) विटामिन D (कैल्सीफेरॉल)	अंडा, पनीर, दूध	शरीर में फॉस्फोरस व कैल्सियम के उपापचय में सहायक।	अस्थियों एवं दातों का कमजोर होना।
(vii) विटामिन E (टोकोफेरॉल)	हरी सब्जियां, दूध व मक्खन	पेशियों की क्रियाशीलता	पेशियां कमजोर होना।
(viii) विटामिन K (नैफथोक्विनोन)	हरी सब्जियां	रक्त का थक्का जमने में सहायक।	रक्त का थक्का नहीं जमता, हीमोफीलिया।

## भोजन (Food)

- जीवधारी मुख्यतः ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भोजन खाते हैं। भोजन के लिए कई अवयव होते हैं; जैसे— कार्बोहाइड्रेट, वसा एवं प्रोटीन।
- कार्बोहाइड्रेट का फॉर्मूला  $C_n(H_2O)_n$  है। इसके प्रमुख स्रोत चावल, गेहूं, आलू, केला, चीनी, मक्का इत्यादि हैं।
- कार्बोहाइड्रेट को तीन भागों में बांटा गया है—मोनोसैकेराइड, डाइसैकेराइड, पॉलीसैकेराइड।
- मोनोसैकेराइड, सबसे सरल शर्करा होती हैं। उदाहरण— ग्लूकोज।
- डाइसैकेराइड, यह दो मोनोसैकेराइड इकाइयों के जोड़ से बनते हैं उदाहरण—लेक्टोज एवं सुक्रोज।

- पॉलीसैकेराइड, यह बहुत सारी मोनोसैकेराइड इकाईयों के जोड़ से बनते हैं उदाहरण-सेल्युलोज।
- वसा (fat) में C, H एवं O होते हैं, लेकिन रासायनिक तौर पर यह कार्बोहाइड्रेट से बिल्कुल अलग है। वसा ग्लिसरॉल वसीय अम्लों के ईस्टर हैं।
- प्रोटीन सामान्यतया C, H, O, N और S से बनते हैं। यह खाद्य जटिल रासायनिक यौगिक होते हैं। यह एंजाइम द्वारा तोड़ें जाते हैं। इनके मुख्य स्रोत दूध, अंडे, मांस, मछली, दालें आदि हैं।

### पाचन (Digestion)

पाचन की प्रक्रिया में खाने के कण टूटकर अणु बन जाते हैं, जो इतने छोटे होते हैं कि रक्त प्रवाह में मिलकर जहां उनकी आवश्यकता होती है, वहीं शरीर में वितरित हो जाते हैं।

लगभग 90% पचा हुआ भोजन और 10% जल एवं खनिज छोटी आंत द्वारा अवशोषित किए जाते हैं।

### पोषणिक आवश्यकताएं

- एक संतुलित आहार में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, जल, और खनिज पदार्थ उचित अनुपात में और विटामिन प्रचुर मात्रा में होने चाहिए।
- प्रोटीन (Protein)-इन्हें जीव की सामग्री कहते हैं। एक ग्राम प्रोटीन के पूर्ण दहन पर 5-6 kcal कैलोरी ऊर्जा मिलती है, इसलिए प्रोटीन की दैनिक आवश्यकता 55 से 70 ग्राम होती है।
- वसा-वसा ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, जिसके एक ग्राम के पूर्ण दहन से 9.0 kcal कैलोरी ऊर्जा मिलती है। एक सामान्य आहार में करीब 75 ग्राम वसा होनी चाहिए।
- कार्बोहाइड्रेट-यह पाचन में अंतिम उत्पाद ग्लूकोज होता है। एक ग्राम ग्लूकोज के पूर्ण दहन पर 4.2 kcal कैलोरी ऊर्जा निकलती है। कार्बोहाइड्रेट की दैनिक आवश्यकता 400-500 ग्राम होती है।
- विटामिन (Vitamin)-इसकी आवश्यकता अल्प मात्रा में होती है, लेकिन इसकी कमी से अपूर्णता रोग हो जाता है। शरीर को विटामिनों की न्यूनतम आवश्यकता होती है।
- खनिज-यह कोशिका और ऊतक की भौतिक दिशा को कायम रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैल्शियम, सोडियम, पोटैशियम, आयरन आदि प्रमुख खनिज हैं।



## रक्त (Blood)

- मानव शरीर में संचरण करने वाला तरल पदार्थ, जो शिराओं के द्वारा हृदय में जमा होता है और धमनियों के द्वारा पुनः हृदय से संपूर्ण शरीर में परिसंचरित होता है, उसे रक्त कहते हैं।
- रक्त के विभिन्न अवयव हैं—प्लाज्मा, लाल रक्त कण, श्वेत रक्त कण, प्लेटलेट्स।
- प्लाज्मा हल्के पीले रंग का तरल पदार्थ होता है, जिसमें 90% जल, 8% प्रोटीन तथा 1% लवण होता है।
- लाल रक्त कण गोलाकार, केंद्रक रहित और हीमोग्लोबिन से युक्त होता है। इसका प्रमुख कार्य ऑक्सीजन एवं कार्बन डाईऑक्साइड का संवहन करना होता है।
- लाल रक्त कण (Red Blood Cell) का जीवनकाल 120 दिन का होता है।
- श्वेत रक्त कण में हीमोग्लोबिन का अभाव पाया जाता है। इसका मुख्य कार्य रोगाणुओं से रक्षा के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना होता है।
- श्वेत रक्त कण (White Blood) का जीवनकाल 24 से 30 घंटे का होता है।
- प्लेटलेट्स रक्त कोशिकाएं केंद्रक रहित एवं अनिश्चित आकार की होती हैं। इनका मुख्य कार्य रक्त को जमने में मदद देना होता है।
- रक्त का कार्य ऑक्सीजन (Oxygen) को फेफड़ों से लेकर कोशिकाओं तक तथा कोशिकाओं से कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर फेफड़ों तक पहुंचाना होता है।
- रक्त शरीर के तापमान को संतुलित बनाए रखता है।
- रक्त शरीर में उत्पन्न अपशिष्ट एवं हानिकारक पदार्थों को एकत्रित करके मूत्र तथा पसिने के रूप में शरीर से बाहर पहुंचाने में मदद करता है।

## रक्त समूह (Blood Group) ( एक दृष्टि में )

- रक्त समूह की खोज लैंडस्टीनर द्वारा की गई थी।
- रक्त समूह 4 प्रकार के होते हैं, A, B, AB और O.
- रक्त समूह AB सर्व प्राप्तकर्ता वर्ग होता है अर्थात् वह किसी भी व्यक्ति का रक्त ग्रहण कर सकता है।
- रक्त समूह O सर्वदाता वर्ग होता है अर्थात् वह किसी भी रक्त समूह वाले व्यक्ति को रक्त दान कर सकता है, परंतु वह सिर्फ O समूह वाले व्यक्ति से ही रक्त प्राप्त कर सकता है।





## अंतरिक्ष (Space)

- अंतरिक्ष (Space) में सर्वप्रथम उपग्रह भेजने वाला देश पूर्व सोवियत संघ (USSR) था। सोवियत संघ ने 'स्पूतनिक' (Sputnik) सैटेलाइट 4 अक्टूबर, 1957 में भेजकर यह कीर्तिमान स्थापित किया।
- अंतरिक्ष में जाने वाला (सन् 1961 में) प्रथम व्यक्ति यूरी गागरिन (पूर्व सोवियत संघ) था।
- चंद्रमा पर कदम रखने वाला प्रथम व्यक्ति नील.ए. आर्मस्ट्रांग (अमेरिका) था। वह 20 जुलाई, 1969 को अपोलो-11 के साथ चंद्रमा पर उतरा था।
- अमेरिका एवं सोवियत संघ के मानव रहित अंतरिक्ष यानों का अंतरिक्ष में प्रथम सम्मेलन 17 जुलाई, 1975 में हुआ था।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पहले प्रवासी बिल शेफर्ड एवं यूरी गिडजेको थे।
- अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम महिला वेलेंटीना तेरेश्कोवा थी।
- अंतरिक्ष में जाने वाला प्रथम पर्यटक डेनिस टीटो था।
- रूसी अंतरिक्ष यात्री गेन्नादि पडाल्का ने जुलाई, 2015 में अंतरिक्ष में सर्वाधिक समय तक रहने का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इन्होंने यह उपलब्धि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर 804 के दिन के प्रवास के बाद हासिल की।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) विश्व की अनेक अंतरिक्ष एजेंसियों का एक संयुक्त उपक्रम है। यह पृथ्वी की सतह से लगभग 400 कि.मी. ऊपर स्थापित एक उपग्रह है।
- अंतरिक्ष में मानवयुक्त उड़ान भरनेवाला (15 अक्टूबर, 2003) एशिया का पहला देश चीन है।
- अमेरिका (USA) की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान की 50वीं वर्षगांठ 20 फरवरी, 2012 को मनाई गई।

- अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' (NASA) का पूरा विस्तार- 'नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (National Aeronautics & Space Administration) है।
- अमेरिका (USA) का उपग्रह प्रक्षेपण स्थल 'केप केनवरल कैंनेडी अंतरिक्ष केंद्र' है।
- विश्व के सबसे बड़े नागरिक दूरसंचार उपग्रह 'इंटेल्सेट-6' का प्रक्षेपण 28 अक्टूबर, 1989 को यूरोप के एरियान प्रक्षेपण वाहन से किया गया।
- अंतरिक्ष में 'हब्ल' दूरबीन को पृथ्वी की कक्षा में सन् 1990 में स्थापित किया गया था।
- पाकिस्तान ने 16 जुलाई, 1990 को अपना पहला उपग्रह 'बी.ए.डी.आर.-1 (BADR-1) सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित (चीन से) किया था।
- बैकानूर अंतरिक्ष केंद्र कजाकिस्तान में स्थित है।

### विश्व के प्रमुख देशों के प्रक्षेपण स्थल (एक दृष्टि में)

देश	प्रक्षेपण स्थल	प्रथम उपग्रह	प्रथम प्रक्षेपण तिथि
पूर्व सोवियत संघ (USSR) (वर्तमान रूस)	बैकानूर का स्मोड्म	स्पूतनिक 1	4 अक्टूबर, 1957
अमेरिका (USA)	केप केनवरल कैंनेडी अंतरिक्ष केंद्र	एक्सप्लोरर-1 अपोलो-4	31 अक्टूबर, 1958 9 नवंबर, 1967
फ्रांस (France)	हमागिर अंतरिक्ष केंद्र	ए-1 आस्तेनिक	26 नवंबर, 1965
जापान (Japan)	कागोशिमा अंतरिक्ष केंद्र तानेगाशिमा केंद्र	ओहसुगी	11 फरवरी, 1970 9 सितंबर, 1975
चीन (China)	झिनक्वान अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र	S.K.W-1	24 अक्टूबर, 1970
इटली (Italy)	सॉन मार्को केंद्र	सॉन मार्को-1	24 अप्रैल, 1967
स्वीडन (Sweden)	एजरेंज (किरूना)	-	-
भारत (India)	श्री हरिकोटा केंद्र (आंध्र प्रदेश)	रोहिणी R.S.1	10 अगस्त, 1979

- यूरोपीय स्पेस एजेंसी (EPA) का पहला मंगल मिशन 'बीगल-2' (Beegal-2) बैकानूर स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 1 जून, 2003 को प्रक्षेपित किया गया।
- संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) ने बृहस्पति ग्रह (Jupiter) की खोज हेतु 'गैलीलियो' नामक अंतरिक्ष यान 19 अक्टूबर, 1989 में भेजा था।
- 'गैलीलियो परियोजना', जो हाल ही में चर्चा में रही है, वह यूरोपीय संघ (EU) द्वारा विकसित की गई एक बहु उपग्रह संचालन परियोजना है।

- अमेरिका की अंतरिक्ष 'शटल' कोलंबिया की दुर्घटना 1 फरवरी, 2003 में हुई थी, जिसमें भारतीय मूल की कल्पना चावला सहित सात अंतरिक्ष यात्रियों की मृत्यु हो गई थी।
- नासा (NASA) द्वारा मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाओं की खोज हेतु 'फीनिक्स' का प्रक्षेपण सन् 2007 में केनवेरल स्थित प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।
- 'एटलांटिस' नासा द्वारा प्रक्षेपित अंतिम अंतरिक्ष यान था, जो 21 जुलाई, 2011 को फ्लोरिडा के केप केनवेरल से छोड़ा गया था।
- भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान की शुरुआत का श्रेय डॉ. विक्रम साराभाई को जाता है।
- भारतीय अंतरिक्ष (अनुसंधान) कार्यक्रम की शुरुआत सन् 1962 में हुई। इसी वर्ष (1962 में) 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति' का गठन किया गया। इस समिति के चेयरमैन/अध्यक्ष डॉ. विक्रम साराभाई थे।
- सन् 1969 में 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) का गठन किया गया। 'इसरो' का मुख्यालय बंगलौर (बेंगलुरु) में स्थित है।
- सन् 1972 में भारत सरकार ने 'अंतरिक्ष आयोग' (Space Dept.) का गठन किया।
- प्रथम भारतीय उपग्रह 'आर्यभट्ट' 19 अप्रैल, 1975 को अंतरिक्ष (Space) में भेजा गया था।
- अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय (सन् 1984 में) राकेश शर्मा थे।
- भारत अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला विश्व का 14वां राष्ट्र था तथा राकेश शर्मा विश्व के 138वें अंतरिक्ष यात्री थे।
- भारत का पहला तुल्यकालिक दूरसंचार उपग्रह 'इनसेट-1ए' (Insat-1A) था।
- अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की प्रथम महिला कल्पना चावला थी। वह नवंबर, 1997 में (सर्वप्रथम) 'नासा' के अंतरिक्ष मिशन पर अंतरिक्ष में गई थीं।
- अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला (अमेरिकी नागरिक) सुनीता विलियम्स हैं।
- अंतरिक्ष में सर्वाधिक दिन (लगभग 6 महीने) तक प्रवास तथा अंतरिक्ष प्रवास के दौरान मैराथन दौड़ में भाग लेने वाली पहली महिला अंतरिक्ष यात्री भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स हैं।
- भारत में निर्मित प्रथम उपग्रह प्रक्षेपण वाहन SLV-3 से जुलाई 1980 को श्री हरिकोटा प्रक्षेपण केंद्र से 'रोहिणी' उपग्रह को अंतरिक्ष में भेजा गया।
- भारत का पहला दूर संवेदी उपग्रह IRS-1A (सन् 1988) था।
- भारत के प्रमुख उपग्रह प्रक्षेपक हैं—SLV; ASLV; PSLV एवं GSLV
- वर्तमान में भारत के लगभग 20 उपग्रह कार्यरत हैं जिनमें प्रमुख हैं— इनसैट-2E, इनसैट-3A, इनसैट-3E, इनसैट-4A, जी सैट कल्पना-1, एडुसैट, इनसैट-4A, इनसैट-4B।
- भारत का प्रथम मौसम (सन् 2002) उपग्रह 'मैटसैट' (METSAT) (अब कल्पना-1) है।

- 20 सितंबर, 2004 को श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से (GGLV-FOI रॉकेट द्वारा) भारत में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए स्वदेश निर्मित शैक्षणिक उपग्रह 'एडूसैट' (Edusat) का सफल प्रक्षेपण किया गया।
- 5 मई, 2005 को श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से (PSLV-C6 रॉकेट द्वारा) देश के पहले मैपिंग सैटेलाइट 'कार्टोसैट' 1 तथा एक अन्य माइक्रो सैटेलाइट 'हैमसेट' (Hemset) का सफल प्रक्षेपण किया गया।
- आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा में स्थित 'श्री हरिकोटा स्पेस सेंटर' का नाम वर्ष 2002 में 'प्रो. सतीश धवन स्पेस सेंटर' किया गया।
- चंद्रमा के लिए भारत का पहला मिशन 'चंद्रयान-1' का सफल प्रक्षेपण श्री हरिकोटा स्थित 'सतीश धवन प्रक्षेपण केंद्र' (आंध्र प्रदेश) से 22 अक्टूबर, 2008 को किया गया। भारत विश्व का छठा ऐसा देश है, जो चंद्रमा के लिए यान भेजने में सफल हुआ।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का 100वां स्पेस मिशन (Space Mission) सितंबर 2012 में श्री हरिकोटा से छोड़ा गया था।
- 26 जुलाई, 2013 को मौसम संबंधी जानकारियों हेतु इसरो का इनसैट-3D (Insat-3D) उपग्रह का सफल प्रक्षेपण कोरू (फ्रेंच गुयाना) से किया गया।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने मंगल ग्रह की कक्षा में उपग्रह स्थापित करने के लिए 'मंगलयान' (Mars Orbitor Mission-MoM) का सफल प्रक्षेपण 5 नवंबर, 2013 को किया।
- भारत के मंगलयान (MoM) ने 24 सितंबर, 2014 को मंगल ग्रह की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश कर लिया। इसी के साथ अमेरिका, रूस एवं यूरोपीय संघ के पश्चात् भारत विश्व का चौथा ऐसा देश हो गया, जिसने मंगल ग्रह की कक्षा में या इसकी सतह पर अपना यान भेजने में सफलता प्राप्त की है।
- भारत के अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रमों के 50 वर्ष 21 नवंबर, 2013 को पूरे हुए। उल्लेखनीय है कि 50 वर्ष पूर्व पहली बार तिरुवनंतपुरम् के निकट थुम्बा से अमेरिका निर्मित रॉकेट का यह प्रक्षेपण 15 नवंबर, 1953 में किया गया था। यही स्थल बाद में 'TERLS' के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जिसे बाद में 'विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर' (VSSC) नाम दिया गया।
- मिसाइलमैन (Missile Man) के नाम से मशहूर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई, 2015 को हुआ। भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान SLV-3 के निर्माण में इनकी (कलाम की) महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।
- 7 अगस्त, 2015 को वैश्विक उपग्रह 'ग्लोबलसैट डी. आर. आर.' का नाम अब 'यूनाइटेड नेशंस कलाम ग्लोबलसैट' (United Nations Kalam Globalsat) रखा गया है।

## भारत द्वारा प्रक्षेपित उपग्रह

नाम	प्रक्षेपक	प्रक्षेपण तिथि	कार्य
जीसैट 30	एरियन-5 वी. ए. 251	17 जनवरी, 2020	संचार
रिसैट-2B R.1	PSLV-C48/ RISAT-2BR1	11 दिसम्बर, 2019	आपदा प्रबंधन प्रणाली, पृथ्वी का अवलोकन
कार्टोसैट-3	PSLV-C47	27 नवंबर, 2019	
चन्द्रयान-2	GSLV-MK-III	22 जुलाई, 2019	ग्रहों का अवलोकन
रिसैट-2B	PSLV-C46	22 मई, 2019	आपदा प्रबंधन प्रणाली, पृथ्वी का अवलोकन
जीसैट-31	एरियन-5VA-247	06 फरवरी, 2019	संचार
जीसैट-7A	GSLV-F11	19 दिसम्बर, 2018	संचार
जीसैट-11 मिशन	एरियन5VA-246	5 दिसम्बर, 2018	संचार
हाइसिस	PSLV-C43	29 नवंबर, 2018	पृथ्वी का अवलोकन
जीसैट-29	GSLV MK- III-D2	14 नवंबर, 2018	संचार
जीसैट-6A	GSLV-6A	29 मार्च, 2018	संचार
कार्टोसैट-2 शृंखला उपग्रह	PSLV-C40	12 जनवरी, 2018	भू-प्रेक्षण
आई. आर. एन. एस-1 एच.	PSLV-39	12 जनवरी, 2018	परीक्षात्मक
कार्टोसैट-2 शृंखला उपग्रह	PSLV-C38	23 जून, 2017	भू-प्रेक्षण
जीसैट-19	GSLV MK-III	5 जून, 2017	संचार
जीसैट-9	GSLV - F09	5 मई, 2017	संचार
आई एन एस-1B	PSLV-C37	15 फरवरी, 2017	परीक्षात्मक
आइ एन एस-1 ए	PSLV-C37	15 फरवरी, 2017	परीक्षात्मक
रिसोर्ससैट-2A	PSLV-C36	7 दिसम्बर, 2016	भू-प्रेक्षण
जीसैट-18	एरियन-5 VA-231	06 अक्टूबर, 2016	संचार
स्कैटसैट-1	PSLV-C35	26 सितम्बर, 2016	जलवायु और पर्यावरण
इन्सैट-3DR	PSLV-C35	26 सितम्बर, 2016	जलवायु और पर्यावरण, आपदा प्रबंधन प्रणाली
कार्टोसैट-2 शृंखला का उपग्रह	PSLV-C34	22 जून, 2016	भू-प्रेक्षण
आई. आर. एन. एस. एस.-1 जी	PSLV-C33	28 अप्रैल, 2016	नौवाहन

Contd...

आई.आर.एन.एस. एस.-1 एफ	PSLV-C32	10 मार्च, 2016	नौवाहन
आई. आर. एन. एस. एस.-1 ई.	PSLV-C31	20 जनवरी, 2016	नौवाहन
जीसैट-15	ऐरियन 5VA227	11 नवंबर, 2015	संचार और उपग्रह
एस्ट्रोसैट	PSLV-C30	28 सितम्बर, 2015	अंतरिक्ष विज्ञान
जीसैट-6	GSLV-D6	27 अगस्त, 2015	संचार
आइ. आर. एन.एस. एस.-1 डी	PSLV-27	28 मार्च, 2015	नौवाहन
जीसैट-16	ऐरियन 5VA	7 दिसम्बर, 2014	संचार
आइ. आर.एन.एस. एस-1C	PSLV-C26	10 नवंबर, 2014	नौवाहन
आइ. आर. एन. एस. एस.-1B	PSLV-24	4 अप्रैल, 2014	नौवाहन
जीसैट-14	GSLV-D5	5 जनवरी, 2014	संचार और उपग्रह
मंगल कक्षित मिशन अंतरिक्षयान	PSLV-C25	5 नवंबर, 2013	मंगलग्रह
जीसेट-7	एरियन-5VA-215	30 अगस्त, 2013	संचार
इन्सैट 3डी	एरियन-5VA-214	26 जुलाई, 2013	भू-प्रेक्षण, संचार
आइ. आर. एन. एस. एस.1A	PSLV-C22	01 जुलाई, 2013	भू-प्रेक्षण
सरल	PSLV-C20	25 फरवरी, 2013	भू-प्रेक्षण
जीसैट-10	एरियन-5VA-209	29 फरवरी, 2012	संचार
रिसैट-1	PSLV-C19	26 अप्रैल, 2012	भू-प्रेक्षण
मेघा ट्रॉपिक्स	PSLV-C18	12 अक्टूबर, 2011	संचार
रिसोर्ससैट-2	PSLV-C16	20 अप्रैल, 2011	भू-प्रेक्षण
जीसैट-5P	GSLV-F06	25 दिसम्बर, 2010	संचार
कार्टोसैट-2B	PSLV-C15	12 जुलाई, 2010	भू-प्रेक्षण
जीसैट-4	GSLV-D3	15 अप्रैल, 2010	संचार
ओशनसैट-2	PSLV-C14	23 सितम्बर, 2009	भू-संचार
रिसैट-2	PSLV-C12	20 अप्रैल, 2009	भू-प्रेक्षण
चंद्रयान-1	PSLV-C11	22 अक्टूबर, 2008	चंद्रमिशन
आई.एम. एस.-1	PSLV-C9	28 अप्रैल, 2008	भू-प्रेक्षण
कार्टोसैट-2A	PSLV-C9	28 अप्रैल, 2008	भू-प्रेक्षण
कार्टोसैट-2	PSLV-C7	10 जनवरी, 2007	भू-प्रेक्षण
इन्सैट-4C	GSLV-F02	10 जुलाई, 2006	संचार

हैमसेट	PSLV-C6	5 मई, 2005	संचार
कार्टोसेट-1	PSLV-C6	5 मई, 2005	भू-प्रेक्षण
एडुसैट	GSLV-F01	2. सितम्बर, 2005	संचार
आइ. आर.एस.-P6	PSLV-C5	17 अक्टूबर, 2003	भू-प्रेक्षण
इन्सैट-3E	एरियन-5	28 सितम्बर, 2003	संचार
जीसैट-2	GSLV-D2	08 मई, 2003	संचार
इन्सैट-3A	एरियन-5 V62	10 अप्रैल, 2003	संचार
कल्पना-1	PSLV-C4	12 सितम्बर, 2002	संचार
जीसैट-1	GSLV-D1	18 अप्रैल, 2001	संचार
इन्सैट-3B	एरियन-5G	22 मार्च, 2000	संचार
आई. आर एस P4 (ओशनसेट)	PSLV-C2	26 मई, 1999	भू-प्रेक्षण
इनसैट-2ई	एरियन-42P	3 अप्रैल, 1999	संचार
आई आर एस-1D	PSLV-C1/IRS-ID	27 सितम्बर, 1997	भू-प्रेक्षण
आई आर एस-P3	PSLV-D3	21 मार्च, 1996	भू-प्रेक्षण
आई आर एस-1C	मोलनिया	28 दिसम्बर, 1995	भू-प्रेक्षण
आई आर एस P2	PSLV-D2	15 अक्टूबर, 1994	भू-प्रेक्षण
आई आर एस-1E	PSLV-D1	20 सितम्बर, 1993	भू-प्रेक्षण
इन्सैट-2B	एरियन-4LH10+	23 जुलाई, 1993	संचार
इन्सैट-2A	एरियन-44LH10	10 जुलाई, 1992	संचार
आई आर एस -1B	वोस्तोक	29 अगस्त, 1991	प्रचालनीय सुदूर संवेदन/ पृथ्वी का अवलोकन, संचार
इन्सैट-1D	डेल्टा-4925	12 जून, 1990	संचार
इन्सैट-1C	एरियन-3	21 जुलाई, 1988	संचार
श्रोस-1	ASLV	24 मार्च, 1987	प्रायोगिक
इनसैट-1B	स्टॉल-[PAM-D]	30 अगस्त, 1983	संचार
इन्सैट-1A	डेल्टा	10 अप्रैल, 1982	संचार
भास्कर-II	सी-1 इंटरकॉसमॉस	20 नवंबर, 1981	प्रायोगिक सुदूर संवेदन
एप्पल	एरियन-1(U-3)	10 जून, 1981	संचार
रोहिणी आर एस डी-1	एस एल वी-3	31 मई, 1981	वैज्ञानिक
रोहिणी	SLV-3	18 जुलाई, 1980	पृथ्वी का सर्वेक्षण
भास्कर-I	इंटरकॉसमॉस	7 जून, 1979	पृथ्वी का सर्वेक्षण
आर्यभट्ट	इंटरकॉसमॉस	19 मार्च, 1975	वैज्ञानिक







## आविष्कार/खोजें (Inventions/ Discoveries)

- रेडियम का आविष्कार मैडम क्यूरी द्वारा किया गया था। मैडम क्यूरी मूल रूप से पोलैंड की वैज्ञानिक थीं, जिन्होंने बाद में फ्रांस की नागरिकता ग्रहण की। क्यूरी दो बार नोबेल पुरस्कार (वर्ष 1903 एवं 1911) जीतने वाली विश्व की प्रथम महिला बनीं।
- 'डायनामाइट' के आविष्कारक विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल (स्वीडन) थे। इनकी स्मृति में प्रतिवर्ष नोबेल पुरस्कार (छह क्षेत्रों में) दिए जाते हैं।
- वर्ष 1895 में वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन (जर्मनी) ने 'थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी' (सापेक्षता के सिद्धांत) का प्रतिपादन किया।
- वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग को 'आधुनिक युग का आइंस्टीन' कहा जाता है।
- माइकल फैराडे नामक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने विद्युत विश्लेषण के नियम का प्रतिपादन किया और विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- इटली के वैज्ञानिक गैलीलियो ने टेलीस्कोप का निर्माण/आविष्कार (वर्ष 1609 में) किया। गैलीलियो ने भौतिक विज्ञान के एक सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसके अनुसार 'गिरते हुए पिंडों की गति उसकी दूरी पर निर्भर करती है, न कि उनके भार पर'।
- सर आइजेक न्यूटन (वर्ष 1642-1727) ने गुरुत्वाकर्षण के नियमों (Gravity) की खोज की। न्यूटन द्वारा गति के तीन नियम प्रतिपादित किए गए।
- जेम्स वॉट (स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक) ने भाप के इंजन की खोज की थी।
- निकोलस कॉपरनिकस (1473-1543 ई.) पोलैंड देश के नक्षत्र शास्त्री थे, जिन्होंने सौरमंडल (Solar System) का पता लगाया था। इन्होंने 'खगोल विज्ञान का पिता' भी माना जाता है। कॉपरनिकस के अनुसार "सौरमंडल के केंद्र में सूर्य है और अन्य ग्रहों की भांति पृथ्वी भी सूर्य की परिक्रमा करती है।"
- 'ब्लैक होल्स' (Black Holes) के बारे में सर्वप्रथम जानकारी आइंस्टीन द्वारा दी गई थी।

विश्व के प्रमुख आविष्कारक एवं उनके आविष्कार (एक दृष्टि में)

आविष्कारक	आविष्कार
न्यूटन (1687)	गुरुत्वाकर्षण, गति के नियम
जेम्स वॉट (1764 ई.)	लोकोमोटिव इंजन/भाप का इंजन
चॉर्ल्स डार्विन (1859)	विकास का सिद्धांत
ए. आइंस्टीन (1895 ई.)	थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी
मैडम क्यूरी (1898)	रेडियम की खोज
चैडविक (1932)	न्यूट्रॉन की खोज
हर्ट्ज (1887)	विद्युत तरंगें
जी. मार्कोनी (1896)	रेडियो एवं वायरलैस टेलीग्राफी
जे.एल. बेयर्ड (1925)	टेलीविजन (जट)
एल्फ्रेड नोबेल (1862)	डायनामाइट
अलेक्जेंडर ग्राहम बेल (1876)	टेलीफोन एवं माइक्रोफोन
हेनरी फोर्ड (1851)	मोटर कार
हम्फ्री डेवी (1816)	सेफ्टी लैंप
फर्डिनेंड कैरे (1858)	रेफ्रिजरेटर
डब्ल्यू शोकले (1954)	ट्रांजिस्टर
गुटेनबर्ग (1455)	छापने/मुद्रण की कला
टोरीसेली (1644)	बैरोमीटर
थॉमस अल्वा एडीसन (1876)	इलैक्ट्रिक बल्ब
मैकमिलन (1842)	बाइस्क्वल
लुई सिवेस्टिन (1832)	पैराशूट
जे. थॉमसन (1897)	इलेक्ट्रॉन की खोज
आर.ए. वॉटसन (1919)	राडार
लोकियर (1861)	हीलियम गैस
लुई ब्रेल (1829)	ब्रेल लिपि
थॉमस कॉक (1847)	रबड़ टायर
सी.वी. रमन (1928)	रमन इफेक्ट (थ्योरी ऑफ क्रिस्टल्स)
हरगोविंद खुराना (1968)	जेनेटिक कोड एवं कृत्रिम जोन

- फोटोग्राफी (Photography) का आविष्कार कागज पर (1835 में) डब्ल्यू. एच. फॉक्स टालबॉल द्वारा किया गया, जबकि फोटोग्राफी का आविष्कार धातु पर (1826 ई.) जोसेफ नीप्से (फ्रांस) द्वारा किया गया।
- हेलीकॉप्टर के आविष्कारक डि एस्कैनियो इटली के थे। इन्होंने इसका आविष्कार वर्ष 1930 में किया।

302 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- जेनेरेटर का आविष्कार वर्ष 1860 में पिसिओटी (इटली) ने किया।
- लाउडस्पीकर (1924 ई.) के आविष्कारक चेस्टर डब्ल्यू. राइस एवं एडवर्ड डब्ल्यू. केलॉग (सं.रा. अमेरिका) थे।
- माचिस का आविष्कार वर्ष 1855 में लंडस्ट्रॉम (स्वीडन) ने किया।
- रिवाल्वर (1835 ई.) के आविष्कारक सैमुअल कोल्ट थे, जबकि मशीनगन (1861 ई.) के आविष्कारक रिचर्ड गैफिंग थे। यह दोनों अमेरिकी थे।
- राडार (1922 ई.) के आविष्कारक डॉ. अल्बर्ट एच. टेलर एवं लियो सी. यंग (सं. रा. अमेरिका) थे।
- प्रिंटिंग प्रेस (मुद्रण) के आविष्कारक जोहानेस गुटेनबर्ग (जर्मनी) थे। इन्होंने इसका आविष्कार वर्ष 1455 में किया।
- टाइपराइटर का आविष्कार वर्ष 1864 में पीटर मिट्टरहोफर (ऑस्ट्रिया) द्वारा किया गया।
- सेफ्टी पिन (1849 ई.) के आविष्कारक विलियम हंट (अमेरिका) थे।
- ट्रांसफार्मर (1842) के आविष्कारक विलियम स्टेनली जू. (सं. रा. अमेरिका) थे।
- हाथ की घड़ी (सेल्फ वाइंडिंग) के आविष्कारक अब्राहम लुईस बेगुप्ट (फ्रांस) थे। इसका आविष्कार इन्होंने वर्ष 1791 में किया था।
- महान् जीव वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन (1809-1882 ई.) के अनुसार मानव का विकास वानर समान पूर्वज से हुआ है। 'द ओरिजिन ऑफ स्पीसीज' इनकी प्रसिद्ध पुस्तक है।
- एलेक्जेंडर फ्लेमिंग (1881-1965 ई.) एक स्कॉटिश वैज्ञानिक थे, जिन्होंने प्रथम एंटीबायोटिक 'पेनीसिलिन' की (1928 में) खोज की। सन् 1945 में उन्हें इस खोज के लिए नोबेल पुरस्कार भी प्रदान किया गया।
- एडविन पावेल हब्ल (1889-1953) अमेरिकी खगोलविद् थे, जिन्होंने सबसे पहले ब्रह्मांड के अकल्पनीय आकार की खोज की थी।
- भौतिकविद् अर्नेस्ट रदरफोर्ड (1871-1937 ई.) ने परमाणु की संरचना की खोज की, जिससे नाभिकीय युग की शुरुआत हुई।
- अंग्रेज वैज्ञानिक जेम्स जूल (1818-1889 ई.) ने उष्मा के बारे में क्रांतिकारी नियम प्रतिपादित किए। ऊर्जा संरक्षण के नियमों (Law of Conservation of Energy) का प्रतिपादन इन्होंने ही किया। इन्हीं के नाम पर ऊर्जा की इकाई का नामकरण 'जूल' किया गया।
- जेम्स वाट (1736-1819 ई.) के नाम पर ही शक्ति की एक मापन इकाई का नाम 'वाट' रखा गया।
- जर्मन इंजीनियर रूडोल्फ डीजल (1858-1913 ई.) ने वर्ष 1893 में डीजल इंजन का आविष्कार किया था।
- रॉबर्ट कोच एक जर्मन जीवाणु विज्ञानी थे, जिन्होंने एंथ्रेक्स के टीके का आविष्कार किया।

- ग्रीक दार्शनिक पाइथागोरस (570-495 ई. पू) ने ज्यामिति में 'पाइथागोरस प्रमेय' की अवधारणा प्रस्तुत की।
- ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज (287-212 ई. पू) ने 'उत्प्लावन के सिद्धांतों' (Principles of Buoyancy) का प्रतिपादन किया। इन्होंने ही लिवर (Liver) के सिद्धांतों की खोज भी की।

## विश्व के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ( एक परिचय )

### निकोलस कॉपरनिकस ( 1473-1543 ई. )

कॉपरनिकस को आधुनिक 'खगोल विज्ञान का पिता' कहा जाता है। यह पोलिश मूल के खगोलशास्त्री थे, जिन्होंने सौर-मंडल (Solar System) का पता लगाया। सन् 1542 में इनकी पुस्तक 'कंसर्निंग द रिवील्यूशंस ऑफ हैवनली बॉडीज' प्रकाशित हुई। कॉपरनिकस ने टोलेमी के उस सिद्धांत का खंडन/विरोध किया, जिसमें उसने कहा था कि सौरमंडल के केंद्र में पृथ्वी स्थित है तथा अन्य ग्रह उसकी परिक्रमा करते हैं। कॉपरनिकस ने एक नया सिद्धांत दिया, जिसके अनुसार सौरमंडल के केंद्र में सूर्य है और अन्य ग्रहों की भांति पृथ्वी भी सूर्य की परिक्रमा करती है।

### गैलीलियो ( 1564-1642 ई. )

गैलीलियो इटली के वैज्ञानिक थे, इन्होंने टेलिस्कोप (दूरबीन) का आविष्कार किया। सन् 1610 में इनकी पुस्तक 'सिडरियस नरियस' प्रकाशित हुई, जिसमें इन्होंने भौतिक विज्ञान के एक सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसके अनुसार 'गिरते हुए पिंडों की गति उसकी दूरी पर निर्भर करती है, न कि उसके भार पर'।

### सर आइजक न्यूटन ( 1642-1727 ई. )

आइजक न्यूटन एक प्रसिद्ध अंग्रेज वैज्ञानिक थे, जिन्हें गुरुत्व (Gravity) शक्ति और गति के नियमों की खोज के लिए जाना जाता है। न्यूटन ने गति के तीन नियम प्रतिपादित किए। 'प्रिंसिपिया' इनकी प्रमुख पुस्तक है। न्यूटन को 'आधुनिक भौतिकी का जनक' भी माना जाता है।

### जेम्स वॉट ( 1736-1819 ई. )

जेम्स वॉट मूलतः गणित के उपकरणों के खोजकर्ता थे। जेम्स वॉट ने भाप के इंजन की खोज की थी। जेम्स वॉट स्कॉटलैंड के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।

### लुई ब्रेल ( 1809-1852 ई. )

लुई ब्रेल ने अंधे (Blind) लोगों के लिखने-पढ़ने के लिए एक नई पद्धति का आविष्कार किया, जिसे 'ब्रेल लिपि' कहा जाता है। लुई ब्रेल मूलतः फ्रांस (France) के एक अध्यापक थे, जो अंधों को पढ़ाते थे।

### चॉर्ल्स रॉबर्ट डार्विन ( 1808-1882 ई. )

चॉर्ल्स रॉबर्ट डार्विन ब्रिटिश जीव वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 'विकास का सिद्धांत' दिया। डार्विन की प्रमुख कृति 'ओरीजिन ऑफ स्पीसीज' है।

### **थॉमस एडिसन ( 1846-1930 ई. )**

थॉमस एडिसन एक अमेरिकी भौतिक शास्त्री थे, जिन्होंने विद्युत वल्ब, सिनेमैटोग्राफी आदि का आविष्कार किया।

### **हैनरिक हर्ट्ज ( 1857-1895 ई. )**

हर्ट्ज जर्मन भौतिक शास्त्री थे, जिन्होंने ध्वनि तरंगों को रेडियो तरंगों में रूपांतरित किया।

### **गुगुलैनी मार्कोनी ( 1822-1884 ई. )**

मार्कोनी इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे, जिन्होंने (सन् 1896 में) बेतार टेलीग्राफी का आविष्कार किया।

### **अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ( 1867-1935 ई. )**

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ब्रिटेन (UK) के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे, जिन्होंने टेलीफोन (Telephone) का आविष्कार किया।

### **मैडम मेरी क्यूरी ( 1867-1935 ई. )**

मैडम क्यूरी पोलैंड की वैज्ञानिक थीं, जिन्होंने बाद में फ्रांस की नागरिकता ग्रहण की। मैडम क्यूरी ने रेडियम की खोज की। मैडम क्यूरी दो बार नोबेल पुरस्कार जीतने वाली विश्व की पहली महिला बनीं। सर्वप्रथम सन् 1903 में हेनरी बेकेरूल के साथ संयुक्त रूप से इन्हें (विकिरण संबंधी खोज हेतु) भौतिक शास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया। वर्ष 1911 में इन्हें रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार भी मिला।

### **अलबर्ट आइंस्टीन ( 1879-1955 ई. )**

अलबर्ट आइंस्टीन एक प्रसिद्ध जर्मन भौतिकशास्त्री थे, इन्होंने 'सापेक्षता का सिद्धांत' दिया। आइंस्टीन ने ही ऊर्जा एवं द्रव्य में संबंध स्थापित करने वाला महत्वपूर्ण समीकरण ( $E = mc^2$ ) दिया था। आइंस्टीन को वर्ष 1921 में भौतिक विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

उल्लेखनीय है कि आइंस्टीन का दिमाग आज भी सुरक्षित रखा हुआ है, क्योंकि वैज्ञानिक इनके मस्तिष्क का परीक्षण करके यह जानना चाहते हैं कि उनका दिमाग क्यों इतना तेज था? आधुनिक युग का आइंस्टीन 'स्टीफन हॉकिंग' को माना जाता है।

### **अल्फ्रेड नोबेल ( 1833-1896 ई. )**

विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल का जन्म 21 अक्टूबर, 1833 को स्वीडन में हुआ था। नोबेल ने 'डायनामाइट' तथा 'बेलिस्टाइट' नामक दो विस्फोटकों का निर्माण किया था। 10 दिसंबर, 1896 को विस्फोट के परीक्षण के दौरान ही नोबेल की मृत्यु हो गई। नोबेल के संबंध में एक आश्चर्यजनक बात यह है कि इन्होंने जीवन भर विस्फोटकों के क्षेत्र में शोध कार्य किए, पर अपनी मृत्यु से पूर्व अपनी वसीयत शांति व सद्भावना के क्षेत्र में कार्य करने वालों को पुरस्कार (आगे चलकर नोबेल पुरस्कार कहलाया) देने वालों के लिए की।

**भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ( एक संक्षिप्त परिचय )**

वैज्ञानिक	संक्षिप्त परिचय
आर्यभट्ट (476-520 ई.)	आर्यभट्ट पांचवीं शताब्दी के सुविख्यात गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे, इन्होंने चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के काल में गणित संबंधी महत्वपूर्ण खोज करके भारत का सम्मान बढ़ाया।
डॉ. बीरबल साहनी	डॉ. बीरबल साहनी सुप्रसिद्ध वनस्पतिशास्त्री थे।
श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920 ई.)	रामानुजन आधुनिक युग के, गणित के सुविख्यात विद्वान् थे, इनका 'नंबर थ्योरी' में महत्वपूर्ण योगदान रहा।
डॉ. सी.वी. रमन (1888-1970 ई.)	डॉ. सी.वी. रमन भारत के विख्यात भौतिक वैज्ञानिक थे, जिन्हें वर्ष 1930 में 'रमन इफेक्ट' की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
डॉ. हरगोविंद खुराना (1922-2011 ई.)	डॉ. हरगोविंद खुराना को जेनेटिक कोड पर किए गए शोध कार्य के लिए (वर्ष 1968 में) नोबेल (चिकित्सा क्षेत्र में) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. हरगोविंद खुराना भारत के मूल निवासी थे, जिन्होंने बाद में अमेरिकी नागरिकता ग्रहण की थी।
डॉ. सुब्रमण्यम चंद्रशेखर (1910-1995 ई.)	डॉ. सुब्रमण्यम चंद्रशेखर को वर्ष 1983 में 'चंद्रशेखर सीमा' के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया। डॉ. चंद्रशेखर भी अमेरिकी नागरिकता प्राप्त भारतीय मूल के वैज्ञानिक थे।
डॉ. होमी जहांगीर भाभा (1909-1966)	डॉ. होमी जहांगीर भाभा को भारत में 'परमाणु ऊर्जा का जनक' माना जाता है। इन्होंने कॉस्मिक किरणों पर महत्वपूर्ण शोध कार्य किया। इनकी मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई।
डॉ. विक्रम साराभाई (1919-1971)	डॉ. विक्रम साराभाई भारत के अंतरिक्ष विज्ञान (Space Science) के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक रहे हैं। कॉस्मिक किरणों के अध्ययन में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।
डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन (1925-)	डॉ. स्वामीनाथन को भारतीय कृषि में 'हरित क्रांति' (Green Revolution) का जनक/पिता माना जाता है।
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (1931-2015)	डॉ. कलाम (मिसाइल मैन) को भारतीय प्रक्षेपास्त्रों/मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण भारतीय प्रक्षेपास्त्रों का जनक माना जाता है।

- जी. मार्कोनी ने रेडियो एवं वायरलेस टेलीग्राफी का आविष्कार किया था। मार्कोनी इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।
- टेलीविजन (Television) के आविष्कारक जे.एल. बेयर्ड थे। इन्होंने टेलीविजन का आविष्कार वर्ष 1925 में किया।

- अंधों की लिखने-पढ़ने वाली विधि (जिसे ब्रेल लिपि कहा जाता है) का आविष्कार लुई ब्रेल ने किया था।
- वर्ष 1851 में हेनरी फोर्ड ने मोटर कार (Motor car) का आविष्कार किया।
- हैनरिक हर्ट्ज (जर्मनी) ने ध्वनि तरंगों को रेडियो तरंगों में रूपांतरित किया। हर्ट्ज द्वारा (वर्ष 1887 में) विद्युत तरंगों का आविष्कार किया गया।
- ब्रिटेन के प्रसिद्ध वैज्ञानिक अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने टेलीफोन (Telephone) का आविष्कार (1876 ई. में) किया।
- वर्ष 1842 में मैकमिलन द्वारा बाइसाइकिल का आविष्कार किया गया, जबकि मोटरसाइकिल का आविष्कार 1848 में एडवर्ड बटलर द्वारा किया गया।
- भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. हरगोविंद खुराना ने 'जेनेटिक कोड' का आविष्कार किया। जेनेटिक कोड पर किए गए उनके शोध कार्य के लिए (वर्ष 1968 में) उन्हें नोबेल (चिकित्सा के क्षेत्र में) पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. सी.वी. रमन भारतीय मूल के ऐसे सर्वप्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्हें (वर्ष 1930 में) भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।
- ट्रांजिस्टर का आविष्कार डब्ल्यू. शोकले द्वारा (वर्ष 1854 में) किया गया था।
- प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी एवं ब्रह्मांडवेत्ता स्टीफन हॉकिंग की चर्चित पुस्तक 'द ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम' है।
- न्यूट्रॉन की खोज वर्ष 1932 में वैज्ञानिक चैडविक द्वारा की गई थी।
- इलेक्ट्रॉन की खोज वर्ष 1897 में जे. थॉमसन द्वारा की गई थी।
- लुई सिवेस्टिन एवं आंद्रे गार्नेरिन द्वारा (वर्ष 1797 में) पैराशूट का आविष्कार किया गया।
- ग्लाइडर (1853 ई.) के आविष्कारक सर जॉर्ज केले (इंग्लैंड) थे।
- रेफ्रिजरेटर का आविष्कार (वर्ष 1851 में) जेम्स हैरीसन (ऑस्ट्रेलिया) द्वारा किया गया था।
- फाउंटेन पेन (1884) के आविष्कारक लेविस ई. वाटरमैन (सं.रा. अमेरिका) थे।
- हाल ही में कुछ नास्तिकों एवं अंधविश्वासियों ने 25 दिसंबर को क्रिसमस दिवस के रूप में मनाने के बजाय 'न्यूटनमस दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया। उनके इस प्रस्ताव का कारण था कि, आइजेक न्यूटन का जन्म भी इसी दिन हुआ था।





## भाग 6: सूचना प्रौद्योगिकी

26. कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी
27. दूरसंचार







# कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी

## (Computer & Information Technology)

### कंप्यूटर: परिचय

- 'कंप्यूटर' (Computer) शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी के 'कंप्यूट' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है—गणना करना। 'कंप्यूटर' को हिंदी में 'संगणक' कहा जाता है।
- कंप्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो आंकड़ों को ग्रहण करती है, उनमें प्रोग्रामों के अनुसार हेर-फेर करती है तथा उन्हें पुनः प्राप्त करके उपयोगकर्ताओं को प्रदान करती है। संक्षिप्त में यह एक ऐसा यंत्र है, जो अत्यंत तीव्र गति से गणनाएं करने में सक्षम है।
- कंप्यूटर का पिता (Father of Computer) चार्ल्स बेबेज को कहा जाता है।
- प्रतिवर्ष विश्व भर में 'विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस' (World Computer Literacy Day) 2 दिसंबर को मनाया जाता है।
- विश्व में सर्वाधिक कंप्यूटरों वाला देश संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) है।
- कंप्यूटर में प्रयोग की जाने वाली आई.सी.चिप (IC-Chip) सिलिकॉन की बनी होती है। सिलिकॉन की परत चढ़ी इंटीग्रेटेड सर्किट चिप के विकास का श्रेय जे.एस. किल्वी को जाता है।
- कंप्यूटर की दुनिया में 'सिलिकॉन वैली' (Silicon Valley) काफी प्रचलित शब्द है। उल्लेखनीय है कि इस शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम डॉन हॉफलर ने (वर्ष 1971 में) अपने लेख 'इलेक्ट्रॉनिक न्यूज' में किया था।
- 'सिलिकॉन वैली' सेनफ्रांसिस्को की खाड़ी के किनारे स्थित है। सबसे पहली कंप्यूटर चिप बनाने वाली इंडस्ट्री यहीं स्थित है तथा विश्व भर की प्रमुख कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी (IT) से संबंधित कंपनियों के कार्यालय भी यहीं

**310 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में**

स्थित हैं। भारत में सिलिकॉन वैली बंगलौर (बेंगलुरु) (कर्नाटक) में स्थित है। यह भारत की सूचना प्रौद्योगिकी (IT) की राजधानी भी मानी जाती है।

- आई.पी. चिप्स द्वारा निर्मित प्रथम डिजिटल कंप्यूटर (Digital Computer) 'वेक्स-780' को माना जाता है।
- आधुनिक कंप्यूटर चतुर्थ पीढ़ी (Fourth Generation) के हैं।

**कंप्यूटर के भाग (Parts of Computer) (एक दृष्टि में)**

कंप्यूटर कई भागों से मिलकर बना होता है, जो इस प्रकार हैं:

- निवेश उपकरण (Input Device)- इसका उपयोग कंप्यूटर में डाटा एवं अनुदेशों का प्रवेश करने के लिए किया जाता है। यह निवेश उपकरण हैं-
  - की बोर्ड (Keyboard)।
  - सी. डी. रोम (CD Rom)।
  - चुंबकीय डिस्क (Magnetic Disk)
  - फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disk)।
  - ओ. सी. आर. (OCR)।
- निर्गत उपकरण (Output Device)- इसकी सहायता से सी.पी.यू. (CPU) के कार्यों को प्रदर्शित किया जाता है, यह इस प्रकार हैं-
  - कंप्यूटर स्क्रीन (Screen)
  - प्रिंटर (Printer)।
- केंद्रीय संसाधन इकाई (CPU)- यह भाग कंप्यूटर का मस्तिष्क (Brain) है। इसको इस प्रकार विभाजित किया जा सकता है-
  - नियंत्रक इकाई
  - स्मृति (Memory)
  - गणितीय तार्किक इकाई (Arithmetic Logic Unit)।

**कंप्यूटर की विभिन्न पीढ़ियां: एक दृष्टि में  
(Computer: Various Generations)**

पीढ़ी	अवधि	प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक घटक
प्रथम पीढ़ी	1940-52	इलेक्ट्रॉनिक ट्यूब
द्वितीय पीढ़ी	1952-64	ट्रांजिस्टर
तृतीय पीढ़ी	1964-71	आई. सी. (Integrated Circuit-IC)
चतुर्थ पीढ़ी	1971 से वर्तमान तक	एल. एस. आई. (LSI) वृहद् एकीकृत सर्किट

- इंटरनेट (Internet) न तो प्रोग्राम है, न ही सॉफ्टवेयर। यह एक ऐसा प्लेटफार्म या स्थल है, जहां से लोग विभिन्न प्रकार की सूचनाएं मुफ्त या कम खर्च में प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट एक ऐसा विश्वव्यापी (Worldwide) कंप्यूटर नेटवर्क है, जो दुनियाभर में फैला हुआ है।
- इंटरनेट की शुरुआत सर्वप्रथम अमेरिका (USA) में 'एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी' (ARPA) से वर्ष 1969 में ए. आर. पी. ए. नेट (ARPANet) के रूप में हुई। इंटरनेट ने 2 सितंबर, 2014 में अपने जन्म के 45 वर्ष पूर्ण किए हैं।
- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या की दृष्टि से (Users) भारत का (वर्ष 2013 में) विश्व में चौथा स्थान है। भारत में लगभग 13 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं।
- वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का प्रतिपादन एवं प्रथम वेबसाइट (Website) का निर्माण सर्वप्रथम टिम बर्नर्स ली (Tim Berners Lee) द्वारा वर्ष 1989-90 में किया गया था।
- ई-मेल (E-mail) इंटरनेट के द्वारा संचालित इलेक्ट्रॉनिक मेल सेवा है। ई-मेल का सर्वप्रथम विकास रे-टॉमिल्लसन द्वारा (वर्ष 1972 में) किया गया। ई-मेल सेवा सबसे पहले हॉटमेल (Hotmail) द्वारा शुरू की गई।
- याहू (Yahoo) की स्थापना (वर्ष 1994 में) जेरी यांग एवं डेविड फिलो द्वारा हुई। इसने वर्ष 1995 में कार्य करना प्रारंभ किया। यह इंटरनेट सर्च इंजन (Search Engine) के रूप में लोकप्रिय है। हाल ही में (वर्ष 2016 के अंत में) याहू को लगभग पांच अरब डॉलर में वेरीजॉन (अमेरिका की सबसे बड़ी वायरलेस सेवा प्रदान करने वाली कंपनी) ने खरीद लिया है।
- याहू (Yahoo) का विस्तृत नाम है-'Yet Another Hierarchical officious Oracle'.
- गूगल (Google), जो इंटरनेट सर्च इंजन के रूप में लोकप्रिय है, की स्थापना वर्ष 1998 में (अमेरिका में) सगई ब्रिन एवं लैरी पेज (Larry Page) के द्वारा हुई।
- गूगल कंपनी ऑनलाइन सॉफ्टवेयर; जैसे- जी-मेल (G-mail) ईमेल सेवा और सोशल नेटवर्किंग सेवा 'आर्कुट' (Orkut), 'यू-ट्यूब' (YouTube) एवं हाल में ही प्रारंभ 'गूगल+' (Google+) प्रदान करती है।
- इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी गूगल ने 10 अगस्त, 2015 को भारतीय मूल के सुंदर पिचई को अपना सी. ई. ओ. (CEO) (लैरी पेज के स्थान पर) नियुक्त किया।
- नेटवर्किंग कंपनी 'सिस्को' के अनुसार जहां वर्ष 2013 में इंटरनेट से जुड़े उपकरणों की संख्या दुनिया की आबादी की तरह 7 अरब के पार हो गई, वहीं वर्ष 2020 तक इंटरनेट से जुड़े उपकरणों की संख्या 50 अरब तक हो जाने का अनुमान है।

312 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 'बैंडविड्थ' (Bandwidth) से तात्पर्य किसी संचार माध्यम की सूचना वहन करने की क्षमता से है। इंटरनेट से सूचना तक पहुंचने में लगने वाला समय इस बात पर निर्भर करता है कि प्रयोक्ता के पास बैंडविड्थ क्या है। बैंडविड्थ की माप डिजिटल संकेतों हेतु बिट प्रति सेकेंड में होती है और ध्वनि के लिए हर्ट्ज (Hertz) में होती है।
- 'ब्लूटूथ' (Bluetooth) बेतार (Wireless) संचार के लिए एक प्रोटोकॉल है। ब्लूटूथ किसी भी माहौल में विभिन्न तरीकों से किसी व्यक्तिगत अनुप्रयोगों के लिए केबल बिछाने का प्रतिस्थापन है। वाई.-फाई. स्थिर उपकरण एवं उसके अनुप्रयोगों के लिए नियत है।
- 'वाई.-फाई' (WiFi) एक पारंपरिक इंटरनेट नेटवर्क है। वाई.-फाई ब्लूटूथ (Bluetooth) की तरह ही समान रेडियों आवृत्तियों का उपयोग करता है।
- 'वाई.-फाई' के बाद हाल ही में वैज्ञानिकों ने 'लाई-फाई' (LiFi) नामक एक नई तकनीक की खोज की है। लाई-फाई उच्च तकनीक पर आधारित 'आप्टिकल वायरलेस सिस्टम' (Optical Wireless System) है।

**प्रमुख डोमेन नेम (एक दृष्टि में)**

gov	सरकारी ऑर्गेनाइजेशन
edu	एक एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन
com	एक कॉमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन
net	एक नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन
org	कोई अन्य ऑर्गेनाइजेशन
jobs	रोजगार से संबंधित इंफॉर्मेशन
mil	एक मिलिट्री ऑर्गेनाइजेशन
coop	नॉन-प्रॉफिट बिजनेस को-ऑपरेटिव
name	व्यक्ति विशेष
aero.biz	एयर ट्रांसपोर्ट बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन
travel	ट्रैवल के बारे में इंफॉर्मेशन
int	एक इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन
info	इंफॉर्मेशन/सूचना साइट, जो किसी व्यक्ति विशेष से संबंधित हो।

- हर 10 वर्ष में वायरलेस (Wireless) में नई इंटरनेट सेवा लांच की जाती रही है (एक परंपरा के अंतर्गत)। 1 जी (First Generation) सेवा जहां वर्ष 1981 में वहीं 4 जी (4G) सेवा वर्ष 2011 में काम करने लगी थी।
- हाल ही में दक्षिण कोरिया ने डेढ़ अरब डॉलर के निवेश से 5 जी (5G) इंटरनेट सेवाओं के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2020 तक

वायरलेस 5 जी इंटरनेट सेवा अस्तित्व में आ जाएगी। यह 5 जी सेवा मौजूदा 4 जी के मुकाबले न सिर्फ कई गुना तेज, बल्कि स्मार्ट और इंटेलीजेंट होगी।

**‘जी’ ( एक दृष्टि में )**

जी	लांच/वर्ष	गति	विशेष
1 जी (फर्स्ट जनरेशन नेटवर्क सर्विस)	1981	2.4 KBPS	एनलॉग आधारित उत्पाद गति काफी धीमी।
2 जी (सेकेंड जनरेशन नेटवर्क सर्विस)	1991	64 KBPS	2 जी में 750 Mb की फिल्म 1280 मिनट में डाउनलोड।
3 जी (थर्ड जनरेशन नेटवर्क सर्विस)	2001	2000 KBPS	3 जी में वीडियो कॉलिंग और वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा।
4 जी (फोर्थ जनरेशन नेटवर्क सर्विस)	2011	10,000 KBPS	4 जी के जरिए 800 Mb की फिल्म 40 सेकेंड में डाउनलोड।
5 जी (फिफ्थ जनरेशन नेटवर्क सर्विस)	2020-21 (प्रस्तावित)	4 जी के मुकाबले 1,000 गुना तेज	5 जी से 90% ऊर्जा की बचत होगी एवं 7 अरब लोग इसके जरिए जुड़ेंगे। इसमें जीरो डाउनलोड टाइम लगेगा।

- कंप्यूटर का आधार बाइनरी (Binary) संख्या पद्धति होती है। बिट (Bit) कंप्यूटर की सबसे छोटी इकाई है। बाइट (Byte) को कंप्यूटर की स्टैंडर्ड इकाई माना जाता है। एक बाइट 8 बिट्स के बराबर होती है। वही 1024 बाइट (Byte) मिलकर एक किलोबाइट बनता है।
- सन् 2000 में कंप्यूटर क्षेत्र में जो समस्या आने वाली थी, Y2K (वाई-टू-के.) [हालांकि अब यह समस्या नहीं रही] Y2K यानी ‘ईयर टू थाउजेण्ड’ (कंप्यूटर में K थाउजेण्ड को कहा जाता है)/वर्ष दो हजार की समस्या।
- कंप्यूटर के दिमाग (Brain) के रूप में सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (CPU) को जाना जाता है।
- लैपटॉप (Laptop) एक प्रकार का वैयक्तिक कंप्यूटर होता है। इसे गोद में रखकर कार्य कर सकते हैं, इसलिए इसे ‘लैपटॉप कंप्यूटर’ कहते हैं।
- ‘पर्सनल कंप्यूटर’ (PC) एक ऐसा कंप्यूटर तंत्र होता है, जो विशेष रूप से व्यक्तिगत अथवा छोटे समूह के द्वारा प्रयोग में लाया जाता है। इन कंप्यूटरों को बनाने में माइक्रो प्रोसेसर मुख्य रूप से सहायक होते हैं, इसलिए इनको माइक्रो कंप्यूटर कहते हैं।
- विश्व में सबसे सस्ता टैबलेट (Tablet) पी. सी. ‘आकाश’ को माना जाता है। विद्यार्थियों को बेहद रियायती मूल्य पर टैबलेट पी. सी. (छोटा लैपटॉप) उपलब्ध

कराने की एच.आर.डी. मंत्रालय की महत्वाकांक्षी परियोजना (आकाश) का शुभारंभ तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल ने 5 अक्टूबर, 2011 को नई दिल्ली में किया।

- 'व्यापक क्षेत्र नेटवर्क' अर्थात् 'वैन' (Wide Area Network-WAN) एक ऐसा नेटवर्क है, जिसके कार्यस्थलों के बीच इतनी दूरी हो कि संकेत भेजने हेतु तार लगाना असंभव कार्य हो तथा सैटेलाइट, टेलीफोन जैसी व्यवस्था का सहारा लेना जरूरी हो। इस तरह के नेटवर्क को 'व्यापक क्षेत्र नेटवर्क' (WAN) कहते हैं।
- 'स्थानीय नेटवर्क' अर्थात् 'लैन' (LAN-Local Area Network) एक ऐसी परस्पर संबद्ध कंप्यूटर की प्रणाली होती है, जिसमें एक-दूसरे के ससाधनों में साझेदारी की जाती है। स्थानीय नेटवर्क में नेटवर्क प्रणाली का होना आवश्यक होता है।
- 'द थर्ड वेव' (The Third Wave) नामक पुस्तक के लेखक एल्विन टॉफ्लर हैं। इस पुस्तक में उल्लेख है कि पहली लहर (First Wave) कृषि क्रांति थी और दूसरी लहर (Second Wave) औद्योगिक क्रांति थी। इस पुस्तक में तीसरी लहर 'सूचना प्रौद्योगिकी' (IT) को माना जाता है।
- आई.टी. के क्षेत्र में दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) फरवरी 2014 में भारतीय मूल के सत्या नडेला को नियुक्त किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट के 38 वर्षों के इतिहास में बिल गेट्स एवं स्टीव बाल्मर के बाद इसके सी.ई.ओ. बनने वाले वह तीसरे व्यक्ति हैं।
- माइक्रोसॉफ्ट ने 23 फरवरी, 2015 को अपना नया ऑपरेटिंग सिस्टम (Operating System-OS) 'विंडोज-10' (Windows 10) लॉन्च किया है।
- 'स्काईप' (Skype) एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (Software Application) है, जो प्रयोगकर्ताओं को इंटरनेट पर वॉइस कॉल (Voice Call & Chat over the Internet) करने की अनुमति देता है। वर्ष 2011 में माइक्रोसॉफ्ट (MS) ने 8.5 अरब डॉलर में 'स्काईप' का अधिग्रहण किया।
- 'एप्पल इंक' (Apple Incorporation) सं.रा.अमेरिका की एक प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह अपने कंप्यूटर हॉर्डवेयर आई पॉड (iPod वर्ष 2001 में लांच); आई पैड (iPad वर्ष 2010); आई.फोन (iPhone वर्ष 2007) एवं मैकिन्तोश या मॅक (iMac सर्वप्रथम वर्ष 1984 में लांच) के लिए प्रसिद्ध है।
- 'विकिपीडिया' (Wikipedia) की शुरुआत 15 जनवरी, 2001 को जिमी वेल्स तथा लारी सानगेर द्वारा हुई। यह इंटरनेट आधारित एक निःशुल्क विश्वकोश (free Encyclopedia in Internet) है। यह विकिपीडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित होता है।

- वर्ष 2006 में जुलियन असांजे नामक व्यक्ति ने 'विकिलीक्स' नामक वेबसाइट की स्थापना की थी। यह (विकिलीक्स), एक ऐसी वेबसाइट है, जो संवेदनशील दस्तावेजों को प्रकाशित करती है।
- जिस प्रकार इंटरनेट में विश्व के सभी कंप्यूटर जुड़े होते हैं, वैसे ही यदि किसी कंपनी या संस्थान विशेष के कंप्यूटर आपस में एक-दूसरे से जुड़े हैं तथा इंटरनेट तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, तब ऐसे नेटवर्क को 'इंट्रानेट' (Intranet) कहते हैं। इसके दो रूप हैं, एक 'लोकल एरिया नेटवर्क' (LAN) तथा दूसरा 'वाइड एरिया नेटवर्क' (WAN)।
- 'ई-कॉमर्स' (E-commerce) का अर्थ होता है इंटरनेट पर व्यापार करना। वस्तुओं एवं सेवाओं को इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त करना/बेचना ई-कॉमर्स कहलाता है। बैंकिंग, ई-बिजनेस तथा ई-शॉपिंग आदि ई-कॉमर्स के ही भाग हैं।
- 'साइबर स्पेस' (Cyber Space) को "सूचना राजमार्ग" (Information Highway) भी कहा जाता है। यह सूचना का सुपर हाइवे है। यह वह परिकल्पित आकाश (स्थान) है, जिसमें कंप्यूटर, उसमें भरी सूचनाएं एवं इन सूचनाओं का परिवहन तंत्र शामिल है।
- भारत में 'परम श्रेणी' के सुपर कंप्यूटर (Super Computer) का विकास 'सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटरिंग' द्वारा किया गया।
- वर्ष 2013 में समाचारों की सुखियों में रहा विश्व का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर 'तिअन्हे-टू' (Tianhe-2) चीन ने बनाया है।
- सुपर कंप्यूटर के लिए शब्द लम्बाई की परास (Range) 64 बिट तक होती है।
- 'आई.बी.एम.' (IBM) का पूर्णरूप है 'इंटरनेशनल बिजनेस मशीन'।
- 'सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम' (IT Act, 2000) की धारा 66A को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाली मानते हुए 24 मार्च, 2015 को सर्वोच्च न्यायालय ने इस धारा को असंवैधानिक घोषित किया है। उल्लेखनीय है कि यह धारा वेबसाइट पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार देती है।

## प्रमुख सोशल साइट्स (Social Sites/Media)

- 'सोशल मीडिया' (Social media) वेब (Web) पर आधारित एक ऐसा माध्यम है, जिसमें वेब तकनीकों का प्रयोग करके एक कम्युनिटी बनाने एवं यूजर (Users) द्वारा निर्मित घटकों का आदान-प्रदान किया जाता है।



316 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्तमान में प्रमुख सोशल नेटवर्किंग साइट्स (Social media) हैं- फेसबुक (Facebook); ट्विटर (Twitter); ऑर्कुट (Orkut); यूट्यूब (YouTube); लिंक्ड इन (Linked in) इत्यादि।
- फेसबुक को सोशल मीडिया का सबसे मुखर/प्रमुख रूप कहा जाता है।
- वर्तमान में फेसबुक सबसे अधिक यूजर्स (Facebook Users) वाली तथा सबसे लोकप्रिय साइट है।
- वर्तमान में फेसबुक पर सबसे अधिक यूजर्स (Facebook Users) की संख्या 2 अरब (200 करोड़) से भी अधिक हो गई है। 29 जून, 2017 को फेसबुक यूजर्स की संख्या 2 अरब के आंकड़े को पार कर गई है।
- फेसबुक की स्थापना वर्ष 2004 में मार्क जुकरबर्ग (Mark Zuckerberg) द्वारा की गई थी।
- वर्ष 2018 तक विश्व में सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या 245 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है।
- 21 फरवरी, 2014 को फेसबुक ने लोकप्रिय मैसेजिंग सेवा 'व्हाट्स एप' (WhatsApp) का अधिग्रहण किया है।

**सोशल मीडिया/साइट्स का वर्गीकरण**

सोशल नेटवर्किंग साइट्स	फेसबुक, ऑर्कुट, माइस्पेस।
माइक्रो ब्लॉगिंग	ट्विटर।
वीडियो शेयरिंग	यू-ट्यूब, स्काईप।
फोटो शेयरिंग	फ्लिकर (Flicker)।
ब्लॉग प्लेटफॉर्म	ब्लॉग स्पॉट (Blog Spot)।
बुकमार्किंग	स्टम्बल अपॉन।

- ट्विटर (Twitter) सेवा इंटरनेट पर (वर्ष 2006 में) जैक डोर्सी द्वारा प्रारंभ की गई।
- ट्विटर में लगभग 140 अक्षरों तक पाठ्य आधारित पोस्ट (Text Post) होते हैं।
- ट्विटर एक मुक्त सोशल नेटवर्किंग साइट एवं सूक्ष्म ब्लॉगिंग (Microblogging) सेवा है।
- ऑर्कुट (Orkut) का प्रारंभ वर्ष 2004 में हुआ था। यह गूगल समूह द्वारा संचालित होती है। यह भी प्रमुख सोशल साइट है।
- यू-ट्यूब (YouTube) की स्थापना वर्ष 2005 में हुई थी। वर्तमान में यह गूगल इंक (Google Inc.) की सहायक कंपनी है।





# दूरसंचार (Telecommunication)

- विद्युत अथवा प्रकाशीय संकेतों का प्रयोग करके किसी भी तरह की जानकारी (चाहे वह डाटा, ग्राफ, ध्वनि, फोटो व फैक्स में हो) को भेजना व प्राप्त करना 'दूरसंचार' (Telecommunication) कहलाता है। यह जानकारी तार, केबल, फाइबर अथवा वायु के माध्यम से भेजी जा सकती है।
- दूरसंचार साधनों की विकास यात्रा कबूतर से चलकर टेलीग्राफ (Telegraph); टेलीप्रिंटर (Teleprinter); टेलेक्स (Telex); फैक्स (Fax); टेलीफोन (Telephone); रेडियो पेजिंग/टी.वी. (TV) से आगे बढ़कर कंप्यूटर उपग्रहों (Computer Satellites) तक पहुंच चुकी है।
- प्रतिवर्ष 17 मई को विश्व भर में 'विश्व दूरसंचार दिवस' (World Telecommunication Day) के रूप में मनाया जाता है।
- सन् 1983 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय संचार वर्ष' के रूप में मनाया गया।
- 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार उपग्रह संगठन' (INTELSAT) की स्थापना सन् 1964 में विश्व व्यापी व्यापार उपग्रह व्यवस्था के नियंत्रण एवं उसके निष्पादन हेतु की गई। इंटेल्सेट (INTELSAT) का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. (USA) में स्थित है।
- 'नई विश्व सूचना संचार व्यवस्था' (New World Information Communication Order, NWICO) की मांग सन् 1970 के दशक से प्रारंभ हुई। इससे संबंधित यूनेस्को (UNESCO) ने एक आयोग 'मैकब्राइड आयोग' (1977 में) गठित किया।
- 'टेलीप्रिंटर' (Teleprinter) का आविष्कार फ्रांसीसी वैज्ञानिक एमिल बोडार ने सन् 1874 में किया था। टेलीप्रिंटर टाइप किए गए संदेशों को किसी दूरस्थ स्थान पर तार अथवा रेडियो तरंगों द्वारा भेजने का एक आधुनिक यंत्र है।

318 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- 'टेलेक्स' (Telex) टेलीप्रिंटर एक्सचेंज का ही संक्षिप्त रूप है। यह टेलीप्रिंटर, टेलीग्राफ एवं टेलीफोन का मिश्रित रूप है। यह संदेश को दूरस्थ स्थान तक भेजने का एक प्रचलित तरीका है।
- 'टेलीटेक्स्ट' (Teletext) प्रणाली जनसंचार की आधुनिकतम प्रणाली है। इस प्रणाली की शुरुआत सन् 1977 में बी.बी.सी. (British Broadcasting Corp, BBC) ने की थी।
- 'टेलीकॉन्फ्रेंस' (Teleconference) का अर्थ है- दूरसंचार साधनों के माध्यम से दो या दो से अधिक स्थानों पर तीन या इससे अधिक लोगों का आपस में विचार-विनिमय करना।
- टेलीकॉन्फ्रेंस के तीन प्रकार होते हैं एक, कंप्यूटर कॉन्फ्रेंस (Computer Conference) दूसरा, वीडियो कॉन्फ्रेंस (Video Conference) तीसरा, ऑडियो कॉन्फ्रेंस (Audio Conference)।

#### अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ: (एक दृष्टि में)

#### (International Telecommunication Union, ITU)

• अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) की स्थापना सन् 1865 में 'अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ संघ' के रूप में हुई।
• सन् 1934 में इसका नाम बदलकर 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' किया गया।
• 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' को सन् 1947 में यू.एन.ओ. (UNO) का विशिष्ट अभिकरण/एजेंसी (Specialized Agency) बनाया गया।
• सन् 2016 तक 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' के कुल सदस्य देशों की संख्या 193 थी।
• 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' का प्रमुख महासचिव (General Secretary) होता है।
• अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ का सर्वोच्च प्रशासन तंत्र 'प्लेनिपोटेंशनली कॉन्फ्रेंस' (Plenary Conference) है, जिसकी चार वर्ष में एक बार बैठक होती है।
• यह 46 सदस्यीय 'प्रशासनिक परिषद' को चुनती है, जो प्रमुख दूरसंचार नीतियों पर प्रतिवर्ष अपनी बैठक में विचार करती है।
• 'अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ' (ITU) का मुख्यालय जेनेवा (Switzerland) में स्थित है।

- 'टेलीग्राफ' (Telegraph) का आविष्कार सन् 1837 में सैम्युअल मोर्स (USA) ने किया था। यह संदेश भेजने की ऐसी प्रणाली है, जिसमें तारों का प्रयोग किया जाता है, इसलिए इसे 'तार यंत्र' भी कहा जाता है।
- भारत में पहली टेलीग्राफ लाइन कलकत्ता (कोलकाता) और डायमंड हार्बर के बीच सन् 1851 में प्रारंभ की गई थी।

- 'टेलीफोन' (Telephone) का आविष्कार अमेरिकी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर ग्राहम बेल द्वारा सन् 1876 में किया गया। 'टेलीफोन' ग्रीक भाषा का एक शब्द है। टेली का अर्थ है 'दूर' और फोन का अर्थ है 'ध्वनि'। इस प्रकार टेलीफोन का तात्पर्य है ध्वनि को दूर तक भेजना।
- वर्तमान में टेलीफोन में विभिन्न प्रणालियां प्रचलित हैं, जिनमें प्रमुख हैं एस.टी.डी. (STD); आई.एस.डी. (ISD); कॉर्डलेस; पेजर; इंटरकॉम; सेल्युलर एवं मोबाइल फोन (Mobile) आदि।
- एस.टी.डी. (STD) 'सबस्क्राइबर ट्रंक डॉयलिंग' (अंतरराज्यीय टेलीफोन सेवा) का संक्षेप है। एस.टी.डी. के माध्यम से देश के किसी भी कोने में संदेशों का आदान-प्रदान किया जा सकता है।
- 'आई.एस.डी.' (ISD) से तात्पर्य है 'इंटरनेशनल सबस्क्राइबर ट्रंक डॉयलिंग' अर्थात् अंतरराष्ट्रीय कॉल डॉयलिंग द्वारा संपर्क। जहां एस.टी.डी. (STD) सुविधा के द्वारा केवल राष्ट्र के अंतर्गत ही संपर्क स्थापित किया जा सकता है, वहीं विदेश में रहने वाले लोगों से संपर्क करने के लिए आई.एस.डी. (ISD) सुविधा अनिवार्य होती है।
- मोबाइल फोन (Mobile) के आविष्कारक डॉ. मार्टिन कूपर को माना जाता है। दूरसंचार के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला सेलफोन/मोबाइल फोन 4 अप्रैल 2013 को पूरे 40 साल का हो गया। इसी दिन वर्ष 1973 में डॉ. मार्टिन कूपर द्वारा इसका आविष्कार किया गया था।
- भारत में 'मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी' (Mobile Number Portability) योजना का शुभारंभ सर्वप्रथम हरियाणा के रोहतक जिले में 25 नवंबर, 2010 को किया गया। बाद में यह सुविधा पूरे देश में उपलब्ध कराई गई। इस सुविधा के तहत मोबाइल नंबर बदले बिना ही सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी बदली जा सकती है।
- भारत में मोबाइल फोन प्रदाता कंपनियों की कुल संख्या 10 से भी अधिक है। 'भारती एयरटेल' (Airtel) निजी क्षेत्र की पहली तथा विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है।
- 'एंड्रॉइड' (Android), लिनक्स (Linux) पर आधारित मोबाइल फोन सॉफ्टवेयर स्टैक है। एंड्रॉइड फोन सर्वप्रथम 23 सितंबर, 2008 को रिलीज किया गया। एंड्रॉइड का विकास मूल रूप से गूगल (Google) ने किया है। गूगल के इस ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) ने स्मार्टफोन को नया मुकाम दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।
- अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' (Microsoft) ने 3 सितंबर, 2013 में मोबाइल हैंडसेट बनाने वाली (फिनलैंड की) मशहूर नोकिया (Nokia) कंपनी को (5 अरब यूरो में) खरीदने का सौदा किया है।

320 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

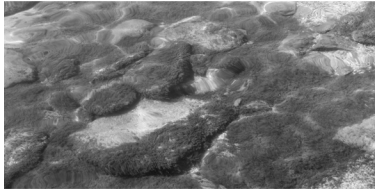
- विश्व में सर्वप्रथम आई.बी.एम. (IBM) मोबाइल कंपनी ने 'स्मार्टफोन' (Smartphone) को लांच किया था।
- यू.एन.डी.पी. (यू.एन. विकास कार्यक्रम, UNDP) के अनुसार विश्व में प्रति हजार व्यक्तियों पर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की सर्वाधिक संख्या लक्जेंमबर्ग में है।
- विश्व में, फिनलैंड (यूरोपीय देश) 1 जुलाई, 2010 को ब्रॉडबैंड सेवा (Broadband) को मूल अधिकार घोषित करने वाला विश्व का पहला देश बना है।
- माइक्रोफोन (Microphone) विद्युतीय संकेत उत्पन्न करने वाला एक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र है। यह एक प्रकार का डायफ्राम (Diaphragm) होता है। ध्वनि ग्रहण करने के लिए रेडियो एवं टी.वी. में इसका प्रयोग किया जाता है।
- 'ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम' (GPS) एक ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम है, जो यू.एन.ओ. (UNO) की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तैयार किया जाता है।
- जी.पी.एस. (GPS) और जी.पी.आर.एस. सिस्टम (GPRS) में अंतर होता है। जनरल पैकेज रेडियो सर्विस (GPRS), एक मोबाइल डाटा सर्विस होती है। मोबाइल सेवा प्रदान करने वाली विभिन्न कंपनियां इसकी मदद से डाटा ट्रांसफर का कार्य करती हैं।
- भारत में दूरसंचार विभाग (Telecommunication Department) के अंतर्गत कई संगठन शामिल हैं जैसे- आई.टी.आई.एल. (ITIL); एच.टी.एल. (HTL); टी.सी.आई.एल. (TCIL); एम.टी.एन.एल. (MTNL); वी.एस.एन.एल. (VSNL) एवं बी.एस.एन.एल. (BSNL) आदि।
- 'इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लि.' (ITIL) की स्थापना वर्ष 1948 में बंगलौर (बंगलुरु) में हुई थी। यह लगभग हर प्रकार के दूरसंचार उपकरण बनाती है। यह भारत सरकार द्वारा स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र का सर्वप्रथम उपक्रम है।
- 'हिंदुस्तान टेलीप्रिंटर्स लि.' (HTL) की स्थापना वर्ष 1960 में (चेन्नई में) टेलीप्रिंटरों और आनुषांगिक उपकरणों के विनिर्माण हेतु की गई।
- 'टेलीकम्युनिकेशन कंसलटेंट्स इंडिया लि.' (TCIL) की स्थापना वर्ष 1978 में हुई। यह दूरसंचार से संबंधित कई सेवाएं प्रदान करती है जैसे-ट्रांसमिशन प्रणालियां; ग्रामीण दूरसंचार सेल्युलर सेवा एवं ऑप्टिकल फाइबर आधारित नेटवर्क आदि।
- 'महानगर टेलीफोन निगम लि.' (MTNL) की स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी। यह टेलीफोन, मोबाइल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, रेडियो पेजिंग, डाटा संचार आदि सेवाएं प्रदान करता है।

- 'विदेश संचार निगम लि.' (VSNL) की स्थापना भी वर्ष 1986 को ही हुई थी। यह बाह्य सेवाएं जैसे— टेलीफोन; टेलेक्स; टेलीग्राम (बंद); टेलीकॉन्फ्रेंस एवं प्रेस न्यूज आदि सेवाएं लगभग पचास से अधिक देशों में उपलब्ध कराता है।
- 'भारत संचार निगम लि.' (BSNL) की स्थापना वर्ष 2000 में की गई। यह भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक उपक्रम है तथा शत-प्रतिशत भारत सरकार के स्वामित्व वाला उपक्रम है।
- 'ट्राई' (TRAI) का पूरा विस्तार है 'टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (Telecom Regulatory Authority of India, TRAI)।
- 'सिम कार्ड' (Sim Card) 'Subscriber Identity Module Card' का संक्षिप्त रूप है। यह मोबाइल संचार हेतु सार्वभौमिक प्रणाली (GSM) में प्रयोग हेतु बनाया गया है। इसमें एक चिप (Chip) होती है, जिसमें वैयक्तिक जानकारी, बिल, फोन नंबर आदि की संक्षिप्त जानकारी होती है।
- वॉकी-टॉकी (Walkie-Talkie) वायर रिकॉर्डर यंत्र होता है, जो संवाद-संप्रेषण का सुगम माध्यम है।
- 'इंटरकॉम' (Intercom) टेलीफोन के अंतर्गत मुख्य टेलीफोन से अन्य टेलीफोन जुड़े होते हैं, जिससे व्यक्ति को मुख्य टेलीफोन के पास उठकर आने की जरूरत नहीं पड़ती।
- भारत में पोस्ट ऑफिस (Post Office) को प्रथम बार 1 अक्टूबर, 1854 में डायरेक्टर जनरल के संयुक्त नियंत्रण के अंतर्गत मान्यता मिली। 1 अक्टूबर, 2004 को डाक विभाग की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण हुए।
- 1 दिसंबर, 1877 से वी.पी.पी. (Value Payable Post) के द्वारा अंतर्देशी पार्सल भेजने की व्यवस्था प्रारंभ की गई।
- 9 अक्टूबर, 1874 को 22 देशों के प्रतिनिधियों ने बर्न (Switzerland) में 'सामान्य डाक प्रसविदा' (General Post Convention) पर हस्ताक्षर कर 'सामान्य डाक संघ' की स्थापना की। सन् 1878 में इसका नाम बदलकर 'सार्वभौम डाक संघ' (Universal Postal Union, UPU) किया गया।
- भारत में सन् 1972 से 'पिन कोड' (Postal Index Number-PIN) व्यवस्था को अपनाया गया। इस व्यवस्था में डाक पर एक छह अंकीय संख्या (पिन) लिखी जाती है, पिन का प्रथम अंक 'डाक सूचक मंडल' (Postal Index Zone) को इंगित करता है।
- भारत डेढ़ लाख से भी अधिक डाकघरों (Post Offices) के साथ विश्व में सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है, जिसमें नब्बे प्रतिशत डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।
- डाक विभाग द्वारा 'स्पीड पोस्ट सेवा' (Speed Post Service) की शुरुआत 1 अगस्त, 1986 में की गई।

322 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- भारतीय डाक विभाग ने सितंबर 2008 में अपने वर्षों पुराने प्रतीक चिह्न को बदलकर नए प्रतीक चिह्न को अपनाया, साथ ही भारतीय डाक की नई पंच लाइन 'डाक सेवा जनसेवा' निर्धारित की गई।
- देश का पहला 'महिला डाकघर' मार्च 2013 में शास्त्री भवन, नई दिल्ली में स्थापित किया गया।
- 14 जुलाई, 2013 से भारतीय डाक की टेलीग्राम (Telegram) सेवा (अंततः 163 वर्षों के बाद) बंद कर दी गई। उल्लेखनीय है कि भारत में टेलीग्राम सेवा सर्वप्रथम सन् 1850-51 में शुरू हुई थी।
- वर्ष 2016 के अंत तक भारत में टेलीफोन कनेक्शनों की कुल संख्या 103.6 करोड़ तथा भारत में टेलीडेंसिटी (प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या) 82.83 हो गई थी।
- वर्तमान में भारत टेलीफोनों की संख्या के आधार पर विश्व में (चीन एवं अमेरिका के बाद) तीसरा सबसे बड़ा दूरसंचार नेटवर्क वाला देश है।





## भाग 7: पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता

28. पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता







# पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जैव-विविधता (Environment, Ecology and Bio-Diversity)

- हमारे चारों ओर का वातावरण (Atmosphere), जो हमें एवं अन्य जीवधारियों को प्रभावित करता है, पर्यावरण कहलाता है।
- 'पारिस्थितिकी तंत्र' (Eco system) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग (वर्ष 1935 में) ए. जॉर्ज टेन्सले द्वारा किया गया था।
- प्रतिवर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- प्रतिवर्ष 3 अक्टूबर को 'विश्व प्रकृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- अंटार्कटिक संधि पर 12 राष्ट्रों ने 1 दिसंबर, 1959 को वाशिंगटन डी.सी. (USA) में हस्ताक्षर किए। यह संधि 23 जून, 1961 को लागू हुई।
- सन् 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में 'पृथ्वी सम्मेलन' आयोजित हुआ, इस सम्मेलन में 'एजेंडा 21' (Agenda-21) नामक कार्यक्रम स्वीकार किया गया।
- ग्लोबल वार्मिंग (Global Warming) से संबंधित 'क्योटो प्रोटोकॉल संधि' पर 11 दिसंबर, 1997 में हस्ताक्षर हुए। यह संधि 16 फरवरी 2005 से लागू हुई।
- प्रतिवर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस' 16 सितंबर को मनाया जाता है।
- मनुष्य, अन्य जीवधारियों एवं वनस्पतियों की इकाई को 'पारिस्थितिकी तंत्र' (Ecology) कहते हैं।
- 'ग्रीन हाउस' गैसों के उत्सर्जन में विश्व में अमेरिका (USA) का सर्वाधिक योगदान है।
- भारत में 'जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम' वर्ष 1974 में लागू हुआ।
- भारत में 'वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम' 1981 में लागू हुआ।
- 'पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम' वर्ष 1986 में पारित हुआ।

## पर्यावरण से संबंधित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन/NGO

### प्रकृति के संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संघ (International Union for Conservation of Nature, IUCN)

- 'आइ.यू.सी.एन.' (IUCN: International Union for Conservation of Nature) की स्थापना वर्ष 1948 में की गई। यह यू.एन.ओ. (UNO) तथा अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए विश्व वन्यजीव कोष (WWF) के कार्यों के साथ समन्वय स्थापित कर वैज्ञानिक रूप से संरक्षण तकनीक को बढ़ावा देता है।
- वर्ष 1969 से इस संस्था द्वारा विलुप्त जाति एवं दुर्लभ जीवों एवं पादपों की सूची 'रेड डाटा बुक' (Red Data Book) में जारी है।
- IUCN की 'रेड लिस्ट' (Red List) विश्व की जैव-विविधता के स्वास्थ्य का एक प्रमुख सूचक है। इसे 'रेड डाटा' (Red Data) भी कहा जाता है।
- यह श्रेणियाँ हैं: विलुप्त (Extinct); वन विलुप्त (Extinct); घोर संकटग्रस्त (CR); संकटग्रस्त (EN); असुरक्षित (VU); संकट-निकट (WT); संकटमुक्त (LC) एवं आंकड़ों का अभाव (DD) इत्यादि।
- प्रकृति के संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) का मुख्यालय ग्लैंड (Gland, Switzerland) में स्थित है।

### प्रकृति हेतु विश्वव्यापी कोष (WWF)

- प्रकृति हेतु विश्वव्यापी कोष (WWF) की आधिकारिक रूप से स्थापना वर्ष 1961 में ज्यूरिख (Switzerland) में एक चेरिटी के रूप में हुई, इसे पहले 'विश्व वन्य जीव कोष' (WWF) के नाम से जाना जाता था।
- सन् 1986 में 'विश्व वन्य जीव कोष' का नाम बदलकर 'प्रकृति हेतु विश्वव्यापी कोष' (World Wide Fund for Nature-WWF) किया गया।
- डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. (WWF) प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय मुद्दों को प्रकाश में लाता है।
- डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. (WWF) द्वारा प्रतिवर्ष 'Earth Hour' (मार्च के अंतिम शनिवार को रात 8.30 से 9.30 तक 1 घंटे का) का आयोजन किया जाता है।
- '1000 क्लब' (1000 Club) का संबंध प्रकृति हेतु विश्वव्यापी कोष से संबंधित है।
- डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. (WWF) का प्रतीक चिह्न (पशु चिह्न) 'व्हाइट पांडा' है।
- 'प्रकृति हेतु विश्वव्यापी कोष' (WWF) का मुख्यालय प्लांड (स्विट्जरलैंड) में स्थित है।

### संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UN Environment Programme-UNEP)

- यू.एन. ई. पी. (UNEP) एक ऐसी संस्था है, जो पर्यावरण और इससे संबंधित मामलों के प्रति अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित की गई है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र (UN) महासभा द्वारा की गई थी।
- यू. एन. ई. पी. (UNEP), एकमात्र ऐसी विशिष्ट (यू.एन. की) संस्था है, जिसका मुख्यालय एक विकासशील देश केन्या की राजधानी नैरोबी में स्थित है।
- वर्तमान में इस संस्था के विश्व के लगभग 800 से अधिक गैर-सरकारी संगठनों (NGO's) से संबंध हैं।

### **UNEP के प्रमुख कार्य**

- पर्यावरण संबंधी जानकारी एकत्रित व प्रसारित करना।
- पर्यावरण की रक्षा हेतु किए जा रहे प्रयासों को नेतृत्व प्रदान करना।
- सरकारों को तकनीकी, कानूनी और संस्थागत परामर्श उपलब्ध कराना।
- पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित प्रौद्योगिकी की जानकारी के आदान-प्रदान की व्यवस्था करना।
- UNEP पर्यावरण पर 'ग्लोबल एनवायरन्मेंट आउटलुक-3' (GEO-3) नामक रिपोर्ट प्रकाशित करता है।
- यू. एन. ई. पी. की 58 सदस्यीय परिषद् होती है, जो यू.एन.ओ. (UNO) की आर्थिक और सामाजिक परिषद् के माध्यम से महासभा के अधीन काम करती है।

### **ग्रीन पीस (Green Peace)**

- 'ग्रीनपीस' की स्थापना वर्ष 1971 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संगठन के रूप में की गई है।
- 'ग्रीनपीस' अपने उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष व अहिंसक प्रदर्शनों का सहारा भी लेता है।
- 'ग्रीनपीस' अपने अभियान के लिए समुद्री जहाज 'रेनबो वारियर' का प्रयोग करता है।
- 'ग्रीनपीस' का मुख्यालय एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) में स्थित है।

### **अन्य प्रमुख पर्यावरण ( वैश्विक ) संगठन/संस्था**

- 'इंटर-गवर्नमेंटल पैनेल ऑन क्लाइमेट चेंज' (IPCC), 1998 में गठित।
- 'अर्थ वॉच' (Earth Watch) वर्ष 1985 में स्थापित हुआ। यह ऑक्सफोर्ड में स्थित है।
- 'फ्रेंड्स ऑफ द अर्थ' (Friends of the Earth), वर्ष 1993 में स्थापित हुआ।
- पर्यावरण सुरक्षा हेतु विश्व स्तर पर कार्य करने के लिए एक विश्व परिषद् बनाने हेतु प्रयासरत् संगठन/संस्था 'ग्रीन क्रॉस इंटरनेशनल' (Green Cross International) वर्ष 1993 में (स्विट्जरलैंड) स्थापित हुआ।

### **पर्यावरण संरक्षण हेतु ( यू. एन. ओ. द्वारा किए गए ) प्रमुख सम्मेलन (Summit)**

#### **मानवीय पर्यावरण पर 'स्टॉकहोम सम्मेलन' ( 1972 )**

- मानव के लिए शुद्ध एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए विश्व स्तर पर कई प्रयास किए जाते रहे हैं, जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम स्टॉकहोम में 5 जून, 1972 को

328 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

‘मानव पर्यावरण सम्मेलन’ का आयोजन यू.एन.ओ. (UNO) के तत्वावधान में आयोजित हुआ है।

- इसे ‘शुद्ध व स्वच्छ वातावरण के अधिकारों का मैगनाकार्टा’ भी कहा जाता है।
- इस सम्मेलन के फलस्वरूप ही यू. एन. पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की नींव पड़ी।

**पर्यावरण एवं विकास पर ‘पृथ्वी सम्मेलन’ (Earth Summit), 1992**

- 3 से 14 जून, 1992 तक ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो में यू.एन.ओ. (UNO) के तत्वावधान में विश्व के सभी पर्यावरण सचेतक देशों का शिखर सम्मेलन ‘पृथ्वी सम्मेलन’ के नाम से संपन्न हुआ।
- यह सम्मेलन वर्ष 1972 के स्टॉकहोम में पर्यावरण पर हुए यू.एन. सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर हुआ था।

**ग्लोबल वार्मिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (क्योटो) 1997**

- पृथ्वी को बढ़ते तापमान से बचाने के लिए दिसंबर 1997 में जापान के शहर क्योटो में ‘ग्लोबल वार्मिंग सम्मेलन’ संपन्न हुआ।
- इस सम्मेलन में 11 दिसंबर, 1997 को ‘क्योटो संधि’ (Kyoto Protocol) पर हस्ताक्षर किए गए।
- यह संधि विकासशील देशों के लिए बाध्यकारी नहीं है।
- ‘क्योटो संधि’ 16 फरवरी, 2005 को लागू हुई।

**सतत विकास (Sustainable Development) पर विश्व सम्मेलन (जोहान्सबर्ग), 2002**

- वर्ष 1992 में रियो डी जेनेरियो में हुए ‘पृथ्वी सम्मेलन’ में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा के लिए 10 वर्ष पश्चात् (दूसरा पृथ्वी सम्मेलन के नाम से चर्चित) सतत विकास पर यू.एन. सम्मेलन 26 अगस्त-4 सितंबर, 2002 को दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में आयोजित हुआ।
- पर्यावरण की सुरक्षा करते हुए सतत विकास को प्राप्त करना इस सम्मेलन का प्रमुख विषय था।

**यू.एन. जलवायु समझौता सम्मेलन (मांट्रियल), 2005**

- पृथ्वी के बढ़ते तापमान को कम करने के लिए यू.एन. जलवायु समझौता सम्मेलन कनाडा के मांट्रियल शहर में 10-12 दिसंबर, 2005 में संपन्न हुआ।
- इस सम्मेलन में ग्रीन हाउस गैसों के सन्दर्भ में क्योटो संधि के निर्धारित लक्ष्यों पर औपचारिक सहमति जताई गई।

**जलवायु परिवर्तन पर यू.एन. सम्मेलन (बाली), 2007**

- ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के मामले में विश्वव्यापी सहमति कायम करने के उद्देश्य से यू.एन. के तत्वावधान में वैश्विक सम्मेलन इंडोनेशिया के बाली द्वीप में 3-14 सितंबर, 2007 में संपन्न हुआ।

### जलवायु परिवर्तन पर यू.एन. सम्मेलन ( कानकुन ), 2010

- यू.एन. के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन पर (COP-16 Session of Conference of Parties) सम्मेलन मैक्सिको के कानकुन में 29 नवंबर-10 दिसंबर, 2010 को संपन्न हुआ।
- इस सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि थी; सौ अरब डॉलर के 'ग्रीन क्लाइमेट फंड' (Green Climate Fund) पर सहमति बनाना।

### यू.एन. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ( पेरिस समझौता ), 2015

- ग्लोबल वार्मिंग पर अंकुश लगाने हेतु यू.एन. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (UN Climate change Conference) 2015 पेरिस (फ्रांस) में 30 नवंबर-12 दिसंबर, 2015 को संपन्न हुआ।
- यह सम्मेलन जलवायु परिवर्तन पर 1992 के 'संरचना सम्मेलन' (UNFCCC) के लिए दलों की बैठक (COP-Conference of Parties) का 21वां वार्षिक सत्र (COP-21) था। साथ ही वर्ष 1997 के क्योटो प्रोटोकॉल के लिए दलों की बैठक का (CMP-11) 11वां सत्र था।  
पेरिस समझौते के प्रमुख बिंदु थे—
- 'पेरिस समझौता' विकासशील देशों की अनिवार्यताओं को स्वीकार करता है जबकि क्योटो प्रोटोकॉल (1997) संधि विकासशील देशों के लिए बाध्य नहीं थी।
- यह समझौता वर्ष 2020 में लागू होगा।

## जैव-विविधता (Bio-Diversity)

- भारत का सबसे पहला 'बायो रिजर्व' (Bio Reserve) नीलगिरि में (वर्ष 1986 में) स्थापित किया गया था।
- जैव-विविधता (Bio-Diversity) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग (1961-70 के दशक में) ई.ओ. विल्सन द्वारा किया गया था। इन्हें ही 'जैव-विविधता का पिता' भी कहा जाता है।
- भारत में सर्वाधिक जैव-विविधता शांत घाटी में पाई जाती है।
- भारत का पूर्वी हिमालय क्षेत्र जैव-विविधता का प्रमुख स्थल है। साथ ही पूर्वी व पश्चिमी घाट भी जैव-विविधता के स्थल हैं।
- जैव-विविधता के तीन स्तर हैं—आनुवंशिकी, प्रजातियां एवं पारितंत्र।
- 'जैव-विविधता संधि' (Bio-Diversity Treaty) वर्ष 1993 में लागू हुई थी।
- जैव-विविधता को वर्तमान में सबसे बड़ा खतरा पर्यावरण के नष्ट होने से है।
- विश्व में ब्राजील देश के वनों में सर्वाधिक 'जैव-विविधता' पाई जाती है।
- भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों को 'जैव-विविधता का द्वार' की संज्ञा भी दी जाती है।
- भारत में सर्वप्रथम एक समुद्री सैंचुअरी, जिसकी सीमाओं के अंतर्गत प्रवाल भित्तियां (Coral Reefs), मोलस्का (Mollusca), डॉल्फिन (Dolphins) तथा अनेक प्रकार के समुद्री पक्षी चिल्का झील में पाये जाते हैं।
- विश्व में 'पृथ्वी दिवस' (Earth Day) 23 अप्रैल को मनाया जाता है।

भारत के आरक्षित जैवमंडलीय क्षेत्र-(Reserved Bio Diversity/Reserve)				
	नाम	वर्ष	राज्य	क्षेत्रफल ( कि.मी. )
1.	नीलगिरि भारत का प्रथम Bio Reserve	1986	तमिलनाडु, केरल व कर्नाटक	5520
2.	नंदा देवी	1988	उत्तराखंड	6500
3.	नोकरैक	1988	मेघालय	818
4.	ग्रेट निकोबार	1989	अंडमान एवं निकोबार	885
5.	मन्नार की खाड़ी	1989	तमिलनाडु	10,500
6.	सुंदरवन	1989	प. बंगाल	9630
7.	मानस	1989	असम	-
8.	सिमलीपाल	1994	उड़ीसा (ओडिशा)	4372
9.	देहांग देवांग	1998	अरुणाचल प्रदेश	5110
10.	पंचमढ़ी	1999	मध्य प्रदेश	4926
11.	कंचनजंगा	2000	सिक्किम	2619
12.	अगस्त्या मलाई	2001	तमिलनाडु व केरल	3500
13.	अमरकंटक	2005	मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़	3835
14.	कच्छ का रन (ग्रेटर)	2008	गुजरात	12,452
15.	कोल्ड डेजर्ट	2009	हिमाचल प्रदेश	7,700
16.	शेषाचलम	2010	आंध्र प्रदेश	4,755
17.	पन्ना	2011	मध्य प्रदेश	2,996

### प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान (National Parks): महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत का सर्वप्रथम राष्ट्रीय उद्यान 'कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान' (National Park) है।
- 'कार्बेट राष्ट्रीय पार्क' उत्तराखंड में स्थित है। इसकी स्थापना वर्ष 1936 में हुई थी।
- 'कंचनजंगा राष्ट्रीय पार्क' (सिक्किम) को वर्ष 2016 में यूनेस्को (UNESCO) ने मिश्रित स्थल की श्रेणी में विश्व विरासत सूची में शामिल किया है।
- कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान की जलवायु उष्णकटिबंधीय से उपोष्ण तथा शीतोष्ण में परिवर्तित होती है।
- भारत का सबसे बड़ा 'बोटनिकल गार्डन' कलकत्ता (कोलकाता) में स्थित है।
- 'काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क' भारत के असम (असोम) राज्य में स्थित है। इस पार्क को यूनेस्को ने प्राकृतिक स्थल की सूची में वर्ष 1985 में सम्मिलित किया था।
- भारत के बंगलौर (बंगलुरु) शहर को 'उद्यान सिटी' (Garden City) के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत का पहला तितली उद्यान (Butterfly Park) 'बानेदघट्टा जैविक उद्यान', बंगलौर (बंगलुरु) में स्थित है।

- विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय उद्यान भारत के मणिपुर राज्य में 'कईबुल लैम्जबो' उद्यान है।

## भारत के प्राकृतिक स्थल एवं यूनेस्को

- भारत के निम्न प्राकृतिक स्थल, जिन्हें यूनेस्को ने (UNESCO) ने 'विश्व विरासत सूची' में सम्मिलित किया है—
  - काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, असम (असोम), (वर्ष 1985 में सम्मिलित)
  - केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, भरतपुर (राजस्थान) (1985)
  - मानस वन्यजीव अभ्यारण्य, असम (असोम) (1985)
  - सुन्दरवन राष्ट्रीय पार्क, पं. बंगाल (1987)
  - नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क, चमोली, उत्तराखंड (1988)
  - पश्चिमी घाट (सहयाद्री पर्वत), केरल (2012)
  - ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (2014)

## राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (National Green Tribunal, NGT)

- 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण' (NGT) का गठन राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत किया गया है।
- पर्यावरण संबंधी मामलों की सुनवाई के लिए, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण 18 अक्टूबर, 2010 में अस्तित्व में आया।
- सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति लोकाेश्वर सिंह पांडा को न्यायाधिकरण का प्रमुख (वर्ष 2010) में बनाया गया। वर्ष 2012 के अंत में इसका अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार को बनाया गया है।
- इस नवगठित न्यायाधिकरण को उच्च न्यायालय (High Court) का दर्जा दिया गया है।
- 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण' का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- इस न्यायाधिकरण के अस्तित्व में आने से पूर्व कार्यरत 'नेशनल एन्वायरमेंट एपीलेट अथॉरिटी' को अब समाप्त कर दिया गया है।

## गंगा-यमुना को 'जीवित इंसान' (Living Human Entity) का दर्जा: सर्वोच्च न्यायालय की रोक

- 20 मार्च, 2017 को उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्य में गंगा-यमुना नदियों, इनकी सभी उपनदियों व इनके प्रवाहित जल को 'जीवित मानव' का दर्जा प्रदान किया था, साथ ही इनके संरक्षण हेतु इनके वैधानिक माता-पिता की नियुक्ति भी मार्च, 2017 के फैसले में की थी।
- इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने उच्च न्यायालय के (20 मार्च के) फैसले पर रोक 7 जुलाई, 2017 में लगाई है।



## अंटार्कटिक

- अंटार्कटिक महाद्वीप (Antarctic) को 'विज्ञान के लिए समर्पित महाद्वीप' भी कहा जाता है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप को 'सफेद महाद्वीप' एवं 'गतिशील महाद्वीप' के उपनाम से भी जाना जाता है।
- अंटार्कटिक का सही अर्थ है, आर्कटिक (Arctic) का उलटा।
- अंटार्कटिक की खोज कैप्टन जेम्स कुक ने विश्व भ्रमण के दौरान (सन् 1773-75 में) की थी।
- अंटार्कटिक महाद्वीप का लगभग 98 प्रतिशत भाग हमेशा बर्फ (Ice) से ढका रहता है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप विश्व के लगभग 10 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से अंटार्कटिक विश्व का पांचवां महाद्वीप है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप में सरीसृप नहीं पाए जाते हैं।
- विश्व के लगभग 70 प्रतिशत स्वच्छ जल (Clean water) को अंटार्कटिक के दो स्थानों, आइस कैंप एवं आइस सीट ने समेट रखा है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप का प्रयोग केवल शांतिमय उद्देश्यों के लिए किए जाने हेतु 'अंटार्कटिक संधि' (Antarctic Treaty), जिसे 'वाशिंगटन संधि' भी कहा जाता है, सन् 1959 में 12 देशों के बीच हुई थी।
- अंटार्कटिक संधि 23 जून, 1961 से लागू हुई थी।
- भारत ने अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर सन् 1983 में किए थे।
- अंटार्कटिक का एकमात्र बर्फ-मुक्त क्षेत्र पाल्मर है।
- अंटार्कटिक का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी एर्ब्रुस है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप का सबसे बड़ा स्तनधारी जीव व्हेल है।
- अंटार्कटिक की मुख्य मछली क्रिल है, जो प्रोटीन की दृष्टि से बहुत अच्छी है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप में विश्व का 90 प्रतिशत मीठा एवं ताजा जल विद्यमान है।
- अंटार्कटिक महाद्वीप में सोने, चांदी, हीरे एवं यूरेनियम आदि के विशाल भंडार विद्यमान हैं।
- अंटार्कटिक में लगभग छह महीने दिन और छह महीने रात रहती है।
- अंटार्कटिक का सर्वोच्च पर्वत शिखर मैसिफ पर्वत है, जिसकी ऊंचाई 5,140 मीटर है।
- अमेरिका के अंटार्कटिक पर स्थापित शोध (Research) केंद्र स्टेशन हैं—पाल्मर, सिप्ले, मैक मर्डो तथा एमंडसन स्कॉट।
- अंटार्कटिक पर सर्वाधिक अनुसंधान (Research) केंद्र (स्टेशन) रूस (Russia) के हैं।
- ब्रिटेन (UK) के अंटार्कटिक पर स्थित अनुसंधान केंद्र हैं—फैराडे, हेली, एवं रोथेरा।
- दक्षिण अफ्रीका का अंटार्कटिक पर स्थित शोध केंद्र 'सेनल' नाम से है।
- नार्वे (Norway) का अंटार्कटिक पर स्थापित अनुसंधान केंद्र पीटर आई.वाई. (Peter I.Y.) नाम से है।
- अंटार्कटिक पर स्थापित शोध केंद्र 'आर्कटोवास्को' पोलैंड देश का है।

- अंटार्कटिक में भारत ने कुल तीन स्टेशन (शोध केंद्र) स्थापित किए हैं।
- अंटार्कटिक में भारत ने पहला अनुसंधान केंद्र/स्टेशन 'दक्षिण गंगोत्री' (सन् 1984 में) स्थापित किया था।
- भारत ने अंटार्कटिक में अपना दूसरा शोध केंद्र सन् 1993 में स्थापित किया था।
- भारत का अंटार्कटिक में दूसरा शोध केंद्र 'मैत्री' था।

**अंटार्कटिक पर स्थापित शोध केंद्र (एक दृष्टि में)**

<b>रूस</b>	1. मिर्नी
	2. लेनिनग्रादस्वया
	3. वोस्टोक
	4. बेलिंगशॉसेन
	5. मोलोडेजनया
	6. नोबोलेपरेवस्वया
<b>अर्जेंटीना</b>	1. अल्मेट ब्राउन
	2. गल एस. मार्टिन
	3. एस्पेरैजा
	4. टी मैरिंजो
	5. वको मेराबियो
<b>ब्रिटेन</b>	1. फ़ैराडे
	2. हेली
	3. रोथेरा
<b>संयुक्त राज्य अमेरिका</b>	1. पाल्मर
	2. सिप्ले
	3. मैक मर्डो
	4. एमंडसन स्कॉट
<b>ऑस्ट्रेलिया</b>	1. डेविस
	2. मावसन
	3. कैसी
<b>न्यूजीलैंड</b>	स्कॉट
<b>द.अफ्रीका</b>	सेनल
<b>फ्रांस</b>	ड्युमांट डी उर्विले
<b>नार्वे</b>	पीटर आई.वाई.
<b>जापान</b>	1. मिजुहो
	2. सियोवा
<b>भारत</b>	1. दक्षिण गंगोत्री
	2. मैत्री
	3. भारती

- अंटार्कटिक में भारत का तीसरा अनुसंधान केंद्र 'भारती' है। 'भारती' की स्थापना (सन् 2012 में) अंटार्कटिका के लार्सेमैन हिल (Larseman Hills) क्षेत्र में की गई है।
- भारत द्वारा अंटार्कटिक पर स्थापित तीसरा अनुसंधान केंद्र 'भारती' कई विषयों पर शोध कार्य करता है; जैसे— जलवायु परिवर्तन, भूकंपी गतिविधियां एवं औषधि आदि। इस 'भारती' केंद्र का सेवाकाल 25 वर्ष निर्धारित किया गया है।
- अंटार्कटिका पर पहुंचने वाले प्रथम भारतीय डॉ. जी.एस. सिरोही थे।
- भारत ने प्रथम अंटार्कटिका अभियान दल 6 दिसंबर, 1981 में भेजा था।
- अंटार्कटिका पर जाने वाले प्रथम भारतीय मंत्री (Minister) कपिल सिब्बल थे।
- अंटार्कटिका में स्थित 'इंदिरा माउंट' भारतीय वैज्ञानिक द्वारा अंटार्कटिका में खोजा गया पर्वत है।
- भारत में अंटार्कटिका अध्ययन केंद्र 'नेशनल सेंटर ऑफ अंटार्कटिका एंड ओशन रिसर्च' (NCAOR) गोवा में स्थित है।
- अंटार्कटिका महाद्वीप पृथ्वी के दक्षिणी छोर में स्थित है। यह दक्षिणी गोलार्द्ध में अंटार्कटिक वृत्त के दक्षिण में है तथा दक्षिणी महासागर से घिरा हुआ है।
- लगभग 170 मिलियन वर्ष पूर्व अंटार्कटिका, गोडवाना उपमहाद्वीप का भाग था। बाद में यह इससे अलग हो गया।
- अंटार्कटिक में कई झीलें भी हैं, जिनकी संख्या लगभग 70 है।
- अंटार्कटिका में न ही कोई सरकार (Govt.) है और न ही यह किसी देश के अधीन है।
- अंटार्कटिका के बाद अब आर्कटिक (Arctic) क्षेत्र में भी भारत ने अपना पहला अनुसंधान केंद्र (2008 में) स्थापित किया है। इसे 'हिमाद्री' नाम दिया गया है।
- भारत विश्व का ऐसा ग्यारहवां (11) देश है, जिसने अंटार्कटिका में अपना शोध केंद्र स्थापित किया है।
- आर्कटिक क्षेत्र में तेल, प्राकृतिक गैस एवं अन्य खनिजों के विशाल भंडार हैं। आर्कटिक क्षेत्र के सबसे बड़े भाग पर रूस (Russia) का अधिकार है।
- सन् 2010 में आर्कटिक क्षेत्र में बैरेंट्स सागर (Barents sea) में संसाधन संपन्न क्षेत्र में सीमा विवाद को विराम देते हुए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर रूस एवं नार्वे ने किए हैं।
- आर्कटिक परिषद् (Arctic Council) में आर्कटिक क्षेत्र के 8 देश कनाडा, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, रूस, नार्वे, स्वीडन एवं अमेरिका सदस्य के रूप में शामिल हैं।
- सन् 2013 में (उत्तरी ध्रुव से संबंधित) आर्कटिक परिषद् में भारत व चीन सहित 6 अन्य देशों को पर्यवेक्षक बनाया गया है।
- ब्रिटिश वैज्ञानिकों की एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार अंटार्कटिका में लार्सेन-सी (Larsen-c) आइसशैल्फ से एक विशाल हिमखंड (Iceberg)—जुलाई 2017 में विखंडित हो गया है। इससे अंटार्कटिका के लार्सेन-सी आइसशैल्फ का आकार 12% घट गया है।





## भाग 8: खेल परिदृश्य

29. खेल





# खेल (Sports)

---

## राष्ट्रमंडल खेल (Commonwealth Games)

---

- राष्ट्रमंडल खेल (Commonwealth Games), राष्ट्रमंडल देशों का खेल आयोजन है, जिनका आयोजन प्रति 4 वर्ष में किया जाता है।
- राष्ट्रमंडल खेलों का पहली बार आयोजन (वर्ष 1930 में) कनाडा के ऑनटारियो हैमिल्टन शहर में किया गया था।
- पहले इन खेलों का नाम 'ब्रिटिश एंपायर खेल' था, बाद में (वर्ष 1978 में) इनका नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल किया गया। राष्ट्रमंडल खेल में ऐसे देश सम्मिलित होते हैं, जो कभी ब्रिटेन के उपनिवेश (Colony) रहे हैं।
- राष्ट्रमंडलीय खेलोत्सव विश्व का (ओलंपिक खेलों के बाद) दूसरा बड़ा खेलोत्सव है।
- वर्ष 1930 (प्रथम), 1950, 1962 एवं 1986 के राष्ट्रमंडलीय खेलों में भारत ने भाग नहीं लिया।
- राष्ट्रमंडलीय खेलों में भारत ने वर्ष 1934 से भाग लेना प्रारंभ किया। अपने इस प्रथम राष्ट्रमंडलीय खेलों में भारत ने केवल एकमात्र कांस्य पदक जीता था।
- राष्ट्रमंडलीय खेलों का (पहली बार) भारत में आयोजन वर्ष 2010 में हुआ। इस 19 वें राष्ट्रमंडलीय खेलों (नई दिल्ली, 2010) में भारत ने 38 स्वर्ण, 27 रजत एवं 36 कांस्य पदक जीते। भारत (19वें खेलों में) कुल 101 पदकों के साथ पदक-तालिका में (आस्ट्रेलिया के बाद) दूसरे स्थान पर रहा।
- 20वें राष्ट्रमंडलीय खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो (Glasgow) में जुलाई-अगस्त 2014 में आयोजित हुए। इसमें भारत का पांचवां स्थान रहा। इन खेलों में 17 खेलों को शामिल किया गया था।

338 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 2018 के (21वें) राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन करने की जिम्मेदारी आस्ट्रेलिया को सौंपी गई है। इन खेलों का आयोजन आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में गोल्ड कोस्ट में होगा। यह पांचवां अवसर होगा जब इन खेलों का आयोजन आस्ट्रेलिया में किया जाएगा।
- आस्ट्रेलिया में इससे पूर्व 1938 में सिडनी में; 1962 में पर्थ में; 1982 में ब्रिसबेन में तथा 2006 में मेलबर्न में राष्ट्रमंडलीय खेल आयोजित हो चुके हैं।

वर्ष	आयोजित शहर	कुल देश	कुल खेल	प्रतिस्पर्द्धाएं
1930	हैमिल्टन (कनाडा)	11	6	59
1934	लंदन (इंग्लैंड)	16	6	68
1938	सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)	15	7	72
1950	ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)	12	9	88
1954	बैंकूवर (कनाडा)	24	9	91
1958	कार्डिफ (वेल्स)	36	9	94
1962	पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)	35	9	104
1966	किंग्स्टन (जमैका)	34	9	110
1970	एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड)	42	9	122
1974	क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड)	38	9	121
1978	एडमांटन (कनाडा)	46	10	128
1982	ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया)	46	10	142
1986	एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड)	26	10	164
1990	ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)	55	10	205
1994	विक्टोरिया (कनाडा)	63	10	217
1998	कुआलालंपूर (मलेशिया)	70	15	218
2002	मैनचेस्टर (इंग्लैंड)	72	17	282
2006	मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया)	71	16	245
2010	नई दिल्ली (भारत)	71	17	272
2014	ग्लासगो (स्कॉटलैंड)	71	17	274
2018	गोल्डकोस्ट सिटी (ऑस्ट्रेलिया)	71	19	275
2022	बर्मिंघम इंग्लैण्ड (अधिसूचित)	—	—	—

- राष्ट्रमंडल खेलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 'डेविड डिक्सन पुरस्कार' प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2002 के मैनचेस्टर खेलों से की गई थी। उल्लेखनीय है कि डेविड डिक्सन (David Dixon) 17 वर्षों तक 'राष्ट्रमंडल खेल महासंघ' (CGF) के मानद सचिव रहे थे।

- वर्ष 2002 में पहला 'डेविड डिकसन पुरस्कार' द. अफ्रीका के दिव्यांग तैराक नताली डु टोइट को दिया गया था। वर्ष 2006 में मेलबर्न खेलों में भारत के समरेश जंग (तैराकी में 5 स्वर्ण पदक विजेता) को यह पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2010 में दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का यह पुरस्कार जमैका की तिहरी कूद की एथलीट ट्रेसिया स्मिथ को दिया गया था।
- वर्ष 2014 में ग्लासगो खेलों में (6 पदक जीतने वाली) वेल्स की रिदमिक जिमनास्ट फ्रांसेस्का जॉस को 'डेविड डिकसन पुरस्कार' प्रदान किया गया।
- 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में पदक तालिका में आस्ट्रेलिया का पहला (198 पदक), इंग्लैण्ड का दूसरा (136 पदक) तथा भारत का तीसरा (66 पदक) स्थान रहा।

## एशियाई खेल (Asian Games)

- यह खेल एशिया का सबसे बड़ा खेल उत्सव है। इसे 'एशियाड गेम्स' के नाम से भी जाना जाता है।
- एशियाई खेल का नामकरण करने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू थे।
- एशियाई खेलों के लिए पं. नेहरू ने जो उद्देश्य तय किया था, वह था - 'सदा आगे' (Ever Onward)। इसका चिह्न 'उगता हुआ सूर्य' है, जिसमें कई चक्र आपस में गुंथे हुए हैं।
- प्रथम एशियाई खेलों का आयोजन 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली (भारत) के 'नेशनल स्टेडियम' में हुआ था। इन खेलों में भारत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया था।
- प्रथम एशियाई खेलों के लिए पटियाला के महाराजा ने मशाल एवं झंडा दिया था, जो आज भी एशियाई खेलों में जारी है। प्रथम एशियाई खेलों का शुभंकर 'जंतर मंतर' था।
- किरण बेदी (IPS) ने वर्ष 1972 में लॉन टेनिस में एशियाई खिताब जीता था।
- प्रथम एशियाई खेल (1951), जिसका आयोजन भारत (नई दिल्ली) में हुआ था, इसके बाद नौवें एशियाई खेल (वर्ष 1982 में) का आयोजन भी नई दिल्ली (भारत) में हुआ, इन खेलों में भारत का पांचवां स्थान रहा।
- 17वें एशियाई खेलों का आयोजन द. कोरिया के इंचियॉन में सितंबर-अक्टूबर 2014 को हुआ। इसमें चीन का वर्चस्व बरकरार रहा। इन खेलों में भारत का 8वां स्थान रहा।
- 18वें एशियाई खेलों का आयोजन वर्ष 2018 में इण्डोनेशिया के जकार्ता तथा पालेमबंग में हुआ। इसमें प्रथम स्थान चीन का तथा दूसरा स्थान जापान का रहा। भारत 8वें स्थान पर रहा।
- 2022 के एशियाई खेल हांज़ोऊ (चीन) तथा 2026 के एशियाई खेल नगोया (जापान) में अधिसूचित हैं।



## एफ्रो-एशियाई खेल

- एफ्रो-एशियाई खेल एशिया (Asia) एवं अफ्रीका (Africa) के देशों के बीच एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का खेल उत्सव है।
- प्रथम एफ्रो-एशियाई खेलों का आयोजन वर्ष 2003 में भारत के हैदराबाद में हुआ था।
- इन खेलों में चीन (25 स्वर्ण पदकों के साथ) प्रथम स्थान पर रहा, जबकि भारत (19 स्वर्ण पदकों के साथ) दूसरे स्थान पर रहा था।
- प्रथम एफ्रो-एशियाई खेलों का शुभंकर (मस्कट) 'शेरू' था।

## दक्षिण एशियाई खेल/दक्षेस खेल (SAARC GAMES)

- 'दक्षेस खेलों' की शुरुआत वर्ष 1984 में हुई थी। इन खेलों को प्रारंभ करने में भारतीय ओलंपिक संघ के तत्कालीन अध्यक्ष राणा भालेंद्र सिंह की प्रमुख भूमिका रही।
- दक्षिण एशियाई देशों की इस खेल स्पर्धा को 'सैफ' अर्थात् 'दक्षिण एशियाई फेडरेशन' (SAF) के नाम से जाना जाता है।
- दक्षिण एशियाई खेल फेडरेशन ने 2 अप्रैल, 2004 को इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में हुई अपनी 32वीं बैठक में सैफ खेलों का नया नामकरण 'दक्षिण एशियाई खेल' (SAG) करने का निर्णय लिया था।
- इन खेलों का प्रमुख उद्देश्य शांति, समृद्धि और प्रगति है।
- 9वें दक्षेस खेलों में अफगानिस्तान ने पहली बार भाग लिया।
- अब तक के सभी दक्षेस खेलों में भारत का प्रथम स्थान रहा है।
- प्रथम दक्षेस खेलों का आयोजन वर्ष 1984 में काठमांडू (नेपाल) में हुआ था।
- भारत में अब तक कुल तीन बार दक्षेस खेलों का आयोजन हो चुका है। (प्रथम बार) वर्ष 1987 में तृतीय दक्षेस खेलों का आयोजन कलकत्ता (कोलकाता) में हुआ था। वर्ष 1995 में सप्तम दक्षेस खेल मद्रास (चेन्नई) में संपन्न हुए थे तथा वर्ष 2012 में 12वें दक्षेस खेल नई दिल्ली में आयोजित हुए थे।
- दक्षेस खेलों का आयोजन प्रति दो वर्ष बाद अलग-अलग देशों में होता है। इन खेलों में दक्षेस (SAARC) के सभी 8 सदस्य देश भाग लेते हैं।
- वर्ष 2016 के दक्षिण एशियाई खेल गुवाहाटी/शिलांग (भारत) तथा 2019 के दक्षिण एशियाई खेल काठमाण्डु, पोखरा (नेपाल) में आयोजित हुए।
- वर्ष 2022 के दक्षिण एशियाई खेल लाहौर (पाकिस्तान) में आयोजित होंगे।

### प्रमुख देशों के राष्ट्रीय खेल (एक दृष्टि में)

सं. रा. अमेरिका	बेसबॉल
इंग्लैंड	क्रिकेट
स्कॉटलैंड	रगबी, फुटबॉल

Contd...

जापान	जूडो
चीन	टेबल टेनिस
भारत	हॉकी
पाकिस्तान	हॉकी
स्पेन	बुल फाइटिंग
ऑस्ट्रेलिया	क्रिकेट
कनाडा	आइस हॉकी
रूस	फुटबॉल
ब्राजील	फुटबॉल

## विश्वकप फुटबॉल (FIFA)

- विश्वकप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन प्रति 4 वर्ष में 'फीफा' (FIFA) यानी 'फेडरेशन ऑफ द इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन' द्वारा किया जाता है।
- इस कप का नामकरण 'फीफा' के संस्थापक (Founder) जुल्स रिमेट (फ्रांसीसी) के नाम पर किया गया है, इसलिए 'फीफा कप' को 'जुल्स रिमेट कप' के नाम से भी जाना जाता है।
- वर्ष 1904 में 7 यूरोपीय देशों ने मिलकर 'फीफा (FIFA)' की स्थापना की थी। इसके संस्थापक देश थे—फ्रांस, हालैंड, बेलजियम, स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, स्पेन एवं स्वीडन। 'फीफा' की स्थापना में फ्रांस के जुल्स रिमेट की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।
- वर्तमान में भी 'फीफा' (FIFA) अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल की सर्वोच्च कार्यकारी संस्था है।
- फुटबॉल का प्रथम विश्वकप 13 जुलाई, 1930 को मोंटवीडियो (उरूग्वे) में आयोजित हुआ था।
- फीफा पुरुष विश्वकप 1930 से तथा फीफा महिला विश्वकप वर्ष 1991 से शुरू हुए।
- वर्ष 1970 के फीफा वर्ल्ड कप से खिलाड़ियों को पीला एवं लाल कार्ड दिखाने की प्रथा प्रारंभ हुई।
- ब्राजील के रोनाल्डो, रिवाल्डो एवं रोनल्डिन फुटबॉल खिलाड़ियों को 'तीन आर' (Three R) कहा जाता है।
- फुटबॉल के 4 प्रसिद्ध क्लब (Club) इस प्रकार हैं— रियल मैड्रिड (स्पेन); मैनचेस्टर यूनाइटेड (इंग्लैंड); ए. सी. मिलान (इटली); बार्थन म्यूनिख (जर्मनी)।
- विश्वकप फुटबॉल (वर्ष 2002 में 17वें विश्वकप) के इतिहास में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली एशियाई टीम दक्षिण कोरिया थी।
- वर्ष 2016 में 'फीफा' का नया अध्यक्ष गियानी इनफैनरियो (स्विट्जरलैंड) को बनाया गया।

### 342 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- प्रथम (फीफा) महिला विश्वकप फुटबॉल वर्ष 1991 में चीन में आयोजित हुआ। इसमें अमेरिका विजेता रहा, जबकि नार्वे उपविजेता रहा।
- ब्राजील अब तक सर्वाधिक बार (सात बार) विश्वकप फुटबॉल (फीफा) में फाइनल में पहुंचने वाला देश है।
- ब्राजील की मेजबानी में संपन्न (वर्ष 2014 में) 20वें विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट में अर्जेंटीना को फाइनल में हराकर जर्मनी चौथी बार फीफा विश्वकप का विजेता बना।
- 'एडीडास गोल्डन बॉल' फीफा विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। वर्ष 2014 में 20वें विश्वकप फुटबॉल (फीफा) टूर्नामेंट में यह पुरस्कार अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर एवं कप्तान लियोनल मेसी (Messi) को दिया गया।
- 20वें फीफा विश्वकप टूर्नामेंट (वर्ष 2014) का 'गोल्डन बूट पुरस्कार' कोलंबिया के जेम्स रोड्रिगेज को प्रदान किया गया। 'एडीडास गोल्डन बूट पुरस्कार' फीफा विश्वकप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है।
- 21वाँ फीफा विश्व कप-2018 रूस में आयोजित किया गया था जिसमें क्रोएशिया को हराकर फ्रांस दूसरी बार विश्व चैम्पियन बना। 2022 का फीफा विश्व कप कतर में अधिसूचित है।
- 21वें फीफा विश्व कप में 'गोल्डन बूट पुरस्कार' हेरी केन को (इंग्लैंड) दिया गया।

विभिन्न खेलों में (प्रत्येक पक्ष के) खिलाड़ियों की संख्या (एक दृष्टि में)

खेल	खिलाड़ी
क्रिकेट	11
हॉकी	11
फुटबॉल	11
रगबी फुटबॉल	15
खो-खो	9
बेसबाल	9
कबड्डी	7
वॉलीबॉल	6
बॉस्केटबॉल	5
पोलो	4
बैडमिंटन/टेनिस	1/2

### विश्वकप हॉकी ( World Cup Hockey)

- सन् 1971 में पुरुषों का हॉकी विश्वकप शुरू हुआ। पुरुषों के हॉकी विश्वकप का अब तक (2014 तक) कुल 13 बार आयोजन हो चुका है।

- हॉकी के प्रथम विश्वकप (पुरुष) का आयोजन (1971 में) स्पेन में हुआ था। इसमें पाकिस्तान विजेता रहा था, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर तथा भारत तीसरे स्थान पर रहा।
- पुरुषों के दूसरे हॉकी विश्वकप में हॉलैंड विजेता रहा। इसका आयोजन (हॉलैंड में ही) वर्ष 1973 में हुआ था। इसमें भारत का दूसरा स्थान रहा।
- पुरुषों के तीसरे हॉकी विश्वकप, जिसका आयोजन वर्ष 1975 में मलेशिया में हुआ, इसमें भारत विजेता रहा, पाकिस्तान को फाइनल में हराकर।
- पुरुषों के हॉकी विश्वकप में अब तक सर्वाधिक 4 बार पाकिस्तान विजेता रहा है।
- वर्ष 2014 में 13वें (पुरुषों के) हॉकी विश्वकप का आयोजन नीदरलैंड्स में हुआ। इसमें ऑस्ट्रेलिया विजेता रहा, जबकि भारत का नौवां स्थान रहा।
- सन् 1974 में महिला हॉकी विश्वकप की शुरुआत भी हुई।
- वर्ष 2014 में 13वें (महिलाओं के) हॉकी विश्वकप की विजेता नीदरलैंड्स की टीम रही।
- वर्ष 1982 में 5वें तथा 2010 में 12वें पुरुष हॉकी विश्वकप का आयोजन भारत में हुआ, इसमें भारत का स्थान क्रमशः पांचवां एवं बारहवां रहा।
- मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस '29 अगस्त' को भारत में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' (National Sports Day) के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1995 से हुई। उल्लेखनीय है कि मेजर ध्यानचंद भारत के विख्यात हॉकी खिलाड़ी थे।
- हॉकी के कई रूप हैं; जैसे— आइस हॉकी, रोलर हॉकी, फील्ड हॉकी, स्ट्रीट हॉकी एवं यूनिसाइकिल हॉकी आदि।
- वर्ष 2018 में 14वें (पुरुषों के) हॉकी विश्वकप का आयोजन भारत में किया गया जिसमें नीदरलैंड को हराकर बेल्जियम पहली बार चैंपियन बना। वर्ष 2023 का हॉकी विश्व कप भारत में अधिसूचित है।

## अन्य प्रमुख खेल

### टेनिस (Tennis)

- प्रथम टेनिस टूर्नामेंट वर्ष 1884 में आयोजित हुआ था।
- चार प्रतिष्ठित टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन (French Open); विंबलडन ओपन (Wimbledon Open); ऑस्ट्रेलियन ओपन (Australian Open) और यू.एस. ओपन (US Open)। इन चारों को मिलाकर 'ग्रैंड स्लैम' (Grand Slam) कहा जाता है।
- टेनिस में 'ग्रैंड स्लैम' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग जॉन कीरन ('न्यूयॉर्क टाइम्स' के लेखक) ने किया था।
- 'विंबलडन' को 'टेनिस का मक्का' कहा जाता है। विंबलडन ओपन का आधिकारिक नाम 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' है। यह प्रतियोगिता हरी घास के कोर्ट पर खेली जाती है।
- पहली विंबलडन प्रतियोगिता वर्ष 1877 में लंदन में हुई थी।

344 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- पहली अमेरिकी ओपन प्रतियोगिता वर्ष 1881 में अमेरिका के रोड आइलैंड में संपन्न हुई थी।
- पहली फ्रेंच ओपन प्रतियोगिता वर्ष 1891 में हुई थी।
- पहली ऑस्ट्रेलियन ओपन प्रतियोगिता वर्ष 1891 में हुई।
- वर्ष 1896 से (जब से आधुनिक ओलंपिक की शुरुआत हुई) 1924 तक टेनिस ओलंपिक में शामिल रहा। बाद में बंद रहा। वर्ष 1988 में इसे पुनः (ग्रीष्मकालीन) ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया।

### ग्रेंड स्लैम/टेनिस के प्रमुख टूर्नामेंट समूह

टूर्नामेंट	अवधि	कोर्ट का प्रकार	स्थान
विंबलडन ओपन	जून-जुलाई	ग्रास (घास)	लंदन
अमेरिकन ओपन	अगस्त-सितंबर	हार्ड	न्यूयॉर्क
फ्रेंच ओपन	मई-जून	क्ले	पेरिस
ऑस्ट्रेलियन ओपन	जनवरी	हार्ड	मेलबोर्न

### टेबल टेनिस ( Table Tennis )

- टेबल टेनिस खेल का उदय 19वीं सदी में इंग्लैंड में हुआ। इसे 'पिंगपांग' के नाम से भी जाना जाता है।
- इंग्लैंड ही टेबल टेनिस खेल का जनक है।
- वर्ष 1988 में टेबल टेनिस को (ग्रीष्मकालीन) ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन, जो इस खेल की सर्वोच्च संस्था है, की स्थापना वर्ष 1926 में हुई।

### वॉलीबॉल

- इस खेल को 9 फरवरी, 1895 में अमेरिका के तत्कालीन शारीरिक शिक्षा निदेशक विलियम जी मॉरगन ने अमेरिका के होलियोक शहर (मैसाचूसेट्स) में शुरू किया। इसलिए इस शहर को 'वॉलीबॉल का घर' भी कहा जाता है।
- वर्ष 1964 में वॉलीबॉल को ओलंपिक में शामिल किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल संघ का गठन वर्ष 1947 में हुआ। इसका मुख्यालय लाउजेन (स्विट्जरलैंड) में है।

### बेसबॉल

- यह काफी प्राचीन खेल है। इसे प्राचीन काल में यूरोप के रोमानिया में खेला जाता था। अमेरिका में इसके आधुनिक स्वरूप का जन्म हुआ।
- पहला अंतर्राष्ट्रीय बेसबॉल मैच 4 जून, 1838 को कनाडा के बीचविले नामक स्थान पर खेला गया।
- वर्ष 1996 में बेसबॉल को ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया।

## पोलो (Polo)

- प्राचीन काल में यह खेल ईरान में खेला जाता था, परंतु आधुनिक रूप से पोलो का उद्भव भारत के मणिपुर में हुआ।
- मध्यकाल में इसे 'चौगान' के नाम से जाना जाता था।
- पोलो खेलते समय ही दिल्ली सल्तनत के बादशाह/सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई थी।

### प्रमुख खेल पुरस्कार (Sports Prize)

अर्जुन पुरस्कार	अर्जुन पुरस्कार का प्रारंभ वर्ष 1916 में किया गया था। यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा विभिन्न खेलों से संबद्ध भारत के श्रेष्ठ खिलाड़ियों को (प्रतिवर्ष) प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार विशेषतः उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने पिछले 3 वर्षों में किसी खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अर्जुन पुरस्कार के तहत खिलाड़ी को पांच लाख रुपये नकद, अर्जुन की एक कांस्य प्रतिमा एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।
द्रोणाचार्य पुरस्कार	इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1985 में हुई थी। यह पुरस्कार उन सफल प्रशिक्षकों को दिया जाता है, जिनके खिलाड़ी/टीम ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। इस पुरस्कार के तहत प्रशिक्षक (Trainer) को 5 लाख रुपए नकद, द्रोणाचार्य की एक कांस्य प्रतिमा एवं एक प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।
राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार	इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1991-92 से हुई थी। यह पुरस्कार किसी खिलाड़ी/टीम द्वारा खेल के क्षेत्र में (1 वर्ष में) उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार के तहत खिलाड़ी को 7.5 लाख रुपए नकद, एक पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।
ध्यानचंद पुरस्कार	ध्यानचंद पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2002 में खेलों में आजीवन उपलब्धि के लिए की गई। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा खेल से निवृत्त होने के पश्चात् भी उसके विकास में लगे हुए हैं। इस पुरस्कार में पांच लाख रुपए नकद और एक नाम पट्टिका दी जाती है।

### खेलों से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम एथलीट (पुरुष) गुरबचन सिंह (वर्ष 1961) और (महिला) स्टीफी डिसूजा (1963) थी।
- द्रोणाचार्य पुरस्कार से पुरस्कृत प्रथम प्रशिक्षक ओ.एम. नांबियार (1985) थे।

346 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- प्रथम राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार (1991-92) विश्वनाथन आनंद (शतरंज) को प्रदान किया गया था।
- सचिन तेंदुलकर (क्रिकेटर) को वर्ष 1997-98 का राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार दिया गया था।
- वर्ष 2007-08 का राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार महेन्द्र सिंह धोनी को प्रदान किया गया था।
- भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस '29 अगस्त' को (मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर) मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय खेल-कूद के स्तर को सुधारने तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु वर्ष 1984 में 'भारतीय खेल प्राधिकरण' (साई) की स्थापना की गई।
- 'नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स' पटियाला में स्थित है, जबकि लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजीकल एजुकेशन, ग्वालियर में स्थित है। इसकी स्थापना वर्ष 1957 में हुई।
- वर्ष 1884 में भारत में सर्वप्रथम 'राष्ट्रीय खेल नीति' बनाई गई।
- मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को दी जाती है।
- आधुनिक शारीरिक शिक्षा (Physical Education) का पिता जॉन बर्नाड एव बेसडो को माना जाता है। इनका जन्म 1793 में जर्मनी में हुआ।

### क्रिकेट (Cricket)

- भारतीय क्रिकेट का भीष्म पितामह सी.के. नायडू को माना जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (International Cricket Council-ICC) का मुख्यालय लगभग 100 वर्षों तक लार्ड्स (लंदन) के मैदान (मैरिलीबोन क्रिकेट क्लब में) पर था। वर्ष 2005 में इसका मुख्यालय दुबई (UAE) में स्थापित किया गया है।
- क्रिकेट की बाइबल 'विज्डन' नामक पत्रिका (वार्षिक) को माना जाता है। इस पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 1864 में प्रारंभ हुआ था।
- 15-19 मार्च, 1877 को आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट (Test Match) खेला गया था।
- वर्ष 1934 में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत हुई। इस ट्रॉफी का पहला चैंपियन बंबई (मुंबई) बना था।
- वर्ष 1900 में ओलंपिक (Olympics) में पहली और आखिरी बार क्रिकेट को शामिल किया गया।
- सेमुएल बेकेट एकमात्र ऐसे क्रिकेट खिलाड़ी हैं, जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिल चुका है।
- भारत ने इंग्लैंड के साथ पहला टेस्ट मैच वर्ष 1933 में बंबई (मुंबई) (के जिमखाना मैदान) में खेला था।

- 'विजडन' पत्रिका ने सदी के सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी के रूप में कपिल देव को सम्मानित किया है।
- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का गठन 22 नवंबर, 1927 को दिल्ली के (रोशनारा क्लब) में हुआ था।
- भारत दो क्रिकेट विश्व कप (ICC) का विजेता बन चुका है। प्रथम बार वर्ष 1983 में (तीसरे विश्व कप) तथा वर्ष 2011 में (दसवें विश्व कप)।

## आई. सी. सी. (ICC) के ट्वेंटी-20 [ Twenty-20 (T-20) ] क्रिकेट से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के 'ट्वेंटी-20' (T-20) क्रिकेट की शुरुआत वर्ष 2007 में हुई। पुरुषों के 'ट्वेंटी-20' की शुरुआत जहां वर्ष 2007 में हुई, वहीं महिलाओं के ट्वेंटी-20 की शुरुआत वर्ष 2009 से हुई।
- पुरुषों का प्रथम 'ट्वेंटी-20' विश्व कप वर्ष 2007 में द. अफ्रीका में आयोजित हुआ। इसमें भारत विजेता रहा तथा पाकिस्तान उपविजेता रहा।
- पुरुषों के 'ट्वेंटी-20' का दूसरा विश्व कप (वर्ष 2009 में) पाकिस्तान ने श्रीलंका को फाइनल में हराकर जीता।
- वर्ष 2016 में छठा (पुरुषों का) टी-20 विश्वकप भारत में आयोजित हुआ। इसमें वेस्टइंडीज विजेता रहा।
- पुरुषों के टी-20 फार्मेट में वेस्टइंडीज एकमात्र ऐसी टीम है, जो दो बार टी-20 विश्वकप जीत चुकी है। पहली बार 2012 में तथा दूसरी बार 2016 में।
- पुरुषों के छठे 'टी-20' विश्वकप में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली रहे। इस विश्वकप में 'प्लेयर ऑफ सीरीज' का पुरस्कार भी भारत के विराट कोहली को मिला।
- आई. सी. सी. द्वारा महिलाओं के प्रथम ट्वेंटी-20 क्रिकेट विश्व कप का आयोजन वर्ष 2009 में इंग्लैंड में किया गया। इसमें इंग्लैंड ही विजेता रहा। महिलाओं का छठा टी-20 विश्व कप वर्ष 2016 में भारत में आयोजित हुआ। इसमें वेस्टइंडीज विजेता रहा।
- ट्वेंटी-20 'अंतर्राष्ट्रीय' क्रिकेट में सर्वाधिक तेज गति से शतक बनाने का रिकॉर्ड द.अफ्रीका के रिचर्ड लेवी के नाम है।

## आई. पी. एल. (IPL) से संबंधित कुछ तथ्य

- आई. पी. एल. (IPL) क्रिकेट खेलों का आयोजन प्रतिवर्ष वर्ष 2008 से होता आ रहा है। प्रथम आई. पी. एल. सीजन का विजेता राजस्थान रॉयल्स रहा।
- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के ट्वेंटी-20 के इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का 9 वां संस्करण (सीजन) 9 अप्रैल-29 मई, 2016 के दौरान खेला गया। आई. पी. एल. कप 2016 का विजेता सनराइजर्स हैदराबाद रहा, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बंगलौर (बंगलुरु) तीसरी बार फाइनल में पराजित रहा।



348 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 2017 का आई.पी.एल. खिताब मुम्बई इंडियंस ने राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स को हराकर जीता। वर्ष 2018 का आई.पी.एल. खिताब चेन्नई चेन्नई सुपर किंग्स ने तथा वर्ष 2019 का आई.पी.एल. का खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुम्बई इंडियंस ने जीता

### आई. पी. एल. (IPL) के विभिन्न संस्करण/सीजन (एक दृष्टि में)

आई. पी. एल. ( सीजन )	आयोजित वर्ष	विजेता	उपविजेता
IPL-I	2008	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई सुपरकिंग्स
IPL-II	2009	डेक्कन चार्जर्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु
IPL-III	2010	चेन्नई सुपरकिंग्स	मुंबई इंडियंस
IPL-IV	2011	चेन्नई सुपरकिंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु
IPL-V	2012	कोलकता नाइट राइडर्स	चेन्नई सुपरकिंग्स
IPL-VI	2013	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स
IPL-VII	2014	कोलकता नाइट राइडर्स	किंग्स XI पंजाब
IPL-VIII	2015	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स
IPL-IX	2016	सनराइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु
IPL-X	2017	मुंबई इंडियंस	राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स
IPL-XI	2018	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद
IPL-XII	2019	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स
IPL-XIII	2020	—	—

- 13वें आई.पी.एल. सीजन का प्रारंभ 19 सितम्बर, 2020 से यू.ए.ई. में होगा। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस बार आई.पी.एल. संयुक्त अरब अमीरात में कराया जाएगा।

### एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (ODI) से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन (18,426 रन) बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक शतक (49 शतक) बनाने का रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज गति से शतक बनाने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के ए.बी. डीविलियर्स के नाम है। इन्होंने यह रिकॉर्ड 18 जनवरी, 2015 में (जोहान्सबर्ग) वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक मैच में केवल 31 गेंदों पर शतक बनाया था।

- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज गति से दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) के नाम है। इन्होंने (2015 में) विश्व कप के दौरान जिंबाब्वे के विरुद्ध यह रिकॉर्ड बनाया।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड (534 विकेट) श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक (ODI) विकेट लेने का रिकॉर्ड (337 विकेट) अनिल कुंबले के नाम है।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी (443 रनों की) श्रीलंका ने 4 जुलाई, 2006 को नीदरलैंड्स के विरुद्ध बनाई।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत ने सबसे बड़ी पारी (418 रन) (इंदौर में 2011 में) वेस्टइंडीज के विरुद्ध बनाई।
- एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी वैयक्तिक पारी भारत के रोहित शर्मा की है। रोहित शर्मा ने 13 नवंबर, 2014 को कलकत्ता (कोलकता) में श्रीलंका के विरुद्ध 264 रन बनाए थे।
- भारत के दो ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्हें अपने पदार्पण एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेने का श्रेय प्राप्त है। इनमें एक मौजूदा गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार तथा दूसरा (90 के दशक के) सद्गोपन रमेश हैं।
- जुलाई 2017 में ऑल राउंडर क्रिकेटर रवि शास्त्री को भारतीय क्रिकेट टीम का नया कोच बनाया गया।

### क्रिकेट टेस्ट मैचों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

- भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच 25-27 जून, 1932 को (विदेश में) इंग्लैंड के विरुद्ध लॉड्स के मैदान पर खेला था। इस मैच में भारत के कप्तान सी. के. नायडू (कोट्टारी कनकैया नायडू) थे। इस मैच में इंग्लैंड विजयी रहा था।
- भारत में पहला टेस्ट मैच 1933-34 में (इंग्लैंड के विरुद्ध) बंबई (मुंबई) में जिमखाना मैदान पर खेला गया था।
- टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से पहला शतक लाला अमरनाथ ने 1933-94 में बंबई (मुंबई) में इंग्लैंड के विरुद्ध बनाया था।
- विदेशी धरती पर भारत के लिए पहला शतक (1936 में) इंग्लैंड के विरुद्ध भारत के बल्लेबाज मुश्ताक अली ने बनाया था।
- भारत को पहली टेस्ट विजय फरवरी 1952 में मद्रास (चेन्नई) में इंग्लैंड के विरुद्ध प्राप्त हुई थी।
- विदेशी धरती पर भारत ने पहली टेस्ट विजय 1968 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध दर्ज की। इस मैच के कप्तान मंसूर अली खान पटौदी थे।
- भारत ने अपना 500वां ऐतिहासिक टेस्ट मैच 22-26 सितंबर, 2016 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध कानपुर में खेला।

350 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- टेस्ट मैचों में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज पॉली उमरीगर थे। इन्होंने यह दोहरा शतक (1955-56 में) हैदराबाद में न्यूजीलैंड के विरुद्ध बनाया था।
- टेस्ट मैचों में पहला तीहरा शतक (325 रन) इंग्लैंड के एंडी सांथम ने 1930 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध बनाया था।
- टेस्ट मैचों में तीहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग तथा दूसरे बल्लेबाज करुण नायर हैं।
- सहवाग ने 300 से अधिक रन की पारी (309) 2003-4 में पाकिस्तान के विरुद्ध मुल्तान टेस्ट में तथा (319 रनों की पारी) द. अफ्रीका के विरुद्ध मद्रास (चेन्नई) में मार्च 2008 में खेली थी।
- सहवाग ने (वर्ष 2008 में) मद्रास (चेन्नई) में द. अफ्रीका के विरुद्ध तीहरा शतक सबसे तेज गति से बनाया था।
- टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक 400 रन (अविजित) वर्ष 2003-04 में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध सेंट जॉस में बनाए थे। यह टेस्ट मैचों में अभी तक की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है।
- टेस्ट मैचों में सर्वाधिक रन सचिन तेंदुलकर ने बनाए हैं। इन्होंने 15,921 रन, 200 टेस्ट मैचों में बनाए। एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भी सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है।
- टेस्ट मैचों में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने (800 विकेट) लिए हैं।
- टेस्ट मैचों में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अनिल कुंबले (619 विकेट) के नाम है।
- सर्वाधिक टेस्ट मैच (200 मैच) खेलने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हैं। टेस्ट मैचों में सर्वाधिक (51) शतक लगाने का रिकॉर्ड भी सचिन के नाम दर्ज है।
- सबसे बड़ी टेस्ट पारी (952 रनों की) श्रीलंका द्वारा अगस्त 1997 में भारत के विरुद्ध खेली गई थी। भारत की सबसे बड़ी टेस्ट पारी (726 रनों की) अगस्त 2009 में श्रीलंका के विरुद्ध खेली गई थी।
- अब तक की सबसे छोटी टेस्ट पारी (मात्र 26 रनों की) न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के विरुद्ध (मार्च 1955 में) थी।
- एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (974 रन) सर डॉन ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के विरुद्ध (1930 में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में) बनाए।
- किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (774 रन) बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है। इन्होंने 1970-71 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध चार टेस्ट मैचों की सीरीज में 774 रन बनाए थे।
- टेस्ट मैचों में एक दिन में सर्वाधिक रन (309 रन) बनाने का रिकॉर्ड सर डॉन ब्रेडमैन के नाम है। इन्होंने 11 जुलाई, 1930 को इंग्लैंड के विरुद्ध लॉर्ड्स के मैदान में 309 रन बनाए थे।

- टेस्ट मैचों में सर्वाधिक छक्के (107 छक्के) न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम ने लगाए हैं।
- टेस्ट मैचों में सर्वाधिक कैच (532 कैच) एम. वी. बाउचर (द. अफ्रीका) ने पकड़ी हैं।
- कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने दिसंबर, 2014 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।
- 15 अगस्त, 2020 को महेन्द्र सिंह धोनी ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी।

### आई. सी. सी. (ICC) के अध्यक्ष (एक दृष्टि में)

क्र.स.	नाम	कार्यकाल
1.	लॉर्ड कॉउड्रे (इंग्लैंड)	1989-93 तक
2.	सर क्लाइड वाल्कॉट (वेस्टइंडीज)	1993-97 तक
3.	जगमोहन डालमिया (भारत)	1997-2000 तक
4.	मैल्कम ग्रे (ऑस्ट्रेलिया)	2000-2003 तक
5.	एहसान मणि (पाकिस्तान)	2000-2006 तक
6.	पसी सोन (द. अफ्रीका)	2006-2007 तक
7.	रे माली (द. अफ्रीका)	2007-2008 तक
8.	डेविड मॉर्गन (इंग्लैंड)	2008-2010 तक
9.	शरद पवार (भारत)	2010-2012 तक
10.	एलेन इसाक (न्यूजीलैंड)	2012-2014 तक
11.	मुस्तफा कमाल (बांग्लादेश)	2014-2015 तक
12.	जहीर अब्बास (पाकिस्तान)	2015-2016

### कुछ प्रमुख तथ्य (Facts)

- आई. सी. सी. (ICC) के दो अध्यक्ष अभी तक भारत के हुए हैं एक जगमोहन डालमिया (1997 से 2000 तक) तथा दूसरे शरद पवार (2010-12)।
- आई. सी. सी. के प्रथम अध्यक्ष इंग्लैंड के लॉर्ड कॉउड्रे (1889-93) थे।
- आई. सी. सी. के चेयरमैन (Chairman) पद का सृजन 1 जुलाई, 2014 से किया गया है। वर्ष 2015 में भारत के एन. के. श्रीनिवासन को आई. सी. सी. का पहला चेयरमैन बनाया गया है।
- आई. सी. सी. के चेयरमैन का चुनाव (2015) अब तक स्वतंत्र रूप से कराने के साथ-साथ अध्यक्ष का पद अब समाप्त कर दिया गया है।

### आई. सी. सी.: चैंपियंस ट्रॉफी (एक दृष्टि में)

- आई. सी. सी. चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट की शुरुआत वर्ष 1998 में आई. सी. सी. नॉक आउट टूर्नामेंट के रूप में हुई थी।

352 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- वर्ष 2002 में इसे 'चैपियंस ट्रॉफी' का नाम दिया गया।
- इसका आयोजन प्रत्येक दो वर्ष के अंतराल पर होता है।
- वर्ष 1998 में पहली चैपियंस ट्रॉफी का आयोजन ढाका (बांग्लादेश) में हुआ। इसमें द. अफ्रीका विजेता रहा।
- वर्ष 2013 में आई. सी. सी. चैपियंस ट्रॉफी का विजेता भारत रहा।
- 2017 में इंग्लैण्ड में आयोजित चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को हराकर खिताब जीता।

### क्रिकेट विश्व कप

- प्रथम क्रिकेट विश्व कप वर्ष 1975 में इंग्लैंड में आयोजित हुआ था। इस कप का प्रथम विजेता वेस्टइंडीज रहा।
- विश्व कप में सर्वप्रथम (वर्ष 1975 में) शतक (137 रन) लगाने वाले प्रथम बल्लेबाज डेनिस एमिस (इंग्लैंड) थे। इनके अलावा एक अन्य बल्लेबाज ने भी इसी दिन शतक लगाया था, वह थे न्यूजीलैंड के ग्लेन टर्नर (श्रीलंका के विरुद्ध)।
- ऑस्ट्रेलिया सर्वाधिक पांच बार (वर्ष 1987, 1999, 2003, 2007, एवं 2015) क्रिकेट विश्व कप जीतने वाला पहला देश है।

### विश्व कप क्रिकेट ( एक दृष्टि में )

क्र.सं.	वर्ष	मेजबान	विजेता	उपविजेता
1.	1975	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
2.	1979	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड
3.	1983	इंग्लैंड	भारत	वेस्टइंडीज
4.	1987	भारत एवं पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
5.	1992	ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड	पाकिस्तान	इंग्लैंड
6.	1996	भारत, पाकिस्तान एवं श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया
7.	1999	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
8.	2003	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	भारत
9.	2007	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका
10.	2011	भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका
11.	2015	ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
12.	2019	इंग्लैंड एवं वेल्स	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड
13.	2023	भारत (अधिसूचित)	—	—

- वर्ष 2003 में 8वें विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध खेलते हुए कनाडा की पूरी टीम कुल 36 रन पर आउट हो गई। यह विश्व कप का ही नहीं, बल्कि एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक सबसे न्यूनतम स्कोर है।

- प्रथम विश्व कप क्रिकेट में भारतीय कप्तान एस.वेंकटराघवन (1975) थे। वह दूसरे कप (1979) के दौरान भी भारतीय टीम के कप्तान रहे। इसके बाद कपिल देव (1983 तथा 1987 में); मोहम्मद अजहरुद्दीन (1992, 1996, 1999), सौरभ गांगुली (2003), राहुल द्रविड़ (2007), महेन्द्र सिंह धोनी (2011 एवं 2015) कप्तान रहे।
- विश्व कप के इतिहास में पहली हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज भारत के चेतन शर्मा थे। (चौथे विश्व कप, 1987 में) इन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध यह हैट्रिक ली थी।
- विश्व कप में 9 वीं हैट्रिक्स (वर्ष 2015 में) द. अफ्रीका के गेंदबाज जे. पी. डुमिनी ने श्रीलंका के विरुद्ध ली।
- प्रथम विश्वकप के एक मैच में भारत ईस्ट अफ्रीका से 10 विकेट से जीता था।
- विश्व कप में अब तक कुल चार बार मैच टाई हो चुका है। चौथा टाई मैच 2011 में भारत एवं श्रीलंका के बीच खेला गया था।
- भारत दो बार क्रिकेट विश्व कप का विजेता बन चुका है। एक वर्ष 1983 में, तीसरे कप के दौरान तथा 2011 में, 11वें विश्व कप के दौरान। भारत एक बार वर्ष 2003 में उपविजेता भी रहा है।
- प्रथम विश्व कप में (फाइनल मुकाबले में) 'मैन ऑफ द मैच' (Man of the Match) का पुरस्कार वेस्टइंडीज के 'क्लाइव लॉयड' को (1975 में) मिला था।
- तीसरे विश्व कप में (फाइनल मुकाबले में) 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार भारत के मोहिंदर सिंह अमरनाथ (1983) को मिला था।
- वर्ष 2011 में जब भारत दूसरी बार विश्व कप (क्रिकेट) का विजेता बना, उस मैच में 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार एम. एस. धोनी को प्रदान किया गया।
- विश्व कप में क्रिकेट 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट' (Man of the Tournament) का पुरस्कार वर्ष 1992 से प्रारंभ किया गया। यह पुरस्कार सर्वप्रथम (5वें विश्व कप के दौरान 1992 में) न्यूजीलैंड के मार्टिन ब्रो को प्रदान किया गया।
- विश्व कप का 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार अब तक दो बार भारत के खिलाड़ियों को मिल चुका है। पहले वर्ष 2003 में (8वें विश्व कप के दौरान) सचिन तेंदुलकर को तथा दूसरी बार वर्ष 2011 में युवराज सिंह को (10वें विश्व कप) के दौरान।
- 11वें विश्व कप (2015) का "मैन ऑफ द टूर्नामेंट" का पुरस्कार आस्ट्रेलिया के मिचेल स्टॉर्क को दिया गया।
- एक ही विश्व कप के सेमीफाइनल (Semifinal) तथा फाइनल मैच में "मैन ऑफ द मैच" का पुरस्कार पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी (तीसरे विश्व कप 1983 में) मोहिंदर अमरनाथ (भारत) थे।
- विश्व कप के इतिहास में सबसे लंबी अवधि का मैच (1975 में) आस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के मध्य खेला गया। यह फाइनल मैच था, जो सुबह 11 बजे से शुरू होकर रात के लगभग 9 बजे तक चला।

354 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- विश्व कप के मैचों में शून्य (Zero) पर आउट होने वाले प्रथम बल्लेबाज हरिलाल शाह (पूर्वी अफ्रीका) थे।
- श्रीलंका तथा भारत ऐसे दो देश हैं, जिन्होंने विश्व कप क्रिकेट की मेजबानी करते हुए विश्व कप जीता है। श्रीलंका ने 1996 में (श्रीलंका, भारत एवं पाकिस्तान की संयुक्त मेजबानी में) जीता तथा भारत ने 2011 में (भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश की संयुक्त मेजबानी में) जीता था।
- विश्व कप (2007) में भारत की सर्वोच्च पारी (बरमूडा के विरुद्ध) 413 रनों की रही है, जबकि न्यूनतम पारी (2003 में) आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 125 रनों की थी।
- विश्व कप में (भारत की) सर्वोच्च वैयक्तिक पारी (183 रनों की) सौरभ गांगुली (1999 श्रीलंका के विरुद्ध) की रही है।

### 11वें विश्व कप क्रिकेट (2015) से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य: (एक दृष्टि में)

- इस विश्व कप में सर्वाधिक रन (547 रन) बनाने का श्रेय न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल को (कुल नौ मैचों में) प्राप्त है।
- 11वें क्रिकेट विश्व कप में सर्वाधिक 22-22 विकेट ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तथा न्यूजीलैंड के ट्रेट बोल्ट ने ली।
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक 26 छक्के वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने लगाए, जबकि लगातार 4 मैचों में शतक बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा ने बनाया।
- 11वें विश्व कप में किसी टीम द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। ऑस्ट्रेलिया ने 4 मार्च, 2015 को अफगानिस्तान के विरुद्ध 417 रनों की पारी खेली। विश्व कप के इतिहास में किसी टीम की यह सबसे बड़ी पारी है। इससे पूर्व वर्ष 2007 में विश्व कप के दौरान भारतीय टीम ने बरमूडा के विरुद्ध 413 रनों की पारी खेली थी।
- विकेटों की दृष्टि से सबसे बड़ी 9-9 विकेट से जीत भारत ने यू. ए. ई. के विरुद्ध; श्रीलंका ने इंग्लैंड के विरुद्ध; इंग्लैंड ने अफगानिस्तान के विरुद्ध दर्ज की।
- इस विश्व कप में (2015) दोहरे शतक न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध (237 रन) तथा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने जिंबाब्वे के विरुद्ध (215 रन) बनाए।
- इस विश्व कप में कुल 48 मैच 14 विभिन्न मैदानों पर खेले गए जिनमें कुल मिलाकर 23,450 रन बने।
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक नौ कैच द. अफ्रीका के रिली रोसो ने ली।
- विश्व कप टूर्नामेंट (2015) में दो हैट्रिक, पहली इंग्लैंड के स्टीवन फिन ने (ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध) तथा दूसरी द. अफ्रीका के जे. पी. डुमिनी ने (श्रीलंका के) विरुद्ध बनाई।
- क्रिकेट का 12वाँ विश्व कप इंग्लैंड में आयोजित किया गया। जिसमें इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार वर्ल्ड चैम्पियन बना। इस मैच में दोनों टीमों का स्कोर बराबर

- रहा, परन्तु सुपर ओवर भी बराबर रहने पर अधिक बाउंड्री लगाने के कारण इंग्लैंड को विजेता घोषित कर दिया गया। भारत इस विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुँचा था।
- 12वें विश्व कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) को घोषित किया गया।

## ओलंपिक खेल (Olympics Games)

- ओलंपिक खेलों का इतिहास लगभग 2800 वर्ष पुराना है। प्राचीन ओलंपिक खेल यूनान (Greece) के ओलंपिया शहर में 776 ई.पू. में हुए थे।
- ग्रीस के देवी-देवताओं के पिता 'जीयस' के सम्मान में एक धार्मिक पर्व के रूप में इन खेलों का शुभारंभ ओलंपिया में 776 ई.पू. में हुआ था।
- प्राचीन ओलंपिक खेलों का आयोजन भी चार वर्ष के अंतराल पर होता था। प्रारंभ में इसमें केवल पुरुष एथलीट ही भाग लेते थे।
- प्राचीन ओलंपिक खेलों में ग्रीस (Greece) के विभिन्न स्थानों से तथा साथ ही पश्चिम में स्पेन तथा पूर्व में तुर्की तक से भी भाग लेने के लिए प्रतियोगी खिलाड़ी आया करते थे।
- 394 ई. पू. में रोमन सम्राट थियोडोसियस ने ओलंपिक खेलों पर प्रतिबंध लगा दिया था।
- ओलंपिक खेलों का पुनरूत्थान फ्रांस के पियरे डी. कुबर्तिन द्वारा किया गया, इन्हें 'आधुनिक ओलंपिक का पिता' (Father of Modern Olympics) भी कहा जाता है।
- पियरे डी. कुबर्तिन (फ्रांस) द्वारा ही ओलंपिक खेलों का संचालन करने के लिए एक संस्था 'अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति' (International Olympics Committes-IOC) की स्थापना 23 जून, 1894 को की गई।
- 'अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति' (IOC) ही ग्रीष्मकालीन तथा शीतकालीन ओलंपिक खेलों का पर्यवेक्षण (OBSERVER) करती है। वर्तमान में (वर्ष 2016 तक) 205 राष्ट्रों की ओलंपिक समितियां इसकी सदस्य हैं। 'अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति' का मुख्यालय लुसाने (स्विटजरलैंड) में स्थित है।
- प्रथम आधुनिक (ग्रीष्मकालीन) ओलंपिक खेलों का आयोजन एथेंस में वर्ष 1896 में हुआ था।

### ओलंपिक (ग्रीष्मकालीन) खेल: एक दृष्टि में-

क्र.सं.	वर्ष	स्थान
1.	1896	एथेंस (ग्रीस)
2.	1900	पेरिस (फ्रांस)
3.	1904	सेंट लुइस (सं. रा. अमेरिका)
4.	1908	लंदन (ब्रिटेन)
5.	1912	स्टॉकहोम (स्वीडन)
6.	1916	बर्लिन (जर्मनी) [प्रथम विश्वयुद्ध के कारण खेल नहीं हुए]



356 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

7.	1920	एंटरप (बेल्जियम)
8.	1924	पेरिस (फ्रांस)
9.	1928	एम्सटरडम (नीदरलैंड/हॉलैंड)
10.	1932	लॉस एंजिल्स (सं. रा. अमेरिका)
11.	1936	बर्लिन (जर्मनी)
12.	1940	टोक्यो (जापान) [द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण खेल नहीं हुए]
13.	1944	लंदन (ब्रिटेन) [द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण खेल नहीं हुए]
14.	1948	लंदन (ब्रिटेन)
15.	1952	हेल्सिंकी (फिनलैंड)
16.	1956	मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया)
17.	1960	रोम (इटली)
18.	1964	टोक्यो (जापान)
19.	1968	मैक्सिको सिटी (मैक्सिको)
20.	1972	म्यूनिख (प. जर्मनी)
21.	1976	मॉंट्रियल (कनाडा)
22.	1980	मास्को (सोवियत संघ)
23.	1984	लॉस एंजिल्स (सं.रा. अमेरिका)
24.	1988	सोल (द. कोरिया)
25.	1992	बारसिलोना (स्पेन)
26.	1996	एटलांटा (सं.रा. अमेरिका)
27.	2000	सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)
28.	2004	एथेंस (ग्रीस)
29.	2008	बीजिंग (चीन)
30.	2012	लंदन (ब्रिटेन)
31.	2016	रियो डी जेनेरियो (ब्राजील)
32.	2020	टोक्यो (जापान, अधिसूचित)
33.	2024	पेरिस (फ्रांस, अधिसूचित)
34.	2028	लॉस एंजिल्स (अमेरिका, अधिसूचित)

- आधुनिक ओलंपिक खेलों का प्रथम (स्वर्ण) पदक अमेरिका के जेम्स कानोली ने तिकड़ी कूद में जीता था।
- ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम एशियाई खिलाड़ी जापान के मिक्किओ ओडा थे, जिन्होंने यह पदक वर्ष (1928 मे) एम्सटरडम ओलंपिक में (तिकड़ी कूद) में जीता था।

- सन् 2016 तक 31 आधुनिक (ग्रीष्मकालीन) ओलंपिक खेल आयोजित हो चुके हैं। इनमें से मात्र 3 बार 1916, 1940 तथा 1944 में ओलंपिक के आयोजन क्रमशः प्रथम विश्वयुद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण रद्द कर दिए गए थे।
- अब तक एशिया के 3 देशों में ओलंपिक खेल आयोजित हो चुके हैं, जिनमें जापान (1964) सियोल, (द. कोरिया) (1988) एवं चीन (2008)। अफ्रीका महाद्वीप में अब तक किसी भी ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं हुआ। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में एकमात्र बार (वर्ष 2016 में) ब्राजील (रियो डी जेनेरियो शहर) में ओलंपिक खेल आयोजित हुए।
- ओलंपिक खेलों का चिह्न आपस में जुड़े हुए 'पांच छल्ले' हैं जो पांच महाद्वीप (यूरोप, एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका) का प्रतिनिधित्व करते हैं। छल्ले का रंग क्रमशः नीला, पीला, काला, हरा तथा लाल होता है।
- प्रथम शीतकालीन ओलंपिक (Winter Olympics) खेल सन् 1924 में फ्रांस में आयोजित हुए थे। 22वें शीतकालीन ओलंपिक खेल फरवरी 2014 में रूस में सोची (Sochi) में संपन्न हुए। 23वें शीतकालीन ओलंपिक खेल 2018 में दक्षिण कोरिया में होंगे।
- ओलंपिक के आदर्श वाक्य 'अल्शियस, सिरियस, फोर्टियस लैटिन शब्द है, जिसका अर्थ—और तेज, ऊंचा एवं साहसी होता है।
- 'ओलंपिक ध्वज' (Flag) को सर्वप्रथम सन् 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में फहराया गया था।
- ओलंपिक 'मशाल' जलाने की प्रथा सन् 1936 के बर्लिन ओलंपिक में प्रारंभ हुई थी।
- ओलंपिक खेलों के उद्घाटन एवं समापन अवसर पर मार्चपास्ट में सबसे आगे यूनान (Greece) देश के खिलाड़ी होते हैं।
- ओलंपिक खेलों में किसी स्पर्धा में एक देश के अधिकतम (Maximum) 3 खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं।
- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक देने की परंपरा लंदन ओलंपिक (1908) में प्रारंभ की गई।
- ओलंपिक खेलों के उद्घाटन दिवस में खिलाड़ियों की ओर से ली जाने वाली 'शपथ' लेने की परंपरा एंटवर्प ओलंपिक (1920) में शुरू हुई।
- ओलंपिक 'गाने' को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने वर्ष 1958 में स्वीकृति दी थी।
- ओलंपिक 'शुभंकर' चुनने की प्रथा सन् 1968 में मैक्सिको ओलंपिक से शुरू हुई। उल्लेखनीय है कि 'शुभंकर' का चयन मेजबान देश द्वारा किया जाता है।

358 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- प्रतिवर्ष 23 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति स्थापना दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- सन् 2005 को विश्व भर में 'अंतर्राष्ट्रीय खेल एवं शारीरिक शिक्षा वर्ष' के रूप में मनाया गया।
- ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड माइकल फेल्ल्स के नाम है।
- वर्ष 2001 से 2013 तक अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के (8वें) अध्यक्ष जैक्स रोगे (बेल्जियम) थे।
- वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष जर्मनी के थॉमस बाख (Thomas Bach) हैं। वह इस समिति के नौवें अध्यक्ष हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के अध्यक्षों की सूची (एक दृष्टि में)		
क्र. सं.	अध्यक्ष (देश)	अवधि
1.	डेमेट्रियस विकीलासा (यूनान)	1899 से 1896 तक
2.	पियरे डि कोबर्टीन (फ्रांस) बैरॉन गॉड फ्राँय (स्विट्जरलैंड) कार्यवाहक	1896 से 1915 तक 1916 से 1919 तक
3.	हेनरी डि बैलेट लाटूर (बेल्जियम)	1925 से 1942 तक
4.	सिगफ्रिड एड्सट्रॉम (स्वीडन)	1942 से 1952 तक
5.	एवरी ब्रुंडेज (अमेरिका)	1952 से 1972 तक
6.	लॉर्ड माइकल किलानिन (आयरलैंड)	1972 से 1980 तक
7.	जुआन एंटीनियो समाराच (स्पेन)	1980 से 2001 तक
8.	जैक्स रोगे (बेल्जियम)	2001 से 2013 तक
9.	थॉमस बाख (जर्मनी)	2013 से वर्तमान तक

- वर्ष 1960 से अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक खेलों को प्रारंभ (प्रति 4 वर्ष पश्चात्) किया गया।
- शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए इन खेलों का आयोजन वर्तमान में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के बाद ही 4-4 वर्ष के अंतर पर होता है।
- पैरालंपिक खेलों में भारत (वर्ष 1960 से 2012 तक) 2 स्वर्ण, 3 रजत एवं 3 कांस्य सहित कुल 8 पदक अब तक जीता है। वर्ष 2012 में लंदन पैरालंपिक में भारत के लिए एकमात्र पदक (रजत पदक) कर्नाटक के गिरीश नगराजे गौड़ा ने (ऊंची कूद) में जीता था।
- प्रथम युवा (ग्रीष्मकालीन) ओलंपिक खेलों का आयोजन अगस्त, 2010 को सिंगापुर में हुआ था, जबकि दूसरे युवा ओलंपिक खेल चीन के नानजिंग (Nanjing) में अगस्त, 2014 में संपन्न हुए थे।

- तीसरे युवा ओलंपिक खेल 11-23 सितंबर, 2018 ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) में होंगे।

## ओलंपिक में भारत

- ओलंपिक खेलों में भारत ने (आधिकारिक तौर पर) पहली बार वर्ष 1920 के एंटवर्प (बेल्जियम) ओलंपिक में भाग लिया था, परंतु भारत को कोई पदक नहीं मिला था।
- इससे पूर्व वर्ष 1900 में पेरिस ओलंपिक में आंग्ल भारतीय समुदाय के एक भारतीय एथलीट नार्मन प्रिचार्ड ने (बाधा दौड़ में) रजत पदक जीता था, किंतु प्रिचार्ड ने इस ओलंपिक में व्यक्तिगत तौर पर ही भाग लिया था।
- वर्ष 2016 तक ओलंपिक खेलों में भारत ने अब तक कुल 26 पदक जीते हैं।
- भारत ने हॉकी (Hockey) में पहला पदक (स्वर्ण पदक) वर्ष 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में जीता था, जबकि अंतिम (आठवां) स्वर्ण पदक (हॉकी में) वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में जीता था।
- भारत ने वर्ष 1928 से 1980 तक हॉकी में 11 विभिन्न पदक ओलंपिक में जीते थे।
- 30 वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों (वर्ष 2012 में), जिसका आयोजन 27 जुलाई से 12 अगस्त, 2012 तक लंदन में हुआ, इसमें भारत ने कुल 6 पदक जीते, जिनमें दो 2 रजत तथा 4 कांस्य थे। लंदन ओलंपिक में भारत ने कोई भी स्वर्ण पदक नहीं जीता।
- भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने अपने 'नैतिकता आयोग' (Ethics Commission) तथा खेलों से जुड़े विवादों के निपटान के लिए गठित 'पंचाट' (Indian Court of Arbitration for Sports) का पुनर्गठन 4 जनवरी, 2012 को किया।
- भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के चुनाव में ओलंपिक चार्टर के उल्लंघन के चलते अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने भारतीय ओलंपिक संघ की सदस्यता दिसंबर, 2012 में निलंबित कर दी, परंतु 14 मास बाद फरवरी 2014 में भारतीय ओलंपिक संघ की ओलंपिक में पुनः वापसी हुई।

ओलंपिक खेलों में (वैयक्तिक स्पर्धाओं में) भारत द्वारा जीते गए पदक: एक दृष्टि में-			
वर्ष	आयोजन स्थल	पदकों की संख्या	विजेता/पदक
1952	हेलसिंकी	1	के.डी. जाधव (कुश्ती), कांस्य
1996	अटलांटा	1	लिंगडर पेस (टेनिस), कांस्य
2000	सिडनी	1	कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन), कांस्य

Contd...

360 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

2004	एथेंस	1	राज्यवर्द्धन सिंह राठौर (निशानेबाजी), रजत
2008	बीजिंग	3	अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी), स्वर्ण, सुशील कुमार (कुश्ती), कांस्य, विजेंद्र सिंह (मुक्केबाजी), कांस्य
2012	लंदन	6	सुशील कुमार (कुश्ती), रजत, विजय कुमार (निशानेबाजी), रजत, योगेश्वर दत्त (कुश्ती), कांस्य गगन नांरग (निशानेबाजी), रजत, एम. सी. मैरीकॉम (मुक्केबाजी), कांस्य, सायना नेहवाल (बैडमिंटन), कांस्य,
2016	रियो डी जेनेरियो	2	पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन), रजत साक्षी मलिक (कुश्ती), कांस्य

**नोट-** भारत ने उपर्युक्त वैयक्तिक स्पर्धाओं में कुल मिलाकर 15 पदकों के अतिरिक्त हॉकी (Hockey) में 11 विभिन्न पदक वर्ष 1928 से 1980 के दौरान जीते हैं। इस प्रकार ओलंपिक खेलों में भारत के पदकों की कुल संख्या अब 26 (वर्तमान में) हो गई है।

- वर्ष 2020 के आगामी 32वें ओलंपिक खेलों की मेजबानी टोकियो (जापान) को मिली है। यह दूसरा अवसर होगा, जब टोकियो में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल आयोजित किए जाएंगे। इससे पूर्व वर्ष 1964 में टोकियो में ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ था।
- वर्ष 2024 के ओलंपिक खेल पेरिस (फ्रांस) तथा वर्ष 2028 के ओलंपिक खेल लॉस एंजिल्स (स.रा. अमेरिका) में अधिसूचित हैं।





## भाग 9: बिहार सामान्य ज्ञान

30. बिहार सामान्य ज्ञान





# बिहार सामान्य ज्ञान

## बिहार एक परिचय

नाम	—	बिहार
गठन	—	26 जनवरी, 1950
राजधानी	—	पटना
उच्च न्यायालय	—	पटना
राजकीय भाषा	—	हिन्दी व उर्दू
भौगोलिक स्थिति		

- | बिहार                                        | भारत                              |
|----------------------------------------------|-----------------------------------|
| ● अक्षांश 24° 20' 10" से 27° 31' 15"         | उत्तर अक्षांश 8°4' से 37°6' उत्तर |
| ● देशान्तर 83°19'50" से 88°17'40"            | पूरुब देशान्तर 68°7' से 97°25'    |
| ● क्षेत्रफल Area (वर्ग कि.मी.) (2011 जनगणना) |                                   |

	बिहार	भारत
(i) कुल	94163.00	3287263.00
(ii) ग्रामीण	92358.40	31118237.74
(iii) शहरी	1804.60	78163.26

**टिप्पणी:**—पाकिस्तान एवं चीन द्वारा अवैध कब्जा एवं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पुदुचेरी और आन्ध्र प्रदेश के विवादित क्षेत्रफल के कारण ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रफलों का योग भारत के कुल योग के बराबर नहीं है।

- |                                    |        |                      |
|------------------------------------|--------|----------------------|
| ● समुद्र तल से ऊंचाई               |        | 173 Ft (52.73 Metre) |
| ● वर्षापात (बिहार)                 | 2014   | 2015                 |
| (i) सामान्य वर्षापात (मि.मी.)      | 1208.7 | 1207.8               |
| (ii) औसत वर्षापात (मि.मी.)         | 959.5  | 798.1                |
| (iii) वर्षा के औसत दिनों की संख्या | 62.9   | 52.5                 |



**प्रशासनिक इकाइयाँ**

● प्रमंडल	9
● जिला	38
● अनुमंडल	101
● सामुदायिक विकास प्रखंड	535
● पंचायत	8391
● पंचायत समिति	534
● जिला परिषद	38
● पंचायत समिति सदस्यों की संख्या	11497
● ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या	114733
● मुखिया पदों की संख्या	8391
● सरपंच पदों की संख्या	8391
● पंच पदों की संख्या	114733
● नगर निगम की संख्या	12
● नगर परिषद की संख्या	42
● नगर पंचायत की संख्या	88
● नगर निगम में वार्ड की संख्या	593
● नगर परिषद में वार्ड की संख्या	1289
● नगर पंचायत में वार्ड की संख्या	1493
● नगर निगम में वार्ड पार्षद की संख्या	593
● नगर परिषद में वार्ड पार्षद की संख्या	1289
● नगर पंचायत में वार्ड पार्षद की संख्या	1493
● सिविल थाना	931
● रेलवे थाना	40
● महिला थाना	40
● अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति थाना	40
● नदी थाना	5
● साइबर थाना	1
● निगरानी थाना	1
● यातायात थाना	6
● आर्थिक अपराध थाना	1

**देशान्तरीय विस्तार**—83° 19' 50" से 88° 17' 40" पूर्वी देशान्तर

**क्षेत्रफल**—94, 163 वर्ग किमी (2.86 %)

**लम्बाई (उत्तर से दक्षिण)**—345 किमी

**चौड़ाई (पूरब से पश्चिम)**—483 किमी

**क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में**—12 वां स्थान

**समुद्र तल से ऊंचाई**—53 मी (173 फीट)

**भौगोलिक स्थिति**—भारत के उत्तर पूर्वी भाग में

**सीमाएं**—पूर्व में पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश, उत्तर में नेपाल तथा दक्षिण में झारखण्ड।

जलवायु—मानसूनी	सर्वाधिक गर्म जिला—गया
औसत वर्षा—112 सेमी	सर्वाधिक वर्षा वाला जिला—किशनगंज
न्यूनतम वर्षा वाला जिला—औरंगाबाद	कुल प्रजनन दर—4.2 प्रति हजार
शिशु मृत्यु दर—61 प्रति हजार	जीवन प्रत्याशा (पुरुष)—61.6 वर्ष
जीवन प्रत्याशा (महिला)—59.7 वर्ष	पंचायतों की संख्या—8, 471
पंचायत की समिति—531	जिला परिषद्—38
नगर निगम—10	नगर परिषद्—42
नगर पंचायत—87	विश्वविद्यालय—13
लोक सभा सदस्य—40	राज्य सभा सदस्य—16
विधान सभा सदस्य—243	विधानपरिषद् सदस्य—75
लोक सभा में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित सीटें—07	राजकीय खेल—कबड्डी
विधान सभा में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित सीटें—40	राजकीय पक्षी—इण्डियन रोलर
राजकीय चिन्ह —बोधिवृक्ष	राजकीय पशु—गौर
राजकीय वृक्ष—पीपल	
राजकीय पुष्प—कचनार	

vH kj . ; kh dh l ph

Øe l a	ule	ft yk	i zlkj	{k-Qy %xZfdylellj½	LFki uk o"lZ	l jf{kr t h&t aq
1	वाल्मीकि नेशनल पार्क	पश्चिम चम्पारण	राष्ट्रीय पार्क	335.65	1989	बाघ, काला भालू, गैंडा, जंगली कुत्ता, जंगली भैंस, तेंदुआ, हिरण
2	बरेला, सलीम अली, जुब्बा साहनी वन्य जीव अभ्यारण	वैशाली	वन्य जीव अभ्यारण्य	1.96	1997	चीता, सांभर, हिरण, भालू, कोयल, गोरेया, मैना, तोता
3	भीम बाँध वन्य जीव अभ्यारण्य	मुंगेर	वन्य जीव अभ्यारण्य	681.90	1976	तेंदुआ, भालू, सांभर, जंगली सूअर, भेड़िया, बंदर, लंगूर, नीलगाय, मगरमच्छ, मोर
4	कैमूर वन्य जीव अभ्यारण्य	कैमूर	वन्य जीव अभ्यारण्य	1784.73	1979	भालू, भेड़िया, चौसिंगा,
5	राजगीर वन्य जीव अभ्यारण्य	नालंदा	वन्य जीव अभ्यारण्य	35.84	1978	भेंड़, गाय, भालू, बंदर

Contd...

366 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

6	उदयपुर वन्य प्राणी अभ्यारण्य	पश्चिम चम्पारण	वन्य जीव अभ्यारण्य	8.74	1978	चीता, सांभर, हिरण, भालू
7	वाल्मीकि वन्य प्राणी अभ्यारण्य	पश्चिम चम्पारण	वन्य जीव अभ्यारण्य	899.38	1976	चीता, सांभर, चीतल, हिरण, भालू
8	गौतम बुद्ध पक्षी अभ्यारण्य	गया	वन्य जीव अभ्यारण्य	259.48	1971	चीता, सांभर, तेंदुआ, हिरण, चीतल
9	काँवर झील पक्षी अभ्यारण्य	बेगूसराय	पक्षी अभ्यारण्य	63.11	1989	साइबेरियन क्रेन
10	नागी डैम पक्षी अभ्यारण्य	जमुई	पक्षी अभ्यारण्य	7.91	1987	कोयल, गोरेया, मैना, तोता
11	नकटी डैम पक्षी अभ्यारण्य	जमुई	पक्षी अभ्यारण्य	3.32	1987	कोयल, गोरेया, मैना, तोता, गिलहरी
12	संजय गाँधी जैविक पार्क	पटना	चिड़ियाघर एवं जैविक उद्यान	153	1969	गैंडा
13	विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य	भागलपुर	जलीय जीव अभ्यारण्य (गंगा नदी)	60 किलोमीटर लम्बाई	1990	डॉल्फिन

## फसल प्रतिरूप जोन

Ql y i fr: lk t k	Ql y			i e q k ft ys
जोन -I	धान-गेहूँ, धान-मक्का, मक्का-राई, धान-राई, (तीसी)	धान-राई, मक्का-गेहूँ, धान-मसूर,	धान-आलू, मक्का-आलू, धान-अलसी	पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सिवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, गोपालगंज, बेगूसराय
जोन -II	जूट-गेहूँ, जूट-सरसों,	जूट-आलू, धान-गेहूँ-मूंग,	जूट-उड़द, धान-तोरिया	पूर्णिमा, कटिहार, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, खगड़िया, अररिया, किशनगंज
जोन-III	धान-गेहूँ, धान-राई	धान-चना,	धान-मसूर,	शेखपुरा, मुंगेर, जमुई, लखीसराय, भागलपुर, बांका, रोहतास, भोजपुर, बक्सर, भभुआ, अरवल, पटना, नालंदा, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया।

1 कृषि विभाग, बिहार सरकार

## फसलों के प्रकार

Ql y izdkj	ckusdk l e;	dkWusdk l e;	i eƒk Ql y
खरीफ (i) भदई (ii) अगहनी	जून-जुलाई जून-जुलाई	अक्टूबर-नवम्बर अगस्त नवम्बर	चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, जूट, धान, गन्ना, सब्जी
रबी	अक्टूबर-नवम्बर	मार्च-अप्रैल	जौ, चना, मटर, सरसों, आलू, मसूर, खेसारी
जायद	अप्रैल	जून	मक्का, ज्वार, सब्जी, हरा चारा, मडुआ

## बिहार में फल उत्पादन

1/2 k k Vu e 2

Qy	2017&18	Qy	2017&18
आम	14.81	अनानास	1.17
अमरुद	3.74	पपीता	0.44
केला	15.51	आँवला	0.28
लीची	2.34	तरबूज	0.30

1 k %बिहार सरकार आर्थिक सर्वेक्षण, 2018-19

## बिहार की प्रमुख फसलों का उत्पादन (2017-18)

gt kj Vu e 2

Ql ya	mRi knu	Ql ya	mRi knu
कुल अनाज	17348.61	कुल दलहन	454.17
चावल	8093.16	मसूर	147.49
गेहूँ	6104.3	चना	67.18
मक्का	3120.77	मूंग	120.19
कुल मोटा अनाज	3151.15	कुल तिलहन	124.24
जौ	16.47	सरसों, राई	98.49
ज्वार	1.45	सूर्यमुखी	13.38
बाजरा	4.97	ईख	17610.12

## फसल उत्पादन में बिहार का भारत में स्थान

Q1 y	LFku	Q1 y	LFku
चावल	चौथा	आम	प्रथम
गेहूँ	छठा	जौ	दूसरा
तम्बाकू	तीसरा	मडुआ	प्रथम
जूट	दूसरा	शहद	प्रथम
तिलहन	सातवां	मखाना	प्रथम
लीची	प्रथम	मक्का	तीसरा

## बिहार की प्रमुख फसलें तथा उत्पादन क्षेत्र

Q1 y	mRi knu {k=
चावल	रोहतास, पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, अरवल, बक्सर
गेहूँ	रोहतास, गया, दरभंगा
मक्का	सारण, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, बेगूसराय, मुंगेर
जौ	पश्चिम चम्पारण, सहरसा, पूर्णिया
मडुआ/रागी	सहरसा, मुजफ्फरपुर, सारण
बाजरा	पटना, मुंगेर, गया
तीसी	पटना, भोजपुर, गया
राई, सरसों	पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा
तिल	पश्चिम चम्पारण, शाहाबाद
अरहर	दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर
चना	भोजपुर, बक्सर
मसूर	पटना, चम्पारण, गया
खेसारी	पटना, गया, भोजपुर
गन्ना	चम्पारण, सारण, मुजफ्फरपुर
जूट	पूर्णिया, कटिहार
तम्बाकू	दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, समस्तीपुर, सहरसा
आलू	पटना, नालंदा, सारण, समस्तीपुर

## विश्वविद्यालय

Ø-1 a	fo' ofo   ky; dk ukē	LFki uk o'kz
1.	पटना विश्वविद्यालय, पटना	1917 ई.
2.	बी.आर. अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर	1952 ई.
3.	तिलकामांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर	1960 ई.
4.	के.एस.डी.एस. संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा	1961 ई.
5.	मगध विश्वविद्यालय, बोधगया	1962 ई.
6.	राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर	1970 ई.
7.	ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा	1972 ई.
8.	नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना	1987 ई.
9.	वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा	1990 ई.
10.	भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा	1990 ई.
11.	जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा	1990 ई.
12.	मौलाना मजहरूल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, पटना	1998 ई.
13.	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर	2004 ई.
14.	केन्द्रीय बिहार विश्वविद्यालय, गया	2005 ई.
15.	चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटना	2007 ई.
16.	आर्यभट्ट तकनीकी विश्वविद्यालय, पटना	2009 ई.
17.	नालन्दा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नालन्दा	2009 ई.

## खेल स्टेडियम

Ø-1 a	[ky LVfM; e	LFku
1.	राजेन्द्र स्टेडियम	छपरा
2.	सचिवालय इंडोर स्टेडियम	पटना
3.	संजय गाँधी मिनी स्टेडियम	पटना
4.	हाजीपुर स्टेडियम	हाजीपुर
5.	खुदीराम बोस स्टेडियम	मुजफ्फरपुर
6.	सुब्रमण्यम स्टेडियम	गया
7.	वीर कुँवर सिंह पुलिस स्टेडियम	आरा
8.	मोइनुल हक स्टेडियम	पटना

Contd...

9.	जगजीवन राम स्टेडियम	खगौल
10.	इन्दिरा गाँधी स्टेडियम	पूर्णियाँ
11.	मिथिलेश स्टेडियम	पटना
12.	रेलवे स्टेडियम	हाजीपुर
13.	डाक—तार मनोरंजन एवं इंडोर स्टेडियम	पटना

## बिहार की नदियाँ - उनके उद्गम स्थल एवं संगम/मुहाना

unh	mnxe LFky	l æ@egluk
गंगा	गंगोत्री हिमनद का गोमुख (उत्तराखण्ड)	बंगाल की खाड़ी
गंडक	अन्नपूर्णा श्रेणी के मानंगमोट और कुतांग के मध्य से	गंगा नदी (पटना के पास)
घाघरा (सरयू)	गुरला मन्धाता चोटी के पास नाम्फा (नेपाल)	गंगा नदी (छपरा के पास)
बूढ़ी गंडक	सोमेश्वर श्रेणी के विशम्भरपुर के पास चऊतरवा चौर	गंगा नदी (खगड़िया के पास)
बागमती	महाभारत श्रेणी (नेपाल)	बूढ़ी गंडक
कमला	महाभारत श्रेणी (नेपाल)	कोसी
कोसी	गोसाईं स्थान (सप्तकौशिकी, नेपाल)	गंगा नदी (कुरसेला के पास)
महानंदा	महाभारत श्रेणी (नेपाल)	गंगा नदी (मनिहारी, कटिहार के पास)
सोन	अमरकंटक चोटी (मध्य प्रदेश)	गंगा नदी (दानापुर एवं मनेर के बीच)
पुनपुन	छोटा नागपुर पठार (पलामू)	गंगा नदी (फतुहा के पास)
कर्मनाशा	सारोदाग (कैमूर)	गंगा नदी
फल्गु	उत्तरी छोटा नागपुर पठार (हजारीबाग)	टाल क्षेत्र
अजय	बटबाड़ (जमुई)	गंगा (पश्चिम बंगाल)

## बिहार के प्रमुख जलप्रपात की स्थिति

नाम	स्थान	उचाई (मीटर)
सुखलदरी	कनहर	रोहतास
धुआँ कुंड (30 मीटर)	काव, धोबा	ताराचंडी (रोहतास)
दुर्गावती (खादर कोह) (80 मीटर)	दुर्गावती	छानपापर (रोहतास)
जिआरखुंड	फुलवरिया	जिआरखुंड (भोजपुर)
तमासीन	महाने	—
खुआरी दाह (180 मीटर)	असाने	रोहतास
राकिम कुंड	गायघाट	रोहतास
ओखारीन कुंड (90 मीटर)	गोपथ	रोहतास
सुआरा (120 मीटर)	पूर्वी सुआरा	रोहतास
देवदारी (58 मीटर)	कर्मनासा	रोहतास पठार (रोहतास)
तेलहर कुंड (80 मीटर)	पश्चिम सुआरा	रोहतास पठार (रोहतास)

## प्रमुख राज्यों में रेल मार्ग नेटवर्क - मार्च, 2016

राज्य	रेलवे लाइन (कि.मी.)	रेलगाड़ी (लाकड़ों में)	
		एक दिशा	दो दिशा
बिहार	3731	39.6	4.9
गुजरात	5259	26.8	10.4
झारखण्ड	2394	30.0	11.7
मध्य प्रदेश	5000	16.2	10.3
महाराष्ट्र	5747	18.7	7.8
राजस्थान	5893	17.2	11.1
तमिलनाडु	4027	31.0	7.2
उत्तर प्रदेश	9077	37.7	6.1
<b>कुल</b>	<b>66687</b>	<b>20.3</b>	<b>7.6</b>



## बिहार के प्रमुख विद्युत उत्पादक इकाई (स्थापित, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित)

rkf   q ifj; kt uk	LFku	mRi knu {lerk (MW)
कांटी ताप विद्युत परियोजना	कांटी, मुजफ्फरपुर	2 × 110, 2 × 195
बरौनी ताप विद्युत परियोजना	बरौनी, बेगूसराय	2 × 110, 2 × 250
नवीनगर ताप विद्युत परियोजना	नवीनगर, औरंगाबाद	3 × 660
बक्सर ताप विद्युत परियोजना	चौसा, बक्सर	2 × 660
पीरपैती ताप विद्युत परियोजना	पीरपैती, भागलपुर	2 × 660
कजरा ताप विद्युत परियोजना	कजरा, लखीसराय	2 × 660
सुपर ताप विद्युत परियोजना	बाँका	4000
पूर्वी गंडक जल विद्युत केन्द्र	वाल्मीकि नगर	5 × 3
पश्चिमी सोन जल विद्युत केन्द्र	डेहरी ऑन सोन	1.65 × 4
पूर्वी सोन जल विद्युत केन्द्र	बारून	1.65 × 2
कोसी जल विद्युत केन्द्र	कटैया	4.8 × 4
अगनूर जल विद्युत केन्द्र	अरवल	0.5 × 2
ढेलाबाग जल विद्युत केन्द्र	ढेलाबाग	0.5 × 2
त्रिवेणी नहर जल विद्युत केन्द्र	त्रिवेणी	1.5 × 2
नासरीगंज जल विद्युत केन्द्र	नासरीगंज	0.5 × 2

## राज्य में दुग्ध उत्पादन सहयोग समितियाँ एवं दैनिक दूध संग्रहण (2017-18)

l Rk@ ifj; kt uk	l g; l x l fefr; ka dh l f; k 1/2lk, Zkly 1/2	nSud nRk l xg. k 1/2dy l Wj e 1/2
वैशाली-पाटलिपुत्र दुग्ध संघ, पटना	2726	263.3
देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद दुग्ध संघ, बरौनी	2132	454.86
मिथिला दुग्ध संघ, समस्तीपुर	2030	349.65

Contd...

तिरहुत दुग्ध संघ, मुजफ्फरपुर	2032	196.35
शाहाबाद दुग्ध संघ, आरा	2368	189.65
विक्रमशिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, भागलपुर	1355	72.71
मगध दुग्ध परियोजना, गया	1784	40.54
कोसी दुग्ध परियोजना, पूर्णिया	726	17.75
राँची, दुग्ध परियोजना, राँची	50	—
कोसी दुग्ध संघ, सुपौल	—	18.64
राँची, बोकारो, जमशेदपुर डेयरी	—	23.8
<b>dy</b>	<b>15203</b>	<b>1627</b>

1. काँम्फेड, बिहार सरकार

## बिहार की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	सिंचाई क्षेत्र	प्रकार	स्थान
1	बहुउद्देशीय योजना	i. सोन घाटी परियोजना	सोन	रोहतास, बिहार
		ii. गंडक घाटी परियोजना	गंडक	बिहार, उत्तर प्रदेश
		iii. कोसी घाटी परियोजना	कोसी	बिहार, नेपाल
2	सिंचाई परियोजना	i. दुर्गावती जलाशय योजना	दुर्गावती	कैमूर एवं रोहतास
		ii. ऊपरी किऊल जलाशय योजना	किऊल	लखीसराय एवं मुंगेर
		iii. बागमती परियोजना	बागमती	सीतामढ़ी
		iv. बरनाल जलाशय परियोजना	बरनाल	जमुई
		v. तेउर नहर योजना	तेउर	पूर्वी चम्पारण
		vi. कमला नहर योजना	कमला	दरभंगा, मधुबनी
		vii. सकरी नहर योजना	सकरी	गया, मुंगेर
		viii. चंदन जलाशय योजना	चंदन	भागलपुर
		ix. बटुआ जलाशय योजना	बटुआ	भागलपुर
3	लघु सिंचाई की योजनाएँ	i. जमनिया पम्प नहर योजना	—	—

Contd...

		ii. सम्मत बिगहा मोरहर योजना	मोरहर	जहानाबाद
		iii. कचनामा वीयर योजना	—	जहानाबाद
		iv. मोर वीयर योजना	—	—
		v. सोलहन्डा वीयर योजना	यमुना	जहानाबाद
		vi. सुगरवे वीयर योजना	—	—
		vii. लवाइच रामपुर बैराज	दरधा	—
		viii. नवागढ़ योजना	—	जहानाबाद
		ix. सेसम्बा वीयर योजना	—	जहानाबाद
		x. इसरवे चेक डैम	—	गया
		xi. भैटौरा डैम	—	गया
		xii. कदहर वीयर योजना		गया
		xiii. बछराजा वीयर योजना		मधुबनी

### बिहार में केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक उपक्रम

LFku	m   ks dk ule
बरौनी	फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
बरौनी	इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड
मोकामा	भारत वैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड
बेला, छपरा	रेल पहिया कारखाना
मढ़ौरा, छपरा	डीजल एवं इलेक्ट्रिक इंजन कारखाना (निर्माणाधीन)
मधेपुरा	रेलवे विद्युत इंजन कारखाना (निर्माणाधीन)
हरनौत	कैरेंज रिपेयर रेल वर्कशॉप



**भाग 10: परिशिष्ट: समसामयिक घटनाएं**  
राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएं



# समसामयिक घटनाएं

## (Current Events)

---

---

### कोरोना वायरस

कोविड-19 जिसे नोवल कोरोना वायरस भी कहते हैं, 2020 में इसने विश्वव्यापी महामारी का रूप ग्रहण कर लिया है। कोरोना वायरस कई प्रकार के विषाणुओं का समूह है जिससे मनुष्य एवं पक्षियों में बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। यह RNA वायरस है जिसके कारण श्वसन तंत्र में संक्रमण पैदा होता है तथा सर्दी-जुकाम से लेकर मृत्यु तक हो सकती है।

कोरोना लैटिन भाषा का शब्द है जिसका अर्थ मुकुट होता है। कोविड-19 अर्थात् कोरोना वायरस डिजिज-19 जिसे नोवल कोरोना और सार्स-कोव 2 भी कहा जाता है, के संक्रमण की शुरुआत विश्व महामारी के रूप में चीन के वुहान शहर से दिसम्बर 2019 में हुई। वैज्ञानिकों का मानना है कि वुहान में बेचे जाने वाले जानवरों के माँस से इसकी शुरुआत हुई है। वुहान शहर से शुरू होने के कारण इसे वुहान कोरोना वायरस भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसका नामाकरण सार्स-कोव 2 किया गया है। 28 सितम्बर, 2020 तक विश्व में सवा तीन करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हैं। जिसमें से 10 लाख लोग मौत का शिकार हो चुके हैं। विश्व में अमेरिका में सबसे ज्यादा (लगभग 71 लाख से अधिक) लोग संक्रमित हैं। जिनमें से 2 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारत कोरोना संक्रमित लोगों की दृष्टि से दूसरे तथा ब्राजील तीसरे स्थान पर है। भारत में 60 लाख से अधिक तथा ब्राजील में 47 लाख से अधिक कोरोना संक्रमित मामले हैं। भारत में 95 हजार से अधिक तथा ब्राजील में 1 लाख 41 हजार से अधिक लोगों की मौत कोरोना वायरस से हो चुकी है।

कोरोना वायरस के शुरुआती लक्षणों में पहले बुखार, उसके बाद सूखी खाँसी और एक सप्ताह के बाद साँस लेने में तकलीफ होने लगती है। इसका संक्रमण काल सामान्यतः 14 दिन का होता है। 2002-03 में भी इस तरह का संक्रमण फैला था जिसे सार्स वायरस कहा गया था। उस समय पूरे विश्व में लगभग 700 लोगों की मृत्यु हुई थी। कोविड-19 से पहली मृत्यु चीन के वुहान में 11 जनवरी 2020 को हुई थी।

इससे बचाव के लिए सरकार द्वारा लगातार दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव का सबसे अच्छा तरीका सामाजिक दूरी, साफ-सफाई तथा संक्रमित होने की स्थिति में स्वयं क्वारेन्टाईन होना है, क्योंकि अभी तक इसकी कोई भी औषधि नहीं बन पाई है। इसी कारण से सरकार द्वारा लॉकडाउन जैसा कदम उठाया जा रहा है जिससे कि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। केन्द्र सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा करने के साथ ही राज्य में 22 मार्च से लॉकडाउन लागू किया गया, जिसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया है। बाद में आम लोगों को राहत देने एवं अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन में कुछ छूट दी गई हैं।

### **गिरीश चन्द्र मुर्मू नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद पर नियुक्त**

8 अगस्त, 2020 को जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ ली। वह भारत के सीएजी के रूप में शपथ लेने वाले पहले आदिवासी हैं। उन्हें शपथ राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने दिलाई। जी.सी. मुर्मू 1985 बैच के आईएएस अधिकारी थे। उन्होंने हाल ही में जम्मू और कश्मीर के अपने एलजी पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के नए एलजी के रूप में शपथ ली। आईएएस अधिकारी गिरीश चंद्र मुर्मू को राजीव महर्षि की जगह सीएजी बनाया गया है। राजीव महर्षि का कार्यकाल 7 अगस्त को पूरा हो रहा है। राजीव महर्षि को साल 2017 में सीएजी नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल तीन साल का रहा। सीएजी को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और उन्हें छह साल के कार्यकाल या 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु प्रदान की जाती है। उन्हें संविधान में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा पद से हटाया जा सकता है।

### **भारत सरकार ने शुरू की 'किसान रेल'**

भारतीय रेलवे ने एक अहम कदम उठाते हुए 07 अगस्त 2020 से किसान रेल की शुरुआत कर दी है। देश की पहली किसान ट्रेन को रेल मंत्री पीयूष गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाई गई। भारतीय रेलवे की यह पहली किसान ट्रेन महाराष्ट्र के देवलाली (नासिक) से 07 अगस्त को रवाना होकर बिहार के दानापुर पहुंचेगी। यह ट्रेन खानपान की वस्तुओं के साथ अगले दिन वापस लौटेगी। किसान रेल से किसानों के जल्द खराब होने वाले सामान को समय पर पहुंचाया जाएगा। इस तरह के ट्रेन चलाने की घोषणा इसी साल के बजट में की गई थी। यह ट्रेन फिलहाल साप्ताहिक होगी जिसमें 11 पार्सल डब्बे लगाए गए हैं। इस ट्रेन की मदद से किसानों के द्वारा पैदा किए गए ताजा सब्जी, फल, फूल और मछली देश में एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

### **प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी की संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति**

शिक्षाविद् प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी को शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जो भारत के नौकरशाहों और राजनयिकों

का चयन करने के लिए सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। जोशी वर्तमान में आयोग के सदस्य भी हैं। अधिकारियों ने कहा कि वह अरविंद सक्सेना की जगह लेंगे। अरविंद सक्सेना का कार्यकाल शुक्रवार को यूपीएससी अध्यक्ष के रूप में पूरा हो गया है। जोशी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग दोनों के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। मई 2015 में यूपीएससी में सदस्य के रूप में शामिल हुए थे। एक अधिकारी ने कहा कि UPSC के अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल 12 मई 2021 तक रहेगा। अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति के साथ, यूपीएससी में एक सदस्य की रिक्ति है।

## अखिल भारतीय बाघ अनुमान सर्वेक्षण रिपोर्ट-2018

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हर साल 29 जुलाई को मनाए जाने वाले वैश्विक बाघ दिवस की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय बाघ अनुमान सर्वेक्षण 2018 की रिपोर्ट जारी की है। देश में कुल 50 टाइगर रिजर्व हैं, हालांकि उनमें से तीन – डम्पा रिजर्व (मिजोरम), बक्सा रिजर्व (पश्चिम बंगाल) और पलामू रिजर्व (झारखंड) में कोई बाघ नहीं बचा है। उत्तराखंड में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में देश में सबसे अधिक 231 बाघ हैं, इसके बाद क्रमशः कर्नाटक में नागरहोल और बांदीपोरा रिजर्व में 127 और 126 बाघ हैं।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे रीवा अल्ट्रा मेगा सौर संयंत्र का उद्घाटन

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जुलाई, 2020 को 750 मेगावाट के रीवा अल्ट्रा मेगा सौर संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। अब तक, 750 मेगावाट का रीवा अल्ट्रा मेगा सौर पावर प्रोजेक्ट भारत में और एशिया में सबसे बड़ी सिंगल-साइट सौर ऊर्जा परियोजना है।

यह परियोजना मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गुरु तहसील में स्थित है। यह 1,590 एकड़ भूमि में फैली हुआ है। इस पावर प्रोजेक्ट के सफल कार्यान्वयन के लिए, सोलर एनर्जी कारपोरेशन ऑफ इंडिया (SECI) और मध्य प्रदेश उर्जा विकास निगम लिमिटेड (MPUVNL) के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी की स्थापना की गई थी। संयुक्त उद्यम कंपनी का नाम रीवा अल्ट्रा मेगा सौर लिमिटेड (RUMSL) है।

## संयुक्त राष्ट्र संघ में इंद्रमणि पांडेय होंगे भारतीय राजदूत

1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी इंद्र मणिपांडे को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए, भारत के अगले राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है। इंद्रमणि पांडे वर्तमान में विदेश मंत्रालय में, अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। इंद्रमणि पांडेय भारतीय विदेश सेवा अधिकारी राजीव कुमार चन्द्र का स्थान लेंगे। राजीव कुमार चन्द्र को इस पद पर 30 मई, 2017 को नियुक्त किया गया था।

## विश्व बैंक का स्टार्स कार्यक्रम

28 जून, 2020 को विश्व बैंक समूह ने घोषणा की है कि भारत में गुणवत्ता और स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए स्टार्स कार्यक्रम के तहत (Strengthening Teaching-



Learning and Results for States Program') 500 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी गयी है। स्वीकृत ऋण से भारत के 6 राज्यों राजस्थान, ओडिशा, केरल, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र के 1.5 मिलियन स्कूलों में 10 मिलियन शिक्षक और 250 मिलियन स्कूली छात्र लाभान्वित होंगे।

## विनि महाजन बनीं पंजाब की पहली महिला मुख्य सचिव

1987 भारतीय प्रशासनिक सेवा बैच अधिकारी विनि महाजन पंजाब की पहली महिला मुख्य सचिव बन गयी हैं। उन्होंने करन अवतार सिंह की जगह ली, जिन्होंने शासन सुधारों के लिए विशेष मुख्य सचिव का पदभार संभाला है। विनि महाजन पंजाब राज्य में उपायुक्त का पद संभालने वाली पहली महिला अधिकारी भी हैं। वह 1995 में रोपड़ जिले के उपायुक्त बनी थीं।

## नासा ने मैरी डब्ल्यू. जैक्सन के नाम पर रखा मुख्यालय का नाम

नासा ने अपनी पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला इंजीनियर मैरी डब्ल्यू. जैक्सन के नाम पर अपने मुख्यालय का नाम रखा है। मैरी जैक्सन की सफलता की कहानी 2016 की जीवनी 'हिडन फिगर्स' में दिखाई गई थी। वाशिंगटन डीसी में नासा के मुख्यालय के बाहर की सड़क को 2019 में हिडन फिगर्स वे के रूप में नामित किया गया था।

एयरोनॉटिक्स के लिए राष्ट्रीय सलाहकार समिति ने 1951 में मैरी डब्ल्यू. जैक्सन की नियुक्ति की। इस समिति को 1958 में राष्ट्रीय एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था।

## लॉस एंजिल्स में शुरू हुआ पहला योग विश्वविद्यालय

भारत के बाहर दुनिया का पहला योग विश्वविद्यालय 23 जून, 2020 को अमेरिका के लॉस एंजिल्स शहर में शुरू किया गया। इस योग विश्वविद्यालय का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। इस विश्वविद्यालय का नाम 'विवेकानंद योग विश्वविद्यालय' रखा गया है। इस विश्वविद्यालय को 6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के स्मरणोत्सव के एक भाग के रूप में लांच किया गया।

वर्चुअल लॉन्च इवेंट का आयोजन न्यूयॉर्क सिटी के कॉन्सुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया में किया गया था। वी. मुरलीधरन (केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री) और पी.पी. चौधरी (विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष) ने संयुक्त रूप से वर्चुअल इवेंट के दौरान विवेकानंद योग विश्वविद्यालय का शुभारंभ किया।

## विश्व प्रतिस्पर्धी सूचकांक 2019

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट ने हाल ही में विश्व प्रतिस्पर्धी सूचकांक जारी किया है। भारत ने इस सूचकांक में 43वां स्थान हासिल किया है। 2019 में, भारत 43वें स्थान पर था। 2017 में भारत 45वें रैंक तक फिसल गया था और 2018 में 44वें स्थान पर पहुंच

गया था। भारत की निरंतर निम्न रैंकिंग मुख्य रूप से खराब बुनियादी ढांचे और अपर्याप्त शिक्षा निवेश के कारण है।

रैंकिंग के अनुसार, भारत ने दीर्घकालिक रोजगार वृद्धि, विदेशी मुद्रा भंडार, समग्र उत्पादकता, शिक्षा में सुधार किया है। इस रैंकिंग में सिंगापुर ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। डेनमार्क दूसरे स्थान पर है, उसके बाद स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड और हांगकांग का स्थान है। यह रैंकिंग सिंगापुर और स्विट्जरलैंड में स्थित बिजनेस स्कूल द्वारा बनाई गई है। चीन 14वें से फिसलकर 20वें स्थान पर पहुँच गया है, जबकि अमेरिका 10वें स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में चीन सबसे ऊपर है, इसके बाद भारत, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका का स्थान है।

### रेलवे सुरक्षा बल ने 'कैप्टन अर्जुन' लॉन्च किया

रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में "कैप्टन अर्जुन" नामक एक रोबोट लॉन्च किया है। (ARJUN 'Always be Responsible and Just Use to be Nice') रोबोट 'कैप्टन अर्जुन' को रेलवे स्टेशनों पर स्क्रिनिंग और निगरानी तेज करने के लिए सेंट्रल रेलवे के तहत संचालित रेलवे सुरक्षा बल द्वारा लॉन्च किया गया है। यह असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखेगा। इस रोबोट को कई उपयोगों के लिए तैनात किया जा सकता है और यह एक प्रभावी तत्व है जो स्टेशन अभिगम नियंत्रण के तहत काम करेगा। कैप्टन अर्जुन रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा योजनाओं में भी वृद्धि करेगा।

### कैथी सुलिवन बनी चैलेंजर डीप में पहुँचने वाली पहली महिला

अंतरिक्ष यात्री और समुद्र विज्ञानी कैथी सुलिवन हाल ही में समुद्र के सबसे गहरे बिंदु चैलेंजर डीप में पहुँची। इसके साथ वह पृथ्वी की सबसे गहरे बिंदु तक पहुँचने वाली पहली महिला बन गई हैं। 1984 में कैथी ने अपने अंतरिक्ष वॉक की शुरुआत की और अंतरिक्ष में चलने वाली पहली महिला बनीं। अब चैलेंजर डीप तक पहुँच कर उन्होंने नया रिकॉर्ड बनाया गया है, वे अंतरिक्ष में भी गयी हैं और पृथ्वी के सबसे गहरे बिंदु पर भी पहुँची हैं। वह महासागर में सबसे गहरे बिंदु तक पहुँचने वाली पहली महिला भी हैं।

### खाद्य सुरक्षा सूचकांक-2019-20

भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण ने हाल ही में वर्ष 2019-20 का खाद्य सुरक्षा सूचकांक लॉन्च किया है। गुजरात, तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सूचकांक पांच (खाद्य परीक्षण सुविधाएं, मानव संसाधन और संस्थागत डेटा, अनुपालन, प्रशिक्षण और उपभोक्ता सशक्तिकरण के अलावा क्षमता निर्माण) मापदंडों के आधार पर तैयार किया गया था।

बड़े राज्यों में गुजरात ने, छोटे राज्यों में गोवा ने प्रथम स्थान हासिल किया है, इसके बाद मणिपुर और मेघालय के का स्थान है। केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़, दिल्ली और अंडमान द्वीप समूह रैंकिंग में सबसे ऊपर हैं।

## गैरसैण बनी उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी

8 जून, 2020 को उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने गैरसैण को नई ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करने के लिए मंजूरी दी। गैरसैण को भरारीसैण भी कहा जाता है। इसे गैरसैण में एक ई-विधान सभा होगी। राज्य की विधान सभा शीतकालीन राजधानी देहरादून में स्थित है। कुछ लोगों ने गैरसैण को राजधानी बनाने का सुझाव दिया क्योंकि यह कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों की सीमा पर चमोली जिले में स्थित है और देहरादून से 250 किमी दूर है। यह गढ़वाल मंडल की प्रशासनिक सीमा के अंतर्गत आता है। कुमाऊं की सीमा गैरसैण से 15 किमी की दूरी पर शुरू होती है।

## आंध्र प्रदेश में शुरू हुआ पहला ऑनलाइन कचरा विनिमय कार्यक्रम

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने पहला ऑनलाइन कचरा विनिमय कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम जहरीले कचरे के सुरक्षित निपटान और जहरीले कचरे के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह प्लेटफॉर्म ट्रेकिंग, ऑडिट, कचरे की जांच करना और कचरे के उचित उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। यह प्लेटफॉर्म 6R के सिद्धांतों री.यूज, रिसायकल, रिड्यूस, रिडिजाइन, रीफर्बिश और रीमेनूफेक्चर का पालन करेगा। आंध्र प्रदेश पर्यावरण प्रबंधन निगम की स्थापना औद्योगिक कचरे को संभालने के लिए की गई थी। यह निगम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी लेगा।

## पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक

येल विश्वविद्यालय ने हाल ही में द्विवार्षिक पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक जारी किया। भारत ने 180 देशों में से 168वाँ रैंक हासिल की। 2018 में, भारत ने 100 में से 27.6 स्कोर किया और 177 वाँ रैंक हासिल की थी। रैंकिंग बनाने के लिए लगभग 32 संकेतकों पर विचार किया गया है। साथ ही, सूचकांक ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरणीय प्रदर्शन पर 10 साल का अवलोकन दिया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत को अपने स्थिरता प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत को वायु और जल की गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के लिए अत्यंत प्राथमिकता के साथ स्थिरता के मुद्दों पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अफगानिस्तान को छोड़कर सभी दक्षिण एशियाई देश भारत से आगे हैं। भारत जलवायु परिवर्तन के मामले में 106वें स्थान पर और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। जलवायु परिवर्तन में एक देश के प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, ग्रीन हाउस गैस तीव्रता विकास दर, कार्बन डाइऑक्साइड में वृद्धि दर, उत्सर्जन वृद्धि दर, 4 ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि दर पर मूल्यांकन किया गया है।

## विश्व स्वास्थ्य संगठन कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष बने डॉ. हर्षवर्धन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को विश्व स्वास्थ्य संगठन के अगले कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. हर्षवर्धन ने अपना कार्यभार 22 मई सँभाला।

वे जापान के डॉक्टर हिरोकी नकाटनी के स्थान पर बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड में वर्तमान में 34 सदस्य हैं। भारत के नामित को नियुक्त करने के प्रस्ताव को 19 मई 2020 को 194 देशों के विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में पारित किया गया था। इसमें सर्वसम्मति से यह भी तय हुआ था कि भारत मई से शुरू हो रहे तीन साल के कार्यकाल के दौरान कार्यकारी बोर्ड में होगा। वे भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं।

## पुलित्जर पुरस्कार 2020

कोरोना वायरस संकट के बीच पुलित्जर पुरस्कार 2020 के विजेताओं की घोषणा हो गई है। विजेताओं के नाम का घोषणा ऑनलाइन किया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स को तीन अवॉर्ड मिले हैं। जम्मू-कश्मीर के तीन फोटो पत्रकारों को पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद क्षेत्र में जारी बंद के दौरान सराहनीय काम करने हेतु 'फीचर फोटोग्राफी' श्रेणी में 2020 के पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पत्रकार मुख्तार खान, डार यासीन और चन्नी आनंद घोषित पुलित्जर पुरस्कार हासिल करने वाले लोगों की सूची में शुमार हैं। इन तीनों ने घाटी के सामान्य जनजीवन के साथ ही प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की तस्वीरों को भी दुनिया तक पहुंचाया।

## छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का 29 मई, 2020 को 74 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने के बाद रायपुर में निधन हो गया। जब वर्ष 2000 में राज्य को मध्य प्रदेश से अलग किया गया, तो उन्हें मुख्यमंत्री चुना गया था। वे एक भारतीय प्रशासनिक अधिकारी से राजनेता बने। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती वर्षों के दौरान रायपुर के कलेक्टर के रूप में भी काम किया था। अजीत प्रमोद कुमार जोगी का जन्म 19 अप्रैल, 1946 को हुआ था। वे जनता कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए थे। इससे पहले वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से भी जुड़े रहे।

## INS कलिंग में 'अग्निप्रस्थ' मिसाइल पार्क की स्थापना

29 मई, 2020 को INS कलिंग में "अग्निप्रस्थ" नामक एक मिसाइल पार्क की आधारशिला रखी गई।

आईएनएस कलिंग एक भारतीय नौसेना प्रतिष्ठान है जो पूर्वी नौसेना कमान को रिपोर्ट करता है। यह विशाखापट्टनम में स्थित है। इस मिसाइल पार्क का उद्देश्य आईएनएस कलिंग के इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान करना है। इस पार्क का मुख्य आकर्षण P-70 एमेटिस्ट है। यह एक एंटी-शिप मिसाइल है जिसे पानी के नीचे लॉन्च किया जाता है। इस मिसाइल पार्क को अधिकारियों, नाविकों और अन्य सहायक कर्मचारियों को समर्पित किया जायेगा जिन्होंने आईएनएस कलिंग में सेवा की है। यह पार्क सौर ऊर्जा पर काम करेगा।

## संजय कोठारी केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त नियुक्त

आईएएस अधिकारी संजय कोठारी ने 26 अप्रैल 2020 को केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) के रूप में शपथ ले ली है। राष्ट्रपति भवन में 26 अप्रैल 2020 को आयोजित एक समारोह में संजय कोठारी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संजय कोठारी को शपथ दिलाई। संजय कोठारी इससे पहले राष्ट्रपति के सचिव थे। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के प्रमुख का पद के वी चौधरी का कार्यकाल पूरा होने के बाद जून 2019 से खाली पड़ा था। संजय कोठारी हरियाणा कैडर में साल 1978 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव पद से जून 2016 में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें इसके बाद नवंबर 2016 में लोक उद्यम चयन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनको जुलाई 2017 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सचिव पद पर नामित किया गया।

## विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक-2020

अंतरराष्ट्रीय संस्था, रिपोर्टर्स विडऑउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा 20 अप्रैल 2020 को विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक-2020 रिपोर्ट जारी की गयी। रिपोर्ट के मुताबिक भारत वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में 2 पायदान खिसक गया है। रैंकिंग में भारत 180 देशों में से 142वें स्थान पर है जबकि पिछले साल 140वें स्थान पर था। इस सूची में लगातार चौथी बार नॉर्वे पहले स्थान पर है और नॉर्थ कोरिया सबसे निचले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर फिनलैंड, तीसरे स्थान पर डेनमार्क, 11वें स्थान पर जर्मनी, 34वें स्थान पर फ्रांस, 35वें स्थान पर यूके, 45वें स्थान पर अमेरिका, 66वें स्थान पर जापान और 107वें स्थान पर ब्राजील है।

## आदित्य राज बने वर्ल्ड मैराथन चैलेंज पूरा करने वाले पहले भारतीय

आदित्य राज वर्ल्ड मैराथन चैलेंज पूरा करने वाले पहले भारतीय बने हैं। उन्होंने 7 दिन में 7 महाद्वीप में 7 मैराथन दौड़ी। गुड़गाँव के आदित्य ने चैलेंज की शुरूआत केपटाउन से की। उन्होंने आखिरी मैराथन मियामी में खत्म की। चैलेंज के दौरान उन्होंने अंटार्कटिका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप और साउथ अमेरिका में मैराथन दौड़ी। मैराथन में 32 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मैराथन खत्म करने के लिए 168 घंटे का समय मिलता है। आदित्य ने 164 घंटे में मैराथन खत्म कर ली।

## नुपूर कुलश्रेष्ठ बनी भारतीय तट रक्षक बल की पहली महिला डी. आई. जी. (DIG)

भारतीय तटरक्षक बल की पहली महिला डीआईजी नुपूर कुलश्रेष्ठ को नियुक्त किया गया है। वे वर्ष 1999 में सेवा में शामिल हुई थीं। भारतीय तटरक्षक बल एक सशस्त्र बल है। यह भारत की समुद्री सीमाओं की रक्षा करता है। इसकी स्थापना 18 अगस्त 1978 को की गई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। इसका आदर्श वाक्य 'वयम् रक्षामः' है।

## FATF ने पाकिस्तान को 'ग्रे' सूची में रखा

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (Fincancial Action Task Force-FATF) ने पाकिस्तान को अक्टूबर 2020 तक ग्रे लिस्ट में रखने का फैसला किया है। मई 2020 में वित्तीय कार्रवाई कार्यबल द्वारा पाकिस्तान को आतंकी संगठनों 'लश्कर ए तैयबा', 'जैश ए मोहम्मद' और अन्य को धन की फंडिंग पर रोक लगाने में विफल रहने के लिए ग्रे लिस्ट में रखने का फैसला लिया था। Fincancial Action Task Force का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और अन्य संबंधित खतरों से निपटने के लिए कानूनी विनियामक के मानकों को निर्धारित करना है।

## प्रथम 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेल' का कटक ( ओडिशा ) में आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ओडिशा के कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में देश के पहले 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेल' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें देश भर के 159 विश्वविद्यालयों के लगभग 3400 एथलीटों ने 17 स्पर्धाओं में भाग लिया। विभिन्न स्पर्धाओं में आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए एक स्थान पर किया जाने वाला सबसे बड़ा आयोजन है। पंजाब विश्वविद्यालय 45 पदकों (17 स्वर्ण, 18 रजत व 10 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा।

## 'इंद्रधनुष' सैन्य अभ्यास का पाँचवां संस्करण सम्पन्न

इंद्रधनुष अभ्यास 2020 का पाँचवां संस्करण 24 फरवरी को उत्तर प्रदेश में आरंभ हुआ। यह भारतीय वायु सेना और ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के बीच होने वाला संयुक्त वायुसेना अभ्यास है, जो उत्तर प्रदेश के वायु सेना स्टेशन हिंडन में आयोजित किया गया। इस वर्ष का अभ्यास 'Base Defence and Force Protection' पर फोकस था। इस अभ्यास में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स तथा भारतीय वायु सेना के गरुड़ फोर्स के 42 सैनिक शामिल हुए।

## महंत नृत्य गोपाल दास को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाया गया।

महंत नृत्य गोपाल दास को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का अध्यक्ष चुना गया है। विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष चंपत राय को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गोविंद देव गिरी महाराज को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले महंत नृत्य गोपाल दास ट्रस्ट के सदस्य नहीं थे। अध्यक्ष बनने के बाद महंत नृत्य गोपाल दास जी ने कहा कि जल्द-से-जल्द मंदिर का निर्माण होगा।

## सचिन तेंदुलकर ने जीता 'लॉरियस बेस्ट स्पोर्टिंग मोमेंट' पुरस्कार

सचिन तेंदुलकर को 2000 से 2020 तक के 'लॉरियस बेस्ट स्पोर्टिंग मोमेंट' अवार्ड के लिए चुना गया है। भारतीय फैंस के सपोर्ट से तेंदुलकर को इस अवार्ड के लिए

सबसे ज्यादा वोट मिले। 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स' सालाना समारोह है, जिसमें दुनिया भर के खेल जगत से जुड़े खिलाड़ियों और टीमों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कार दिया जाता है। इसकी स्थापना सन् 1999 में हुई थी। पहला पुरस्कार समारोह 25 मई, 2000 को आयोजित किया गया था। इन दिनों आठ श्रेणियों में यह पुरस्कार जा रहा है। लॉरियस पुरस्कार को स्पोर्ट्स के क्षेत्र में 'ऑस्कर अवार्ड्स' जैसी प्रतिष्ठा हासिल है।

### **भारतीय वायु सेना तैयार करेगी पहली एकीकृत त्रि-सेवा कमान**

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने पहली एकीकृत त्रि-सेवा कमान की स्थापना करने की योजना की घोषणा की। ये एकीकृत त्रि-सेवा कमान समूचे देश की वायु सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगी। इस कमान की जून 2020 तक स्थापित होने की संभावना है। इस एकीकृत त्रि-सेवा कमान का निर्माण भारतीय वायु सेना के नेतृत्व में किया जाएगा। इस एकीकृत त्रि-सेवा कमान का उद्देश्य देश की वायु सुरक्षा के लिए एक कमान के तहत भारत की तीनों सेनाओं के संसाधनों को एकजुट करना है।

### **इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत का पहला सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री हवाई अड्डा बना**

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने दिल्ली के इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को भारत का पहला सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री हवाई अड्डा घोषित किया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री एयरपोर्ट के रूप में प्रमाणित किया है। इसने सिंगल प्लास्टिक रहित हवाई अड्डा बनाने के प्रयासों को सफल बनाने के स्वैच्छिक कार्यान्वयन के लिए DIAL की सराहना की।

### **मनप्रीत सिंह ने जीता वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार**

राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1999 में आरंभ हुआ था और अभी तक किसी भारतीय को नहीं मिला था। मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने इस बार इसे जीत कर भारत का नाम रोशन किया। पुरस्कार की इस दौड़ में उन्होंने बेल्जियम के आर्थर वान डोरेन और अर्जेंटीना के लुकास विला को पछाड़ कर यह पुरस्कार अपने नाम किया।

### **'पैरासाइट' ने जीता सर्वश्रेष्ठ फिल्म का ऑस्कर पुरस्कार**

गैर अंग्रेजी फिल्म 'पैरासाइट' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का ऑस्कर जीत कर इतिहास रच दिया है। 'पैरासाइट' दक्षिण कोरियाई फिल्म है। इसके साथ ही यह फिल्म सर्वोच्च सम्मान पाने वाली पहली गैर अंग्रेजी भाषी फिल्म बन गई है। इस फिल्म को कुल चार अवॉर्ड मिले—सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल स्क्रीनप्ले, सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक

और सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल फीचर श्रेणी। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जोकर फिल्म के लिए जॉकिन फोनिक्स तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जुडी गारलैंड फिल्म के लिए रेनी जेल्वेगर को मिला।

## अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक-2019

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक में 42.66 के स्कोर के साथ अमेरिका पहले नम्बर पर है। इस सूचकांक में ब्रिटेन दूसरे, स्वीडन तीसरे, फ्रांस चौथे और जर्मनी पांचवें स्थान पर है। भारत इस सूचकांक में फिसल कर 40वें स्थान पर पहुंच गया है, पिछले साल वह 36वें स्थान पर था। इस सूचकांक में दुनिया की 53 अर्थव्यवस्थाओं में बौद्धिक संपदा परिवेश का आंकलन किया जाता है।

## संयुक्त सैन्य युद्ध अभ्यास 'अजय वॉरियर' का आरंभ

भारत और ब्रिटेन के बीच 13 फरवरी से 16 फरवरी तक यूनाइटेड किंगडम के सेलिसबरी मैदानी क्षेत्र में 5वां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अजय वॉरियर-2020' का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में भारत और ब्रिटेन की सेना के 120 सैनिक सम्मिलित हुए हैं, जो पहले किए गए विभिन्न आतंकवाद रोधी और आतंकवाद विरोधी अभियानों के ऑपरेशन के दौरान किए अपने अनुभवों को साझा किया। इसमें हिस्सा लेने वाले सैनिकों को निहत्थे युद्ध के लिए शूटिंग, रॉक क्राफ्ट प्रशिक्षण, जंगल सर्वाइवल और मार्शल आर्ट में प्रशिक्षित किया गया।

## उत्तर प्रदेश सरकार ने भू-जल अधिनियम पारित किया

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में गिरते भूजल स्तर को सुधारने के उद्देश्य से भूजल अधिनियम 2020 को अपनी स्वीकृति दी है। भूजल अधिनियम 2020 लागू होने पर लोगों को ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी जाएगी। सभी निजी, सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करना अनिवार्य हो जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों को सजा एवं जुर्माना भी देना होगा। यदि कोई व्यक्ति पहली बार भूजल स्तर को प्रदूषित करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे 6 महीने से 1 साल तक की सजा के साथ 2 लाख से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना देना होगा।

## ओडिशा में बिम्सटेक आपदा प्रबंधन अभ्यास 2020 का आयोजन हुआ

राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल द्वारा 'द्वितीय बिम्सटेक आपदा प्रबंधन अभ्यास 2020' का आयोजन ओडिशा के भुवनेश्वर में किया गया। इस अभ्यास में बाढ़, भूकंप और तूफान के दौरान आपदाओं के लिए मौजूदा आपातकालीन प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया। इस अभ्यास में बिम्सटेक सदस्य देश-भारत, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें थाईलैंड और भूटान ने इस बार हिस्सा नहीं लिया। बिम्सटेक दक्षिण एशिया तथा दक्षिण पूर्वी एशिया के 7 देशों का समूह है, जो बंगाल की खाड़ी के निकट स्थित है।



## मिशन पूर्वोदय का शुभारंभ

केन्द्रीय इस्पात मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कोलकाता, पश्चिम बंगाल में इटीग्रेटेड स्टील हब के माध्यम से पूर्वी भारत के विकास के लिए मिशन पूर्वोदय का शुभारंभ किया। इस मिशन के तहत सरकार का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स और यूटिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बदलना तथा रोजगार के अवसरों के साथ इस्पात उद्योग को तेजी प्रदान करना है। इस मिशन के कार्यान्वयन के साथ 75% से अधिक स्टील पूर्वी भारत में उत्पादित किया जाएगा, इसमें केवल ओडिशा का वार्षिक योगदान 100 मीट्रिक टन से अधिक होगा। राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत 2030 तक 300 मीट्रिक टन स्टील उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

## बाला देवी बनी किसी विदेशी फुटबॉल क्लब से जुड़ने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर

मणिपुर की 29 वर्षीय फुटबॉलर बाला देवी किसी विदेशी फुटबॉल क्लब के साथ जुड़ने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर बन गयी हैं। वे प्रसिद्ध यूरोपीय क्लब रेंजर्स के साथ 18 महीने के लिए जुड़ी हैं। बाला देवी भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान भी रहीं हैं। उन्होंने टीम के 58 मैचों में 52 गोल किये हैं। वे दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल करने वाली महिला खिलाड़ी हैं। 2015 और 2016 में उन्हें AIFF वुमन प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया था। रेंजर्स महिला फुटबॉल क्लब स्कॉटिश वीमेन प्रीमियर लीग में हिस्सा लेता है, इसकी स्थापना वर्ष 2008 में की गयी थी। स्कॉटिश वीमेन प्रीमियर लीग स्कॉटलैंड की टॉप डिवीज़न महिला फुटबॉल लीग है।

## संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम में तेलंगाना ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अनुसार सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के मामले में भारतीय राज्यों में तेलंगाना का प्रथम स्थान है। तेलंगाना ने 82 का स्कोर हासिल किया है। इसके बाद आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का स्थान है, इन दोनों राज्यों को 72 का स्कोर प्राप्त हुआ है। दिसम्बर, 2019 में भारत ने SDG इंडिया सूचकांक जारी किया था। भारत इस प्रकार का सूचकांक जारी करने वाला पहला देश है। इस सूचकांक को नीति आयोग द्वारा लांच किया गया है। सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को हासिल करने के मामले में सतत विकास लक्ष्य में 17 वैश्विक गैर-बाध्यकारी लक्ष्य शामिल हैं, इनमें से कुछ एक लक्ष्यों को 2015 से 2030 के बीच पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। यह सतत विकास लक्ष्यों के सेट हैं। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक समावेश व पर्यावरण धरणीयता तथा सुशासन शामिल है।

## लोकतंत्र सूचकांक में भारत 51वें स्थान पर

22 जनवरी, 2020 को इकनोमिक इंटेलिजेंस यूनिट ने वर्ष 2019 के लिए लोकतंत्र सूचकांक जारी किया। इस सूचकांक में नॉर्वे को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, उसके बाद आइसलैंड और स्वीडन का स्थान है। इस सूचकांक में भारत 10 स्थान फिसलकर

51वें स्थान पर पहुँच गया है। लोकतंत्र सूचकांक में 5 का स्कोर दिया जाता है। 2006 में इस सूचकांक के लांच होने के बाद 2019 में भारत ने 6.9 का निम्नतम स्कोर प्राप्त किया है। 2018 में भारत का स्कोर 7.23 था। 2014 में भारत का सर्वोच्च स्कोर 7.91 था। भारत का स्कोर हमेशा वैश्विक औसत से ऊपर ही रहा है। इस वर्ष वैश्विक औसत 5.4 है।

## स्टार्टअप कंपनियों के लिए होगी राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद् की स्थापना

केंद्र सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद् की स्थापना की घोषणा की। यह परिषद् केंद्र सरकार को भारत में स्टार्टअप कंपनियों के लिए उचित माहौल बनाने के लिए सलाह देगी। विश्व बैंक की 'स्टार्टिंग ए बिज़नेस' रैंकिंग में भारत को 136वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह परिषद् बिज़नेस शुरू करने के मामले में भारत की रैंकिंग को सुधारने के लिए कार्य करेगी। इस परिषद् के अध्यक्ष केंद्रीय वाणिज्य मंत्री होंगे। इसमें केंद्र द्वारा मनोनीत गैर-आधिकारिक सदस्य भी होंगे जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होगा। अन्य सदस्यों में सफल स्टार्टअप के संस्थापक शामिल किये जायेंगे। इस परिषद् में पदेन सदस्य भी शामिल किये जायेंगे, यह सदस्य संयुक्त सचिव (जॉइंट सेक्रेटरी) स्तर के होंगे। उद्योग व व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) इस परिषद् का कन्वीनर होगा।

## वासदेव मोही को मिला सरस्वती सम्मान

सिन्धी लेखक वासदेव मोही को 29वें सरस्वती सम्मान के लिए चुना गया है। उन्हें उनकी लघुकथाओं के संग्रह 'चेकबुक' के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। इन लघु कथाओं में समाज के वंचित वर्ग के दुःख-दर्द का वर्णन किया गया है। वासदेव मोही अब तक 25 पुस्तकें लिख चुके हैं, इसमें कविताएं, कहानियाँ और अनुदित पुस्तकें शामिल हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

## आंध्र प्रदेश तीन राजधानियों वाला भारत का पहला राज्य

27 दिसम्बर, 2019 को आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी को तीन अलग-अलग स्थानों पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार अमरावती विधायी राजधानी, विशाखापत्तनम कार्यकारी राजधानी तथा कर्नूल न्यायिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकती हैं। अमरावती पहले से ही राज्य की राजधानी के रूप में प्रस्तावित थी। तीन राजधानियाँ बनाने का निर्णय पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जी.एन. राव की अध्यक्षता में बनी समिति के सुझावों के आधार पर लिया गया है।

## उत्तर प्रदेश में स्थापित होगी देश की पहली ट्रांसजेंडर यूनिवर्सिटी

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के फाजिलनगर खंड में देश की पहली ट्रांसजेंडर यूनिवर्सिटी स्थापित की जाएगी। इसका निर्माण अखिल भारतीय किन्नर सेवा ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। इसमें कक्षा 1 से पीएच.डी. तक की डिग्री प्राप्त की जा सकती है।

## मेड्रिड में किया गया COP-25 का आयोजन

स्पेन की राजधानी मेड्रिड में विश्व के वार्षिक जलवायु सम्मेलन COP-25 (कांफ्रेंस ऑफ पार्टिज) का आयोजन किया गया। चिली ने देश में जारी विरोध प्रदर्शन के चलते COP-25 की मेजबानी करने से इंकार कर दिया था। इस शिखर सम्मेलन ने 'एमिशन गैप रिपोर्ट' को पेश किया गया, इसके अतिरिक्त ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट की रिपोर्ट को भी पेश किया गया।

## पिनाका गाइडेड रॉकेट सिस्टम का सफल परीक्षण

ओडिशा में पिनाका गाइडेड वेपन सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इसका निर्माण रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन द्वारा किया गया है। आरंभ में इसकी रेंज 30-40 किलोमीटर थी जिसे बाद में पिनाका मार्क-II के साथ रेंज को बढ़ाकर 70-80 किलोमीटर किया गया। इसमें एडवांस नेविगेशन तथा कंट्रोल सिस्टम का उपयोग किया गया है। इस रॉकेट सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है।

## पृथ्वी निगरानी उपग्रह RISAT-2BR1 का सफल प्रक्षेपण

भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्री हरिकोटा के सतीश धवन स्पेस स्टेशन से RISAT-2BR1 का प्रक्षेपण PSLV-C48 से किया। यह एक रेडार इमेजिंग अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटलाइट है। इसे कृषि, वन और आपदा प्रबंधन में सहायता उपलब्ध कराने के मकसद से किया गया है। इस सैटलाइट के साथ कुल नौ और सैटलाइट भेजे गए हैं जिनमें इजरायल, इटली और जापान का एक-एक तथा अमेरिका के छः उपग्रह शामिल हैं।

## भावनगर में बनेगा विश्व का पहला सी.एन.जी. पोर्ट टर्मिनल

गुजरात के भावनगर में विश्व के पहले सी.एन.जी. पोर्ट टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा। इस टर्मिनल का निर्माण ब्रिटेन मुख्यालय वाले फोरसाइट ग्रुप और मुम्बई के पद्मनाथ मफतलाल समूह द्वारा तैयार किया जाएगा। सी.एन.जी. टर्मिनल के अलावा निवेशक भावनगर बंदरगाह पर रो-रो टर्मिनल, तरल कार्गो टर्मिनल और कंटेनर टर्मिनल का भी विकास करेंगे। इस परियोजना पर कुल मिलाकर 1900 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

## गिरीश चन्द्र मुर्मू जम्मू-कश्मीर तथा राधाकृष्ण माथुर लद्दाख के प्रथम उपराज्यपाल बने

गुजरात कैडर के 1985 बैच के पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी रहे गिरीश चंद्र मुर्मू को जम्मू-कश्मीर का प्रथम उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने 31 अक्टूबर, 2019 को अपना कार्यभार ग्रहण किया। वे वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग के अध्यक्ष थे। 5 अगस्त, 2020 को गिरीश चन्द्र मुर्मू द्वारा इस्तीफा देने के पश्चात् मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

वर्ष 1977 बेच के पूर्व भारतीय प्रशासनिक अधिकारी राधा कृष्ण माथुर को लद्दाख का प्रथम उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने 31 अक्टूबर 2019 को अपना कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे भारत के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

### अयोध्या में सम्पन्न हुआ राम मंदिर भूमि पूजन

5 अगस्त 2020 को मंदिर के निर्माण कार्य को शुरू करने के लिए भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन की विधियाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्ण की गईं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा 9 नवंबर, 2019 को अयोध्या भूमि विवाद का फैसला सुनाया गया था। पांच सदी पुराने व करीब 134 साल चली कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता में गठित पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने एकमत से अयोध्या को भगवान राम की जन्मस्थली मानते हुए 2.77 एकड़ विवादित जमीन को रामलला विराजमान को सौंपा जिससे अब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि साक्ष्यों से यह साबित होता है कि हिंदु विवादित स्थल को भगवान राम का जन्म स्थान मानते हैं और इसी जगह बाबरी मस्जिद बनाई गई थी। इसमें एस.ए.आई. की रिपोर्ट भी मुख्य आधार थी, जिसमें विवादित ढांचे की दीवारों पर मंदिर के 14 स्तंभ थे तथा खुदाई में मिले 263 अवशेषों ने भी अयोध्या में मंदिर की पुष्टि की। संविधान पीठ ने अपने फैसले में इस बात को भी कहा कि फैसला तथ्यों के आधार पर किया गया है ना कि आस्था को आधार बना कर। संविधान पीठ ने अनुच्छेद-142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग कर मुस्लिम पक्ष को अयोध्या में ही 5 एकड़ जमीन मस्जिद के लिए देने का आदेश दिया। कोर्ट ने सरकार को तीन महीने में ट्रस्ट गठित करने का आदेश दिया है। यह ट्रस्ट मंदिर निर्माण व उसके प्रबंधन में प्रमुख भूमिका निभाएगा।

### विश्व में मलेरिया का पहला टीका अफ्रीकी देश मलावी में लॉन्च

विश्व का पहला मलेरिया का टीका अफ्रीकी देश मलावी में लॉन्च किया गया है। विश्वभर में प्रत्येक साल मलेरिया से लाखों मौतों के कारण इस जानलेवा बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए पिछले 30 साल से इस टीके को लाने के प्रयास किए जा रहे थे पर सफलता नहीं मिल पा रही थी। यह टीका पाँच महीने से दो साल तक के बच्चों के लिए है।

मलेरिया का टीका लगाने की शुरुआत जल्द ही घाना और केन्या में भी की जाएगी। वैक्सिन का नाम 'आरटीएस-एस (RTS-S)' रखा गया है। इसे तैयार करने में करीब 30 साल का समय लगा। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसे लगाने के बाद बच्चों में मलेरिया नियंत्रण में सफलता मिलेगी।

**टीके के फायदे:** यह टीके बच्चों के प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करेगा, जिससे मलेरिया के परजीवी का उन पर घातक असर नहीं होगा। यह टीका प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ भी काम करता है। चिकित्सक, प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम को दुनिया भर में सबसे घातक मलेरिया का परजीवी मानते हैं। अफ्रीका महाद्वीप पर इस परजीवी का सर्वाधिक प्रकोप है।

## ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स-2020

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है। इस वर्ष 24 अक्टूबर, 2019 को वर्ष 2020 के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स जारी किया गया है। विगत वर्षों में भारत के आर्थिक सुधारों का प्रभाव इस सूचकांक में दिखाई दे रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स 2020 में भारत ने 14 पायदान की छलांग लगाई है। 190 देशों के इस सूचकांक में भारत का स्थान 63वां है। वर्ष 2019 के सूचकांक के रिपोर्ट में भारत का स्थान 77वां था।

विश्व बैंक द्वारा इस सूचकांक के आधार हेतु इस बार 10 विभिन्न मानकों का प्रयोग किया गया है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स के आधार	
(i)	सम्पत्ति का पंजीकरण
(ii)	साख प्राप्त करना
(iii)	कर अदायगी
(iv)	कारोबार शुरू करना
(v)	निर्माण परमिटों की प्रक्रिया
(vi)	विद्युत प्राप्त करना
(vii)	अल्पसंख्यक निवेशकों के हितों का संरक्षण
(viii)	दिवालिया प्रक्रिया पूरी करना
(ix)	सीमापारीय व्यापार
(x)	अनुबंधों को लागू किया जाना

- इस वर्ष कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) के मामले में पहला स्थान न्यूजीलैंड का रहा। सिंगापुर व हांगकांग क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है।
- भारत के पड़ोसी देशों में चीन की स्थिति 31वें स्थान पर है, केवल चीन ही भारत से बेहतर स्थिति में है वहीं भूटान-81वें, श्रीलंका-100वें, नेपाल-110वें, पाकिस्तान-136वें, बांग्लादेश-176वें तथा अफगानिस्तान-167वें स्थान पर है।
- इस सूचकांक में सबसे निचले पायदान पर सोमालिया है, उसके पहले इरीट्रिया का स्थान 189 तथा वेनेजुएला का स्थान 188वां है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स-2020			
शीर्ष 10 रैंकिंग वाले देश		निचली रैंकिंग वाले 10 देश	
रैंक	देश	रैंक	देश
1	न्यूजीलैंड	190	सोमालिया
2	सिंगापुर	189	इरीट्रिया

3	हांगकांग	188	वेनेजुएला
4	डेनमार्क	187	यमन
5	द. कोरिया	186	लीबिया
6	अमेरीका	185	द. सूडान
7	जॉर्जिया	184	केंद्रीय अफ्रीका रिपब्लिक
8	यूनाइटेड किंगडम	183	कांगो
9	नावे	182	चाड
10	स्वीडन	181	तिमोर-लेस्टो

### ग्लोबल लिवेबिलिटी सूचकांक-2019

ग्लोबल लिवेबिलिटी सूचकांक, इकोनामिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा जारी किया जाता है। इस सूचकांक से विश्व में रहने योग्य शहरों की रैंकिंग की जाती है। वर्ष 2019 का सूचकांक 4 सितम्बर, 2019 को जारी किया गया है। इस सूचकांक में 140 शहरों को शामिल किया गया है तथा रैंकिंग प्रदान की गई है। इस सूचकांक में 5 मापदंडों के आधार पर किसी भी देश की रैंकिंग का निर्धारण होता है।

सूचकांक के मापदंड	
(1)	स्वास्थ्य देखभाल
(2)	शिक्षा
(3)	स्थिरता
(4)	आधारभूत संरचना
(5)	पर्यावरण व संस्कृति

- ग्लोबल लिवेबिलिटी सूचकांक में सर्वोच्च स्थान 99.1 मान के साथ विएना का है। ऑस्ट्रेलिया के दो शहर मेलबर्न व सिडनी क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं।
- इस सूचकांक में सबसे निचला स्थान सीरिया की राजधानी दमिश्क का है।
- इस सूचकांक के टॉप टेन में कनाडा व ऑस्ट्रेलिया के तीन-तीन शहर शामिल हैं।
- 140 देशों की इस सूची में भारत के मात्र दो शहर अपना स्थान बना सके हैं। दिल्ली जहाँ 118वें पायदान पर है, वहीं मुंबई का स्थान 119वां है।
- पिछले सूचकांक में दिल्ली का स्थान जहाँ 112वां था, वहीं इस वर्ष इसमें 6 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, इसका मुख्य कारण वायु प्रदूषण व अपराध में वृद्धि को माना जा रहा है।
- विगत वर्ष के सूचकांक में मुंबई का स्थान 117वां था। पर्यावरण क्षरण के कारण मुंबई के स्थान में दो पायदान की गिरावट दर्ज की गई है और उसका स्थान 119वां हो गया है।

ग्लोबल लिवेबिलिटी सूचकांक-2019			
सर्वाधिक उपयुक्त शहर		सर्वाधिक अनुपयुक्त शहर	
रैंक	शहर	रैंक	शहर
1	वियना	140	दमिश्क
2	मेलबर्न	139	लागोस
3	सिडनी	138	ढाका
4	ओसाका	137	त्रिपोली
5	कैलगरी	136	कराची
6	वैंकुवर	135	पोर्ट मोर्सबी
7	टोकियो	134	हरारे
8	टोरंटो	133	डोउअला
9	कोपेनहेगन	132	अल्जीयर्स
10	एडीलेड	131	कराकास

### मयंक वैद एंडुरोमन रेस जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट

भारतीय एथलीट मयंक वैद ने विश्व की सबसे कठिन रेस 'एंडुरोमन ट्राइथलॉन' को जीतकर इतिहास रच दिया है। मयंक वैद यह रेस जीतने वाले न केवल पहले भारतीय हैं अपितु, पहले एशियाई भी हैं। उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन रेस एंडुरोमन ट्राइथलॉन को रिकॉर्ड समय में जीता। मयंक वैद ने लगभग 463 किलोमीटर की इस रेस को पिछले रेकॉर्ड से 2 घंटे 6 मिनट पहले पूरा कर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने इस रेस को 50 घंटे 24 मिनट में जीत लिया। यह रेस इससे पहले बेल्जियम के जूलियन डेनेयर ने 52 घंटे 30 मिनट में जीती थी।

उल्लेखनीय है कि यह विश्व की पॉइंट टू पॉइंट (बिंदु से बिंदु) ट्राइथलॉन रेस है। विश्व में अब तक इसे केवल 44 लोग ही जीत सके हैं। यह वास्तव में विश्व की सबसे कठिन और क्रू ट्राइथलॉन है। इसमें रनिंग, स्वीमिंग और साइक्लिंग के जरिए इंग्लैंड से फ्रांस तक की यात्रा करनी होती है।

### सेंट विन्सेंट एंड ग्रेनाडिन्स आईएसए का 79वां सदस्य बना

सेंट विन्सेंट एंड ग्रेनाडिन्स ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किये। सेंट विन्सेंट एंड ग्रेनाडिन्स अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का 79वां सदस्य है। सेंट विन्सेंट एंड ग्रेनाडिन्स एक द्वीपीय देश है, यह पूर्वी कैरेबियाई सागर में स्थित है। इसकी राजधानी किंग्सटाउन में स्थित है। यह 27 अक्टूबर, 1979 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्र हुआ था। इसका क्षेत्रफल मात्र 389 वर्ग किलोमीटर है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत भारत और फ्रांस ने मिलकर नवम्बर 2015 में COP 21 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान की थी। इसका फ्रेमवर्क समझौता

दिसम्बर, 2017 में लागू हुआ था। इसका स्थापना दिवस 11 मार्च, 2018 को मनाया गया था। इसका मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में राष्ट्रीय सौर उर्जा संस्थान (NISE) में स्थित है। यह ऐसी पहली अंतरराष्ट्रीय अंतरसरकारी संधि है जिसका मुख्यालय भारत में स्थित है।

## विश्व का पहला तैरता हुआ परमाणु ऊर्जा संयंत्र लांच

रूस ने विश्व का पहला तैरता हुआ परमाणु उर्जा प्लांट अकेडमिक लोमोनोसोव लांच किया। हाल ही में अकेडमिक लोमोनोसोव मुर्मासंक के आर्कटिक पोर्ट से उत्तर-पूर्वी साइबेरिया में पेवेक नामक स्थान की यात्रा पर रवाना हुआ, यह यात्रा लगभग 5000 किलोमीटर की है। अकेडमिक लोमोनोसोव में परमाणु ईंधन भरा हुआ है।

### अकेडमिक लोमोनोसोव

अकेडमिक लोमोनोसोव का निर्माण रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा फर्म रोस्तोम द्वारा किया गया है। इसकी लम्बाई 144 मीटर तथा चौड़ाई 30 मीटर है। इसकी विस्थापन क्षमता 21,500 टन है तथा इसमें 69 लोग कार्य कर सकते हैं। ऊर्जा उत्पादन के लिए इसमें दो परिवर्तित KLT-40 नेवल प्रोपल्शन न्यूक्लियर रिएक्टर का उपयोग किया गया है। इससे 70 मेगावॉट विद्युत् तथा 300 मेगावॉट ऊष्मा का उत्पादन किया जा सकता है। इसका नाम रूसी शिक्षाविद् मिखाइल लोमोनोसोव के नाम पर रखा गया है। इसका उपयोग आर्कटिक क्षेत्र में तेल उत्पादन करने वाले विशाल उपकरणों को उर्जा प्रदान करने के लिए किया जायेगा।

## भारत ने थार एक्सप्रेस पर रोक लगाई

भारत ने साप्ताहिक जोधपुर-मुनाबाव थार लिंक एक्सप्रेस के संचालन को रद्द कर दिया है। यह निर्णय कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के समय में लिया गया है। पाकिस्तान ने पहले समझौता एक्सप्रेस पर रोक लगाई थी, जिसके बाद भारत ने भी समझौता एक्सप्रेस के संचालन पर रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि थार एक्सप्रेस एक अंतरराष्ट्रीय साप्ताहिक ट्रेन है, इसका संचालन भारतीय रेल द्वारा अपने कोच तथा लोकोमोटिव द्वारा किया जाता है। यात्रियों को मुनाबव (राजस्थान) से कराची (पाकिस्तान) तक ले जाया जाता है। इस रेलगाड़ी में केवल यात्री ही ले जाए जाते हैं, इसमें मालदुलाई नहीं की जाती।

2006 में दोनों देशों को रेल सेवा द्वारा मुनाबव (राजस्थान) से खोखरापार (सिंध, पाकिस्तान) को जोड़ने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे। इससे पहले 1965 के युद्ध में मुनाबव-खोखरापार रेल लिंक नष्ट हो गया था। 2018 में इस समझौते की मियाद को तीन वर्ष बढ़ाकर 31 जनवरी, 2021 तक बढ़ा दिया गया था। एक अनुमान के अनुसार पिछले 13 वर्षों में दोनों देशों के 4 लाख से अधिक यात्रियों ने इस ट्रेन में सफ़र किया है।

## एथनोलोग के अनुसार विश्व में केवल 7,111 जीवित भाषाएँ

भाषा निर्देशिका एथनोलोग के अनुसार विश्व में कुल 7,111 जीवित भाषाएँ हैं। ध्यातव्य है कि जीवित भाषा से तात्पर्य ऐसी भाषा से होता है जिसका उपयोग अभी भी किया जा रहा है।



एथनोलोग के अनुसार प्रशांत महासागर में स्थित द्वीपीय देश पापुआ न्यू गिनी में सर्वाधिक जीवित देशी भाषाएँ हैं, पापुआ न्यू गिनी में जीवित देशी भाषाओं की संख्या 840 है।

भारत इस सूची में चौथे स्थान पर है, वर्तमान में भारत में 453 जीवित देशी भाषाएँ मौजूद हैं। अमेरिका में 335 तथा ऑस्ट्रेलिया में 319 भाषाएँ बोली जाती हैं। एशिया में 2303 तथा अफ्रीका में 2140 देशी भाषाएँ हैं। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2019 को देशी भाषाओं का वर्ष घोषित किया है।

### ‘एक देश, एक राशन कार्ड योजना’

उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने राज्यसभा में घोषणा की है कि सरकार ‘एक देश, एक राशन कार्ड योजना’ की दिशा में आगे बढ़ रही है। केन्द्रीय मंत्री ने यह योजना जल्द ही लागू करने की घोषणा की सरकार द्वारा देश में खाद्य पदार्थों पर 1.45 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इसके तहत गरीबों को 2 रुपये प्रति किलो की दर से गेहूँ और 3 रुपये प्रति किलो की दर से चावल दिया जा रहा है। लेकिन सभी जरूरतमंद लोग इसका लाभ नहीं ले पा रहे हैं जिसके चलते सरकार ‘एक देश, एक राशन कार्ड योजना’ लेकर आई है।

‘एक देश, एक राशन कार्ड योजना’

- इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए खाद्य मंत्रालय सभी राशन कार्ड्स का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार करेगा। जिससे सभी को एक ही स्थान से निर्देशित किया जा सकेगा।
- कोई भी राशन कार्डधारक, जिसके पास भारत सरकार द्वारा जारी राशन कार्ड है, देश में किसी भी स्थान पर मौजूद राशन की दुकान से निर्धारित राशन ले सकेगा।
- राशन कार्डधारक का डेटा पहले से ही सेंट्रल डेटाबेस के माध्यम से कंप्यूटर में दर्ज रहेगा इसलिए राशन की दुकान पर वह उसे जितनी मात्रा निर्धारित की गई है उतना ही राशन ले सकेगा।
- सरकार का मानना है कि इस योजना से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगेगी। कुछ राज्यों ने तो इस योजना पर काम करना आरंभ भी कर दिया है।
- इससे ना केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, बल्कि रोजगार या अन्य वजहों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने वाले गरीबों को सब्सिडी वाले राशन से वंचित नहीं होना पड़ेगा। दूसरा, इससे एक से अधिक राशन कार्ड रखने की सम्भावना भी समाप्त हो जाएगी।

### मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नई शिक्षा नीति का मसौदा जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दूसरी बार सरकार बनाने के पहले दिन नई शिक्षा नीति का मसौदा पेश किया गया है। नई शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने के लिए मशहूर अंतरिक्ष विज्ञानी के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी।

### नई शिक्षा नीति

- इसके तहत शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE) के दायरे को विस्तृत करने का प्रयास किया गया है, साथ ही स्नातक पाठ्यक्रमों को भी संशोधित किया गया है।

- इस मसौदा नीति में लिबरल आर्ट्स एंड साइंस एजुकेशन के चार वर्षीय कार्यक्रम को फिर से शुरू करने तथा कई कार्यक्रमों के हटाने के विकल्प के साथ-साथ एम.फिल. प्रोग्राम को रद्द करने का भी प्रस्ताव किया गया है।
- इस मसौदा नीति के अनुसार, पीएच.डी. करने के लिये या तो मास्टर डिग्री या चार साल की स्नातक डिग्री को अनिवार्य किया गया है।
- नए पाठ्यक्रम में 3 से 18 वर्ष तक के बच्चों को कवर करने के लिये 5+3+3+4 डिजाइन (आयु वर्ग 3-8 वर्ष, 8-11 वर्ष, 11-14 वर्ष और 14-18 वर्ष) तैयार किया गया है जिसमें प्रारंभिक शिक्षा से लेकर स्कूली पाठ्यक्रम तक शिक्षण शास्त्र के पुनर्गठन के भाग के रूप में समावेशन के लिये नीति तैयार की गई है।
- यह मसौदा नीति धारा 12 (1) (सी) (निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिये अनिवार्य 25 प्रतिशत आरक्षण का दुरुपयोग किया जाना) की भी समीक्षा करती है।
- स्कूली शिक्षा के लिये एक स्वतंत्र नियामक 'राज्य विद्यालय नियामक प्राधिकरण' (SSRA) और उच्च शिक्षा के लिये राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा नियामक प्राधिकरण (NHERA) स्थापित किया जाएगा।
- निजी स्कूल अपनी फीस निर्धारित करने के लिये स्वतंत्र हैं, लेकिन वे मनमाने तरीके से स्कूल की फीस में वृद्धि नहीं करेंगे। 'राज्य विद्यालय नियामक प्राधिकरण' द्वारा प्रत्येक तीन साल की अवधि के लिये इसका निर्धारण किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक नए शीर्ष निकाय 'राष्ट्रीय शिक्षा आयोग' की स्थापना की जाएगी जो सतत आधार पर शिक्षा के विकास, कार्यान्वयन, मूल्यांकन और शिक्षा के उपयुक्त दृष्टिकोण को लागू करने के लिये उत्तरदायी होगा।
- स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिये गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन, चिकित्सा के लिये प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों के योगदान को सुनिश्चित किया जाएगा।
- विदेशों में भारतीय संस्थानों की संख्या में वृद्धि करने के साथ-साथ दुनिया के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों को भारत में अपनी शाखाएँ स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी।

## फीफा पुरस्कारों की घोषणा

फुटबॉल को संचालित करने वाली संस्था फीफा (फेडरेशन इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन) द्वारा वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की गई। फीफा बेस्ट अवाार्ड्स 2019 में लिओनेल मेसी को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी घोषित किया गया है। वे छह बार फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। फीफा अवाार्ड्स 2019 के विजेताओं की सूची निम्नलिखित है—

- (1) सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी—लिओनेल मेसी (अर्जेंटीना)
- (2) सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी—मीगन रेपिनो (अमेरिका)
- (3) सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर—एलिसन बेकर (ब्राजील)

398 • सामान्य अध्ययन 30 दिनों में

- (4) सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर-सारी वान वीनेनडाल (नीदरलैंड)
- (5) सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच-यर्गेन क्लॉप (लीवरपुल)
- (6) सर्वश्रेष्ठ महिला कोच-जिल एलिस (अमेरिका)
- (7) पुस्कास अवार्ड बेस्ट गोल-डेनियल ज्सोरी

**अभिजीत गुहा को यमन में यू.एन. मिशन का प्रमुख नियुक्त किया गया**  
संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत गुहा को यमन के हुदैदा शहर में संयुक्त राष्ट्र मिशन का प्रमुख नियुक्त किया है।

## बिहार परिदृश्य

### पटना में आरंभ किया गया 'प्यार का पौधा अभियान'

बिहार के पटना में राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग ने 'प्यार का पौधा' अभियान शुरू किया है।

इस अभियान को शुरू करते हुए, पर्यावरण विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अपने करीबी लोगों को 'प्यार का पौधा' उपहार स्वरूप प्रदान करें क्योंकि यह सालों तक जीवित रहेगा और इस उद्देश्य के लिए पटना में पौधों के स्टाल भी लगाए गए हैं। यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य राज्य में वृक्षारोपण की प्रथा को बढ़ावा देना है।

### नीति आयोग ने सतत विकास लक्ष्य (SDG) भारत और डैशबोर्ड 2019 जारी किया

सरकारी थिंक टैंक (प्रबुद्ध मंडल) नीति आयोग ने नई दिल्ली में वर्ष 2019 के लिए सतत विकास लक्ष्य भारत सूचकांक और डैशबोर्ड का दूसरा संस्करण जारी किया है। सूचकांक 2030 सतत विकास लक्ष्य सूचकांक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा की गई प्रगति का व्यापक रूप से उल्लेख करता है। इस सूचकांक में केरल ने 70 अंकों के साथ समग्र सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में प्रथम स्थान हासिल किया, उसके बाद हिमाचल प्रदेश 69 अंकों के स्थान दुसरे स्थान पर रहा। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु 67 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जबकि बिहार नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य भारत सूचकांक के निचले पायदान पर रहा।

**पीएम नरेंद्र मोदी और नेपाली पीएम खड्ग प्रसाद शर्मा ओली ने संयुक्त रूप से जोगबनी - बिराटनगर में दूसरी एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन किया**  
भारतीय प्रधानमंत्री (पीएम) श्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री खड्ग प्रसाद शर्मा ओली के साथ संयुक्त रूप से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दूसरी एकीकृत चेक पोस्ट

(ICP) जोगबनी (बिहार, भारत) – बिराटनगर (नेपाल) का उद्घाटन किया। जोगबनी – बिराटनगर दो राष्ट्रों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार बिंदु के रूप में कार्य करता है और आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

### **ग्लोबल बिहार एक्सीलेंस अवार्ड 2019 से सम्मानित हुए पीयूष जायसवाल**

यह पुरस्कार सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तीकरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को पेश करने के लिए पीयूष जायसवाल के योगदान को सम्मानित करने हेतु दिया गया। यह पुरस्कार राज्यसभा सांसद और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. सीपी ठाकुर और बिहार महिला आयोग की अध्यक्ष दिलमणि देवी द्वारा महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए पटना में दिया गया।

### **कन्हैया कुमार और प्रशांत किशोर पीपल टू वाच फोर्ब्स इंडिया 2020 की 20 लोगों की सूची में शामिल**

कन्हैया कुमार को सूची में 12वां स्थान मिला है जबकि प्रशांत किशोर 16वें स्थान पर रहे। प्रशांत किशोर जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं जबकि कन्हैया कुमार जवाहरलाल नेहरू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। भारतीय मूल के अमेरिका में पैदा हुए राजनीतिक टिप्पणीकार हसन मिन्हाज पहले स्थान पर हैं जबकि केनया के मैराथन धावक एलियुड किपचोगे 20वें स्थान पर रहे।

### **बिहार में बना पहला कछुआ पुनर्वास केंद्र**

जनवरी 2020 में बिहार के भागलपुर वन प्रभाग में मीठे पानी के कछुओं के लिए पहले पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया गया। आधा हेक्टेयर में फैला हुआ यह पुनर्वास केंद्र एक समय में 500 कछुओं को आश्रय दे सकेगा।

कछुए नदी में मृत कार्बनिक पदार्थों और रोगग्रस्त मछलियों की सफाई करके, मछली की आबादी को शिकारियों के रूप में नियंत्रित करने और जलीय पौधों और घास को नियंत्रित करके नदी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें स्वस्थ जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के संकेतक के रूप में भी वर्णित किया गया है। कछुए मुख्य रूप से भोजन और तेजी से बढ़ता पालतू व्यापार जैसे दो कारणों से खतरे में आ गए हैं।

### **नीतीश कुमार ने अपनी 'जल-जीवन हरियाली' यात्रा के भाग के रूप में**

### **शुओहर जिले में 137 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की शुरुआत की**

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुओहर में कलेक्ट्रेट ग्राउंड में 'जागरूकता सम्मेलन' के दौरान रिमोट कंट्रोल के माध्यम से 137 करोड़ रुपये की कुल 167 विकास योजनाओं का शुभारंभ किया। सम्मेलन को उनकी 'जल-जीवन-हरियाली' यात्रा के चौथे चरण के भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'जल-जीवन-हरियाली' अभियान पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

## राज्य तैयार होगी जनसंख्या नियंत्रण नई नीति

देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक बिहार में नई जनसंख्या-नियंत्रण नीति की शुरुआत होगी।

नई नीति का उद्देश्य इंजेक्शन योग्य गर्भ निरोधकों के उपयोग को बढ़ाना, पुरुषों और महिलाओं के बीच अधिक जागरूकता पैदान करना विशेष रूप से उच्च विद्यालयों और कॉलेजों में युवा महिलाओं में जनसंख्या नियंत्रण और गर्भ निरोधकों के उपयोग के बारे में, मौजूदा चिकित्सा त्योंहारों का विस्तार करना आदि शामिल हैं।

जुलाई 2018 में बिहार सरकार ने अंतरा नामक एक गर्भनिरोधक को पेश किया, जो तीन महीने तक गर्भधारण को अवरूध कर सकता है। यह राज्य के हर स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त में उपलब्ध कराया गया था।

## शिव दास मीणा पीएमआरसी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त

श्री शिव दास मीणा ने बिहार में पटना मेट्रो रेल परियोजना को लागू करने के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) पटना मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड (पीएमआरसी) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया।

वह तमिलनाडु कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MOHUA) में अतिरिक्त सचिव और सीवीओ हैं, मीणा ने 14 दिसंबर, 2019 को अध्यक्ष, पीएमआरसी का पदभार संभाला।

## पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति संजय करोल

बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने राजभवन में न्यायमूर्ति संजय करोल को राज्य के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। पटना उच्च न्यायालय बिहार राज्य का उच्च न्यायालय है, जिसे 03 फरवरी, 1916 को स्थापित किया गया था और बाद में भारत सरकार अधिनियम 1915 के तहत संबद्ध कर दिया गया था।

## मनीषा कुलश्रेष्ठ 'स्वप्नाश' उपन्यास के लिए 2018 के बिहारी पुरस्कार से सम्मानित

यह पुरस्कार के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा पिछले 10 वर्षों में प्रकाशित हिंदी या राजस्थानी में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजस्थानी मूल के लेखकों को दिया जाता है। पुरस्कार प्रसिद्ध हिंदी कवि बिहारी (बिहारी लाल चौबे) के नाम पर है इसमें 2.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और एक फलक प्रदान किया जाता है।

## राजगीर में भगवान बुद्ध की 70 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के राजगीर में भगवान बुद्ध की 70 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। यह देश में बुद्ध की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा है। मूर्ति को घोरा कटोरा झील के बीच में 16 मीटर के दायरे में स्थापित किया गया है और इसे 45,000 घन फुट गुलाबी बलुआ पत्थर से बनाया गया है।

## पटना में 15 साल पुराने व्यावसायिक वाहनों प्रतिबंध

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए पर्याप्त उपाय करने में नाकाम रहने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकारों पर भारी। जुर्माना लगाने की बात कहने के कुछ घंटों बाद बिहार सरकार ने पटना में 15 साल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। निजी वाहन मालिकों को छूट देते हुए, सरकार ने 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को अनुमति देने का निर्णय लिया है, क्योंकि वे प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र करते हैं।

## भारत के न्याय स्तर में सबसे नीचे उत्तर प्रदेश, बिहार

टाटा ट्रस्ट्स 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' नाम से एक अध्ययन प्रकाशित किया है। इस रिपोर्ट के द्वारा में देश भर में न्याय प्रणाली का एक सूचकांक विकसित किया गया है, जिसमें चार पैरामीटर पुलिस, जेल, न्यायपालिका और कानूनी सहायता का इस्तेमाल किया गया। देश के 18 बड़े राज्यों के आकलन से ज्ञात हुआ है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भारत की सबसे खराब न्याय व्यवस्था है। उत्तर प्रदेश में सबसे नीचे 18वें और बिहार 17वें स्थान पर था।

## बिहार में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में सबसे अधिक तीव्र श्वसन संक्रमण

बिहार में सितंबर 2018 और जून 2019 के बीच पांच उच्च घनत्व वाले राज्यों में पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में तीव्र श्वसन संक्रमण की सबसे अधिक व्यापकता दर्ज की गई। "भारत में निमोनिया का स्थिति विश्लेषण" रिपोर्ट के अनुसार-पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में तीव्र श्वसन संक्रमण का प्रसार बिहार में 18.2 प्रतिशत था, इसके बाद उत्तर प्रदेश (15.9 प्रतिशत), झारखंड (12.8 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (11.6 प्रतिशत) और राजस्थान (8.4 प्रतिशत) में था। बचपन में होने वाले निमोनिया के लिए घरेलू वायु प्रदूषण महत्वपूर्ण जोखिम कारक के रूप में उभरा।

## गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का 74 साल की उम्र में निधन

40वें साल की उम्र से मानसिक विकार सिजोफ्रेनिया से पीड़ित थे। उन्हें अल्बर्ट आइंस्टीन के सिद्धांतों को चुनौती देने के लिए जाना जाता था। प्रसिद्ध गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का 74 वर्ष की आयु में पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में निधन हो गया।

## खुला भारत का पहला खादी मॉल

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने राज्य की राजधानी में देश के पहले खादी मॉल का औपचारिक उद्घाटन किया। चार मंजिला, मॉल, जो देश में खादी वस्तुओं का सबसे बड़ा स्टोर है, राज्य सरकार के उद्योग भवन के पास ऐतिहासिक गांधी मैदान के पूर्वी किनारे पर स्थित है।

## बिहार ने 'स्वच्छ भारत अभियान' श्रेणी में IITF में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में दो सप्ताह के भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) में बिहार पवेलियन ने लगातार दूसरे वर्ष 'स्वच्छ भारत अभियान' श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया।

मंडप पर बिक्री और प्रदर्शन पर विभिन्न देशी कलाकृतियाँ थीं, जिनमें सिक्की, टेराकोटा और मधुबनी पेंटिंग शामिल थीं। मेले में राज्य के मंडप में 46 स्टॉलों पर भागलपुरी

सिल्क और हाथ से बने बांस, नारियल के खोल और उपेंद्र महारथी संस्थान की कांस्य वस्तुएं भी बिक्री के लिए थी। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें भारत के राज्यों के साथ-साथ दुनिया भर के व्यापारी भाग लेते हैं।

## स्कूल शिक्षा

नीति आयोग को स्कूल शिक्षा क्षेत्र में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक (SEI) जारी किया। समान तुलना को सुगम बनाने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़े राज्यों, छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बड़े राज्यों की श्रेणी में, शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले राज्य केरल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात और असम हैं। नीति आयोग द्वारा जारी 'विद्यालय शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक' (SEI) रिपोर्ट में बिहार 19वें स्थान पर है तथा पड़ोसी राज्य झारखंड ने अंतिम स्थान हासिल किया है। सोमवार को जारी की गई रैंकिंग ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (UTs) का मूल्यांकन दो श्रेणियाँ - परिणामों और शासन प्रक्रिया सहायता परिणामों के आधार पर किया। मणिपुर ने छोटे राज्यों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है तथा इसके बाद त्रिपुरा और गोवा का स्थान है।

## दरभंगा में स्थापित होगा पहला तैरता हुआ सौर ऊर्जा संयंत्र

'तालाबों के शहर' के नाम से मशहूर, दरभंगा में जल्द ही राज्य का पहला तैरता हुआ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। 2 मेगावाट क्षमता कि ग्रिड से जुड़ी तैरती सौर ऊर्जा परियोजना बिहार अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (BREDA) की एक पहल है।

## बाघ अभयारण्य के लिए किया गया कैमूर के जंगलों का चयन

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) में बाघों की बढ़ती संख्या को देखने के बाद, बिहार सरकार ने कैमूर के जंगलों में दूसरा बाघ अभयारण्य विकसित करने की योजना तैयार की है।

वन अधिकारियों ने कहा कि कैमूर को दूसरे बाघ अभयारण्य के रूप में विकसित करने की पहली पहल कई बाघों और क्षेत्र में उनके पैरों के निशान देखने के बाद की गई थी। उनके पैरों के चिहनों गिनने के पश्चात् की संख्या को प्रस्ताव को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भेजा जाएगा।

## जल पुरुष राजिंद्र सिंह ने बिहार में गया तालाब को गोद लिया

जल संरक्षणवादी और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजिंद्र सिंह ने गया शहर के पूर्वी इलाके में रसलपुर तालाब को गोद लिया है। रसलपुर गया जिले के सबसे बड़े जल निकायों में से एक हुआ करता था। 10 एकड़ में फैले इस तालाब में स्थानीय भाषा में 'पेड़न' नामक लगभग आधा दर्जन चैनलों के माध्यम से पानी के पुनर्भरण के साथ-साथ सिंचाई का स्रोत रहा था। राजिंद्र सिंह ने जल संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अधिकारियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ 8 कि.मी. लंबी 'जल यात्रा' निकाली। यात्रा विष्णुपद मंदिर के पास सीता कुंड से शुरू हुई थी।

